# REVISTA PĂDURILOR

ORGANUL SOCIETĂȚII „PROGRESUL SILVIC"

R E V I S T A  P Ă D U R I L O R
PROPRIETATEA SOCIETĂŢII „PROGRESUL SILVIC"
Redactor responsabil: Prof. V. N. STINGHE
Inscrisă în Registrul de publicaţiuni periodice de pe lângă Tribunalul Ilfov S. I comercială, sub No. 56/938.
Redacţia şi Administraţia: Bulevardul Take Ionescu Nr. 31, — Bucureşti

ANUL 52, Nr. 6. IUNIE 1940

# SUMARUL:

*Studii:*



*Comentarii — Insemnări:*



SOMMAIRE:

*Études:*



*Commentaires:*



INHALT:

*Abhandlungen:*



*Mitteilungen:*

# S T U D I I

## TEORIA ERORILOR ŞI VERIFICAREA EI ASUPRA FENOMENELOR SILVICE

de Ing. TITUS PETRESCU (BOZOVICI)

(II)

### Omogenitatea arboretelor din punctul de vedere al volumului.

In cele ce urmează voiu studia omogenitatea unei păduri regulate din punctul de vedere al volumului lemnos.

Pentru aceasta voiu aplica aceleaşi principii matematice pe cari le-am expus într'un articol anterior [1]).

Exemplul l-am luat din ocolul silvic Bozovici pădurea Gura Golumbului-Sest expropriată pentru islaz comunal.

Din această pădure s'au ales parcelele 1, 2, 3, şi 5 cu arborete asemănătoare şi cu un volum la hectar aproximativ egal. Suprafaţa totală a porţiunei studiate este de 502 Ha pădure în vârstă de peste 100 de ani, în care nu s'au făcut exploatări regulate ci numai extracţiuni de mică importanţă. Starea de vegetaţie a arboretului este puţin activă existând în pădure un procent însemnat de deperisanţi.

Această suprafaţă a fost parcursă cu 107 locuri de încercare de 50 m/50 m, adică de 0,25 Ha. Locurile de încercare au fost uniform repartizate pe întreaga suprafaţă a porţiunei studiate în aşa fel ca fiecare loc de încercare să reprezinte ca volum, pe unitatea de suprafaţă, media volumului porţiunei din jur. In felul acesta s'au parcurs $107 \times 0,25 = 26,75$ Ha, adică 5,3% din suprafaţa totală a porţiunei studiate.

Pentru calculul volumului dintr'un loc de încercare s'a întrebuinţat procedeul arborelui mediu al arboretului, doborându-se un singur arbore pentru fiecare loc de încercare. Rezultatele obţinute pentru cele 107 locuri de încercare sunt trecute în tabloul următor.

---

1) Titus Petrescu: Teoria erorilor şi verificarea ei asupra fenomenelor silvice. Rev. Păd. Nr. 3/940, pag. 145.

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| No. crt. | No. arborilor din locul de încercare | Suprafaţa terieră | | Diam. mediu | Volumul | |
| | | Totală | medie | | arborelui mediu | Total pe locul de încercare |
| | no. | mp. | mp. | cm. | mc. | mc. |
| 53 | 55 | 7,624 | 0,138 | 42 | 2,247 | 123,800 |
| 54 | 44 | 6,430 | 0,146 | 43 | 2,135 | 93.850 |
| 55 | 70 | 6,747 | 0,096 | 35 | 1,283 | 89.950 |
| 56 | 69 | 7,747 | 0,112 | 38 | 1,433 | 98.990 |
| 57 | 69 | 6,182 | 0,089 | 34 | 1,155 | 79.700 |
| 58 | 75 | 8,789 | 0,117 | 39 | 1,644 | 123,350 |
| 59 | 42 | 3,799 | 0,090 | 34 | 0,743 | 31.200 |
| 60 | 63 | 5,349 | 0,084 | 33 | 0,906 | 57,050 |
| 1 | 117 | 7,606 | 0,065 | 29 | 0,969 | 113,200 |
| 2 | 86 | 8,599 | 0,107 | 37 | 1,386 | 117,990 |
| 3 | 104 | 7,277 | 0,069 | 30 | 0,808 | 84,000 |
| 4 | 88 | 11,300 | 0,129 | 41 | 2,162 | 190,800 |
| 5 | 19 | 1,192 | 0,024 | 18 | 0,210 | 10.600 |
| 6 | 46 | 1,523 | 0,096 | 35 | 0,832 | 38,250 |
| 7 | 63 | 10,634 | 0,169 | 46 | 2,569 | 162,000 |
| 8 | 75 | 6,512 | 0,086 | 33 | 1,143 | 85,950 |
| 9 | 54 | 8,103 | 0,150 | 44 | 2,296 | 123.800 |
| 70 | 83 | 3,516 | 0,102 | 36 | 1,436 | 119,050 |
| 1 | 72 | 11,520 | 0,160 | 45 | 1,828 | 130,150 |
| 2 | 73 | 4,149 | 0,056 | 27 | 0,560 | 40,950 |
| 3 | 98 | 7,276 | 0,074 | 31 | 1,003 | 98,294 |
| 4 | 91 | 5,433 | 0,060 | 23 | 0,546 | 49,980 |
| 5 | 100 | 2,123 | 0,021 | 16 | 0,110 | 11,000 |
| 6 | 79 | 2,101 | 0,026 | 18 | 0,168 | 13,280 |
| 7 | 61 | 6,186 | 0,101 | 36 | 1,158 | 70,600 |
| 8 | 36 | 9,881 | 0,114 | 38 | 1,612 | 138.850 |
| 9 | 84 | 8.725 | 0,103 | 36 | 1,378 | 115.800 |
| 80 | 70 | 5,547 | 0,079 | 32 | 0.837 | 58,600 |
| 1 | 90 | 4,782 | 0,053 | 26 | 0,467 | 42,000 |
| 2 | 69 | 3,305 | 0.051 | 26 | 0.588 | 40,550 |
| 3 | 74 | 6,284 | 0,085 | 33 | 1,025 | 75.900 |
| 4 | 48 | 6,452 | 0,134 | 41 | 2,626 | 126,200 |
| 5 | 83 | 4,091 | 0,049 | 25 | 0,457 | 37,980 |
| 6 | 65 | 5,485 | 0.084 | 33 | 1,007 | 65.040 |
| 7 | 60 | 7,374 | 0,123 | 40 | 1,518 | 91.100 |
| 8 | 76 | 3,707 | 0.048 | 25 | 0,464 | 35,250 |
| 9 | 92 | 6,333 | 0,069 | 30 | 0,759 | 69,850 |
| 90 | 58 | 8,010 | 0,138 | 42 | 1,836 | 106,450 |
| 1 | 52 | 7,673 | 0,147 | 43 | 1,973 | 102,900 |
| 2 | 58 | 7,705 | 0,132 | 41 | 1,848 | 107,150 |
| 3 | 76 | 6,932 | 0,091 | 34 | 1,281 | 97,450 |
| 4 | 61 | 7,767 | 0,127 | 40 | 1,411 | 86,100 |
| 5 | 92 | 8,281 | 0,090 | 34 | 1.033 | 92,300 |
| 6 | 55 | 6.700 | 0,121 | 39 | 1,534 | 84.450 |
| 7 | 55 | 6.935 | 0.126 | 40 | 1,704 | 93,750 |
| 8 | 84 | 4.870 | 0,058 | 27 | 0,716 | 60,200 |
| 9 | 51 | 7,315 | 0,143 | 43 | 1,959 | 100,000 |
| 100 | 33 | 6,065 | 0.159 | 45 | 2,421 | 92,050 |
| 1 | 51 | 5,311 | 0,104 | 36 | 1,356 | 69,100 |
| 2 | 71 | 4.030 | 0,057 | 27 | 0,549 | 39,000 |
| 3 | 40 | 5,706 | 0.142 | 43 | 2,026 | 81,150 |
| 4 | 75 | 8,208 | 0,110 | 38 | 1,587 | 119.950 |
| 5 | 55 | 7,239 | 0.131 | 41 | 2,072 | 113.950 |
| 6 | 61 | 6.591 | 0.103 | 37 | 1,567 | 95,500 |
| 7 | 81 | 9,306 | 0,117 | 39 | 1,580 | 120,000 |

Ca urmare a acestor calcule avem în tablou (col. 7) volumele pentru fiecare loc de încercare.

La prima vedere aceste 107 volume par a nu fi legate între ele de nici-o lege, nici în ceiace privește mărimea lor nici în ceiace privește numărul lor cuprins în diferite categorii.

Dar luând aceste cifre cari reprezintă cele 107 volume și grupându-le în ordinea crescândă, iar pe de altă parte calculând mijlocia aritmetică a volumelor avem:

$$8.394,325 : 107 = 78,45 \text{ mc}$$

Față de această medie pe care o considerăm ca origină, grupând cele 107 volume în clase de câte 20 mc rezultă tabloul următor: (No. 2 col. 1, 2, 3).

După această operație calculăm volumele medii pe aceste clase (col. 4).

Diferențele dintre volumele medii pe clase și între volumul mediu de 78,45 mc pot fi privite ca erori (col. 5), întrucât volumul obținut pentru fiecare loc de încercare poate fi considerat prin înmulțirea lui cu raportul suprafeței totale la suprafața locului de încercare ca o măsurătoare efectuată asupra volumului total; iar numărul erorilor din aceiaș clasă este egal cu numărul locurilor de încercare cuprins în această clasă (col. 2). Bine înțeles erorile sunt pozitive pentru clasele cu mediile mai mari decât 78,45 mc și sunt negative pentru clasele cu mediile mai mici decât această cifră.

Un prim rezultat al grupărilor îl avem în tabloul următor (tabl. No. 3, col. 1, 2, 3, 4).

Din acest tablou observăm că:

1. Erorile sunt cuprinse între două limite fixe — 80 mc și +80 mc afară de 3 cari sunt în afara acestui interval.

2. Avem tot atâtea erori pozitive cât și negative, numărul erorilor pozitive fiind 54 iar a celor negative 53.

3. Erorile nu sunt egal repartizate, cele mai mici fiind cele mai numeroase.

Totodată observăm că pentru acelaș interval erorile negative cu cele pozitive nu sunt egale ca număr, fapt care nu va influența asupra rezultatelor întrucât în calcule nu are importanță semnul erorii ci numai mărimea ei.

Suma erorilor pe clase, independent de semn, urmează o anumită lege. Pentru a dovedi aceasta să calculăm acum pro-

## Tabloul 2.

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| Interval | n | V | Vm | ε |
| | no. | mc | mc | mc |
| 0—18,45 | 1 | 10,600 | | |
| | 1 | 11,000 | | |
| | 1 | 13,280 | | |
| | 3 | 34,880 | 11,627 | —66,824 |
| 18,45—38,45 | 1 | 20,889 | | |
| | 1 | 25,668 | | |
| | 1 | 29,889 | | |
| | 1 | 31,200 | | |
| | 1 | 35,250 | | |
| | 1 | 37,980 | | |
| | 1 | 38,250 | | |
| | 1 | 38,352 | | |
| | 8 | 257,478 | 32,185 | —46,266 |
| 38,45—58,45 | 1 | 38,960 | | |
| | 1 | 39,000 | | |
| | 1 | 40,150 | | |
| | 1 | 40,050 | | |
| | 1 | 40,975 | | |
| | 1 | 42,000 | | |
| | 1 | 42,336 | | |
| | 1 | 43,273 | | |
| | 1 | 45,600 | | |
| | 1 | 47,504 | | |
| | 1 | 49,980 | | |
| | 1 | 50,552 | | |
| | 1 | 51,310 | | |
| | 1 | 51,935 | | |
| | 1 | 52,857 | | |
| | 1 | 53,103 | | |
| | 1 | 53,557 | | |
| | 1 | 54,578 | | |
| | 1 | 54,636 | | |
| | 1 | 57,050 | | |
| | 1 | 58,112 | | |
| | 21 | 1.008,478 | 48,023 | —30,428 |
| 58,45—78,45 | 1 | 59,600 | | |
| | 1 | 60,200 | | |
| | 1 | 60,268 | | |
| | 1 | 61,128 | | |
| | 1 | 62,650 | | |
| | 1 | 62,104 | | |
| | 1 | 64,135 | | |
| | 1 | 65,040 | | |
| | 1 | 68,469 | | |
| | 1 | 68,894 | | |
| | 1 | 69,100 | | |
| | 1 | 69,850 | | |
| | 1 | 70,299 | | |
| | 1 | 70,600 | | |
| | 1 | 72,540 | | |
| | 1 | 72,541 | | |
| | 1 | 74,085 | | |
| | 1 | 75,222 | | |
| | 1 | 75,423 | | |
| | 1 | 75,900 | | |
| | 1 | 76,006 | | |
| | 21 | 1.433,974 | 68,284 | —10,167 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| Interval | n | V | Vm | ε |
| | no. | mc | mc | mc |
| 78,45—98,45 | 1 | 78,364 | | |
| | 1 | 79,624 | | |
| | 1 | 79,700 | | |
| | 1 | 80,592 | | |
| | 1 | 81,150 | | |
| | 1 | 82,270 | | |
| | 1 | 83,028 | | |
| | 1 | 83,472 | | |
| | 1 | 83,937 | | |
| | 1 | 84,000 | | |
| | 1 | 84,450 | | |
| | 1 | 84,870 | | |
| | 1 | 85,950 | | |
| | 1 | 86,100 | | |
| | 1 | 89,700 | | |
| | 1 | 89,950 | | |
| | 1 | 90,118 | | |
| | 1 | 91,100 | | |
| | 1 | 92,050 | | |
| | 1 | 92,164 | | |
| | 1 | 92,300 | | |
| | 1 | 93,750 | | |
| | 1 | 93,850 | | |
| | 1 | 95,347 | | |
| | 1 | 95,450 | | |
| | 1 | 95,500 | | |
| | 1 | 96,425 | | |
| | 1 | 97,450 | | |
| | 1 | 98,294 | | |
| | 29 | 2.561,455 | 83,326 | +9,375 |
| 98,45—118,45 | 1 | 98,995 | | |
| | 1 | 100,000 | | |
| | 1 | 102,900 | | |
| | 1 | 104,580 | | |
| | 1 | 106,450 | | |
| | 1 | 107,150 | | |
| | 1 | 111,990 | | |
| | 1 | 113,200 | | |
| | 1 | 113,300 | | |
| | 1 | 113,950 | | |
| | 1 | 115,600 | | |
| | 11 | 1.188,315 | 100,028 | +29,577 |
| 113,45—138,45 | 1 | 118,950 | | |
| | 1 | 119,050 | | |
| | 1 | 120,000 | | |
| | 1 | 123,350 | | |
| | 1 | 123,300 | | |
| | 1 | 123,800 | | |
| | 1 | 126,000 | | |
| | 1 | 126,000 | | |
| | 1 | 130,150 | | |
| | 1 | 133,490 | | |
| | 10 | 1.244,590 | 124,459 | +46,008 |
| 138,45—158,45 | 1 | 138,850 | 138,850 | +60,399 |
| peste 158,45 | 1 | 162,000 | | |
| | 1 | 173,505 | | |
| | 1 | 190,800 | | |
| | 3 | 526,305 | 175,435 | +96,984 |

Tabloul 3.

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---|---|---|---|
| In intervalul | Numărul erorilor | | | Probabilitatea |
| | + | — | Total | |
| 0—20 | 29 | 21 | 50 | 50 : 107=0,467 |
| 20—40 | 11 | 21 | 32 | 32 : 107=0,299 |
| 40—60 | 10 | 8 | 18 | 18 : 107=0,169 |
| 60—80 | 1 | 3 | 4 | 4 : 107=0,037 |
| >80 | 3 | — | 3 | 3 : 107=0,028 |
| Total | 54 | 53 | 107 | 107 : 107=1,000 |

babilitatea prezenţei erorilor de diferite mărimi în aceste intervale (tabloul No. 3, col. 5).

Dacă reprezentăm grafic variaţia probabilităţii erorilor, luând pe axa x-lor deoparte şi de alta intervalele dela 0 la 80 iar pe axa y-lor să reprezentăm probabilităţile prezenţei erorilor

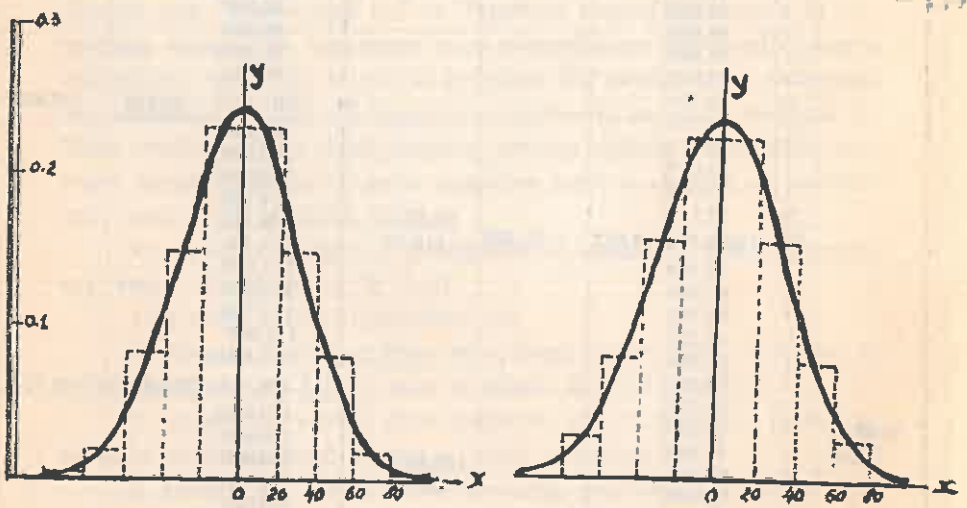


*Curba reală* *Curba teoretică*

din aceste intervale, obţinem curba variaţiei acestor probabilităţi, care se trasează după procedeul cunoscut (curba reală, în stânga). Alături de această curbă am aşezat şi curba teoretică (în dreapta) care rezultă din calcule, pentru a le putea compara între ele.

*

In cele ce urmează vom aplica tabelele de probabilităţi; pentru aceasta dăm mai jos un extras din aceste tabele: (tabloul No. 4).

Tabloul 4.

$$p = \frac{2}{\sqrt{\pi}} \int_0 e^{-t^2} dt$$

| K/η | P | Dif. | K/η | P | Dif |
|---|---|---|---|---|---|
| 0.83 | 0.42440 | | 2.67 | 92828 | |
| 0.84 | 42899 | 459 | 2.68 | 92934 | 106 |
| 0.89 | 45169 | | 2.70 | 93141 | |
| 0.90 | 45618 | 449 | 2.71 | 93243 | 102 |
| 1.35 | 63747 | | 3.33 | 97530 | |
| 1.36 | 64102 | 355 | 3.34 | 97573 | 43 |
| 1.66 | 73714 | | 3.50 | 98176 | |
| 1.67 | 74000 | 286 | 3.60 | 98482 | 306 |
| 1.78 | 77009 | | 4.00 | 99302 | |
| 1.79 | 77270 | 261 | 4.10 | 99431 | 129 |
| 2.50 | 90825 | | 4.20 | 99539 | 108 |
| 2.51 | 90954 | 129 | ∞ | 1.00000 | |

Pentru a aplica tabelele de probabilităţi vom face o recapitulaţie a tabloului No. 2, calculând totodată valorile lui $\epsilon^2$ (col. 5) şi valorile lui $|\epsilon\epsilon| = n\epsilon^2$ (col. 6 din tabloul no. 5).

Tabloul 5.

| 1 | | 2 | 3 | 4 | | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Clasa volumelor | | n | Vm | ε | | $\epsilon^2$ | $\lvert\epsilon\epsilon\rvert = n\epsilon^2$ |
| | | | | + | — | | |
| Faţă de origina veche | Faţă de origina nouă | No. | mc | mc | mc | $mc^2$ | $mc^2$ |
| 0— 18.45 | /80—/60/ | 3 | 11,627 | — | 66,824 | 4.462 | 13.386 |
| 18.45— 38.45 | /60—/40/ | 8 | 32,185 | — | 46,266 | 2.144 | 17.152 |
| 38.45—58.45 | /40—/20/ | 21 | 48,023 | — | 30,428 | 924 | 19.404 |
| 58.45—78.45 | /20—/0/ | 21 | 68,284 | — | 10,167 | 103 | 2.163 |
| 78.45— 98.45 | 0—20 | 29 | 88,326 | 9,875 | — | 96 | 2.784 |
| 98.45—118.45 | 20—40 | 11 | 108,028 | 29,577 | — | 876 | 9.636 |
| 118.45—138.45 | 40—60 | 10 | 124,459 | 46,008 | — | 2.116 | 21.160 |
| 138.45—158.45 | 60—80 | 1 | 138,850 | 60,399 | — | 3.648 | 3.648 |
| Peste 158.45 | peste 80 | 3 | 175,435 | 96,984 | — | 9.390 | 28.170 |
| Total | | 107 | | | | | 117.503 |

Făcând suma $\Sigma|\epsilon\epsilon|$ putem calcula:

mijlocia erorilor $\epsilon_m = \sqrt{\frac{\Sigma|\epsilon\epsilon|}{n-1}} = \sqrt{\frac{117,503}{107-1}} = 33.30$ mc.

şi eroarea probabilă $\eta = 0,67449 \times \epsilon_m = 0,67 \times 33,30 = 22.46$ mc.

iar $K = 20,00$ mc.

şi deci raportul $\frac{K}{\eta} = \frac{20,00}{22,46} = 0,89047$

pentru primul interval avem argumentul 0,89047, pentru intervalele următoare se va înmulţi acest argument cu 2, 3 şi 4 (tabl. 6, col. 1, 2).

Tabloul 6.

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| K | $\frac{K}{\eta}$ | p | $\Delta p$ | $107 \times \Delta p$ | n | Diferenţa + | Diferenţa — |
| 0 | 0.00000 | — | — | — | — | — | — |
| 20 | 0.89047 | 0.45190 | 0.45190 | 48.35 | 50 | 1.65 | — |
| 40 | 1.78094 | 0.77034 | 0,31844 | 34.07 | 32 | — | 2.07 |
| 60 | 2.67141 | 0.92843 | 0,15809 | 16.92 | 18 | 1.08 | — |
| 80 | 3.56188 | 0.98366 | 0,05523 | 5.91 | 4 | — | 1.91 |
| Peste 80 | ∞ | 1.00000 | 0,01634 | 1.75 | 3 | 1.25 | — |
| Total | | | 1.00000 | 107.00 | 107 | | |

Din table se calculează valorile lui p pentru argumentele respective (coloana 3). Luând diferenţele dintre valorile succesive ale lui p (col. 4) avem probabilităţile teoretice corespunzătoare intervalelor respective (după cari s'a construit curba teoretică dela pag. 438). Aceste probabilităţi înmulţite cu 107 ne dau (col. 5) numărul teoretic al erorilor din aceste intervale.

Trecem alături numărul real al erorilor din intervale respective (col. 6) şi calculăm diferenţele (col. 7). Observăm că acordul între calcul şi realitate este perfect neavând diferenţe mai mari de 2,07, care reprezintă o nepotrivire numai de 1,93%.

In consecinţă volumul de pe suprafaţa ocupată de acest arboret se repartizează conform clopotului lui Gauss, forma diagramei fiind aceia dată în figura dela pag. 438. Menţionăm că din intreaga suprafaţă studiată nu s'a măsurat efectiv volumul decât pe 5,3% din totalul acestei suprafeţe şi cu toate acestea am ajuns la rezultate atât de precise.

In cazul când s'ar mări suprafaţa parcursă cu măsurătoa-

rea, rezultatele nu pot fi mai precise; tot ceiace putem obţine este numai că putem restrânge intervalele în aşa fel ca concluziile să rămână valabile şi pentru aceste intervale.

### Eroarea de temut asupra rezultatelor.

In altă ordine de idei, vom calcula eroarea de temut asupra rezultatelor din calculele anterioare.

Astfel am calculat mijlocia aritmetică a celor 107 volume care este de: 78,45 mc. Această cifră înmulţită cu 4 ne dă volumul la Ha pentru întregul arboret adică 313,80 mc. la Ha.

Aplicând formulele cunoscute din teoria erorilor să aflăm precizia acestui rezultat.

Pentru aceasta vom întrebuinţa formula următoare:

$$\epsilon_x = \frac{\epsilon_m}{\sqrt{n}}$$

In care $\epsilon_n$ este eroarea de temut asupra rezultatului.

$\epsilon_m$ mijlocia erorilor.

n numărul locurilor de încercare.

In cazul nostru avem:

$$\epsilon_x = \frac{33,30 \text{ mc.}}{\sqrt{107}} = \frac{33,30 \text{ mc.}}{10,35} = 3,217 \text{ mc.}$$

Iar la Ha. avem 3,217 mc.$\times$4 = 12,868 mc. adică 4,1%.

Aceasta este eroarea maximă de temut asupra rezultatului, nepotrivirea între realitate şi calcul nu poate fi mai mare decât această cifră.

In practică se întrebuinţează însă eroarea probabilă de temut asupra rezultatului ($\eta_x$) care se obţine din formula de mai sus în care se înlocueşte mijlocia erorilor $\epsilon_m$ cu eroarea probabilă $\eta$.

deci avem:

$$\eta_x = \frac{\eta}{\sqrt{n}} \text{ sau } \eta_x = 0.67449\ \epsilon_x$$

In care $\eta_x$ eroarea probabilă de temut

$\eta$ eroarea probabilă

n numărul locurilor de încercare.

Iar în cazul nostru

$$\eta_x = \frac{22,46 \text{ mc.}}{\sqrt{107}} = \frac{22,46 \text{ mc.}}{10,35} = 2,170 \text{ mc.}$$

la Ha. revine 2,17 mc.$\times$4 = 8,68 adică 2,8%.

Aceasta este nesiguranţa cu care s'a calculat mijlocia aritmetică. In cazul când s'ar mări numărul locurilor de încercare rezultatele obţinute ne-ar da o precizie mai mare.

Dar această aproximaţie este suficientă având în vedere că erorile sistematice rezultate prin întrebuinţarea diferitelor metode de cubaj sunt cuprinse tot în jurul lui 2%.

O precizie mai mare ar fi inutilă întrucât erorile accidentale ar fi şi aşa depăşite de erorile sistematice, precizia rezultatului rămânând aceiaş.

Intr'un articol viitor voiu studia variaţia diametrelor medii şi a suprafeţelor teriere ale celor 107 locuri de încercare şi voiu arăta că şi aceste elemente ale arboretului sunt supuse aceloraş legi ale teoriei erorilor.

*La théorie des erreurs et sa vérification sur les phénomènes forestiers*

*Die Fehlertheorie und ihre Anwendungen an die forstlichen Phänomenen.*

(II)

In einem regelmässigen Wald aus dem Forstamt Bozovici, hat Verfasser 107 Probeflächen je 0,25 ha angelegt und die Masse jeder Fläche mit Hilfe des Bestandsmittelstammes festgestellt. Er hat dann die Differenzen der Einzelwerte vom Mittelwert berechnet und die Streuung der Abweichungen untersucht. Die Abbildung auf Seite 438 (links) stellt die Frequenzkurve der Abweichungen dar. Diese Häufigkeitskurve ist der Gauss'schen Glockenkurve (S. 438 rechts) sehr ähnlich

# COMENTARII—INSEMNĂRI

## RECEPȚIA LEMNELOR DE FOC IN PARCHETE

de Ing. ION MOLDOVAN-JUNIOR
Zărnești (Brașov)

Realizarea lemnului de foc în majoritatea pădurilor noastre este una dintre cele mai simple și ușoare operațiuni de technică forestieră. Problema se complică numai atunci, când pădurea pusă 'n exploatare este situată pe pante repezi și este întretăiată de pârae înguste și înclinate, adică atunci când materialul lemnos așezat în figuri în parchet nu este accesibil cu nici un fel de vehicul. Atunci va trebui apropiat prin intermediul unei serii întregi de drumuri de alunecare; mijloace de transport, cari fac o considerabilă risipă de material și cărora suntem nevoiți a le sacrifica o oarecare parte din cantitatea lemnului fasonat luat în primire, ce se va pierde sub formă de rupturi, țăndăriri și descojiri, îngropări în pământ, arderi în vetrele din colibele muncitorești, etc. Dacă la toate acestea mai adăugăm uscarea și contragerea lemnului pân'la așteptarea sezonului de transport pe drumurile de alunecare, socotim că ne-am dat seama de toate genurile de pierderi, cărora este supus lemnul de foc dela data recepției până ce va fi adus prin mijloace arătate la un drum principal de transport (drum de car, cale ferată, apă de plutire, etc.).

Un singur fel de pierdere, a cărei existență ni se va înfățișa numai în depozitul de valorizare, expediție sau de păstrare a materialului lemnos, a rămas nerelevată. La noile așezări în figuri și noile inventarieri ce se fac de regulă în aceste depozite, ca etape finale ale lucrărilor de exploatare și transport, acest gen de pierdere se manifestă într'o lipsă surprinzătoare la volum, care nu poate fi nici decum justificată cu obicinuitele pierderi de transport expuse, ci numai cu diversitatea

factorilor de cubaj şi aşezare a figurilor din parchet şi a celor din depozit. Este un fel de pierdere de dată mai recentă, care nu este tratată în nici un manual sau agendă forestieră, fiindcă teoretic ea n'ar trebui să existe, cu toate că a luat fiinţă imediat după terminarea războiului mondial şi stărue să se menţină pe poziţie având tendinţe de permanetizare.

Singura cauză a acestei noi pierderi, care adeseori le egalează pe toate celelalte, este aşezarea nereglementară a bucăţilor de lemn în figurile din parchet. Aşezarea e anume ticluită de muncitori ca să rămână cât mai mari spaţii goale între lemne, cu scopul vădit de a forţa cât mai mulţi steri pentru recepţie şi a-şi înmulţi în consecinţă câştigul, având în vedere că plata se face la unitate de produse fasonate.

Deodată cu curentul democratic şi practicile demagogice de după război, a luat naştere şi acest fenomen din domeniul exploatărilor forestiere, care a trebuit să fie tolerat din cauza lipsei braţelor de muncă în raport cu volumul şi numărul excepţional de mare al pădurilor puse în exploatare astfel încât el a devenit un factor real, de care trebue să se ţină seamă. Este de notorietate publică în cercurile exploatatorilor de lemne de foc, că nu există adevăraţi „metrari", cari să nu uzeze de acest „sistem" al aşezării cât mai artificiale a lemnelor în figuri. Rarile excepţiuni cu figuri aşezate frumos, cu bucăţi de lemne puse „pachet-pachet" denotă — se zice, — că nu avem de a face cu muncitori de meserie, ci cu începători fără experienţă.

Un control sever, o supraveghere permanentă a lucrărilor şi mai ales o tenacitate îndărătnică în a da îndrumări muncitorilor în decursul operaţiunilor de clădire în figuri, în parchet va ameliora situaţia şi va diminua aceste lipsuri: definitiv nu le va mai putea însă elimina. Deaceea la redactarea oricărui calcul de rentabilitate va trebui luată în considerare această pierdere, care altfel ne poate rezerva surprize neplăcute.

Pentru acelaşi motiv în regiunea de munte, asupra cărei examinare insistăm mai ales, unde situaţia terenului impune un transport cu diferite feluri de scocuri şi cu mai multe descărcări, nu se poate da urmare recomandărilor făcute de cei mai mulţi autori de manuale şi studii de dendrometrie, ca să fie redusă supra-înălţarea figurilor din parchete la numai 10 cm, fiindcă atâta nu ajunge pentru acoperirea tuturor pierderilor ce pot veni dela figurile dintre „pari" până'n depozitele de desfacere.

Aici se impune menţinerea înălţimei de 1.20 ca indispensabilă pentru a putea face faţă tuturor necesităţilor.

Intemeem această aserţiune pe date statistice culese dintr'un parchet de 82 ha (Fundul Văii Stânii) cumpărat dela comuna Zârneşti (jud. Braşov) şi exploatat prin tăere rasă în anul 1927 după ce în anii precedenţi se scoseseră răşinoasele de pe aceeaşi suprafaţă. Recepţia definitivă în acest parchet a dat 12.360 steri aşezaţi cu 20 cm supraînălţare, după cum e obiceiul în această regiune. Lemnul a fost aruncat odată în capete şi descărcat în decursul transportului pe scocuri uscate şi în mare parte îngheţate de 3—4 ori pe distanţe variind între 2600—3500 m; apoi transportat cu vehicole ţărăneşti pe distanţă de 16 km la Zărneşti şi aşezat din nou în figuri de 3 m înălţime dând în total 12283 steri de câte 1 m înălţime. O pierdere deci de 20.6%.

Alte şi diferite sunt condiţiile de aşezare în depozite, unde înălţimea de 2—4 metri a figurilor pe cari muncitorii trebue să se şi urce exercitând o apăsare asupra lemnelor şi unde graba cu care trebue să se lucreze din cauza aglomeraţiei de material sosit pe decovile, vehicole, ape de plutire, etc. nu mai permite potriveli migăloase, nu mai dă loc la speculaţiuni interesate. Supravegherea însăşi poate fi exercitată cu mai mare eficacitate fiind vorba de cel mult 10—15 muncitori cari lucrează într'unul sau cel mult două puncte ale depozitului, nu de sute de muncitori cu mai multe zeci de şantiere de lucru împrăştiate pe întreaga suprafaţă a parchetului din pădure. Dealtfel cu preţul de lei 3—4 de ster pentru stivuit în depozit şi interesul muncitorilor de a specula este extrem de redus faţă de preţul unitar de lei 30—60 al lucrărilor din pădure. O serie întreagă de motive, cari justifică îndeajuns valoarea simţitor mai mare a factorului de cubaj din depozit în comparaţie cu cel al figurilor din parchet.

Bilanţul acesta de pierderi de proporţii atât de vaste ne obligă să ne ocupăm cât mai intensiv şi efectiv cu recepţia materialului lemnos în pădure, ca nu cumva să mai contribuim prin o tratare superficială a acestei chestiuni la creşterea lipsurilor semnalate, în loc ca să le micşorăm şi reducem la minimul posibil.

Deosebim două feluri de recepţii: una parţială şi una generală. Cea parţială este făcută de şeful de exploatare al par-

chetului şi de brigadierul în circumscripţia căruia se face exploatarea. Ea are ca obiect luarea în primire a lucrului prestat de singuraticele echipe de lucrători compuse din 2, cel mult 3 persoane, cari terminându-şi porţiunea de pădure angajată doresc să li se facă primirea în vederea decontării şi plăţii definitive. Recepţia generală este făcută de şeful Ocolului, şeful centrului de exploatare, şeful de regie, etc. sau de delegaţii lor, cu scopul de a face inventarierea generală a figurilor de metri steri de pe întreaga suprafaţă a parchetului exploatat, operând totodată şi o verificare a recepţiei parţiale.

Şeful de exploatare conduce efectiv lucrările pe teren fiind în această calitate responsabil pentru mersul întregei lucrări. El va trebui să fie orientat încă înainte de începerea recepţiei parţiale asupra calităţii lucrului prestat de fiecare echipă; va trebui să ştie cari sunt muncitorii recalcitranţi, cari n'au dat urmare instrucţiunilor sale cu privire la condiţiile de fasonare precum: lungimea şi grosimea despicăturilor, felul de tăere a crengilor, de aşezare în figuri, înălţimi în faţă şi în dos, îndepărtarea mertecilor strâmbi din figuri, etc.

Fiecare echipă trebue să aibă cazierul ei cuprinzând toate datele de interes. astfel ca în momentul când se începe recepţia să nu existe nici o necunoscută, care ar putea aduce prejudiţii proprietarului exploatator.

Ca instrumente este nevoe numai de un simplu metru, cu care să se poată verifica obicinuitul „băţ" sau „măsură" de doi metri ce se găseşte la 'ndemâna fiecărei echipe şi care dela un metru începând ne indică în mod vizibil şi distinct şi limita „supraînălţării" convenită şi crestată în continuarea lungimei de un metru dela baza băţului în aşa fel, încât se poate măsura direct şi înălţimea figurilor. Lungimea totală a acestei „măsuri" de doi metri se foloseşte deci pentru măsurarea lungimii figurilor, iar partea de jos a ei de 1,20 sau 1,30 ne indică înălţimea ce ar trebui să o aibă figurile de lemne.

Ambele operaţiuni se îndeplinesc de o singură persoană — în cazul de faţă de şeful de exploatare — care va da figurei, cu creion colorat, numărul curent al echipei şi alăturea un alt număr exprimând lungimea în metri întregi, având în vedere că fracţiunile de metri se neglijează. Va comunica totodată şefului echipei adică brigadierului lungimea figurei pentru ca aceasta să o poată introduce în carnetul de inventariere aflat asupra sa.

Inainte de înscrierea lungimei pe figură, şeful de exploatare va verifica în mai multe puncte, chiar şi în dosul figurei, înălţimile. apoi felul cum este aşezat lemnul. Dacă găseşte lipsuri, le va discuta cu şeful echipei care va hotărî dacă este cazul să se facă atunci la figura vizată scăderile corespunzătoare sau fiind prea mici se vor ţinea „la mână" până ce vor mai surveni şi altele cu cari împreună se va scădea unu sau mai mulţi metri steri din figura ce se găseşte în rând la inventariat. In acest caz lungimea scăzută se va despărţi de rest prin o dungă verticală trasă la capătul lungimei contată în carnet. Aşa, dacă din 5 metri se scade 1 metru, va fi trasă la capătul celui de al patrulea metru izolând astfel pe al cincilea scăzut. A treia persoană care trebuie să colaboreze la lucrările de inventariere este un muncitor din echipa interesată având însărcinarea de a însoţi pe şeful de exploatare şi a întoarce câte o bucată de lemn de-a-curmezişul fiecărei figuri luată în primire. Este cel mai practic semn, fiindcă este vizibil de departe şi serveşte de bună şi sigură orientare. Se va avea însă grijă, ca omul care execută această operaţiune să nu comită fraude în favoarea sa şi'n dauna exploatatorilor.

Intrebuinţarea ruletei la măsurarea lungimilor n'are absolut nici un temei, fiindcă cu plata celor doi băieţi ce o manipulează, se încarcă inutil bugetul fără a aduce vr'un folos remarcabil, decât o neînsemnată accelerare în mersul lucrărilor. Accelerarea o putem ajunge mai uşor şi într'o proporţie cu adevărat simţitoare, atunci când mai dăm şefului de echipă încă un pădurar instruit şi echipat cu o a doua „măsură" de lemn şi cretă colorată. Acesta, însoţit de un al doilea muncitor din echipa de lucru, va opera de sine stătător pentru acelaşi carnet însă, al cărui purtător va putea scrie fără efort după ambii măsurători de metri steri.

Problema scăderilor trebue tratată cu mult tact şi adese ori cu multă bunăvoinţă şi răbdare pentru a nu înăspri prea mult raporturile cu muncitorii, cari se arată de cele mai multe ori extrem de sensibili la orice reducere de cantităţi, ce li se face. O atitudine prea severă, orgolioasă şi necruţătoare a personalului stârneşte resenz şi ne poate face greutăţi la viitoarele angajamente de muncitori. Deaceea credem, că cu o supraveghere prealabilă recepţiei şi exercitată zi de zi cu neslăbită stăruinţă, facem neasemănat mai mult, decât cu o exagerată se-

veritate la recepţie. Numai atunci când cerbicia vr'unui muncitor nu se lasă înfrântă nici după aplicarea acestei metode de persuasiune se poate proceda fără cruţare la recepţie ţinând seamă de adevărul, că din metri steri ticluiţi cu meşteşug şi rea voinţă, niciodată nu se poate scădea atâta, cât s'ar cuveni, fără ca să suferim cât de cât daune.

Cu ocaziunea recepţiei generale, fiecărei figuri i se dă număr curent sau cu ciocanul numărător sau cu o cretă de altă culoare, decât ceea întrebuinţată la luarea în primire dela muncitori. Şeful Administraţiei se va ocupa mai mult de verificarea felului cum s'a făcut recepţia sub raport calitativ luând măsuri de îndreptare acolo unde i se pare, că s'au făcut greşeli la aprecierea lipsurilor şi la scăderile făcute şi marcate pe figuri cu dunga verticală amintită, adică luând dispoziţii ca în carnetul de inventariere să fie introduse alte date decât cele ce se găsesc scrise pe figuri reprezentând lungimile constatate cu ocaziunea recepţiei parţială, cari în cazul de faţă nu servesc decât spre orientare.

Cu toate că numerotarea cu ciocanul reclamă un om în plus, în Administraţii cu sistem de verificări şi inspecţii de control sau la inventarieri de mai multe mii de metri steri, nu este nemerit să renunţăm la el, fiindcă aceste numere dau o înfăţişare mai frumoasă întregei operaţiuni de inventariere şi inspiră mai multă încredere. Restul rechizitelor şi al personalului ca număr este acelaşi ca şi la recepţia parţială cu deosebirea că lucrătorul care face semnele pe figuri — de astă dată ridicând o a doua bucată de lemn cruciş pe cea existentă — va trebui angajat şi plătit de exploatator.

Când şeful unei administraţii forestiere particulare are nelimitată încredere în personalul care a făcut inventarierea parţială şi-o poate însuşi renunţând de a mai face una nouă sau face pe teren doar o verificare sumară a datelor introduse în carnetele de recepţie.

Dacă lucrarea a fost dată în antrepriză, nu este nevoe de inventariere parţială care în acest caz îl priveşte pe antreprenor. Şeful de exploatare va trebui să asiste numai, exprimându-şi punctul său de vedere sub formă de sfat şi însemnându-şi în carnetul său de serviciu cantităţile luate în primire de antreprenor însoţite de observaţiile sale personale în baza cărora se eliberează apoi avansurile pentru facerea plăţilor.

Lungimile figurilor se măsoară în direcţie orizontală, iar înălţimile în sens vertical; regulă care în parchete situate la şes sau pe terenuri cu pante dulci se poate îndeplini uşor. La fel şi pe pantele mai mari, atunci când obiectul inventarierii este compus din figuri mai scurte de cel mult 2 m lungime când măsurăm cu măsura de lemn şi cel mult 4 metri când ne folosim de ruletă.

Manualele de dendrometrie recomandă acelaşi procedeu de măsurare pentru orice configuraţie de teren dându-ne tot odată şi ample demonstraţiuni trigonometrice pentru a ne arăta exactitatea acestui fel de măsurătoare.

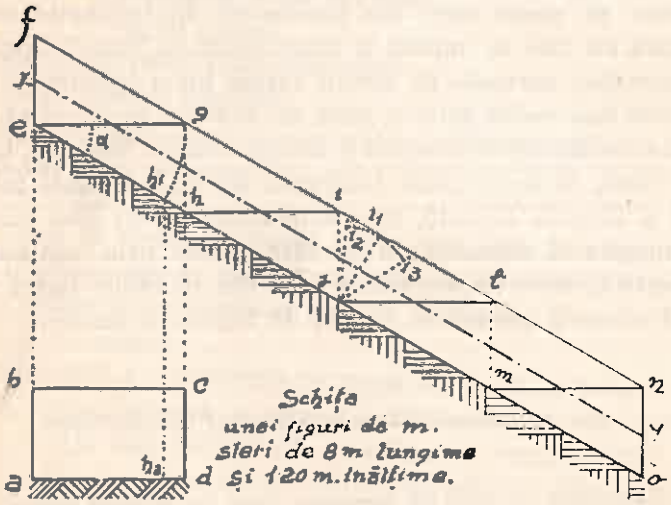


Pentruca figura e, f, g, h, să ne dea acelaşi volum ca şi proecţiunea ei orizontală, adică „abcd", lungimea ei trebue luată în sens orizontal, adică conform cu e, g, fiindcă dacă am lua-o paralel cu terenul am obţinea o valoare egală cu e, h dându-ne în proecţiune lungimea de a $h_2$, care este cu $h_2$ o mai mică decât ceea reglementară, fiindcă, e, $h_1$ este egal cu e, g, iar e, g fiind un catet din triunghiul e, g, h, este egal cu e, h cos α, valoare mai mică decât Ipotenuza, adecă e, h.

În practică acest fel de măsurătoare nu ne serveşte la nimic, pentrucă nu se poate aplica pe teren. Proecţiunea punctelor g, i, l şi n în punctele h, j, m şi o nu numai că constitue tot atâtea izvoare de erori, ci este şi o operaţie migăloasă, care întârzie lucrările şi stârneşte protestul muncitorilor datorită fap-

tului, că majoritatea lor nu înțelege acest joc al măsurei cu mutări de sus în jos și proecțiuni, al căror rost nu-l înțeleg și deci îi fac bănuitori.

Cu mult mai simplu și mai la mintea muncitorilor se poate face recepția măsurând lungimile paralel cu panta terenului în direcția lui x, y; în acest caz însă înălțimea nu se va mai măsura în sens vertical, ci normal pe pantă, adică pe direcția lungimii, fapt care derivă din forma de prizmă dreaptă a figurei de lemne, al cărei volum este egal cu suprafața bazei multiplicată cu înălțimea luată normal pe bază, adică în sensul lui j, i.

Este cel mai expeditiv și mai simplu sistem de măsurare a figurilor de metri steri din parchetele cu înclinație mai însemnată cu care se 'mpacă și muncitorimea. Numai la potrivirea direcției normale în sensul căreia luăm înălțimile trebue să avem mai multă grijă și până ne deprindem cu ea să o căutăm cu oscilațiuni în dreapta și stânga măsurei înspre j, $i_2$ și j, $i_3$ observând, că acolo unde înălțimea se va arăta mai mică am găsit și direcția căutată, care este sinonimă cu raza punctului de atingere al segmentului de cerc format prin oscilațiuni cu tangenta f, n, ce reprezintă și una din muchiile bazei mici a prizei ca corp geometric format de figura de lemne.

*Die Aufnahme des Brennholzes auf den Schlägen.*

*La réception du bois de chauffage dans les surfaces exploitées.*

L'auteur étudie la manière d'arranger dans les parquets le bois de chauffage en des figures métriques. Il accentue sur les procédés dolosifs des bûcherons et estime que pour éviter toute surprise, en dehors d'une surveillance continue, il faut imposer l'obligation d'un surhaussement qui peut aller jusqu'à 20 cm pour chaque stère.

# FABRICAREA EXTRACTELOR TANANTE DIN COAJĂ [1])

de Ing. ANDREI MĂLĂESCU
U. D. R. (Oravița)

Esențele forestiere din România a căror coajă formează o bună materie primă pentru extragerea de substanțe tanante, sunt:

Quercus pedunculata (stejarul propriu zis).
„ sessiflora (gorunul).
„ pubescens (tufă râioasă).
„ cerris (cerul).
Castanea vesca (castanul nobil).
Picea excelsa (molift).

In mod secundar s'ar mai putea exploata coaja de salcie, mesteacăn, brad și larice.

*

Coaja de stejar conține 3—20% substanțe tanante, putându-se produce din ea extracte lichide cu un conținut de 20—25% și solide cu un conținut de 56% substanțe tanante și 26% substanțe netanante.

Deosebim 4 sortimente de coajă de stejar și anume:

1. Coaja lucioasă a lemnului tânăr sub 10 cm grosime.

2. Coaja slab ritidomată, cu crăpături longitudinale, care se obține de pe prăjini de 10—12 cm grosime la vârsta de 20—35 ani.

3. Coaja grosolană (sgronțuroasă) curățită (cu stratul de ritidom îndepărtat) obținută de pe trunchiuri bătrâne.

4. Coaja grosolană necurățată (coaja brută de trunchiuri bătrâne, la care ritidomul n'a fost încă îndepărtat).

In general conținutul de substanțe tanante al coajei de stejar scade dela rădăcină până la vârf cu 3—5%.

In medie coaja lucioasă conține 16—20%, cea slab ritido-

---

1) A se vedea și articolele:
Andrei Mălăescu: Extractele tanante în industria pielăriei. „Rev. Păd." Nr. 3/940, pag. 186.
Idem: Fabricarea extractelor tanante din lemn. „Rev. Păd." Nr. 4/940, pag. 267.

mată 10—14%, coaja de pe trunchiuri bătrâne curăţită de ritidom 8—10%, iar cea necurăţită 5—8% substanţe tanante, în stare uscată la aer.

Conţinutul în substanţe tanante sporeşte până la epoca când începe a se forma ritidomul. La stejar şi gorun formarea ritidomului începe la 14—20 ani, iar la cer la 10 ani.

Coaja trunchiurilor şi crăcilor bătrâne se exploatează ca un produs secundar, nu ca un produs principal, cum se întâmplă la crângurile tratate special pentru obţinera coajei ca produs principal.

*

Arboretelor de stejar tratate în crâng, cu scopul de a recolta coaja ca produs principal, li se aplică o revoluţie medie de 20 ani.

Recoltarea scoarţei se face prin cojirea arborilor din care enumerăm:

S e c u r e a de cojit, cu care se fac incisiuni în scoarţă, iar cu muchia ei se bate coaja mai bătrână, pentru a se putea deslipi mai uşor de pe lemn.

C o s o r u l, un fel de cuţit special, care serveşte tot pentru executare de incisiuni în scoarţă.

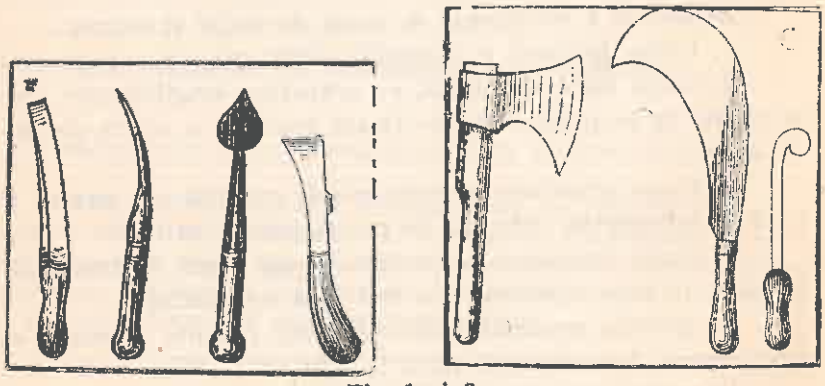

Fig. 1 şi 2.
(După Szécsi Zsigmond; desen de I. Ungureanu).

P a n a de descojit confecţionată din lemn tare, din os sau din fier.

Figurile 1 şi 2 ne înfăţişează întreaga gamă a uneltelor de descojit.

E p o c a c e a m a i i n d i c a t ă pentru descojirea scoarţei de pe lemnul tânăr de stejar verde, începe odată cu înmugurirea

arborilor, fiind optimă în lunile Mai şi Iunie, când seva zonei cambiale este mai abundentă. Un alt avantaj al descojirei timpurii îl constitue faptul că lăstarii daţi din tulpinele arborilor tăiaţi în acest scop au timp suficient pentru a se lignifica până toamna.

Vremea constitue un factor important pentru operaţiunea de descojire a scoarţei. De obicei descojirea se face pe timp liniştit, într'o atmosferă umedă, în timpul unor stropi de ploaie caldă, dimineaţa şi seara. Stejarul se descojeşte cu 10 zile mai devreme ca gorunul. Deasemenea prăjinele grose se pot descoji mai devreme ca cele mai subţiri. Scoarţa de gorun se deslipeşte de pe lemn mai uşor ca cea de stejar. Descojirea se poate executa la nevoie şi iarna, însă în acest caz lemnele tăiate în acest scop se aburesc în prealabil, deoarec altfel scoarţa nu se deslipeşte de pe ele. Asemenea coajă, exploatată iarna, prin aburire, este bună pentru argăsirea pieilor suple.

*

Deosebim 3 feluri de descojiri:

1. Recoltarea coajei de pe arborii doborâţi.
2. „ „ „ „ „ semidoborâţi.
3. „ „ „ „ „ în picioare.

La descojirea arborilor doborâţi, de obiceiu se taie cu securea cât mai aproape de suprafaţa pământului, numai atâţia arbori câţi pot fi descojiţi în 1—2 ore, deoarece mai târziu descojirea se face mai greu, iar după 24 ore nu se mai poate face decât prin baterea prealabilă a coajei.

Arborele doborât se curăţă de crăci (crăcile care urmează a fi descojite se pun la o parte separat; scoarţa se curăţă de muşchiu, apoi se retează trunchiul în bucăţi de 1 m lungime. Cu ajutorul securei sau a cuţitelor speciale se fac 1 sau 2 incisii longitudinale în coaja bucăţii de lemn respective, apoi cu ajutorul penelor de descojit se deslipeşte scoarţa de pe lemn.

Crăcile se pot reteza în bucăţi şi mai scurte de 1 m şi se descojesc până la o grosime egală cu a unui deget. De obiceiu coaja de pe crăci se deslipeşte mai greu, deaceeia aceasta se bate în prealabil cu un maiu de lemn sau cu muchia securei. Această batere facilitează descojirea.

Trunchiurile apte pentru lemn de lucru se pot reteza şi în lungimi mai mari, corespunzătoare sortimentului respectiv

al lemnului de lucru. In acest caz numai coaja se recoltează în inele de câte 1 m. lungime.

De regulă un tăietor poate da de lucru la 2 descojitori.

La procedeul de descojire a arborilor semităiaţi, arborii se taie incomplect, la înălţimea pieptului, astfel ca să nu se piardă legătura dintre triunchiu şi tulpină, iar tulpina înaltă se taie dela suprafaţa pământului numai după ce s'a terminat descojirea trunchiului. Trunchiurile de arbori astfel spânzurate, se descojesc fără să mai fie retezate în rondele de câte 1 m. lungime şi anume fie în inele de câte 1 m. lungime, fie în fâşii înguste, pe toată lungimea lor. Se descojesc şi crăcile, cari prin faptul că trunchiul mai stă în legătură cu tulpina, îşi păstrează timp mai îndelungat facultatea de a se descoji uşor, astfel că nu e necesară baterea lor, sau numai în mică măsură.

La procedeul de descojire a arborilor în picioare, aceştia se curăţă de crăci până unde pot fi ajunse. După aceea se excută la baza arborelui o incisie orizontală în coajă de jur împrejurul trunchiului, apoi cu ajutorul unui cuţit se desface câte o fâşie de 2—4 cm. lăţime până la înălţimea la care putem ajunge; aceste fâşii se lasă spânzurate pe arbori până se usucă.

Când arborii sunt înalţi, descojirea se face cu ajutorul unei scări.

## Uscarea coajei.

Coaja este un produs foarte delicat, care dacă este atins de ploaie îşi poate pierde, prin spălare, până la 70% din continutul ei în substanţe tanante, iar părţile bătute ale coajei prind repede mucegai, devalorizându-se complect. De aceea coaja trebue uscată cât mai repede, îndată după ce a fost despuiată de pe trunchiurile tăiate, ferind-o de umezeală şi de ploaie.

Uscarea coajei până la starea de „uscat la aer" se face în pădure, proptind'o de prăjini aşezate în furci ca în fig. 3. sau aşezând-o pe capre improvizate din douĭ perechi de pari bătuţi cruciş în pământ ca în fig. 4.

Dela starea verde până la starea de jumătate uscată, coaja pierde 36% din volum şi 43% din greutate. Dela starea de

jumătate uscată până la starea complect uscată, pierderea în volum este de 15% iar în greutate de 5%.

Coaja jupuită de pe arborii în picioare și lăsată să spânzure pe aceștia până la complecta ei uscare, se rupe numai

Fig. 3.

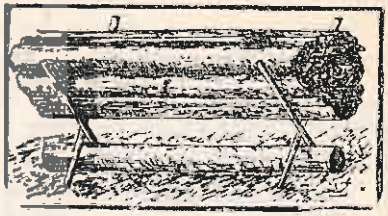

Fig. 4.

(Desen I. Ungureanu după Szécsi Zs.)

după ce s'a uscat. Pe timp frumos această uscare se desăvârșește în 4—8 zile.

După uscare coaja se leagă în snopi, având periferia de 1 m. și lungimea coajei tot de 1 m., cu ajutorul dispozitivelor înfățișate în fig. 5, 6 și 7.

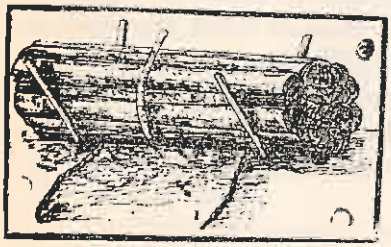

Fig. 5.

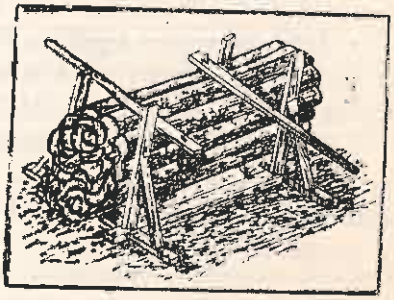

Fig. 6.

(Desen I. Ungureanu după Szécsi Zs.)

Snopii se leagă în două locuri cu sfoară de cânepă, ori cu gujbe de salcie sau mesteacăn, eventual cu curpen. Greutatea unei astfel de legături este de 15 kg. și 12 legături fac 1 m. ster. Coaja fină se așează în interiorul legăturei, iar cea grosolană la exterior.

Acești snopi (legături) se adună în locuri accesibile vehiculelor, unde — întrucât transportul mai departe n'ar fi posibil imediat — se depozitează în stive de câte 12 legături, acoperindu-se cu ponevi sau cu rogojini, dacă nu sunt adăposturi speciale la îndemână.

Transportul coajei se face cu carul sau cu calea ferată,

iar la drumuri mai lungi, încărcătura se acoperă cu ponevi sau rogojini, pentru a preveni o eventuală umezire a ei. Pe timpuri ploioase trebue să se evite transporturile.

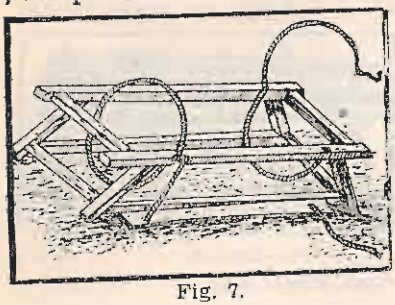

Fig. 7.
(Desen I. Ungureanu după Szécsi Zs.)

Păstrarea coajei până la prelucrare se face în şoproane uscate şi aerisite, ferite de izbirea laterală a ploii. O păstrare prea îndelungată nu este recomandabilă, deoarece în decurs de un an se pierde cca $^1/_3$ parte din conţinutul coajei în substanţe tanante. Această pierdere este cu atât mai rapidă cu cât coaja depozitată a fost mai incomplect uscată.

Inventarierea şi predarea coajei se face: fie după numărul de legături, fie după volum, fie după greutate.

Am văzut că o legătură cântăreşte în medie 15 kg. şi că 12 asemenea legături fac 1 ster. Un ster de coajă este egal cu 0,2—0,3 m³ massa plină şi cântăreşte în medie 150 kg.

Se mai obicinueşte inventarierea coajei şi după volumul lemnului descojit, socotindu-se la fiecare ster lemn descojit cu supra înălţarea reglementarea de 10%, o cantitate de 46—98. în medie 75 kg. coajă la aer.

Descojirea trunchiurilor bătrâne de stejar se face astfel că se jupoaie, în timpul sevei, scoarţa de pe trunchiurile verzi, în inele de câte 1 m. lungime, imediat după doborîrea arborilor. Dacă coaja este foarte grosolană, se curăţă în prealabil de stratul exterior de ritidom, care se ridică la 50—60% din înteaga grosime a coajei.

Cojirea scoarţei se face astfel, că se execută 2—4 incisiuni longitudinale în scoarţă, pe toată lungimea trunchiului, apoi cu penele de descojit se deslipeşte coaja de lemn, recurgând la nevoe şi la baterea prealabilă a ei, pentru o mai uşoară descojire. Coaja astfel obţinută se usucă, se leagă şi se depozitează sau transportă după aceleaşi procedee ca şi la coaja din crângurile speciale tinere. Un ster de astfel de coajă uscată la aer cântăreşte 180—200 kg. în medie 190 kg.

Randamentul. Cantitatea de coajă obţinută depinde mai ales de bonitatea solului, apoi de consistenţa arboretului, de felul descojirii şi de pierderile încercate cu ocazia producerii, pierderi cari la arborii doboriţi se ridică la 2% *). După Burckhardt şi Schindler, în medie generală randamentul în coajă, după un m³ lemn descojit este de 0,87 st. sau 130 kg. După alţii **) la 1.1 ster lemn descojit corespund 46—98 kg sau în medie 0,5 st. = 75 kg coajă uscată la aer. Randamentul este mai mare sau mai mic decât media, după calitatea coajei în următoarea ordine crescândă: coaja cu ritidom şi coaja netedă de trunchiu; coaja cu ritidom şi coaja netedă de crăci (98, 72, 84, 46 kg). Randamentul la ha este după Ientsch *) de 3000—40.800 kg, iar după Szécsi de 7000 kg. In general, de pe un m³ lemn descojit din trunchiuri mai în vârstă, se recoltează 100 kg, iar din trunchiuri bătrâne 80 kg coajă uscată de stejar.

Munca necesară pentru recoltarea coajei.

1. Producerea coajei de pe arborii tineri de stejar, împreună cu fasonatul şi adunatul coajei şi a lemnului descojit, pentru un vagon (10.000 kg) coajă uscată, necesită în condiţiuni favorabile 100 de zile, mijlocii 120 de zile, nefavorabile 140 de zile à 10 ore de lucru.

2. Ca la punctul 1, pentru 100 st. coajă 70, 90 respective 110 zile de lucru.

3. Producerea coajei de pe trunchiurile bătrâne de stejar doborîte, curăţindu-se parţial ritidomul, la 100 arbori: 25,30 respectiv 35 zile de lucru.

*Gewinnung von Gerbstoffen aus der Rinde.*

*La fabrication des extraits tannantes contenus dans l'écorce.*

L'auteur qui dans un article précédent a étudié les méthodes d'extraction des matières tannantes contenues dans le bois, nous donne dans cet article des détails sur l'état actuel de la téchnique en ce qui concerne l'extraction de ces mêmes matières, contenues dans l'écorce des arbres.

*) Krippel: Erdöhasználattan.

**) Szécsi, Z.: Az erdöhaználattan Kézikönyve.

## PENTRU RESTITUIREA BURSELOR

de Ing. V. V. VASILIU, Cernăuţi.

E ştiut că aproape toţi inginerii silvici au urmat Şcoala de silvicultură şi mai târziu secţia silvică din Polytechnică în calitate de bursieri pe socoteala Statului. Fără acest ajutor, mulţi nu ar fi putut să-şi croiască o carieră, fiind sortiţi să rămână într'o stare socială inferioară.

Odată intraţi în cariera pe care şi-au ales-o şi au reuşit să şi-o creeze astfel cu ajutorul Statului, o mare parte din colegi şi-au realizat situaţii materiale care nu numai că-i scoate deasupra oricăror nevoi, dar le-ar putea permite să restitue cel puţin suma care a fost cheltuită de Stat cu bursa în timpul studiilor. Pentru fiecare, această sumă ar reprezinta cel puţin atât cât a primit pe vremuri ca bursier. Contribuţia ar fi neînsemnată, dar oferită de toţi, ar reuşi să creeze pentru Facultatea noastră din Şcoala Politechnică fonduri destul de apreciabile, cari ar putea fi întrebuinţate de conducerea şcoalei în mod mai mult decât util.

Cu suma ce ar rezulta, s'ar putea îmbogăţi materialul didactic al secţiunei, sau s'ar putea creia un fond din care sub forma, atât de uzitată azi în America, de „împrumut" restituibil după un termen de câţiva ani de carieră, s'ar veni realmente în ajutorul atâtor studenţi săraci nevoiţi azi, din cauza lipsurilor, să facă în fiecare zi sacrificii a căror urmări adânci le vor suferi tot restul vieţei.

Deşi nu e scrisă nicăeri, această restituire constitue pentru fiecare din noi o obligaţie morală care, pe lângă contribuţia la ridicarea posibilităţilor de afirmare ale şcoalei noastre, va avea de rezultat o strângere a legăturilor între inginerii foşti elevi şi „şcoala noastră" de care trebue să mărturisim, ne desinteresăm, uitând că acolo trăesc studenţii, viitorii noştri colegi de carieră. Statul şi şcoala nu ne-au cerut aceşti bani, dar cu atât mai preţios va fi fondul care i se va creia şi la

care fiecare din noi, contribuind cu minimum pe care l-am arătat, va putea să depună — după posibilităţi — cât mai mult.

Dacă pentru a se hotărî la acest gest mai e nevoe de vreun argument, rog pe colegi să-şi reamintească ce ar fi ajuns fiecare, dacă la timpul său nu ar fi obţinut, sau nu ar fi primit bursa salvatoare.

*Für die Zurückerstatung der Schulstipendien.*

*Pour le remboursement des subventions.*

Un appel adressé aux ingénieurs qui pendant leurs études ont bénéficié de subventions payées par l'Etat; ils sont invités à rembourser maintenant les sommes reçues afin que d'autres générations puissent en profiter.

# C R O N I C A

## CRONICA INTERNĂ

● **A 54-a Adunare generală a Societăţii „Progresul Silvic".**

In anul acesta încărcat de îngrijorări, Adunarea generală a Societăţii noastre a fost sorocită pentru data de 16—17 Iunie. A fost hotărît să se desfăşoare într'un cadru strâns şi simplu, aşa cum şi vremurile o impuneau.

Se presupunea chiar că puţini din cei din „exterior" vor putea să participe, marea majoritate fiind reţinută fie la îndatoririle de serviciu ce le cerea continua prezenţă, fie la obligaţiuni militare. Cu toate acestea, în ziua întâlnirii, sala de şedinţe a Casei noastre era plină, fapt care a bucurat pe fiecare dintre noi.

Deschiderea Adunării a fost onorată cu prezenţa d-lui Prof. G. Ionescu-Şişeşti, Ministrul agriculturii şi domeniilor, care la propunerea d-lui preşedinte al Societăţii, a fost proclamat preşedinte al Adunării.

Ordinea de zi începe să se depene aşa după cum a fost anunţată.

Intâiu a fost cuvântul d-lui prof. M. Drăcea preşedintele Societăţii care a arătat ce datoreşte pădurea românească primului deceniu de „restauraţie" pădurii „adânc măcinată în trecut de reforma agrară"; linişte în interiorul ei „prin treptata încetinire a păşunatului"; contra ofensiva pădurii în regiunea de câmpie, sub formă de perdele de protecţie şi de apărare naţională, cum şi pe coastele surpătoare.

A subliniat apoi „mişcarea foarte puternică şi susţinută în vederea raţionalizării economiei forestiere", relevându-se marile lucrări şi instalaţii tehnice, împădurirea restanţelor şi a parchetelor curente, legiuirile făcute cu scopul ocrotirii şi promovării economiei forestiere. D-l Preşedinte socoteşte cei 10 ani de „restauraţie" drept „începutul veacului restauraţiei pădurii româneşti".

A schiţat în fine „ţintele îndepărtate care alcătuesc idealul nostru forestier":

a) cantonarea definitivă a pădurii în locurile ce i se cuvin,

b) linişte la hotarele şi înăuntrul ei,

c) respectarea strictă a principiului continuităţii

d) primatul interesului comunităţii asupra celui particular, al viitorului asupra prezentului,

e) ajutorarea economiei forestiere particulare şi refacerea sufle-

tească a proprietarului de pădure, „pentru ca să-şi poate îndeplini cu adevărat marile ei funcţii sociale",

f) primatul muncii şi geniului naţional în procesul de producţie forestieră;

g) continuarea operii de luminare a poporului în materie forestieră;

h) organizarea aparte a Corpului silvic cu o funcţie bine definită şi bine diferenţiată în administrarea raţională a pădurilor şi în special a celor de pe domeniile statului.

In încheere, d-l preşedinte a arătat meritele mari pe care le-a dobândit d-l ministru G. Ionescu-Şişeşti „prin felul cum a susţinut cauza pădurilor şi prin curajul cu care în multe împrejurări a împărţit cu inginerii silvici rizicurile profesiunei lor".

A urmat răspunsul d-lui Ministru al agriculturii, care după ce a arătat că vine întotdeauna cu plăcere în mijlocul silvicultorilor, a ţinut să sublinieze „câteva idei esenţiale pentru desvoltarea economiei noastre silvice".

1) Primatul interesului obştesc.

2) Necesitatea delimitării precise în spaţiu dintre silvicultură şi agricultură, delimitare care să permită fiecăreia să se desvolte prin propriile ei forţe. Delimitarea acestora nu trebue însă să excludă colaborarea, dintre ele, cu scopul conservării solului românesc.

3. Păstrarea actualei suprafeţe împădurită a ţării. Procentul actual de împădurire nu trebue să se mai micşoreze; ceva mai mult, trebue sporit. Perdelele de protecţie în stepă şi terenurile degradate, sunt o latură a spaţiului în care trebue să se întindă.

4. Să creiem păduri bune, bine apărate, bine crescute, nu păduri brăcuite şi nici păşunate.

5. Pădurile să fie plantate, crescute şi exploatate de elementul românesc.

In afară de acst îndreptar permanent al economiei forestiere, d-l ministru a ţinut să accentueze asupra unor nevoi presante şi urgente ale prezentului: aprovizionarea populaţiei civile şi a armatei cu lemne de foc pentru iarna ce vine. Se cere ca toţi să muncim din răsputeri să facem faţă tuturor solicitărilor.

Pentru a se putea face faţă, d-sa a ţinut să anunţe „adaptarea diferitelor noastre legiuiri silvice la necesităţile momentului". Acestea i-au prilejuit să repare nedreptatea ce s'a făcut pădurăriei în 1939 prin legea de administrare a ministerului, care a ţintit s'o minimalizeze. Ropote de aplauze s'au produs în momentul când d-sa a anunţat înfiinţarea Direcţiei pădurilor persoanelor juridice şi reînfiinţarea Administraţiei Casei Pădurilor „punându-se din nou în vigoare normele de administrare verificate ca bune în decursul timpurilor".

Cuvântarea atât de frumoasă şi mult aplaudată a d-lui ministru, a fost urmată de mulţumirile exprimate în numele Corpului silvic de către d-l prof. M. Drăcea preşedintele Societăţii. Adunarea în unanimitate a consfinţit apoi hotărîrea luată de Consiliul de administraţie

al Societăţii, de a proclama pe d-l prof. G. Ionescu-Şişeşti ministru al agriculturii şi domeniilor, ca membru de onoare al Societăţii.

In sfârşit această şedinţă de deschidere a mai avut cuvintele de salut ale d-lui Müller ataşat forestier al Germaniei pe lângă legaţia germană din Bucureşti. Adunarea a ratificat prin aclamaţii primirea d-sale ca membru corespondent al Societăţii, primire hotărîtă de Consiliul de administraţie al Societăţii într'una din şedinţele anului 1939.

După amiaza primei zile a fost consacrată treburilor gospodăreşti ale Societăţii: descărcarea Consiliului de gestiunea pe anul expirat 1939 şi votarea bugetului pe anul 1940. In anul expirat, activitatea Societăţii deşi s'a desfăşurat „în vremuri grele", a fost destul de rodnică. Viitorului nu se ştie ce i se va rezerva. Apăsarea vremurilor neliniştitoare menţinându-se, Societatea a înţeles să se restrângă în cheltueli, atât cât îi va fi cu putinţă fără ca activitatea ei să fie prea mult stânjenită.

Ca de obiceiu, înoirea Consiliului provocată de ieşirea „la sorţi" a unora din membri aleşi cu 4 ani mai înainte, a provocat interes. Din cei şase ieşiţi şi anume d-nii C. M. Bunescu, V. Priboianu, E. Vălceanu, M. Rădulescu, D. Sburlan, I. C. Demetrescu, ultimii trei au fost realeşi. In celelalte trei locuri au fost desemnaţi d-nii Tr. Heroiu, C. Emanoil şi N. Ghelmeziu; primii doi se realeg după un an de întrerupere, iar cel de al treilea intră pentru prima dată în Consiliu.

Seara, o bună parte din participanţii la Adunare au luat masa împreună la unul din restaurantele Capitalei. Nu s'au ţinut discursuri, însă cu toţii s'au simţit bine, fiind animaţi de un cald sentiment de camaraderie.

Ziua a 2-a a fost rezervată discutării celor două probleme de interes forestier puse în discuţie:

1) Promovarea economiei forestire particulare;

2) Economia forestieră de răsboiu.

Prima a avut ca referend şi coreferend pe d-nii C. Horia Lazăr şi I. Zeicu, iar cea de a doua pe d-nii Dem. Grozescu şi Ilie C. Demetrescu.

In jurul lor s'au produs interesante discuţii, care au dus la votarea unor moţiuni, care dacă ar fi însuşite de guvernanţi, un pas în plus spre mai bine se va face.

Lucrările celei de a 54-a Adunare generală s'au terminat într'o zi şi jumătate. Aşa trebuia să fie. Vremurile au cerut-o. Şi iarăşi membrii prezenţi au plecat cu toţii spre posturile lor, mai împovăraţi de răspunderea ce-i apasă, şi mai îngrijoraţi, cum de mult n'au fost, de vremurile prin care trecem.

*At. Haralamb*

## CRONICA EXTERNĂ

● **La 80 de ani ai Profesorului Max Endres.**

Cu prilejul împlinirii patriarhalei vârste de 80 de ani (3 Aprilie 1940), se cade, credem, ca şi silvicultorii români şi mai ales slujitorii tinerei ştiinţe forestiere române, să-şi amintească de Profesorul Endres.

Ilustrul jubilar are o origină relativ modestă, dar predestinatoare a strălucitei sale cariere. A văzut lumina zilei şi a trăit anii copilăriei în cadru pădurăresc, fiind fiu de forestier cu serviciul în Franconia.

Studiile de specialitate le-a făcut, mai întâi, la Academia forestieră din Aschaffenburg, apoi la Universităţile din München (cu Roth şi G. Hayer) şi Berlin. A trecut doctoratul — după ce lucrase şi în administraţia silvică bavareză şi după ce făcuse şi examenul de Stat — la Universitatea din München cu lucrarea: Die Produktionsfaktoren in der Waldwirtschaft (1884).

Lucrarea vieţii sale a ramificat, mai ales, în trei direcţiuni: 1. ca dascăl în învăţământul superior; 2. ca scriitor; 3. ca factor determinant al treburilor de politică forestieră practică din ţara sa. In toate acestea, Endres a strălucit ca foarte puţini dintre semenii săi.

Cariera dăscălească şi-a început-o la Politehnica din Karlsruhe, mai întâi ca asistent şi docent (1886—1888), apoi ca profesor suplimentar (1888—1891) şi definitiv (ordinarius) (1891—1895). De acolo, a trecut, prin chemare, la München, ca urmaş al lui Lehr, la catedra de Politică, Estimaţie, Istorie şi Administraţie forestieră, pe care a slujit-o în chip cu adevărat magistral, timp de 35 de ani. Prelegerile sale, strălucitoare ca formă şi grele ca gânduri, erau urmărite cu pasiune de numeroşi studenţi germani şi străini, nu numai forestieri, dar şi economişti şi jurişti. Trebuie să fie foarte puţini silvicultori germani, cari au studiat la numeroasele academii, şcoli superioare şi facultăţi de Silvicultură germane în vremea lui Endres şi cari să nu fi ascultat cel puţin un semestru şi cursurile sale.

Prestigiul deosebit de care s'a bucurat Endres în cadrul Corpului profesoral l-a impus ca membru al Senatului Universităţii din München (1901—1907) — căruia nu-i aparţin toţi profesorii ca la universităţile noastre — şi apoi ca rector (rector magnificus) (1907—1908).

Lucrarea scriitoricească a Profesorului Endres este impresionantă, egalând, cel puţin, pe cea dăscălească. Publicaţiunile sale mai cunoscute şi în afara graniţelor germane sunt: 1. Die Waldbenutzung vom 13. bis Ende des 18. Jahrhunderts. Ein Beitrag zur Geschichte der Forstpolitik. Tübingen, 1888; 2. Handbuch der Forstpolitik mit besonderer Berücksichtigung der Gesetzgebung und Statistik. (ed. I, 1905; ed. II, 1922), lucrare de mare anvergură (peste 900 pag.), unică în felul său, consti-

tuind, la vremea sa, cel mai complet izvor de orientare asupra doctrinei de politică forestieră și a stărilor economiei și legislației forestiere din diferitele țări ale lumii; 3. Waldwertrechnung und Forststatik (ed. a IV-a în 1923) sintetizează într'o desăvârșită formă clasică (în peste 325 pag.) știința și doctrina respectivă, creiată în cea de a doua jumătate a secolului al 19-lea de Faustmann-Oetzel-Pressler-Gustav Heyer; 4. Forsten. Articol în Handbuch der Staatswissenschaften, ed. a IV-a, vol. IV, 1927, pag. 246—300; 5. Jagd. Idem, vol. V, 1923, pag. 371—376; 6. Numeroase sunt articolele publicate în revistele de specialitate și mai cu seamă în periodicele al căror redactor și coredactor a fost. Dintre acestea enu-

In pădurea Landshut, la sărbătorirea prof. Endres.

mărăm: Forstwissenschaftliches Centralblatt (din 1915 și în prezent); Allgemeiner Anzeiger für den Holzproduktenverkehr (1905—1917); Holzwelt (1917—1918), Holzhandelsblatt (din 1918).

In domeniul practic al politicii forestiere, personalitatea Profesorului Endres s'a manifestat cu stăpânire asupra spiritului contimporanilor săi. Ca președinte al Comisiunii pentru comerțul lemnului în sânul Consiliului forestier superior al Reichului, ca membru în Comisiunea permanentă a tarifelor căilor Reichului, ca membru în Consiliul de economie forestieră al Uniunii silvicultorilor germani, etc., Endres a fost un mare și temut apărător al pădurii și al unei sănătoase economii forestiere.

Nici câmpul internațional al economiei și politicii forestiere nu i-au fost deloc străine Profesorului Endres. Ba se poate spune, că a fost unul dintre cei mai tari cunoscători din vremea sa și în această direcțiune. Lucrarea amintită mai sus, Forstpolitik, este, de altfel, cea mai temeinică probă. Participanții la Congresul internațional de Silvicultură

dela Roma, din 1926, îşi reamintesc de magistrala comunicare a Prof. Endres, ca trimis oficial al guvernului Reichului: Die gesetzlichen Grundlagen zur Pflege und Förderung der Waldwirtschaft (Actes. Vol. III, pag. 62).

Prestigiul ce a ştiut şi putut să-şi făurească, în toate manifestările sale profesionale, i-au atras onoruri deosebite. Regele i-a acordat titlul de Geheimer Rat (Consilier privat); Facultatea de Filosofie a Universităţii dela Giessen şi Şcoala superioară de Cultura solului dela Viena, pe acela de Doctor honoris causa. Societatea silvicultorilor ruşi din Petersburg l-a numit membru de onoare, etc.

Asupra concepţiunilor Prof. Endres în materie de estimaţie şi politică forestieră ar fi greu să stăruim în cadrul prezentei cronici. Oricum,

La sărbătorirea prof. Endres, cu prilejul ieşirii sale la pensie.

a aparţinut, în linii largi, şcoalei liberalismului economic, care a caracterizat vremea sa. La aceasta, a admis şi a pledat cu căldură pentru anumite abateri, pe cari, prin natura lucrurilor, le impune economia pădurărească.

Subscriitorul acestor rânduri îşi îngăduieşte, şi pentru alte socotinţe, să evoce în două-trei vorbe sărbătorirea Prof. Endres, cu prilejul ieşirii sale la pensie. Intr'o asemenea împrejurare, chiar şi pentru o personalitate de proporţii cu mult mai reduse, în buna noastră ţară, s'ar fi organizat banchete scumpe, în săli strălucitoare, cu nelipsitele şi nesfârşitele discursuri, în care, a doua zi, după trecerea fierbinţelei, adesea nimeni nu mai crede. Marele Endres a fost sărbătorit simplu, la pădure şi în sala sa de cursuri. Potrivit programului obişnuit, s'a făcut, în ziua de 5 Iulie 1930, o excursie de studii la pădurea Landshut a Universităţii München, a cărei gospodărire o dirijase şi supraveghease Prof. Endres. Cu acest prilej, s'a pus la cale şi sărbătorirea ieşirii la pensie a Prof. Endres. S'a aranjat o masă simplă, formată din crenvuşti, pâine şi bere. In cadrul pădurii, pe care o iubea atât de mult sărbătoritul, s'au petrecut câteva ore pădureşti şi vânătoreşti, între cei trei profe-

sori de ştiinţe forestiere (Endres, Schüpfer şi Fabricius), rectorul Universităţii (Eichmann), câţiva docenţi, asistenţi şi studenţi silvici. Au fost rostite şi câteva scurte cuvântări ocazionale. Ultima lecţie a Prof. Endres a fost aleasă deasemenea ca prilej de sărbătorire. In sala şi de pe catedra împodobită cu brad, pe care a slujit-o una dintre cele mai luminate şi pasionate minţi, şi-a ţinut Prof. Endres ultima sa prelegere. La sfârşitul semestrului de vară 1930, întocmai ca şi cele obişnuite. După încheiere, a ascultat sărbătoritul, vădit mişcat, cele câteva cuvântări simple, dar solemne şi totdeodată afectuoase, rostite de colegii săi de învăţământ şi studenţi, nu mai puţin mişcaţi. La ambele sărbătoriri, n'a lipsit cuvântul de omagiu nici al elevilor săi români.

Cei ce au ascultat, în ultimii ani, pe Profesorul Endres, vor păstra cu afecţiune imaginea unui bătrânel scurt, bine legat, cu păr şi bărbuţă albă, peste fire de simpatic, depănându-şi cu convingere robitoare prelegerile ce sunau a alte vremuri mai aşezate şi potolite decât ale noastre.

Datorită războiului, căruia i-a sacrificat singurul său fiu, şi a propagandei decurgătoare, Profesorul Endres n'a fost un prieten al ţării noastre. Cu elevii săi români s'a purtat, totuşi, ca un adevărat profesor şi gentelman. In numele acestor elevi, ca şi al cetitorilor săi români, ne îngăduim a exprima Profesorului Endres cele mai bune felicitări şi urări, cu prilejul împlinirii patriarhalei vârste de 80 de ani.

*Ilie C. Demetrescu*

(122)

● **Proprietatea forestieră de Stat din Marca de Est în creştere.**

Sub influenţa liberalismului economic din secolul al XIX-lea, ca şi a periodicelor greutăţi financiare, pădurile de Stat din Austria au fost vândute în cea mai mare parte. In momentul Anschluss-ului din Martie 1938, suprafaţa rămasă în gospodărirea Direcţiunii generale a Pădurilor din Viena se ridica numai la modesta cifră de 469.000 ha.

Vederile în materie ale actualilor conducători ai Germaniei sunt tocmai opuse factorilor politici din vechea Austrie. Generalfeldmareşalul Göring, Ministrul Pădurilor şi Vânătoarei din Reich, a dat dispoziţiuni ca să se mărească, prin orice mijloace, proprietatea păduroasă de Stat, şi din noua provincie până la procentul existent în Reich.

Cu toată greutatea vremurilor, s'au luat măsuri pentru aducerea la îndeplinire a dispoziţiei date. Până la sfârşitul anului 1939, se cumpăraseră 53.610 ha şi se obţinuseră pe altă cale 7480 ha pădure. După 1 Ianuarie pădurile Fondului habsburgic familial, în întindere de 14.730 ha au fost trecute, deasemenea, Administraţiei forestiere a Reichului. Dacă mai ţinem seama şi de cele 17.880 ha păduri de Stat din Boemia şi Moravia sudică, suprafaţa pădurilor de Stat din Marca de Est au încercat o creştere de 96.400 ha sau de 22%.

Suntem, fără îndoială, în faţa unei sănătoase politici forestiere de Stat.

(După Cbtt. f. das ges. F. wesen, 1940, pag. 100). (123).

# INFORMAŢIUNI

— D-l Ing. şef silvic I. Vlad din serviciul pădurilor Epitropiei Sf. Spiridon din Iaşi şi-a trecut, de curând, examenul de doctorat la Universitatea din München, obţinând calificativul „foarte bine".

Lucrarea d-sale de doctorat se intitulează: Zuwachsverhältnisse im Mittelwald (Condiţiuni de creştere în crângul compus).

— Au fost primiţi în corpul tehnic silvic, cadru de stat, următorii ingineri slivici cu gradul de ing. silv. stagiari:

1. Băncescu G. C. din Adm. fondului bisericesc din Bucovina pe data de 17.III.1940.

2. Sârbescu I. Ion din Direcţia comercială a pădurilor, pe ziua de 1.XI.1939.

3. Voinea N .C. din Direcţia comercială a pădurilor, pe ziua de 15. X 1939.

— Pe baza dec. min. Nr. 1208 din 14.VI.1940 publicată în Mon. Of. 142 bis din 22 Iunie 1940, toţi funcţionarii bugetari aparţinând de Min. Agr. şi Dom. sunt obligaţi să se înscrie ca membri în Casa de Credit a Ministerului.

In acest scop se plăteşte o cotizaţie de 2% din salariul brut, care se va reţine prin statele de salarii, cu începere dela 1 Iunie a. c.

— Prin dec. min. Nr. 975 din 1.VI. 1940 (Mon. Of. 129 bis din 5.VI.1940 au fost confirmaţi şi numiţi ca membri de drept în Consiliul de administraţie al Casei de Economie, Credit şi Ajutor a funcţionarilor Ministerului de Agricultură şi Domenii, d-nii: Ing. Dem. Grozescu şi Ing. An. Nedelcovici.

Prin aceiaşi decizie, D-l V. Sabău a fost numit cenzor supleant.

— După noua tabelă de salarizare a funcţionarilor publici, Corpul silvic va avea următoarele salarii bugetare:

| | |
|---|---|
| Ing. Consilier silvic . . . | 28.000 |
| Ing. inspector g-ral silvic . | 23.000 |
| Ing. inspector silvic . . . | 21.000 |
| Ing. subinsp. silvic . . . . | 18.000 |
| Ing. şef silvic . . . . . | 15.000 |
| Ing. silvic cl. I . . . . . | 12.000 |
| Ing. silvic cl. II . . . . . | 10.000 |
| Ing. silvic stagiar . . . . | 9.000 |
| Conductor silvic princ. cl. I | 12.000 |
| Conductor silvic princ. cl. II | 10.000 |
| Conductor silvic cl. I . . . | 8.000 |
| Conductor silvic cl. II . . | 6.500 |
| Conductor silvic ajutor . . | 6.000 |
| Brigadier silvic princ. cl. I . | 4.500 |
| Brigadier silvic princ. cl. II . | 4.250 |
| Brigadier silvic cl. I . . . | 3.750 |
| Brigadier silvic cl. II . . | 3.300 |
| Brigadier silvic cl. III . . | 3.000 |
| Pădurar cl. I . . . . . | 2.250 |
| Pădurar cl. II . . . . . | 1.750 |
| Pădurar cl. III . . . . . | 1.500 |

— In cursul lunei Mai a. c., Suedia a aderat la Centrul international de silvicultură cu sediul la

Berlin, urmând a fi reprezentată de d-l F. Aminoff.

In felul acesta, sus numitul Centru numără azi 17 state membre.

*

— Având în vedere nevoile de lemn de foc ale armatei, instituţiilor publice şi ale populaţiei civile, Ministerul Economiei Naţionale a dat la 15 Iulie a. c. următoarea decizie:

Având în vedere dispoziţiile decretului lege Nr. 1.764 al puterilor excepţionale, publicat în Monitorul Oficial Nr. 125 din 31 Mai 1940, pentru prompta aprovizionare cu lemne de foc:

Decidem:

*Art. I.* Numărul inspectorilor de control general dela C. A. P. S. şi Direcţia Silvică se fixează câte unul pentru două Direcţiuni regionale sau Inspectorate silvice de pe lângă Ţinuturi. Inspectorii generali cu delegaţii speciale nu vor putea fi mai mult de trei de fiecare direcţie: C.A.P.S. şi Direcţia silvică, cu excepţia controlorilor financiari contabili.

Personalul ingineresc de control ce prisoseşte după încadrarea pentru vremuri excepţionale stabilită de comun acord cu Marele Stat Major, împreună cu o parte din inginerii silvici din serviciile din Centrala Ministerului şi a Direcţiilor regionale şi Inspectorate silvice de pe lângă Ţinuturi, vor fi trecuţi pe teren (Ocoale), în vederea conducerii lucrărilor de exploatare şi aprovizionare cu lemn a armatei, autorităţilor şi populaţiei civile.

*Art. II.* Activitatea desfăşurată de către organele silvice se consideră serviciu prestat în interesul apărării naţionale.

Abaterile, abuzurile, neregulile, neglijenţele şi împotrivirile de orice natură constatate în sarcina organelor ce activează în întreprinderile forestiere se vor pedepsi conform Codului Justiţiei Militare.

*Art. III.* Exploatatorii de lemn de foc, de toate categoriile, sunt obligaţi să comunice în termen de 10 zile prin declaraţii semnate, organelor silvice judeţene, situaţia exploatărilor în raport cu programul de lucru, conform normelor stabilite de minister.

Programul de exploatare va putea fi modificat de organele silvice judeţene, în sensul ca aceste exploatări să se facă în timp util pentru satisfacerea aprovizionărilor cu combustibil ale armatei, populaţiei civile şi autorităţilor.

Se va executa cu precădere scoaterea din pădure a lemnelor tăiate până în prezent şi transportul lor la gările de încărcare.

Neexecutarea programului de lucru prezentat Ministerului, lipsa de declaraţie sau declaraţia mincinoasă, se va sancţiona conform art. 28, 30, 31 şi 32 din legea pentru activarea producţiei, controlul preţului la produsele agricole şi importate din 4 Martie 1940.

*Art. IV.* In scopul executării programului de tăieri şi transporturi, exploatatorii de lemn de foc vor putea semnala Ministerului Economiei Naţionale eventualele nevoi de desconcentrare a personalului de conducere şi a specialiştilor tehnici, precum şi eventualele necesităţi de scutire de rechiziţii a vehiculelor şi animalelor proprii ale întreprinderilor. Lucrătorii angajaţi sau rechiziţionaţi aflaţi la lucru sau transport la exploatările de lemn de foc, de asemenea vor putea fi scutiţi de către Marele Stat Major pentru timpul cât se prevede că vor activa efectiv la lucrările de exploatare.

*Art. V.* Pentru întocmirea şi ur-

mărirea aplicării programelor generale de lucru în exploatările de lemn de foc cu excepţia pădurilor exploatate de Stat în regie, Serviciile silvice judeţene se vor completa cu personalul necesar.

Prefectul judeţului, împreună cu organele silvice, va lua toate dispoziţiile necesare în vederea executării programelor de lucru stabilite şi va dispune prin organele administrative locale rechiziţionarea cu plată a lucrătorilor, vehiculelor şi animalelor necesare exploatărilor.

*Art. VI.* Toţi locuitorii din comunele învecinate cu exploatările de lemn de foc de orice natură, apţi să muncească la pădure, vor putea fi obligaţi de organele locale în subordine să-şi pună serviciile lor la dispoziţia exploatărilor forestiere de lemn de foc.

De asemenea, locuitorii din aceste regiuni care posedă animale şi vehicule de tracţiune animală sau mecanică, vor putea fi obligaţi să transporte lemne de foc din pădure la staţiile de încărcare ale Căilor Ferate de Stat sau particulare, eventual direct în centrele de consumaţie mai apropiate.

*Art. VII.* Această obligaţie de lucru sau rechiziţie se va face cu plată pe baza de contracte colective de lucru, încheiate la primăria comunei unde se fac asemenea rechiziţii, la preţuri de acord sau cu ziua, stabilite în raport cu piaţa muncii locale şi după natura muncilor prestate.

In cazurile de conflict, preţurile de acord sau cu ziua pentru fiecare exploatare vor fi arbitrate de inspectorul regional al muncii.

Până la fixarea preţurilor de acest organ, lucrătorii rechiziţionaţi pentru lucru sau transport sunt obligaţi să lucreze în condiţiunile stabilite de autorităţile administrative, preţurile arbitrare aplicându-se dela data rechiziţionării.

Se vor rechiziţiona numai lucrători şi vehicule acceptate de delegatul întreprinderii respective în prezenţa căruia se vor face asemenea rechiziţii.

*Art. VIII.* In cazul când în comunele învecinate exploatărilor nu se găsesc lucrători sau vehicule suficiente apte exploatărilor forestiere, la cererea prefecţilor din judeţele unde se află exploatări cu lipsă de lucrători sau vehicule, se pot face asemenea rechiziţii în judeţele forestiere sau unde s'au făcut mai puţine concentrări şi unde se găsesc disponibili lucrători sau vehicule proprii exploatărilor de lemn de foc.

*

— In Mon. Of. Nr. 147 din 28 Iunie a. c. a apărut următorul *decret-lege conţinând măsuri excepţionale în vederea satisfacerii nevoilor populaţiunii şi a autorităţilor cu lemne de foc în cursul anului* 1940/1941

*Art. I.* Prin derogare dela legea contabilităţii publice, a codului silvic, a legii pentru administrarea pădurilor din 1930, produsele lemnoase pentru foc, provenite din exploatările pădurilor aparţinând comunelor, composesoratelor, obştiilor de moşneni şi mănăstirilor înzestrate, se pot valoriza şi prin vânzări prin bună învoială pe unitate de produse fasonate pe baza estimaţiunii făcute de organele silvice ale Statului şi aprobate de şeful Inspectoratului silvic respectiv.

Aprobarea vânzărilor făcute pe această cale se va da de către organele tutelare administrative ale pădurilor respective, conform legilor şi dispoziţiunilor în vigoare.

Se rezervă Statului, prin Direcţia

comercială a pădurilor Statului, dreptul să cumpere materialele lemnoase din pădurile de mai sus, pe preţul convenit între părţi în caz de vânzare.

Proprietarii acestor păduri sunt obligaţi să comunice în prealabil condiţiile de vânzare Direcţiei comerciale C. A. P. S., care va răspunde în termen de 5 zile dela primirea înştiinţării dacă înţelege să-şi exercite dreptul de preferinţă.

Orice vânzare făcută fără respectarea acestor dispoziţiuni este de drept nulă.

*Art. II.* Se aprobă exploatarea în 1940/941 a restanţelor şi cu anticipatie a posibilităţilor pădurilor în rând, prevăzute în amenajamente sau regulamente de exploatare în vigoare, acestea putând însuma până la un total de maximum trei posibilităţi anuale, inclusiv cele existente, cu obligaţia ca exploatarea lor să se facă în cursul anului.

In cazul când exploatarea nu se face în acest interval, se anulează autorizaţia de tăiere.

In caz când unele păduri nu se vor putea exploata din cauza lipsei mijloacelor de transport imediate, se aprobă a se comuta exploatarea posibilităţilor respective în rând de tăiere a acestor păduri la alte păduri accesibile, aparţinând aceluiaş proprietar şi aflate în rând de tăiere, conform studiilor de amenajare.

*Art. III.* Se aprobă ca la pădurile ce n'au amenajamente sau regulamente de exploatare în vigoare, exploatarea a 1/100 parte la pădurile tratate în codru şi 1/30 parte la cele tratate în crâng, în conformitate cu art. X, lit. b, aliniat ultim, din decretul-lege, publicat în Monitorul Oficial Nr. 230 din 4 Octomvrie 1938, să se autorize direct de către şefii ocoalelor silvice pentru tăierea unei posibilităţi şi de către şeful inspectoratului pentru două posibilităţi.

La pădurile Statului, autorizarea de tăiere, prevăzută mai sus, se va face pe baza aprobării Direcţiei Regionale C. A. P. S., ce va înştiinţa despre aceasta Inspectoratul silvic.

*Art. IV.* La pădurile a căror valorificare a lemnului de foc se face pe baza actelor de punere în exploatare, întocmite de organele silvice ale Statului, exploatarea parchetelor ce se vor parcurge cu tăieri rase va începe imediat după delimitare; iar a celor ce se vor parcurge cu tăieri progresive sau grădinărite, imediat după executarea marcărilor pe teren şi prin consemnarea operaţiilor respective printr'un proces-verbal dresat de către şeful de ocol.

Actul de punere în valoare pentru contabilizare se va întocmi odată cu actele de inventariere.

*Art. V.* Prin derogare dela dispoziţiunile legii pentru pădurile necesare apărării naţionale publicată în Monitorul Oficial cu Nr. 88 din 13 Aprilie 1935, pădurile destinate definitiv a fi transformate în *păşuni împădurite* pe baza legii de reformă agrară, precum şi a legii pentru completarea măsurilor necesare în folosirea păşunilor comunale din 1933, sau a altor legi speciale, se vor putea exploata anticipat întocmirii studiilor de transformare în păşune pe baza fixării, delimitării şi păstrării zonelor de protecţie, prevăzute atât de art. 3, alin. b, din legea pentru pădurile necesare apărării naţionale, cât şi din avizele principale cu Nr. 24 din 1929 şi 477 din 1933 ale Consiliului tehnic al pădurilor.

*Art. VI.* Determinarea zonelor de protecţie se va face de către inginerul silvic, şeful ocolului respectiv, împreună cu un delegat al Marelui Stat Major, care vor încheia un pro-

ces-verbal specificând aceste zone.

In cazul când pădurea ce se transformă în păşune a aparţinut Statului va lua parte şi şeful ocolului silvic dela C. A. P. S.

*Art. VII.* In cazurile unde defalcarea acestor păduri destinate pentru transformarea în *păşuni împădurite*, încă nu s'a făcut pe teren, organele Cadastrului din Ministerul Justiţiei vor lua măsuri de executarea acestor lucrări cu precădere la cererea Ministerului Agriculturii şi Domeniilor.

*Art. VIII.* Pentru organizarea producţiei lemnoase în vederea asigurării aprovizionării lemnului necesar armatei, autorităţilor şi populaţiei civile, precum şi satisfacerea nevoilor de export, Direcţiunea silvică şi ameliorării terenurilor degradate din Ministerul Agriculturii şi Domeniilor, va elabora norme şi ţine evidenţa statisticei, prezentând situaţiile necesare Ministerului Economiei Naţionale.

*Actualul serviciu al pădurilor persoanelor juridice se transformă în Direcţia pădurilor persoanelor juridice* şi va intensifica asistenţa tehnică silvică la pădurile aparţinând comunelor, obştiilor de moşneni şi composesoratelor.

*Art. IX.* Prin derogare dela dispoziţiunile legii pentru organizarea Ministerului Agriculturii şi Domeniilor, publicată în Monitorul Oficial Nr. 82 din 1939 şi pentru a putea corespunde necesităţilor de ordin tehnic, financiar, comercial, *actuala Direcţie comercială a pădurilor se transformă în Administraţia Casei Pădurilor Statului.*

Până la întocmirea unei legi speciale, pentru organizarea acestei administraţiuni a Casei Pădurilor Statului, această Administraţie este autorizată să aplice integral regulamentul Administraţiei Casei Pădurilor Statului, promulgat prin I. D. R. Nr. 380 din 1935, şi publicat în Monitorul Oficial Nr. 45, din 22 Februarie 1935, întocmit conform art. 18 din legea privitoare la Regiile Autonome din 4 Martie 1934, mărindu-se competinţa Administratorului până la 300.000 lei pentru aprobări de lucrări prin bună învoială şi până la 200.000 lei pentru cumpărări de furnituri de materiale necesare exploatărilor şi comercializărilor.

---

## CARŢI NOI.

**Prof. C. C. Georgescu:**

**Dare de seamă asupra boalelor de importanţă economică în pădurile ţării în 1934—38.**

Publicaţie I.C.E.F. Seria II-a. Nr. 39.

## MOŢIUNILE
*celei de a 54-a*
*Adunare generală a Societăţii „Progresul Silvic"*
(16—17 Iunie 1940).

A. *Promovarea economiei forestiere particulare.*

1. Proprietatea forestieră particulară să fie garantată în existenţa ei, în mâinile proprietarilor, iar preemţiunea Statului să se realizeze la preţul remuneratoriu.

2) Impozitul pe succesiuni să se realizeze de către Ministerul de Finanţe, în natură, prin intrarea Statului ca copărtaş.

Reducerea taxelor fiscale de bază pentru pădurile cari se administrează şi se exploatează în baza unui amenajament comun, cu continuitate şi sunt formate prin asociaţiuni de cel puţin 10 proprietari.

3. La impunerea pădurilor să nu se aplice aceleaşi cote ca agriculturii, pentrucă în gospodăria silvică venitul net e mult diferit şi mult mai redus decât venitul net în gospodăria agricolă.

4. Fixarea tarifelor C. F. R. preferenţiale pentru lemne de foc, pe zone de 300 Km.

5. Infiinţarea la Minister a unei direcţiuni de îndrumări silvice.

6. Infiinţarea unei regii de exploatare şi vânzare a produselor pădurilor administrate de Stat, cu dreptul de a se asocia cu CAPS-ul sau oricari alţi proprietari.

7. Extinderea administraţiei de Stat şi asupra pădurilor moşnenilor din vechiul regat, cari nu sunt conduse de ingineri silvici recunoscuţi.

8. Organizarea proprietarilor de păduri în vederea promovării intereselor generale şi particulare legate de economia foestieră particulară.

9. Să se înfiinţeze premii şi diplome de onoare pentru proprietarii particulari cari fac împăduriri şi operaţiuni culturale în păduri, apreciate ca excepţional executate.

B) *Economia foestieră de război.*

Ca şi în celelalte sectoare ale economiei naţionale, şi în economia forestieră este necesară o adaptare integrală a producţiunei, circulaţiei şi consumaţiei lemnului la nevoile specifice economiei naţionale de război.

In acest scop baza trebue să o constitue un plan alcătuit în colaborare, de către autorităţile silvice şi cele militare, care să pue la contribuţie toate organele din resorturile economice şi administrative ale ţării şi care să se integreze în planul economic general.

In afara problemelor de ordin economic, Corpul Tehnic Silvic este chemat şi trebue să se organizeze în vederea soluţionării unei categorii de probleme tehnice în legătură directă cu apărarea naţională.

## ŞEDINŢELE CONSILIULUI DE ADMINISTRAŢIE

### PROCES-VERBAL No. 6.

*Şedinţa din 9 Aprilie 1940.*

Prezenţi D-nii: C. Chiriţă, Ilie C. Demetrescu, C. P. Georgescu, Ath. Haralamb şi St. Rodoteatu.

Neîntrunindu-se numărul statutar de membri, şedinţa s'a amânat.

PREŞEDINTE,
M. DRĂCEA

SECRETAR GENERAL,
I. ZEICU

### PROCES-VERBAL No. 7.

*Şedinţa din 14 Mai 1940.*

Prezenţi D-nii: C. Chiriţă, Ilie C. Demetrescu, M. Drăcea, C. P. Georgescu, D. Grozescu, Andrei Ionescu, C. Horia-Lazăr, G. Năstăsescu, Anastase Nedelcovici, V. N. Priboianu, St. Rodoteatu, D. A. Sburlan, V. N. Stinghe.

*Ordinea de zi*

1. — Adunarea Generală a Societăţii.
2. — Diverse. Administrative.
3. — Comunicări.

Se citeşte procesul-verbal No. 5 din 2.IV.1940 al Consiliului de Administraţie şi se aprobă.

1. — Armonizarea salariilor funcţionarilor de Stat.

D-l Preşedinte referă asupra lucrărilor de armonizare aşa cum se desfăşoară în cercurile politice, cât şi asupra demersurilor Societăţii în materie. Informaţiile de până acum par liniştitoare.

D-l Andrei Ionescu referă deasemenea asupra aceleiaşi probleme, în legătură cu acţiunea C. A. P. I. R.-ului şi A. G. I. R.-ului.

După discuţii la care iau parte D-nii D. Grozescu, C. P. Georgescu, Horia Lazăr, V. Stinghe şi alţi membrii, Consiliul hotăreşte întocmirea unui memoriu, rugând în acest sens pe D-l Andrei Ionescu.

2. — Adunarea Generală: Pentru sesiune în acest an se vor discuta problemele:

1) Economia Forestieră de Războiu, având ca referend pe D-l D. Grozescu şi coreferend pe D-l Ilie C. Demetrescu;

2) Promovarea Economiei Forestiere Private, având ca referend pe D-l C. Horia Lazăr, iar coreferend pe D-l I. Zeicu.

3. — Diverse. Administrative:

a) Se aprobă cererea Uniuni Generale a Vânătorilor de a i se da sala Societăţii pentru Adunarea Generală la 15 Iunie. In urma propunerilor D-lui D. Grozescu şi a discuţiunilor se decide a fi invitaţi membrii A.V.I.S.-ului, ca şi ceilalţi D-ni ingineri silvici de a se înscrie în Uniune şi de a participa la acţiunea vânătoarei.

b) Se aprobă înscrierea ca membrii în Societate a D-lor N. Ivanov, Doru Nemeşi, G. V. I. Stănescu, Otmar Kersnig. Al. Ivănceanu, Greavu Alexandru.

c) Se supune Consiliului referatul comisiuni pentru cercetarea manuscrisului lucrării D-lui Gr. Eliescu: „Elemente de Protecţia Pădurilor". Consiliul aprobă concluziunile referatului de a se publica lucrarea în Editura Societăţii.

d) Cererea A.V.I.S.-Arad, cu No. 14 din 3 Mai 1940, jur. 326/940, se recomandă Casei Pădurilor.

e) Luându-se în cercetare cererile înregistrate la No. 294 din 24 Aprilie 1940, Consiliul aprobă majorarea salariului personalului administrativ al Societăţii, deocamdată cu 10%, dela data de 1 Mai 1940. Deasemenea se aprobă o îndemnizaţie de 1000 (una mie) lei lunar D-lui Tătulescu, cu începere dela 1 Mai 1940 pentru gestionarea editurii Societăţii.

Şedinţa se ridică la orele 23,45.

PREŞEDINTE,

M. DRĂCEA

SECRETAR GENERAL,

I. ZEICU

# P U B L I C A Ţ I U N I

## DECIZIUNI MINISTERIALE

MINISTERUL AGRICULTURII ŞI DOMENIILOR

Direcţiunea Regimului silvic

DECIZIUNE

Noi, Ministru Secretar de Stat la Departamentul Agriculturii şi Domeniilor;

Asupra raportului Domnului Director al Direcţiunei Regimului Silvic;

Având în vedere art. 2 din codul silvic;

Având în vedere art. V din legea modificătoare la codul silvic, publicată în Monitorul Oficial No. 131/920.

DECIDEM:

Art. I. — Se aprobă de noi:

a) Amenajamentul pădurii Mândra, judeţul Trei Scaune, proprietatea Montag Emeric ş. a., în suprafaţă de 103 ha. 8600 mp. Regim şi tratament codru grădinărit. Termenul exploatabilităţii 90 ani. Revizuirea după 20 ani.

b) Amenajamentul pădurii Voroveni Huluba, judeţul Muscel, proprietatea moşten. Elisabeta Preot Aurelia Diaconescu, în suprafaţă de 80 ha. 6500 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 18 ani. Revizuirea după 18 ani.

c) Amenajamentul pădurii Faţa Viilor şi Poeni, judeţul Someş, proprietatea Dr. Petru Poruţiu ş. a., în suprafaţă de 43 ha. 9900 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

d) Amenajamentul pădurii Grindul lui Drugă, judeţul Mehedinţi, proprietatea Petre N. Isvoranu, în suprafaţă de 37 ha. 2700 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 10 ani. Revizuirea după 10 ani.

e) Regulamentul de exploatare al pădurii Balta Lată, judeţul Mehedinţi, proprietatea M. N. Isvoranu, în suprafaţă de 12 ha. 5200 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 15 Aprilie 1940, în Cabinetul nostru,

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *Dr. Radulovici.*

No. 10270/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Valea Faurului, judeţul Hunedioara, proprietatea Tiberiu Radu, în suprafaţă de 184 Ha. 5700 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

b) Amenajamentul pădurii Paleologul, judeţul Vlaşca, proprietatea Dan M. Corbescu, în suprafaţă de 177 ha. 8600 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 12 ani. Revizuirea după 12 ani.

c) Amenajamentul pădurii Garda, judeţul Alba, proprietatea Comunei Băgău, în suprafaţă de 86 ha. 3200 mp. Regim şi tratament crâng simplu Revoluţia 25 ani. Revizuirea după 10 ani.

d) Amenajamentul pădurii Pochea, judeţul Alba, proprietatea Fundaţiei Culturale Dr. I. Mihu, în suprafaţă de 52 ha. 6100 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

e) Regulamentul de exploatare al pădurii Faţa Gărdanului, ş. a., judeţul Mehedinţi, proprietatea Dănilă Racoveanu, în suprafaţă de 10 ha. 3200 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 15 ani. Revizuirea după 15 ani.

Dată astăzi 7 Mai 1940, în Cabinetul nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *Dr. Radulovici.*
No. 11760/940.

---

a) Regulamentul de exploatare al pădurii Lucianca, judeţul Ilfov, proprietatea N. N. Ghiţă, în suprafaţă de 111 ha. 9967 mp. Regim şi tratament crând simplu. Revoluţia 12 ani. Revizuirea după 12 ani.

b) Regulamentul de exploatare al pădurii Măciuca, judeţul Prahova, proprietatea Gh. şi Aurică Gh. Boştinescu, în suprafaţă de 24 ha. 9400 mp Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 7 Mai 1940, în Cabinetul nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *Dr. Radulovici.*
No. 11761/940.

---

a) Amenajamentul pădurii proprietatea oraşului Gheorgheni, judeţul Ciuc, în suprafaţă de 668 ha. 1500 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri rase. Revoluţia 100 ani. Revizuirea după 10 ani.

b) Regulamentul de exploatare al pădurii Dosul Văii Mari, judeţul Muscel, proprietatea Nicolae C. Radu, în suprafaţă de 1 ha. 80 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 18 ani. Revizuirea după 18 ani.

c) Regulamentul de exploatare al pădurii Ropcea, judeţul Storojineţ, proprietatea Paraschiva Himinciuc, în suprafaţă de 10 ha. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 80 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 8 Mai 1940, în Cabinetul nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *Dr. Radulovici.*
No. 11832/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Comunale a oraşului Gheorgheni, judeţul Ciuc, în suprafaţă de 1402 ha. 8400 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri rase. Revoluţia 100 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 8 Mai, în Cabinetul nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *Dr. Radulovici.*
No. 11883/940.

---

a) Amenajamentul pădurilor proprietatea oraşului, Aiud, judeţul Alba, în suprafaţă de 1262 ha. 4600 mp., tratată în o serie de crâng cu rezerve şi revoluţia 30 ani, o serie de codru cu tăeri succesive şi revoluţia 100 ani şi o serie de agrement cu exploatabilitatea fizică. Revizuirea după 20 ani.

b) Regulamentul de exploatare al pădurii Faţa Lapoşului Păltiniş, judeţul Ciuc, proprietatea Ioan Popescu ş. a., în suprafaţă de 254 ha. 9800 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri rase şi revoluţia 50 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 16 Mai 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *Dr. Radulovici.*

No. 12707/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Prăjeşti-Viforeni-Coteni, judeţul Bacău, proprietatea Statului, în suprafaţă de 2831 ha. 800 mp. tratată în 2 serii de codru cu tăeri succesive şi revoluţia 120 ani. Revizuirea în anul 1944.

b) Amenajamentul pădurii Heltiu Vrânceni, judeţul Bacău, proprietatea Statului, în suprafaţă de 1812 ha., tratată în 2 serii de codru cu tăeri succesive şi revoluţia 140 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 28 Mai 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *Dr. Radulovici.*

No. 13844/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Baiuţ, judeţul Someş, proprietatea Comunei Băiuţ, în suprafaţă de 655 ha. 2300 mp., tratată în 2 serii de codru cu tăeri succesive cu revoluţia 90 şi 80 ani. Revizuirea după 10 ani.

b) Amenajamentul pădurii Corneasca Lupoaia, ş. a., judeţul Dâmboviţa, proprietatea Moşt. C. Câmpeanu, în suprafaţă de 77 ha. 3212 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 15 ani pentru Seria I şi 6 ani pentru Seria II-a. Revizuirea după 15 ani.

Dată astăzi 28 Mai 1940, în cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *Dr. Radulovici.*

No. 13845/940.

---

a) Amenajamentul pădurii comunale a Comunei Lunga, judeţul Trei-Scaune, în suprafaţă de 1117 ha. 9700 mp., tratată în o serie de codru cu tăeri rase şi revoluţia 100 ani şi una serie de codru cu tăeri succesive şi revoluţia 90 ani. Revizuirea după 10 ani.

b) Revizuirea amenajamentului pădurei Făget, judeţul Târnava Mare, proprietatea Composesoratului din Hoghiez, în suprafaţă de 527 ha. 6800 mp. Regim şi tratament cu tăeri succesive. Revoluţia 80 ani. Revizuirea după 10 ani.

c) Amenajamentul pădurii Lopadia, judeţul Odorheiu, proprietatea Bisericei Reformate din Porumbenii Mici, în suprafaţă de 11 ha. 9700 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 80 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 28 Mai 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *Dr. Radulovici.*

No. 13846/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Horlăceni, judeţul Dorohoi, proprietatea I. Haller ş. a., în suprafaţă de 528 ha. 3000 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 20 ani.

b) Amenajamentul pădurii Teiuş, Rudaru, ş. a., judeţul Timiş Torontal, proprietatea Coproprietăţii Teiuş Clopodia, în suprafaţă de 516 ha. 5000 mp. Regim şi tratament crâng compus. Revoluţia 40 ani. Revizuirea după 10 ani.

c) Amenajamentul pădurii Plantaţia Dessa, judeţul Dolj, proprietatea D. Cioc, în suprafaţă de 261 ha. 1400 mp., regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 10 ani. Revizuirea după 10 ani.

d) Regulamentul de exploatare al pădurii Scărlătoaia Mioveni, judeţul Muscel, proprietatea Const. şi Rodica I. Niţescu, în suprafaţă de 159 ha. 3100 mp., tratată în o serie de crâng simplu cu revoluţia 14 ani şi una serie de crâng grădinărie cu revoluţia 25 ani. Revizuirea după 14 ani.

Dată astăzi 28 Mai 1940, în Cabinetul nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *Dr. Radulovici.*
No. 13847/940.

---

a) Revizuirea amenajamentului pădurii Carapciu pe Ceremuş, judeţul Storojinet, proprietatea Vitold şi Alfred Crystofovici, în suprafaţă de 1557 ha. 2000 mp., tratată în 2 serii de codru cu tăeri succesive şi revoluţia 90 ani. Revizuirea în anul 1949.

b) Amenajamentul pădurii Zănoaga, Dosul Galbenului ş. a., judeţul Hunedoara, proprietatea Composesoratului nobil Zănoaga Paroşeni, în suprafaţă de 966 ha. 1000 mp., tratată în o serie de codru cu tăeri rase şi revoluţai 100 ani; una serie de codru cu tăeri succesive şi revoluţia 100 ani şi una serie de protecţie cu exploatabilitatea fizică. Revizuirea după 15 ani.

Dată 29 Mai 1940, în Cabinetul nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *Dr. Radulovici.*
No. 13975/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Bahna, judeţul Roman, proprietatea Cornelia M. Sasu, în suprafaţă de 122 ha., tratată în o serie de crâng cu revoluţia 25 ani şi una serie de agrement cu exploatabilitatea fizică. Revizuirea după 10 ani.

b) Amenajamentul pădurii Câmpineanca, judeţul Buzău, proprietatea Ştefan Gh. Dobrescu, în suprafaţă de 62 ha. 5000 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 12 ani. Revizuirea după 12 ani.

c) Regulamentul de exploatare al pădurii Corozelu Ciubota, judeţul Tutova, proprietatea Geta C. D. Iarca, în suprafaţă de 54 ha. 810 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată 29 Mai 1940, în Cabinetul nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *Dr. Radulovici.*
No. 13976/940.

---

a) Regulamentul de exploatare al pădurii Cloşani, judeţul Mehedinţi, proprietatea Irina Butculescu, exploatarea Soc. Timbex Ltd. din Londra, în suprafaţă de 2371 ha. 7500 mp., tratată în o serie de crâng cu revoluţia 30 ani; una serie de protecţie, una de agrement precum şi 2 serii de codru cu tăeri succesive şi revoluţia 100 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată 29 Mai 1940, în Cabinetul nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *Dr. Radulovici.*
No. 13977/940.

---

a) Revizuirea regulamentului de exploatare al pădurii Zaganul, judeţul Prahova, proprietatea Gh. Al. Morcovescu ş. a., în suprafaţă de 420 ha. 4000 mp., tratată în o serie de codru cu tăeri succesive şi revoluţia 90 ani şi una serie de protecţie cu tratamentul grădinărit. Revizuirea după 10 ani.

b) Regulamentul de exploatare al pădurii Colăreţi, judeţul Mehedinţi, proprietatea Adriana Pantazi ş. a., în suprafaţă de 41 ha. 7500 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 25 ani. Revizuirea după 20 ani.

c) Regulamentul de exploatare al pădurii Budeasa, judeţul Argeş, proprietatea Pr. I .C. Sălcescu, în suprafaţă de 18 ha. 2750 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

d) Regulamentul de exploatare al pădurii La Poduri, judeţul Prahova, proprietatea Gr. Gr. Cărbunescu, în suprafaţă de 15 ha. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată 29 Mai 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *Dr. Radulovici.*

No. 13978/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Gura Vărsăturii, judeţul Ialomiţa, proprietatea M. şi N. Chiriacescu, în suprafaţă de 119 ha. 2500 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 5 ani. Revizuirea după 5 ani.

b) Regulamentul de exploatare al pădurii Sfoara Târcoveanu, judeţul Buzău, proprietatea Aneta Gh. Badea ş. a., în suprafaţă de 25 ha. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 100 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată 29 Mai 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *Dr. Radulovici.*

No. 13979/940.

---

Art. II. — Revizuirea amenajamentelor şi regulamentelor de exploatare mai sus menţionate se va face la epoca arătată în dreptul fiecăruia. Dacă vreuna din păduri în total sau în parte, intră în dispoziţiunile legilor; pentru protecţia monumentelor naturei, pădurilor necesare apărării naţionale, pădurilor de protecţie, revizuirea se va face şi mai înainte de acest termen.

Art. III. — Aceste regulamente de exploatare, amenajamente etc., se aprobă numai din punct de vedere tehnic silvic, luându-se drept definitivă situaţia comunicată de organele de aplicare a legii pentru reforma agrară.

Constatându-se însă în urmă că arătările din acest amenajament (regulament de exploatare), referitoare la suprafaţa pădurii, la numele proprietarului etc., au fost date eronat sau între timp au suferit schimbări fortuite, ele se va revizui imediat fie din punct de vedere technic-silvic, fie asupra proprietăţii etc. Amenajamentul (regulamentul de exploatare) nerevizuit la termen de parte, este nul şi neavenit.

Art. IV. — Toate celelalte dispoziţiuni prevăzute în studiile respective şi articolul adiţional anexat fiecăruia, sunt executorii.

Art. V şi ultimul. — Domnul Director al Direcţiei Silvice este însărcinat cu executarea prezentei Deciziuni.

---

# REVISTA PĂDURILOR

Redactor-şef: **Stinghe N. V.**

Comitetul de redacţie:

P. Ioan — Ilie C. Demetrescu
D. Sburlan — N. Ghelmeziu


## SOCIETATEA «PROGRESUL SILVIC»

**Fondată în anul 1886**

**Persoană morală prin Decretul Regal 1630 din 28 Aprilie 1904**

CONSILIUL DE ADMINISTRAŢIE PE 1940

Preşedinte: **Drăcea D. M.**

Vice-Preşedinţi: **Alimăneştianu Const.**, **Stinghe N. V.**

Casier: **Rădulescu M.**

Secretar general: **I. Zeicu**

Secretari: **Al. Butoi**, **Haralamb At.**

MEMBRII:

**Bunescu M. C.**
**C. Chiriţă**
**Demetrescu Ilie**
**Florescu P. M.**
**Georgescu P. C.**
**Grozescu D.**
**Ionescu I. A.**
**Lazăr H.**
**Manoilescu Mircea**
**Minescu G.**
**Năstăsescu G.**
**Nedelcovici Ath.**
**Priboianu N. V.**
**St. Rodoteatu**
**V. Sabău**
**Sburlan A. D.**
**Vâlceanu E.**

Cenzori: **N. Burculeţ, Vencu Georgescu şi I. Paladian.**

Cenzori supleanţi: **St. Georgescu, Şt. Predescu şi Gr. Vasilescu.**

---

**PREŢUL ABONAMENTULUI:**

| | | |
|---|---|---|
| Pe un an pentru | instituţii | 500 lei |
| „ „ „ „ | particulari | 300 „ |
| „ „ „ „ | membrii Societăţii | 200 „ |
| „ „ „ „ | conductori şi brigadieri | 75 „ |
| Numărul | | 25 „ |

**Manuscrisele nepublicate se înapoiază.**

EDITURA SOCIETĂȚII „PROGRESUL SILVIC"

AU APĂRUT:

I. SERIA A. — BIBLIOTECA DE POPULARIZARE:

D. A. SBURLAN

ARBORII ȘI PĂDURILE NOASTRE

78 pagini, 20 lei

II. SERIA B. — INDRUMĂRI:

Z. PRZEMETSCHI și GR. VASILESCU

TEHNICA ÎMPĂDURIRILOR

(SEMINȚE, PEPINIERE, IMPADURIRI)

166 pagini, 60 lei

EPUIZAT

III. — SERIA C. — TRATATE ȘI MANUALE:

Prof. V. N. STINGHE

AMENAJAREA PĂDURILOR

UN VOLUM DE 255 PAGINI

D. A. SBURLAN

INSTALAȚII DE TRANSPORT PENTRU EXPLOATĂRI FORESTIERE

UN VOLUM DE 304 PAGINI

INST. DE ARTE GRAFICE BUCOVINA I. E. TOROUȚIU BUCUREȘTI

# REVISTA PĂDURILOR

ORGANUL SOCIETĂȚII „PROGRESUL SILVIC"

IE AUGUST 1940 ANUL LI

# DELA ADUNAREA GENERALĂ DIN ACEST AN

## UN DECENIU DELA RESTAURAŢIE

Intr'acest an — 1940, „Anul Destinului" — Adunarea noastră generală — a cincizeci şi patra — s'a ţinut în zilele în cari se împlineau zece ani dela Restauraţie.

La sugestia Majestăţii Sale Regelui, această mare faptă din istoria neamului, s'a comemorat sobru şi discret.

Cu atât mai mult se cuvine să ne adâncim gândurile în aceşti zece ani trecuţi, spre a vedea de unde am pornit fiecare în parte şi cu toţii împreună, unde am ajuns, spre a înţelege încotro mergem şi trebuie să mergem.

Aceste analize critice ale înfăptuirilor noastre la fiecare fine de deceniu, revizuirea periodică a concepţiilor, consemnarea precisă, cel puţin parţială, a stărilor de fapt de la începutul şi finele unui deceniu, toate acestea constituesc un foarte puternic instrument de propăşire.

Şi ni-l putem, sau ni se poate impune pe viitor ca normă.

Liniile mari ale aspectelor forestiere ale deceniului au fost schiţate în cuvântarea Preşedintelui Societăţii la deschiderea Adunării generale.

Revista Pădurilor, organul Societăţii „Progresul Silvic", mai adaugă următoarele.

Un trecut amar şi plin de sbucium a făcut din neamul nostru un popor dinastic în cea mai înaltă accepţiune a cuvântului. In adâncurile înţelepciunii neamului străluceşte credinţa, că stăruinţa Dinastiei şi a Domnului de drept pe tronul Său, pe tronul Domnului tuturor Românilor, a fost temeiul existenţei celui mai unitar popor, pe pământul căruia istoria a tras în tot felul hotare trecătoare. Şi de aceea, când la 8 Iunie 1930, Regele Ţării îşi intră în drepturile Sale, poporul a văzut împlinindu-i-se bunul său destin şi din tot sufletul, în toate colţurile ţării s'a bucurat în toate adâncurile sale.

Ca şi întregul popor, din adâncurile curate şi sănătoase

ale căruia venim, inginerii silvici, şi cu noi toată acea lume de dregători credincioşi pădurii, de veghe în toate colţurile pământului românesc, ca paznici ai liniştei şi ai bunei rânduieli în ţară, noi suntem dinastici din instinct şi prin tradiţie.

Nouă, însă, Restauraţia ne-a adus o bucurie în plus. Căci, după o veche şi întotdeauna mărturisită credinţă a noastră, Regele ţării este apărătorul cel mai tare şi cel mai înţelegător, stâlpul cel mai de nădejde al pădurilor ţării şi al Corpului Silvic.

După Restauraţie au urmat apoi zece ani grei; grei în ţară, grei afară din ţară.

Pripitele întocmiri sociale de împrumut ale deceniilor anterioare dau, mai departe, pas slobod răilor. Şi erau mulţi. Şi numărul lor creştea cu îndârjirea lor în rău.

Cei buni nu-şi mai găseau calea de a face binele.

Chiar cel cu cele mai curate gânduri — şi au fost mulţi — trebuiau adese-ori — în spiritul vremii — să facă el însuşi rele spre a ajunge şi a se păstra câtva timp în locurile din cari se putea face, din când în când, şi câte o fărâmă de bine.

Iar din adâncurile sale în miezul său cel sănătos, nu la suprafaţa ameţită de semidoctism, demagogie şi întinată de rău, — poporul cel bun, şi cu mult bun simţ, poporul cel omenos, îndelung răbdător, aştepta de mult o îndreptare, care să-l lase a-şi vedea de rosturile şi de destinul său. Şi atunci a venit gestul — greu de cumpănit — desigur — dar hotărît — al unui Rege îndrăzneţ, puternic şi cu simţul răspunderii, gestul care în tumult încearcă eroic a stârpi năravuri şi a surpa întocmiri sociale şi politice a căror dăinuire puteau aduce pieirea unui neam nevinovat, care două milenii dovedise — prin greutăţi şi primejdii, — că este demn de o soartă mai bună.

Constituţia cea nouă urmăreşte a face din munca cinstită pentru binele neamului, rostul de temeiu al vieţii fiecăruia dintre noi şi din instaurarea — în fine — a poporului românesc celui adevărat în toate drepturile sale, în propria sa ţară, linia fundamentală a gândirii şi a înfăptuirilor tuturora.

O atât de adâncă prefacere nu se putea înfăptui fără zguduiri. Dar trebuia să se facă şi s'a făcut.

Nouă ne lipseşte încă perspectiva istorică spre a o judeca în toată măreţia ei. Dar s'a făcut, şi s'a dovedit prin aceasta limpede că poporul nostru e vârtos şi că alături de conducă-

torii săi firești el poate reacționa puternic și eficient în potriva răului ce-l bântue.

„N'o s'îndrept eu țara" rămâne azi stigmatul exclusiv și precis al celor răi, de rea credință, neputincioși, cari se descompun lent și sigur în propria lor comoditate și cari trag mulți din juru-le pe calea pierii lor.

Trebue să reacționăm și putem să reacționăm în contra răului! Acest gând este opera cea mai mare a primului deceniu al Restaurației.

Să adâncim, să desăvârșim, să generalizăm și să dăm putere creatoare acestui gând; aceasta trebue să fie opera anilor ce urmează.

Căci, se înțelege, prefaceri adânci și noi întocmiri cer „oameni" mulți, capabili de sforțări de durată pentru înfăptuirea binelui. Și mai cu seamă credință tare în biruința binelui, până ce înoirile prind rădăcini adânci și puternice în pământul țării și în sufletul neamului, până se curăță de necredincioșii în ele și mai cu seamă de cei mai mari dușmani ai lor: de neoariviști și de neoprofitori. Și aceasta nu se poate înfăptui de cât prin desăvârșirea gândului fundamental al Restaurației, prin unirea tuturor celor buni într'un singur mănunchiu, cu o coheziune atât de mare și cu o voință atât de unitară și de puternică, încât cei răi să fie reduși curând la neputință sau aduși la calea cea bună.

Și toți strânși în jurul Majestății Sale Regelui, Care ne-a dovedit că se poate reacționa în contra răului și Care este simbolul unității și țării noastre.

Căci azi — să deslușim bine ce se întâmplă în jurul nostru! — popoarele sufletește divizate, sunt popoare moarte pe vecie.

RED.

*Auszug*

*Resumé*

Quelques mots sur l'Assemblée générale de cette année de la Société „Progresul Silvic", qui à cette occasion a fêté 10 ans de régne de Sa Majesté le Roi Charles II.

En deux articles qui suivent, on expose les idées exprimées par Mr. le prof. G. Ionescu-Șișești Ministre de l'Agriculture et des Domaines, et par Mr. le prof. M. Drăcea, Président de la Société; dans le troisième article occasionnel, concernant les forêts et les forestiers, se trouvent quelques idées exprimées par Mr. le prof. M. Șerban Sous-secrétaire d'Etat au-même département.

## CUVÂNTAREA D-LUI PROF. G. IONESCU-ŞIŞEŞTI MINISTRUL AGRICULTURII ŞI DOMENIILOR

„Viu întotdeauna cu plăcere în mijlocul D-voastră ca în mijlocul unor camarazi de breaslă şi unor colaboratori aşa de preţioşi ai Ministerului de Agricultură şi Domenii. Cu ajutorul Dv. vom putea să ridicăm potenţialul economic al ţării şi vom spori izvoarele ei de energie şi de producţie. Vă mulţumesc pentru primirea pe care mi-aţi făcut-o, mulţumesc D-lui Preşedinte pentru cuvintele calde cari mi le-a adresat şi vă exprim toată recunoştinţa pentru gestul Dv. de a mă fi proclamat membru de onoare al Societăţii „Progresul Silvic".

Sunt întru totul de acord cu ideile, propunerile şi năzuinţele exprimate de D-l Preşedinte în frumoasa şi substanţiala sa cuvântare.

Dar doresc la rându-mi să subliniez câteva idei esenţiale pentru desvoltarea economiei noastre silvice.

Trăim într'o vreme când interesul comunităţii adică al Statului, al Ţării, trebue să treacă înaintea interesului privat, într'o epocă când deasemenea interesul permanent trebue să treacă înaintea interesului actual. Principiile acestea se afirmă din ce în ce mai mult în toate ţările continentului nostru, — ele trebuesc aplicate şi la noi, şi în nici o altă îndeletnicire nu se cere aplicaţiunea lor mai mult de cât în silvicultură.

Al doilea principiu pe care ţin să-l accentuez este acela al delimitării precise în spaţiu dintre agricultură şi silvicultură, delimitare care va permite fiecărei îndeletniciri să se descolte prin propriile ei forţe.

Această delimitare nu înseamnă o lipsă de colaborare şi încă mai puţin un antagonism, ci dimpotrivă ea condiţionează o înţelegere şi o conlucrare a celor două îndeletniciri, în scopul în primul rând al apărării solului, care este fondul de produc-

ţie permanent. Nu are nimeni nici acum nici în viitor, interesul să transforme România într'o stepă sau într'un pustiu; dimpotrivă, stepa trebueşte îndulcită prin perdele de protecţie, iar devastarea inundaţiilor şi a puhoaelor trebueşte oprită prin conservarea pădurilor. Este îngrijorător să constatăm, că pustiirile cele mai mari ale inundaţiilor din ultimul timp s'au petrecut în Jud. Putna şi Mehedinţi, cari sunt dintre judeţele cele mai despădurite ale ţării. Nu trebue să repetăm metodele cari s'au aplicat cu peste o mie de ani înainte, pădurilor din bazinul mediteraneian şi în special din Peninsula Balcanică, — ci trebue să aplicăm metodele ştiinţifice şi tehnice, cari se aplică azi cu succes în ţări de cultură înaintată.

Al treilea lucru pe care ţiu să-l accentuez în faţa D-voastră, este că trebue conservată actuala suprafaţă împădurită a ţării, suprafaţă a cărei proporţie s'a micşorat sub limita considerată normală în alte ţări. Mai mult de cât atât, afirm aici cu acest prilej necesitatea ca patrimoniul forestier al ţărei să fie sporit. Străduinţele desfăşurate de Dvs. pentru a crea perdele de protecţie în stepă şi pentru a reîmpăduri terenurile degradate şi distruse, dovedesc, că această mărire a patrimoniului forestier se poate realiza şi anume, este necesar să se realizeze în regiunea de limită a vegetaţiei forestiere, acolo unde vegetaţia silvică nu se poate menţine decât cu grije deosebită.

Al patrulea lucru care vreau să-l relevez este, că avem nevoie de păduri bune, bine apărate şi bine crescute, nu de păduri brăcuite şi păşunate.

In sfârşit accentuez că pădurile trebue să fie plantate, crescute şi exploatate de elemente naţionale. Nici o altă ramură de producţie, nu este mai strâns legată de viaţa şi de permanenţa neamului nostru pe pământul strămoşesc. Anumite elemente cari într'un trecut mai depărtat sau mai apropiat, asupra căruia nu e locul să mai insistăm, trebueşte să fie limitate în accesul lor la această avuţie naţională, care este legată de însuşi destinul neamului.

Toate aceste postulate trebue să fie permanent prezente în faţa ochilor noştri şi să ne inspire măsurile ce luăm.

Dar, în afară de acest îndreptar permanent, aş dori să folosesc acest prilej pentruca să atrag atenţia Dvs. asupra unei probleme urgente, care aşteaptă deslegarea în timpul cel mai scurt. Am avut o iarnă lungă şi grea în care s'a consumat toate

rezervele de combustibil. Pentru iarna viitoare, după date pe care mi le-aţi comunicat, nu există tăiat în pădure decât 1/7 din nevoile normale de lemn, iar depozitele din Capitală şi din oraşe sunt secătuite.

Este nevoie ca să desfăşurăm cu toţii o încordare deosebită pentruca să asigurăm aprovizionarea cu lemne a populaţiei pentru iarna viitoare. Sunt greutăţi cari trebuiesc biruite, ceeace nu se va putea face decât dacă inginerii silvici vor colabora cu organele administrative şi cu organele Ministerului Apărării Naţionale, într'o adevărată mobilizare analoagă mobilizării agricole, care ne-a permis în această primăvară să acoperim cu semănături întreaga suprafaţă arabilă a ţării, cu toate greutăţile mari întâmpinate.

In organizarea muncii la păduri, în organizarea transporturilor, autorităţile administrative şi militare trebue să fie alături de inginerul silvic în rezolvarea acestei grele probleme. Dacă cu toate sforţările nu vom putea realiza în lunile ce ne mai despart de iarnă, toată cantitatea de care mai e nevoie, aceleaşi organe, în colaborare, trebue să organizeze o distribuţie raţională şi echitabilă, care să nu favorizeze pe unii şi să lase lipsiţi pe alţii.

Pentru a putea să realizăm în timp scurt cantităţile de lemn de cari avem nevoe, a trebuit să adaptăm diferitele noastre legiuiri silvice la necesităţile momentului. Modificările propuse au eşit din sfaturile exponenţilor Dvs. şi sunt convins că vor duce la rezultatul dorit.

Cu acest prilej s'a constatat că este necesar să se reînfiinţeze Direcţia Pădurilor Administrate de Stat, care se ocupă cu administrarea pădurilor comunale şi a persoanelor juridice şi de asemenea să se transforme Direcţia Comercială a Pădurilor în Administraţia Casei Pădurilor, punându-se din nou în vigoare normele de administrare verificate ca bune în decursul timpurilor.

Aveţi un ideal silvic care călăuzeşte şi însufleţeşte activitatea Dvs. Trebue să fiţi convinşi că un ideal e întotdeauna un ţel îndepărtat, care nu se poate atinge cu uşurinţă şi poate că nici nu ar fi bine să fie atins cu uşurinţă căci atunci năzuinţele şi străduinţele Dvs. ar slăbi. Trebue să fiţi însă mulţumiţi, că vă apropiaţi mereu de acest ideal şi că activitatea Dvs. se desfăşoară pe o curbă ascendentă.

Aceea ce aţi numit aşa de frumos, „conştiinţa forestieră", s'a încetăţenit din ce în ce mai mult în opinia noastră publică.

Această conştiinţă forestieră s'a întărit în timpul celor 10 ani de domnie ai Majestăţii Sale Regelui şi mai ales în ultimii doi ani de când Majestatea Sa a dat Statului Român un nou aşezământ mai corespunzător cu tradiţiile şi nevoile sale. care îngădue o altă atitudine faţă de pădure.

Tineretul care creşte acum, înţelege şi iubeşte pădurea mai mult de cât generaţiile dinaintea lui. Acest tineret creşte sub călăuzirea şi imboldul direct al Majestăţii Sale Regelui.

De aceea, în această zi de recapitulare a sforţărilor şi muncii D-voastră, sunt în simţământul Dvs. al tuturor să strigăm: Trăiască Majestatea Sa Regele Carol II!".

---

## FRAGMENT DIN CUVÂNTAREA D-LUI PROF. M. DRĂCEA, PREŞEDINTELE SOC. PROGRESUL-SILVIC

. . . . . .

„Restaurația aduce cu sine un început de liniște la hotarele pădurii, puternic agitate și profund măcinate de Reforma Agrară. Sub imperiul „conștiinței forestiere" din ce în ce mai clare și mai generale, șurubul — ce părea fără sfârșit — al Reformei Agrare, nu numai că-și încetinește, sau își oprește pasul, dar chiar, pe alocurea, pornește a se învârti înapoi. Ca atare, coaste surpătoare se împăduresc, se consolidează și se liniștesc; torenți își potolesc furia. La câmpii peisajul se schimbă puternic și neîncetat sub ochii noștri; multe sate ajung adevărate păduri; pădurea, gonită de agricultură și de pășunat, este rechemată cu insistență înapoi de cel ce a păcătuit odată gonind-o. Ea renaște astfel în perdele de adăpost sau de apărare națională.

Incepe astfel a se desăvârși acel mare proces istoric de „cantonare definitivă" a agriculturii și a silviculturii pe terenurile ce cu adevărat se cuvine fiecăreia din ele.

La potolirea defrișărilor și la contraofensiva pădurii, mai cu seamă la câmpie, contribue între altele, și marea criză a agriculturii, deslănțuită la finele deceniului trecut.

Mult mai greu s'a pogorît liniștea binefăcătoare înăuntrul pădurii. Susținută de lipsa unei înțelegeri pentru rosturile acesteia, demagogia — care întotdeauna a făcut din pădure un obiect de compensație politică — a lăsat să dăinuiască până aproape în pragul noului Constituții — mântuitoare de neam și țară — iluzia că pădurea e chemată să hrănească vitele țării.

Inginerii silvici, convinși de dreptatea cauzei pădurilor, au rămas neîncetat dârji în atitudinea lor protestatară în contra acestei iluzii.

Imprejurări fericite fac ca, — începând în deosebi din 1938 — Ministerul de Agricultură şi Domenii — şi între noi se găseşte D-l Ministru Gh. Ionescu-Sisești, care a făcut acest gest istoric — să aplice strict legile ţării şi să restrângă păşunatul în pădure (aplause).

Pentru prima dată dela marele guvern conservator P. P. Carp din 1894, pădurile mai trăesc şi ele un an liniştit şi fericit.

S'a putut face astfel dovada că agricultura şi economia vitelor se pot desvolta şi fără iluzia păşunatului în pădure; ceva mai mult, cultura nutreţurilor începe să se intensifice puternic, islazurile rupte din trupul pădurii se ameliorează simţitor, economia naţională ajungând astfel să îndrepte pe adevărata cale creşterea şi ameliorarea vitelor, redând în acelaş timp pădurilor liniştea atât de necesară.

In ce priveşte starea internă a pădurilor, trecând peste păşunat, subliniem că legiuirile forestiere ale deceniului, ne-au îndreptat spre treptata raţionalizare a exploatării pădurilor şi folosirii lemnului. La aceasta a contribuit, în deosebi, mişcarea foarte puternică în favoarea exploatărilor în regie şi aprovizionării directe cu lemn a autorităţilor. Sistemul, se înţelege, a întâmpinat rezistenţă şi greutăţi: greutăţile începutului, rezistenţa ocultă cu urmări îndepărtate şi nevăzute a capitalismului, la care se adaogă greutăţile ce decurg din lipsă de fonduri. Ceva mai mult, exploatările în regie trebuiau organizate sub loviturile grele ale crizei, ce se deslănţuise la finele deceniului trecut.

Sistemul însă a rezistat tuturor loviturilor, s'a adaptat împrejurărilor şi s'a perfecţionat treptat.

Administraţiile forestiere au construit admirabile instalaţiuni technice, pentru exploatarea pădurilor şi folosirea materialului. Personalul de toate gradele s'a desăvârşit în exploatarea raţională, sortarea, manipularea şi comercializarea produselor pădurii. In acest fel, exploatarea în regie, asociindu-şi cooperaţia forestieră cea adevărată, a făcut ca exploatarea pădurilor să ţină, mai mult ca înainte, seama de regenerarea lor şi a contribuit pe de o parte ca, treptat, poporul român să ajungă mai stăpân în propriile sale păduri, iar pe de alta, ca vremurile noui să găsească organismele angajate în exploatarea pădurilor perfect pregătite spre a fi uşor încadrate într'o economie forestieră dirijată, din ce în ce mai necesară.

Începutul de raţionalizare, naţionalizare şi planificare sunt trei mari linii fundamentale ale economiei forestiere în primul deceniu al Restauraţiei.

Dar, dacă trebueşte ceva în deosebi subliniat în economia forestieră a acestui deceniu, aceasta este mişcarea foarte puternică şi foarte susţinută pentru împădurirea restanţelor din trecut şi ameliorarea regenerării pădurilor exploatate.

Intinsele tăeri rase ale capitalismului din deceniile anterioare, în cea mai perfectă înţelegere cu ceea ce am putea numi demagogia păşunatului şi a exproprierii, lăsaseră mari suprafeţe neregenerate în pădurile ţării. Incă din deceniul trecut, Administraţiile silvice începuseră a reacţiona puternic în contra acestei grave lipse, organizând personalul şi rezolvând în mod strălucit problema seminţelor forestiere.

In deceniul Restauraţiei s'a desăvârşit această operă; socotim că acest deceniu este cel în care s'a făcut sau se vor fi făcut cele mai întinse lucrări de împădurire. Deceniilor următoare le rămâne sarcina să apere tinerele arborete create, să treacă treptat la regenerarea naturală a pădurilor şi — lucru trebue în deosebi subliniat — să lucreze neîncetat şi vreme îndelungă — multe decenii — la ameliorarea arboretelor existente, uneori grav degradate în substanţa lor internă, prin exploatări neregulate din trecut, care au scos sistematic din pădure ceea ce era mai bun.

Intr'o altă ordine de idei, deceniul Restauraţiei a contribuit la înţelegerea treptată, în cercuri din ce în ce mai largi, a rostului pădurilor în economia naţională şi la asigurarea proprietăţii forestiere. In gândirea poporului nostru, pădurea tinde, în acest deceniu, să iasă din ce în ce în primul plan al preocupărilor oamenilor de stat, ale poporului şi în deosebi ale tineretului.

Legile privitoare la pădurile de protecţie şi de apărare naţională, aplicaţiile făcute — în special în ultimul an — cu privire la problemele de apărare naţională, cum şi contactul din ce în ce mai strâns şi mai puternic pe care tot tineretul nostru îl ia cu pădurea, sub îndrumarea Suveranului, arată măsura în care „conştiinţa forestieră" se desluşeşte, se luminează, se lărgeşte şi se adânceşte în sufletul poporului nostru.

Este adevărat că — în pas cu timpul — interesul general trece din ce în ce mai mult înaintea interesului particular,

în ce privește folosirea pădurilor, dar, în acelaș timp, proprietatea forestieră, care a stat până în ultimul timp sub sabia lui Damokles a expropriérii, a putut, în fine, respira în momentul în care noua Constituție îi redă liniștea necesară.

Invățământul silvic superior — în cadrele Școalei Politechnice — ca și cel mediu și inferior, și-au regăsit în acest deceniu nu numai liniștea și siguranța pe care le-o desființaseră faptele de războiu, dar și condițiunile necesare unei permanente desvoltări și adaptări la nouile țeluri puse economiei forestiere.

In fine, în condițiunile foarte grele ale anilor de criză, spre mijlocul deceniului Restaurației, a născut, luptând cu toate greutățile, Institutul de Cercetări și Experimentație forestieră, menit ca din experiența trecutului și prin cercetări noui și susținute vreme îndelungă, să elaboreze o doctrină și o știință silvică românească, care nu mai pot fi împrumutate și care trebuesc creiate în conformitate cu specificul țării și al neamului.

Iată, în puține linii mari, cum a evoluat economia forestieră în primul deceniu al Restaurației, pe care noi îl concepem ca un deceniu de reculegere, de ajustare și de revenire grabnică la căi bune, atât cât permite rutina care trebuie desrădăcinată, lipsa de înțelegere pentru păduri — în locul căreia trebuie pusă conștiința luminată și încetineala cu care — prin firea ei și peste tot — evoluiază economia forestieră.

Cei cari cunosc felul cum a evoluat economia forestieră în țări tinere, fără tradiție forestieră, privesc cu liniște și cu bucurie înfăptuirile din primul deceniu al Restaurației și pornesc cu siguranță, cu hotărîre și cu optimism spre deceniile viitoare, în care — suntem convinși — cu înțelegerea și cu ajutorul Capului Statului care a fost și rămâne întotdeauna singurul stâlp al economiei forestiere, noi vom putea păstra și reda pământului și poporului românesc, pădurile care să-l apere și să-l îmbogățească, să-i împlinească nevoile și să-l înfrumusețeze.

Acestea sunt marile linii forestiere ale primului deceniu al Restaurației. Le subliniem, fiindcă ele cinstesc un Rege, un neam și o generație. Sobrietatea pe care ne-o impune timpul de azi, ne împiedică de a ne extinde mai mult".

. . . . . .

# PĂDUREA NOASTRĂ

de Prof. MIHAIL ŞERBAN
Fost subsecretar de Stat la Domenii

Pe întinsul cenuşiu al stepei unde am văzut lumina zilei, lemnul se găseşte rar, în depărtări la cumpene de fântână — după cum pe intensitatea mării apare din când în când câte un catarg de vas.

Pe şesul acestui fund de mare secată, casele sunt acoperite cu stuf de baltă, gardurile se fac din lut amestecat cu pleavă, iar drept combustibil servesc paele şi tizicul (cărămizile de bălegar uscat). Doar căpriorii şi grinzile caselor au dimensiunea anemică a unor prăjini, bune la îngrăditi în regiuni păduroase.

Trăit acolo unde natura imprimă oamenilor şi lucrurilor calmul orizontului, în prima mea călătorie făcută în Ardeal, când trenul trecea pe lângă înălţimile celor dintâi munţi, m'ascundeam în braţele mamei ca nu cumva aceştia să se prăvălească peste mine.

Născut şi crescut departe de pădure, fără să fi avut în stăpânirea mea vreodată un loc umbrit de arbori şi prins în multiplele mele preocupări, n'am avut prilejul să adâncesc problema lemnului. Pot deci să mă consider mai obiectiv şi mai imparţial în importanta discuţie a lemnului care fatal va exista, atât timp cât va există şi o pădure. Lemnul fiind o raritate în regiunea de stepă, am crescut în spiritul de cruţare şi de cinstire a lemnului.

Cu toate că meleagurile copilăriei mele erau Canaanul grâului, totuşi părinţii ne învăţau că risipa pâinei este un păcat. Ce poate fi atunci risipa lemnului decât o crimă? Iată de ce îmi este greu să înţeleg cum poate un român să nelegiuiască pădurile Ţării, care i-au fost adăpost în vremuri de restrişte şi mai ales leagăn al neamului?

Când mă gândesc numai la cantitatea materialului lemnos, ce se iroseşte pe loc în regiunile păduroase şi la marea lipsă de lemn în cele mai bogate comune din şes, îmi dau seama ce mult rămâne de făcut în domeniul technicei şi în acel al organizărei forestiere.

Ce să spunem de pierderile în material lemnos, nu de acele care au loc într'o exploatare raţională ci, de acelea care încep odată cu neglijarea replantării pădurii şi continuă cu lipsa de îngrijire şi de apărare a creşterii ei, cu brăcuiri, cu tăeri înainte de vreme sau în mod neraţional, la care se adaogă întregul cortegiu de: incendiii, păşunat, delicte, defrişări, etc.

Prosperarea pădurii îşi cere înţelegerea rostului ei, deci un anumit grad de cultură şi mai presus de toate cere simţ gospodăresc şi sentimentul răspunderii, organizare şi spirit de prevedere.

Apărarea pădurilor este anevoioasă şi din cauză că masivul ei lemnos, prin valoarea lui, constitue o mare tentaţie. El reprezintă laolaltă pe lângă recolta anului în curs şi recoltele anilor viitori. Inchipuiţi-vă ce s'ar întâmpla dacă românul — care cu greu se gospodăreşte de pe o lună pe alta — şi-ar primi salariul său pe un an întreg. Codrul poartă în sine salariul pe viaţa întreagă şi adesea chiar şi venitul ce se cuvine deabia copiilor noştri.

Regimul silvic îndeplineşte aşa dar un rol asemănător cu acela al secţiunilor tutelare ale justiţiei. El apără drepturile urmaşilor noştri, el ocroteşte viitorul naţiunii.

Corpul silvic este o armată în permanentă stare de război, menirea acestui corp fiind să lupte şi în timp de pace.

După cum războiul se naşte din conflictul a două interese contrarii, astfel şi războiul pădurii rezultă din contrastul dintre interesul proprietarilor vremelnici şi între drepturile permanente ale continuităţii. Unde se dă o luptă, există patimă şi se produc lovituri. De aceia apare ca cea mai strânsă dintre prietenii, camaraderia luptătorilor. Frontul defensivei silvice, pentru ca să-şi poată îndeplini greaua, dar importanta sa menire, trebue să fie însufleţit de credinţă şi de solidaritate.

Oastea pădurii trebue să fie o şcoală a cumpătării, a modestiei, a probităţii, într'un cuvânt, o şcoală a elitelor de caracter. Dar ea mai trebueşte să fie un exemplu de solidaritate în afară şi o familie a comunităţii sufleteşti în interiorul ei. Nu-

mai aceia care vor fi reuşit să se stăpânească întâi pe ei înşişi, vor putea aspira să izbutească a disciplina şi pe alţii, în ciuda tuturor resentimentelor pe care orice act de disciplinare le provoacă de obicei. După ce victoria materială va fi consolidată şi printr'o izbândă morală a defensivei, numai după aceia vom putea păşi cu succes şi la ofensiva silvică, pentru recunoaşterea poziţiilor pierdute în patrimoniul forestier al neamului nostru, patrimoniu atât de ameninţat de duşmănii din toate părţile.

Unii vor spune de sigur iredentism silvic, şi-l vor considera drept un năravv, punându-l în sarcina trecutului meu de fost iredentist până la unirea Transilvaniei. Prefer să rămân astfel, de altfel alături de Marele Stat Major al Armatei, care este convins şi chiar foarte atent la bunăstarea pădurilor Ţării.

Crezul pădurii este o dogmă a solidarităţii între diferitele generaţii ale aceluiaş pământ. Ideia silvică este pusă în slujba continuităţii, idee care la rândul ei, se înfrăţeşte cu veşnicia.

Ideia silvică se găseşte implicit şi în slujba progresului cultural. Cine sădeşte, se leagă. Cine se leagă, luptă şi numai acela care luptă poate stăpâni. Fără stăpânire nu există continuitate şi progres. Istoria ne învaţă, că imigranţii, în general străini de sângele şi de sufletul băştinaş, n'au prea sădit nicăieri. Nu atât dragostea era aceia care îi lega de loc, ci interesul. Ei căutau mai mult să profite de cât să-şi înfrăţească truda lor cu rodnicia gliei. De aceia apar pretutindeni acolo unde natura, ca o măicuţă grijulie, a strâns ceva zestre pentru urmaşi. Ei se văd de obicei la pădure, la petrol, la zăcăminte, dar nu se prea văd acolo, unde munca generoasă sfinţeşte cu sudoare şi sângele ei unirea eternă între ţară şi neam. Ei se găsesc la hambar şi pe drumuri, mişunând prin târguri şi în oraşe, unde se dispune, se huzureşte şi se îndeamnă la risipă. Ei apar numai acolo unde se poate prăda zestrea silvică a urmaşilor, încălcând astfel drepturile generaţiilor care vin. Moştenirea lor este grevată de o ipotecă rezultată din lipsa de solidaritate dintre generaţii.

Revenind la stările din Ţara noastră, ne dăm seama cu toţii, că acum după ce am scăpat de regimul partidelor politice, regim care a fost cel mai mare duşman al pădurii, a sosit tim-

pul suprem să salvăm ceiace a mai rămas şi să jurăm de a reface totul sub egida înălţătoare a Partidului Naţiunii. Deviza trebue să fie ca toţi slujbaşii mari şi mici ai cauzei pădurilor noastre, să ne unim în acelaş cuget şi să fim însufleţiţi de aceleaşi simţăminte ale devotamentului faţă de datoria şi de aceiaşi dragoste faţă de Ţară, Neam şi Rege.

Politica Partidului Naţiunii cu privire la conservarea suprafeţei împădurite, ameliorarea şi valorificarea patrimoniului silvic al Ţării, nu-şi poate trage sevă decât direct din ideia călăuzitoare a mişcării de renaştere naţional socială şi anume: primatul intereselor superioare şi permanente ale naţiunii. Războiul, reforma agrară, şi anarhia politicianistă, au cerut prea multe sacrificii, pentruca să nu înţelegem, cu un ceas mai devreme, că interesele personale trebuesc să fie coordonate cu binele obştesc. Ca transilvănean, îmi pot da mai bine seama ce înseamnă soarta individului şi chiar a comunităţii milioanelor de suflete, atunci când ea nu poate fi apărată de voinţa şi de puterea unei suveranităţi naţionale, etnice şi autonome.

Creşterea numărului populaţiei şi în special expansiunea creşterii animalelor, s'a considerat a fi fost un pericol pentru propăşirea pădurii. Aceste fenomene, sub raporturi agrare sociale primitive, au condus de obicei la defrişări de păduri, proces formulat concis de către D-l Prof. M. Drăcea, zicând: „La noi cu fiecare copil ce se năştea, se mai defrişa un pogon şi cu fiecare viţel în plus, se păşuna un pogon mai mult"! Această întindere în dauna pădurii, ar fi una din cauzele principale pentru care agricultura noastră a rămas până aici extensivă şi pentru ce vitele şi păşunile noastre sunt în general cele mai slabe, în comparaţie cu cele ale vecinilor noştri. Evident, e un aspect al problemei în analiza căreia nu intră acum. Un singur lucru se cere a fi menţionat: trebue făcută cultură intensivă şi agricolă şi silvică. Trebue lucrat pe verticală, nu pe orizontală. Majorând producţia pe an şi ha, acoperim consumul intern, putând şi exporta.

Până ce vom intensifica producţia, lucrând cu tenacitate an de an, devine tot mai grea aprovizionarea oraşelor cu lemnul de foc şi chiar din primăvară, apare grija pentru lemnul necesar în iarna ce vine.

Considerând şi cerinţele mereu sporite ale exportului, devine un interes naţional şi o datorie patriotică consumul cât mai cu cruţare al lemnului românesc. Insemnătatea lui trebueşte echivalată cu importanţa celor mai de seamă mijloace de apărare naţională.

Autorităţile îşi vor face pe de-a-întregul datoria. Totuşi, mijloacele de transport publice, cât şi cele particulare, fiind acum în mare măsură întrebuinţate şi pentru alte necesităţi obşteşti, este bine ca — cel puţin întreprinderile şi organizaţiunile mai utilate — să nu se lase exclusiv în nădejdea destoiniciei altora, ci să se activeze iniţiativa particulară din vreme şi în direcţia aprovizionării cu combustibil cât mai variat. Este necesar să se avizeze nu numai la o raţionalizare a combustibilului în general, ci şi la o înlocuire cât mai mare posibilă a lemnului de foc cu alt combustibil.

Oraşele şi industriile din regiunea gazului metan, pot face mult în direcţia aceasta până la iarna viitoare. Intensificarea consumului păcurii şi al cărbunelui — în special al briketelor — poate aduce un însemnat aport în cruţarea consumului de lemn în oraş. La ţară, strângerea ciocălăilor de pe câmp, cocenii, resturile pe cari ni le oferă cultura sporită de astăzi a florii soarelui, uscăturile de tot felul dela baltă şi până la deal strânse cu mai multă râvnă ş. a. m. d. pot în mare măsură înlocui lemnul preţios, etc.

Preferinţa moştenită pe care săteanul român o are pentru terenurile descoperite ce abia hrănesc o capră şi stingherea la ce o simt în vecinătatea unei păduri, se poate considera pe drept, ca o fatală, dar firească reacţiune, în contra exploatării nedrepte a fondurilor forestiere, făcute exclusiv în beneficiul celor puţini, privilegiaţi de soartă. Dacă Ţara are nevoe şi vrea să-şi conserve pădurile, din interese climatice, hidrologice, orografice, economice sau militare — trebue neapărat să asigure propăşirea acestor păduri, printr'o exploatare rentabilă în beneficiul celor mulţi, adică a acelora care prin consemnul şi privaţiunile lor fac posibilă cultura pădurii.

In concluzie, hotarul pădurii nu e permis să fie încălcat de interese potrivnice lui. Apărând interese naţionale, el se

aseamănă în funcţiunea sa cu hotarul Ţării despre care ştim să spunem cu toţii: „Pe aicea nu se trece!".

Până ce nu se trasează prin legi şi moravuri o graniţă trainică între ogor şi pădure, până atunci nu se va înd- pta tendinţa de evoluţie care să ducă spre oraş. Calea expansiunii duce acum prea lesnicios spre pădure, în loc ca ea să poată duce spre o muncă mai organizată şi mai industrializată, cu un cuvânt mai intensivă şi mai rentabilă.

# COMENTARII—INSEMNĂRI

## EXPLOATAREA COAJEI DE MOLID [1])

de Ing. ANDREI MĂLĂESCU
Oraviţa (Banat)

Pentru România, Ungaria, Germania şi ţările nordice, în afară de coaja de stejar, pentru extracţia substanţelor tanante, mai prezintă o deosebită importanţă şi coaja de molid.

Arborii de 50—80 ani crescuţi pe soluri bune dau cea mai bună coajă. Conţinutul celor mai bune sorturi de coaje de molid este de 7—18% substanţe tanante. Ritidomul conţine numai 2—4%. Prin curăţirea coajei de ritidom se pierde din massa ei totală, însă se câştigă procentual în conţinutul de substanţe tanante. Totuşi, acest procedeu, scumpind producţia, nu se întrebuinţează.

Dintre toate materiile cu conţinut de substanţe tanante, coaja de molid este aceea care pe lângă aceste substanţe tanante, are şi cel mai mare conţinut de substanţe zaharoase şi de alte părţi constitutive netanante, şi anume: la 100 părţi substanţe tanante corespund 34 părţi zahăr de struguri şi 15 părţi zahăr de trestie. Din această cauză coaja de molid este foarte căutată în cazurile de tăbăcit, când se doreşte prezenţa formaţiunilor de acizi, cari să provoace umflarea peilor brute (pentru fabricarea talpei şi a curelelor de transmisiune). Se mai foloseşte şi ca adaus la alte materii bogate în substanţe tanante, dar sărace în zahăr (mai ales la lemnul de quebracho şi la extractele tanante ale acestuia). Sorturile mai deschise de coajă de molid conţin mai mult zahăr, decât cele mai închise.

La trunchiurile de peste 80 ani conţinutul în substanţe tanante al coajei nu regresează, însă se formează o mai mare

---

1) A se vedea începutul acestui studiu în articolele publicate în Revista Pădurilor. Nr. 3/1940, Nr. 4/1940 şi Nr. 6/1940.

cantitate de substanţe colorante care prejudiciază calitatea coajei ca material tanant.

In timpurile mai noui, atât coaja de stejar, cât şi cea de molid nu se mai întrebuinţează în stare brută la tăbăcit, decât în tăbăcăriile rurale. Industriile de pielărie folosesc astăzi aproape exclusiv extractele tanante obţinute din aceste coji. Extractele tanante obţinute din coaja de molid conţin 19—25% substanţe tanante.

*

Exploatarea coajei de molid se face de obiceiu în pădure, prin cojirea arborilor doborîţi, cu uneltele de descojire cunoscute [1]).

Descojirea este recomandabilă a se face în perioada anului, când coaja se deslipeşte uşor de lemn, adică primăvara şi vara; în alte perioade ale anului descojirea nu se poate face decât după procedeul prin aburire. Dacă doborîrea arborelui nu este posibilă primăvara şi vara, atunci se poate face descojirea pe arbori în picioare în aceste două anotimpuri, urmând ca doborîrea arborilor să se facă în iarna viitoare.

In privinţa vremii în care se face descojirea, cele spuse pentru exploatarea coajei de stejar [2]) sunt valabile şi aci.

Pe trunchiurile doborîte, coaja se taie în inele de câte 1 m lungime. La fiecare inel se face o incisiune longitudinală, apoi se procedează la deslipirea coajei într'o singură bucată.

In acest scop se foloseşte securea, pana mare şi dalta sistem Steyer. Coaja groasă rareori se poate deslipi fără să fie bătută în prealabil.

*

Uscarea, transportul şi păstrarea coajei de molid se face la fel ca la coaja de stejar. Pentru uscarea prealabilă, în pădure, inelele de coajă se aşează cap la cap într'un fel de piramidă, acoperindu-se la vârf cu un rând de inele de coajă.

Coaja de molid se inventariază şi se predă de obiceiu în steri, mai rar după numărul de legături.

*

Randamentul mediu după Burchardt şi Schindler este de 40 Kg la 1 $m^3$ lemn descojit de molid.

---

1) Ing. A. Hilscher: Fichten Lohrinde. — Wademekum für die Forst und Holzwirtschaft.

2) A se vedea Revista Pădurilor Nr. 4/1940, pag. 267.

După Ing. A. Hilscher[1]) procentul de coajă care revine la 1 m³ lemn de lucru de molid în tăierile rase este următorul:

| Caracteristica | In arborete de vârsta | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 40—60 ani | | | 60—80 ani | | | peste 80 ani | | |
| | kg. | m. st. | mc. | kg | m. st. | mc. | kg. | m. st. | mc. |
| Cu fusul lung, fără crăci . . . . | 5[illegible] | 0.55 | 0.077 | 5 | 0.47 | 0.069 | 46 | 0.40 | 0.061 |
| De grosimea mijlocie, puţin crăcănos . . . . | 53 | 0.51 | 0.071 | 47 | 0.43 | 0.063 | 42 | 0.37 | 0.056 |
| Cu fusul scurt, crăcănos . . . | 48 | 0.44 | 0.061 | 4 | 0.37 | 0.055 | 28 | 0.33 | 0.051 |

După Krippel[2]), producerea coajei de molid de pe arbori doborîţi, de 60—80 ani, necesită pentru 10.000 Kg: 14, 19 respectiv 23 zile de lucru de 10 ore după cum sunt condiţiile de muncă de favorabile.

După Ing. A. Hilscher[1]), munca necesară pentru producerea coajei de tăbăcit de molid în inele de 120 cm lungime inclusiv adunatul şi stivuitul ei în locul cel mai apropiat, accesibil vehiculelor, este următoarea:

| Caracteristica arboretului | In arborete de vârsta | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 40—60 ani | | 60—80 ani | | peste 80 ani | |
| | Pentru 100 kg | Pentru 1 st | Pentru 100 kg. | Pentru 1 st | Pentru 100 kg. | Pentru 1 st |
| | In zile de lucru | | | | | |
| Cu fusul lung, lipsit de crăci | 0.34 | 0.36 | 0.32 | 0.35 | 0.30 | 0.35 |
| De grosime mijlocie, cu ceva crăci . . . . . | 0.38 | 0.39 | 0.35 | 0.39 | 0.33 | 0.38 |
| Cu fusul scurt, crăcănos . . | 0.42 | 0.44 | 0.39 | 0.43 | 0.37 | 0.42 |

1) Opul citat.
2) Opul citat.

Semnalăm că, la molid coaja se obține ca produs accesoriu, nu principal.

Exploatarea coajei din alte specii.

In ce privește celelalte specii indigene, mai amintim, că coaja de castan (Castanea vesca) conține 17% substanțe tanante și 5—7% substanțe netanante. Din coaja de castan se produc extracte cu un conținut de cca 28% substanțe tanante. Castanul nu produce ritidiom decât dela vârsta de 70 ani în sus.

Intr'o pădure de castani tratată cu scopul de a obține coajă ca produs principal, cantitatea de extracte tanante obținute este de 4—7 ori mai mare ca într'o pădure de stejar de aceeași vârstă. Invelișul fructelor de castan conține 13% substanțe tanante, dar și foarte multe substanțe netanante.

Coaja de brad nu conține, decât cca 5% substanțe tanante. Se întrebuințează rar și numai în amestec cu alte coji mai bogate în substanțe tanante.

Coaja de larice conține 10% substanțe tanante, iar liberul ei până la 16%. Din cauza rarității acestei specii forestiere însă, nu are decât o întrebuințare locală, în deosebi în Anglia și Irlanda.

Coaja de mesteacăn se poate descoji cu două săptămâni mai târziu ca cea de stejar, cu toate că mesteacănul înmugurește mai devreme. Dela 1 st lemn rotund de mesteacăn de 20 ani se obține o cantitate de 65—80 Kg coajă uscată.

Extractele din această coajă conțin 18—23% substanțe tanante și până la 25% substanțe netanante.

Coaja brută de mesteacăn conține 6—14% substanțe tanante. Se folosește mai ales la tăbăcirea prealabilă a pieilor. In partea albă (exterioară) a coajei de mesteacăn se află un conținut de 12% camfor de mesteacăn numit „Betulina". La tăbăcit nu se întrebuințează decât partea interioară a coajei de mesteacăn, care este mai bogată în tanin.

In țările nordice (Norvegia, Suedia, Finlanda și Rusia) coaja de mesteacăn se folosește în deosebi la tăbăcirea pielei numită „de Rusia", care are un miros caracteristic, datorit uleiurilor conținute de coaja de mesteacăn. (După o părere mai veche [1]), „pielea de Rusia" nu se tăbăcește cu coaja de mestea-

1) Szécsis, Opul citat.

căn, ci după ce este gata, tăbăcită cu alte substanţe tanante, se unge cu uleiul de mesteacăn, care se obţine din partea albă a coajei de mesteacăn, prin carbonizarea ei în gropi. Cojirea mesteacănului se face la fel ca a stejarului.

Coaja de anin conţine 16—20% substanţe tanante; însă, în acelaş timp, conţine şi un mare procent de substanţe colorante, din care cauză nu găseşte decât o întrebuinţare limitată în tăbăcării, mai ales că dă şi o piele fragilă.

Coaja de salcie constitue un material de tăbăcit foarte important pentru Nordul Europei. Pielea rusească de iuft, precum şi peile de mănuşi daneze şi scoţiene se tăbăcesc de predilecţie cu coajă de salcie, deoarece aceasta produce piei foarte suple, de culoare deschisă şi cu un miros caracteristic.

Coaja prăjinilor mai groase este cea mai bună şi conţine 8—17% substanţe tanante.

In multe cazuri se obicinueşte amestecarea coajei de salcie cu cea de stejar, obţinându-se în felul acesta piei cu o elasticitate pronunţată.

In România, coaja de salcie căprească din prăjinişurile de fag ar putea face obiectul unei exploatări de extracte tanante, care ar permite răriturile atât de necesare în arboretele de fag şi cari altfel nu pot fi executate din cauza lipsei de căutare a lemnului de salcie dela munte.

In cazuri foarte rare se mai întrebuinţează şi coaja de nuc, fag, ulm şi castan porcesc.

*

In vederea producerii de extracte tanante din coajă, aceasta se usucă bine în uscătorii artificiale, apoi se mărunţeşte grosolan cu ajutorul unor ciocane mecanice, într'o piuă. Produsul acesta mărunţit se macină apoi în mori cu bile sau de felul moriştilor pentru măcinarea cafelei.

Făina de coajă astfel obţinută se supune apoi spălării cu apă caldă în difuzoare după principiul pe care l'am descris pe larg când am discutat producerea extractelor tanante din aşchiile de lemn, astfel că nu mai revenim asupra lui.

Cam 9 Kg de coajă uscată ne dă 1 Kg de extract, care la coaja de molid de exemplu prezintă o concentraţie de 28—30° Bé.

## Exploatarea gogoşilor de stejar.

Gogoşile de stejar, numite şi gogoşi de ristic sunt de două feluri:

unele care se desvoltă pe frunzele şi lujerii de stejar, datorită înţepăturii unor viespi, cunoscute şi sub denumirea de nuci de galla,

; altele cari se desvoltă în deosebi pe fructele tinere ale gorunului şi stejarului, datorită înţepăturilor viespei Cynips calicis, cunoscute sub denumirea de „Knoppern".

Ghinda înţepată regresează în desvoltarea ei, iar pe mărginile ei exterioare se formează aceste excrescenţe, cari încetul cu încetul cresc aşa de mari, încât acoperă complet ghinda şi cupa acesteia.

Aceste formaţiuni, colorate în galben-brun, sunt neuniforme, colţuroase şi cresc până la 4 cm grosime. Aceste „Knoppern" se adună în pădurile de stejar din Austria de Jos, Carintia, Steiermark, Moravia, Ungaria, Slavonia, Transilvania, Bucovina şi în Balcani, din August până în Octombrie, formând un material excelent pentru tăbăcit, care conţine 24—35% substanţe tanante. La 100 părţi substanţe tanante revin numai 2 părţi zahăr de struguri, care însă fermentează extraordinar de repede şi formează acizi.

Randamentul în „Knoppern" depinde de cantitatea de ghindă şi viespi, deaceea se recomandă — în vederea conservărei viespilor — păstrarea unei cantităţi de 10% din aceste gogoşi, pentru ca larvele din ele să se desvolte complet şi să sboare ca insecte perfecte în liber.

Cea mai mare cantitate de gogoşi se produce pe stejarul penduculat, mai ales pe acele exemplare care au multe flori, deci în deosebi pe arborii cu coronament lăbărţat de la liziera pădurii.

Adunatul acestor gogoşi începe îndată ce acestea s'au copt şi au început să cadă, timpul optim pentru acest scop fiind luna August şi Septembrie.

Adunatul acestor gogoşi începe îndată ce acestea s'au adunat gogoşile „Knoppern". Gogoşile trebuiesc uscate imediat. Neuscate nu se vor ţine mai mult ca o zi în saci, deoarece prind repede mucegai. Uscarea lor se face sub şoproane aerisite, sau liber pe poduri înclinate, aproape de magazie.

Uscarea lor se face în straturi subțiri. Se transportă în saci sau în lăzi. La drumuri lungi se acoperă încărcătura cu ponevi sau rogojini, pentru a le feri de ploaie sau umezeală. Se păstrează în magazii bine aerisite și uscate, în grămezi, cari se vor răvăși de mai multe ori cu lopata, mai ales scurt timp după depozitare și primăvara pentru a nu se mucegăi. Depozitate uscate pierd 10% din greutatea lor, prin depozitare.

Preluarea dela culegători se face în hectolitri, călcate cu picioarele și încărcate cu vârf sau se socotesc 120 Kg drept 100 Kg, cu considerare la scăderea lor prin uscare și prin alegerea celor rele. Se mai obicinuește a se aduna aceste gogoși în dijmă, lăsând culegătorului ¼ până la ½-a parte, care i se răscumpără apoi, pe prețul pieții de toamnă.

Randamentul în „Knoppern" depinde, cum am mai accentuat, de fructificarea stejarului și de cantitatea de viespi. Se poate conta pe o bună recoltă, din 7 în 7 ani. In starea proaspăt căzute, randamentul la ha este de 140 Kg, sau 110 Kg în stare uscată [1]).

In ce privește gogoșile de pe frunze și lujeri, așa numitele nuci de galla, acestea sunt grele și negricioase sau albastru-cenușii la culoare, cât timp larva este încă înăuntrul lor și sunt foarte bogate în substanțe tanante. După ce a sburat insecta perfectă din ele, devin gălbui-cenușii la culoare, ușoare și conțin mai puține substanțe tanante. De aceea, în comerț se disting gogoși negre și albe. Gogoșile (nuca de galla) din Europa Centrală, de pe diverse specii de stejar au un diametru de 1—2½ cm și un conținut de 17% substanțe tanante.

In general gogoșile de ristic se folosesc la tăbăcirea pieilor sub formă de făină.

## Concluziuni

Și acum câteva concluziuni, care se referă la întreaga problemă așa cum a fost expusă de mine în articolele publicate de această revistă.

1. România importă anual circa 900 vagoane extracte tanante pentru nevoile industriei de pielărie din țară.

2. In cazul unei eventuale extinderi a războiului și în Balcani, România n'ar mai putea să-și asigure aceste produse

1) Krippel: Opul citat.

tanante prin import, iar fabricele de pielărie ar suferi din lipsa acestor materii și aceasta ar putea avea consecințe grave în legătură cu aprovizionarea armatei cu încălțăminte și echipamente.

3. Deaceea ar trebui să se creeze din timp o industrie proprie pentru producerea de extracte tanante din materiile prime existente în țară, pentru ca astfel orice eventuale evenimente nedorite și neașteptate să ne găsească pregătiți și din acest punct de vedere.

4. Materiile prime din cari s'ar putea obține aceste extracte tanante în România sunt: lemnul și coaja de stejar, coaja de molid, de mesteacăn și de salcie.

5. Prelucrând numai 20% din cele 38% deșeuri de stejar ale fabricelor de cherestea, România ar putea produce 1827 vagoane extracte tanante cu o concentrație de 20—25° Bé, iar dacă s'ar folosi în acest scop și 20% din lemnul de buturugă de stejar s'ar putea realiza alte 1315 vagoane extracte tanante. In total s'ar putea produce 1827+1315=3142 vagoane extracte tanante din lemnul de stejar.

6. La o producție de 3.197.771 m. c. lemn de stejar anual, dacă s'ar exploata numai 60% din coaja acestuia, s'ar putea produce 3.197.771 m. c.×0,6×75 Kg=143.899.695 Kg coajă, din care ar putea rezulta circa 1438 vagoane extracte tanante.

7. Din coaja de molid, am arătat că s'ar putea produce circa 1065 vagoane extracte tanante cu o concentrație de 28—30° Bé.

8. Din cifrele de mai sus rezultă, că România n'ar trebui să fie o țară importatoare de extracte tanante, ci una exportatoare.

9. Instalațiile fabricilor pentru obținerea extractelor tanante fiind costisitoare, proprietarii amatori de a înființa asemenea fabrici, nu se pot aventura în asemenea cheltueli, decât dacă ar avea siguranța plasării acestor produse, și această siguranță nu le-ar putea-o oferi decât Ministerul Economiei Naționale.

10. S'ar putea ca însuși Statul să înființeze 4—5 asemenea fabrici de extracte tanante, urmând ca proprietarii de păduri să-i livreze numai materia primă brută: lemn de stejar sau coajă. Aceasta ni se pare soluția cea mai sigură de reușită.

11. In ce privește rentabilitatea fabricilor de extracte

tanante, după socotelile noastre, dacă kilogramul de asemenea extracte s'ar vinde în țară numai cu 16 lei, pentru un m. c. lemn de stejar prelucrat în asemenea extracte, s'ar putea realiza un preț de 800 lei, pe când valorificat ca lemn de foc abia s'ar putea ajunge la un preț de 250—300 lei/m³.

După ziarul Curentul din 16 Februarie 1940, prețul actual al unui Kg de extract de castan este de 16,30 lei în Franța și de 80 lei în România, iar prețul unui Kg de extract de Quebracho este de 20,67 lei în Franța și 115 lei în România. Aceste cifre ne dispensează de orice comentariu.

LITERATURA CONSULTATĂ:

1. Problema materiilor prime în România vol. I, tipărită de Banca Națională a României în 1939.
2. Revista „Bursa" Nr. 1833 anul XXXIX din 14 Ianuarie 1940.
3. *Leiningen-Westerburg:* Forstlich-Chemische Technologie. Die Gerbstoffe. Handbuch der Forstwissenschaft, herausgegeben von Heinrich Weber, Bd. II. 1925.
4. *Ing. Siegismund Wexberg:* Extraktion des Holzes. Wademekum für die Forst-und Holzwirtschaft.
6. *Krippel:* Erdöhasználattan.
7. *Szécsi Zsigmond:* Az erdöhasználattan kézikönyve.
8. *Dr. Vasile Sabău:* Organizarea producției forestiere în cadrul unei politici economice naționale. 1937.
9. *Dr. Georg Thenius:* Das Holz und seine Destillations — Produkte 1921.

*Die Fichtenrinde für die Gerbstoffgewinnung.*

*L'exploitation de l'écorce d'épicéa pour obtenir des matières tannantes.*

En trois autres articles publiés dans cette revue, l'auteur a exposé les méthodes d'extraction des matières tannantes contenues par les bois et par l'écorce de chêne. Cette fois il s'occupe de l'exploitation de l'écorce d'épicéa et des autres éspèces forestières pour les mêmes utilisations.

# VÂNĂTOARE ŞI PESCUIT

## CAPRE NEGRE ÎN REGIUNEA SĂCELELOR

de Ing. OTTO WITTING
(Braşov).

In munţii Ţării Bârsei capra neagră se mai găseşte astăzi doar în Bucegi şi Piatra Craiului.

Ea se găsea însă, în secolele trecute şi pe Piatra Mare (1844 m) şi pe Ciucaş (1959 m); acest fapt ni-l dovedeşte o indicaţie istorică, aflată în lucrarea lui Paul Benckner „Consignation etc." din anii 1682—1698 [1]).

După această „Consignation", se aflau în Săcele, din vremuri străvechi, numai 4—5 tăbăcari, privilegiaţi de principii de pe acel timp, de a „prelucra capre negre şi ceeace se mai taie acolo".

Considerând, că Săcelele sunt aşezate chiar la poalele munţilor Piatra-Mare şi Ciucaş, că aceşti munţi aparţineau totdeauna hotarului comunelor săcelene şi că munţii Bucegi şi Piatra Craiului se află la o distanţă de circa 35 km de Săcele, o depărtare care era foarte importantă, avându-se în vedere timpurile de atunci cu starea proastă a drumurilor, — trebue să presupunem cu certitudine, că acele capre negre de cari se vorbeşte în „Consignation" au fost vânate în munţii Săcelelor şi că în consecinţă, la finele veacului al XVII-lea, acest vânat — caprele negre — se afla, probabil în număr destul de mare, în munţii Piatra Mare şi Ciucaş.

Această presupunere a fost confirmată şi de o declaraţie verbală comunicată scriitorului acestor rânduri, de către un bătrân din comuna Zizin jud. Braşov, acum vre-o 10 ani; acest

---

1) Quellen zur Geschichte der Stadt Kronstadt (Izvoare cu privire la istoria oraşului Braşov), c VI p. 285.

bătrân pretindea că a fost personal de faţă, când, cu vre-o 60 de ani mai înainte, şeful ocolului silvic Săcele a împuşcat, pe Ciucaş, o capră neagră şi a dus-o cu el acasă.

Astăzi nu se mai găsesc capre negre în munţii Pietrii Mare şi Ciucaşului.

*Der Steinbock im Ciucaş — und Piatra Mare — Gebirge.*

*Chamois dans les montagnes Piatra-Mare et Ciucaş*

D'après les documents concernant l'histoire de la ville de Braşov, il en résulte, qu'autrefois dans les montagnes Piatra Mare et Ciucaş il y avait des chamois. Aujourd'hui il n'y en a plus.

---

## O PRECIZARE

In numărul 7/1940 pag. 206, Revista „Carpaţii", ocupându-se de articolul semnat Vlad Macedoneanu, apărut în „Revista Pădurilor" de pe luna Maiu a. c., nu este de acord cu autorul, asupra necesităţii de a hrăni vânatul în timpul iernii, minimalizând în acelaşi timp necesitatea acţiunii de împuţinarea vânatului răpitor. „Carpaţii" cred că paza este totul, şi că vânatul mare, pe un teren întins „cu vegetaţie luxuriantă", găseşte suficientă hrană naturală în pădure, fără a fi nevoe să i se dea fân. Şi notiţa amintită închee astfel: „In ce priveşte însărcinarea autorităţii silvice cu controlul executării contractelor de arendare, aceasta nu e o temă de viitor. Conform contractelor privind vânatul din pădurile Statului, acest drept şi datorie o are şeful Ocolului Silvic. Care şi-o face însă?".

Ne propunem să examinăm — sumar — afirmaţiunile revistei „Carpaţii".

Pentru noi nu este o noutate faptul că în materie de ocrotirea vânatului, paza joacă un rol covârşitor (dar o pază, nu numai contra braconierilor, ci şi a animalelor dăunătoare).

Chiar în acest an, într'un articol apărut la rubrica „vânătoare și pisicultură", se afirmă acest lucru. Nu este mai puțin adevărat însă că sunt anumite specii de vânat (fasani, potârnichi, căprioare și cerbi) care dacă în ernile grele nu sunt hrănite și artificial, riscăm să pierdem într'o iarnă tot ce am clădit 3—4 ani în șir.

După cum se știe, iarna 1939/40 a fost excepțional de grea; zăpadă de 2 m grosime acoperea smeurișul și murul, iar vânătorii recunosc în unanimitate că pierderile în stocul de vânat au fost mari din cauza gerului din trecut. „Carpații" care are colaboratori și mijloace de informațiuni în toate colțurile țării, știe tot așa de bine ca și noi, că potârnichile s'au prăpădit în massă de foame și de frig, că cerbii au coborît în sate, iar când au fost urmăriți de lupi n'au ezitat să intre în curțile oamenilor. S'au văzut crengi de plop de 3 cm grosime roase de cerbi, iar un martor ocular ne povestește, că pe un teren al C. A. P. S.-ului, un car de trifoi pus în câteva adăposturi de hrană, a fost consumat până la ultimul fir în 24 ore. Pe alte terenuri, unde arendașii n'au hrănit vânatul și n'au luat nici măsuri de otrăvirea lupilor, — scheletele găsite primăvara sunt o dovadă a ravagiilor pe care lipsa de grijă le-a provocat în iarna 1939/40.

In asemenea împrejurări, pare de neînțeles apărarea pe care o ia „Carpații" unor arendași care s'au lăsat surprinși, nepregătiți, de iarna grea ce a trecut, motiv pentru care vânatul a suferit grele pierderi.

Să trecem acum la partea a doua a notiței din „Carpații", unde se precizează că autoritățile silvice au dreptul și datoria de a controla executarea contractelor de arendare din pădurile Statului, adăogându-se întrebarea: „care și-o face însă?"

Intr'adevăr, există în contractul tip un paragraf care prevede acest lucru. Teoretic, șeful de ocol silvic (căci el este organul de teren) are dreptul și datoria să controleze executarea contractului de arendare a dreptului de vânătoare din pădurile Statului. Noi vedem acest lucru în primul rând ca o datorie, și nu găsim cuvinte să condamnăm lipsa eventuală de interes în această privință.

Vom înșira însă aci câteva piedeci de care se isbește un șef de ocol conștiincios:

1. Arendașii refuză să prezinte recipisele de plata arenzii,

deşi această clauză din contract dacă nu este îndeplinită, vânătoarea trebue să fie oprită. Vânătorul însă răspunde: nu stau de vorbă decât cu Direcţia vânătoarei cu care am încheiat contractul.

2. Cerbii şi căpriorii (ca să nu vorbim decât de vânatul mare mai frecvent la dealuri şi munte) nu se pot împuşca decât pe bază de autorizaţie specială dela Direcţia vânătoarei. Această autorizaţie se comunică arendaşului, inspectorului de vânătoare judeţean şi chiar organelor jandarmereşti, dar se omite a se trimite şi şefului de ocol silvic. Nu se comunică deci tocmai aceluia care în primul rând are posibilitatea să controleze numărul vânatului împuşcat.

Mai poate în asemenea împrejurări un şef de ocol să-şi facă datoria sută la sută?

Dar se pare că acest control al organelor silvice nu este nici dorit, nici apreciat. „Carpaţii" aminteşte în aceeaşi recenzie despre un proces-verbal dresat (probabil de vre-un şef de ocol), în care se spune că arendaşul n'a hrănit vânatul (cerbi şi căprioare). In revistă însă se caută să se demonstreze că nu era nevoie să fie hrănit artificial, căci găsea din abondenţă hrana naturală. Cum, găsea hrana naturală în iarna trecută, când crăpa lemnul de frig şi zăpada atingea 2 metri la munte, iar vânatul mânca — în sensul strict al cuvântului — lemne? Ni se pare că de data aceasta, nu se mai apără o ideie, ci un arendaş. Pe deoparte laşi să se înţeleagă că organele silvice nu-şi fac datoria de a controla executarea contractelor de arendare a dreptului de vânătoare din pădurile Statului, iar pe de altă parte, când se găseşte un şef de ocol care să pună degetul pe rană, se încearcă a se arăta că rău a făcut. Mărturisim că nu mai înţelegem nimic.

V. M.

# C R O N I C A

## CRONICA INTERNĂ

● **Prestigii sporite.**

Ceasurile tragice prin care a trecut, de curând, cumintele nostru popor, cu ocazia deslipirii de la trupul ţării a unor frumoase şi dragi provincii româneşti, au făcut să fie trecute sub tăcere două importante schimbări, survenite în administraţia pădurilor noastre. E vorba de transformarea în direcţie a fostului Serviciu al pădurilor persoanelor juridice şi de revenirea fostei „Direcţii Comerciale a pădurilor", la forma de „Administraţie a Casei Pădurilor Statului", cu pronunţat caracter autonom.

Aceste însemnate schimbări erau proiectate mai de mult şi ne-au fost anunţate de D-l Prof. G. Ionescu-Sisesti, fostul Ministru al Agriculturii şi Domeniilor, încă de la adunarea din acest an, a Societăţii „Progresul silvic".

Temeiurile acestor transformări le găsim în expunerea de motive, ce însoţeşte Decretul-lege din 27 Iunie 1940.

Se ştie, cu câtă greutate s'a putut face, în excepţional de greaua iarnă a anului trecut, aprovizionarea oraşelor şi satelor, cu lemne de foc. Aceste dificultăţi vor fi pentru iarna viitoare şi mai mari, de oare ce prin concentrarea lucrătorilor la pădure şi a personalului silvic de toate gradele şi din cauza rechiziţionării vehiculelor, pentru necesităţile armatei, exploatările şi transporturile de iarnă şi primăvară nu s'au putut face decât în proporţie de circa 50%. In schimb, lipsa lemnelor de foc a fost şi va fi şi mai mult sporită prin cerinţele armatei şi prin completa epuizare a stocurilor din trecut.

Rezultatul este urcarea, cu tendinţă mereu ascendentă, a preţului lemnelor de foc, care pe unele pieţe de consum (de ex. la Bucureşti) s'a dublat, faţă de cel din anul trecut.

Incă din primele momente ale aplicării nouei legi de organizare a Ministerului Agriculturii şi Domeniilor din 1939 se constatase, că încadrarea prea schematică şi rigidă a serviciilor silvice nu corespunde importanţei şi misiunii acestora. Dacă nu s'a putut reveni imediat la vechile forme, este desigur, fiindcă se căuta să se evite turburarea cauzată de prea desele schimbări şi pentru că se aştepta un moment favorabil acestor operaţii. Acest moment a fost găsit, cu ocazia măsurilor excepţionale, ce trebuiau luate în vederea satisfacerii nevoilor populaţiei şi autorităţilor cu lemne de foc, în cursul anului 1940/41, măsuri ce fac obiectul amintitului Decret-lege.

Pentru ca administrația pădurilor Statului să poată răspunde la toate necesitățile de ordin tehnic, financiar și comercial, acum când i se cere o activitate sporită ca volum și intensitate, era necesar să se prevadă dispoziţiuni, care să-i înlesnească funcționarea. In consecință s'a dispus, ca până la elaborarea unei legi speciale de organizare, această administrație să fie autorizată a aplica integral regulamentul din 1935, întocmit conform legii din 1934, privitoare la Regiile autonome.

In acelaș timp s'a mărit și competința administratorului și anume: până la 300.000 lei pentru aprobări de lucrări prin bună învoială și până la 200.000 lei pentru cumpărări de materiale necesare exploatărilor și comercializării.

Că nu se puteau obţine rezultate mulţumitoare cu organizația dată acestor servicii prin legea din 1939, e clar: Dacă pentru fiecare aprobare de exploatare trebuia să se ceară avizul mai multor comisii sau comitete, care prin definiție lucrează cu inerții, și dacă pentru orice cheltuială cu caracter urgent era nevoie să se facă angajări prealabile și să se respecte forme foarte stingheritoare, se înţelege că ar fi trecut, nu numai toată vara, dar și iarna ce vine, până să se poată trece la înfăptuiri.

La timpuri excepţionale trebuiesc nu numai oameni încercaţi, dar și măsuri corespunzătoare. De aceea, trecând peste multe dispoziţii legale din trecut, Decretul-lege din 27 Iunie a. c dă deslegare autorităţilor silvice locale (inspectorate, ocoale), să aprobe exploatări de parchete, să schimbe ordinea tăierilor, să grăbească scoaterea materialului lemnos de pe porţiunile de pădure expropriate pentru islazuri comunale etc., cu un cuvânt, să dispună de o cât mai mare libertate de acţiune.

Conemnând, în aceste câteva rânduri, măsurile luate în scopul aprovizionării populaţiei cu lemnul de foc necesar și transformările operate în organizația serviciilor silvice, am făcut-o nu cu gândul de a remarca împlinirea unor revendicări din trecut, ale Corpului silvic, ci spre a arăta concordanţa ce a existat totdeauna, între doleanţele noastre și interesele mari ale ţării. Departe de a vedea în aceste schimbări, satisfacerea unui orgoliu, fără sens în aprigele timpuri pe care le străbatem, nu ne putem reţine totuși de a constata, că mai curând sau mai târziu, vremurile au statornicit dreptatea revendicărilor noastre. Prin înălţarea instituţiilor în care servim, noi n'am urmărit însă niciodată diminuarea importanţei altora, sau răsturnarea unor întocmiri, la fel de necesare pentru progresul armonios al administrației și economiei ţării.

In aceste momente de grea încercare pentru cei ce poartă grija de viitorul ţării, facem urarea, ca și celelalte dorinţe ale noastre, tinzând la o individualizare a administrației silvice și la o regrupare — în întregul ei, să-și găsească o meritată bună înţelegere și o dreaptă rezolvare.

● **Colaborarea silvică în cadrul axei.**

Recentele declarații de aderare a României la țelurile politice și economice ale țărilor axei ne dau prilej să examinăm, în lumina câtorva fapte, temeiurile colaborării noastre cu Germania și Italia, în domeniul economiei forestiere. Găsim această cercetare cu atât mai necesară azi, cu cât cititorul neinformat ar putea crede, că gospodăria noastră silvică s'ar fi desvoltat cu totul izolat, în acest colț al Europei și că n'ar avea destule cunoștințe cu privire la următoarele progrese, ale celor două țări ale axei.

Pentru a învedera vechimea relațiilor noastre forestiere cu țările din Apus și în special cu Germania, vom face o sumară expunere asupra evoluției și situației actuale a gospodăriei silvice românești, asupra tehnicei forestiere născute pe pământul patriei noastre și asupra nevoilor și perspectivelor sale de viitor.

După cum se știe, țara noastră posedă, de la natură, condiții favorabile desvoltării pădurilor — deși nu în măsură egală pe întreg teritoriul său. Nu e mult timp, de când codrii acoperiau o bună parte din întinsul țării, între Tisa și Nistru, Ceremuș și Dunăre.

Până pe la jumătatea secolului trecut, exploatarea pădurilor nu era îngrădită prin legi, ci numai prin anumite obiceiuri locale, menite să le asigure oarecum păstrarea. Din această cauză, cu înmulțirea populației și cu desvoltarea agriculturii, mare parte din pădurile de la câmpie au dispărut, spre a face loc tot mai larg ogoarelor și livezilor. Față însă cu primejdia despăduririlor și cu urmările dezastruoase, care deja începuseră să se arate, ale acestei nechibzuite procedări, încă de la 1854 conducătorii treburilor economice ale Munteniei și Moldovei încep să se gândească la măsuri menite să stăvilească răul. Pe de altă parte, față cu valoarea crescândă a lemnelor, se urmărește punerea în valoare a pădurilor din anumite regiuni ale țării, lipsite de mijloace de transport și rămase până atunci neatinse de secure.

In anii ce urmează unirii principatelor, se trimit tineri români să studieze silvicultura în țările Apusului, se chiamă specialiști în treburile forestiere din Germania și Franța și se pun bazele administrației și învățământului silvic.

Lipsa capitalurilor indigene, necesare construcției de drumuri și fabrici pentru valorificarea pădurilor din munți, face ca procesul instaurării unei gospodării silvice ordonate să sufere întârzieri. Industria forestieră și comerțul exterior cu produse lemnoase încep a se desvolta cu pași repezi, abia după 1890, când se deschid rezervele păduroase din munți.

In scurt timp după aceea, datorită condițiilor deosebit de favorabile, pe care capitalurile străine le găsiau în România și marile avantaje acordate de Stat întreprinderilor industriale de orice fel, exploatările forestiere au luat un avânt atât de mare, încât la 1906 țara noastră ajunsese una din principalele furnizoare de cherestea, ale piețelor din basinul Mediteranei.

*Toate aceste vaste exploatări de păduri au fost organizate și con-*

*duse de tehnicieni germani*, chiar când capitalul întreprinderilor respective era de altă naţionalitate sau fără vreuna (evreesc), iar maşinile şi uneltele necesare proveniau de asemenea în totalitatea lor, din Germania. Aceasta arată că *vechimea colaborării noastre cu această ţară, în domeniul valorificării pădurilor, se confundă cu însăşi începuturile acestei activităţi la noi.*

La 1894 se separă învăţământul superior agro-silvic, până atunci comun şi se înfiinţează şcoala superioară de silvicultură de la Brăneşti, lângă Bucureşti. Până la acea dată, o bună parte din funcţionarii silvici superiori proveniau din şcolile şi academiile din Germania, Franţa şi Austro-Ungaria.

Şcoala de silvicultură din Brăneşti a pregătit cadrele corpului silvic român până la 1916, fiind organizată pe baze în totul asemănătoare şcolilor superioare silvice din Apus. Cea mai mare parte a profesorilor săi prevenia din şcolile acelor ţări, sau îşi făcuse acolo studii de specializare.

Rezultă de aici, că atât ştiinţa, cât şi administraţia silvică românească au stat, dela primele lor începuturi, într'un strâns contact cu tot ceea ce geniul creator şi adânc iubitor de natură, al poporului german a descoperit şi perfecţionat pentru propăşirea economiei forestiere.

După războiul pentru întregirea ţării, învăţământul silvic superior a fost încadrat la Şcoala Politehnică din Bucureşti. Prin aceasta s'a urmărit să se dea viitorilor conducători ai gospodăriei silvice româneşti, o pregătire cu caracter mai accentuat tehnic, potrivită împrejurărilor în care se desfăşurau acum exploatările de păduri. In această tendinţă de „tehnicizare" a silviculturii, ţara noastră îşi poate revendica, fără modestie titlul de precursoare, deoarece de atunci multe şcoli din străinătate, unele cu vechi şi mândre tradiţii, au mers sau se îndreaptă pe acelaş drum.

Dela 1920 încoace, contactul între silvicultura românească şi aceea a ţărilor din centrul Europei devine şi mai strâns. Prin unirea Bucovinei şi a Transilvaniei şi prin admiterea în cadrele corpului silvic român a inginerilor silvici aflaţi în serviciu, în aceste provincii, la data anexiunii lor, metodele de lucru s'au îngemănat şi completat, elaborându-se treptat cele mai potrivite mijloace de acţiune şi punându-se definitiv bazele silviculturei româneşti moderne.

Spre a învedera, cât de adâncă este actualmente colaborarea dintre noi şi Germania, pe tărâmul silviculturii, e suficient să amintesc, că din cei 1030 ingineri înscrişi în Corpul silvic român la sfârşitul lui 1938, un număr de 105 adică 10% proveniau din şcoli silvice germane, 128 (13%) din şcoli ungureşti (cei găsiţi în Ardeal), 13 ingineri din şcoli ruseşti (în Basarabia) şi numai 10 din cele franceze. Şcoala din Brăneşti trecută după 1918 la Bucureşti, la Politehnică, ne-a dat, în acest interval de timp 774 ingineri silvici (76%).

Trebuie amintit apoi, că încă înainte de 1916, admnistraţia silvică românească obişnuia să trimită numeroşi ingineri silvici în Germania şi Austria, pentru studii de specializare; iar de la 1920 încoace, contactul între silvicultura noastră şi cea germană a devenit şi mai

strâns. Se află actualmente în serviciu şi învăţământul silvic 22 doctori în ştiinţele silvice, provenind din universităţile şi politehnicele germane (numai 3 din Franţa), iar alţi 12 ingineri silvici români şi-au făcut diferite stagii de specializare în adminstraţiile silvice din Germania, (3 în Franţa). In sfârşit, la începutul actualului conflict internaţional se aflau la studii de specializare în universităţile germane încă 5 ingineri silvici români.

Numeroase excursii de studii ale inginerilor şi ale studenţilor noştri forestiere în Germania, Austria (1927, 1930) şi fosta Cehoslovacie, ca şi schimburile de studenţi între noi şi Germania, au dat posibilitate multor ingineri aflători azi în serviciul nostru silvic să cunoască de aproape realizările şi stadiul actual de desvoltare al tehnicei silvice germane.

Cifrele şi datele expuse mai sus dovedesc în mod clar, că ştiinţa şi tehnica silvică germană, ne sunt nouă românilor, de mult şi temeinic cunoscute. De cercetările şi realizările poporului german noi ne-am interesat şi am beneficiat, ori de câte ori a fost vorba să aducem o înnoire în organizarea administraţiei şi învăţământului nostru forestier şi asemenea reforme au fost destul de numeroase, mai ales de la 1920 încoace.

Merită să fie amintite, cu această ocazie, şi numeroasele apeluri făcute în trecut de guvernele noastre, la luminile unor experţi forestieri germani (Pitschak, Schwappach, Gernlein); de asemenea, preferinţele pe care unele administraţii silvice particulare de la noi le-au avut totdeauna pentru silvicultorii germani (Domeniile Coroanei, Schönburg-Waldenburg-Fântânele, Stirbey, Sturdza etc.); în fine faptul, că întreaga gospodărie silvică a unei provincii româneşti, a Bucovinei, a fost organizată şi condusă, timp de un secol şi jumătate, de silvicultorii germani ai fostului imperiu Austro-Ungar.

E de la sine înţeles, că ştiinţa şi tehnica silvică românească au trebuit să elaboreze, în multe împrejurări, procedee de cultură şi exploatare proprii condiţiilor specifice ale ţării noastre şi că a căutat deci, să adapteze serviciul şi învăţământul nostru silvic la necesităţile vieţii noastre politice şi economice. Dacă, de pildă, în Germania s'a desvoltat o silvicultură a răşinoaselor, a pinului, moliftului şi laricelui şi s'a căutat rezolvarea unor probleme importante, referitoare la cultura terenurilor nisipoase, turboase, sărace însă cu o climă umedă, în România, potrivit situaţiei sale geografice şi speciilor ce populează pădurile sale, a trebuit să se insiste în special asupra culturii foioaselor, a stejarului, fagului etc.

Pornind de la principii generale comune, silvicultorii noştri au fost nevoiţi să se gândească mai ales la metodele de regenerare a pădurilor de stejar, situate în câmpiile calde şi uscate, cu ani de fructificaţie rari, cu geruri excesive şi cu secete prelungite, la reîmpădurirea întinselor suprafeţe tăiate ras de emisarii capitalismului devastator, etc.

Ei au avut de luptat cu nisipuri sburătoare, pe care au reuşit să le fixeze în chip magistral prin plantaţiuni de salcâm, azi celebre în întreaga lume; au avut de consolidat coaste surpătoare, de stins torenţii, de ameliorat cursurile apelor din regiunea muntoasă, etc.

In tehnica ameliorării terenurilor degradate, silvicultorii români au avut multe de învățat din lucrările temeinic concepute și executate de italieni, cari rămân și azi maeștri în arta corecțiunii torenților și a valorificării terenurilor neproductive (bonifica integrale) pentru scopuri agricole și silvice.

Nu mai puțin importantă e activitatea noastră și în domeniul instalațiilor de transport și de industrializare a produselor forestiere, desfășurată mai ales dela 1930 încoace.

Astăzi silvicultura germană caută metode și procedee de lucru, care să asigure majorarea producției și folosirea cât mai rațională a lemnului, prin îmbunătățirea calității acestora și prin reducerea pierderilor, respectiv utilizarea deșeurilor etc. Datorită vechimei organizației sale și principiilor sănătoase ce stau la bază, dar nu mai puțin seriozității pregătirii și simțului datoriei, ce caracterizează poporul german, silvicultura acestei țări se află și va sta desigur totdeauna, în fruntea mișcării forestiere din întreaga lume.

Iată de ce, din colaborarea tehnică silvică, preconizată prin tratatul de comerț din 1939 și înfăptuită de curând, în parte, prin cesionarea spre exploatare a acelui complex forestier în jud. Baia, gospodăria silvică românească nu va avea decât de câștigat. Noi cunoaștem de mult felul de a munci al poporului german, la el acasă; vom avea acum ocazia să-l vedem desfășurând o activitate similară și pe pământul țării noastre.

In colaborarea atât de strânsă, ce începe acum, noi aducem buna credință caracteristică primitorului nostru popor și dorința de a ne instrui și progresa. Colaboratorii noștri străini vor ști desigur să folosească prețioasele virtuți ale neamului nostru și să-i deschidă drum, către înaltele idealuri spre care năzuește.

de Prof. *D. A. Sburlan*

● **Domnul Profesor Dr. Werner Schmidt (Eberswalde) în trecere prin țară.**

Domnul Profesor Dr. Werner Schmidt, dela Academia Forestieră din Eberswalde, Directorul Institutului de Cercetarea semințelor forestiere și Președintele Comisiei respective din cadrul Uniunii Internaționale a Stațiunilor de Experimentație Forestieră, s'a oprit un număr de câteva zile la noi în țară cu ocazia reîntoarcerii D-sale în patrie, după o vizită cu caracter științific de mai multe săptămâni făcută în Grecia.

Imediat după sosire, în seara zilei de Sâmbătă 1 Iulie, D-l Prof. Werner Schmidt a ținut o conferință în cadrele Institutului de Cultură Germană din România de sub conducerea d-lui Prof. Gamillscheg.

Conferința a tratat o chestiune din centrul preocupărilor științifice ale D-lui Prof. W. Schmidt, de o mare importanță în timpurile actuale: problema raselor de arbori și a semințelor forestiere.

Faptele prezentate se sprijină pe îndelungi cercetări proprii, cari au condus pe d-l Dr. Werner Schmidt la o metodă originală și sigură

de a diagnoza într'un interval de scurt timp rasa căreia aparţine o anumită sămânţă de pin silvestru luată în cercetare. Diagnoza aceasta rezultă din felul în care tânăra plantulă de pin silvestru reacţionează faţă de lumină.

Metoda elaborată este întrebuinţată acum pe o scară mare în Germania de către practicieni şi e menită a aduce mari foloase, întrucât permite, ca pe viitor, să se înlăture rasele rele de arbori — este în special vorba de pin silvestru — din cultura forestieră.

Expunerea a fost ascultată cu mare interes de către un numeros auditoriu — între cari şi mulţi ingineri silvici cari urmăresc problemele privitoare la rasele de arbori şi la seminţele forestiere şi a fost însoţită de numeroase proecţiuni luminoase, după clişeele autorului.

La sfârşitul conferinţei, D-l Prof. M. Drăcea a arătat numerosului public prezent marea importanţă a temei desvoltate de către d-l Prof. Werner Schmidt şi poziţia proeminentă pe care Domnia Sa ocupă, prin cercetările sale, în cadrul ştiinţei forestiere germane.

Conferinţa a fost onorată şi de către D-l Ministru al Agriculturii şi Domeniilor, Prof. G. Ionescu Sişeşti, care in cadrul preocupărilor D-sale ştiinţifice la Institutul de Cercetări Agronomice al României, urmăreşte deasemenea problema selecţiunii plantelor în agricultură.

*

In zilele următoare d-l Prof. Werner Schmidt, însoţit de D-l Dr. Rudolf Müller, ataşat forestier pe lângă Legaţiunea Germaniei la Bucureşti, a vizitat sub conducerea d-lui prof. M. Drăcea, Muzeul Silvic din Bucureşti, Institutul de Cercetări şi Experimentaţie Forestieră, laboratoarele Institutului şi ale Facultăţii de Silvicultură şi Institutul de Cercetări Agronomice.

Apoi, într'o excursie de o zi pe valea Prahovei, până la Săcele şi Braşov, d-l prof. Werner Schmidt, însoţit de d-l R. Müller şi de D-nii M. Drăcea, M. Petcuţ şi I. Lupe, a vizitat culturile experimentale ce se fac la „Fruntea lui Văsii" cu rasele de pin silvestru şi de molid din tot cuprinsul ariei de vegetaţie al acestor două specii în Europa, după programul de lucrări al Uniunii Internaţionale a Staţiunilor de Experimentaţie Forestieră, de către Comisia seminţelor forestiere al cărei Preşedinte este d-l prof. W. Schmidt şi în care d-l prof. M. Drăcea, Directorul Institutului de Cercetări şi Experimentaţie Forestieră, este membru.

Cu ocazia acestei scurte excursiuni s'a cercetat şi arboretul de pin silvestru întemeiat din seminţe de obârşie necunoscută, în vârstă de cca 50 ani, de pe domeniul comunei Satu-Lung, cum şi oraşul Braşov unde distinsul oaspete a fost întâmpinat cu deosebită cordialitate de către inginerii silvici din localitate.

M. D.

## ● Dela Centrul Internaţional de Silvicultură (C. I. S.) — Berlin.

Aşa cum s'a mai arătat şi cu alte prilejuri (a se vedea „Cronica externă" din R. P., 1939, nota nr. 97, pag. 557/8 şi 1940, nota nr. 112, pag. 294), Centrul Internaţional de Silvicultură, cu sediul la Berlin, este socotit ca făcând parte din cadrul Institutului Internaţional de Agricultură dela Roma (I. I. A. R.).

In cursul lunei Mai (20—24) a. c., I. I. A. R.-ul şi-a ţinut la Roma cea de a XV-a Adunare generală, care reprezintă instanţa sa cea mai superioară, fiind constituită din delegaţii statelor aderente (75) şi având loc din doi în doi ani. C. I. S.-ul a fost reprezentat prin Baronul Waldbott, Preşedintele său.

Printre lucrările sale, Adunarea generală s'a ocupat şi de constituirea şi organizarea C. I. S.-ului. Preşedintele I. I. A. R.-ului, Baronul Acerbo şi-a exprimat satisfacţia sa asupra felului cum s'a desvoltat până acuma C. I. S.-ul şi mai ales asupra legii din 4 Aprilie 1940 a Reich-ului german, privind acordarea de privilegii exteritoriale C. I. S.-ului. Preşedintele C. I. S.-ului, Baronul Waldbott a făcut, între atele, o paralelă între metodele deosebite de lucru din agricultură şi silvicultură, insistând asupra lucrărilor trebuitoare pentru viitorul apropiat şi generaţiile viitoare în domeniul silviculturii. Domnul Profesor Dr. Köstler, Directorul C. I. S.-ului a prezentat raportul asupra stadiului de desvoltare a C. I. S.-ului: aderenţele, amenajarea birourilor, situaţia financiară, lucrările înfăptuite sau în curs de înfăptuire.

(După comunicări oficiale). (124)

## ● O facultate a lemnului la Eberswalde.

Insemnătatea din ce în ce mai mare pe care o capătă lemnul pe de-o-parte, ca materie primă în feluritele sale întrebuinţări şi fabricaţiuni, iar pe de-alta din pricina secătuirii rezervelor sale din lume, a condus guvernul Reich-ului să organizeze şi să pună în funcţiune, cu începere din semestrul de iarnă 1939/1940, la Eberswalde studii anumite pentru o nouă specialitate forestieră: „Diplomholzwirt" (Diplomat în materie de lemn), pendantul relativ al specialităţii Diplomforstwirt( Diplomat forestier, silvicultor, inginer silvic).

Studiile constau din:

a) 3 semestre ştiinţe de bază (ciclul I);

b) 3 semestre ştiinţe de specialitate (ciclul II);

c) lucrări practice pe lângă fabrici de cherestea şi în pădure, şi lucrări de seminar;

d) 6 luni practică deosebită obligatorie.

Disciplinele de studiu şi practică sunt:

I. Introducere în ştiinţa economiei forestiere şi a lemnului 1 sem. à 2 ore/s.;

II. Ştiinţe de bază:

A. Ştiinţe de Stat:

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Drept german . . . . . | 1 sem. | à 2 | ore/s. |
| 2. | Popor şi economie . . . . | 1 „ | „ 1 | „ |
| 3. | Economie naţională . . . . | 1 „ | „ 3(+2) | „ |
| 4. | Politică economică . . . . | 1 „ | „ 3 | „ |
| 5. | Finanţe . . . . . | 1 „ | „ 1 | „ |
| 6. | Exploataţiuni generale . . . | 1 „ | „ 2(+1) | „ |
| 7. | Contabilitate şi Bilanţ . . . | 1 „ | „ 1(+2) | „ |
| 8. | Statistică . . . . . | 2 „ | „ 1 | „ |
| + 9. | Limbi (engleza) . . . . . | 2 „ | „ 1 | „ |

B. Ştiinţe naturale:

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Matematici I . . . . . | 1 „ | „ 2(+1) | „ |
| 2. | Matematici II . . . . . | 1 „ | „ 2(+1) | „ |
| 3. | Geometrie descriptivă . . . | 1 „ | „ 2(+2) | „ |
| 4. | Mecanica I (Statică) . . . | 1 „ | „ 2(+2) | „ |
| 5. | Mecanica II (Dinamică) . . | 1 „ | „ 1(+1) | „ |
| 6. | Fizică . . . . . | 1 „ | „ 2 | „ |
| 7. | Chimie anorganică . . . . | 1 „ | „ 3 | „ |
| 8. | Chimie organică . . . . . | 1 „ | „ 2 | „ |
| 9. | Materii de lucru . . . . . | 1 „ | „ 1 | „ |
| 10. | Maşini I . . . . . | 1 „ | „ 3(+3) | „ |
| 11. | Maşini II . . . . . | 1 „ | „ 2(+2) | „ |
| 12. | Maşini III . . . . . | 1 „ | „ 2(+2) | „ |
| +13. | Electrotehnica . . . . . | 1 „ | „ 2(+2) | „ |
| 14. | Botanică generală şi fiziologia lemnoaselor . . . . . | 1 „ | „ 3(+3) | „ |
| 15. | Botanică sistematică specială . | 1 „ | „ 2(+2) | „ |
| 16. | Determinarea lemnelor . . . | 1 „ | „ 1(+1) | „ |
| 17. | Structura şi viaţa arborilor . | 1 „ | „ 2 | „ |
| | Total în trei semestre . — | | 53(+27) | ore/s. |

III. Ştiinţe de specialitate:

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Silvicultură (excursiuni) | | | |
| 2. | Patologie forestieră . . . . | 1 sem. | à 2 | ore/s. |
| 3. | Patologie forestieră . . . . | 1 „ | „ 1 | „ |
| 3. | Zoologie specială I . . . . | 1 „ | „ 1 | „ |
| 4. | Zoologie specială II (Ent.) . . | 1 „ | „ 1 | „ |
| 5. | Protecţia lemnului . . . . | 1 „ | „ 1(+1) | „ |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 6. | Dendrometrie I (Cubaje) . . | 1 „ | „ 1 | „ |
| 7. | Dendrometrie II (Creşteri) . . | 1 „ | „ 1 | „ |
| 8. | Exploataţiuni forestiere (Stim.). | 1 „ | „ 1 | „ |
| 9. | Tehnologia lemnului I . . . | 1 „ | „ 2 | „ |
| 10. | Tehnologia lemnului II . . . | 1 „ | „ 3(+1) | „ |
| 11. | Tehnologia lemnului III. . . | 1 „ | „ 2(+2) | „ |
| +12. | Căi de transportul lemnului | | | |
| 13. | Politica forestieră I . . . . | 1 „ | „ 4(+2) | „ |
| 14. | Politica forestieră I . . . | 1 „ | „ 2 | „ |
| 15. | Politica pieţei lemnului I . . | 1 „ | „ 1(+1) | „ |
| 16. | Politica pieţei lemnului II . . | 1 „ | „ 2 | „ |
| 17. | Comerţul internaţ. al lemnului . | 1 „ | „ 1 | „ |
| 18. | Drept forestier I . . . . . | 1 „ | „ 2 | „ |
| 19. | Drept forestier II . . . . . | 1 „ | „ 2 | „ |
| 20. | Drept comercial special. . . | 1 „ | „ 1 | „ |
| +21. | Istorie forestieră . . . . . | 1 „ | „ 1 | „ |
| +22. | Administraţie forestieră . . | 1 „ | „ 1 | „ |
| 23. | Tehnologia mecanică a lem. I . | 1 „ | „ 2(+2) | „ |
| 24. | Tehnologia mecanică a lem II | 1 „ | „ 2(+2) | „ |
| 25. | Tehnologia mecanică a lem. III | 1 „ | „ 2(+2) | „ |
| 26. | Tehnologia chimică a lemnului | 1 „ | „ 2 | „ |
| 27. | Fabrici de cherestea I . . . . | 1 „ | „ 3(+2) | „ |
| 28. | Fabrici de cherestea II . . . | 1 „ | „ 3(+2) | „ |
| +29. | Limbi (rusa) . . . . . | 3 „ | „ 1(+7) | „ |
| 30. | Excursii, vizite, seminarii, etc. . | 3 „ | „ 7(+7) | „ |
| | Total în trei semestre — | | 54(+27) ore/s. | |

sau 27 de ore săptămânale pe semestru.

[Disciplinele însemnate în stânga cu + sunt facultative. Cifrele din paranteză (+1) din dreapta reprezintă orele de lucrări practice].

Această nouă specialitate forestieră a fost ataşată ca un fel de Facultate a lemnului pe lângă Şcoala superioară de Silvicultură dela Eberswalde, întrucât acea instituţie avea creiată deja o tradiţie din cercetarea lemnului. Intr'adevăr, acolo se mai află Institutul Reichului pentru cercetarea lemnului, ca şi alte Institute de Cercetări forestiere de interes pentru specialiştii în lemn. Aceştia află acolo, apoi, înlesnirea de a urma şi alte cursuri forestiere de completare ce li s'ar părea folositoare.

Schimbul de studii similare, atât de obişnuit în universităţile germane, se poate face în Şcoala superioară pentru cultura pământului dela Viena, care este orientată — după cum se ştie — foarte puternic în direcţia tehnică.

(După comunicări oficiale). (125).

*Ilie C. Demetrescu*

# INFORMAŢIUNI

— In Mon. Of. Nr. 162 din 16 Iulie a. c. (p. 3612—3614) a apărut Jurnalul Consiliului de Miniştri Nr. 1708 privind arendarea sau închirierea, de către C. A. P. S. a terenurilor necesare întreprinderilor care se ocupă cu exploatarea şi valorificarea zăcămintelor minerale de orice fel.

— In Mon. Of. Nr. 166 din 20 Iulie 1940 au apărut condiţiunile de admitere în Şcoala de conductori silvici dela Casa-Verde Timişoara.

— In acelaşi Monitor Oficial au apărut condiţiile de admitere în şcolile de pădurari dela Căiuţi şi Brăneşti.

## AVANSĂRI IN CORPUL SUPERIOR SILVIC

Prin decizia ministerială Nr. 17.160 din 4 Iulie 1940 apărută în Mon. Of. Nr. 153 din 5 Iulie a. c., următorii ingineri din cadrul de Stat, detaşat şi particular, se înaintează, *la alegere*, pe ziua de 1 Ianuarie 1940:

1. *La gradul de inginer şef silvic*

Cioltan Gh., Cunetchi Ilie, Georgescu C. Nicolae, Jangoci Eugen, Ştefănescu Mihai, Tebeica Alexandru, Ciobotaru Tudose, toţi din serviciul C. A. P. S.; Costăchel Aurel din serv. Primăriei Municipiului Bucureşti; Ţocu Mişu, din serv. C. A. P. S., Mihai T. Vasile şi Ştefănescu Octav din serv. Direcţiunei silvice, Livada Mihai din serv. Ministerului Aerului şi Marinei, Pană Gh. Ion, Dumitraşcu N. şi Zamfir C. din serv. C. A. P. S., Donciu Dumitru din serv. Direcţiunei silvice, Soltischi Constantin şi Mateescu Ion, ambii din serviciul C. A. P. S., Horn Alfred din serviciul Direcţiunei silvice şi Dumitrescu Romulus din serv. C. A. P. S.

2 *La gradul de inginer subinspector silvic*

Radu V. Petre din serv. C. A. P. S., Chibeleanu Aurel şi Spârchez Zeno, ambii din serv. Direcţiunei silvice, Munteanu Victor, Ştefănescu C. Matei şi Căpitanu N. Constantin, toţi din serv. C. A. P. S., Cioc Gh. din serv. Institutului Naţional al Cooperaţiei, Novac Eftimie din serv. C. A. P. S., Smighelschi Cornel din serv. Direcţiunei silvice, Preoţescu D. Ion, Conrad Iosif şi Oprişan Gh., toţi din serv. C.A. P. S. ,Paraschivescu A. din serv. Direcţiunei silvice, Hanner Friederic, Pană Vasile şi Roşca M. Tudor, toţi din serv. C. A. P. S.

3. *La gradul de inginer inspector silvic*

Negulescu Emil din serv. Direcţiunei silvice, Ghica Simion din serv.

C. A. P. S., Haralamb Atanasie din serv. I. C. E. F., Pop Apsolon din serv. Direcţiunei cadastrului şi Mihălcescu Octav din serv. C. A. P. S.

4. *La gradul de inginer inspector general silvic*

Emanoil C. C. din serv. C. A. P. S., Nettea Const. din serv. Direcţiunei silvice, Constantinescu I. Leu din serv. C. A. P. S., Ciurileanu Dumitru din serv. Direcţiei cadastrului şi Sburlan Dumitru din serv. I. C. E. F.

5. *La gradul de inginer consilier silvic*

Ionescu I. Andrei din serv. Consiliului tehnic silvic, Florescu Ioan din serv. Direcţiunei silvice, Ivănceanu Victor din serv. C. A. P. S., Fiera Mihail din serv. Direcţiunei silvice şi Popovici Valer din serv. C. A. P. S.

*

— Prin decizia ministerială Nr. 17.161 din 4 Iulie 1940, publicată în Mon. Of. No. 153 din 5 Iulie a. c., următorii ingineri din cadrul de Stat, detaşat şi particular, se înaintează, *la vechime*, pe ziua de 1 Ianuarie 1940, cu vechimea în grad arătată în dreptul fiecăruia:

1. *La gradul de inginer silvic*

Vintilescu Tr. Nicolae, pe ziua de 13.VII.1939; Urzică Petre, pe 1.I.1937; Zamfir Ion, pe 17.I.1939; Vlaheli D. Ion, pe 25.X.1939; Defour F. Bartolomeu, pe 1.XI.1939; Inculeţ Pavel şi Palade C. Gheorghe, ambii pe 15. XII.1939, toţi din serviciul Direcţiunii silvice; Pocorny Ervin, pe 1.XII. 1937; Marinescu I. Constantin, pe 1. III.1938; Zdetovetchi Alex., pe 1.IX. 1939; Stănciulescu C. Dorin, pe 17. XI.1939; Berliba Boris, pe 1.XII. 1939; Mracec Corneliu şi Ivanov T. Nicolae, pe 15.XII.1939; Preda C. Mihai, pe 16.XII.1939; Müller Frederic, pe 17.XII.1939 şi Gruiescu D. Aurora, pe 19.XII.1939, toţi din serviciul C. A. P. S.; Sereş Nicolae, particular, pe ziua de 1.I.1929; Gheorghescu C. Constantin, din serviciul C. F. R., pe 16.V.1935; Liteanu Vl. Radu, pe 23.VI.1936 şi Florescu Grigore, pe 1.IV.1938, ambii din serviciul U. G. I. R.; Rosman Iosif, din serviciul Domeniului Coroanei, pe 4.II.1939; Suceava Nicolae, din serv. fabricei de celuloză Zărneşti ,pe 17.IV.1939; Braha Visarion, din serv. Fondului bisericesc Bucovina, pe 20.V.1939; Demetrescu Traian, din serv. Primăriei Municipiului Bucureşti, pe 10.VI.1939; Marossi Iuliu, din serviciul Episcopiei romano-catolice Oradea, pe 20. VI.1939; Ştefănescu Gh. Anibal, din serv. Societăţii Reşiţa, pe 2.X.1939; Secărescu Gh. Teodor, din serv. Eforiei Spitalelor Civile ,pe 1.XI.1939; Bărbuceanu Mihai, pe 21.XI.1939 şi Calciu M. Ion, pe 22.XI.1939; ambii din serv. Ministerului Economiei Naţionale şi Haustein F., particular, pe 25.I.1937.

2. *La gradul de inginer şef silvic*

Poenaru M., pe 1.XII.1930, Baboe Gh., pe 8.I.1939, ambii din serviciul C. A. P. S.; Romanciuc Roman, din serv. Fondului Bisericesc Bucovina, pe 15.I.1939; Boambăn Ion, pe 21.IV.1939, din serv. C. A. P. S.; Schmidt Carol, pe 15.VIII.1939, din serv. Direcţiei Silvice şi Manăsterschi Ep., pe 19.XII.1939, din serviciul C. A. P. S.

3. *La gradul de inginer subinspector silvic*

Tcaciuc Anton, din serv. Fondului Bisericesc Bucovina, pe 1.I.1938; Dery Carol, din serv. C. A. P. S.; Tatomir Gh., din serv. Direcţiei silvice; Năstase Ion şi Jurcu Victor, ambii din serv. Fondului Bisericesc Bucovina; Diaconescu Caton, din serv. Direcţiei silvice; Săvulescu Alexandru din serv. Casei Regale Azuga; Ostafie Gh., din serv. Direcţiei silvice şi Teodorovici Gh., din serv. Fondului Bisericesc Bucovina, toţi pe data de 22.XII.1939; Nahaiciuc Tr., din serv. C. A. P. S., pe 1.IV.1939; Obadă D-tru, din serv. Fondului Bisericesc Bucovina şi Dan Mihai, din serv. C. A. P. S., ambii pe 22.XII.1939; Săndulache Gh., pe 1.V.1939; Crăciun Mihai, pe 22.XII. 1939; Mureşanu Iosif, pe 22.XII. 1939 şi Soos Eugen, pe 22.XII.1939, toţi din serv. C. A. P. S.; Drăgan Raiciu, din serv. Direcţiei silvice, pe 1.I.1940 şi Harnagea I. Vasile, din serv. C. A. P. S., pe 22.XII.1939.

4. *La gradul de inginer inspector silvic*

Goanţă Pavel, din serv. Com. de Avere Caransebeş, pe 1.I.1936; Orosz Zoltan, din serv. C. A. P. S. şi Krzizanokschi M. Gr., din serv. Fondului Bisericesc Bucovina, ambii pe 1.I. 1940.

*

Avansările din amintitele deciziuni nu dau dreptul la diferenţe de salariu nici pe trecut, nici în exerciţiul curent, decât în limitele dispoziţiunilor legii bugetare a exerciţiului în curs.

# R E C E N Z I I

## CĂRŢI.

VLAD, Dipl.-Forsting. ION: *Zuwachsverhältnisse im Mittelwald.* (Condiţiuni de creştere în crângul compus). Teză de doctorat.
München, 1940, Druck: M. Ernst, S. 134.

In ţara noastră, crângul compus îşi are o istorie a sa destul de interesantă, atât pe teren cât şi în scris. Aplicat la şes şi în regiunea de colline, el a fost obiectul entuziaştilor şi întâilor noştri silvicultori nancyeni pentruca mai târziu (prin 1885—95) să sufere o critică acerbă din cauza sistemului de aplicare, întrucât frumoasele păduri româneşti ajunseră într'o stare de ruină.

N'aş putea spune cu preciziune pe ce suprafaţă este aplicat acum, dar în publicaţiile ceva mai recente*) e citată la categoria „Crâng compus şi cu reserve" („Niederwald mit Reserven" la d-l Dinu) suprafaţa de 339.212 ha. Iniţial, găsim acest regim pe o întindere mult mai mică, încât la 1900 ocupa: în pădurile statului 106.000 ha, pe domeniul Coroanei 5.070 ha, în pădurile particulare 16.700 ha (total: 127.770 ha).

D-l Andrei Ionescu, după care luăm datele acestea, a publicat în 1930 şi 1931, în Revista Pădurilor, un studiu asupra crângului compus**), în care ne arată cum după 1900 începe în pădurile statului un declin pentru crângul compus, încât în 1910 numai 74.400 ha mai erau tratate în acest regim, întindere care continuă să descrească după această dată, aplicându-se numai pe mici suprafeţe pe bază de „amenajamente sumare". In schimb însă, în pădurile persoanelor morale, publice şi de utilitate publică suprafaţa pentru crângurile compuse a crescut. La fel, la pădurile particulare. Statistica din 1928 dă pentru pădurile persoanelor morale, etc. 51.980 ha, pentru pădurile particulare 77.690 ha. Explicarea acestor majorări o găseşte D-l Andrei I. Ionescu în obligaţiile impuse proprietarilor de păduri tratate în crâng, de către Consiliul Technic, de a lăsa câte 40—100 seminceri la ha, atunci când pădurile erau mai bătrâne de 50 ani.

Revenind la suprafaţa ocupată de pădurile tratate în crâng compus, să împrumutăm dela D-l Andrei Io-

*) *V. Sabău:* Statistica pădurilor din România pe anul 1929, Bucureşti 1931; *V. Dinu:* Der rumänische Wald, Bucureşti 1933.

**) *A. I. Ionescu:* „Contribuţiuni la studiul culturii şi technicei crângurilor compuse în România", Revista Pădurilor, 1930, pag. 1151—1168 şi 1256—1281; *Al. I. Ionescu:* „Contribuţiuni la istoricul crângului compus în pădurile noastre" Revista Pădurilor 1931, pag. 581—589. In total, 53 pag.

nescu încă vreo câteva date statistice, pentru a avea repere de apreciere în plus pentru problema în discuție.

Din suprafața totală păduroasă a țării, se exploatează în crâng compus: în România 3,5%; în Cehoslovacia 1%; în Elveția 3,5%; în Franța 39,4%; în Germania (înainte de războiul mondial) 3,8%; în Austria (1910) 2,3%; în Belgia 38%. Se vede din aceste cifre că și sub aspectul întinderii problema suscită interes pentru cercetătorul în materie.

Pentru D-l Ion Vlad însă, a cărui lucrare o prezentăm acum cititorilor revistei noastre, punctul de plecare a fost mai personal am putea spune. După o activitate de cinci ani ca șef de ocol la pădurile Epitropiei Sf. Spiridon, D-sa pleacă în Germania, la München, pentru ca în cadrul unei lucrări de doctorat și sub conducerea profesorilor Fabricius, Vanselow, Dieterich, să caute să ajungă la anumite concluziuni, care să-i permită să ia atitudine față de problemă la pădurile pe care le-a administrat și le administrează și acum după reîntoarecerea în țară.

In adevăr, din cele 23.000 ha ale Epitropiei, 21.000 ha sunt tratate în crâng compus. Stejarul și fagul este însoțit de carpen, plop tremurător, tei, paltin, mesteacăn, ulm, frasin, anin, etc. Ca element de codru (rezerve): stejarul, fagul, carpenul, ulmul, paltinul, frasinul. De ,regulă însă,în etajul dominant se lasă stejarul, care este relativ uniform repartizat. O distribuție după șablon este aplicată și pentru celelalte esențe. Revoluția: 30—40 ani. S'a dat prea puțină atenție până acum pentru educarea arboretelor și încă și mai puțină pentru înnobilarea lor. In aceste condițiuni, se constată o degradare a pădurii. Crăci lacome acoperă trunchiul arborilor izolați (stejar, ulm, carpen). Fagul suferă de arsura coajei și nu se mai regenerează din lăstari, iar lemnul lui, după 2—3 revoluții, nu este mai de preț decât după o revoluție. Esențele prețoiase sunt înlocuite în mod natural de mesteacăn și plop. Stejarul, paltinul, fagul, frasinul sunt dominate de plop, care crește mai repede, încât producția tinde a da tot mai mult lemn moale. Se constată mai departe, că nu numai *masa* dar și valoarea lemnului devine mai mică decât în pădurea învecinată tratată în codru, deși condițiile staționale sunt aceleași. Nu este greu de prevăzut deci, că în aceste împrejurări, pădurea se va ruina. Despre un raport susținut nici nu poate fi vorba.

Și atunci se pune întrebarea: ce măsuri trebuesc luate pentru a îmbunătăți situația? Este regimul în sine vinovat sau aplicarea lui? Dacă regimul nu este cel indicat, cum trebue să se procedeze în viitor? Dacă regimul este impropriu, nu antrenează o conversiune în codru prea multe jertfe? Căci pentru cazul dat, la rezerve nu s'a gândit nimeni mai înainte. Trebue, deci, găsită o soluție pentru această problemă, astfel încât veniturile să rămână oarecum aceleași, deoarece Epitropia n'ar putea admite o diminuare a lor.

Preocupat de aceste întrebări, autorul a cercetat pe teren în Germania și în Franța cum sunt tratate și ce rezultate dau crângurile compuse în țări unde silvicultura își are o tradiție și o disciplină recunoscute. Materialul documentar a fost sistematizat și discutat în teza de doctorat de care ne ocupăm.

In această ordine de idei, să ne ocupăm dar de economia lucrării

înainte de a vedea concluziile autorului, căci în actul acesta de prezentare a unei cărţi, metoda este următoarea: vezi în introducere cum pune autorul problema, pentru ca să poţi stabili corespondenţa concluziilor cu întrebările cari l-au chinuit şi-i urmăreşti în cuprins constatările, deducţiile, argumentele.

Materialul este grupat în trei părţi: în *prima* parte se defineşte noţiunea de crâng compus, raportul dintre etajul dominant şi dominat, influenţa reciprocă a acestor două elemente ale crângului compus, cauzele declinului crângului compus. Se datoreşte crângului compus în sine situaţia în care se află pădurile tratate în acest regim sau greşitei aplicări a lui?; în partea *2-a* se studiază condiţiile de creştere în crângul compus, urmărindu-se problema în pădurile de luncă şi din regiunile mai înalte (coline), sub aspectul creşterilor în înălţime, suprafaţă, volum. Coeficienţii de formă nu sunt nici ei neglijaţi. De asemenea producţia în masă şi valoare. In partea *3-a* şi ultima dă indicaţiuni normative: alegerea speciilor proprii pentru crângul compus în pădurile de luncă şi coline, revoluţia de adoptat, regenerarea în crângul compus, conducerea arboretelor.

Materialul documentar, care stă la baza lucrării, este recoltat după cum am menţionat, din Franţa şi Germania. Concluziile sunt trase deci în funcţie de constatările făcute acolo, pentru condiţiile de acolo; totuşi cu posibilitate de a aplica în anumite regiuni de luncă şi la noi.

Ar fi greu şi incomplet să rezumăm lucrarea, care trebue citită pe îndelete şi cu creionul în mână. Tabele de cifre recapitulative (19 la număr) şi 21 de reprezentări grafice întregesc lucrarea, concretizând constatările.

Am arătat punctul de plecare şi economia lucrării. Să schiţăm şi concluzia autorului.

In încheere menţionează avantajele şi desavantajele acestui regim, pentru a conchide, după ce stabileşte cauzele declinului lui, că regimul crângului compus poate da o producţie mare şi de valoare atunci când e bine aplicat şi că poate fi unul din cele mai indicate procedee pentru a converti pădurile în codru, fără a aduce prejudicii prea mari proprietarului.

Ne îndeplinim, credem, o datorie camaradereasca, semnalând lucrările de acest gen, pornite dela întrebări isvorîte din activitatea pe teren, studiate ştiinţific pe teren şi în cabinetul de lucru (bibliografia bogată dela finele cărţii este o dovadă), discutată cu maeştrii recunoscuţi în materie de silvicultură. Metoda de lucru şi concluziile cred că pot servi şi altora care se străduesc să lămurească pe teren aceste probleme. Dificultatea începe însă la lectură: este scrisă în nemţeşte, limbă inaccesibilă din păcate încă la mulţi dintre ai noştri. Incât s'ar naşte întrebarea, dacă n'ar fi cazul, ca lucrările de acest gen să fie traduse şi în româneşte, pentru a le putea pune la dispoziţia tuturor din serviciul pădurilor ţării. O garanţie, o recomandare de care se poate ţine seama, e calificativul obţinut de autor la examenul de doctorat. In cazul de faţă, menţionăm că lucrarea a fost încununată cu nota „foarte bine" (magna cum laude de pe vremuri) pentru care succes îl felicităm pe camaradul nostru, cu atât mai mult cu cât a reuşit să ţină trează, în mijlocul ocupaţiunilor de şef de ocol, tinereasca flacără a dorinţei de studiu şi perfecţionare în meserie.

In concluzie, deci, şi cu asta terminăm, lucrarea camaradului Vlad

închide în ea muncă efectivă pe teren şi cercetări în biblioteci, e gândită pentru a deslega o chestiune de ordin practic; reprezintă în ultimă analiză o reală contribuţie la rezolvarea problemei crângului compus.

*T. Bălănică*

*

Dr. P. P. DAIA şi ALEX. P. DAIA: *Producerea păstrăvilor* (partea II-a). 44 pagini în „Biblioteca agricolă a ziarului „Universul", Nr. 98. Lei 10.

In. Nr. 4/1937al Revistei Pădurilor am prezentat cititorilor prima parte a broşurii autorilor intitulată „producerea păstrăvilor" şi apărută tot în Biblioteca agricolă a Universului (Nr. 68). Aceea, după o descriere sumară a păstrăvului comun şi a celui american, se ocupă de producerea păstrăvilor în instalaţii de piscicultură, şi de creşterea lor acolo până la vârsta când ar urma să fie folosiţi: sau pentru repopularea râurilor (cazul salmoniculturei extensive), sau pentru creşterea lor, mai departe, în eleştee de creştere (cazul pisciculturei intensive cu caracter pronunţat comercial).

De data aceasta, autorii dau la iveală partea a 2-a a lucrării. Ea priveşte creşterea păstrăvului în eleştee până în stadiul când urmează să fie daţi în comerţ pentru consum. Ca atare se tratează despre:

Eleştee şi construirea lor (9 pagini); repartizarea diferitelor mărimi de păstrăvi în eleştee şi cantitatea de pus la metrul cub de apă (5 pag.); hrănirea lor (4 pag.); ritmul de creştere (1 pag.).

Un capitol mic (II) este consacrat boalelor şi inamicilor păstrăvului (3 pag.).

Insfârşit, 16 pagini, constituind cel de al 3-lea capitol al broşurii, se ocupă de comercializarea păstrăvului. Aici se arată cum se transportă icrele, peştişorii mici destinaţi pentru repopularea râurilor, peştii vii şi cei morţi destinaţi pentru consum, precum şi procedeul primitiv de afumat, modalitate care îngăduie să se păstreze mai mult timp acest aliment.

Un număr de 22 figuri fac ca cele expuse să fie cât mai uşor înţelese de cititori.

De aceleaşi proporţii modeste ca şi prima broşură, materia acestei a 2-a părţi, cuprinzând cunoştinţe utile pentru crescători, este la fel de clar expusă.

Biblioteca crescătorului de peşti din apele de munte se măreşte deci cu o nouă contribuţie folositoare.

*T. H. Crivăţ.*

HOLZ ALS ROH-UND WERKSTOFF.

*An. 3 (1940), Caetul 2 (Februarie).*

*Fr. Kollmann:*

*Untersuchungen über die Herstellung von Holzwolle, insbesondere Buchenholzwolle, zu Leichtbauplatten.*

Cercetări asupra fabricării lânii pentru plăci uşoare de construcţie, în special asupra lânii de fag.

Plăcile de construcţie din lână de lemn îşi găsesc din ce în ce o întrebuinţare mai extinsă. Pentru fabricarea lânii de lemn se întrebuinţează aproape numai răşinoase şi anume sortimente care sunt bune şi pentru producerea fibrelor. Ca să se economisească acest material, s'a căutat să se facă lână de lemn din fag. Fabricanţii s'au angajat cu foarte multă rezervă la noua producţie.

Pentru clasificarea condiţiunilor tehnice şi economice de fabricaţie a lânii de lemn de fag, s'au făcut studii de către Institutul din Eberswalde pentru cercetarea lemnului.

In acest articol se dau rezultatele studiilor întreprinse, care s'au extins asupra: construcţiei maşinilor de fabricat lâna de lemn şi modului lor de lucru, influenţei speciei, sortimentului, umidităţii şi îngheţului lemnului asupra producţiei orare şi a pierderilor, consumului de forţă şi uzurii maşinilor, însuşirilor lânii de lemn din diferite esenţe pentru fabricarea plăcilor uşoare de construcţie, pregătirii lemnului de fag înaintea prelucrării şi asupra sortării acestui material.

*A. Frey-Wyssling:*

*Die Anisotropie des Schwindmasses auf dem Holzquerschnitt.*

Anizotropia contragerii în secţiunea transversală a lemnului.

Autorul explică diferenţa de contragere în sens radial şi tangenţial pe secţiunea transversală a lemnului. Inclinarea diferită a micelilor pe pereţii radiali şi tangenţiali ai traheidelor lemnului de răşinoase, este cauza acestei anizotropii.

*W. Mühlsteph:*

*Die Bedeutung der Fasergestalt für die Zellstoffeigenschaften.*

*I. Mitteilung. Das Aufnahmevermögen der Zellstoffblätter für Flüssigkeiten.*

Importanţa conformaţiei fibrei pentru însuşirile celulozei.

Comunicarea I. Capacitatea de absorbţie a lichidelor de către foile de celuloză.

Lungimea fibrei nu este un suficient criteriu pentru calificarea unei celuloze. Forma şi plasticitatea fibrei are o deosebită influenţă asupra calităţii celulozei. Aceste însuşiri se pot estima foarte bine prin

măsurarea capacității de absorpție a diferitelor lichide de către foile de celuloză.

*H. Zycha:*

*Einfluss von Nährsalzen auf den Holzabbau durch Pilze.*

Influența sărurilor hrănitoare asupra descompunerii lemnului prin ciuperci.

Asupra desvoltării ciupercilor nu are o influență hotărîtoare numai cantitatea de apă, ci și sărurile care le hrănesc. Astfel putrezirea lemnului poate fi diferită, celelalte condițiuni fiind la fel, după sărurile cuprinse în mediul înconjurător (argilă, nisip, etc.).

Prin încercări de laborator autorul constată că sărurile de azot înlesnesc desvoltarea ciupercilor.

*F. Kollmann și F. Schulz:*

*Versuche über die Drehfestigkeit von Flugzeug-Sperrholz.*

Incercări asupra rezistenței la torsiune a placajului pentru aviație.

Formula practică pentru calculul rezistenței lemnului la torsiune, dedusă din formula lui Saint-Venant, este aplicabilă doar pentru încercări cu piese de probă cu secțiune pătrată.

Pentru placaj probele nu pot fi de cât de secțiune dreptunghiulară, astfel că formula nu mai este aplicabilă. Se dă o altă formulă, dedusă tot după teoria lui Saint-Venant.

Se dau rezultatele încercărilor comparative cu piese de diferite secțiuni dreptunghiulare, spre a se stabili în ce cazuri formula dedusă se poate aplica.

*Mici comunicări:*

Aprovizionarea Angliei cu lemn.

Economia lemnului în Franța.

Nevoia de lemn a Italiei.

Intrebuințarea lemnului în construcția vapoarelor.

Lemnul de mesteacăn finlandez.

Lemn de balsa din Ekuador.

Exportul de plăci de fibre al Suediei.

Făina din coji de nucă pentru materiile plastice.

Lacuri pentru lemn.

Un nou procedeu de hidrolizarea lemnului.

Mijloace contra atacurilor insectelor din genul Lyctus.

*Revista patentelor* anunțate și aprobate.

*Referate* asupra literaturii nou apărută în domeniul tehnologiei lemnului. Sunt cuprinse 88 referate.

*Recenzii:*

Schimazek's Verlagsanstalt K.-G.: Handbuch der Deutschen Holzwirtschaft. Frachtenbuch für Holz und Holzwaren und Nachträge.

A. Franzke: Die Hausbockkäferfrage im Jahre 1938.

B. Neumann: Lehrbuch der chemischen Technologie und Metallurgie.

Dr. Sändig Verlagsges: Handbuch der Papier-und Pappenfabrikation (Papierlexikon).

Dtsch. Heraklith A. G.: Heraklith. Technische Anleitungen.

Böhme, Fettchem. Ges.: Zellwolle. Winke für ihre Veredlung.

E. Gieseking: Holzschutz-Handbuch. Die Verlängerung der Lebensdauer des Werk-und Bauholzes.

K. R. Rybka: Klimatechnik. Entwurf, Berechnung und Ausführung von Klimaanlagen.

F. Kress: Der Zimmerpolier. Ein

Fachbuch für Zimmerleute, Techniker, Architekten aus allen Gebieten des Holzbaues.

Dtsch. Handwerksinst: Die Beleihungsfähigkeit von Holzhäusern.

L. Rödler: Das Holztreppenbau. Gewendelte Treppen.

G. Hempel und E. Eisfeld: Grundlagen zur statischen Berechnung für freigespannte Dachbinder in Holz mit Berechnungsbeispielen und Tafeln.

W. Stoy: Ingenieurholzbau.

*

*An. 3 (1940). Caetul 3 (Martie).*

*David Johansson:*

*Über Früh-und Spätholz in schwedischer Fichte und Kiefer und über ihren Einfluss auf die Eigenschaften von Sulfit-und Sulfatzellstoff.*

Despre lemnul timpuriu şi târziu la molifiul şi pinul suedez şi despre influenţa lor asupra însuşirilor celulozei sulfit şi sulfat.

Proporţia de lemn târziu are o mare influenţă asupra însuşirilor celulozei şi anume deosebit după procedeul de fabricare sulfit sau sulfat. Se arată rezultatele încercărilor comparative şi se fac propuneri pentru o sortare a lemnului de celuloză după proporţia de lemn târziu.

*Fritz Armbruster:*

*Technische Mindestwerte für Kunstharzpresshölzer.*

Valori tehnice minimale pentru lemne presate şi încleite cu răşini artificiale.

Noile materiale obţinute prin lipirea foilor de lemn cu răşini artificiale şi presare puternică aduce foarte mari servicii practicei datorită constanţei însuşirilor în toată massa. Se pot azi obţine materiale de acest gen cu însuşirile voite, fapt care este cu deosebire apreciat de tehnicieni.

Categorisirea acestor materiale după valorile minime ale diferitelor însuşiri, precum şi procedeele de măsurarea acestora sunt expuse şi discutate în acest articol.

*F. Haase şi E. Dölling:*

*Neuzeitliche Hobelmaschinen.*

Maşini moderne de rindeluit.

Foarte interesant articol, în care se arată noile sisteme de construcţie a maşinilor de rindeluit, îndreptat, etc. Un număr mare de figuri întregeşte foarte bine articolul.

*Mici comunicări:*

Probleme pentru cercetări chimice în U. S. A.

Proiecte de norme.

Economia forestieră în coloniile franceze.

Plăci de acoperit canale făcute din plăci dure de fibre.

Fabricarea spirtului sulfit în Suedia.

Noi mase plastice din lemn.

Carbonizarea lemnului în Letonia.

Fabrică de gaz din lemn în Corsica.

Incălzirea cu lemn într'o mare industrie.

Incleiarea lemnului cu cleiuri neatacabile de acizi.

Un nou clei pentru lemn.

Noi sisteme de schele.

*Revista patentelor anunţate şi aprobate.*

*Referate asupra literaturii.*

Sunt cuprinse 57 referate asupra celei mai noi literaturi din domeniul tehnologiei lemnului.

*Recenzii:*

W. Wegelt: Holzwirtschaftliche Monatsblätter. Un tabel cu însușirile lemnului de larice.

*

Anul 3 (1940). Caetul 4 (Aprilie).

*K. Freudenberg și Th. Ploetz:*
*Über enzymatische Abbauversuche an Holz.*

Asupra încercărilor de descompunere a lemnului prin enzime.

Cunoștințele asupra chimiei lemnului sunt încă reduse față de importanța pe care acest material a dobândit-o în industria chimică. Cunoașterea cât mai precisă a componenților materiei lemn ar aduce noi lumini în chimia și întrebuințările sale chimice.

Problemele care însă se pun în acest domeniu sunt următoarele:

Se găsesc diferiții componenți ai lemnului în vreo legătură genetică, adică se pot obține printr'un proces oarecare din vre-unele materii de origină?

Diferitele materii scoase din lemn pe căi chimice se găsesc ca un amestec în lemn, în care fiecare parte rămâne neinfluențată de celelalte sau se găsesc într'o strânsă legătură, poate chiar legătură chimică?

Corpurile obținute pe cale chimică din lemn se găsesc astfel în lemn, adică se găsește în lemn lignină și celuloză?

Articolul cuprinde rezultatele încercărilor făcute prin întrebuințarea enzimelor la descompunerea lemnului pentru a se putea răspunde la ultimele două probleme. Primele rezultate dau speranța unei adânciri a multor cunoștințe despre structura și compoziția lemnului.

*R. Schlüter și F. Fessel:*
*Kosten und Wirtschaftlichkeit der künstlichen Holztrocknung.*

Costul și economia uscării artificiale a lemnului.

Cunoașterea costului uscării artificiale a lemnului este absolut necesară pentru a judeca economia unei întreprinderi de prelucrare a lemnului.

Articolul cuprinde rezultatele foarte interesante obținute în cursul lucrărilor de perfecționare a instalației de uscarea lemnului din întreprinderea Siemens & Halske A.-G., Berlin-Gartenfeld, cu care ocaziune s'a studiat și costul uscării în legătură cu timpul de uscare. Au fost studiate toate componentele prețului de cost. Rezultatele se compară cu acelea ale costului uscării naturale.

*E. Gaber:*
*Versuche über die Reibung von Nadelholz.*

Incercări asupra frecării lemnului de rășinoase.

Se dau rezultatele încercărilor făcute pentru a se stabili valoarea frecării între lemnele de rășinoase cu suprafața brută din fierăstrău, și udată. Deasemenea s'a studiat influența înclinării diferite a fibrelor celor două piese care se freacă.

*Mici comunicări:*

Condițiunile tehnice pentru livrarea lemnului necesar instrumentelor militare.

Valorificarea rumegușului și deșeurilor de lemn.

Noi întrebuințări ale ligninei.

Distilarea lemnului și rășinii în Suedia.

Fabricarea cărbunelui de lemn în Suedia.

Butoaie din lemn de frasin pentru avion.

Costul cofrajelor în construcţiile de beton armat.

Combaterea putrezirii fagului.

Criterii pentru distribuirea lemnului de susţinere (schele, cofraje, etc.) din construcţie.

Norme pentru dimensionarea cherestelei de răşinoase.

Aprovizionarea cu lemn a Angliei.

Cenuşa de lemn ca îngrăşământ.

Importul de lemn al Angliei.

Lămuriri la proiectul de normă DIN E 4076.

*Revista patentelor* anunţate şi aprobate.

*Referate asupra literaturii.* Sunt cuprinse 60 referate asupra literaturii nou apărută în domeniul tehnologiei lemnului.

*Recenzii:*

E. Dreher: Zur Chemie der Kunststoffe.

*

An. X (1940), Caetul 5 (Mai).

*Bruno Huber:*

*Aus dem Arbeitsgebiete der Holzanatomie.*

Din domeniul de lucru al anatomiei lemnului.

Autorul expune, pe scurt, lucrările de anatomia lemnului indigen şi colonial, executate în Institutul botanic din Tharandt. 15 microfotografii foarte bune întregesc textul.

*A. Ugrenovic:*

*Planmässige Untersuchungen über Spaltfestigkeit und Spaltbarkeit.*

Cercetări metodice asupra despicării şi rezistenţei la despicare.

Despicarea lemnului nu a fost complect şi sistematic studiată până acum. Autorul dă rezultatele încercărilor sale făcute pentru stabilirea metodei de lucru, a mărimii probelor, influenţei umidităţei, greutăţii specifice, cantităţii de raze medulare, etc. asupra rezistenţei la despicare.

*G. Jayme şi R. Heininger:*

*Neue Verfahren zur Bestimmung von Gefügeunterschieden in Hölzern. II. Untersuchungen an Rotbuche und Aspe.*

Procedee noi de determinarea diferenţelor de structură a lemnelor. II. Cercetări la fag şi plop tremurător.

Cu ajutorul metodei de lucru şi a aparaturii descrisă de autori în vol. 2 (1939), p. 377, al acestei reviste, s'au studiat lemnele de fag şi plop tremurător.

*Friedr. Merkel:*

*Richtlinien für den Bau von Späne-Absauganlagen.*

Indrumări pentru construcţia aspiratoarelor de praf, rumeguş şi talaj de lemn.

Construcţiei instalaţiei exhaustoarelor trebue să i se dea o deosebită atenţiune, fiindcă altfel consumă multă energie şi devine neeconomică.

Alegerea cantităţii şi vitesei aerului trebue să se facă după materialul de aspirat. Eficacitatea instalaţiei depinde şi de felul cum sunt conduse tuburile de aspiraţie şi de modul de construcţie al separatorului.

*Mici comunicări:*

Crearea unei secţiuni de cercetare a chimiei macromoleculare la Freiburg i. Br.

Planul de cinci ani pentru economia forestieră română.

Cultura nucului american în Germania.

Mase presate din lignină.

Economisirea lemnului în împachetaje.

Economia lemnului în Letonia.

*Revista patentelor* anunţate şi aprobate.

*Referate asupra literaturii.* Sunt cuprinse 66 referate asupra literaturii apărută în ultimul timp în domeniul tehnologiei lemnului.

*Recenzii:*

W. Schlink: Technische Statik.

K. Egner: Bauholzeinsparung.

VDI und DFV: Untersuchungen über Knotenplatten aus Sperrholz. Verhalten von Schichthölzern bei Feuchtigkeitsänderungen.

Un tabel cu însuşirile lemnului de limba (Terminalia superba Engl. et Diels).

*

Anul 3 (1940), Caetul 6 (Iunie).

*Helmut Raunecker:*

*Untersuchungen über die Holzbeschaffenheit von Schwarzerlen des oberbayerischen Moränengebietes.*

Cercetări asupra însuşirilor lemnului de anin negru din ţinutul cu morene al Bavariei [teză de doctorat].

După prezentarea metodei de lucru, autorul expune rezultatele încercărilor făcute cu lemnul de anin negru pentru stabilirea greutăţii specifice, umflării şi contragerii, durităţii, rezistenţei la compresiune, încovoiere, tensiune, izbire şi despicare. Rezultatele obţinute sunt comparate cu acelea dela alte specii lemnoase.

*E. Gaber:*

*Versuche über Erhöhung der Holzschubfestigkeit durch aufgeleimte und aufgenagelte Bretter.*

Incercări asupra măririi rezistenţei la alunecare a lemnului prin lipirea sau prinderea cu cuie a scândurilor.

Rezistenţa la alunecare paralelă cu fibrele este la lemnul de răşinoase foarte mică, pe când aceiaş rezistenţă perpendiculară pe fibre este foarte mare.

Incercările asupra cărora referă articolul s'au făcut pentru a vedea dacă nu se poate mări rezistenţa la alunecare paralel cu fibrele a scândurilor sau dulapilor prin lipirea sau prinderea cu cuie de acestea a unor piese cu fibrele perpendiculare pe primele.

Metoda de încercare, rezultatele şi comentariul lor sunt foarte interesante.

*L. Metz şi H. Seekamp:*

*Prüfgerät zur Messung der Widerstandsfähigkeit von Holzfaserplatten gegen Feuer.*

Aparatul de încercat pentru măsurarea rezistenţei contra focului a plăcilor de fibră din lemn.

Plăcile de fibră din lemn ocupă un loc din ce în ce mai important între materialele de construcţie. Un mare desavantaj al lor îl constitue inflamabilitatea, contra căreia s'au încercat foarte multe procedee tehnice pentru a o micşora sau înlătura complect.

Până acum a lipsit un procedeu de încercare a puterii ignifuge a diferitelor substanţe cu care s'au tratat plăcile de fibră.

In acest foarte interesant articol se descrie aparatul conceput de autori, procedeul de lucru şi se redau rezultatele primelor încercări.

*P. Mathes:*

*Schraubengebläse mit Holzflügeln.*

Suflător axial cu aripi de lemn.

După precizarea noţiunei, se arată evoluţia acestor suflătoare şi a întrebuinţării aripilor de lemn pentru acest scop. Descrierea diferitelor sisteme de construcţie. Astfel de suflătoare cu aripi de lemn se întrebuinţează cu randament ridicat numai dacă sunt mari, de ex.: diam. 0,8...6 m şi mai mult, debit 10...100 $m^3/s$, consum 10...1500 CP.

*Mici comunicări:*

Nevoia de lemn a Angliei e din ce în ce mai ameninţătoare.

Economia forestieră şi a lemnului în Spania.

Pădurile USSR.

Condiţiunile tehnice de livrare a traverselor de cale ferată neimpregnate pentru Căile Ferate Germane.

Dimensiunile admisibile pentru cheresteaua de răşinoase.

Un curs pentru construcţii speciale în lemn.

Lignina ca materie primă pentru masse plastice.

Instrucţiuni pentru confecţionarea duşumelei oarbe necesară montării „Steinholz"-ului.

*Revista patentelor* anunţate şi aprobate.

*Referate asupra literaturii.* Sunt cuprinse 35 referate asupra literaturii nou apărută în domeniul tehnologiei lemnului.

*Recenzii:*

E. Siebel: Handbuch der Werkstoffprüfung. Bd. 2. Die Prüfung der metallischen Werkstoffe.

S. A. Alfieri & Lacroix: Der Versuchslaboratorium der Cartiere Burgo.

Dreyer: Richlinien für die Aushaltung und Aufarbeitung des Holzes im Walde.

W. Köster: Die Hilfsstoffe in der Zellstoff-und Papiererzeugung.

H. Vogel: Die Sulfitzellstoff-Ablauge und ihre Verwertung.

K. Bergner: Der Holzstoff in der Holzpappenherstellung.

Finanz-Verlag: Kunstseiden- und Zellwolle-Taschenbuch.

H. Klein: Untersuchungen über das Bohren von Kunststoffen mittels verschiedener Spiralbohrerformen.

*: Norddeutsche Holz-Berufsgenossenschaft. Technischen Jahresbericht 1938. Sicherheit und Leistung.

Verlag Julius Springer: Blätter für Technikgeschichte. H. 6.

*N. Ghelmeziu*

JOURNAL FORESTIER SUISSE.

*Nr. 3/1940.*

*J. P. C.:*

*Du martelage* (1 pag.).

Despre marcaje.

Observaţiunea şi deducţia preced orice hotărîre când este vorba să se hotărască să se scoată un arbore dintr'un loc anumit sau situaţia să rămâie aceiaşi. Principiile generale admise pentru pădure vor ghida, în linii mari, orientarea marcării, care va depinde înainte de orice de condiţiile locale ale diviziunii. Şi cum ele sunt adesea extrem de variabile, rezultă de aici că marcarea derutează adesea pe cei ce nu sunt de meserie.

*J. Jungo:*

*Voyage d'études forestières, du 3 au 8 Juillet 1939* (suite et fin) (6 p.).

Călătorie forestieră de studii (3—8 Iulie 1939).

Inceputul articolului în Nr. 2 al aceleiaşi reviste. Relatarea lui în Nr. 3/940 al Rev. Pădurilor.

Valea d'Axers cunoscută în toată Elveţia drept valea cu locuinţe omeneşti permanente la altitudinile cele mai mari (1963 m şi 2133 m.). Regresiunea pădurii. Suprimarea păşunatului şi aplicarea tăierilor culturale sunt indicate pentru îndreptarea situaţiei. Refacerea pădurilor de larice cari manifestau semne de îmbătrânire, pare a se fi găsit soluţia.

Autorul pune apoi concluzii privind întreaga excursie:

1) Refacerea pădurilor de munte este înainte de toate o chestiune forestieră; ea este însă şi una de ordin general. Deaceea rezolvarea ei trebue să fie făcută în colaborare cu cei interesaţi.

2) Problema refacerii cuprinde atât punerea în stare bună a pădurilor existente cât şi creiarea de altele noi.

Pentru cele existente se cere: reglementarea păşunatului şi a strânsului litierei, asanări, introducerea foioaselor, drumuri.

Pentru cele noi, să se observe regulile succesive vegetaţiei: a imita natura şi a o susţine. Imprejmuiri.

Indicaţiuni despre felul cum trebuesc executate aceste lucrări.

*Sam. Aubert:*

*Le Chalet à Roch (Jura vaudois)* (2 pag.).

O păşune de munte unde părţile împădurite au creiat multe necazuri forestierilor din lipsă de regenerare la molid. Descrierea staţiunei. Prezenţa unui covor de muşchi şi de afini împiedică regenerarea.

*

* *

*Pour assurer le ravitaillement du pays en bois de râperie.* (2 pag.).

Pentru asigurarea aprovizionării ţării cu lemn de papetărie.

Ivindu-se dificultăţi la aprovizionarea ţării cu lemn de papetărie, s'au făcut propuneri de mărirea producţiei interne.

Industria elveţiană de papetărie şi de celuloză consumă anual 4—500.000 st. de lemn; din aceştia 300.000 st. sunt acoperiţi de pădurea indigenă.

*

*Nr. 4/1940.*

*H. Badoux:*

*Quelques constatations au sujet des caisses forestières de réserve en Suisse.*

Câteva constatări în legătură cu casele forestiere de rezervă în Elveţia.

Interesante instituţii de credit, a căror alimentare cu fonduri se face în anii când preţul lemnului este ridicat şi de unde se scot bani atunci când preţurile sunt scăzute.

*Ch. Gonet:*

*L'approvisionnement en bois de feu de la population civile.* (3 pag.).

Aprovizionarea populaţiei civile cu lemne de foc.

Până la răsboiul actual lemnul de foc era puţin apreciat şi foarte puţin utilizat. Era înlocuit cu combustibil mineral, gaze, electricitate. Din această cauză economia forestieră a avut mult de suferit. Ea a căutat

să găsească lemnului alte întrebuinţări.

Odată cu războiul care a pus anumite bariere combustibilului mineral din exterior, problema lemnului de foc trece pe primul plan. A trebuit să se importe lemn din Jugoslavia pentru acoperirea nevoilor armatei.

*G.-H. Bornand:*
*Rajeunissement du sapin blanc dans les Carpathes polonaises.* (3 pag.).
Regenerarea bradului în Carpaţii polonezi.

*

Nr. 5/1940.
*Le travail de la Commission suisse pour l'étude de la neige et des avalanches.*
Lucrarea Comisiunii elveţiene pentru studiul zăpezii şi al avalanşelor. (8 pag.).

Inspecţia federală a pădurilor a întreprins de mai mulţi ani observaţiuni în câteva basine unde se formează avalanşe. A stabilit în acest scop şase staţiuni. Ea posedă azi o bogată documentaţie. S'a ajuns aproape la convingerea că nu se pot întreprinde într'un loc lucrări contra avalanşelor de zăpadă înainte de a se întreprinde acolo observaţiuni serioase.

Se arată problemele speciale puse fiecărei staţiuni, alături de cele generale.

*Aug. Barbey:*
*Fortifications de campagne et protection forestière.* (4 pag.).

Pădurea joacă rol mare şi în apărarea naţională. Multe lucrări de fortificaţie se fac în cuprinsul ei. Acestea necesită anumite defrişări, pentru spaţiu şi pentru material. Autorul priveşte latura probabilelor atacuri de insecte, provocate de materialul care rămâne pe loc în totalitatea lui.

*E. A.* (Londra):
*Les forêts de la Yougoslavie* (2 pag.).
Pădurile Jugoslaviei.

Jugoslavia ocupă locul al 7-lea din Europa în ce priveşte întinderea păduroasă (7.780.000 ha). Faţă de suprafaţa ţării, reprezintă 30,6%. Coniferele ocupă 850.000 ha sau 10,9%, stejarul 1.308.000 ha sau 16,8%, fagul 1.844.000 ha sau 23,7%, alte foioase 2.658 ha sau 34,2%, foioase şi conifere amestecate 1.120.000 ha sau 14.4%. Statul dispune de 40% din păduri. Posibilitatea mijlocie este de 15—18 milioane metri cubi pe an, adică 2 $m^3$ pe ha.

*J. Darbellay:*
*Le noyer, arbre de la défense.*
Nucul, arbore de apărare.

Printr'un decret s'a interzis tăierea nucilor fără autorizaţie. Această măsură este asemănătoare cu cele sortite să asigure siguranţa şi menţinerea neutralităţii ţării.

*

Nr. 6/1940.

*E. Hess:*
*Le travail de la Commission suisse pour l'étude de la neige et des avalanches.* (11 pag.).
Lucrarea Comisiei elveţiene pentru studiul zăpezii şi al avalanşelor.

Alte spicuiri din lucrarea amintită.

*Aug. Barbey:*
*De l'utilisation du combustible ligneux.* (4 pag.).
Despre utilizarea combustibilului lemnos.

*Ch. Gonet:*
*Fonds de réserve forestiers.* (3 pag.).
Fonduri de rezervă forestiere.

Consideraţiuni pe marginea articolului publicat de d-l Badoux în Nr. 4 al acestei reviste.

*At. Har.*

JOURNAL OF FORESTRY.

No. 3, March 1939.

*Editorial:*
*Serviciul de ridicări în plan pentru lucrări forestiere pe drumul cel bun.*

Se arată misiunea serviciului de ridicări în plan, modul de organizare a lucrului, sumele de care are nevoe pentru o eficientă activitate, ce cere naţiunea dela acest serviciu; în esenţă, o caldă pledoarie pentru această acţiune de inventariere a bunurilor forestiere, indispensabilă pentru formularea unei politici forestiere naţionale şi raţionale a ţării.

*J. H. Stoeckeler şi C. G. Bates:*
*Perdele de protecţie: avantajele solurilor afânate pentru arbori.*

Articolul tratează despre cantitatea de umiditate necesară pentru arborii plantaţi în regiunea de câmpie, cu specială referenţă asupra efectului exercitat de calitatea şi porozitatea solului asupra înmagazinării şi folosirii precipitaţiilor. Se încearcă să se explice pe baza înregistrărilor de precipitaţii din Oklahoma şi din alte părţi, creşterea arborilor şi arbuştilor instalaţi natural în staţiunile cu soluri nisipoase în opoziţie cu iarba măruntă care se găseşte pe solurile bogate în particule fine, crescând totuşi în aceleaşi condiţiuni climatice, precum şi dificultăţile mult mai mari pe cari le întâmpină în aceste staţiuni lucrările de plantare. Se închee cu o scurtă descriere a umidităţii şi metodelor de conservare a ei — necesare pentru un succes real în acţiunile de plantare pe aceste soluri grele.

*D. M. Matthews, A. Z. Nelson, J. E. Rothery.*
*Comentarii asupra articolului „raportul susţinut şi tăierea rasă, un caz ipotetic".*

Sunt propriu zis trei articole cu acelaşi titlu, provocate de un studiu apărut în Numărul de pe Nov. 1938 al revistei. Pot fi privite deci ca o discuţie în scris a temei prezentată atunci.

*W. C. Sechrist:*
*Exploatarea profitabilă a răriturilor executate la Pinus strobus.*

In pădurile de Stat şi particulare din Pennsylvania sunt întinse suprafeţe cu Pinus strobus în vârstă de 20—30 de ani, care ar necesita curând o răritură. Numeroase studii au arătat foloasele acestor lucrări, cu o posibilă creştere a veniturilor, o mai bună desvoltare a coronamentelor. Astfel de studii sunt necesare pentru a determina cea mai bună metodă pentru a executa o răritură. Obişnuit însă, proprietarul particular doreşte să ştie avantajele finan-

ciare ale unei asemenea lucrări. El nu poate fi satisfăcut numai cu răspunsul că arborii care rămân vor produce probabil mai mult lemn de lucru sau foc. El dorește un venit acum, nu în viitor. Autorul descrie folosul obținut dintr'o lucrare de răritură executate de el într'o pădure a statului din Mont Alto.

*Nelson H. Fritz:*
*Producția de Ilex opaca în Maryland.*

Ilex opaca (în engl. holly) este întrebuințat din timpuri străvechi ca decorativ la Crăciun. Are acest obiceiu o anumită semnificație și nu se vede rațiunea de a lupta în contra lui. Numai că metoda de colectare, de obținere, a condus la distrugerea pe scara mare a acestui Ilex, astfel că în multe părți e aproape exterminat. Autorul descrie progresele făcute în Maryland, unde colectarea de ramuri de Ilex se face în acord cu anumite metode care îi asigură conservarea și perpetuarea.

*E. F. Rapraeger:*
*Desvoltarea crăcilor și nodurilor la Pinus strobus din W.*

Un studiu asupra desvoltării crăcilor pentru a se explica formarea de noduri roșii, negre, și lemnului liber de noduri. Se arată deasemeni posibilitate de a produce lemn de calitate superioară prin lucrări de amenajament și culturale.

*James D. Curtis:*
*O metodă pentru marcatul arborilor.*

In lucrările forestiere e adesea necesar și se marcheze arborii pentru identificări ulterioare. Problema care se pune e de a găsi o metodă care să cauzeze pagube cât mai mici, să coste puțin și să aibă un caracter de permanență. Descrie în acest sens o experiență făcută de el cu cue făcute din bețe de bambus.

*R. R. Reynolds:*
*Câștiguri posibile din plantațiunile de Pinus taeda L.*

In general, silvicultorii se străduesc să arate ceea ce nu poate da pădurea. Autorul prezentului articol arată dimpotrivă ceea ce se poate face cu acest gen de pin în Sud și cât de mult rentează cultura lui.

*L. J. Pessin:*
*Consistența arboretului și caracterul pășunii ierbacee ca factori în regenerarea lui Pinus palustris.*

*Bert R. Lexen:*
*Un experiment în materie de rărituri la Pinus ponderosa, prin utilizarea arsenitului de sodiu.*

*

Nr. 4, April 1939.

*Editorial:*
*Ce așteaptă pe silvicultorii diplomați din* **1939.**

Posibilitățile de plasare a nouilor silvicultori, sunt foarte restrânse cu toate că domeniile de acțiune sunt diverse și multe. Rândurile din acest editorial dovedesc o camaradereasca înțelegere a situației dar se termină numai cu o urare ca fiecare să-și găsească o intrebuințare cât mai bună și corespunzătoare calităților lui.

*H. S. Graves:*
*Ralph Clement Bryant.*
Necrologul profesorului de exploatări forestiere dela Scoala Sil-

vică din Yale şi a fostului preşedinte din 1920 şi 1931 a Soc. Silvicultorilor americani.

* * *

*Comemorarea lui Austin Cary.*

Dr. Austin Cary (1865—1936) a fost unul din glorioşii pioneri ai silviculturii de peste ocean. Activitatea lui pe teren, în şcoală şi în sânul societăţii silvicultorilor a îndemnat pe preţuitorii lui să-i ridice un monument la intrarea in pădurea Universităţii din Florida. Cu acest prilej s'a săvârşit un serviciu religios (baptist) şi cu tot ceremonialul de rigoare s'a inaugurat monumentul şi s'a predat custodelui.

Relevăm faptul pentru a se reţine această nobilă caracteristică a sufletului american (cultul oamenilor de bine), cunoscut la noi mai mult din procese cu gangsteri şi scaun electric.

*H. T. Gisborne:*

*Principiile lui Hornby în materie de combaterea incendiilor în păduri.*

L. G. Hornby a lucrat mult la organizarea serviciilor de protecţie în contra incendiilor din păduri. A murit chiar cu prilejul combaterii unui foc. H. T. Gisborne dă în articolul de faţă principiile directoare ale activităţii lui Hornby.

*J. G. Osborne:*

*O indicaţie pentru răriturile experimentale.*

Programele de lucru ale institutelor de cercetări forestiere au iniţiat pe scară mare lucrări de răriturí. Articolul de faţă vrea să ajute la întărirea acestei idei furnizând date interesante din câteva experimentări.

*R. K. LeBarron şi F. H. Eyre:*

*Obţinerea seminţelor din conurile de Pinus banksiana.*

Problema regenerării pădurilor de Pinus banksiana diferă de aceea a celor mai multe răşinoase din nord din cauza conurilor care nu liberează seminţele atunci când ajung la maturitate. Majoritatea seminţelor sunt reţinute mulţi ani în conuri, afară numai dacă un foc nu trece prin pădure, în care caz conurile se desfac şi sămânţa scapă.

Multă sămânţă se găseşte însă în conurile de pe crăcile şi părţile din coronament abandonate în pădure cu ocazia exploatărilor. Expunând aceste conuri căldurii solare, se desfac şi se poate recolta cantităţi importante de sămânţă.

Pornind dela aceste constatări, autorul arată rezultatele obţinute cu o metodă întrebuinţată de el pentru recoltarea seminţelor, fără a mări pericolul incendiilor în pădure.

*O. M. Wood:*

*Paralelă între sistemul rădăcinilor la un Quercus montana Wild. din sămânţă şi altul din lăstari.*

*Donald D. Stevenson şi R. A. Bartoo:*

*Influenţa distanţelor pe rânduri şi între rânduri asupra creşterii în plantaţiunile de pin norvegian.*

Se face un raport asupra rezultatelor obţinute până acum. Opinia asupra celor mai indicate distanţe a variat şi se observă acum o tendinţă de a le mări. In Pennsylvania se pare că s'a ajuns la concluzia (plantaţia în care s'a experimentat nu are decât 16 ani) că se obţin rezultate frumoase — creşteri rapide în diam. şi înălţime — când se lucrează la 10'/10' (adică circa 3 m/3 m)

*Henneth H. Garden:*
*Studii asupra lui Polyporus abietinus.*

*Wendell E. Davis:*
*Măsurarea precipitaţiunilor deasupra coronamentului arborilor.*

Determinarea raportului dintre cantitatea precipitaţiilor şi aceea a apei care se scurge şi influenţelor pe care le-ar avea diferite tipuri de pădure, a fost obiectul cercetătorilor pentru a putea coordona pe bază de date precise lucrările de amenajarea pădurilor, conservarea solului şi combaterea inundaţiilor.

In acest articol se discută gradul în care pădurea poate să modifice scurgerea apelor, prezentând deasemeni o metodă de măsurarea precipitaţiilor la nivelul coronamentului. La finele articolului, o bogată bibliografie în materie.

*A. A. Dunlap şi A. D. McDonnell:*
*Incercarea germinaţiei în nisip.*

Se descrie o metodă simplă pentru a determina procentul de germinaţie a seminţelor arborilor.

*S. A. Wilde şi R. Wittenkamp:*
*Lipsa de fosfaţi şi potasiu la puieţi ca un rezultat al unei insuficiente întrebuinţări de substanţe organice.*

*Leon S. Minckler:*
*Transpiraţia arborilor şi a pădurilor.*

Se dă rezultatul unor experimentări executate, în apropiere de Syracuse şi Warensburg N. Y, asupra a 12 arbori din 5 specii. Concluzia studiului e că: intensitatea luminii, umiditatea relativă, timpul zilei şi anotimpul sunt factorii care influenţează transpiraţia.

*T. Bălănică*

REVUE DE EAUX ET FORÊTS.

Nr. 11/1939.

*G. Rabouille:*
*La lutte contre les incendies de forêts au Canada.* (16 pag.).

Lupta contra incendiilor în pădurile Canadei.

In Canada incendiile în păduri sunt foarte grave, atât în ce priveşte numărul lor, cât şi suprafaţa parcursă de foc. In 1923, de pildă, s'a incendiat o suprafaţă de 1.980.000 ha, pierderea fiind estimată la 46.700.000 dolari.

Autorul, care a putut să se documenteze la faţa locului, arată metodele folosite contra incendiilor, metode care sunt fructul unei experienţe de 20 ani.

Inainte de aceasta însă, autorul arată cauzele incendiilor; 47% din numărul lor sunt provocate de fumători şi de cei cari campează; 90% din ele sunt provocate în cursul lunilor Mai—August.

Caracteristica pădurii canadiene de nord este: mare întindere, populaţie de densitate mică, dificultăţi de comunicaţie. Sunt factori cari agravează la exces dificultăţile luptei contra incendiilor. Acestea au obligat pe canadieni să aleagă procedeele cele mai rapide, mai simple şi mai eficace pentru combaterea focului.

*M. Nègre:*
*Les forêts de chêne vert.* (6 pag.).

Pădurile de stejar verde (Quercus ilex L.).

In regiunea mediteraneană a Franţei această specie începe dela nivelul mării, urcând până la 1400 m în masivul muntos Aigoual. In două departamente (Gard şi Hérault) sunt

54.000 ha asemenea păduri supuse regimului silvic. Toate sunt tratate în crâng simplu, cu revoluţie de 20-30 ani, la cele particulare coborînd la 18 ani. Toate păşunate de vite mici (capre, oi), începând dela 10 ani. La pădurile particulare păşunatul începe la 2 ani dela exploatare.

Aceste păduri produc: scoarţă pentru tanin, lemn de foc, lemn de industrie (cozi pentru instrumente) şi lemn de crăci pentru brutării. Producţia la ha nu depăşeşte 100—150 steri, aceştia fiind constituiţi din: 30 st lemn de foc, 20 maldăre de scoarţă, 200 legături de crăci a 10 kg. Lemnul acestui stejar fiind greu şi dur, nu se foloseşte ca lemn de lucru.

Preţurile sunt relativ mici, mai ales de când s'a scumpit mâna de lucru.

Autorul arată căile de urmat pentru ameliorarea acestor păduri, cari ar fi: mărirea revoluţiei, rezerve, stabilire de parcelare raţionale, introducerea răşinoaselor.

*G. Géneau:*

*La législation forestière sous l'ancien régime.* (17 pag.).

Legislaţia silvică în vechiul regim.

*

Nr. 12/1939.

*A. Joubert:*

*Organisation de la forêt française et production des bois papetiers.* (18 pag.).

Organizarea pădurii franceze şi producţia de lemn pentru papetărie.

Azi industria de papetărie franceză lucrează cu materii importate. Trebue să devie de sine stătătoare. In acest caz această industrie trebue să se adapteze materialului francez. Şi pădurea însă trebue să se organizeze de aşa fel ca să procure industriei materiile prime necesare.

Franţa dispune de materii prime în cantitate mare, altele decât cele folosite până acum (brad şi molid) de industria respectivă franceză.

Autorul se întreabă şi răspunde:

a) Cum se poate organiza pădurea franceză în vederea acestei adaptări;

b) Cum trebue privit tratamentul masivelor productive;

c) Cum se pot mări suprafeţele productive.

*L. de Lapasse:*

*Le traitement des forêts des dunes de Gascongne.* (6 pag.).

Tratamentul pădurilor din dunele Gasconiei.

*A. Barbey:*

*Chronique suisse — Henri Biolley.*

Rânduri pentru cel ce a fost marele forestier elveţian Henri Biolley.

*G. Géneau:*

*La législation forestière sous l'ancien régime.* (16 pag.).

Legislaţia forestieră sub vechiul regim. (Urmare).

*At. Har.*

ZEITSCHRIFT FÜR FORST- UND JAGDWESEN.

Caietul 5—6, Mai—Iunie 1940.

I. *Studii.*

*Dr. A. Olberg:*

*Waldbauliche Erfahrungen in Chorin.*

Experienţe silvice în Chorin.

Autorul expune observaţiile sale din timpul celor 16 ani cât a condus ocolul silvic Chorin (lângă Eberswalde). Articolul continuă.

*Mitscherlich:*
*Das Forstamt Dietzhausen.*
Ocolul silvic Dietzhausen.

Este o monografie ştiinţifică a ocolului silvic Dietzhausen făcută de Institutul de Cercetări Forestiere Prusian prin asistentul Mitscherlich. Din ea aflăm, între altele, că cele mai vechi descrieri ale arboretelor datează din anul 1587, adică de acum 353 de ani!

Remarcabilă este experimentaţia făcută în acest ocol asupra distanţei la care trebuiesc plantaţi puieţii de molid. Arboretul în care puieţii fuseseră plantaţi la 1,25×1,25 m a avut la vârsta de 54 ani un volum cu 14% mai mare decât plantaţia de 1 m×1 m, iar cel cu arborii la 1,5 m×1,5 m a avut un volum cu 57% mai mare, de unde rezultă că distanţa optimă este aceasta din urmă.

III. *Recenzii.*

*Blanck E.:* Handbuch der Bodenlehre. I. Ergänzungsband. 1939. [Manual de Soluri. I. Volum de completare]. Cu 84 fig.; VIII+621 pag. Preţul broş. 84 RM

Recenzent *Albert.*

*Hesmer H.* und *J. Meyer:* Waldkarten als Unterlagen waldbaulicher Planung. [Hărţile forestiere ca bază a planurilor silvice]. Hannover: M. u. H. Schaper. 1939. Preţul broş. 2,80 RM.

Recenzent *Dengler.*

*Baasen Carl:* Wald und Bauerntum. [Pădurea şi ţărănimea]. Leipzig: S. Hirzel. Preţul 6 RM.

Recenzent *Dengler.*

*G. T. T.*

ZEITSCHRIFT FÜR WELTFORSTVIRTSCHAFT.

*Bd. VII, Heft 4 (Januar 1940).*

*Goswin Nutt:*
*Ausschnitte aus der Entwicklung der französischen Forstwirtschaft.*
Aspecte din evoluţia economiei forestiere franceze.

„Că economia forestieră a unei ţări stă în strânsă legătură cu creşterile şi descreşterile populaţiunii, o dovedeşte în chipul cel mai deplin Franţa". Cu acest gând fundamental sunt schiţate momente principale din evoluţia economiei forestiere franceze. Astfel: I. Generalităţi asupra desimii şi mişcării populaţiunii; II. Suprafaţa păduroasă (în decursul timpului); III. Condiţiunile staţionale şi de împăduriri; IV. Proprietatea forestieră; V. Regime şi tratamente; VI. Producţiunea pădurii cultivate; VII. Măsuri de politică forestieră; împăduriri, defrişări, desfacerea de păduri de stat. Din citirea acestui studiu rămâi cu simţimântul unei slăbiri a interesului pentru pădure din partea francezului.

*Internationaler Forst-und Holzwirtschaftsbericht.*

Cronica forestieră internaţională.

Foarte interesant material asupra faptelor şi stărilor forestiere din lume.

*Ilie C. Dem.*

# Societatea «Progresul Silvic»

## A P E L

### CĂTRE MEMBRII CORPULUI SILVIC ROMÂN DE TOATE GRADELE

Durerea zdrobitoare a deslipirii Basarabiei şi părţii de Nord a Bucovinei, dela Patria Mamă, a fost şi mai mult mărită de bejenia aruncată în rândul populaţiei româneşti din aceste ţinuturi.

Toţi Românii au căutut şi caută din toate puterile să micşoreze durerea fraţilor noştri refugiaţi.

Fără îndoială că fiecare din noi am dat sau vom da dovada înţelegerii, ca Români, acestei triste situaţii şi pe măsura puterilor noastre vom contribui la alinarea durerii fraţilor noştri.

Ca membrii ai aceluiaş Corp, Corpul Silvic, care, având în vedere că el avea de apărat bogăţii publice, nu a fost dintre cel mai iubit, avem datoria nobilă de a veni în ajutorul fraţilor noştri cât mai mult şi cât mai repede.

Facem un apel la toţi membrii Corpului Silvic de toate gradele: ingineri, conductori, brigadieri şi pădurari:

a) Să dea adăpost şi bună primire oricărui frate Român basarabean sau bucovinean membru al Corpului silvic sau familiei lui;

b) să comunice prin şeful erarhic pe cine anume adăposteşte şi ce situaţie are (numele şi pronumele, de unde vine, adresa unde se află în prezent, vârsta, starea materială cu care s'a refugiat şi dacă mai câştigă ceva prin muncă proprie);

c) să dăruiască din propria sa avere o sumă de bani din care să se poată strânge un fond special pentru ajutorarea camarazilor noştri de breaslă şi familiile lor;

d) apelul nostru se îndreaptă în deosebi către camarazii mai mari în grad, Directori Regionali şi Şefi de Inspectorate, să angajeze în această manifestare de Corp întreaga obşte silvică şi să colecteze o sumă cât mai importantă.

Societatea „Progresul Silvic" independent de acţiunea administrativă, a instituit un comitet care să organizeze întreaga operă de ajutorare a refugiaţilor, membri ai Corpului silvic de orice grad şi familiilor acestora.

Strângerea unei sume de bani ni se pare a fi cea mai bună cale, şi cea mai practică, deoarece este greu de stabilit nevoia fiecăruia şi

greu de distribuit efecte. Cu o sumă de bani, orice refugiat, ori unde ar fi el, îşi poate procura hrană, îmbrăcăminte şi încălţăminte.

Colegii noştri, Directori Regionali şi Şefi de Inspectorate, sunt rugaţi să strângă sumele în sensul apelului de mai sus, dând dovezile respective de primire, donatorilor, şi să centralizeze — prin organele exterioare — datele referitoare la refugiaţii silvici cari se găsesc pe teritoriul lor, trimiţând Societăţii atât tabloul sumelor, cât şi al refugiaţilor.

Sumele vor sta deocamdată în depozit la Directorii regionali şi Şefii de Inspectorate, urmând să se facă o justă distribuţie de către Comitet şi să se dea apoi dispoziţiuni de expediţie.

Având în vedere urgenta nevoie, socotim că până la 1 August ar fi cel mai îndepărtat termen la care am dori să primim răspunsul apelului nostru.

Preşedintele Soc. „Progresul Silvic" şi Director I.C.E.F.,
M. DRĂCEA

Preşedintele Consiliului Technic şi Membru în Consiliul de Administraţie S.P.S.,
HORIA LAZĂR

Secretar General al Soc. „Progresul Silvic" şi Director al Direcţiei Pădurilor. Persoanelor Juridice,
I. ZEICU

Preşedintele Secţeii Silvice a Cons. Technic şi Membru în Cons. de Administraţie S.P.S.,
G. NĂSTĂSESCU

Director al Direcţiei Silvice şi ameliorărilor şi membru în Consiliu de Administraţie S. P. S.,
D. GROZESCU

Director C. A. P. S. şi membru în Consiliu de Administraţie S. P. S.,
A. G. NEDELCOVICI

## ŞEDINŢELE CONSILIULUI DE ADMINISTRAŢIE

### PROCES VERBAL No. 8.

*Şedinţa Consiliului de Administraţie din 4 Iunie 1940.*

Prezenţi D-nii: Al. Butoi, C. Bunescu, M. Drăcea, I. C. Demetrescu, M. P. Florescu, C. P. Georgescu, D. Grozescu, At. Haralamb, Gh. Năstăsescu, At. Nedelcovici, V. Priboianu, St. Rcdoteatu, V. Sabău, V. N. Stinghe, Eug. Vălceanu, I. Zeicu.

*Ordinea de zi:*

1. — Darea de Seamă a Consiliului de Administraţie pe anul 1939.
2. — Legea armonizării salariilor.
3. — Diverse — Administrative.

D-l I. Zeicu Secretarul General al Societăţii citeşte textul Dării de Seamă asupra activităţii Consiliului pe anul 1939. Consiliul aprobă şi hotărăşte ca D-l Vice-preşedinte V. N. Stinghe şi D-l Secretar General I. Zeicu să aducă anumite modificări de detaliu textului citit.

2. — D-l Preşedinte M. Drăcea referă asupra demersurilor făcute de Domnia-Sa atât în calitate de Preşedinte al Societăţii, cât şi ca Senator al Colegiului Inginerilor, în privinţa unei cât mai bune încadrări în tabelele de salarizare întocmite de comisiunea de armonizarea salariilor însărcinată de Guvern. După informaţiuni şi discuţiuni, la care iau parte d-nii: V. N. Stinghe, D. Grozescu, Gh. Năstăsescu şi D-l T. Păiş şeful personalului C. A. P. S. invitat în Consiliu în acest scop, Consiliul hotărăşte să se continue a se stărui în vederea unei cât mai bune salarizări. D-l Preşedinte M. Drăcea arată că reprezentanţii din Parlament ai Colegiului Inginerilor vor solicita Comisiilor Parlamentare care se ocupă de salarizare, să se acorde inginerilor cel puţin salariile stabilite pentru Corpul Ofiţeresc.

3. — Consiliul aprobă Societăţii A. V. I. S. Cernăuţi un ajutor de 5.000 (cinci mii) lei.

De asemenea se aprobă Societăţii A. V .I. S. Cluj suma de 6.000 (şase mii) lei.

4. — D-l Preşedinte anunţă Consiliului încetarea din viaţă a trei camarazi: Iancu Marinescu, Petru Fotoc şi Victor Pop Hârşianu. După

ce se evocă personalitatea celor dispăruţi, in amintirea lor, Consiliul păstrează un moment de reculegere.

Ne mai fiind nimic la ordinea de zi, şedinţa se ridică.

PREŞEDINTE,
*M. Drăcea*

SECRETAR GENERAL,
*I. Zeicu*

PROCES VERBAL No. 9.

*Şedinţa Consiliului de Administraţie din 11 Iunie 1940.*

Prezenţi D-nii: Al. Butoi, C. Chiriţă, M. Drăcea, I. C. Demetrescu, D. Grozescu, At. Haralamb, Horia Lazăr, Gh. Năstăsescu, At. Nedelcovici, M. Rădulescu, V. Sabău, V. N. Stinghe, I. Zeicu.

*Ordinea de zi:*

1. — Stabilirea detaliilor de organizare privind Adunarea Generală dela 16 şi 17 Iunie.
2. — Comunicări.

1. — Consiliul ia act că a apărut în Monitorul Oficial convocarea Adunării, că s'a aprobat membrilor Societăţii un concediu de 4 zile pentru a participa la această Adunare. Se va face de urgenţă intervenţie la Autorităţile indicate pentru a se obţine autorizaţia de ţinerea Adunării. Consiliul hotăreşte, dată fiind situaţia actuală, să se invite la Adunare D-nii: Gh. Ionescu-Şişeşti Ministru al Agriculturii şi Domeniilor, Mihail Şerban Subsecretar de Stat la acelaşi Departament, A. Munteanu şi I. Radulovici Secretari Generali ai Ministerului. Având în vedere vremurile turburi şi îngrijorătoare prin care trecem, Consiliul hotărăşte ca această Adunare să se ţină într'un cadru cât mai sobru. De aceia alte invitaţii nu se vor mai face.

Consiliul hotărăşte în unanimitate să propună Adunării Generale alegerea D-lui Prof. Gh. Ionescu-Şişeşti ca membru de Onoare al Societăţii Progresul-Silvic.

2. — Consiliul ia act de adresa C. E .A. C. S.-ului No. 2270 din 30 Mai 1940 privind participarea Preşedintelui Societăţii, ca membru de drept în Consiliul C. E. A. C. S.-ului, potrivit Statutelor modificate.

Cererea D-lui V. Sabău privind tipărirea, în Editura Societăţii, a bibliografiei pe 50 de ani a Revistei Pădurilor se trimete la Comisia de editură.

D-l Cassier M. Rădulescu arată că potrivit contractului cu Casa Pădurilor, Societatea este obligată la cota parte din cheltuielile de încălzit;

Se aprobă a se face un abonament de 2.000 lei la revista Aero-Sport.

De asemenea, se hotărește să se angajeze un funcționar nou în locul rămas vacant prin demisia D-lui Adjudeanu.

D-l Preşedinte M. Drăcea informează Consiliul că în privinţa salarizării s'a obţinut o încadrare superioară celei actuale pentru gradele cele mai mici din Corp şi anume egală cu cele acordate pentru treptele din erarhia militară.

Ne mai fiind nimic la ordinea de zi, şedinţa se ridică.

PREŞEDINTE,
*M. Drăcea*

SECRETAR GENERAL,
*I. Zeicu*

## PROCES VERBAL No. 10

*Şedinţa Consiliului din 25 Iunie 1940.*

Prezenţi Domnii: Al. Butoi. C. Chiriţă, M. Drăcea, I. C. Demetrescu, M. P. Florescu, Dem. Grozescu, At. Haralamb, At. Nedelcovici, G. Năstăsescu, V. Priboianu, S. Rodoteatu, V. N. Stinghe, M. Rădulescu, H. Lazăr.

*Ordinea de zi:*

1. Inscrierea Membrilor Societăţii în Partidul Naţiunii.
2. Incheierea lucrărilor Adunării Generale şi prezentarea moţiunilor.
3. Activitatea diferitelor Comisuni.
4. Comunicări.

Prezidează D-l Prof. Marin Drăcea.

1. *Inscrierea membrilor societăţii în Partidul Naţiunii.*

Deschizând şedinţa D-l Preşedinte face un scurt istoric al evenimentelor cari au dus la înfiinţarea Partidului Naţiunii.

Inscrierile urmează a se face individual şi personal.

Chestiunea se pune totuşi la ordinea de zi a şedinţei pentru ca Consiliul şi prin aceasta Societatea să ia act de această mare reformă politică şi să exprime, cu această ocaziune sentimentele sale de devotament faţă de Marele Reformator, M. S. Regele Carol II, care este şi şeful suprem al acestui nou partid al întregei naţiuni.

Consiliul autoriză pe D-l Preşedinte a reînoi şi cu acest prilej, M. S. Regelui Carol II, sentimentele de statornic devotament ale membrilor Societăţii Progresul Silvic, şi a se înscrie în registrul dela Palat, în numele consiliului de administraţie.

2. *Lucrările Adunării Generale.* Asupra acestei chestiuni, D-l Preşedinte remarcă următoarele, pentru ştiinţa D-lor membrii din Consiliu de administraţie cari au lipsit de la lucrările Adunării generale.

a) Participarea a fost mai numeroasă de cât ne-am fi putut aştepta în acest an excepţional de greu. Aceasta dovedeşte interesul pe care membrii îl poartă lucrărilor Societăţii.

b) In deosebi este de reţinut profesiunea de credinţă pe care un Ministru al Agriculturii şi Domeniilor, D-l Gheorghe Ionescu-Sişeşti, a făcut-o în faţa Adunării generale. Perfecta unitate de vederi în această privinţă justifică un vechiu punct de vedere al Societăţii, că anume D-nii Miniştrii ai Agriculturii şi Domeniilor, cari trăind aproape de noi ajung de ne cunosc, se identifică până la urmă cu aspiraţiunile noastre şi impart cu noi riscurile profesiunii; ceea ce sporeşte eficienţa activităţii desfăşurată de Societate.

c) D-l Preşedinte dă apoi citire unei scrisori a D-lui Ing. Insp. general silvic Avram, care arată că D-sa nu este mulţumit de felul cum au fost primite observaţiunile D-sale bine intenţionate asupra conţinutului dării de seamă a Consiliului de administraţie pe anul societar 1939 şi în general asupra mersului lucrărilor Societăţii, cerând ca scrisoarea D-sale să fie publicată în Revista Pădurilor.

Consiliul luând în discuţiune chestiunea, ia act şi găseşte că răspunsul la această scrisoare, care de altfel conţine aceleaş elemente ca şi cuvântarea rostită de d-l Avram în faţa Adunării generale — cuvântarea ce se va publica în întregime, cum se obişnueşte — în darea de seamă asupra desbaterilor — a fost dat de D-l Preşedinte al Societăţii şi de votul unanim al Adunării generale.

d) Moţiunile votate de Adunarea generală se vor prezenta d-lui Ministru al Agriculturii şi Domeniilor de către o comisiune a cărei compunere va fi hotărîtă de d-l Preşedinte.

3. Consiliul ia act de activitatea desfăşurată, în condiţiuni foarte grele, de Comisiunile instituite pentru: pavilionul dela Amara, Vila Carmen Sylva, Vila Govora şi administrarea Căminului. Urmează că aceste comisiuni să facă într'o şedinţă viitoare propuneri concrete pentru administrarea obiectivului respectiv.

Deocamdată Consiliul dă delegaţie D-lui Ing. Insp. silvic Traian Ionescu Heroiu, membru al Societăţii, a se ocupa de întreaga administrare a Casei din Bucureşti a Societăţii.

Se deleagă d-l Ing. Insp. silvic Al. Butoi, secretar, a înlocui pe d-l casier al societăţii M. Rădulescu, cât timp acesta este concentrat.

Cererea d-lui Ing. Bivol (J-l No. 435/940) nu se aprobă din lipsă de fonduri.

Se primesc ca membrii în societate d-nii Ingineri silvici Al. Trifănescu şi C. Ştefănescu.

Se ratifică Procesul Verbal din 2 Mai 1940 al Comitetului de Direcţie.

Se citeşte răspunsul primit de la Majestatea Sa Regele la telegrama adresată de către Adunarea Generală.

De asemeni răspunsurile primite de la D-nii Mircea Cancicov, Ministrul Economiei Naţionale şi de la D-l C. Giurescu, Ministrul Propagandei, la telegramele adresate de către Adunarea Generală.

Ne mai fiind nimic la ordinea zilei, şedinţa se ridică.

Preşedinte, (ss) M. DRĂCEA.

Secretar General, (ss) *Al. Butoi*.

## PROCES VERBAL No. 11

*Şedinţa Consiliului de administraţie din 4 Iulie 1940*

Prezenţi Domnii: Al. Butoi, C. Chiriţă, M. Drăcea ,I. C. Demetrescu, M. P. Florescu, C. P. Georgescu, At. Haralamb, Horia Lazăr, Andrei Ionescu, Gh. Năstăsescu, V. Priboianu, M. Rădulescu, St. Rodoteatu, D. A. Sburlan, I. Zeicu.

Şedinţa se deschide la ora 19.

D-l Preşedinte, Profesor M. Drăcea:

De ieri Basarabia şi o parte din Bucovina trec iarăşi, în stăpânire străină.

Această încercare a lui Dumnezeu cade în ziua, în care se împlinesc 436 de ani dela săvârşirea din viaţă a viteazului în lumea întreagă, cunoscutului Domn Ştefan cel Mare şi Sfânt, al cărui mormânt rămâne acum de strajă.

Ca oameni ai pădurii noi nu am săvârşit nici un păcat faţă de pădurile acelui frumos colţ de ţară; le-am păstrat cu sfinţenie, le-am sporit mult, acolo unde lipseau pentru ca ele să slujească întotdeauna la propăşirea acelui bun şi de baştină popor românesc.

Biciuiţi de destin, să stăm drepţi, scrâşnind din dinţi; dar nu cu mâinile la piept. Şi fără a mai crede „în stele". Să ne încordăm — acum abia — toate puterile, spre a face să vină dreptatea, în care credem ca în lumina soarelui şi care nu poate întârzia. Dar, să luăm aminte că dreptatea nu vine singură la cel ce o are şi nici nu rămâne singură lângă cel ce şi-a dobândit-o o clipă, pe care n'a înţeles-o. Ca un memento pentru viitor să păstrăm vie amintirea greşelilor. Să înţelegem că numai desăvârşita unire sufletească şi prestigiul neamului pot trage hotare în veci neschimbătoare.

O parte din trupul şi sufletul neamului nostru rămân „dincolo", lângă cei pe cari i-am iubit şi cu cari am împărţit iarăşi bucuriile şi durerile a două decenii din istoria neamului.

Iar acum, să ne reculegem câte-va minute, grele, pline de răspundere, de speranţe şi de legăminte faţă de viitor.

In semn de doliu, ridic şedinţa.

Preşedinte, (ss) M. DRĂCEA.

Secretar General, (ss) *Al. Butoi*

## PUBLICAŢIILE INSTITUTULUI DE CERCETĂRI ŞI EXPERIMENTAŢIE FORESTIERĂ DIN ROMÂNIA

### SERIA I.

### Analele Institutului de Cercetări şi Experimentaţie Forestieră.

#### Vol. I. Anul 1934

M. DRĂCEA Prof.: Cuvânt înainte.
C. CHIRIŢĂ Dr., T. BĂLĂNICĂ şi R. MUNTEANU: Contribuţiuni la cunoaşterea staţiunilor şi exigenţelor staţionale ale castanului bun în România. Cercetări în Oltenia, la Tismana şi Polovraci. (Extras) . . . . . Lei 100
C. C. GEORGESCU Dr.: Studii phyto-geografice în bazinul inferior al Văii Cernii (Băile Herculane). (Extras) . . . . . Lei 100
M. PETCUŢ: Cercetări în legătură cu germinaţia seminţelor, care în mod obişnuit răsar în anul al II-lea. (Extras) . . . Lei 100

#### Vol. II. Anul 1935—1936

GR. ELIESCU Dr.: Contribuţiuni la cunoaşterea morfologică şi botanică a lăcustei Isophya specioasa Friv. (Extras) . . . . Lei 100
C. C. GEORGESCU şi M. BADEA: O nouă specie de Cercospora parazită pe ace de Juniperus. (Extras) . . . . . Lei 20
C. C. GEORGESCU şi M. BADEA: Maladia răsfrângerii conurilor de molid. Rhynchophora retroflexa. Nov. Sp. (Extras) . . Lei 40
C. C. GEORGESCU şi V. MELANIDE: Formaţiuni de lemn în scoarţă la Acer tataricum. (Extras) . . . . . Lei 40
C. C. GEORGESCU şi I. MOLDOVANU: Consideraţiuni asupra culturii răşinoaselor în parcul dendrologic dela Dofteana-Bacău. (Extras) . . . . . Lei 60
M. PETCUŢ şi A RĂDULESCU: Cercetări în legătură cu greutatea la litru şi numărul de seminţe la kg, pentru câteva specii lemnoase . . . . . , Lei 40
S PAŞCOVSKI: Tisă şi ienuper la Cislău (Buzău) . . . . Lei 20
S. PAŞCOVSKI: Câteva staţiuni de plante lemnoase din Ardeal Lei 20

#### Vol. III Anul 1937

C. D. CHIRIŢĂ Ing. Dr.: Nisipurile dela Hanul-Conachi, din punct de vedere naturalist şi forestier . . . . . Lei 80
V. N. STINGHE Prof. şi G. T. TOMA Ing.: Tarife de cubaj şi tabele de coeficienţi de formă şi de înălţimi reduse, pentru salcâm (în special pentru cel de pe nisipurile din Oltenia) . . . . Lei 50
C. C. GEORGESCU Ing. Dr. şi M. BADEA: Mătura vrăjitoarei la cais (Taphrina armeniacae. Georg. et Bad). . . . . Lei 20
AT. HARALAMB Ing. Dr.: Trei staţiuni de Taxus baccata L. în Munţii Buzăului . . . . . Lei 20

#### Vol. IV. Anul 1938

C. D. CHIRIŢĂ: Studiul solurilor forestiere după tipurile naturale de arborete . . . . . , Lei

C. D. CHIRIŢĂ: Contribuţiuni la cunoaşterea exigenţelor nucului american (Juglans nigra) faţă de sol . . . . . Lei
C. D. CHIRIŢĂ: Cercetări asupra umidităţii solurilor forestiere, în regiunea de câmpie . . . . . Lei
C. D. CHIRIŢĂ şi T. P. BĂLĂNICĂ: Cercetări asupra nisipurilor din Sudul Olteniei. . . . . Lei
G. T. TOMA şi A. CONSTANTINESCU Variaţia greutăţii lemnului de foc. Lei
AT. HARALAMB şiM. ENE: Monografia piscicolă a pârâului Caşoca afluent al Buzăului . . . . . Lei
S. PAŞCOVSKI: Observaţiuni asupra unor esenţe exotice . . Lei
AN. V. RĂDULESCU: Observaiţuni fenologice la speciile lemnoase din Bucureşti făcute în sezonul de vegetaţie 1937 . . . . Lei
AT. HARALAMB: Câteva staţiuni noui de mojdrean . . . Lei
AT. HARALAMB: Alte două staţiuni de tisă în jud. Buzău . . Lei

## Vol. V. 1939.

C. C. GEORGESCU: Răspândirea orizontală a pinului silvestru în Carpaţii României. pp. 78+1 h. . . . . Lei
AT. HARALAMB: Răsp. naturală a pinului silvestru în jud. Buzău. pp. 38+1 h. . . . . Lei
C. C. GEORGESCU: Contribuţiuni la cunoaşterea făinărei stejarului. pp. 19.
GR. ELIESCU: Observaţiuni privitoare la studiul metodei în protecţia pădurilor. pp. 15. . . . . Lei

## SERIA II.

## Referate, comunicări.

C. C. GEORGESCU Dr. şi M. BADEA: Dare de seamă asupra maladiilor criptogamice, de importanţă economică, apărute în pădurile ţării în anul 1933, 1935, 8°, pp. 43 . . . . . Lei 40
D. A. SBURLAN Dr.: Intrebuinţarea lemnului în construcţia străzilor şi a şoselelor. Realizări şi curente noui. (Extras din „Revista Pădurilor"), 1935, 8°, pp. 23. . . . . Lei 20
TR. HEROIU Dr.: Utilajul unui birou modern. (Extras din „Bulet. IROM"), 1935, 30/21, pp. 33 . . . . . Lei 40
M. PETCUŢ şi P. CRETZOIU: Contribuţiuni la cunoaşterea florei dintre Dunăre şi Carpaţii Sudici. (Extras din „Revista Pădurilor"), 1936, 8°, pp. 10 . . . . . Lei 20
D. A. SBURLAN Dr.: Trasarea jilipurilor şi uluţelor. (Extras din „Revista Pădurilor"), 1936, 8°, pp. 15 . . . . . Lei 20
AT. HARALAMB Dr. şi A. RĂDULESCU Dr.: O plantaţie de pin silvestru la poalele podgoriei muntene. (Extras din „Revista Pădurilor"), 1936, 8°, pp. 15 . . . . . Lei 20
I. C. DEMETRESCU Dr.: Legea din 20 Aprilie 1935, pentru pădurile de protecţie. (Extras din „Revista Pădurilor"), 1936, 8°, pp. 41. Lei 20
I. C. DEMETRESCU Dr.: Nouile păduri şi legile noastre silvice. (Extras din „Revista Pădurilor"), 1936, 8°, pp. 9 . . . . . Lei 20
M. PETCUŢ şi C. CHIRIŢĂ: Lupta împotriva secetei, privită din punct de vedere silvic, 1937, 8°, pp. 15. . . . . Lei 20
AT. HARALAMB Dr.: Noui contribuţiuni la cunoaşterea staţiunilor naturale de pin silvestru în Vrancea. (Extras din „Revista Pădurilor"), 1936, 8°, pp. 15 . . . . . Lei 20
D. DRĂMBĂ Dr.: Studiul torentului Valea lui Bogdan. 1937, 8°, pp. 79 . . . . . Lei 20
M. PETCUŢ: Semănături sau plantaţiuni de stejar? (Extras din „Revista Pădurilor", 1937, 8°, pp. 29 . . . . . Lei 20

TR. HEROIU Dr.: Cunoştinţe de economie forestieră în şcoala românească. (Extras din „Revista G-lă a Invăţământului"), 1937, 8°, pp. 15 . . . . . Lei 20

M PETCUŢ: Pădurile dela limita dintre Vlăsia, Mostiştea şi Bărăgan. (Extras din „Revista Pădurilor"), 1937, 8°, pp. 14 . . Lei 20

AT. HARALAMB Dr. şi P. CRETZOIU: Hippophae rhamnoides L. pe litoralul românesc al Mării Negre. (Extras din „Revista Pădurilor"), 1937, 8°, pp. 10 . . . . . Lei 20

GR. ELIESCU Dr.: Lithocolletis populifoliella Tr. un fluture vătămător frunzelor de plop. (Extras din „Revista Pădurilor"), 1937, 8°, pp. 10. Lei 20

M. PETCUŢ şi C. CHIRIŢĂ: Impăduririle în sprijinul agriculturii, din Sudul Basarabiei. (Extras din „Revista Pădurilor"), 1937, 8°, pp. 35. Lei 20

I. C. DEMETRESCU: Consolidarea proprietăţii agricole din punct de vedere silvic. (Raport prezentat la cel de al XIII-lea Congres Agricol), 1937, 8°, pp. 21 . . . . . Lei 20

I. C. DEMETRESCU: Capitalul în economia forestieră. (Referat la a 50-a Adunare generală a Societăţii „Progresul Silvic", 1937, 8°, pp. 18. Lei 20

AT. HARALAMB: O staţiune de Pinus banatica Georg. et Ion. şi Pinus silvestris L. pe valea Sohodolului de Runc în Oltenia. (Extras din „Revista Pădurilor"), 1937, 8°, pp. 15 . . . . . Lei 20

S. PAŞCOVSKI: Ciocănitorile şi seminţele forestiere. (Extras din „Revista Pădurilor"), 1937, 8°, pp. 14 . . . . . Lei 20

V. SABĂU Dr.: Organizarea producţiei lemnului în cadrul politicii forestiere naţionale, 1938, 8°, pp. 102 . . . . . Lei 80

V. SABĂU: Politica de amenajare a pădurilor româneşti în lumina statisticii, 1938, 8°. pp. 42+17 tabele . . . . . Lei 60

V. DINU Dr.: Politica forestieră. Evoluţia şi stadiul actual al doctrinei. Problema românească. 1938, 8°, pp. 61 . . . . . Lei 40

D. A. SBURLAN Dr.: Prelucrarea manuală şi mecanică a traverselor în pădure. (Extras din „Revista Pădurilor"), 1937, 8°, pp. 24. Lei 20.

I. C. DEMETRESCU: Despre sensul articolului 13 alineatul g. din Codul nostru silvic în vigoare. (Extras din „Revista Pădurilor"), 1937, 8°, pp. 8. . . . . Lei 20

ATH. HARALAMB Dr.: Experienţe în materie de ameliorăţiuni alpine. (Extras din „Revista Pădurilor"), 1938, 8°, pp. 14 . . . Lei 20

S. PAŞCOVSKI Ing.: Contribuţiuni la flora Cadrilaterului. (Extras din „Revista Pădurilor" Nr. 3/938 cu o hartă a regiunii cercetată), 1938, 8°, pp. 12 . . . . . Lei 20

S. PAŞCOVSKI Ing.: Hibrizi între Alnus glutinosa (L.) GAERTN şi A. INCANA (L.) MNCH. (Extras din „Revista Pădurilor" Nr. 4/938), 1938, 8°, pp. 8 . . . . . Lei 20

D DRAMBĂ Ing. cons.: Ridicările topografice speciale pentru studiul terenurilor în alunecare. (Extras din „Revista Pădurilor" Nr. 3—4/1938), 1938, 8°, pp. 30 . . . . . Lei 20

D. A. SBURLAN Dr.: Vehicule cu roţi pneumatice pentru tracţiunea animală. (Extras din „Revista Pădurilor" Nr. 5/938), 1938, 8°, pp. 20. Lei 20.

D. A. SBURLAN Prof.: Contribuţiuni la studiul pădurilor inaccesibile din România. 1938, 8°, pp. 109 . . . . . Lei 80

M PETCUŢ şi GR. ELIESCU Dr.: Cauzele uscării frasinului din pădurea Comarova. (Extras din „Revista Pădurilor" Nr. 10/938), 1938, 8°, pp. 10 . . . . . Lei 20

M. PETCUŢ Ing. cons.: Vitalitatea rădăcinilor de stejar. (Extras din „Revista Pădurilor Nr. 2/939), 1939, 8°, pp. 18 . . . . Lei 20

ATH. HARALAMB Ing.: Pin silvestru spontan în împrejurimile Curţii de Argeş. (Extras din „Revista Pădurilor Nr. 3/939), 1939, 8°, pp. 10. Lei 20

I. LUPE Ing.: O staţiune de tisă în munţii Gurghiului. (Extras din „Revista Pădurilor" Nr. 3/939), 1939, 8°, pp. 8 . . . . . Lei 20
GR. ELIESCU Dr.: Contribuţiuni la cunoaşterea insectelor vătămătoare padurilor din România (I). „Revista Pădurilor" Nr. 6/939, 1939, 8°, pp. 10 . . . . . Lei 20
I.C.E.F.: Dare de seamă asupra activităţii Institutului dela 1 Aug. 1933—Dec. 1936; 1939, 8°, 72 pagini . . . . . 40 Lei
C. GEORGESCU: Dare de seamă asupra boalelor de importanţă economică în pădurile ţării, în 1934—1938; —1940, 8°, . . . . 40 Lei
AT. HARALAMB: Contribuţiuni la cunoaşterea florei fâneţelor de munte (Broasca-Buzău). (Extras din Revista Pădurilor Nr. 3/1940) pp. 4.

## SERIA III.

### Norme. Instrucţiuni.

C-TIN C. GEORGESCU Dr. Ing.: Oidium-ul stejarului. 1933, pp. 24 Lei —
GR. ELIESCU Dr. Ing. Instrucţiuni provizorii pt. combaterea gândacilor Hylobius abietis L., Hylobius piceus Deg. şi Hylobius pinastri Gyll. 1938, pp. 10 . . . . . Lei —

## SERIA IV.

### Biblioteca de popularizare.

ILIE C DEMETRESCU Ing. Insp. silv.: Indreptar asupra legilor noastre silvice. 1939, pp. 28 . . . . . Lei 10
ANTON V. RĂDULESCU: Plopul (Foloasele şi cultura lui) 1940, p. 33,
D. A. SBURLAN: Cunoştinţe practice despre industria şi comerţul cherestelei, 1940, pp. 55 . . . . . Lei —

# PUBLICAŢIUNI

## DECIZIUNI MINISTERIALE

### MINISTERUL AGRICULTURII ŞI DOMENIILOR

### Direcţiunea Regimului silvic

### DECIZIUNE

Noi, Ministru Secretar de Stat la Departamentul Agriculturii şi Domeniilor;

Asupra raportului Domnului Director al Direcţiunei Regimului Silvic;

Având în vedere art. 2 din codul silvic;

Având în vedere art. V din legea modificatoare la codul silvic, publicată în Monitorul Oficial No. 131/920.

### DECIDEM:

Art. I. — Se aprobă de noi:

a) Amenajamentul pădurii Seria Goriţa, judeţul Caliacra, proprietatea Ivan Andronof ş. a., în suprafaţă de 146 ha. 3900 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

b) Amenajamentul pădurii Petreşti lot. I, judeţul Botoşani, proprietatea Maria V. Andreescu, în suprafaţă de 87 ha. 8300 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

c) Regulamentul de exploatare al pădurii Cotul lui Bălan ş. a., judeţul Roman, proprietatea Eufrosina A. Bontas, în suprafaţă de 26 ha. 3100 mp., tratată în două serii de crâng cu revoluţia 20 şi 3 ani. Revizuirea după 20 ani.

d) Amenajamentul pădurii Alunişu, judeţul Roman, proprietatea Mariana Matei Costache, în suprafaţă de 20 ha. 8500 mp. Regim şi tratament crâng simplu şi revoluţia 20 ani., pentru seria I-a şi 3 ani pentru seria II-a. Revizuirea după 20 ani.

e) Regulamentul de exploatare al pădurii Orofteana Frunză, judeţul Dorohoi, proprietatea Nicolae şi Natalia Haiu, în suprafaţă de 13 ha. 7800 mp. Regim şi tratament crâng cu rezerve. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 19 Iunie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *M. Şerban.*

No. 15513/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Faţa Lazurilor ş. a., judeţul Someş, proprietatea Composesoratului Frâncenii de Piatră, în suprafaţă de 181 ha. 3800 mp., tratată în o serie de crâng cu rezerve, cu revoluţia 30 ani şi una serie de codru grădinărit cu exploatabilitatea fizică. Revizuirea după 10 ani.

b) Amenajamentul pădurii Zăvoiul Netoţi, judeţul Prahova, proprietatea Elena Durma ş. a., în suprafaţă de 51 ha 1500 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 5 ani. Revizuirea în anul 1943.

c) Amenajamentul pădurii Hreben, judeţul Rădăuţi, proprietatea P. Droniuc, în suprafaţă de 18 ha 900 mp. Regim şi tratament codru grădinărit. Termenul exploatabilităţii 90 ani. Revizuirea după 10 ani.

d) Regulamentul de exploatare al pădurii Bădeni la Faţă, judeţul Buzău, proprietatea Stat şi Maria R. Costea, în suprafaţă de 12 ha 8800 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 12 ani. Revizuirea după 12 ani.

Dată astăzi 18 Iunie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *M. Şerban.*

No. 15514/940.

---

a) Regulamentul de exploatare al pădurii Cătiaşul, judeţul Buzău, proprietatea Maria A. Apostol ş. a., în suprafaţă de 708 ha 8100 mp., tratată în 2 serii de codru cu tăeri succesive cu revoluţia 100 ani. Revizuirea după 20 ani.

b) Revizuirea amenajamentului pădurilor Lomb, Feleac şi Coruş, judeţul Cluj, proprietatea Municipiului Cluj, în suprafaţă de 628 ha 4400 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 40 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 26 Iunie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *M. Şerban.*

No. 16537/940.

---

a) Revizuirea regulamentului de exploatare al pădurii Remetea, judeţul Ciuc, proprietatea Soc. în nume colectiv Broşteanu & Comp., în suprafaţă de 407 ha 181 9mp. Regim şi tratament codru cu tăeri rase. Revoluţia 80 ani. Revizuirea după 10 ani.

b) Amenajamentul pădurii Hălăuceşti, judeţul Roman, proprietatea Elena Dr. S. Irimescu, în suprafaţă de 80 ha 3700 mp., tratată în 2 serii de crâng simplu cu revoluţia 8 şi 25 ani. Revizuirea după 8 ani pentru S. I şi 20 ani pentr uS. II.

c) Amenajamentul pădurii Malcovăţ, judeţul Ialomiţa, proprietatea M. Maican ş. a., în suprafaţă de 20 ha 7400 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 2 ani. Revizuirea după 2 ani.

d) Regulamentul de exploatare al pădurii Scorniceşti, judeţul Olt, proprietatea Marin Piţigoi, în suprafaţă de 21 ha 5500 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

e) Amenajamentul pădurii Clujoc, judeţul Mureş, proprietatea Bisericei ort. orm. din Lueriu, jud. Mureş, în suprafaţă de 15 ha 4300 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 15 ani. Revizuirea după 15 ani.

f) Regulamentul de exploatare al pădurii Cioranca ş. a., judeţul Dâmboviţa, proprietatea C. D. Bălescu, în suprafaţă de 26 ha 8680 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

g) Amenajamentul pădurii Rafailă, judeţul Vaslui, proprietatea Statului, dată în folosinţa Sf. Mânăstiri Rafaila, în suprafaţă de 25 ha. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 4 Iulie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *M. Şerban.*

No. 17087/940.

---

a) Revizuirea amenajamentului pădurii Livezeni Uricani ş. a., judeţul Hunedioara. proprietatea Composesoratului nobililor revendicat din Haţeg ş. a., în suprafaţă de 2753 ha 7000 mp., tratată în 5 serii de codru cu tăeri rase şi revoluţia 45 ani şi o zonă de protecţie. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 4 Iulie 1940, în cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *M. Şerban.*

No. 17174/940.

---

a) Revizuirea amenajamentului pădurii Valea Seacă Gârbovana, judeţul Bacău, proprietatea Isidor Beral, în suprafaţă de 288 ha. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 20 ani.

b) Regulamentul de exploatare al pădurii Muntele Plescioara, judeţul Gorj, proprietatea V. Voiciloiu, în suprafaţă de 113 ha 5000 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 80 ani. Revizuirea după 20 ani.

c) Amenajamentul pădurii Mociarul de Jos, judeţul Mureş. proprietatea Comunei Beica de Jos, în suprafaţă de 90 ha 5100 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 20 ani.

d) Amenajamentul pădurii Coasta Valea Ursului, judeţul Mureş, proprietatea Bisericei gr. cat. din Beica de Sus, în suprafaţă de 26 ha 5800 mp., tratată în 2 serii de crâng simplu cu revoluţia 30 ani. Revizuirea după 20 ani.

e) Amenajamentul pădurii Mânăstirea, judeţul Mureş. proprietatea Bisericei rom. unite din Solovăstru, în suprafaţă de 18 ha 5900 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 20 ani.

f) Regulamentul de exploatare al pădurii Sărata, judeţul Rădăuţi, proprietatea Vasile şi Ioana Chimcinschi, în suprafaţă de 14 ha 4200 mp., regim şi tratament codru cu tăeri rase. Revoluţia 90 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 5 Iulie 1940, în Cabinetul nostru

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *M. Şerban.*

No 17227/940.

---

a) Regulamentul de exploatare al pădurei Muntele Drăganul, judeţul Muscel, proprietatea I. Duţescu ş. a., în suprafaţă de 444 ha 8000 mp., tratată în o serie de codru cu tăeri rase şi revoluţia 100 ani şi o serie de protecţie cu exploatabilitatea fizică. Revizuirea după 20 ani.

b) Amenajamentul pădurii Pantelimon, judeţul Ilfov, proprietatea Eforiei Spitalelor Civile din Bucureşti, în suprafaţă de 353 ha 5600 mp. Regim şi tratament crâng cu rezerve. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 30 ani.

c) Amenajamentul pădurei Lunca Fălciu, judeţul Fălciu, proprietatea Târgului Fălciu, în suprafaţă de 49 ha 480 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 3 ani. Revizuirea după 3 ani.

d) Amenajamentul pădurii La Furcele, judeţul Alba, proprietatea Comunei Inoc, în suprafaţă de 7 ha 4500 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

e) Regulamentul de exploatare al pădurii Dealul Sălătrucului, judeţul Mehedinţi, proprietatea D. Mihuţ, în suprafaţă de 2 ha 5400 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 20 ani.

f) Regulamentul de exploatare al pădurii Cârceni, judeţul

Mehedinţi, proprietatea Ştefan Călăpăreanu, în suprafaţă de 1 ha 6000 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 5 Iulie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor. (ss) *Dr. Radulovici.*

No. 17228/940

---

a) Amenajamentul pădurii Faţa Strâmbei, judeţul Făgăraş, proprietatea Composesoratului Strâmba Vad, în suprafaţă de 115 ha. 928 mp. Regim şi tratament conversiune la codru cu tăeri succesive. Revoluţia 84 ani. Revizuirea după 21 ani.

b) Regulamentul de exploatare al pădurii Pripoara, judeţul Argeş, proprietatea Alexandru Frunzescu ş. a., în suprafaţă de 28 ha. 312 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 90 ani. Revizuirea după 20 ani.

c) Regulamentul de exploatare al pădurii Vâlceaua cu Apă, judeţul Gorj, proprietatea Ana C. Staicu, în suprafaţă de 17 ha. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 16 Iulie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*

No. 18252/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Zănoaga Lalu Mare, judeţul Muscel, proprietatea Iosif Răcaru ş. a. în suprafaţă de 1173 ha. 4000 mp. tratată în 3 serii de crâng cu revoluţia 20 ani şi una serie de protecţie cu exploatabilitatea fizică. Revizuirea după 10 ani.

b) Amenajamentul pădurii Luncşoara, judeţul Arad, proprietatea Composesoratului din Luncşoara, în suprafaţă de 1257 ha. 1600 mp. tratată în o serie de codru cu tăeri succesive şi revoluţia 80 ani; una serie de codru cu tăeri rase şi revoluţia 80 ani şi una serie de protecţie tratată în codru grădinărit. Revizuirea după 10 ani.

c) Amenajamentul pădurei Bujoreni, judeţul Vâlcea, proprietatea Smaranda Cuprian, în suprafaţă de 120 ha. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 12 ani. Revizuirea după 12 ani.

Dată astăzi 16 Iulie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*

No. 18253/940.

---

a) Revizuirea amenajamentului pădurilor administrate comulativ din Ocolul Silvic Ilva, judeţul Năsăud, proprietatea celor 44 comune grănicereşti din Năsăud, în suprafaţă de 8595 ha. 4891 mp. tratată în 4 serii de codru cu tăeri rase şi revoluţia 100 ani şi două serii de protecţie. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 4 Iulie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *M. Şerban.*

No. 18501/940.

---

a) Regulamentul de exploatare al pădurii Suici, judeţul Argeş, propreitatea Alexandrina A. N. Stănescu şi Florica Canari, în suprafaţă de 209 ha. 2000 mp. tratată în o serie de codru cu tăeri succesive şi revoluţia 80 ani, şi una serie de crâng grădinărit cu termenul exploatabilităţii 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

b) Regulamentul de exploatare al pădurii Borleşti-Vărzaru,

judeţul Argeş, proprietatea C. C. Miculescu, în suprafaţă de 20 ha. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 19 Iulie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*

No. 18506/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Hotărel, judeţul Bihor, proprietatea comunei Hotărel în suprafaţă de 168 ha. 8200 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 80 ani. Revizuirea după 10 ani.

b) Regulamentul de exploatare al pădurii Zăvoiul Podişorul, judeţul Olt, proprietatea Liber Târnoveanu, în suprafaţă de 63 ha. 2500 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 6 ani. Revizuirea după 6 ani.

c) Amenajamentul pădurii Isvoreneşti, judeţul Mehedinţi proprietatea Filimon Jitea, în suprafaţă de 12 ha. 6700 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 19 Iulie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*

No. 18507/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Tejeac, judeţul Dolj, proprietatea Angela Th. Skeletti, în suprafaţă de 132 ha. 6500 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

b) Regulamentul de exploatare al pădurii Frăsieru, judeţul Olt, proprietatea Tache Protopopescu, în suprafaţă de 24 ha. 7500 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

c) Amenajamentul pădurei Plantaţia de Salcâm Ghisdăveşti, judeţul Romanaţi, proprietatea Ion I. Celăreanu în suprafaţă de 13 ha. 2700 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 10 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 19 Iulie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*

No. 18509/940.

---

a) Amenajamentul pădurilor Tutana Alimăneşti ş. a. Seriile II—VII judeţul Argeş, proprietatea Statului în suprafaţă de 4820 ha. 3200 mp. tratată în 3 serii de codru cu tăeri succesive şi revoluţia 105 ani, două serii de codru cu tăeri succesive şi revoluţia 120 ani şi una serie de crâng cu revoluţia 30 ani. Revizuirea după 7 ani pentru primele 3 Serii; după 8 ani pentru următoarele două şi 10 ani pentru Seria de crâng.

b) Revizuirea amenajamentului pădurei Nebuna Ivăneasa Seria XII-a, judeţul Dolj, proprietatea Statului, în suprafaţă de 1562 ha. 700 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 25 ani. Revizuirea după 15 ani.

c) Amenajamentul pădurei Zăvoaiele Oltului Seria VII-a, judeţul Vâlcea, proprietatea Statului, în suprafaţă de 162 ha. 3400 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

d) Amenajamentul pădurii Zăvoiul Brăteşti, judeţul Roman, proprietatea Statului, în suprafaţă de 65 ha. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 8 ani. Revizuirea după 8 ani.

Dată astăzi 25 Iulie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*

No. 19134/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Plaiul Poenilor, judeţul Vâlcea, proprietatea Obştei moşnenilor Plaiul Poenilor, în suprafaţă de 1649 ha. 4500 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri rase şi revoluţia 92 ani şi o zonă de protecţie. Revizuirea după 20 ani.

b) Regulamentul de exploatare al pădurei Aria Ursului, judeţul Mehedinţi, proprietatea C. M. Popescu ş. a. în suprafaţă de 49 ha. 4700 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 80 ani. Revizuirea după 20 ani.

c) Regulamentul de exploatare al pădurei Cărbuneşti, judeţul Gorj, proprietatea Anastase Iorga în suprafaţă de 14 ha. 4000 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

d) Amenajamentul pădurii Plantaţia de salcâm Ghizdăveşti, judeţul Romanaţi, proprietatea N. I. Celăreanu, în suprafaţă de 13 ha. 2700 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 10 ani. Revizuirea după 10 ani.

e) Amenajamentul pădurii Zăvoiul Fânatul, judeţul Romanaţi, proprietatea Maria Niculescu, în suprafaţă de 11 ha. 8000 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 10 ani. Revizuirea după 10 ani.

f) Amenajamentul pădurei Dealul Şcoalei şi Ruptura, judeţul Târnava Mare, proprietatea comunei Calvaser în suprafaţă de 89 ha. 2500 mp. tratată în o serie de codru cu tăeri succesive şi revoluţia 84 ani şi una serie de crâng simplu cu revoluţia 10 ani. Revizuirea după 20 ani.

g) Amenajamentul pădurii Valea Păducelului judeţul Târnava Mică, proprietatea Bisericei Evreeşti din Valea Lungă, în suprafaţă de 11 ha. 5100 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 25 Iulie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*

No. 19137/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Jigorul, judeţul Huniedoara, proprietatea Iosif Schweigheffer-Junior, în suprafaţă de 116 ha. 200 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri rase. Revoluţia 80 ani. Revizuirea în anul 1944.

b) Amenajamentul pădurii Bercuţ, judeţul Târnava-Mică, proprietatea Bisericei gr. cat. din Ciufud, în suprafaţă de 22 ha. 5500 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 1 August 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*

No. 19930/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Rits şi Baica, judeţul Trei-Scaune, proprietatea Composesoratului Dalnic, în suprafaţă de 198 ha. 5700 mp. tratată în 2 serii de codru cu tăeri succesive şi revoluţia 90 ani. Revizuirea după 10 ani.

b) Amenajamentul pădurii Ferice, judeţul Bihor proprietatea comunei Ferice, în suprafaţă de 193 ha. 7200 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 100 ani. Revizuirea după 10 ani.

c) Revizuirea amenajamentului pădurei Fondul Suluţian Blaj, judeţul Târnava Mică, proprietatea Fundaţiei Suluţiu, în suprafaţă de 151 ha. 5700 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 35 ani. Revizuirea după 10 ani.

d) Revizuirea amenajamentului pădurei Seminarul Teologic Blaj, judeţul Târnava Mică, proprietatea Fondului Seminarului Teologic Arhidiecezan din Blaj, în suprafaţă de 77 ha. 6600 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 23 ani. Revizuirea după 13 ani.

e) Regulamentul de exploatare al pădurei Curtişoara, judeţul

Gorj, proprietatea Gh. Diaconescu, în suprafaţă de 13 ha. 6700 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

f) Regulamentul de exploatare al pădurii Farfaroaica şi altele, judeţul Romanaţi, proprietatea I. G. Demetrian, în suprafaţă de 13 ha. 9000 mp. tratată în 2 serii de crâng simplu cu revoluţia 20 şi 10 ani. Revizuirea la finele revoluţiei pentru fiecare serie.

Dată astăzi 1 August 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*

No. 19931/940.

---

Art. II. — Revizuirea amenajamentelor şi regulamentelor de exploatare mai sus menţionate se va face la epoca arătată în dreptul fiecăruia. Dacă vreuna din păduri în total sau în parte, intră în dispoziţiunile legilor; pentru protecţia monumentelor naturei, pădurilor necesare apărării naţionale, pădurilor de protecţie, revizuirea se va face şi mai înainte de acest termen.

Art. III. — Aceste regulamente de exploatare, amenajamente etc., se aprobă numai din punct de vedere tehnic silvic, luându-se drept definitivă situaţia comunicată de organele de aplicare a legii pentru reforma agrară.

Constatându-se însă în urmă că arătările din acest amenajament (regulament de exploatare), referitoare la suprafaţa pădurii, la numele proprietarului etc., au fost date eronat sau între timp au suferit schimbări fortuite, ele se va revizui imediat fie din punct de vedere tehnic-silvic, fie asupra proprietăţii etc. Amenajamentul (regulamentul de exploatare) nerevizuit la termen de parte, este nul şi neavenit.

Art. IV. — Toate celelalte dispoziţiuni prevăzute în studiile respective şi articolul adiţional anexat fiecăruia, sunt executorii.

Art. V şi ultimul. — Domnul Director al Direcţiei Silvice este însărcinat cu executarea prezentei Deciziuni.

---

# REVISTA PĂDURILOR

Redactor-şef: **Stinghe N. V.**

Comitetul de redacţie:

P. Ioan
D. Sburlan
Ilie C. Demetrescu
N. Ghelmeziu



## SOCIETATEA «PROGRESUL SILVIC»

**Fondată în anul 1886**

**Persoană morală prin Decretul Regal 1630 din 28 Aprilie 1904**

CONSILIUL DE ADMINISTRAŢIE PE 1940

Preşedinte: **Drăcea D. M.**

Vice-Preşedinţi: **Alimăneştianu Const.**, **Stinghe N. V.**

Casier: **Rădulescu M.**

Secretar general: **I. Zeicu**

Secretari: **Al. Butoi**, **Haralamb At.**

MEMBRII:

**Bunescu M. C.**
**C. Chiriţă**
**Demetrescu Ilie**
**Florescu P. M.**
**Georgescu P. C.**
**Grozescu D.**
**Ionescu I. A.**
**Lazăr H.**
**Manoilescu Mircea**
**Minescu G.**
**Năstăsescu G.**
**Nedelcovici Ath.**
**Priboianu N. V.**
**St. Rodoteatu**
**V. Sabău**
**Sburlan A. D.**
**Vâlceanu E.**

Cenzori: **N. Burculeţ, Vencu Georgescu şi I. Paladian.**

Cenzori supleanţi: **St. Georgescu, Şt. Predescu şi Gr. Vasilescu.**


---


**PREŢUL ABONAMENTULUI:**

| | |
|---|---|
| Pe un an pentru instituţii | 500 lei |
| „ „ „ „ particulari | 300 „ |
| „ „ „ „ membrii Societăţii | 200 „ |
| „ „ „ „ conductori şi brigadieri | 75 „ |
| Numărul | 25 „ |

**Manuscrisele nepublicate se înapoiază.**

EDITURA SOCIETĂȚII „PROGRESUL SILVIC"

AU APĂRUT:

I. SERIA A. — BIBLIOTECA DE POPULARIZARE:

D. A. SBURLAN

ARBORII ȘI PĂDURILE NOASTRE

78 pagini, 20 lei

II. SERIA B. — INDRUMĂRI:

Z. PRZEMETSCHI și GR. VASILESCU

TEHNICA ÎMPĂDURIRILOR

(SEMINȚE, PEPINIERE, IMPADURIRI)

166 pagini, 60 lei

EPUIZAT

III. — SERIA C. — TRATATE ȘI MANUALE:

Prof. V. N. STINGHE

AMENAJAREA PĂDURILOR

UN VOLUM DE 255 PAGINI

D. A. SBURLAN

INSTALAȚII DE TRANSPORT PENTRU EXPLOATĂRI FORESTIERE

UN VOLUM DE 304 PAGINI

INST. DE ARTE GRAFICE BUCOVINA I. E. TOROUȚIU BUCURESTI

# REVISTA PĂDURILOR

ORGANUL SOCIETĂȚII „PROGRESUL SILVIC"

SEPTEMBRIE 1940 ANUL 52 — Nr. 9

# REVISTA PĂDURILOR

**PROPRIETATEA SOCIETĂŢII „PROGRESUL SILVIC"**

**Redactor responsabil: Prof. V. N. STINGHE**

Inscrisă în Registrul de publicaţiuni periodice de pe lângă Tribunalul Ilfov S. I comercială, sub No. 56/938.

**Redacţia şi Administraţia: Bulevardul Take Ionescu Nr. 31, — Bucureşti**

ANUL 52, Nr. 9 SEPTEMBRIE 1940


## SUMARUL:



## SOMMAIRE



## INHALT

## VREMURI DE RESTRIŞTE

Neamul românesc trăeşte din nou durerea despărţirii de fraţi.

Părţi de ţară, revenite numai de 20 ani să împlinească Moldova lui Ştefan cel Mare, sunt iarăşi rupte din cuprinsul pământului nostru.

Este o lovitură cu care Dumnezeu iarăşi ne încearcă, desigur spre a ne mântui.

Fiindcă aceste vremuri de restrişte vor trezi fără îndoială în toată suflarea românească, mai luminos, simţul răspunderii care călăuzeşte paşii pe drumul adevărului şi dreptăţii, va trezi în noi mai viu sentimentul demnităţii, care ne va învăţa să strângem puternic rândurile pentru a apăra şi mai bine fiinţa neamului nostru.

Trebue să ne întrebăm fiecare, singur şi în tăcere, ce-am făcut cât timp Prutul nu ni-a ami fost hotar? Cum ne-am apropiat sufleteşte de nevoile acestui colţ de pământ căruia 22 de ani i-a fost hărăzit să mai trăiască odată în libertate viaţa românească?

In ce ne priveşte şi ca slujitori ai pădurii, avem conştiinţa împăcată că am păstrat cu destulă grijă pădurile acestui scump pământ; le-am apărat şi le-am sporit, le-am mărit întinderea, le-am îmbunătăţit calitatea, le-am ridicat puterea de creştere. Iar acolo unde nu a fost pădure care să ajute la nevoile sale poporul, am creiat cu osteneală păduri noui care să lupte cu ariditatea ţinuturilor şi să ajute chiar şi apărarea ţării.

S'ar fi putut face mai mult? Poate da.

Ce mai este de făcut, vom face când soarele dreptăţii româneşti va străluci din nou neamului nostru iar întregit.

Dar să ştim că dreptatea nu vine singură la cel ce o are şi nici nu rămâne la cel ce nu ştie să o apere.

REV. PĂD.

# S T U D I I

**Din lucrările Institutului de Cercetări Silvice**

## CONTRIBUȚIUNI LA CUNOAȘTEREA FLOREI FÂNEȚELOR DE MUNTE
### [ZĂGANUL (PRAHOVA) ȘI BABARUNCA (BRAȘOV)]

de Ing. AT. HARALAMB și P. CRETZOIU

Intr'un număr precedent al Revistei Pădurilor [1]) am publicat o listă de plante cari intră în compunerea unor fâneţe situate pe teritoriul satului Cheia din judeţul Prahova, cel mai nordic sat pe Valea Teleajenului.

In contribuţia de faţă dăm lista plantelor recoltate de noi din alte două puncte.

a) Prima a rezultat dintr'o fâneaţă situată în acelaşi cadru geografic ca şi cele din articolul precedent: versantul meridional al potcoavei muntoase cunoscută sub numele de masivul Ciucaşului. Deci tot la Cheia ca şi în cazul primei contribuţiuni. Cum poziţia geografică a acestei localităţi, am preprecizat-o atunci, nu mai găsim necesar să revenim acum. De data aceasta, fâneaţa se găseşte pe pârâul Tâmpa afluent al Teleajenului, mai sus de mânăstirea Cheia, la poalele muntelui Zăganul, locul fiind cunoscut sub numele de fâneţele Zăganului. Aceste fâneţe au fost creiate prin defrişarea pădurii de fag, situată aici pe un teren aşezat cu o foarte uşoară înclinare. Din această cauză, terenul prezintă în unele părţi un caracter apătos. Recoltarea s'a făcut de pe o suprafaţă de circa 2 ha la data de 30 Iulie 1940, timp când, în acest an excepţional de umed, a început cositul fânului. Altitudinea locului este de circa 900 m. Expoziţie vestică.

---

1) At. Haralamb şi P. Cretzoiu: Contribuţiuni la cunoaşterea florei fâneţelor de munte (Cheia-Prahova). Revista Pădurilor Nr. 1/1940, pag. 12—15.

b) Cel de al doilea punct este situat pe versantul septentrional (ardelean) al masivului Ciucaşului şi anume la poalele muntelui Tesla. Locul, cunoscut sub numele de Babarunca, se găseşte pe traseul şoselei naţionale Ploeşti-Pasul Bratocea-Satulung-Braşov, la 6 km depărtare de pasul Bratocea. Fâneţele ocupă aici împreună cu cele 3—4 aşezări omeneşti, o întindere de câteva ha. Au rezultat din defrişarea poalelor pădurii de fag ale muntelui Tesla. Terenul este uşor înclinat spre Vest, fiind destul de bine drenat, cu excepţia câtorva puncte ceva mai umede. Altitudinea locului este de 950 m. Recoltarea s'a făcut de noi în ziua de 1 August 1940, de pe o suprafaţă de circa 2 ha.

Dăm, pentru fiecare punct în parte, lista plantelor culese:

FÂNEAŢA ZĂGANULUI

Fam. Graminaceae

Phleum pratense L. ssp. nodosum (L.) Schreb.
Holcus lanatus L.
Agrostis alba L.
Bromus hordaceus L.
Anthoxanthum odoratum L.
Cynosurus cristatus L.
Briza media L.
Dactylis glommerata L.
Lolium perenne L.
Deschampsia caespitosa P. B.
Agrostis tenuis Sibth.

Fam. Cyperaceae

Eriophorum angustifolium Roth.
Carex glauca Murr. var. dinarica Heuff.
Carex remota L.
Carex divulsa Good. ssp. Chaberti F. Schultz.

Fam. Juncaceae

Juncus effusus L.
Juncus articulatus L.

Fam. Liliaceae

Colchicum autumnale L.

Fam. Orchidaceae
Orchis maculatus L.
Gymnadenia conopea R. Br.
Epipactis palustris (L.) Cr.
Fam. Polygonaceae
Rumex acetosella L.
Fam. Caryophyllaceae
Lychnis flos-cuculi L.
Dianthus giganteus D'Urv.
Fam. Ranunculaceae
Ranunculus acer L.
Caltha laeta Sch. N. Ky.
Fam. Rosaceae
Spiraea ulmaria L.
Alchemilla mollis (Bus.) Rothm.
Fam. Leguminosae
Vicia silvatica L.
Trifolium strepens Cr.
Ononis hircina Jaq.
Lathyrus pratensis L.
Lotus corniculatus L.
Fam. Lythraceae
Lythrum salicaria L. var. tomentosa (Mill.) DC.
Fam. Cistaceae
Helianthemum nummularium (L.) Dum.
Fam. Violaceae
Viola persicifolia Roth.
Fam. Umbelliferae
Pastinaca sativa L.
Carum carvi L.
Angelica silvestris L.
Daucus carotta L.
Pimpinella major (L.) Huds.
Fam. Guttiferae
Hypericum hirsutum L.
Fam. Primulaceae
Lysimachia vulgaris L.

Fam. Borraginaceae
Myosotis montana Bess.
Fam. Labiatae
Prunella vulgaris L.
Stachys officinalis (L.) Trev.
Fam. Scrophulariaceae
Scrophularia nodosa L.
Alectorolophus Borbasii Dörfl.
Alectorolophus crista-galli (L.) M. B.
Alectorolophus major Rchb.
Fam. Plantaginaceae
Plantago media L.
Fam. Rubiaceae
Galium verrum L.
Fam. Campanulaceae
Campanula abietina Gris.
Campanula glomerata L.
Fam. Composaceae
Achillea stricta Schleich.
Gnaphalium norvegicum Gunn.
Chrysanthemum leucanthemum L.
Cirsium palustre (L.) Scop.
Cirsium oleraceum L.
Lampsana communis L.
Cychorium intybus L.
Centaurea pseudophrygia C. A. M.
Centaurea pseudophrygia f. alpicola Gugl.
Hieracium pilosella L.

FÂNEAŢA BABARUNCA

Fam. Equisetaceae
Equisetum arvense L.
Fam. Graminaceae
Agropyrum intermedium (Host.) P. B. ssp. glaucum (Desf.) R. et S.
Phleum pratense L.
Nardus stricta L.

Bromus commutatus Schrad.
Cynosurus cristatus L.
Briza media L.
Anthoxanthum odoratum L.
Holcus lanatus L.
Deschampsia caespitosa P. B.
Agrostis alba L.
Dactylis glomerata L.

Fam. Cyperaceae
Eriophorum latifolium Hoppe.

Fam. Liliaceae
Colchicum autumnale L.

Fam. Orchidaceae
Orchis maculatus L.
Gymnadenia conopea R. Br.

Fam. Polygonaceae
Rumex acetosella L.

Fam. Caryophyllaceae
Stellaria graminea L. var. Barthiana (Schur.) Simk.

Fam. Rosaceae
Spiraea ulmaria L.

Fam. Leguminosae
Lotus corniculatus L.
Ononis semihircina Simk.
Lathyrus pratensis L.
Onobrychis viciaefolia Scop.
Anthyllis vulneraria L.
Trifolium pratense L.
Trifolium montanum L.
Trifolium alpestre L.
Trifolium pannonicum Jacq.

Fam. Polygalaceae
Polygala vulgaris L.

Fam. Violaceae
Viola tricolor L.

Fam. Umbellaceae
Carum carvi L.
Pimpinella saxifraga L.

Peucedanum cervaria (L.) Lap.

Fam. Convolvulaceae

Convolvulus arvensis L.

Fam. Borraginaceae

Echium vulgare L.

Symphytum officinale L.

Fam. Labiatae

Mentha longifolia L.

Salvia nemorosa L.

Salvia verticillata L.

Prunella vulgaris L.

Fam. Scrophulariaceae

Alectorolophus major Rchb.

Euphrasia stricta Host.

Fam. Rubiaceae

Galium verrum L.

Fam. Dipsaceae

Knautia arvensis (L.) Coult.

Knautia dipsacifolia (Host.) Gr. et Godr.

Fam. Campanulaceae

Campanula glomerata L.

Campanula abietina Gris.

Campanula pseudolanceolata Pant.

Fam. Composaceae

Centaurea pseudophrygia C. A. M.

Centaurea pseudophrygia f. praticola Gugl.

Tussilago farfara L.

Crepis biennis L.

Cichorium intybus L.

Chrysanthemum leucanthemum L.

Cirsium arvense (L.) Scop.

Cirsium oleraceum L.

Leontodon hispidus L.

Leontodon asper (W. et K.) Poir.

Carlina acaulis L.

*

La data amintită, am recoltat deci 64 specii din fâneaţa Zăganului şi 59 din fâneaţa de la Babarunca; deci un număr dublu decât cele din prima noastră contribuţie.

Ne găsim așa dar în fața unui apreciabil lot de plante. Gramineele și leguminoasele, plante prin excelență furajere, sunt bine reprezentate în ambele locuri și mai ales la Babarunca. In amândouă locurile se simte prezența florei de pădure. In fâneața dela Zăganul speciile de umezeală sunt mai numeroase, ceea ce trădează caracterul mai apătos al terenului. Ambele fânețe sunt socotite de calitate bună.

*Beiträge zur Kenntnis der Flora der Gebirgswiesen.*

*Contributions à l'étude de la flore des prairies de montagne.*

Les auteurs continuent à donner deux autres listes de plantes qui entrent dans la composition des prairies naturelles de la région montagneuse des Carpathes Méridionales. Une relevée est prise sur le versant Sud, dans le département Prahova, l'autre sur le versant Nord, dans le département Brașov.

# CONTRIBUȚIUNI LA FLORA MARAMUREȘULUI

de Ing. ARTUR COMAN
(Vișeul de jos)

## IV.

Sorbus torminalis (L.) Cr. In enumerarea plantelor vasculare, Ludovic Wagner semnalează [1]) această specie la mânăstirea Peri unde a fost reședința primilor episcopi romani. Fekete-Blattny în lucrarea lor geobotanică [2]), când este vorba de Carpații nordestici, îl amintesc la Teicu și Peri. Deci în ambele lucrări nu se face mențiune de nici-o localitate din Maramureșul românesc unde să-l fi găsit. Alți autori, deasemenea nu-l amintesc.

Specia aceasta există totuși; din întâmplare am descoperit în Vișeul de Jos, în anul 1937, patru exemplare. Unul în valea Sorii pe o expoziție nordică, la 581 m altitudine. Alte două exemplare le-am aflat pe Dealuți, la expoziție estică și 603 m altitudine.

Cel de al patrulea exemplar, l-am găsit în valea Liberului, la 771 m altitudine, expus spre Sud. Solul este format pe ardezie carpatică.

In hotarul comunei Bacicoiel am aflat un exemplar pe Dealuți, la 574 m altitudine, expus spre Est.

Toate aceste exemplare nu au atins 8 m înălțime.

In hotarul comunei Leordina am aflat însă exemplare care depășesc 8 m înălțime. Astfel se găsesc mai multe exemplare în valea Cucului, la 782 m, expuse spre West și Sud, în pădurea de gorun de sub Palten [3]).

De aici trece în hotarul comunei Ruscova unde devine comun, putându-se observa ușor.

---

1) Maramaros vármegye egyetemes leírára, 1876.

2) Die Verbreitung der forstlich wichtigen Bäume und Sträucher im ungarischen Staate.

3) Această pădure este amintită în opul Fekete-Blattny (în redactarea ungurească la pag. 315).

Spre Poienele de sub munte pătrunde până la Bilipotoc. Aici, la 683 m altitudine, pe o expoziţie sudestică, am descoperit un exemplar care la înălţimea pieptului avea 33 cm în diametru şi 13 m înălţime.

Dela Ruscova sub Vivodni — unde am găsit exemplare pitice la 735 m altitudine, la expoziţie sudică — trece în hotarul comunei Petrova unde pătrunde în Frunişaua până la moara lui Filipiuc.

De aici trece în hotarul comunei Bistra, unde îl găsim la Runcu. Mai multe exemplare se întâlnesc însă sub Tacarnia unde atinge cel mai înalt punct din Maramureş. Are aici 805 m altitudine, la expoziţie sudică. Solul este de natură calcaroasă.

Dela Bacicoiel spre Iza, trece la Dragomireşti unde se găseşte pe Dumbrava, la 692 m şi expoziţie sudică.

De aici în jos, nu am mai dat peste el — nici la Cuhea, nici la Scud unde sunt păduri de gorun. Numai în hotarul comunei Rozavlea pe Valea Sălţa am găsit câteva exemplare la 514 m altitudine şi expoziţie vestică.

De aici încolo spre Mara către Gutâiu nu am avut posibilitate să-l urmăresc.

Trebue să precizez că în Maramureş acest scoruş se găseşte numai în zona pădurii de Quercinee.

Calluna vulgaris (L.) Hull. In Maramureş este cunoscută numai din două localităţi. Prima este din Borşa, unde am recoltat-o în anul 1926 de pe muntele Ceremos. Locul avea 1747 m altitudine şi expoziţie estică. A doua staţiune se află în hotarul comunei Budeşti acolo unde trece şoseaua naţională spre Capnic imediat lângă hotarul judeţului. Expoziţia acestui loc este nordică, iar altitudinea 1130 m.

Juniperus communis L. Date geobotanice asupra acestei specii, privind existenţa lui în valea Vişeului, nu găsim nici în L. Wagner [1]), nici în Fekete-Blattny [2]). In Maramureş această specie este cunoscută în popor sub numele de jneapăn. Există totuşi sporadic; mai numeros însă se întâlneşte numai în patru locuri. La Borşa pe Gruieţi în drumul spre Pietrosu, până la altitudinea de 985 m la expoziţie nordică. Aici în

1) Maramoros vármegye egyetemes leirasa 1876.
2) Verbreitung der forstlich wichtigen. 1913.

marginea drumului am numărat 63 de tufe; ultimul exemplar se găseşte deasupra Runcului Pietrosului la 1187 m, expus spre Nord.

L'am mai găsit pe vârful Gurgieţului la 997 m altitudine, expus spre Nord.

In Moisei pe valea Dragaşului (malul stâng al râului Vişeu) în sus spre Măgura, ici şi colo, câte un exemplar. Expoziţia văii este nordică, iar altitudinea 722 m. De aici, coborând spre lanul Ştepan, este rar, diseminat, până în şoseaua naţională.

Pe malul drept al Vişeului, în valea Mutuiului sunt 13 exemplare mari cu 2—2,5 m înălţime, pe lângă altele de talie mai mică. Expoziţia văii este sudică, iar altitudinea locului 876 m.

In Vişeul de Sus pe Plai am găsit mai multe exemplare (circa 200). Expoziţie vestică; altitudine 1070 m.

In valea Sasului am aflat trei exemplare la expoziţie estică şi altitudie 535 m.

In Vişeul de Mijloc singurul exemplar l-am văzut la gura văii Vinului, având peste 2 metri înălţime. Expoziţia văii sudică. Altitudinea 488 m.

In Vişeul de Jos, un exemplar în valea Morii. Expoziţie vestică. Altitudine 511 m.

In Leordina, Petrova şi Bistra n'am întâlnit nici-un exemplar.

In Ruscova în valea Hodoroviţa şi spre Vivodni sunt mai multe exemplare. Expoziţie sud-estică. Altitudine 537 m.

In Repedea, nici-un exemplar.

In Poenile de sub Munte, pe Hecica, multe exemplare (50—70 bucăţi). Expoziţia estică. Altitudinea 588 m.

Urcând pe muntele Pecialo, lângă drum, pe poieni, se găsesc câteva exemplare, la expoziţia nord-vestică şi alt. 977 m. Din cele de mai sus, putem deci conchide că în Maramureş şi în special în valea Vişeului, Juniperus communis este slab reprezentat.

Bogat reprezentat l-am întâlnit (şi literatura îl menţionează) între Gutâiu şi Căliman de lângă Ţibleş pe hotarul judeţelor Maramureş-Someş.

Cornus mas L. Numit în popor corniţe. Celeilalte specii (C. sanguineia) i se zice sângerel. Dela Lunca-Costiu-

Borşana, în jos, nu-i rară. In literatură, numai L. Wagner îl aminteşte din Rona de Sus. Pe apa Vişeului, ultima staţiune se află în Leordina la Buza Usoiului, unde am descoperit un exemplar bătrân de 4 m înălţime şi 13 cm diametru la tulpină. Expoziţie W—SW. Altitudinea 675 m. Un alt exemplar am întâlnit în Sdeab, cu mult mai jos decât primul. De aici trece la Rozavlea. Imediat lângă comună în pădurea de pin silvestru sunt mai multe exemplare, la expoziţie sudică, altitudinea locului fiind 431 m. Dela Văleni încolo, pe Mara, spre comunele Corneşti-Budeşti-Breb îl găsim pe multe răzoare. Dela Budeşti-Breb-Crăceşti spre Gutâiu în sus nu am avut posibilitate să-l urmăresc.

**Crataegus oxyacantha L. şi Craegus monogyna Jacq.**

In lucrarea lui Fekete-Blattny, mai sus pomenită, aceste două specii sunt amintite laolaltă, iar nu separat. In ce priveşte răspândirea lor, în Maramureş, este o mare deosebire între monogyna şi oxyacantha; ultimul creşte numai în regiunile calde. L-am găsit la Sighet pe Dobaies, la expoziţie sudică şi 301 m altitudine. In Costini la Seneş cu expoziţie sudestică şi la 381 m altitudine. La Virişmort pe păşunea comunală la expoziţie nordică şi 315 m altitudine. In alte părţi spre Borsand-Bacicoiu Mare-Petrovanu nu am dat peste el, deşi l-am căutat atent. De multe ori lângă Cr. oxyacantha se găseşte imediat şi Cr. monogyna.

Socotesc că datele privind maximum de altitudine atins, din lucrarea lui Fekete-Blattny se potrivesc numai pentru Cr. monogyna.

**Sambucus racemosa L.** Cel mai înalt punct unde l-am găsit a fost Pietrosul Mare din Borşa, sub Ezer, la 1503 m altitudine, la expoziţie nordică. De acolo în jos, se găseşte în toate părţile. Către toamnă se poate observa bine, căci fructele lui sunt roşii.

La Vişeul de Sus l-am întâlnit lângă apa Vişeului la gura văii Broaştei. La Bistra se poate vedea lângă şoseaua

naţională acolo unde traversează calea ferată. Expoziţia este nordestică şi altitudinea locului 372 m.

Cel mai jos punct este pe malul Tisei pe hotarul comunei Ronişoara la gura văii Jnurovnei. Expoziţie nordică şi altitudine 335 m.

Populus nigra L. Din literatura botanică de până acum rezultă că în Maramureş, această specie pătrunde numai până la Buştina. Am găsit însă mai multe exemplare, groase de 3 m în diametru, la Sarasău în zăvoiul mare de pe malul stâng al Tisei. Grosimea lor nu le poate tăgădui spontaneitatea. Oamenii bătrâni din regiune pretind acelaşi lucru.

La Sighet-Bacicoiu Mare-Bârsana sunt mai multe exemplare de dimensiuni foarte mari.

In Valea Vişeului, Rozavlea, Vişeul de mijloc la gura văii Vinului, am găsit mai multe exemplare înalte de 10—17 m. La Vişeul de Jos, Vişeul de Sus, Dragomireşti, Săliişte, sunt exemplare mai tinere sub 8 m înălţime. Pe toţi aceştia îi socotesc însă introduşi, cu atât mai mult cu cât ştiu că la Vişeul de Jos, Vişeul de Sus, Dragomireşti şi Săliişte, cu prilejul regulării cursului apelor Vişeul şi Iza, s'au folosit fascine şi tăruşi de plop aduşi din alte părţi.

Salix silesiaca Willd. Până acum, pe valea Vişeului, punctul cel mai de jos cunoscut era gura văii Ştiopului în Vişeul de Sus, la 526 m altitudine şi expoziţie vestică.

In Maramureş această specie de salcie are, faţă de celelalte specii de salcie, aria de răspândire cea mai mare. Pe Pietrosul Mare din Borşa, am găsit două exemplare deasupra Turnului Roşu pe pereţi stâncoşi, la expoziţie estică şi 2123 m altitudine. La această înălţime, pe Pietrosul Mare, Jneapănul (Pinus montana) devine pitic şi numai în formă de petece mici. De aici în sus începe regiunea unde vegetează Salix herbacea L.

In Maramureş există următoarele specii de salcie: Salix reticulata L., S. retusa L. ssp. Kihaibeliana Willd., S. herbacea L., S. alba L., S. babylonica L. (cultivată), S. fragilis L., S.

triandra L., S. purpurea L., S. elaeagnos Scop., S. hastata L., S. phylicifolia L., S. viminalis L., S. cinerea L., S. aurita L., Salix capraea L. şi S. silesiaca Willd.

*Beiträge zur Kenntnis der Flora des Maramureş-Bezirkes.*

*Contributions à l'étude de la flore de Maramureş.*

Une nouvelle contribution qui enrichit les données connues jusqu'à présent sur la présence et la répartition de quelques espèces ligneuses de la flore du Maramureş, la région la plus septentrionale de la Roumanie. Il s'agit de: Sorbus torminalis (L.) Cr., Calluna vulgaris (L.) Hull., Juniperus communis L., Cornus mas L., Crataegus monogyna Jacq. et Cr. oxyacantha L., Populus nigra L., Salix silesiaca Willd., et Sambucus racemosa L.

# DOUĂ PLANTE INTERESANTE DIN FLORA ROMÂNIEI

de PAUL CRETZOIU

In rândurile ce urmează vreau să atrag atenţiunea asupra a două plante din flora ţării noastre, puţin cunoscute şi a căror arie geografică va trebui încă precizată. Este vorba de un hibrid din genul Pyrus şi de o specie de Silene.

1) Pyrus communis L. var. achras (Gaertn.) Wallr. × Pyrus elaeagrifolius Pall. = Pyrus babadagensis Prod., Flora, ed. II, vol. I, p. 446.

Acest hibrid, cu caractere intermediare între cele două specii, a fost găsit de mine între părinţi, în pădurea Comana (Jud. Vlaşca), la „Crucea-lui-Gligore", în marginea pădurii lângă drum. Până acum era cunoscut numai dela Babadag.

Prin indicaţiunea acestui hibrid dela Comana, trebuie notată deci şi prezenţa speciei Pyrus elaeagrifolius Pall., pe care l-am găsit în aceaşi staţiune în câteva exemplare, pentru Nordul judeţului Vlaşca; mai e cunoscut dela Sud de pădurea Comana, din pădurea Băneasa, de unde a fost colectat de D-l Prof. C. C. Georgescu.

2) Silene Csereii Baumg.

Această frumoasă specie de Silene, destul de bine deosebită de Silene vulgaris Garcke prin carpoforul mult mai scurt decât capsula, petalele de culoare sanguinee şi frunzele aproape cartilaginoase, a fost găsită şi recoltată de mine în munţii Bucegi, sub muchea platoului muntelui Jepii-Mari, deasupra primelor începuturi ale firelor văii Urlătoarea, în locuri umbroase şi stâncoase pe conglomerat, printre următoarele plante: Gentiana lutea L., Libanotis humilis Schur, Pinus montana Mill., Aconitum lasianthum Rchb., ş. a., la cca 2000 m.

Silene Csereii Baumg. e o specie nouă pentru flora munţilor Bucegi. Mai e cunoscută de altfel din multe puncte din ţară: Basarabia, Moldova, partea vestică a Transilvaniei şi din Banat.

*Résumé.*

*Zusammenfassung.*

Ein neuer Fundort wird für Pyrus babadagensis Prod. (= P. communis L. var. achras Wallr. × Pyrus elaeagrifolius Pall.) und für Silene Csereii Baumg. angegeben.

# COMENTARII—INSEMNARI

## BASARABIA ŞI ÎNGEMÂNAREA SA ÎN CUPRINSUL ROMÂNESC DE VIEŢUIRE

### PUNCTUL DE VEDERE FORESTIER

de ILIE C. DEMETRESCU
din
Institutul de Cercetări şi Experimentaţie forestieră. Bucureşti

### Introducere

De câţiva ani, de când vântul autarchiei economice bântuie mai cu tărie anumite părţi ale lumii, se vorbeşte cu crescândă stăruinţă despre aşa zisele spaţii vitale, economice naţionale sau, cum le-am putea numi mai pe româneşte, despre cuprinsurile de vieţuire economică naţională. In acest fel, se voeşte a se pune în lumină dependenţa economică reciprocă sau chiar unilaterală a unor grupe de ţări sau ţinuturi şi totodată nevoia de întregire politică mai mult sau mai puţin mărturisită a acestora .sub o anumită stăpânire.

Atunci când unele State ridică pretenţiuni de dominare politică asupra altor ţări în numele acestei idei de spaţiu de vieţuire, cu atât mai mult suntem noi, nu numai îndreptăţiţi, dar chiar şi îndatoraţi să ne întrebăm şi să cercetăm, în ce măsură intră diferitele ţinuturi româneşti în alcătuirea spaţiului nostru de vieţuire economică şi naţională.

Intâmplarea face ca să mi se pună o atare preocupare cu privire la Basarabia şi anume din punct de vedere forestier [1]).

Pentru a da deslegare mulţumitoare lucrului, adică pentru a arăta în ce măsură este acest frumos ţinut românesc inde-

1) Lucrarea de faţă a fost cerută oficial, fiind pregătită cu puţine zile înainte de actul tragic dela 28 Iunie a. c.

pendent sau dependent de alte ținuturi românești sau străine, va trebui să ne oprim pe deoparte asupra izvoarelor proprii de produse forestiere, iar pe de alta, asupra măsurii în care dă în afară din produsele sale forestiere, sau primește din cele ale altor ținuturi românești sau străine. Apoi, va trebui să facem o oarecare paralelă între felul cum se prezentau lucrurile înainte de Unirea din 1918 și după această dată hotărîtoare a destinelor provinciei noastre de peste Prut.

Ceeace ne interesează aici dintre aceste produse, este lemnul, ca fiind cu mult produsul forestier principal și apoi, practic, singurul care constitue obiect de schimb și deci determinator al unei dependențe oarecare între ținuturi mai îndepărtate.

## I.

## Izvoare de produse forestiere în Basarabia

In privința vegetațiunii forestiere naturale, Basarabia ocupă un loc de trecere între ținuturile de stepă, adică lipsite de păduri naturale, ale Ucrainei, din răsăritul său și cele mai mult sau mai puțin păduroase ale Bucovinei și Moldovei, dela apusul său. Condițiunile staționale și anume, cu deosebire, cele de climă, având, în general, un caracter continental excesiv, fac ca pe pământul Basarabiei să se ducă luptă aprigă între formațiunile arborescente de pădure plină și cele de ierburi de stepă. In cele mai multe părți, cum sunt mai ales, cele din sudul provinciei și apoi cele din mijlocul jumătății nordice, stăpânește stepa curată (Bugeacul și stepa Bălților). Către centru și extremitatea nordică, dimpotrivă, aflăm păduri propriu zise (Lăpușna-Orheiul și Hotinul-Soroca); deasemenea dealungul Prutului și Nistrului, în câteva grupe. Intre acestea se interpune o fâșie mai mult sau mai puțin lată de ținuturi, în care arborii deși pot crește în mod natural, nu au desimea și vigoarea și nu constitue întinderea trebuitoare spre a putea fi socotiți ca pădure. Atari ținuturi, având un caracter de trecere între stepa adevărată și pădurea adevărată, poartă denumirea de antestepă sau de stepă cu buchete de arbori, ori chiar de stepă cu petice de pădure.

După calculele D-lui Profesor Dr. D. A. Sburlan [2]), sprijinite pe studii de geografie vegetală, pădurea n'ar fi ocupat, în starea naturală, decât cca. 1.240.000 ha, adică ceva sub 28%, în timp ce stepei i-ar fi revenit restul de cca. 3.200.000 ha, sau 72% din întinderea totală a Basarabiei. Nici-o provincie românească nu este atât de săracă în păduri. Pentru ţara întreagă, procentele ocupate de cele două grupe de ţinuturi (pădure şi stepă se inversează aproape: 70% pădure, faţă de 30% stepă. In Bucovina, pădurea ar deţine, în stare naturală, 96%, iar stepa numai 4%.

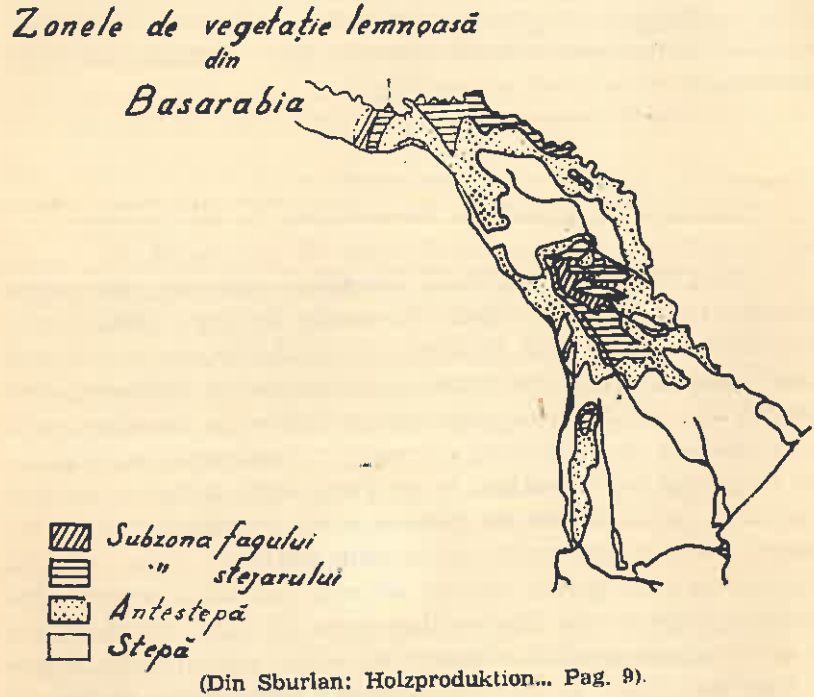


(Din Sburlan: Holzproduktion... Pag. 9).

Pădurile basarabene ţin, aproape în totalitatea lor, de subzona stejarilor. O oarecare abatere o constitue un mic sâmbure de fag din centrul provinciei şi alţi doi din Hotin; apoi micile păduri de sălcii şi plopi din luncile Prutului şi Nistrului. Pădurile obişnuite, adică cele aparţinătoare de subzona stejarilor conţin, în afară de cele câteva neamuri de stejar, şi alte

2) Din lucrarea: Holzproduktion, Holzindustrie und Holzhandel von Rumänien. Sibiu, 1933.

neamuri de foioase, cum sunt, mai ales, carpinul, teiul, frasinul, ulmul şi altele. Răşinoasele nu cresc dela sine în Basarabia. Alături de pădurile naturale amintite au fost înfiinţate în ultimile decenii mai multe păduri, în mare parte de salcâm, cu deosebire prin plantaţiuni.

In decursul vremurilor, pădurile basarabene, şi aşa destul de puţine, au suferit — ca pretutindeni în lume — neîncetate strâmtorări, din partea păşunatului cu vitele, a tăerilor neregulate şi a culturilor agricole. Toate acestea au adus vătămări grele pădurilor respective şi cu atât mai mult, cu cât puterea lor de creştere este, în general, slabă, în condiţiunile date de climă aspră.

Sub stăpânirea rusească (1812—1918), pădurile Basarabiei se aflau în cea mai mare parte (83%) în mâinile particularilor şi anume a marilor stăpânitori de moşii. Statul nu deţinea, prin 1890, decât ceva sub 6% din totalul pădurilor [3]). In asemenea împrejurări, nu ne putem aştepta la o bună îngrijire şi cultură a pădurilor, cu atât mai mult, cu cât proprietarii îşi arendau, de cele mai adesea ori, moşiile cu păduri cu tot. La acestea trebuie să adăugăm şi faptul că legile silvice erau foarte îngăduitoare şi foarte respectoase pentru dreptul de proprietate particulară a marilor boeri, mai ales. Până către 1888, libertatea proprietarilor de păduri nu era, practic, întru nimic îngrădită. Abia după intrarea în vigoare a legii pentru protecţia pădurilor, din 1888, se pune oarecare opreliste libertăţii proprietarilor. De fapt, obiectivul principal al legii îl constitue pădurile de protecţie, relativ puţine în Basarabia (abia cca. 30%). In rest, se prescriau anumite îngrădeli la desfiinţarea (defrişarea) şi păşunatul pădurilor, cari însă prezentau atâtea spărturi încât, practic, pot fi socotite ca şi inexistente. Intre altele, îngăduinţa defrişerilor pentru plantaţiuni de pomi roditori şi viţă de vie, a deschis poartă largă tuturor distrugerilor. Date fiind împrejurările prilenice de desfacere a fructelor, strugurilor şi vinului în Rusia ţaristă, proprietarii de păduri găseau mai de folos pentru ei de a defrişa pădurile şi a schimba pământul gras de pădure în grădini de pomi şi vii. Deosebit de aceasta, puterea de vegetaţie şi capacitatea de producţiune a pădurilor rămase de pe urma neîncetatelor defrişeri

3) După datele din lucrarea Friedrich von Arnold: Russlands Wald. Berlin, 1893, Pag. 42.

au suferit grele lovituri prin păşunatul peste măsură al vitelor şi prin tăeri neregulate. In această ultimă privinţă, proprietarii particulari, doritori de cât mai mari şi dese venituri, practicau tăeri la vârste din ce în ce mai mici ale pădurilor. Mai ales în anii răi agricoli, ochii şi nădejdiile tuturor se îndreptau către păduri. Urmarea a fost o continuă sleire a capitalului lemnos de producţiune. La toate acestea s'au adăugat, în ultimii ani de stăpânire rusească, înrâuririle nefaste ale răsboiului şi revoluţiunii. Slăbirea organizaţiunilor de Stat, înlocuirea ideii de proprietate cu aceea de slobozenie, au prilejuit întinse tăeri şi distrugeri de păduri de tot felul din partea populaţiunilor. Efectele acestor stări anarhice s'au resimţit cu atât mai mult, cu cât suprafaţa şi capitalul lemnos al pădurilor basarabene erau şi aşa mult prea reduse faţă de numărul şi nevoile populaţiunilor înconjurătoare.

Statisticele forestiere, cari cuprind, de fapt, numai o perioadă relativ restrânsă de timp, şi anume a ultimilor 7—8 decenii, oglindesc lămurit fenomenul de continuă restrângere a suprafeţei pădurilor. Cadastrul din 1850 arată o suprafaţă păduroasă de 365.150 ha sau 8,2% din întinderea totală a provinciei. In publicaţiunile Institutului geografic militar rus, aflăm, pentru anul 1895, 251.828 ha sau 5,6%; iar în statistica noastră forestieră pentru anul 1929, numai 219.193 ha sau abia 4,9% din întinderea totală. Aşa dar, în răstimpul 1850—1929, suprafaţa păduroasă a Basarabiei a scăzut cu cca 40%. In ceeace priveşte sleirea capitalului lemnos din pădurile rămase, statistica noastră forestieră pentru anul 1929 ne arată că, în timp ce pentru întreaga Românie, pădurile de vârstele 1—40 ani, ocupă 51% din suprafaţa totală, în Basarabia pădurile de aceleaşi vârste tinere ocupă 93%. Aceasta înseamnă o mare sărăcire a capitalului lemnos. Nu putem să arătăm pe cale de cifre starea de slabă desime a pădurilor basarabene, care are drept urmare o producţiune lemnoasă mai redusă. In cercurile specialiştilor este însă ştiut că aceste păduri stau şi în această privinţă cu mult în urma pădurilor din Ţara întreagă. După anumite aprecieri [4]), puterea de creştere lemnoasă a pădurilor basarabene ar atinge, în mijlociu numai 1,800 $m^3$ pe an şi la ha faţă de 2,600 $m^3$ cât ar fi mijlocia pentru întreaga ţară. Amin-

4) Sburlan :Holzproduktion... Pag. 17.

tim că în Bucovina creşterea pădurilor este în mijlociu de 3,100 m³ pe an şi la hectar. După alte aprecieri [5]), producţiunea lemnoasă a pădurilor basarabene ar fi şi mai scăzută şi numai 1,600 m³ pe an şi la hectar. In total, ar fi vorba de o producţiune anuală de 360.000 m³, din care 70% ar reveni lemnului de foc, iar restul de 30% celui de lucru şi construcţii de tot felul.

Intrând sub regimul românesc, Basarabia a adus, în 1918, păduri relativ foarte puţine şi în cea mai mare parte secătuite, mai întâi, din pricina naturii proprietăţii şi a regimului de îngăduinţă al legilor silvice ruseşti şi apoi, şi din aceea a tăerilor, păşunărilor şi distrugerilor anarhice din perioada răsboiului şi a revoluţiunii.

Pentru îndepărţarea stărilor primite, Statul Român a luat neîntârziat o întreagă serie de măsuri atât represive, cât şi de ajutorare şi lucrare proprie. Ele s'au continuat neîntrerupt şi se continuă şi astăzi cu hotărîre.

Primele măsuri ale autorităţilor româneşti, au fost de a pune opreliste folosinţelor anarhice ale pădurilor şi a întrona progresiv ordinea. După aceea, aproape totalitatea pădurilor a fost trecută în proprietate de Stat, ca urmare a aplicării legilor de reformă agrară. Numai un rest neînsemnat de 9% din suprafaţa totală (şi anume cca. 20.000 ha) a fost lăsat mai departe, în proprietatea răzăşească, fiind format din păduri mărunte, greu de administrat şi de interes prea local. In acest fel, s'au creiat cele mai bune condiţiuni pentru o cultură forestieră mai avansată, ştiut fiind că Statul, ca apărător al intereselor obşteşti, este cel mai în măsură să păstreze şi să îngrijească pădurile, potrivit intereselor amintite.

In Iulie 1921, a fost prezentat Parlamentului român un proiect de lege în a cărui expunere de motive se puteau citi rândurile: „Actualul cod silvic rus, care se aplică în Basarabia, conţine dispoziţiuni cari sunt de natură a împiedica o bună gospodărie silvică".

„Pădurile din Basarabia se găsesc într'o stare deplorabilă şi a continua mai departe aplicarea regimului codului rus, riscăm a compromite cu desăvârşire viitorul pădurilor, deaceea

5) Ostianu: Problema lemnelor de foc în Basarabia, 1931.

am crezut că este necesar a se aplica codicele silvice din vechiul regat".

Intr'adevăr, Parlamentul a adoptat proectul de lege propus, format dintr'un singur articol. Astfel se desfiinţează legislaţia silvică rusească şi se introduce cea românească, cu începere dela 1 Mai 1922. Basarabia este prima provincie românească care şi-a unificat legislaţia silvică cu a Vechiului Regat. Deosebit de codul silvic şi de legile sale modificatoare, toate celelalte legi silvice votate în urmă, se aplică, bine înţeles şi în Basarabia, fără nici-o diferenţă. In acest fel. regimul silvic prescris pentru gospodărirea pădurilor a devenit din ce în ce mai aspru şi mai potrivit cu interesele obşteşti. Defrişarea pădurilor este oprită aproape cu totul; deasemenea păşunatul cu vitele stricător. Tăerea lor nu poate fi făcută decât cu învoirea autorităţilor şi numai după ce s'au luat toate măsurile ca părţile de pădure tăiate să fie nemijlocit reîmpădurite.

Deosebit de toate acestea, administraţia silvică românească a săvârşit lucrări întinse de îmbunătăţire a pădurilor basarabene, prin cultură proprie.

De unde sub stăpânirea rusească, pădurile respective erau tăiate la vârste relativ mici, de crâng [6]), sub cea românească s'a trecut cu hotărire la o ridicare continuă a vârstelor de tăere, cu gândul de a se mări capitalul lemnos de producţiune şi de a se obţine nu numai lemn de foc, ci şi de lucru şi construcţie. Până în 1935, din pădurile Statului, peste 60.000 ha erau cultivate in regimul codrului, adică pentru vârste mari, în jurul sau peste 100 ani. Restul de cca. 137.000 ha se cultivau în crâng simplu sau crâng compus, adică la vârste mai reduse. De atunci, suprafaţa de pădure de cultivat în codru a fost continuu mărită, pe socoteala celei de crâng. Deosebit de aceasta, multe suprafeţe de păduri au fost puse la odihnă (trecute în perioada de aşteptare), spre a se reface după devastările şi tăerile prea dese din trecut. Până în 1930, acestea atingeau 27.000 ha sau peste 14% din suprafaţa păduroasă a Statului. Apoi, chiar şi în cuprinsul pădurilor puse în exploatare, tăerile s'au fixat mai prejos decât cele ce ar fi trebuit după socoteli (în 1930, 4087 ha faţă de 5.150 ha, în pădurile Statului).

6) ...„în anul 1918 pădurile cu arborete mai in vârstă de 40—50 ani erau o raritate în Basarabia" (Colpacci Grigore: Contribuţiuni la studiul economiei forestiere..., Pag. 69).

Prin atari măsuri, se urmăreşte — cum am mai spus — mărirea capitalului lemnos de pretutindeni şi obţinerea şi de lemn de lucru şi construcţiune. Dar, pe de altă parte, se reduce, deocamdată, cantitatea de lemn de tăiat. Cu alte cuvinte, se fac economisiri în vederea unei mai bune producţiuni viitoare. O atare măsură n'a putut fi luată decât de prin 1924/25, adică de când s'a îmbunătăţit situaţia căilor de transport şi aprovizionarea cu lemn din alte provincii româneşti.

Lucrări de împădurire s'au făcut şi sub regimul rusesc, cu începere de pe la jumătatea secolului al XIX-lea. Până la începerea războiului mondial (1914), se plantase, în total, suprafaţa de 1.700 ha. Rezultatele acestor lucrări sunt îndoelnice. După războiu, administraţia silvică românească a luat măsuri viguroase pentru lărgirea suprafeţei pădurilor, la împlinirea rariştilor şi golurilor prin împădurire artificială. Din 1919 şi până în vara anului 1936, adică în răstimp de 18 ani, se plantase în total, suprafaţa efectivă de 27.500 ha. In mijlociu ar veni pentru fiecare an cca. 1.500 ha, ceeace face aproape cam cât s'a plantat sub regimul rus în 60 ani. Lucrarea este în neîntreruptă creştere. Astfel, în anul 1935, s'a plantat suprafaţa efectivă de 4.300 ha, iar în primăvara anului următor, de cca. 3.500 ha. Din suprafaţa totală de mai sus, cca. 14.000 ha sunt arborete noui înfiinţate, iar restul împliniri şi refaceri de arborete degradate. Pe lângă această simplă creştere a suprafeţei păduroase, s'a ajuns la mari câştiguri şi în privinţa calităţii lucrărilor, pe temeiul învăţămintelor din trecut şi a obişnuinţei. De unde la început se făceau plantaţiuni numai cu salcâm, astăzi se păşeşte din ce în ce mai hotărît către păduri constituite din specii forestiere locale sau potrivite locului, atât prin plantaţiuni cât şi prin semănături deadreptul. Spre acest sfârşit, se depun stăruinţe mari, de câţiva ani, pentru recoltarea de seminţe forestiere în păduri locale. Astfel, în perioada 1931—1935 ani, Direcţia silvică din Chişinău a putut recolta anual în mijlociu, peste 25.000 kg şi peste 2.300 hl seminţe forestiere diverse. In 1935, recoltările respective s'au urcat la 42.000 kg şi 1.130 hl, la cari trebuie să se adauge şi acelea ale Inspectoratului silvic Chişinău, în cantitate de 68.000 kg şi 1.730 hl, adică în total 110.000 kg şi 2.860 hl seminţe forestiere diverse. Apoi s'au înfiinţat numeroase pepiniere pentru producerea puieţilor trebuitori la facerea plantaţiunilor de

păduri și pământuri netrebnice (coaste surpătoare, etc.). In 1936, suprafața pepinierelor înființate de instituțiile silvice în Basarabia, trecea de 415 ha, cu o producție anuală de peste 40.000.000 de puieți [7]).

O lucrare oficială, care ne cade în mână în ultimul moment [8]), arată că suprafața împădurită (din nou și completări de rariști în păduri existente), de organele silvice ale Statului în Basarabia, cu începere din 1920 și până în 1939, se urcă la 39.000 ha. In acelaș răstimp, au fost produși 341.000.000 puieți în pepiniere silvice și s'au strâns cantitățile de 1.200.000 kg și 22.000 hl semințe.

Alături de lucrările săvârșite direct, organele silvice, în unire și cu alte autorități de Stat, au desfășurat o activitate stăruitoare de educare forestieră a populațiunilor, între altele, prin acea „serbare a arborelui", la care a luat parte, an de an, mai cu seamă, școlărimea.

Marele interes pe care Statul român îl arată, în general, pădurilor Țării, se vede și din neobișnuita desvoltare dată serviciilor sale de administrație silvică. Astăzi, avem trei administrațiuni silvice deosebite, în timp ce până acum 10 ani aveam o singură administrație. Una, zisă Administrația pădurilor Statului. O a doua: Direcția Silvică, se ocupă cu supravegherea bunei rânduieli în toate pădurile Țării, de orișice fel, precum și cu ameliorarea terenurilor degradate. A treia este Direcția pădurilor persoanelor juridice. Desvoltarea mare din ultimii ani a lucrărilor de întindere și îmbunătățire a stării pădurilor se datorează și înființării acestor administrații silvice. Pe viitor, se așteaptă și mai mult dela acestea, deoarece sunt abia la începutul orânduelii lor.

Măsurile acestea hotărîte luate de autoritățile românești, vor conduce, de bună seamă, către o întărire a izvoarelor de produse forestiere și mai ales de lemn din Basarabia. Trebuie, însă, să ne ferim de a ne aștepta la efecte favorabile imediate.

---

7) Datele de mai sus privitoare la lucrările de plantațiuni sunt luate din lucrarea: Colpacci Grigore: Contribuțiuni la studiul economiei forestiere din Basarabia. 1936. (Manuscris în biblioteca ICEF-ului).

8) Darea de seamă a Serviciului Refacerii Pădurilor din Direcțiunea Comercială a Pădurilor, dela Jurn. Nr. 39.496/940.

Până ce plantațiunile actuale să ajungă a produce lemn, vor trebui să treacă mai multe decenii. Felul cum se conduc tăerile în păduri, are drept urmare astăzi, o restrângere momentană, chiar a recoltelor anuale de lemn, în schimbul unui mai bun viitor. Este în afară de orișice îndoială că economia forestieră basarabeană se însănătoșează necontenit pentru mai buna stare materială și putem spune și sufletească a generațiilor viitoare.

## II.

## Economia lemnului în Basarabia

Așa cum s'a arătat în rândurile de mai sus, pădurile basarabene sunt relativ restrânse ca suprafață, sărace în capital lemnos și cu o creștere lemnoasă anuală redusă. In toate aceste privințe, Basarabia stă cu mult în urma oricăreia dintre provinciile istorice românești. Consecința acestor stări de lucruri a fost că de timpuriu, odată cu sporirea populațiunii, a început să se resimtă cu crescândă tărie și lipsa de lemn.

Dacă ținem seama chiar numai de întinderea pădurilor, în Basarabia revine, astăzi, pentru suta de locuitori, cam 7 ha pădure, în timp ce pentru întreaga Țară, avem peste 33 ha, iar în Bucovina 53 ha. Nevoile de produse forestiere ale locuitorilor apar și mai grele dacă luăm în considerare și celelalte părți slabe ale pădurilor basarabene, pe lângă mica lor întindere, adică: creștere redusă și capital lemnos sleit. Apoi, producțiunea lemnoasă a acestor păduri se mărginește la un redus număr de sortimente și anume dintre cele mai inferioare: lemn de foc și un foarte redus procent de lemn de lucru și construcții de mici dimensiuni, în primul rând pentru construcții rurale. Lipsește cu totul lemnul de lucru și construcție de dimensiuni mijlocii și mari și mai ales cel de rășinoase. Pentru acoperirea acelor nevoi Basarabia a devenit, cu mult înainte de Unire, un ținut de import, adică în dependență de producțiunea lemnoasă a altor ținuturi învecinate, mai bine situate, atât în această privință, ca și a căilor de transport. După calculele D-lui Inginer Silvic M. Ostianu [9]), consumul

9) Problema lemnelor de foc... Pag. 49.

total de materiale combustibile părţi de arbori şi plante ar echivala pentru împrejurările de prin 1930, cu aproape 3.500.000 m³ lemn de foc. Din această cantitate, abia 8% (ceva peste 250.000 m³) este acoperită din producţia de lemn de foc proprie a provinciei. Restul de 92% este acoperit de importul de lemn sau, mai ales, cu alte materiale proprii, ca: pae, tulpini de floarea soarelui, porumb, stuf, tizic, etc.

Desobişnuinţa de a folosi lemnul de foc, este aşa de mare, incât autorul amintit a putut să formuleze regula:

„Populaţiunea sătească din toate colţurile Basarabiei, cu sediul la depărtări, în mediu, de peste 20 km dela păduri, arde numai materii nelemnoase [10]). In atari condiţiuni ar intra ¼ a Judeţului Soroca, ²/₃ a Jud. Bălţi, ½ a Jud. Tighina şi Cahul şi în întregime Jud. Ismail şi Cetatea-Albă. O gospodărie ţărănească mijlocie din Nordul Basarabiei, deci dintr'un ţinut relativ mai bogat în păduri, ar avea nevoie pentru un an întreg de 5.200 kg materiale nelemnoase şi numai de 1.000 kg lemn pentru ars. Chiar morile, fabricile de var, etc. nu ard uneori decât materiale nelemnoase. Dacă prin atari materii combustibile complimentare, problema lemnului de foc este într'o oarecare măsură uşurată, ea devine foarte gravă în anii secetoşi, mai obişnuiţi în Basarabia decât în restul Ţării.

In ce priveşte lemnul de lucru şi de construcţie, deşi dezacordul dintre nevoi şi producţiunea proprie este cel puţin tot atât de mare ca şi în privinţa lemnului de foc, problema nu este atât de gravă. Acesta având o valoare mai mare faţă de greutate şi volum, suportă cu mai multă uşurinţă transportul dela distanţă. După acelaş izvor [11]), şi pentru acelaş timp, cca. 63% din producţiunea lemnoasă a pădurilor Statului se desfac pe loc, adică în localităţile din imediata vecinătate a pădurilor; 20,5% în localităţi din raza ocoalelor silvice respective şi numai 16,5% în localităţile din afara unora dintre ocoalele silvice prisoselnice. Nu mai vorbim de producţiunea pădurilor ţărăneşti, care se consumă aproape exclusiv numai pe loc. La această inegală repartiţie, contribuie, pe deoparte, starea rea a căilor de transport din cuprinsul provinciei, iar pe de alta, puterea de cumpărare, în general foarte redusă a populaţiunilor.

10) Idem, pag. 44.
11) Idem. pag. 36.

Basarabia se învecinește la răsărit și nord cu ținuturile de stepă ale Ucrainei și mai sărace în păduri și, deci, în suferință de lemn și mai mare decât Basarabia. Spre apus, în schimb, este legată de ținuturile românești, mult mai bogate în păduri și cu prisos de lemnărie. Norocul face să se adauge la această împrejurare și faptul că legătura respectivă se face, între altele, și prin mijlocirea unor favorabile căi de transport: apele plutibile, cum sunt: Nistrul, Dunărea cu Prutul, Bistrița și alți afluenți ai săi, cum și Marea. Se știe că cea mai potrivită cale de transport a lemnului — material greu și voluminos față de o valoare relativ redusă — este în general, apa plutibilă. Puținele scrieri ce ne pot sta la îndemână, arată că și înainte de răsboi, adică în timpul când Basarabia făcea parte din spațiul economic rusesc, se importau însemnate cantități de lemn de orice fel, dar mai cu seamă de rășinoase din Carpații Moldovei și Bucovinei. Astfel, „în anii 1884—1886 s'au importat din România în Rusia (în cea mai mare parte pentru Basarabia), material brut și cherestea de brad în valoare de 1.000.739 ruble" sau 2.662.000 lei aur, „iar din Austro-Ungaria (probabil din Bucovina), în acelaș interval de timp s'a importat material brut și cherestea de brad în valoare de 4.650.000 ruble"... deasemenea din România „în anii 1902—1905, s'a transportat în Rusia (desigur Basarabia) material lemnos brut, cherestea și lemn de foc în cantitate de cca. 13.000 vagoane de 10 tone în valoare de 4.700.000 Lei [12]) aur".

Ingemănată în spațiul economic și național românesc, Basarabia se găsește, cel puțin din punct de vedere forestier, în mult mai bune condițiuni, cum este ușor de înțeles. Un ținut deficitar legat cu altul prisoselnic, într'o singură unitate economică, se întregesc spre folosul amândorora. Potrivit cercetărilor și statornicirilor D-lui inginer silvic Colpacci Grigore, consumul mijlociu de materiale lemnoase al Basarabiei, din jurul anilor 1935/36, s'ar urca la cca. 745.000 m³, repartizat pe sortimente astfel: cca. 20.000 m³ (2,6%) lemn de lucru esențe tari; 250.000 (33,6%) cherestea și lemn brut de rășinoase și 475.000 (63,8%) lemn de foc. Producțiunea locală ar acoperi numai 360.000 m³ lemnărie, adică 48% din consumul total și anume din cele mai inferioare sortimente: 10.000 m³ lemn de

12) Colpacci Grigore: Lucrarea citată. Pag. 10/71.

lucru esenţe tari şi 350.000 m³ lemn de foc. Se aduce din ţinuturile româneşti învecinate, cantitatea de 385.000 m³, adică 52% din consumul total şi anume dintre cele mai preţioase sortimente: 250.000 m³ lemn de răşinoase (întregul consum din aceste materiale), 10.000 m³ lemn de lucru esente tari şi 125.000 m³ lemn de foc. Mai toată această lemnărie se aduce din Bucovina şi Moldova şi în oarecare măsură din Transilvania. Suspendarea nagivaţiei pe Nistru reprezintă o pierdere serioasă pentru o şi mai activă aprovizionare a Basarabiei cu lemn bucovinean.

Abstracţie de mica industrie ţărănească de lemnărie (căruţărie, rotărie, dogărie), aflăm în Basarabia şi o oarecare industrie de cherestea, mai ales. Ea este aşezată în primul rând, în legătură cu căile de transport. Cele mai multe şi însemnate fabrici de cherestea sunt situate în localităţiile de pe malul Dunării (Reni, Ismail, Chilia), apoi dealungul Prutului, fiind hrănite cu lemnul adus mai ales din Bucovina şi Moldova. Prin 1935/36, se aflau 15 fabrici de cherestea şi 15 alte întreprinderi industriale mari cu 33 gatere verticale şi o forţă motrice de cca. 835 CP.

Capacitatea lor de lucru, evaluată la 220.000 m³ lemn anual, era utilizată în slabă măsură. Mai există o industrie zisă mijlocie care se ocupă cu o mai intensă prelucrare şi industrializare a lemnului (mobile, căruţărie, dogărie, scule, diverse instrumente, etc.) aşezată uneori în legătură cu centrele de producţie şi mijloacele de transport, alte ori cu centrele de consum (Chişinău, Tighina, Orhei, Bălţi, etc.). Puterea motrice era evaluată pentru 1935/36 la cca. 175 CH.

## Incheere

Rezumând cele de mai sus, se poate spune că Basarabia reprezintă provincia istorică românească cu cele mai puţine şi mai slabe păduri. Producţiunea lemnoasă a acestora este departe de a putea acoperi nevoile proprii cele mai elementare, de atari materiale, încât provincia noastră de peste Prut a fost de mai multe decenii, este şi va continua încă multă vreme a fi, un ţinut prin excelenţă deficitar sub acest raport. Problema lemnului este agravată prin încă trei împrejurări: 1. repartiţia neegală a pădurilor sale; 2. lipsa de mijloace interioare de transport potrivite; 2. climat capricios, cu o stărui-

toare bântuială a secetelor cari lipsesc populațiunile de alte materiale complimentare de combustiune (resturi de plante agricole). Din acestea rezultă o mare variațiune în spațiu și în timp a lipsei de lemn, în general și mai ales de foc.

Sub regimul românesc s'a desfășurat o viguroasă lucrare de întărire a pădurilor prin împăduriri noi, prin îmbunătățirea arboretelor, prin ridicarea vârstei de tăere. La acestea trebue adăugat faptul trecerii în proprietate de Stat aproape a tuturor pădurilor, înăsprirea îngrădirilor de folosință a pădurilor, orânduirea unor administrațiuni silvice cu o mai mare capacitate de înfăptuire. Pădurile basarabene au fost conduse, sigur, către o mai sănătoasă producțiune. Efectele măsurilor de acest fel, sunt însă de viitor. Ceeace s'a făcut până acuma poate fi socotită drept o capitalizare pe termen îndelungat.

Basarabia a fost, chiar și sub stăpânirea rusească, dependentă, sub raportul lemnului, de ținuturile românești excedentare din apusul său. Odată cu reintegrarea sa în unitatea națională și economică românească, Basarabia își află o și mai potrivită împlinire a nevoilor sale de lemnărie.

După împrejurările din 1935/36, mai mult de jumătate din consumul său de lemnărie, și anume dintre sortimentele cele mai prețioase, vine din pădurile bucovinene, moldovenești și transilvănene. Imbunătățirea condițiunilor de transport pe deoparte și ridicarea puterii de cumpărare a populațiunilor pe de alta, vor face ca îngemânarea provinciei noastre de peste Prut în spațiul vital românesc să fie și mai deplină, din punctul de vedere forestier.

## LITERATURA:


1) *V. Arnold:* Russlands Wald. Berlin, 1893 (traducere din rusește);

2) *Colpacci Grigore,* Inginer Silvic: Contribuțiuni la studiul economiei forestiere din Basarabia. (Manuscris. Lucrare de subinspector. 1936).

3) *Demetrescu C. Ilie,* Inginer Silvic. Dr.: Das Problem der einheitlichen Forstgesetzgebung in Rumänien. București, 1933.

4) *Ionescu Metodie,* Inginer Silvic: Lucrări de inobilarea masivelor în Ocolul silvic Sadova. (Manuscris. Lucrare de subinspector, 1936).

5) *Ostianu M.,* Inginer Silvic: Problema lemnelor de foc în Basarabia. (Manuscris. Lucrare de subinspector, 1931);

6) *Sburlan D.,* Profesor, Dr.: Holzproduktion, Holzindustrie und Holzhandel von Rumänien. Sibiu, 1933.

*La Bassarabie dans l'éspace roumain*

*Bessarabien im rumänischen Lebensraume*

L'auteur tâche à mettre en lumière les rapports forestiers de la Bassarabie avec les autres contrées roumaines ou étrangères. Il envisage:

1) Les ressources forestières de la Bassarabie.

2) La mesure dans laquelle elle envoie au-delà de ses frontières, ou elle reçoit des produits forestiers des autres régions roumaines ou étrangères.

En subsidiaire, on fait une parallèle entre la situation d'avant et d'après l'annexion de cette région à la Roumanie.

La Bassarabie représente la région historique roumaine possédant la plus réduite surface forestière.

D'après diverses estimations, la croissance de ses forêts serait de 1,6—1,8 $m^3$ par année et par ha, tandisque la moyenne de toutes les forêts de la Roumanie serait de 2,6 $m^3$ (3,1 $m^3$ pour les forêts de la Bucovine).

La production ligneuse est loin de pouvoir couvrir les nécessités les plus élementaires de cette région, car elle a été depuis plusieures décades, est et sera pour longtemps, une contrée déficitaire, par excellence, en bois. Le problème du bois est encore plus agravé par la répartition inegale de ses forêts et par le manque des voies de communications. La production locale ne couvre que 8% des besoins en bois de cette réigon. Le reste est couvert par des importations et par d'autres produits combustibles (restes des plantes agricoles). La situation se présente avec le même aspect quand il s'agit de bois de contruction ou de bois d'oeuvre. Ce sont les Carpathes roumaines qui ont été la source extérieure d'approvisionnement en bois, même sous la domination russe, et surtout depuis son annexion à la Roumanie. D'après les circonstances de 1935/36, environ 52% de sa consommation totale en bois a été couvert par les régions mentionnées.

En liaison avec l'importation du bois, a pris naissance en Bassarabie une industrie forestière surtout au long du Danube et du Prut.

Sous le régime roumain s'est développé une vive activité en vue de l'amélioration des peuplements et par élevement du terme de l'exploitabilité. Puis sur de grandes surfaces, on a executé des travaux de reboisement. A tout cela, il faut ajouter le fait que presque toutes les forêts de ce pays ont été passées dans la propriété de l'Etat. Enfin, les restrictions à l'exploitation de ces forêts et l'organisation d'une géstion rationnelle démontrent une grande capacité de réalisation de la part de l'administration roumaine. Jusqu'en 1939 la surface reboisée sous le régime roumain, monte à 29.000 ha.

En même temps on a produit dans les pépinières domaniales environ 340 millions de plants et on a récolté environ 1.200.000 kg et 22.000 hl graines forestières

## LUCRĂRI DE SUBINSPECTOR ŞI LUCRĂRI DE DOCTORAT

de Ing. Dr. G. T. TOMA

Răsfoind colecţia lucrărilor de subinspector (dela Biblioteca ICEF.), îţi dai seama că ele cuprind un material valoros şi constituesc o contribuţie de mare preţ la îmbogăţirea literaturii noastre silvice. Este adevărat, cea mai mare parte din ele sunt monografii. Cercetări ştiinţifice se găsesc puţine. Şi lucrul nu este de mirare, fiindcă examenul de subinspector nici nu cere dovedirea capacităţii ştiinţifice, ci urmăreşte principial numai selecţionarea elementelor destinate activităţii de control şi conducere.

Zic „principial", fiindcă în realitate nu este aşa de mult vorba de selecţionare cât de trecerea unei bariere legale, care deschide drumul spre gradele superioare, de cari este strâns legată salarizarea. Poate că ar fi mai bine ca salarizarea să fie legată de gradaţii, adică de vechime, iar de grad să fie legată funcţia. Lucrul acesta va trebui să fie studiat cu prilejul modificării legii de organizare a Corpului silvic, care este de mult aşteptată.

Dar chiar acele puţine însă valoroase lucrări cu caracter ştiinţific strecurate printre tezele de subinspector dovedesc că preocupările de această natură nu lipsesc la şefii de ocoale (cel puţin la unii dintre ei), ori cât ar fi de împovăraţi de gestiunea averii ce le este încredinţată. Poate se va găsi cu timpul mijlocul de a se publica acelea dintre lucrările de subinspector, cari aduc câte o contribuţie originală. Pentru autori ar fi un stimulent, pentru literatura silvică un câştig.

Un alt mijloc, prin care literatura noastră s'ar putea îmbogăţi în lucrări originale, îl constitue examenul de doctorat. Deşi sunt şase ani, de când s'a introdus acest examen la Politechnica din Bucureşti, totuşi primul doctor-inginer silvic n'a apărut încă. Câteva intenţii s'au ivit, dar au rămas până

acum fără rezultat. Faptul acesta nu trebue nici privit cu nepăsare nici interpretat greşit. Nu trebue în nici un caz să se deducă de aici că între membrii Corpului nu se găsesc oameni cu preocupări de ordin ştiinţific. Dovadă, lucrările de subinspector pomenite mai sus, apoi concediile de studii în străinătate. In ultimii şase ani şi-au luat doctoratul şase ingineri silvici în Germania, doi în Franţa, unul în ţară (la Academia Comercială). Prin urmare doctorate în ştiinţele silvice s'au luat, dar nu la noi în ţară. De ce preferă oare tinerii studioşi să plece în străinătate, unde au de luptat cu necunoaşterea limbii, cu dificultăţi provenite din condiţiile forestiere deosebite ale ţării respective etc., în loc să-şi scrie disertaţia în limba maternă şi să-şi treacă examenul de doctorat la Bucureşti? Răspunsul este simplu: pentru că e mai uşor să obţii un concediu de studii în străinătate decât în ţară. Iar pentru ca să faci o lucrare bine studiată, ai într'adevăr nevoie de concediu. O teză de doctorat originală presupune îndelungate măsurători pe teren, îndelungate calcule la birou, îndelungate eforturi pentru o redactare metodică în stil ştiinţific. O disertaţie poate fi şi numai tratarea ştiinţifică a unui subiect oarecare, folosindu-te de literatura existentă. Dar nici asta nu se poate face aşa, printre picături.

In Germania, cea mai mare parte a tezelor de doctorat se pregătesc în institutele de cercetări. Aceste institute au pieţe de experienţă permanente, în cari se fac măsurători periodice, al căror rezultat se găseşte înscris în anumite registre. Un material din ce în ce mai bogat se acumulează cu timpul în institutele forestiere. Acest material nu este aproape niciodată studiat din toate punctele de vedere ,adică folosit „până la epuizare". Cineva care se prezintă în institut, cu gândul de a face o teză de doctorat, este de obiceiu primit cu bucurie, fiindcă el devine prin aceasta un adevărat colaborator, un om care-şi pune serviciile lui la dispoziţia institutului. Profitul doctorandului este că activând într'o instituţie, în care se lucrează după procedee ştiinţifice, îşi însuşeşte metoda de cercetare şi poate, sub îndrumarea profesorului respectiv, să-şi pregătească disertaţia. Profitul institutului este că a prilejuit producerea unei lucrări mai mult, sporindu-şi prin aceasta prestigiul.

Foarte frecvent este cazul următor. Un tânăr silvicultor,

ieşit nu de mult din şcoală — cetăţean german, bine înţeles — se angajează în institut ca asistent şi activează în această calitate câţiva ani. In acest timp face câteva lucrări pentru institut, dintre cari una o prezintă la facultate ca disertaţie. Cunosc pe cineva care a prezentat drept teză de doctorat o lucrare ce a fost cerută institutului în mod oficial de către Administraţia silvică a Statului (Reichsforstamt). Era vorba de alcătuirea unei table de producţie, care să dea, nu volumul nici creşterea la hectar, ci procentul diferitelor sortimente (în funcţie de vârstă şi de diametrul mediu).

Am ţinut să amintesc acest lucru, pentru a-l pune faţă în faţă cu prejudecata ce există la noi, că o lucrare de serviciu, chiar când are un caracter ştiinţific, nu poate fi prezentată ca teză de subinspector sau ca disertaţie de doctorat. Aceasta este o concepţie greşită, la care trebue să se renunţe. Ştiinţa este un lucru prea scump, pentru ca să poată fi suportată de punga unui particular. La noi, unde pădurile sunt aşa de puţin studiate şi deci aşa de puţin cunoscute, ar trebui creiate toate înlesnirile posibile pentru a da un avânt mai mare cercetării ştiinţifice. Inginerilor, cari doresc să treacă examenul de doctorat în ţară, trebue să li se dea putinţa de a-şi pregăti disertaţia folosind timpul Statului şi banii Statului. Aceasta nu este o pagubă, ci mai degrabă un câştig pentru ţară. De nu se va face aşa, tinerii noştri cu dor de perfecţionare vor evada în străinătate ca şi până acum, iar pe primul doctor-inginer silvic dela Politechnica din Bucureşti îl vom aştepta încă multă vreme.

*Travaux de sousinspecteur et de doctorat.*

*Oberforstmeisterarbeiten und Dissertationen.*

Vor sechs Jahren wurde an der Technischen Hochschule Bukarest die Doktorprüfung eingeführt. Trotzdem hat an der Forstlichen Fakultät noch niemand bis jetzt promoviert. Verfasser prüft die Ursachen dieser Tatsache und schlägt für die Stimulierung der wissenschaftlichen Tätigkeit auf forstlichem Gebiet eine grössere Unterstützung von seiten des Staates vor. In diesem Sinne wäre es wünscheswert, die Möglichkeit zu finden, auch die besten von den Oberforstmeisterarbeiten (Arbeiten, welche in Rumänien für die Oberforstmeisterprüfung erforderlich sind) zu veröffentlichen.

# INFLUENȚA RECIPROCĂ DINTRE CLIMĂ ȘI PĂDURE

de T. BĂLĂNICĂ

Intre pădure și climă există un complex de relații mai greu sau mai ușor de definit (de dovedit, de exprimat) după cum se pune problema și după posibilitățile de investigațiune.

Că pădurea (existența, prezența ei) e condiționată de climă, e un lucru dovedit și admis. Mai dificil de rezolvat e cealaltă parte a problemei: influența pădurii asupra climei.

Privind puțin istoric chestiunea, vedem că ea a început să agite spiritele cercetătorilor la începutul secolului trecut, în Franța, pentrucă defrișările pe scară mare, din timpul revoluției franceze, au fost urmate de inundații, formațiuni de torenți, etc., calamități cari au fost considerate ca o consecință a devastării pădurilor. Plângeri împotriva stricării pădurilor începuse să curgă deja prin 1792, dar Administrația Statului (francez) a început a se ocupa de chestiune ceva mai târziu, după ce se mai liniștise lucrurile, și anume prin 1803 când s'a cerut tuturor prefecților să alcătuiască statistici despre despăduririle efectuate în departamentele respective. Răspunsurile primite în anul următor stau la baza a două lucrări semnate de Rougier de la Bergerie [Les forêts de la France Leurs rapports avec les climats, la température et l'ordre des saisons, etc. Paris 1817] și Rauch [Régénération de la nature végétale, etc. Paris 1818]. Lucrul surprinzător în statisticile de bază din aceste lucrări e ideea comună că pădurea are o influență asupra climei (temperaturii, precipitațiilor, etc.) fără a se aduce însă cercetări, cifre, în sprijinul afirmației. Rauch găsește explicația acestui acord în faptul că o carte a lui, „Harmonie hydro-végétale et météorologique" publicată la Paris în 1802, a circulat și stat desigur la îndemâna prefecților care s'au slujit de ea pentru rezolvarea chestiunii. In 1822, s'a

repetat povestea cu cereri de statistici și răspunsuri, fără a se aduce ceva nou. Singur un conservator de ape și păduri, pe nume Dralet, declară că deoarece cercetările n'au condus la nici o concluzie ca lumea, se mulțumește cu păreri și presupuneri.

Firește problema a început să aibă răsunet și în alte țări, în Elveția, Belgia, Germania. O lucrare a lui Moreau de Jonnes, publicată la Bruxelles în 1825 e tradusă de Widenmann în nemțește [Untersuchungen über die Veränderungen, die durch Ausrottungen der Wälder im physikalischen Zustand der Wälder entstehen" Tübingen, 1828]. Humbold, în „Ansichten der Natur", 1859, ia și el atitudine față de problemă (dacă pădurea are o influență asupra climei) arătând că o deslegare nu se poate găsi decât prin cercetări exacte.

Și în adevăr, în Germania, pentru prima dată, se pun bazele unei meteorologii forestiere experimentale, începându-se cercetări în statele germane (Bavaria, Prusia, Austria) și apoi în Elveția, Franța, Suedia, etc. Menționăm ca date istorice 1864, anul când s'a hotărît în Bavaria înființarea stațiunilor meteorologice forestiere și 1866, anul când a început să funcționeze prima stațiune, pentrucă e vorba de cercetări organizate și oficial [căci altfel, se pot cita anterior lucrărilor din Bavaria, încercările lui Krutzsch, Tharandt, primul care a început observațiuni comparative în pădure, în 1854, și ale lui Nördlinger, care în 1860 a pornit cercetările în Hohenheim] și numele a doi cercetători Ebermayer (München) și Müttrich (Eberswalde) care și-au legat numele de aceste cercetări.

Rezultatele tuturor acestor străduințe le cunoaștem dela cursul de politică forestieră, capitolul „foloase imateriale ale pădurilor" și se pot găsi rezumate și în lexiconul forestier al lui Busse pe care l-am folosit și noi în parte pentru aceste date. Se insistă în aceste cercetări în special asupra a patru elemente climatice: temperatura aerului, umiditatea aerului, cantitatea de precipitațiuni, evaporațiune, fără a se găsi însă în cifrele obținute o expresie a influenței pădurii asupra climei. Va să zică, la început în mod speculativ, mai târziu experimental, problema cercetată n'a putut fi rezolvată. Adică nu s'a găsit în observațiunile făcute un răspuns afirmativ, categoric: da, pădurea are o influență asupra climei. Pentrucă în fond asta se urmăria, să se pună la îndemână politicei forestiere o armă

matematic datele rezultate din observaţiuni şi eliminând influenţele altor factori (altitudine, latitudine, etc.) a dedus că pentru regiunea considerată din cantitatea precipitaţiilor 6% se datoresc prezenţei pădurilor şi că influenţa pădurii e mai simţită (mai mare) în timp de secetă.

Ce s'a întâmplat cu staţiunile iniţiate în 1864 în Germania şi imitat apoi în toată Europa? Ebermayer la München şi Müttrich la Eberswalde au înfiinţat cunoscutele staţiuni duble. O staţiune era în pădure, o alta corespunzătoare era în câmp liber. Diferenţa dintre clima de pădure şi cea din câmp liber urma să definească influenţa pădurii asupra climei. Prin aceasta s'a făcut însă o confuzie în felul de a considera macroclima şi microclima. Ebermayer şi Müttrich verbeau despre clima pădurii însă faceau observaţiuni numai în zona trunchiurilor, deci numai într'o parte din domeniul climei pădurii. Pe urmă, distanţele dintre staţiuni şi liziera pădurii erau, în genere, mici, de 100—300 m încât, firesc, nu se putea obţine ceeace se urmăria.

Dar, Geiger ia şi altfel chestiunea. Şi anume dela titlu. Ce va să zică „influenţa pădurii asupra climei?". Măreşte pădurea cantitatea precipitaţiunilor? Micşorează pădurea variaţiile de temperatură? Micşorează pădurea intensitatea vânturilor? Includ aceste întrebări clima unei întregi ţări? Sunt adică de domeniul macroclimei? Să amânăm, zice el, răspunsul la aceste întrebări în forma în care sunt puse. Să schimbăm adică domeniul, să cercetăm relaţiile dintre climă şi pădure în domeniul microclimei, pentrucă pe acest domeniu se petrec precis influenţe reciproce între climă şi pădure. Asta o ştie tot silvicultorul care a lucrat pe teren. Dar chiar dacă nu s'ar şti din practică, un experiment ipotetic ne convinge despre aceasta. Să considerăm o suprafaţa complect goală. Direct la sol domneşte o microclimă cu caracter extrem. Vara şi în timpul zilei, temperaturi mari (50° C. şi mai mult); noaptea, frig; în anotimpurile de tranziţie pericol de ger. Vântul este neîmpiedicat, de unde evaporaţie mare. Solul se usucă. Să presupunem că plantăm această suprafaţă. Deocamdată pueţii nu influenţează microclima. Există practic numai o acţiune a climei asupra pueţilor, care trebue să se adapteze condiţiilor staţiunii. Abia după ce plantaţia se închide, se schimbă relaţiile. Suprafaţa solului e acum umbrită. Asta înseamnă că razele soarelui

puternică, constatarea ştiinţifică a faptului că pădurea influenţează clima, pentru ca măsurile, legiuirile ce le-ar fi luat guvernul ţării pentru păstrarea, apărarea pădurilor, să poarte girul ştiinţei, care singură putea să înfrângă zelul devastatorilor, sau cel puţin al negatorilor.

Lucrul acesta, după cum am spus, se cam ştia. Dacă revenim asupra lui, o facem pentru a sublinia cauza pentru care cercetările întreprinse cu atâta ardoare n'au condus la rezultatul urmărit şi pentru a arăta noua poziţie a meteorologiei forestiere, creată, evident, de evoluţia ştiinţei în genere şi de cercetările lui Ebermayer, Müttrich şi Schubert în special. Consideraţiunile care urmează ne sunt prilejuite şi înlesnite de un articol al Prof. R. Geiger, Eberswalde, publicat în Forstarchiv, 15, 195—200, 1939 şi întitulat „Über die Wechselwirkung von Wetter und Wald.

Insuccesul cercetărilor din secolul trecut se datoreşte felului cum s'a pus problema pentru stadiul de atunci al ştiinţei; era prea greu pentru a o putea rezolva. S'a încercat să se folosească mai întâi datele măsurătorilor publicate de primele staţiuni meteorologice, examinându-se acestea în aşa chip încât să se poată stabili o diferenţă între datele ţinuturilor împădurite şi între acelea din ţările mai sărace în păduri. Nu s'a obţinut nici o concluzie valabilă pentrucă pe de o parte staţiunile erau prea rare pe acea vreme, iar pe de alta alţi factori climatici (latitudine, altitudine, forma terenului, situaţia faţă de centrele de acţiune ale atmosferii, etc.) nu permiteau — potrivit stadiului de atunci al ştiinţei — să se stabilească cu certitudine influenţa pădurii. Mai târziu se ivi ideea că despăduririle brusce sau împăduririle, pe scară mare, dintr'o ţară, ar prezenta pentru scopul urmărit un prilej de cercetări foarte important. Asemenea cazuri se ivesc în decursul istoriei unei ţări. Numai că în ţările unde pădurea se distruge pe scară mare nu prea se găsesc condiţiuni prielnice de cercetări, iar pe de altă parte împăduririle durează foarte mult. O metodă însă încununată de succes este aceea folosită de Prof. Schubert (Eberswalde). El a studiat numai un element meteorologic, precipitaţiunile, folosindu-se pentru observaţiunile lui nu de staţiunile meteorologice obişnuite, ci de 28 staţiuni pluviometrice — constituite într'o reţea strânsă şi urmărindu-le timp de un deceniu în Letzlinger Heide. A analizat cu mult discernământ şi spirit

matematic datele rezultate din observaţiuni şi eliminând influenţele altor factori (altitudine, latitudine, etc.) a dedus că pentru regiunea considerată din cantitatea precipitaţiilor 6% se datoresc prezenţei pădurilor şi că influenţa pădurii e mai simţită (mai mare) în timp de secetă.

Ce s'a întâmplat cu staţiunile iniţiate în 1864 în Germania şi imitat apoi în toată Europa? Ebermayer la München şi Müttrich la Eberswalde au înfiinţat cunoscutele staţiuni duble. O staţiune era în pădure, o alta corespunzătoare era în câmp liber. Diferenţa dintre clima de pădure şi cea din câmp liber urma să definească influenţa pădurii asupra climei. Prin aceasta s'a făcut însă o confuzie în felul de a considera macroclima şi microclima. Ebermayer şi Müttrich verbeau despre clima pădurii însă faceau observaţiuni numai în zona trunchiurilor, deci numai într'o parte din domeniul climei pădurii. Pe urmă, distanţele dintre staţiuni şi liziera pădurii erau, în genere, mici, de 100—300 m încât, firesc, nu se putea obţine ceeace se urmăria.

Dar, Geiger ia şi altfel chestiunea. Şi anume dela titlu. Ce va să zică „influenţa pădurii asupra climei?". Măreşte pădurea cantitatea precipitaţiunilor? Micşorează pădurea variaţiile de temperatură? Micşorează pădurea intensitatea vânturilor? Includ aceste întrebări clima unei întregi ţări? Sunt adică de domeniul macroclimei? Să amânăm, zice el, răspunsul la aceste întrebări în forma în care sunt puse. Să schimbăm adică domeniul, să cercetăm relaţiile dintre climă şi pădure în domeniul microclimei, pentrucă pe acest domeniu se petrec precis influenţe reciproce între climă şi pădure. Asta o ştie tot silvicultorul care a lucrat pe teren. Dar chiar dacă nu s'ar şti din practică, un experiment ipotetic ne convinge despre aceasta. Să considerăm o suprafaţa complect goală. Direct la sol domneşte o microclimă cu caracter extrem. Vara şi în timpul zilei, temperaturi mari (50° C. şi mai mult); noaptea, frig; în anotimpurile de tranziţie pericol de ger. Vântul este neîmpiedicat, de unde evaporaţie mare. Solul se usucă. Să presupunem că plantăm această suprafaţă. Deocamdată pueţii nu influenţează microclima. Există practic numai o acţiune a climei asupra pueţilor, care trebue să se adapteze condiţiilor staţiunii. Abia după ce plantaţia se închide, se schimbă relaţiile. Suprafaţa solului e acum umbrită. Asta înseamnă că razele soarelui

nu mai sunt absorbite de suprafața solului ci de un spațiu de mai mulți decimetri. Rezultă o îndulcire în mersul temperaturii; la suprafața solului se stabilește o zonă liniștită care e ca un strat protector în contra evaporațiunii. Când plantația a ajuns în starea de păriș, umbrirea solului și liniștea stratului de aer sunt și mai asigurate. Relațiile evoluiază cu desvoltarea plantațiunii. Se formează un strat intermediar între suprafața solului și suprafața arboretului. Suprafața arboretului are rolul de ceea ce se chiamă „suprafața exterioară activă", adică la nivelul ei se petrece tot procesul fenomenelor meteorologice, stratul intermediar în care practic nu mai este vânt, transmite la sol, temperaturile atenuate de sus. Evaporațiunea solului se reduce și ea căci se produce numai la nivelul suprafeței exterioare a coronamentelor.

Insfârșit, când arboretul e bătrân, stratul intermediar menționat a devenit spațiul trunchiurilor, în care este de astădată posibilă o mișcare a aerului. Către exterior spațiul acesta e închis de zona coronamentelor, la suprafața căreia se petrec toate fenomenele meteorologice.

Ce concluzie se impune, dar, cunoscând din practică aceste lucruri, sau bănuindu-le existența în cazul unui experiment ipotetic, raționând deci? Numai una: clima trebue cercetată deasupra coronamentelor și în raport de ea să se afle modificările dinăuntrul arboretului.

In adevăr, această concluzie a îndrumat nouile cercetări pe un alt drum decât pe cel de până acum. Incepând din 1924 au început să lucreze, în Germania, Geiger, Schmid-Curtius. Ungeheuer, studiind clima în arborete de pin, stejar, molift, fag, folosindu-se de turnuri de observație înalte de 17—27 m (în raport cu înălțimea arboretelor), care au permis să se vadă în cifre diferența dintre clima pădurii și aceea de deasupra coronamentelor și să se constate că într'un arboret bătrân există un număr de microclimate dispuse orizontal, unul deasupra altuia și anume: la suprafața solului, în zona trunchiurilor, în partea inferioară a coronamentelor și deasupra coronamentelor. Dar și mai felurite sunt microclimatele dispuse unele lângă altele, în care deasemeni se petrec influențe reciproce între climă și pădure. In această ordine de idei e de menționat liziera și forma pădurii, care merită multă atenție căci microclimatele sunt extrem de variate. De altfel, faptul e cunoscut de silvicul-

torul practician şi în lucrările de regenerare se ţine mult seama de aceste influenţe reciproce dintre climă şi pădure. Lipsesc însă măsurători, care să dea silvicultorului date pe bază de cifre. Se recunoaşte azi din ce în ce mai mult că microclima e un factor staţional foarte important, şi că pe viitor va trebui să fie luat în consideraţie tot aşa precum şi solul forestier ca factor staţional astăzi, are însemnătatea lui.

Aşa dar, adevăratele relaţiuni dintre climă şi pădure trebuesc căutate pe acest domeniu al microclimei. De aci se va putea trece la macroclimă, căci în ultimă analiză macroclima nu este altceva decât influenţa şi suma tuturor microclimatelor. Dacă cunoaştem regimul căldurii, radiaţiei, apei, în întreaga pădure şi comparăm cu cele corespunzătoare pentru solul descoperit trebue să se vadă şi o influenţă mai depărtată a pădurii.

In rezumat, deci, meteorologia forestieră a devenit dintr'o ştiinţă ajutătoare a politicei forestiere o ştiinţă ajutătoare a silviculturii. Câmpul ei de activitate e microclima. Pentru silvicultură şi meteorologie începe o nouă tovărăşie de muncă.

*Über Wechselwirkung von Wetter und Wald.*

*Influence réciproque entre le climat et la forêt.*

On discute la nouvelle position de la météorologie forestière, qui étant devenue expérimentelle et non plus spéculative comme au commencement, n'est plus une science auxiliaire de la politique forestière mais de la sylviculture. Son champ d'investigation est le microclimat.

## DAR LA ANUL?

de Ing. HORIA MANOLE

E oare prea de vreme să ne gândim la viitorul apropiat? Sau, e temerar să punem astfel de întrebări, acum, într'o zodie ce nu poate fi deslușită? Pentru „individul, luat în parte, s'ar putea să fie încă de vreme, dar pentru colectivitate, nicidecum.

S'au dat interview-uri, prin presă; s'au elaborat soluții, toate cu același scop: asigurarea combustibilului, pentru lumea consumatoare.

Și — firește — se scrie despre gazul metan, ca succedaneu al lemnului, ca și cum ar fi vorba despre faimoasa „ciupercă japoneză", vindecătoarea tuturor boalelor. Se vorbește despre întrebuințarea cărbunelui, la încălzit; despre gazul de sonde, etc., etc.

Fără îndoială, oricare din soluții, sau chiar numai părți din ele, ar ușura mult mereu actuala problemă a combustibilului. Decât, nici una din ele nu se pretează la improvizațiuni. Și, mai cu seamă, nici una nu se poate rezolva, nici măcar parțial, în timpurile de azi.

Rămâne pentru cel puțin 1½—2 ani, tot lemnul, baza încălzitului, ca și până acum.

Din Martie a. c. și până în August 1940, s'au întocmit tone întregi de situații, pe la autorități, având de scop să se țină o evidență a mersului tăierilor și transpoartelor, pe la depozite și gări. Bună idee, dar rău aplicată.

Defectuos felul de întocmirea situațiilor, care absorb o bună parte de timp prețios, în loc de a se da mâni de ajutor,

pentru intensificarea lucrului. De către autorităţi, desigur, către particulari.

Cred că se poate şti, fie chiar cu 10% aproximaţie, cantitatea de lemne de foc, ce se găseşte pe cuprinsul ţării, tăiate, şi se poate — prin urmare — stabili ceeace mai trebue, pentru acoperirea tuturor nevoilor, până la 1 Aprilie 1941. Din cercetările mele rezultă, că mai este nevoe încă pe cât se află tăiat, în prezent.

Poate fi această nevoe acoperită, în viitoarele 3—4 luni?

Poate fi transportată la gări, cantitatea respectivă, până la Noembrie şi cu vagoanele până la Ianuarie 1941?

Am mai pus aceste întrebări, acum câteva luni, tot prin Revistă.

Da! S'ar putea executa un astfel de program, cu 100.000 lucrători în plus pe termen de 3 luni. Altfel, nu!

Şi, dacă lucrurile se prezintă astfel, cum rămâne cu aprovizionarea anului 1941, care începe, obicinuit, la 1 Aprilie? Din moment ce se pune întrebarea, pentru nevoile acestei ierni, mă gândesc, în ce fel se poate răspunde la a doua propoziţie?! Dacă e vorba să se acopere nevoile unui an, respectiv 700.000 vagoane, sau 15 milioane metri steri, obligaţi suntem să întrezărim modalităţile. Nu de alta, dar pentru a se face economie cu hârtia ce se întrebuinţează, pentru şapirografiatul circulărilor! Dacă ar fi aşa de uşor, ca producţia să se intensifice, prin circulări, am avea, desigur, munţi uriaşi de lemne de foc, prin gări.

Din nefericire, aceia ce sunt puşi ca să producă efectiv, pe teren, au nevoe de *braţe, de vite, de căruţe* şi de *capitaluri*. Costul producţiei este dublu, faţă de trecut. De unde să ia exploatatorul, diferenţa de numerar, pentru a putea să producă aceiaşi cantitate, ca în trecut? Creditul e de domeniul istoriei. Atunci? Insolubilă problemă, în aparenţă, căci dacă s'ar proceda în materia aceasta, aşa cum se procedează în agricultură, unde Banca Naţională face împrumuturi pe gaj, soluţia ar fi ca şi „oul lui Columb".

Suntem, aşa dar, în August 1940.

Chestiunea lemnului de foc să nu-şi închipuie cineva că s'a rezolvat şi — prin urmare — nămeţii se pot întroeni la

ușă. Chestiunea aceasta este rezolvată pentru nevoile curente, pe 2—3 luni, din anul în care ne găsim.

Dar, subiectul care mă preocupă de un an, neîncetat (și am avut dreptate, până acum, să constitue un subiect de preocupare) îmi va da, cu siguranță, motive să revin, peste câteva luni.

*Und das nächste Jahr ?*

*Et l'année prochaine ?*

Quelques réflexions sur l'approvisionnement en bois de chauffage de la population pour l'année prochaine.

# VÂNĂTOARE ŞI PESCUIT

## PĂDURE ŞI VÂNĂTOARE

de Ing. silvic VASILE COTTA

Chestiunea raporturilor dintre slujitorii pădurilor şi arendaşii dreptului de vânătoare din păduri mă preocupă de multă vreme. Un „fapt divers" semnalat în revista „Carpaţii" mă determină să atac şi în scris această nevralgică problemă. Imi voi da osteneala să rămân pe linia strictei obiectivităţi şi am nădejdea, că adevărurile pe care le voi spune cu toată sinceritatea, vor fi de folos cauzei vânătoreşti.

In cuprinsul dării de seamă asupra mugetului de cerbi din toamna trecută *) cronicarul semnalează nemulţumirea unui vânător din Moldova şi anume că: „întreaga vânătoare i-a fost stricată" din pricină că şeful ocolului silvic „a găsit cu cale să trimită echipe în pădure, pentru a marca arborii, tocmai în săptămâna dinainte de începerea boncăluitului. Aceşti oameni la 1 Octombrie încă nu terminaseră marcatul". Iar, mai departe se adaugă: „Singura lui răsplată (a vânătorului N. A.) sunt plăcerile din cele două săptămâni (cel mult!) cât stă la mugetul cerbilor. Si pe acestea să i le strice oamenii care marchează copacii, sau îndeplinesc alte asemenea lucrări, care pot fi făcute în dragă voe şi în restul de 50 săptămâni ale anului"?

Orice vânător care ştie ce înseamnă a fi deranjat la o vânătoare, de către trecători sau alţi oaspeţi nepoftiţi, va da deplină dreptate vânătorului moldovean. Ştim cu toţii cât de neplăcut este să ai ca vecin la o vânătoare cu bătăiaşi în pădure, pe unul care nu stă liniştit, sau câtă enervare îţi cauzează un cetăţean care trece pe poteca de alături cântând de răsună pădurea, tocmai atunci când tu vânător, stai cu ochii şi urechile încordate în aşteptarea unei vulpi, — pe care, de altfel, ai putea-o găsi şi peste o lună-două. Supărarea de acest gen este

*) Rev. Carpaţii Nr. 12/1939, pag. 364.

însă incomparabil mai mare atunci când riscând cheltuelile şi oboseala unui drum lung pentru a putea gusta plăcerea apropierii unui cerb, cauze ca cele de mai sus îţi strică toate planurile. Din acest punct de vedere deci înţelegem supărarea vânătorului moldovean.

Care sunt mijloacele de a îndrepta această stare de lucruri? Căutându-le, vom ajunge la raporturile de azi dintre organele silvice şi dintre vânători.

Cerbului îi trebue înainte de toate, linişte, — iar această din urmă condiţiune nu este îndeplinită decât în masivele de păduri de mare întindere. Suprafaţa de 10.000 ha reprezintă din acest punct de vedere un minimum. Terenurile de cerbi din Maramureş, Ţibleş, Gurghiu, Sebeş, etc. sunt o dovadă; regele munţilor nu se mulţumeşte cu o stăpânire în miniatură. Ii trebue spaţiu vast.

Dar cifra de 10.000 ha este tocmai suprafaţa mijlocie a pădurilor pe care le cuprinde un ocol silvic de Stat. Lucrările de cultura şi exploatarea pădurilor dintr'un asemenea ocol silvic sunt multe şi variate. Ele se execută în tot decursul anului. Pentru ca şeful de ocol să poată mulţumi pe arendaşul dreptului de vânătoare, ar trebui ca timp de 4 săptămâni cât durează mugetul cerbului să suspende orice activitate la pădure, pe întreaga suprafaţă de 10.000 ha a ocolului. De ce? Fiindcă, potrivit situaţiei de azi, n'are de unde să ştie în care anume parte a pădurii doreşte arendaşul să vâneze. Să nu fie cu supărare, dar această întrerupere de activitate nu este cu putinţă. Pădurile reprezintă în economia naţională mult mai mult decât să ne putem permite luxul unei asemenea pauze, iar capitalurile de milioane lei angajate de Stat într'o exploatare, cer să fie remunerate.

O soluţie totuşi există: arendaşul să ia din timp contact cu şeful de ocol, să-i comunice în care anume porţiune de pădure intenţionează a urmări cerbul, şi prin bună înţelegere să caute a se eşalona lucrările în aşa fel în cât să fie menajate, atât interesele silvice cât şi cele vânătoreşti. Cel ce scrie aceste rânduri, chiar în toamna trecută a amânat o lucrare silvică, într'o vale unde un vânător şi-a exprimat dorinţa de a urmări un cerb capital.

Ţin să precizez că aci nu mă ocup de cazul special din Moldova la care m'am referit, pe care de altfel nici nu-l cunosc. Eu privesc problema în general.

Se pune acum întrebarea: câţi din arendaşii dreptului de vânătoare ţin acest strâns şi atât de necesar contact cu organele silvice? Sunt puţini aceştia, foarte puţini. Şi dacă este aşa, nu e de mirare că uneori se produc situaţii ca cele semnalate şi deci nemulţumiri.

Şi acum să-mi dea voie cititorii, ca „fără ură şi părtinire" ci numai cu dorinţa sinceră de îndreptare, să înşir câteva din cauzele care contribuie la înrăutăţirea raporturilor dintre organele silvice şi vânătorii-arendaşi.

Mulţi dintre aceşti arendaşi, odată ce s'au înarmat cu contractul de arendare a dreptului de vânătoare dintr'o pădure, îşi închipuie că nu mai există alt stăpân în pădure afară de ei, că în faţa intereselor lor, toate celelalte nevoi de gospodărire ale unei păduri trebuie să tacă.

Desigur un contract de arendare creează anumite drepturi, dar de aci şi până a te crede stăpân exclusiv într'o pădure de zeci de milioane, cu multe alte drepturi mai de seamă, este o mare distanţă. Urmarea, sunt conflictele pe care vânătorii le numesc: „lipsă de bună voinţă", „mizerii" sau „chiar dor de şicană".

O altă cauză sunt paznicii de vânătoare. Oameni, de cele mai multe ori recrutaţi din mediul rural, fără cultură, uneori braconieri, cari au avut conflicte cu organele silvice, odată ce au ajuns să poată umbla fără frică prin pădure şi mai ales puşi sub aripa ocrotitoare a stăpânului lor arendaş, om poate cu mare influenţă, — găsesc că a sosit momentul să se poată răfui, fără riscuri, cu personalul silvic. Lipsa de vânat sau insuccesul la o vânătoare este pus în sarcina personalului silvic care „din răzbunare" îi strică socotelile. Aceşti oameni zi de zi strecoară câte o insinuare în urechile stăpânului, care în lipsă de informaţii din altă sursă, le crede sută la sută. Aşa se întâmplă că fără de nici un temeiu, sufletul vânătorului se umple de amărăciune, dacă nu chiar de revoltă împotriva personalului silvic, care, în fond, n'are nici o vină.

Urmează apoi corolarul: paznicii pădurilor reacţionează la aceste nemotivate înţepături şi tensiunea este gata. La urma urmei sunt şi ei oameni şi au şi ei o sensibilitate.

Ca să nu mai lungesc lista, nu voi mai arăta decât o singură cauză de neînţelegeri: lipsa de tact din partea câte unui arendaş. De multe ori acesta din urmă este avizat la concursul

şefului de ocol: mijloace de transport, case de adăpost, gonaci, etc., servicii pe care i le şi face. Şi atunci, nu trebuę să apară drept o pretenţie exagerată dacă acest şef de ocol se aşteaptă ca cel puţin *de formă* să fie invitat la o vânătoare cu bătăiaşi. Aceasta mai mult ca un semn de atenţiune, pentru că şeful de ocol vânător, ori are teren propriu de vânătoare, ori face parte dintr'o filială a A. V .I. S.-ului sau altă societate de vânătoare; prin urmare, are unde să vâneze. Or, ce se întâmplă? Cunosc cazuri concrete când arendaşul nici nu anunţă data şi locul vânătoarei, necum să se gândească să invite şi pe şeful de ocol, uitând că în contract există o clauză conform căreia şeful ocolului are dreptul să ia parte la vânătorile cu bătăiaşi.

Arendaşilor care se consideră persecutaţi, le-aşi recomanda să citească încă odată contractul de arendare al dreptului de vânătoare. Să vadă dacă şi-au îndeplinit la timp toate obligaţiile şi apoi să mărturisească cinstit în faţa conştiinţei lor, dacă şeful de ocol a avut sau nu motive din belşug să ceară rezilierea contractelor de arendare.

Interesele pădurii şi ale vânătoarei sunt aceleaşi. Atât în gospodăria silvică, cât şi în cea vânătorească, pentru a se putea realiza progrese, este nevoie de întinderi mari. Nici una nici alta nu se împacă cu pulverizarea proprietăţii. Apoi şi una şi alta au nevoie de linişte. Păşunatul le este un duşman comun. Chiar înmulţirea vânatului — până la un punct — nu prejudiciază interesele pădurii.

Tocmai de acea, în alte ţări ambele aceste ramuri ale economiei naţionale stau în aceaş mână. La noi nu este aşa, dar acest fapt nu exclude posibilitatea unei armonioase conlucrări în interesul comun.

Dar pentru a se putea realiza această colaborare, trebuesc îndeplinite — între altele şi următoarele condiţiuni:

1) Arendaşii terenurilor de vânătoare din păduri să-şi dea seama că:

a) pădurile ocupă 22% din suprafaţa ţării;

b) arenda dreptului de vânătoare nu reprezintă decât 1% din ceace produce lemnul;

c) în economia naţională pădurile se înscriu cu un venit brut anual de cca. 5 miliarde lei;

d) la export lemnul ocupă locul al treilea ca valoare, urmând imediat după cereale şi petrol.

A pretinde deci ca interesele silvice să fie subordonate celor vânătoreşti este o absurditate.

Armonizare de interese, da. Dar subordonare — nu!

2) Slujitorii pădurilor Ţării sunt în număr de 10.000. Ei reprezintă o forţă organizată care ar putea aduce nebănuite servicii cauzei vânătoreşti. Dacă sunt scoşi din situaţia de a putea cu adevărat activa şi în această direcţiune, cel puţin să fie lăsaţi în pace. Să înceteze înţepăturile şi speculare slăbiciunilor unora dintre ei, speculare făcută cu scop vădit de denigrare. Să înceteze mai ales calificativul de braconieri. Se poate întâmpla ca între cei 10.000 să se găsească şi astfel de rătăciţi. Dar nu este îngăduită generalizarea. Şi în armată s'au găsit uneori trădători de Ţară, şi cu toate acestea nimenea nu s'a gândit să afirme că întreaga armată este compusă din trădători. Chiar în corpul magistraţilor s'a ivit nu de mult un asasin, fără ca să-i treacă cuiva prin minte să spună că magistraţii sunt asasini.

In unele publicaţii vânătoreşti citesc adesea nume de pădurari contravenienţi la legea vânătoarei. Uneori mai apare şi câte un ţăran. Dar n'am văzut trecute pe această listă neagră şi persoane sus puse. Şi, Doamne, câte sunt! Ori cine este îndreptăţit să creadă că această largă publicitate dată unor cazuri de braconaj comise de unii pădurari, este făcută cu o anumită tendinţă.

Mă feresc să contribui la înăsprirea relaţiilor dintre cele două tabere; de aceea, nu voi vorbi aci de adevărata persecuţie pe care unii ingineri silvici o au de suferit la arendarea de terenuri, din partea unor inspectori de vânătoare, când aceştia cu o perseverenţă demnă de o cauză mai bună, folosesc dramul de putere primit dela stăpânire pentru răzbunări personale şi în ciuda evidenţei şi a drepturilor câştigate, înlătură pe inginerii silvici, în favoarea altora.

*

Armonia dintre pădure şi vânătoare este necesară şi în prezent, dar mai ales ea va fi necesară în viitor. Intrevăd momentul, când pentru vânatul mare vor veni zile şi mai grele decât cele de azi. Se ştie că în agricultură desele răsturnări ale pământului în urma arăturilor, cauzează pagube vânatului mic cu pene. Dispariţia mărăcinilor depe răzoare, a ierbii şi a tres-

tiei, privează de adăpost vânatul. Cu un cuvânt, intensificarea agriculturii este în dauna prosperării vânatului mic.

Lucrurile se petrec cam la fel şi la păduri cu deosebirea că aci avem de a face cu vânatul mare. Gospodăria silvică dela noi, păşeşte hotărît spre intensificare. Aceasta înseamnă părăsirea tăierilor rase pe suprafeţe mari şi trecerea la alte sisteme de recoltare a produselor lemnoase, anume prin tăieri răspândite în mai multe porţiuni. Mai înseamnă rărituri extinse, cu toată gama de lucrări, începând dela marcarea arborilor şi până la scoaterea lemnului din pădure.

Iată cum într'un viitor foarte apropiat, vânatul mare nu se va mai putea bucura de liniştea de până acum.

Inţelege ori şi cine că în asemenea împrejurări o armonioasă colaborare dintre silvicultori şi vânători va fi indispensabilă, căci altfel se vor deschide sumbre perspective pentru economia vânatului.

Să se pună frână pornirilor pătimaşe; să se ferească de a turna venin în suflete. Unii vânători să înţeleagă că atâta timp cât vor exista copaci, — în pădure tot numai silvicultorul va rămâne stăpân, — şi oricât ar vrea, nu se vor putea lipsi de concursul acestuia atunci când este vorba de vânatul din pădure.

Cât timp am fost şi eu şef de ocol, m'am înţeles totdeauna bine cu arendaşii. Personal, n'am avut nici un motiv de nemulţumire. Mai ştiu apoi că se găsesc destui vânători cari cultivă armonia cu organele silvice. Nu acestora sunt adresate rândurile de mai sus. Atât ca vânător cât şi ca silvicultor doresc să văd realizată buna înţelegere, şi atunci când aceasta se va traduce în fapt, cu siguranţă alta va fi înfăţişarea cinegetică a Ţării.

*Wald und Jagd.*

*Forêt et chasse.*

Quelques considérations concernant les rapports, aujourd'hui pas trop amicales, qui existent entre les forestiers d'une part, et les chasseurs, d'autre part.

# C R O N I C A

## CRONICA INTERNĂ

● **Expoziția de vânătoare 1940.**

A fost organizată de Direcția vânătoarei, în saloanele **Arta. Scopul** urmărit ni-i mărturisește programul tipărit **cu** acest prilej: „După expoziția națională de vânătoare din **1935**, expoziția actuală, — deși mai restrânsă — are **un** caracter **documentar. Ea tinde să** înfățișeze vânătorimei românești evoluția desvoltării vânatului dela 1937 până în 1939 inclusiv. Deasemeni sunt expuse, trofeele capitale, cari **nu** au mai figurat până acum la vreo expoziție. Pentru studii comparative, sunt prezentate **aci** câteva din trofeele cari **au** figurat **în** sala de onoare **a** Expoziției internaționale de vânătoare **din Berlin 1937, distinse cu plăci** de onoare".

Ne-am găsit în fața unei expoziții având cu adevărat caracter strict documentar? Să dăm în această privință curs aprecierilor făcute de revista de vânătoare „Carpații":

Expozițiile documentare „înfățișează piesele în vederea studiului și a învățămintelor... La aceste expoziții spectaculosul este eliminat aproape **cu** desăvârșire. Ele nu se adresează publicului mare care să vină să se încânte sau să stee mirat în fața unor **trofee** sau grupuri de animale naturalizate. Ele servesc exclusiv controlul și programul de viitor.

„Mărturisim că o asemenea expoziție este ceva arid și organizarea ei **nu** prea avea loc în cadrul Lunei Bucureștilor. Tocmai de aceea **din** expoziția noastră de acum nu s'a eliminat elementul spectaculos și **de dragul** comparației au fost admise unele trofee care nu aveau ce să caute în cadrul 1937—1939. S'a făcut deci o tranzacționare între cele două tipuri de expoziții... Frumosul expoziției a cerut să fie sacrificat în mare parte elementul tehnic și trofeele au fost grupate nu după puncte de vedere tehnice, care să faciliteze comparațiile, stabilirile de date și de situații, ci după cerințele gustului".

Prin urmare, nu am avut de a face cu o expoziție strict documentară, așa cum se afirmă în program, ci cu un tip de expoziție de tranziție.

După această precizare, să dăm o raită prin expoziție.

La parterul clădirii, a fost aranjată secțiunea documentară realizată de Direcția vânătoarei în colaborare cu o antenă a sa — Secțiunea

cinegetică a Institutului național zootehnic. Aici o serie de diagrame înfățișează: repartizarea și densitatea vânatului în cuprinsul țării, producția socotită în cantitate și în bani, numărul vânătorilor și variația lor dela 1930 (28.756 inși) până la 1939 (28.874 inși), repartizarea și densitatea lor pe județe, societăți de vânătoare (azi 1021 cu 32.110 membri).

Sugestivă, pentru silvicultori, este diagrama privind „actuala organizare a vânătoarei în România", de unde organele silvice de orice natură ar fi ele, sunt total eliminate. Pentru cine știe să citească poate vedea în ea „o politică" și poate să găsească și cheia „lucrului care trebuie lămurit".

La etajul expoziției sunt expuse trofeele. Aflăm: 41 trofee de cerb, 8 de lopătar, 202 de căprior, 42 de capră neagră, 1 de muflon, 23 colți de mistreț, 7 urși, 6 râși, 4 lupi, 1 cocoș de mesteacăn, 2 cocoși de munte și 4 spurcaci.

Trecem asupra „punctelor" obținute de fiecare. Cei interesați găsesc indicațiuni prețioase în Revista Vânătorilor (Nr. 5—6/1940) și Carpații (Nr. 7/940). Adăogăm doar că evaluarea s'a făcut după formulele Centrului internațional de vânătoare cu sediul la Berlin.

Problema progresului și regresului vânatului la noi a preocupat și preocupă încă pe mulți, dând naștere deseori la controverse. Oficialitatea afirmă că vânatul este în progres. Nu încercăm să pătrundem acum în acest domeniu.

Reținem deocamdată din darea de seamă, asupra expoziției, a Revistei Vânătorilor (Nr. 5—6/940 pag. 10), remarca privitoare la cocoșul de mesteacăn, cel expus în sala Arta fiind „probabil unul din ultimele exemplare ale stocului din România, care merge spre dispariție". Cu toate acestea a fost ucis, deși pe permisele de vânătoare se arată că vânarea acestei păsări este interzisă. Cum, adică cel care l-a impușcat, nu era ținut să respecte oprelișteа? Era o faptă de așteptat din partea cuiva care deține sau a deținut o fărâmă din autoritate. Era o atitudine de așteptat din partea unuia care în Revista Carpații (Nr. 6/940 pag. 175—177 „prin expuneri isvorîte absolut numai din dorința de promovare a intereselor superioare vânătorești" socotește că „unicul criteriu al unei chemări (de a conduce interesele vânătoarei N. A.) este numai activitatea și succesul documentat cu dovezi impecabile".

Dar poate, pușcașul a avut autorizație? In acest caz însă ne întrebăm: măsurile de ocrotire nu se aplică tuturor? Dar chiar așa, cum l-a îndemnat inima pe țintaș să smulgă o autorizație și să tragă, când se știe că suntem amenințați cu dispariția cocoșului de mesteacăn? Aceasta ca să facă dovada „activității și succesului documentat cu dovezi impecabile" în materie de vânătoare? Și drept culme, — un fel de colac peste pupăză — trofeul a fost și expus în expoziție, ca un indiciu al progresului și al corectitudinei vânătorești.

Numărul mare de trofee de capră neagră ni-a reținut atenția în mod deosebit. Știam că acest gingaș animal, locuitor al stâncăriilor munților cei mai înalți era obiectul unei deosebite ocrotiri, în urma alarmei dată că ar fi pe cale de dispariție. Între măsurile luate (pază specială, asocierea proprietarilor și arendașilor terenurilor cu capre negre) aceea a declarării ei ca monument al naturii este cea mai veche. Încă din 25 Februarie 1933. Comisia Monumentelor Naturii a hotărît prin declararea ei ca monument al naturii, interdicția totală de a fi împușcată. Numai în 1938 (22 Ianuarie) Comisia Monumentelor Naturii a îngăduit Direcției Vânătoarei să dea autorizații de vânătoare recomandând însă ca acestea să se acorde cu mare parcimoniozitate.

Din examinarea programului tipărit, rezultă că din exemplarele expuse au fost împușcate: trei înainte de 1920; nouă între 1920 și 1929 și treizeci în perioada 1930—1939. Din cele treizeci trofee realizate în ultima decadă, zece au fost vânate în anii de totală interdicție (1933—1937), deci în contravenție la legea pentru protecția monumentului naturii. Chiar dacă cei ce le-au vânat vor fi avut vreo autorizație, valabilitatea ei este nulă, căci din moment ce avem de a face cu un monument al naturii, nici-o autoritate în afară de Comisia Monumentului Naturii nu putea hotărî valabil. Deci, la o expoziție oficială, aflăm trofee realizate în contravenție.

Râsul deasemenea ne-a reținut mult atenția. Și acest animal rarisim în fauna țării noastre a format obiectul unei deosebite atenții din partea celor chemați să vegheze la conservarea faunei (nu vânătorii, căci după cum văzurăm ei nu prea știu de restricțiuni, când este vorba de pasiunile lor). În acest scop, râsul a fost declarat monument al naturii încă dela 22.II.1933. Cu alte cuvinte, ca și în cazul caprei negre, interdicție totală de a fi vânat. Dacă pentru capra neagră a intervenit o schimbare în 1938, pentru râs situația este neschimbată până azi. Și nici nu trebue să se schimbe.

Au ținut seamă vânătorii de aceasta? Nici de cum, căci în expoziție cinci din cele șase exemplare expuse sunt împușcate — călcând legea — în anii de interdicție (1938 și 1939).

Prin urmare, și în acest caz, contravenție la legea pentru protecția monumentelor naturii.

După cele văzute, ne întrebăm acum dacă oamenii de rând, care vânează fără drept sau trecând peste ceeace le este îngăduit, îndemnați fie de pasiune, fie din nevoia de hrană sau câștig, când ar avea cunoștință de cele de mai sus, — ar putea să spună: voi, cei ce vă credeți monopolizatori ai corectitudinei vânătorești, cu ce îndreptățire ne taxați pe noi drept braconieri?

Insfârșit, mai relevăm un alt aspect al expoziției și prin aceasta al problemei vânătoarei la noi. În ce mâini se găsește vânatul românesc? Să lăsăm și în acest caz să ne răspundă tot programul expoziției. În acest scop, reproducem paginile 13—14, adică două din cele cinci pagini care se referă la trofeele de căpriori.

| Nr. crt. | Numele Proprietarului | Terenul în care a fost vânat | Anul |
|---|---|---|---|
| 218 | P. Wittgenstein | Crasna-Sălaj | 1939 |
| 219 | H. Karp | Busd-Tr. Mare | 1938 |
| 221 | Dr. I. Stoichiția | Oașa | 1937 |
| 222 | Valer Pascu | Someșeni-Satu Mare | 1939 |
| 223 | Ing. D. Obadă | Valea Putnei-C. Lung | 1939 |
| 224 | Gh. Medweszcky | Bobești-Storojinet | 1938 |
| 226 | Petrigenar Nicolae | Sighișoara-Tr. Mare | 1938 |
| 227 | I. Hampelt | Busd-Tr. Mare | 1938 |
| 228 | Huszar Iosif | Filipișul Mare-Mureș | 1938 |
| 229 | Kovacs Carol | Măieruș-Brașov | 1939 |
| 230 | I. Szikszay | Busd-Tr. Mare | 1939 |
| 231 | Gh. Medweszky | Cosmin-Cernăuți | 1939 |
| 232 | H. Gunnesch | Mediaș-Tr. Mare | 1939 |
| 233 | Matei Pompei | Eremitu-Mureș | 1938 |
| 234 | B. Hălmaciu | Brateiu-Tr. Mare | 1938 |
| 235 | H. Karp | Busd-Tr. Mare | 1939 |
| 236 | E. Krestel | Mediaș-Tr. Mare | 1939 |
| 237 | D. Iuchum | Axente Sever | 1939 |
| 238. | Gh. Medweszcky | Iucica | 1939 |
| 239 | W. Gorcinschi | Copșa Mică-Tr. Mare | 1938 |
| 240 | Ilie Orestianu | Beșineu-Tr. Mică | 1939 |
| 241 | E. Theil | Mediaș-Tr. Mare | 1939 |
| 242 | St. Tiller | Mediaș-Tr. Mare | 1939 |
| 243 | Gh. Medweszky | Bobești-Storojinet | 1939 |
| 244 | Sandu Stoichiția | Podele-Hunedoara | 1939 |
| 245 | Carl Caspari | Moșna-Tr. Mare | 1939 |
| 246 | Nicolae Săulescu | Mădăraș-Ciuc | 1939 |
| 247 | Fr. Weber | Mediaș-Tr. Mare | 1939 |
| 248 | Gh. Medweszky | Bobești-Storojinet | 1938 |
| 249 | E. Wangler | Izmenele-Vâlcea | 1939 |
| 250 | A. Capesius | Apold-Tr. Mare | 1937 |
| 251 | E. Wangler | Călimănești-Vâlcea | 1937 |
| 252 | Nicolae Săulescu | Lăpușna-Mureș | 1937 |
| 253 | A. Antonovici | Fundul Moldovei-C. Lung | 1937 |
| 254 | Surariu Nicolae | Crisbav-Brașov | 1938 |
| 255 | Peter Wittgestein | Crasna-Sălaj | 1937 |
| 256 | H. Tontsch | Moșna-Tr. Mare | 1939 |
| 259 | Surariu Nicolae | Cribav-Brașov | 1937 |
| 260 | H. Schuster | Moșna-Tr. Mare | 1938 |
| 261 | Gh. Medweszcky | Bobești-Storojinet | 1939 |
| 262 | Chiriac Bruno | Haghic-Trei Scaune | 1938 |
| 263 | M. Bell | Daneș-Tr. Mare | 1938 |
| 264 | Fr. Siegmund | Nemșa-Tr. Mare | 1939 |

| Nr. crt. | Numele Proprietarului | Terenul în care a fost vânat | Anul |
|---|---|---|---|
| 265 | W. Corcinscky | Copşa Mică-Tr. Mare | 1939 |
| 266 | H. Knall | Bărghiş-Tr. Mare | 1939 |
| 267 | Surariu Nicolae | Hăghic-Trei Scaune | 1938 |
| 268 | Gh. Medweszcky | Bobeşti-Storojineţ | 1937 |
| 269 | Fr. Siegmund | Ibişul Nou-Tr. Mare | 1939 |
| 270 | St. Botschner | Mediaş-Tr. Mare | 1933 |
| 271 | I. Fronius | Mediaş-Tr. Mare | 1939 |
| 272 | S. Schwartz | Moşna-Tr. Mare | 1933 |
| 273 | E. Schuster | Mediaş-Tr. Mare | 1939 |
| 274 | Gh. Medweszcky | Bobeşti-Storojineţ | 1937 |
| 275 | S. Karr | Moşna-Tr. Mare | 1938 |
| 276 | Rudolf Tontch | Moşna-Tr. Mare | 1939 |
| 277 | Gh. Medweszcky | Bobeşti-Storojineţ | 1938 |
| 278 | I. Rampelt | Mediaş-Tr. Mare | 1939 |
| 279 | Gottfried Gross | Hetiur-Tr. Mare | 1932 |
| 280 | N. Iacobescu | Harghita-Odorhei | 1937 |
| 281 | N. Iacobescu | Harghita-Odorhei | 1937 |
| 282 | Simion Vulcu | Pianu-Alba | 1922 |
| 283 | Peter Wittgenstein | Crasna-Sălaj | 1937 |
| 284 | Albert Terplan | Apold-Tr. Mare | 1936 |
| 285 | Gottfried Gross | Alişul Mare-Tr. Mare | 1932 |
| 286 | Michael Bartmus | Sighişoara-Tr. Mare | 1932 |
| 287 | N. Petringeneru | Sighişoara-Tr. Mare | 1937 |
| 288 | N. Iacobescu | Harghita-Odorhei | 1938 |

Menţionăm că am redat două pagini din zece, celelalte opt nediferind prea mult.

Mai este nevoie de comentarii?

*T. H. Crivăţ*

## CRONICA EXTERNĂ

● † Prof. G. N. Wysotzky.

In primăvara acestui an a murit curând după ce implinise 75 de ani, Prof. G. N. Wysotzky, unul dintre cei mai cunoscuţi pedologi forestieri ruşi.

Şi-a început activitatea ştiinţifică în 1892, participând la expediţia organizată în Sudul Rusiei, care avea de scop să elaboreze măsurile de luat pentru silvicultura stepelor, protecţia semănăturilor în contra secetelor, protecţia solului în contra spulberării şi uscării de către vânt, şi care a reuşit să aducă dovezi minunate asupra posibilităţii şi necesităţii impăduririi stepelor.

Pentru cercetările sale ulterioare, Wysotzky şi-a ales ocolul silvic experimental Velico-Anadol, lângă Mariupol, în stepa din Sudul Rusiei.

In curs de 12 ani reuşeşte să împădurească 538 ha în stepă, dovedind că pădurea poate să fie instalată în această regiune. A prelucrat o technică specială pentru cultura pădurilor în stepă şi a precizat speciile de arbori şi arbuşti care sunt cele mai proprii stepelor. A preconizat o metodă a lui, care mai târziu s'a generalizat, anume aceea de a introduce în etajul al II-lea, arbuştii, nu ca până atunci ulmii.

In cursul cercetărilor sale, urmăreşte problema protecţiei pe care o oferă pădurile din stepă în contra vântului şi zăpezii, participarea lor la fertilitatea solului, etc.

Urmăreşte mulţi ani prin cercetări comparative problema umidităţii solului în pădure şi câmpie şi creiază teoria aşa numitului „orizont mort". Stabileşte de asemeni o teorie în privinţa influenţei pădurii asupra climei, dovedind între altele că pădurea accelerează circuitul apei. A arătat importanţa pădurii pentru irigarea stepelor şi a lămurit problema economiei apei şi ameliorărilor ţinuturilor nisipoase uscate care se întind în Rusia pe suprafeţe întinse.

Hidrologia, climatologia, pedologia, geobotanica, silvicultura şi împădurirea stepelor sunt domenii în care Wysotzky a lucrat ca un mare cunoscător. Ocoalele experimentale dela Velico-Anadol şi Mariupol au devenit adevărate modele pentru silvicultura stepelor.

Pentru meritele sale şi după aproape 50 de ani de activitate ştiinţifică, staţiunea de experimentaţie dela Velico-Anadol a primit numele lui, la 21 Februarie 1940, când şi-a serbat a 75-a aniversare.

Cu Wysotzky, pedologia forestieră rusă pierde un reprezentant strălucit.

(După Buchholz, în Forstarchiv, 16, 196—197, 1940).

T. B.

● **Măsuri deosebite în Elveția pentru îndestularea cu lemn de foc.**

In iarna 1939/40, s'a simțit și în Elveția lipsa de lemne de foc mai ales. Spre a se preîntâmpina repetirea unei atari situațiuni neplăcute, a trebuit să intervină autoritatea federală.

Printr'un decret special, bazat pe decretul excepțional al măsurilor de apărare a țării și păstrarea neutralității sale, se împuternicește departamentul economiei publice de a da instrucțiuni cantoanelor privind tăerile de lemne. Cantoanele, la rândul lor sunt împuternicite să arate proprietarilor de păduri cantitățile de lemn ce au să tae în fiecare an. Atari dispoziţiuni nu sunt legate de acelea ale legii federale de poliție forestieră din 11 Octombrie 1902.

Contravenienții la dispoziţiunile de mai sus, ca și neglijențele dovedite la aplicarea lor se pedepsesc cu amendă, care poate merge până la 20.000 franci.

In legătură cu aceste tăeri deosebite, se vorbește stăruitor în cercurile oficiale forestiere din Elveția despre creiarea obligatorie a fondului de rezervă forestier, mai ales pentru proprietarii de păduri persoane juridice de drept public (comune, etc.).

(După Journal f. suisse 1940, pag. 113 și 134).

(126)

*Ilie C. Demetrescu*

## MERCURIALE

In aceste timpuri nestatornice, când hotarele și întocmirile economice ale mai tuturor țărilor Europei sunt supuse la atât de mari schimbări, e greu să mai ieși ca puncte de reper, pentru judecarea unor situații, cifre de acum 10 ani. Ele nu mai au aceeaș însemnătate, ca în ajunul războiului, când din compararea lor se puteau trage atât de interesante concluzii.

Și totuși, până la stabilizarea noilor întocmiri și până când cei înclestați în lupte și revendicări vor reveni la pașnicele îndeletniciri de altă dată, să căutăm să desluş̦im, din înșirarea câtorva cifre, modul cum a evoluat economia noastră forestieră în ultimii 10 ani (până la izbucnirea războiului). Să nu se aștepte cititorul, la cifre statistice relative la întinderea pădurilor, consum, etc., pe cari nici nu le avem, de altfel la dispoziție. Plecând însă de la constatarea, că în țara noastră o bună parte din produsele forestiere utilizează ca mijloc de transport calea ferată, să examinăm o statistică a traficului de mărfuri pe CFR. Ea a apărut recent în „Foaia oficială" a Direcției generale CFR. pentru anii 1929 și 1938.

S'au transportat în total în 1929 circa 17.8 iar în 1938 aproximativ 21,9 mil. tone mărfuri, ceeace înseamnă un spor de 23% pentru anul 1938. Acest spor se datorește în bună parte petrolului, fiindcă recolta de porumb a fost în 1929 mai bogată ca în 1938. In adevăr în acești doi ani s'au transportat pe calea ferată 1340 respectiv 920 mii tone de cereale diverse și 855 respectiv 1185 mii tone grâu (recolta de grâu fiind mai bună în 1938).

De sigur, pe noi ne interesează să știm, ce cantități de lemne s'au transportat pe calea ferată în cei doi ani.

| Statistica arată că s'au transportat | în 1938 | în 1929 |
|---|---|---|
| Lemne de foc (mii tone) | 3737 | 3949 |
| Cherestea și lemn de construcție (mii tone) | 2136 | 1456 |

Lemnul de foc a încercat deci o scădere de circa 200.000 tone, ceea ce se explică prin folosirea pe o scară mai mare a încălzirii centrale cu petrol și cărbuni și prin introducerea gazului metan în unele orașe din Ardeal și zona petroliferă.

Cantitatea de lemn de construcție transportată pe c. f. a crescut, dimpotrivă, cu 780.000 tone. Explicația acestui spor se explică prin aceea că după cum se știe 1929 a fost un an de criză (crahul de la bursa din New York s'a produs în acest an) pe când 1938 a fost cotat, în

întreaga lume, ca un an de repriză în toate compartimentele vieţii economice.

Mai arată această cifră, că exportul nostru de lemne (o bună parte din cantitatea transportată pe c. f. a fost destinată exportului), n'a scăzut, cum era de aşteptat, după marile exploatări practicate între 1921—1927, ci chiar a crescut; ceeace arată, că atunci când conjunctura e bună, prevederile pesimiste sunt în mare măsură corijate de împrejurări.

In fine, statistica în chestiune mai arată, **că lemnele de foc au parcurs în 1929 o distanţă medie de 135 km, iar în 1938 de 145 km: cele de construcţie 119 respectiv 132 km, ceea ce ne confirmă, faptul cunoscut, că masivele în exploatare s'au depărtat de centrele de consum (cazul lemnelor de foc) şi că o bună parte din exportul de lemne de construcţie din 1938 s'a făcut pe uscat (spre Germania).**

*D. A. S.*

---

# INFORMAŢIUN

— D-l Mircea Manoilescu ing. insp. g-l silvic a fost numit, pe data de 27 Iulie a. c. membru în Comitetul de direcţie al Administraţiei Casei Pădurilor Statului, pe o perioadă de 4 ani.

— D-l Valeriu Popovici ing. cons. silvic a fost delegat, pe data de 22 Iulie a. c., a exercita atribuţiunea de subadministrator al Casei Pădurilor Statului.

— D-nii Dem. Grozescu şi I. Zeicu au fost numiţi membri ai Consiliului superior al învăţământului profesional mediu şi inferior. Numirea s'a făcut pe data de 25 Iulie a. c. pe termen de 4 ani.

— D-l Dănilă Roşu ing. insp. g-l silvic a fost delegat cu conducerea direcţiei silvice Cluj pe data de 1 August 1940.

— D-l Mih. Boldur inginer consilier silvic şeful Inspectoratului de regim silvic de pe lângă Ţinutul Suceava, a fost numit, pe o perioadă de 2 ani, membru în comisia de control a Fondului bisericesc ortodox român din Bucovina.

— D-nii Andrei Boldescu ing. insp. g-l silvic şi Ivanov Andrei ing. insp. silvic din Casa Pădurilor Statului au fost puşi în retragere din oficiu pentru a-şi aranja drepturile la pensie, pe data de 1 Decembrie 1940.

— D-l Vasilescu C. Iosif ing. insp. silv. subdirectorul regionalei XII silvice Cernăuţi, a fost transferat în centrala Direcţiei silvice, fiind delegat cu conducerea Serviciului de regim silvic.

— D-l Protopopescu Gh. ing. silvic fost şef al ocolului silvic judeţean Storojineţ, a fost repartizat la Inspectoratul silvic de pe lângă Ţinutul Olt.

— D-l Ionescu D. Dumitru fost şef al serv. silv. judeţean Tighina, a fost repartizat la Inspectoratul silvic de pe lângă Ţinutul Prut.

— D-l Teodor Dan ing. şef silvic a fost detaşat, pe data de 16.7.a. c., dela Inspectoratul silvic Timişoara, la conducerea ocolului silvic regal de vânătoare Chişinău-Criş din Jud. Arad.

— D-l Zaharias Iuliu ing. şef silvic a fost transferat pe data de 1 Iulie a. c., dela Serv. silv. al jud. Fălciu ca şef al Ocolului silvic Arpaşul de jos din jud. Făgăraş, în locul d-sale fiind delegat a gira, d-l Ajtay Ladislau dela Inspectoratul Silvic Focşani.

— Cu prilejul constituirii guvernului prezidat de d-l ing. I. Gigurtu, la departamentul Agriculturii şi Domeniilor au fost numiţi:

D-l prof. G. Leon, ministru ad-interim;

D-l D. Topciu, subsecretar de Stat;

D-l P. Nemoianu, subsecretar de Stat;

D-l P. Ioan, inginer consilier silvic, ca Secretar general, delegat să rezolve chestiunile privitoare la păduri.

D-l Val. Dinu, inginer subinspector silvic.

— In Mon. Of. 185 din 12.8.1940 a apărut decizia de primire în Corpul silvic a următorilor ingineri silvici:

1. Gyurich Petru din serviciul Episcopiei române Unite din Oradia.

2. Palffy Antonie din serviciu particular.

— Reşedinţa ocolului silvic Sovata se mută pe data de 1 August a. c., din Tg. Mureş, la Sovata.

— Pe ziua de 1 August a .c. a luat fiinţă Sectorul silvic (Ocolul) Brăduţ cu reşedinţa în Comuna Vărghiş.

— In Mon. Of. Nr. 177 din 2 August a. c., a apărut Caietul de sarcini pentru lucrările de tehnică cadastrală.

— Prin dec. min. de agric. şi dom. 18.550 din 15.VII.1940, (Mon. Of. 168 din 27.VII.1940), a luat fiinţă la Min. de Agr. şi Dom. Comisia permanentă a lemnului, organ destinat să organizeze coordonarea şi controlul producţiei, circulaţiei şi consumului lemnului necesar şi populaţiei civile, atât în economia internă, cât şi în străinătate.

Pentru conducerea politicii lemnului şi aplicarea dispoziţiunilor acestei comisiuni, a luat fiinţă un Serviciu al lemnului în cadrul Direcţiei Silvice din Minister (Dec. min. 21330. 31/VII. a. c.).

Acest serviciu se compune din patru birouri:

a) B. statisticei lemnului

b) B. producţiei lemnului

c) B. industriei lemnului

d) B. comerţului lemnului.

El a fost încadrat precum urmează:

1. Şef al serviciului lemnului, Ing. Insp. general silvic, I. Băleanu.

2. Şeful biroului industrializării, Ing. Insp. general silvic Avram Gheorghe.

3. Şef al biroului statisticei, Ing. subinsp. silvic Sabău.

Impiegat Kent Zenaida, dela Direcţia P. P. J.

Dactilograf, Popârlan dela Dir. P. P. J.

4. Şeful biroului producţiei, Ing. Insp. silvic, Nicolae Ion.

Subşeful biroului producţiei, Ing. subinsp. silvic, C. Chiriţă.

Impiegat Crăciun Ion dela Direcţia P. P. J.

5. Şeful biroului comerţului, Ing. Insp. silvic, Răuţă Eugeniu.

Subşef ing. subinspector silvic, Petre Maior.

Impiegat N. Gheorghiu dela Administraţia Casei Pădurilor Statului.

Dactilografă, Chirca Lavina, dela Direcţia P. P. J.

(Dec. dela Jn. 21331 din 31 Iulie 1940, Mon. Of. 180 din 6 August 1940, pag. 4032).

— D-l Ing. Györke Ştefan, dela Inspectoratul Chişinău a fost repartizat la Inspectoratul silvic Cluj (Mon. Of. 187 din 14.8.1940).

# RECENZII

## CĂRȚI

Prof. C. MOTAȘ și Ing. agr. V. ANGELESCU:

*Punerea în valoare a apelor de munte.*

1939; București, 157 pagini cu 31 figuri în text și 1 hartă, în publicațiile Institutului de Cercetări Agronomice. Seria „Metode, îndrumări, rapoarte, anchete", Nr. 49.

Am semnalat în această revistă aproape toate scrierile cu caracter piscicol, apărute în ultimii ani, privind apele de munte — domeniu de preocupări care în mod natural intră în câmpul de activitate al Serviciului silvic.

Cartea pe care o prezentăm de data aceasta, se datorește în principal d-lui C. Motaș profesor la Universitatea din Iași și conducătorul de azi al stațiunei piscicole marine dela Agigea (în apropiere de Constanța). Ne găsim în fața unei autorități în materie; numele și lucrările d-sale fiind, de multă vreme, bine cunoscute și mult apreciate, în lumea cercetătorilor de știință de peste hotare. Cel de al doilea autor — d-l V. Angelescu — este inginer agronom la Institutul de cercetări agronomice din București.

Lucrarea — așa cum spune și d-l prof. G. Ionescu-Șișești, în prefață — aduce „o cunoaștere mai precisă, ca până acum, a țelurilor și mijloacelor pentru a putea pune în valoare apele de munte...". Pentru un domeniu de activitate, în care aproape totul se găsește la început, cunoașterea acestor țeluri, precum și a putințelor și mijloacelor de realizare, sunt de mare importanță, căci putem fi ferit de a porni pe căi ce n'ar fi cele adevărate.

Mai puțin preocupați de tehnica lucrărilor de punere în valoare, autorii pun în principal principiile care stau la baza repopulării apelor de munte cu Salmonide, pornind dela cunoașterea amănunțită și exactă a caracterelor fiziografice și biologice ale acestor ape. In acest scop, au întocmit și un plan de organizarea întregii acțiuni, în care — se înțelege — se indică și organele socotite că trebuie să fie angajate în această misiune. In acest angrenaj, autorii, ca și d-l prof. G. Ionescu-Șișești, văd colaborând și Serviciul silvic; „altfel repopularea ar cere un personal nou și costisitor".

Subliniem această precizare, căci ea vine dela persoane competente: d-l prof. G. Ionescu-Șișești a cărui competență științifică este dublată de o vastă experiență administrativă. D-l prof. Motaș ca unul care pe lângă valcarea sa științifică, a cunoscut organizarea și realizările din alte țări, unde Serviciul silvic este temeiul întregei organizări.

Să trecem acum în fugă asupra materiei cuprinsă.

Lucrarea are două părți.

În prima parte se dau: principiile și planul de organizare al acțiunii de punere în valoare a apelor de munte. Aici materia este repartizată în șase capitole.

În capitolul I (de 42 pagini) se expun caracterele fiziografice și biologice ale apelor curgătoare de munte. Este vorba deci despre: caracterele fiziografice, floră și faună, pentru ca în final să se stabilească cinci zone piscicole: zona păstrăvului, zona lipanului, zona mrenei, zona plăticei și zona Acipenseridelor. Din acestea, regiunea de munte a cursurilor de apă cuprinde pe primele trei.

Cap. II (de 9 pagini) intitulat „economia piscicolă a apelor de munte", tratează despre: importanța păstrăvului în economia apelor de munte; importanța economică a Salmoniculturii în regiunile de munte; depopularea, repopularea și valorificarea acestor ape.

Primul pas de făcut în vederea repopulării — spun autorii — este reglementarea pescuitului și aplicarea riguroasă a legii pescuitului, apoi stârpirea dușmanilor naturali, higiena și purificarea apelor otrăvite de resturile dela industrii. Aducerea la îndeplinire a acestui deziderat — adăogăm noi — cere personal de supraveghere. Acesta nu poate fi, în condiții normale, în care să se țină seamă și de factorul economie, decât personalul silvic.

A doua serie de măsuri — repopularea artificială, necesitată de mica prolificitate a Salmonidelor „nu s'ar putea face cu succes, dacă n'ar colabora la această operă" și Serviciul silvic, „altfel (așa cum spun autorii) repopularea cere un personal nou și costisitor".

Cap. III (de 18 pagini) cuprinde bazele științifice ale repopulării și punerii în valoare. Pentru aceasta este nevoie să se facă pe teren o serie de cercetări care să ne ducă la cunoașterea caracteristicelor și bonității apelor de munte.

Cap. IV (de 19 pagini) se ocupă de speciile de Salmonide indigene și aclimatizate la noi, stăruindu-se asupra celor indicate pentru repopulare. Așa, ni se vorbește despre:

a) Păstrăvul comun (Trutta fario L.) obișnuit în apele noastre de munte.

b) Păstrăvul de lac (Trutta lacustris L.) care ar exista în Lacul Roșu dela Cheile Bicazului, socotit de unii drept o formă a păstrăvului comun, adaptată la viața de lac de munte.

c) Lostrița (Salmo hucho L.), specia de Salmonide din Europa Centrală care atinge talia cea mai mare. Se găsește în basinul Dunării fiind cunoscută în Germania, Austria, Cehoslovacia, Ungaria, Jugoslavia, Bulgaria, Polonia și România. In basinul superior al Dunării, lostrița se găsește atât în fluviu, cât și în afluenții săi; pe când în basinul inferior, nu se întâlnește decât numai în afluenți. La noi este cunoscuta în Bistrița, Olt, Jiu, Lotru, Caraș, Prut, Mureș și Vișeu.

d) Lipanul (Thymallus thymallus L.) răspândit în toată Europa, afară de Irlanda, Sudul Franței și peninsula Iberică.

Dintre speciile introduse se menționează:

e) Păstrăvul curcubeu sau american (Trutta irideus) introdus din America, o specie care nu poate și nici nu trebue să înlocuiască păstrăvul nostru indigen.

f) Fântânelul sau somonul de șipot (Salmo fontinalis Mitsch.) originar din America de Nord, a fost introdus pe Barnar, un afluent al Bistriței din sus de Broșteni.

Autorii dau și o cheie de determinare a Salmonidelor, precum și biologia fiecăreia din speciile semnalate.

Cap. V (de 25 pagini) tratează despre „amenajarea și repopularea apelor curgătoare de munte". Aici se arată:

a) Condițiile pe care trebue să le îndeplinească un curs de apă spre a fi repopulat;

b) Planul general de amenajarea și repopularea apelor de munte;

c) Tehnica repopulării;

d) Exploatarea rațională a cursurilor de apă.

Se precizează:

In vederea repopulării artificiale, se cere să se înființeze stațiuni de repopulare conduse de oameni pricepuți.

Tehnica repopulării trebue să fie organizată așa ca să dea rezultatele așteptate în concordanță cu capacitatea biogenică și bonitatea apei.

Repopularea urmează să fie aplicată după un plan metodic.

La această operă, autorii arată că trebue să colaboreze, pe lângă biologii de specialitate, și Corpul Silvic (ingineri, conductori, brigadieri și pădurari).

Cap. VI (de 6 pagini) este rezervat „organizării științifice și administrative a repopulării cursurilor de apă de munte".

Aici se arată organizarea din Franța, în care Corpul silvic are rolul de căpetenie.

Apoi, care ar trebui să fie organizația la noi. Autorii arată că repopularea „nu se poate face temeinic dacă nu va avea la baza ei o serioasă organizare tehnică și administrativă". In acest cop se cere „un plan de valorificare bazat pe date biologice, fiziografice și economice". Succesul punerii în executare a planului, după autori, depinde de colaborarea dintre: Direcția vânătoarei și a apelor de munte, Casa Pădurilor Statului și Institutul de cercetări agronomice.

In Partea II-a a lucrării ni se dă o aplicare a unora din principiile enunțate, la condițiile românești. Se publică astfel:

1) Monografia limnobiologică piscicolă a pârâului Bărnărel, afluent de dreapta al Bistriței la circa 15 km în amonte de Broșteni.

2) Harta limnobiologică piscicolă a basinului superior al Bistriței — zona lipanului — anume porțiunea cuprinsă între localitățile Crucea și Borca din jud. Neamț. La hartă se pune în evidență „ansamblul caractereior fiziografice și biologice sub raportul economiei piscicole a râului Bistrița și afluenților săi din regiunea Crucea—Broșteni—Borca".

La sfârșit se dă o bogată bibliografie și semnele convenționale de folosit pentru trasarea hărților limnobiologice și piscicole. Un număr de 31 figuri și patru planșe conținând câteva plante din flora apelor și câteva specii din fauna piscicolă, fac lucrarea, în părțile la care se referă, mai ușor de urmărit.

In concluzie, lucrarea pe care o prezintăm azi este, așa cum și autorii singuri o spun, un **îndreptar** în mâna celor chemați să ducă la îndeplinirea acestei mari opere. De aceea, ea nu trebuie să lipsească de pe masa de lucru a silvicultorilor.

*Ing. Al. Haralamb.*

GEIGER, Rudolf și FRITZSCHE, Günter.
*Spätfrost und Vollumbruch.*
**(Ger târziu și prelucrarea adâncă a solului).**
**Forstarchiv, 16, 141—156, 1940.**

Ocolul silvic Finowtal afectat Școalei Superioare de Silvicultură din Eberswalde oferă o mare varietate de aspecte din punct de vedere al condițiilor staționale și al vigoarei de creștere a diferitelor arborete. Există foarte frumoase păduri de stejar, prețioase prin lemnul de furnir pe care îl produc, precum și arborete degradate de pin; soluri foarte bogate de morene, precum și sărace soluri nisipoase. In afară de aceasta, varietatea se mai datorește și intervenției conducătorilor ocolului, profesori la Eberswalde, cari au creat mereu suprafețe de experimentație.

Mulțimea condițiilor staționale și arboretele existente creiază o mare varietate de microclimate. Căci microclima este clima pe spații mici și anume o funcție între altele și de configurația terenului, condițiile de sol, natura împăduririlor, etc.

De aci, posibilitatea de felurite cercetări.

Pentru Eberswalde și pentru ținuturi ceva mai îndepărtate, interesează pe silvicultori, dintre aspectele acestor microclimate, gerul târziu, ca unul dintre cele mai neprielnice. Chiar pinul atât de rezistent suferă în această privință. Atenția silvicultorilor asupra acestei probleme a fost în ultimul timp din nou atrasă mai ales pentrucă sub scutul pinilor se voia să se introducă douglasul, pentru a se innobila și deci a se ridica valoarea mizerelor arborete de pin. De aci, punctul de plecare a cercetărilor de micrometeorologie în acest ocol Finowtal și pe aceste suprafețe pentru profesorul Geiger, de când a luat catedra de meteorologie la Școala superioară de silvicultură dela Eberswalde. Problema atrăgea pe profesor nu numai pentru motivul de a găsi o deslegare, pentru a da cu alte cuvinte practicianului posibilitatea de a se apăra în contra acestor vătămări, dar și pentru motivul că asemenea cazuri *tari* pot fi ca și în medicină „bubele frumoase" — foarte instructive.

Danckelmann, Dengler, Schubert, studiase mai înainte problema. Evident însă, din punct de vedere silvic primii doi, meteorologic al treilea, însă utilizând altă metodă decât aceea studiului de care ne ocupăm. In adevăr, se discuta asupra suprafețelor vătămate puternic de ger târziu, fără a se face măsurători de temperaturi chiar pe aceste suprafețe. Este un gol în cercetările de până acum, pe care lucrarea D-lor Geiger și Fritzsche vor să-l umple. Dar autorii au mai avut o șansă cu suprafețele alese și anume: în parcelele în care au lucrat, s'au făcut independent de preocupările lor imediate o mobilizare profundă a solului în 1937 și 1939. Această împrejurare a înlesnit constatarea unor fapte de mare importanță pentru silvicultorii de acolo, după cum vom vedea.

Mai întâi să vorbim însă pe scurt de locul de cercetare și despre metoda întrebuințată.

Vecinătățile nu ne interesează. Altitudinea punctului celui mai ridicat de pe această suprafață este 37 m, iar a celei mai coborîte 35 m. Terenul este mai mult plan, prezentând în partea vestică un aspect mai vălurat. In 1925 s'a exploatat ras arboretul de pin care exista (110 ani). S'a semănat apoi în 1926 tot cu pin, a reușit și în primii ani a vegetat

minunat, până în 1931, când un ger târziu (în Iunie) a început seria vătămărilor. Actualmente a mai rămas 1,5 ha din semănătura de altădată destul de vătămată și ea. În partea estică, circa 5 ha a fost arat, în 1939, adânc cu plugul și plantat pin în amestec cu molifi și foioase. Învecinat cu aceasta, în parcela alăturată încă o suprafață de circa 4,5 ha a fost arată adânc cu plugul, în 1937, și plantată la fel ca precedenta.

Pe aceste suprafețe menționate s'au instalat 30 de termometre de minimum la o înălțime de 10 cm deasupra solului și anume de așa manieră răspândite pe suprafața cercetată, încât să se poată observa și discuta apoi dacă accidentul de teren (deal-vale), prelucrarea solului (aratul adânc, proaspăt, mai vechiu), însușirile fizice ale solului (bun conducător de căldură ori nu), pătura ierbacee, etc. au ori nu o influență asupra gerului târziu.

Bineînțeles, s'a avut grijă să se verifice termometrele înainte și după măsurătorile pe teren și să se ia seama la instalarea lor să se evite vecinătatea vreunui tufiș sau arbore, lucru care ar modifica condițiunile de observare.

Rezultatele au fost dintre cele mai interesante. În primul rând, s'a constatat o mare diferență între temperaturile citite la 10 cm deasupra solului pe suprafețele vătămate de ger târziu și între datele stațiunii meteorologice din Eberswalde, stațiune situată la 9,5 km depărtare de suprafețele cercetate. Astfel se verifică încă odată, că ceea ce se citește la 2 m deasupra solului, în apărător, la o stațiune meteorologică are pentru silvicultor în anumite stațiuni și pentru lucrul pe dimensiunile reduse, o valoare foarte relativă. Pentru a fixa ideile, să dăm exemplul numeric: la stațiunea meteorologică, media temperaturilor minime în luna Mai a fost 7,2° C; pe suprafețele cercetate 3,0° C. În Iunie, la stațiune 10,9° C, la locul de experiență 4,0° C. În Iulie 13,6° C la stațiune, față de 7,7° C la teren. Vasăzică, diferențe foarte mari (4—7° C). Dacă se mai ține seama și de faptul că pinul începe să dea lujeri noui abia în a treia decadă a lui Mai se apreciază și mai mult importanța minimului care apare în Iunie, lună hotărîtoare în felul acesta pentru vegetație.

Dar în afară de asta, repartiția frecvenței temperaturilor minime la Stațiunea din Eberswalde și de pe suprafețele unde s'a lucrat, este concludentă. La stațiune, în toate nopțile se înregistrează temperaturi mai mari decât zero și abia dacă se apropie de două ori de această valoare. Pe suprafețele cercetate frecvența temperaturilor joase crește și se înregistrează temperaturi negative chiar până la —6° C, lucru care nu poate fi înregistrat în apărător la stațiune. Așadar, numai la 10 km depărtare, o climă foarte schimbată. Ceea ce înseamnă, că, silvicultorul trebue să aibă și măsurători pe propriul lui teren de activitate, atunci când vrea să lucreze ținând seamă și de date meteorologice.

Revenind la suprafețele cercetate, adică la observațiunile făcute pe ele, mai menționăm că ploaia și vântul uniformizează temperaturile, adică nu se mai constată diferențe notabile între diferite stațiuni, pe când pe cer senin, radiația puternică provoacă temperaturi joase chiar în Iunie (—10° C), încât nu ne mai mirăm de pagubele pricinuite de gerul târziu. Pe silvicultor îl interesează însă în primul rând posibilitățile de îndreptare a răului, de prevenire a lui. De

aceea, odată constatată origina acestor pagube, modul cum ia naștere gerul târziu trebue de asemenea lămurit. In această ordine de idei se precizează că există două feluri de ger târziu: advectiv și din radiațiune. In cazul gerului advectiv, aerul rece e transportat, adus mai ales din direcțiuni nordice, ceeace se chiamă val de frig. In contra lui nu există propriu zis măsuri de protecție. In cazul radiațiunei, gerul ia naștere la fața locului. Este cazul cel mai frecvent și care poate fi evitat sau temperat prin măsuri de ordin cultural. In adevăr, cercetările recente ale lui Geiger și Fritzsche confirmă prin cifrele obținute și dau explicarea fizică a fenomenului constatat de silvicultori mai înainte, și anume influența protectoare a mobilizării solului în contra gerului târziu la Hohenlübichow unde propriu zis se aplica metoda lui von Keudell (aratul adânc).

Pentru a evidenția pe baza măsurătorilor lor acest lucru, Geiger și Fritzsche pun în paralel la scara convenabilă curba temperaturilor minime medii precum și aceea din unele nopți caracteristice cu profilul terenului.

Două concluzii reies din aceste comparațiuni: prima, că stațiunile mai înalte sunt mai calde decât stațiunile mai joase unde se localizează gerul; a doua, că solul mobilizat adânc modifică regimul schimbului de căldură la suprafață, îmblânzind sau evitând complet gerul. Cu mentiunea însă, că acest lucru este valabil pentru acea stațiune unde partea minerală a solului e bine reprezentată, pentruca prin mobilizarea lui calitatea de bun conducător de căldură să nu se modifice. Pentru a da și aci o cifră, cităm diferența de 4° C care există între temperaturile minime medii între suprafețele înțelenite și cele lucrate adânc. In unele cazuri particulare diferența aceasta a fost găsită chiar de 5,5° C! (Mai cald adică cu această diferență pe solurile mobilizate).

Dar nu numai din acest punct de vedere există diferență între suprafețele lucrate și cele nelucrate. Numărul orelor de ger exprimă și el în mod elocvent diferența de stațiune. In adevăr, pe suprafețele înțelenite gerul durează de circa 5 ori mai mult decât pe suprafețele mobilizate adânc. Să dăm cifre și aci: în 17 nopți, pe suprafețele arate profund, durează gerul 25 ore; în 19 nopți, pe suprafețele nelucrate, durează gerul 128 ore. Este o diferență!

In sfârșit se mai ia în considerațiune intensitatea gerului și pericolul pe care-l prezintă. Temperaturile înregistrate pot arăta cât de puternice sunt aceste geruri târzii, dar efectele lor sunt funcții și de alte mărimi. Și anume: timpul când apar, numărul și repetarea lor (frecvența), etc. Toți acești factori sunt discutati ținându-se seama și de observațiuni fenologice.

In concluzie, cercetările de care ne ocupăm, dovedesc că silvicultorul poate, prin lucrări culturale, modifica microclima în ocolul său. Evident, starea timpului (vremea) nu poate fi schimbată, însă anumite măsuri pot fi luate pentru a micșora pagubele care eventual s'ar produce. Concluzia este valabilă pentru stațiunile și condițiile în care s'a lucrat. O generalizare nu e permisă decât pe bază de noui cercetări în alte

ocoale, alte staţiuni şi o lărgire a metodei de investigaţiune în direcţia măsurării radiaţiunii pe diferite soluri şi a repartiţiei temperaturilor în sol şi imediat deasupra lui în aer. In ceea ce îi priveşte, autorii declară că au deja în pregătire problemele menţionate.

Cam aceasta este rezumatul cuprinsului lucrării. Cine se interesează mai în amănunt de ea, de acest gen de cercetări, încearcă la lectură un nobil sentiment de satisfacţiune şi de admiraţie pentru magistrala tratare a subiectului şi exploatare a observaţiunilor, prin metodica şi sugestiva prezentare a datelor în tabele şi curbe. E un model de lucru în domeniul meteorologiei forestiere.

*T. Bălănică*

---

CĂRŢI NOI:

**ANALELE INSTITUTULUI DE CERCETĂRI ŞI EXPERIMENTAŢIE FORESTIERĂ**
**Vol. V, 1939.**

Cuprinde:

1. **Prof. C. C. Georgescu:** Răspândirea orizontală a pinului silvestru în Carpaţii României. pp. 78+1 h.
2. **At. Haralamb:** Răspândirea naturală a pinului silvestru în judeţul Buzău, pag. 38+1 h.
3. **C. C. Georgescu:** Contribuţiuni la cunoaşterea făinării stejarului, pp. 19.
4. **Gr. Eliescu:** Observaţiuni privitoare la studiul metodei în protecţia pădurilor, pp. 15.

## REVISTE

JOURNAL OF FORESTRY.
*Nr. 5, May 1939.*

*Editorial:*
*Probleme de actualitate în învăţământul silvic.*

Se spune că universităţile reflectă sufletul ţării. Dacă asta-i adevărat, atunci şi învăţământul silvic este oglinda profesiunii de forestier. Aşa încât de buna stare a învăţământului silvic se interesează cu egal drept profesorii, studenţii şi tot Corpul silvic.

Pentru o ridicare materială a învăţământului s'a luptat mult în ultimii ani. Se pune acum problema şi pentru o ridicare a standardului spiritual. Lucrul e posibil acţionându-se pe trei căi: o întărire a Corpului profesoral, o mărire dela 4 la 5 ani a duratei de studii, o remaniere a programului didactic.

Intărirea Corpului profesoral nu se poate face peste noapte. Ea se poate realiza treptat recrutându-se dintre tineri profesionişti cei mai apţi, cei cari promit a fi mai bine dotaţi, asigurându-se acestora un standard decent de vieaţă materială, timp liber pentru studii, cercetări şi călătorii. Tot aşa de important este crearea şi păstrarea unei atmosfere intelectuale în facultate.

Mărirea duratei studiilor se face şi la alte categorii de învăţământ şi chiar la mai mult de 5 ani. Mult timp şcolile silvice din America s'au străduit să standardizeze un minimum de cunoştinţe profesionale. Pentru realizarea acestuia e nevoe însă de o durată de cinci ani.

Revizuirea programului didactic al Şcoalei merită deasemeni multă atenţie. Sunt unele cursuri prea elementare, la care trebue să se renunţe fie din cauza naturii lor, fie din cauza manierii în care sunt predate.

Acum, dacă înscrierile studenţilor vor descreşte, după cum e foarte probabil, se vor ivi greutăţi pentru administraţia şcoalelor. Dar trebue să se lupte pentru menţinerea profesorilor, pentruca să se înlesnească cercetările. In adevăr, o statistică din St. Unite ne arată că nu-i deloc secetă de programe de cercetări şi experimentaţie silvică. Dintr'un total de 1300 proiecte, 250 aparţin şcolilor silvice. Se mai arată de asemeni că pentru aceste cercetări s'a cheltuit în anul trecut financiar 7 mil. dolari, din care sumă circa 165.000 dolari a fost repartizată şcolilor, ceeace e puţin.

Activitatea de cercetări şi experimentaţie în unele şcoli silvice din America este practic nulă, deşi orice şcoală trebue să aibă un program de cercetări şi instrucţiuni dacă vrea să fie considerată demnă pentru o universitate geloasă de acest nume. Nu înseamnă, evident, că orice profesor trebue să facă cercetări pe teren. Dar nici o facultate dela o adevărată universitate nu poate pretinde respect înnăuntrul şi în afara ei, dacă nu se găseşte în Corpul didactic, că-

tiva profesori care să aibă contribuţiuni rezonabile la programul cunoştinţelor.

Aşa încât, în rezumat, pentru şcolile silvice din America se ascunde în viitorul apropiat o mică furtună, care nu-i în fond de cât o binecuvântare deghizată; greutăţile vor întări învăţământul silvic, iar şcolile care vor rămâne vor concentra asupra lor toată atenţia celor interesaţi.

*George H. Wirt:*
*Joseph Trimble Rothrock: tatăl silviculturii în Pennsylvania.*

Un articol comemorativ scris cu prilejul serbării centenarului dela naşterea lui J. T. Rothrock.

*Harris A. Reynolds:*
*Păduri comunale.*

Pentru foarte multe oraşe din statele din Est, industria forestieră a avut o parte importantă în vieaţa economică a comunităţii. Astăzi, fabricile de cherestea abandonate stau ca pietrele de mormânt ale unei industrii moarte. Multe oraşe în declin găsesc cauza decăderii lor în abuzul care s'a făcut cu resursele naturale, în special pădurile. Ca un complement la această situaţie sunt fermele părăsite. Pentru o renaştere a acestor comunităţi sunt puţine speranţe, afară dacă nu se vrea o refacere a pădurilor. Desigur, pentru un proprietar particular lucrul e greu, dar o comunitate, la care s'ar adăuga ajutorul Statului poate şi trebue să întreprindă o acţiune. Problema este acum în posibilităţile profesiunii.

*John F. Preston:*
*Apropiera de silvicultura fermieră.*

Aproximativ 30% din suprafaţa totală forestieră şi circa 40% din suprafaţa forestieră particulară este în formă de economie fermieră. In general, aceste ferme împădurite sunt tăiate ras şi imburuenite. Se încearcă în articolul de faţă să se arate cauzele care au condus la actuala situaţie şi se propune o încercare pe baza unui plan, care să fie urmărit timp de 25 de ani, pentru redresarea acestor ferme. In felul acesta s'ar lucra coordonat, eforturile nemai fiind irosite fără nici o socoteală.

*J. Nelson Spaeth şi M. Afanasiev.*
*Efectul sterilizării cu hipoclorit de calciu asupra germinării unor anumite seminţe.*

Sterilizarea seminţelor cu hipoclorit de calciu are ca rezultat o întârziere a germinaţiei şi o reducere a procentului de germinaţie.

*W. H. Kilby:*
*Căile ferate canadiene şi pădurile din Canada.*

Se arată dependenţa mutuală dintre desvoltarea marei industrii şi marele resurse naturale. Protecţia în contra focului este o necesitate capitală pentru ambele partide. Se arată metodele întrebuinţate şi rezultatele obţinute. In materie de conservarea pădurilor, educaţia e cea mai mare dintre necesităţi.

*Paul O. Rudolf:*
*Pentru ce nu reuşesc plantaţiunile.*

Plantaţiunile au devenit o activitate forestieră majoră şi opinia publică reacţionează după succesele înregistrate în acest domeniu. O necesitate pentru asigurarea succesului este şi aflarea şi recunoaşterea greşelilor; de unde urmează că este de

mare valoare practică să se determine influența diferiților factori care cauzează insuccesul. Cărțile de specialitate și studiile generale arată care sunt cauzele principale ale mortalității plantelor, sunt însă de valoare generală.

Un studiu întreprins de Stațiunea de experimentație forestieră pe teritoriul Huron, pentru cazul din 1936, când a bântuit o secetă aspră, a permis să se constate că 1) mortalitatea cea mai mare au suferit-o pueții cu sistem radicelor pe un singur plan și superficial, 2) că temperaturile ridicate și seceta sunt factorii cei mai de temut, în special temperaturile ridicate, 3) că nici aciditatea solului și nici procentul de materii fine din sol nu par a avea o legătură cu materialul care a rezistat secetei.

*G. A. Pearson:*
*Mortalitatea în arboretele de Pinus ponderosa tăiate ras.*

*Henry E. Clepper:*
*Revistele pentru silvicultori.*

Un articol foarte interesant. Se enumără periodicele, din America, în care apar lucrări referitoare la economia forestieră, de știință și de popularizare, în variatele domenii de activitate ale profesionistului și omului de științe. Se fac de asemeni recomandațiuni de felul cum trebuesc scrise articolele și căror reviste pot fi trimise. Se arată mai departe technica funcționării unui Comitet de redacție și administrativ al revistei. In general, articolul e scris pentru tinerii silvicultori, cari vor să-și înceapă o îndeletnicire a condeiului, fie pentru a-și face o profesiune fie pentru a avea o ocupație în afară de programul obișnuit al instituției la care servesc.

*William T. Hicks:*
*Aspecte economice ale comercializării în cooperative a produselor forestiere.*

Un subiect care a mai fost desbătut în coloanele acestei reviste. In prezentul articol se analizează acest tip de organizare discutându-se în general diferitele faze ale cooperației considerându-se în special aspectele economice.

*H. H. Chapman:*
*Studii de specializare silvică la școli față de brevetarea de către stat.*

In America, profesiunile intelectuale în genere, dar mai ales silvicultura în special nu se învață și se definesc totdeauna, în toate cazurile ca la noi, în Europa. Silvicultorii americani, iubitori și entuziaști de meseria lor au căutat să ridice standardul intelectual al profesiunii comparând și membrii și ocupațiunile lor cu alte corporații (medicina, avocatura, ingineria) pe cari opinia publică le cunoștea și le respectă. Profesorul Chapman, care s'a întrebuințat mult pe acest domeniu, pledează și de astădată pentru o precizare a minimului de cunoștințe pe care orice școală trebue să-l predea viitorilor silvicultori.

*Kenneth P. Davis și Karl A. Kleha.*
*Combaterea incendiilor în pădurile de tipul Pinus Strobus din West.*

Problema prezentată în special pentru amenajiști. Autorii descriu condițiunile în care este util să se ia măsuri de precauțiune în contra incendiilor, rezultatele care pot fi obținute și costul operațiunilor.

*Alice Stuart:*
*Accesibilitatea pădurilor naţionale pentru recreaţiune.*

Se face o comparaţiune între nouă regiuni din Serv. Forestier al St. Unite şi posibilităţile de acces cu scop de recreaţiune la pădurile naţionale pentru populaţia civilă.

*Nr. 6, Junie 1939:*

*Editorial.*
*Medalion: Decanul Henry S. Graves.*

Cuvinte de apreciere pentru Prof. H. S. Graves (dela Şcoala de silvicultură de pe lângă Universitatea din Yale), care la sfârşitul anului şcolar 1939 îşi încheie cariera didactică, prin retragere la pensie. Se arată realizările şi bogata activitate ca şef al serviciului silvic, ca profesor, ca decan al şcoalei de silvicultură, unde peste tot a cinstit funcţiile pe care le-a îndeplinit.

*Eino Saari:*
*Congresul internaţional forestier din 1940 în Finlanda.*

O invitaţie a prof. Saari dela Universitatea din Helsinki, adresată silvicultorilor americani, de a participa la Congresul internaţional de silvicultură din 1940, care conform hotărîrilor luate în 1936, la Congresul de la Budapesta, urma să aibă loc în Finlanda.

*F. R. Wilcox:*
*Posibilităţile fotografiei din stratosferă şi substratosferă pentru administraţia silvică.*

Utilizarea aerofotogrametriei în legătură cu lucrările silvice s'a desvoltat mult şi repede în ultimii ani. Se propune acum să se folosească fotografii luate din stratosferă şi substratosferă, pentru acelaşi scop. Deşi ultimul tip de fotografii prezintă anumite dificultăţi de ordin technic, are totuşi avantaje care sunt discutate în detaliu de autor.

*Robert K. Winters:*
*Consumul de lemn de foc în Sud.*

Se arată metoda întrebuinţată de Serviciul Statistic pentru a calcula consumul de lemn de foc în Sud, rezultatele obţinute şi interpretarea lor.

*Edwin C. John:*
*Studiul chimiei în învăţământul silvic.*

Silvicultura este o ştiinţă aplicată bazată pe ştiinţele naturale. Din această cauză multe programe de învăţământ la şcolile de silvicultură includ lucrări de introducere în toate ştiinţele naturale. Intr'un fel, aceşta e un lucru bun pentrucă dă o perspectivă studentului şi o introducere în zestrea de cunoştinţe ştiinţifice a lumii; în altfel însă, e rău pentrucă se face un lucru superficial. Ar rezulta un mare folos, dacă fiecare student silvic şi-ar adânci (pentru lucruri ulterioare) una din disciplinele de bază.

Dr. E. C. Jahn prezintă cazul chimiei, arătând necesitatea ei pentru practica silvică, (lucrări de silvicultură, de protecţia pădurii, de technologie, de cercetări şi experimentaţie, în amenajament) şi felul învăţământului chimiei.

*Carl Bahr:*
*Politică economică şi comercială necesară pentru o reuşită economie forestieră particulară.*

*B. C. Goodell:*

*O sondă de sol pentru determinarea adâncimii la care îngheaţă solul.*

Măsurătorile de adâncime la care îngheaţă solul au importanţa lor în studiul economiei apei. Ele reprezintă un mijloc pentru a afla efectul vegetaţiei asupra apărării solului de îngheţ sau cel puţin a reducerii efectului îngheţului asupra solului. In articol, se descrie o metodă simplă pentru determinarea adâncimii solului îngheţat, precum şi instrumentul întrebuinţat în această metodă.

*K. E. Barraclough:*

*Planificarea folosinţei terenurilor judeţene.*

Se descrie programul arătându-se cele mai bune condiţii pentru o activitate silvică.

*Ernst J. Schreiner:*

*Câteva aspecte ecologice ale geneticei forestiere.*

Se discută în paralel obiectivele şi metoda de lucru în ecologie şi genetică, pentru a se stabili în concluzie că eforturile în ambele domenii trebuesc coordonate în vederea unui scop comun, producerea de arbori din ce în ce mai buni.

*Clyde S. Martin:*

*Ce măsuri practice sunt necesare pentru desvoltarea economiei forestiere particulare?*

Desvoltarea economiei forestiere particulare depinde în întregime de factori economici. Acţionând deci asupra acestor factori, în sensul de a se asigura un venit rezonabil pădurilor particulare se poate spera ca măsurile de ordin cultural să fie introduse şi la aceste categorii de păduri, pentru o mai bună stare a lor.

*D. S. Olson:*

*Punctul de vedere al pepinieristului comercial analizat de un silvicultor.*

Mult timp conducătorii pepinierelor statului şi cei dela pepinierele particulare înfiinţate cu scop comercial nu s'au putut pune de acord în privinţa producţiei. Pentru necesităţi de ordin public, naţional, cum e realizarea planului de ridicare a economiei forestiere particulare, e necesară o armonie între aceste două categorii de producători. E teza pentru care pledează autorul articolului.

*Henry I. Baldwin:*

*Comercializarea lemnului de foc în New Hampshire.*

Se arată ce s'a făcut în New Hampshire în domeniul comercializării lemnului de foc astfel ca să realizeze prin producerea lui o îmbunătăţire a stării arboretului şi să se asigure un plasament pentru mâna de lucru neintrebuinţată.

*Benson Paul:*

*Variaţii în greutatea specifică a lemnului de primăvară şi de vară la patru specii de pin.*

Un studiu din domeniul technologiei lemnului. Se descrie metoda întrebuinţată, se publică şi se discută rezultatele obţinute. Fotografia aparaturii, grafice şi tabele întregesc expunerea.

*E. M. Hornibrook:*
*O clasificare revizuită a arborilor de întrebuinţat în studiile şi comercializarea lemnului de Pinus ponderosa în regiunea Black Hills.*

Un amenajament în arboretele de Pinus ponderosa impune o selecţiune judicioasă a arborilor de rezervă. Silvicultorul care marchează trebue să ştie care tip de arbore are cele mai mari potenţialităţi de creştere şi care are mai puţin. Problema silvică în marcare este deci a se şti să se aleagă după anumite caractere (vârsta, desvoltarea coronamentelor) care arată o capacitate de creştere mai mare sau mai mică. Arborii aleşi pentru tăere trebue să fie aceia la care a încetat creşterea, sau care au perdut posibilitatea de a se adapta la un plus de lumină, substanţe nutritive, umiditatea solului. Arborii aleşi pentru a rămâne în arboret, pentru a forma nucleul tăerii a doua, trebue să fie aceia care îşi vor menţine încă mulţi ani capacitatea productivă.

*T. Bălănică*

JOURNAL FORESTIER SUISSE.

Nr. 7/1940.

*Ad. Besson:*
*Les forêts de la commune de l'Isle (Vaud) en 1797.*
Pădurile comunei Isle (în Vaud) în anul 1797. (6 pag.).

La anul menţionat Ilustra cameră a pădurilor din Berna a ordonat o anchetă asupra întinderii şi compunerii domeniului forestier aparţinând comunei Isle. Autorul articolului de faţă face o comparaţie între starea de azi şi cea de acum 150 ani.

Suprafaţa de azi este mărită faţă de trecut, prin cumpărarea unei suprafeţe de pădure şi a alteia de păşune (care ulterior s'a împădurit).

Vitele acum 150 ani păşunau o parte din pădure; o bună parte însă era interzisă, accesul fiind oprit prin garduri ce înconjurau pădurea. Azi interesul pentru păşunatul în pădure a scăzut. Noile condiţii de viaţă cer din ce în ce mai mult lemn.

*C. A.* (Londra):
*Les forêts de Norvège.*
Pădurile Norvegiei (2 pag.).

Suprafaţa împădurită a Norvegiei cuprinde 7.970.000 ha adică circa 24,7% din suprafaţa totală (322.538 km²). Răşinoasele în primul plan 5,5 milioane ha. Partea de sudvest a ţării este cea mai împădurită; apoi vine centrul ţării în Nordul oraşului Oslo şi în particular judeţele cuprinse în Valea Glomma (Osterdar). Cele mai frumoase păduri sunt dealungul ţărmului mării şi în special în jurul fiordurilor.

Reprezentantul foioaselor este mesteacănul. Dintre conifere: molidul (66%) şi pinul silvestru (34%).

Bogăţia de lemn alb şi roşu a prilejuit creiarea unei frumoase industrii de lemn. Producţia anuală este de 5,8 milioane m³ molid şi 2,5 milioane m³ pin. Producţia de pastă chimică (în 1935) a fost de 462.000 tone, iar de pastă mecanică de 398.000 tone în 1935 şi de 425.000 tone în 1938. Norvegia se clasează a 6-a în pastă mecanică (5,6%).

Cea mai mare parte exportată, în special în Anglia (care absoarbe 90% din exportul Norvegiei) apoi în Statele Unite şi Franţa.

Ca şi în Suedia, plutitul lemnului este unul din mijloacele de transport folosite.

*D. C.:*

*Le calorifère „Decalor".*

Caloriferul sistem „Decalor". (1 pag.).

In Elveţia a preocupat mult problema sobelor de încălzit sau pentru bucătărie cari folosesc ca combustibil lemne, cu scopul economisirii lemnului şi obţinerii celui mai mare randament.

In coloanele revistei noastre am mai semnalat aceasta în Nr. 1/1939 pag. 39. A se vedea deasemenea Journal forestier suisse Nr. 5/1938 pag. 105—110.

In articolul de faţă, autorul semnalează un sistem de calorifer care utilizează lemnul, oferind un randament „superior celor cunoscute până acum".

*H. B.:*

*Comment préparer l'écorce d'épicéa pour la tannerie.*

Cum să se prepare scoarţa de molid pentru tanin. (2 pag.).

*Les forêts grecques et leur exploitation.*

Pădurile Greciei şi exploatarea lor.

Reproducere după Revue internationale du bois (Nr. 71—73 pag. 310-312).

*At. Har.*

ZEITSCHRIFT FÜR WELTFORSTWIRTSCHAFT.

Bd. VII. Heft 5/6 (Februar-März 1940).

*Franz Heske:*

*Die Wälder der europäisch-afrikanische Grossraumes.*

Pădurile marelui spaţiu europeano-african.

Se urmăreşte a se arăta în linii largi misiunea Europei în Africa, cu aplicare la economia forestieră, misiune care îi este impusă de situaţia geografică, istorie şi soarta sa. Ideile exploatării cu continuitate şi a culturii pădurii, născute, precizate şi aplicate cu succes în ţările europene de veche cultură vor constitui temeiurile viitoarei economii forestiere africane. Particularităţile pădurii africane oferă extraordinare putinţe de învăţătură şi experienţă.

Studiul conţine multe date asupra stadiului actual al exploatării pădurilor respective şi interesante sugestii asupra viitoarei desvoltări a lucrărilor.

*Internationaler Forst- und Holzwirtschaftsbericht.*

Cronica forestieră internaţională.

Ca de obiceiu ni se oferă un bogat material de date asupra stărilor şi faptelor forestiere din diferite părţi ale lumii.

*Ilie C. Dem.*

ZEITSCHRIFT FÜR FORST- UND JAGDWESEN.

Caietul 7—8, Iulie-August 1940.

*Studii:*

*Dr. A. Olberg:*

*Waldbauliche Erfahrungen in Chorin.*

Experienţe silvice în Chorin.

Este continuarea studiului început în n-rul trecut al revistei. In această ultimă parte autorul arată condiţiile de vegetaţie ale pinului, posibilităţile de producere a lemnului de

valoare, conducerea răriturilor, problema vânatului în ocolul silvic Chorin.

*Dr. A. Hill:*
*Holzabfuhrwege im Umlegungsverfahren und die Regelung ihrer Unterhaltung.*

*Dr. C. Müller-Kögler:*
*Eingehen von Kiefernspannerraupen durch Frost?*
Mor larvele de geometride prin ger?

O serie de experiențe de laborator au arătat că larvele de geometride supuse timp de 3 ore la o temperatură joasă (—12 până la —13° C) îngheață și mor. Este probabil așa dar că gerul mare ucide și în pădure aceste larve.

*Recenzii:*

*Lustig, Ernst:* Zwischenkultur im Forst. [Culturi intermediare în pădure]. M. Rohrer, Brünn (Wien) Leipzig. Prețul broș. 2 RM.
Recenzent *Dengler.*

*Notițe:*

Hermann-Göring — Akademie der deutschen Forst- wissenschaft.
*Academia de științe silvice germane „Hermann Göring".*
In Academia de științe silvice „Hermann Göring", de curând înființată, au fost primiți:

I. *Membri ordinari:*
Abetz, Aichinger, Baader, Dengler, Dieterich, Eberts, Eidmann, Geiger, Graser, Heske, Hilf, Huber, Hugershoff, Köstler, Krauss, Lemmel, Münch, Schenck, Schimitschek, Seeholzer, Tschermak, Vanselow, Wiedemann, Wittich, Zwölfer.

II. *Membri corespondenți:*
Bauer, Brückner, Gaber, Graf, Hesmer, Kollmann, Künkele, Liese, Metzger, Olberg, Rubner, Schmauss, Winter, Mayer-Wegelin.

III. *Membri de onoare:*
Albert, Bernhard, Endres, Escherich, Hausrath, Schubert, Tubeuf, Wappes.

*G. T. T.*

# NECROLOG

† I. C. NISTOR-VALEANU
Inginer inspector general silvic
Directorul forestier al Soc. „Carpatina"
în vârstă de 56 ani

In noaptea de 18 spre 19 Iulie 1940, s'a stins din viaţă, la Brezoi (Vâlcea), Inginerul inspector general silvic I. C. Nistor-Văieanu, după 2 ore de suferinţi în urma unui atac de cord.

Originar din satul Oanţu (jud. Neamţ), după ce a terminat cu succes liceul din Piatra Neamţ (secţia reală), a intrat ca bursier în Şcoala superioară de silvicultură de la Brăneşti, ale cărei cursuri le-a urmat în anii 1905-1910 făcând parte din promoţia a XIII-a.

Intrând în serviciul Statului, a fost numit numai la ocoalele de munte cele mai grele, rând pe rând la: Soveja (Putna), la Domneşti (Muscel), la Regina Elisabeta (Tarcău) din jud. Neamţ, unde s'a manifestat în lucrări de plantaţiuni ca succesor a lui M. Anania, unul dintre primii silvicultori care s'au ocupat cu problema plantaţiilor în munţii Tarcăului.

A muncit cu râvnă şi cu o pasiune sinceră de silvicultor al terenului, căci a avut parte numai de munţi grei de ridicat şi păduri îndepărtate.

In acest timp cât a fost în serviciul Statului a fost un exemplar de corectitudine.

Nu rareori, I. C. Nistor-Văleanu, pentru dârzenia sa în serviciul Statului, a avut şi neplăceri; dar totdeauna a învins. căci nu era nici timid, nici dispus la tranzacţii dictate de moment.

In 1924, încredințându-i-se conducerea technică a pădurilor Soc. „Carpatina" de pe Valea Lotrului, a dimisionat din cadrele Statului, și nu ușor i-a venit lui I. C. Nistor-Văleanu, să părăsească cadrele Statului unde avea asigurată o perspectivă frumoasă și asigurarea bătrâneților printr'o pensie.

Numirea lui I. C. Nistor-Văleanu, la conducerea pădurilor Soc. „Carpatina" de pe Valea Lotrului, a fost simțită de toți, căci și pădurile de pe Valea Lotrului și-au putut găsi omul.

Din primele momente, grija lui a fost și aci problema regenerării porțiunilor de păduri exploatate și rămase în restanță.

Pe cât de conștiincios a fost în serviciul Statului, pe atât de conștiincios a fost și în noua situație, așa că a putut schimba în bine, anumite prejudecăți vechi în exploatarea și regenerarea unui domeniu forestier de circa 18.500 ha. de pe Valea Lotrului. Așa că în timp de 16 ani (1924—1940), datorită dârzeniei lui, s'a putut planta și regenera circa 9000 ha pe Valea Lotrului, pentru care s'au investit în plantațiuni circa 26 milioane lei. Este cel mai frumos record ce l'a înregistrat ca silvicultor român și care stând constant 16 ani în acelaș loc, a putut an de an a-și executa programul ce și-l făcuse din primele zile, când a venit pe Valea Lotrului.

Pentru meritele sale a fost apreciat și de colegii de la Stat, astfel că a obținut gradul de inginer inspector genral silvic, cel mai înalt grad ce se conferă inginerilor silvici din cadrele particulare.

La înmormântarea sa, Soc. „Progresul Silvic" a fost representată prin D-l inginer consilier silvic M. P. Florescu, care în cuvinte simțite, atât la Brezoi, cât și la Piatra Neamț, a evidențiat meritele lui I. C. Nistor-Văleanu ca silvicultor de teren.

La Brezoi, din partea Soc. Carpatina s'a adus ultimul omagiu de către D-l Gogu Ștefănescu, membru în Comitetul de Direcție al Soc. „Carpatina"; în ziua de Duminică 21 Iulie 1940, după care rămășițele pământești au fost conduse până la Gara Lotru, urmat de toată suflarea românească de pe Valea Lotrului, — muncitori de la pădure și dela fabrica „Brezoi", personalul superior și inferior al Soc. „Carpatina", și o delegație a inginerilor silvici din R. Vâlcea.

De aici, cu trenul a fost dus la Piatra Neamț pentru a fi înmormântat potrivit dorinței lui.

In ziua de Marți 23 Iulie, a avut loc înmormântarea în cimitirul „Eternitatea".

La înmormântare a participat prietenii lui din orașul Piatra Neamț, apoi D-l consilier silvic G. Luțescu, directorul regionalei C.A.P.S. Bacău în fruntea unei delegații numeroase de ingineri silvici din localitate și pădurari dela ocoalele Tarcău și Vadu.

Aici D-l I. Pruteanu, Ing. inspector g-ral silvic, a rostit cuvântul de despărțire, în numele Corpului silvic și al colegilor din jud. Neamț.

*M. P. F.*

# PUBLICAŢIUNI

## DECIZIUNI MINISTERIALE

### MINISTERUL AGRICULTURII ŞI DOMENIILOR

**Direcţiunea Regimului silvic**

**DECIZIUNE**

Noi, Ministru Secretar de Stat la Departamentul Agriculturii şi Domeniilor;

Asupra raportului Domnului Director al Direcţiunei Regimului Silvic;

Având în vedere art. 2 din codul silvic;

Având în vedere art. V din legea modificatoare la codul silvic, publicată în Monitorul Oficial No. 131/920.

**DECIDEM:**

Art. I. — Se aprobă de noi:

a) Amenajamentul pădurii **Fizeş ş a.**, judeţul Someş proprietatea oraşului Gherla, în suprafaţă de 601 ha. 3400 mp. tratată în o serie de crâng cu revoluţia 35 ani şi una de crâng şi aşteptare. Revizuirea după 10 ani.

b) Amenajamentul pădurii **Dos şi Similoaia**, judeţul Mureş. proprietatea Composesoratului Jabeniţă în suprafaţă de 114 ha. 8400 mp. tratată în o serie de crâng simplu cu revoluţia 30 ani şi una serie de protecţie tratată în codru grădinărit. Revizuirea după 20 ani.

c) Regulamentul de exploatare al pădurei **Braniştea—Valea Satului**, judeţul Târnava Mare, proprietatea Cseh Zoltan în suprafaţă de 55 ha. 8300 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 1 August 1940. în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*

No. 19932/940.

---

a) Amenajamentul pădurii **Deznă**, judeţul Arad, proprietatea Societăţei Anonime Forestiere Dezna, în suprafaţă de 2227 ha. 5300 mp. Regim şi tratament crâng compus cu revoluţia 30 ani pentru Seria I-a şi codru grădinărit pentru Seria II-a de protecţie. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 1 August 1940. în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*

---

Art. II. — Revizuirea amenajamentelor şi regulamentelor de exploatare mai sus menţionate se va face la epoca arătată în dreptul fiecăruia. Dacă vreuna din păduri în total sau în parte, intră în dispoziţiunile legilor; pentru protecţia monumentelor naturei, pădurilor necesare apărării naţionale, pădurilor de protecţie, revizuirea se va face şi mai înainte de acest termen.

Art. III. — Aceste regulamente de exploatare, amenajamente etc., se aprobă numai din punct de vedere tehnic silvic, luându-se drept definitivă situaţia comunicată de organele de aplicare a legii pentru reforma agrară.

Constatându-se însă în urmă că arătările din acest amenajament (regulament de exploatare), referitoare la suprafaţa pădurii, la numele proprietarului etc., au fost date eronat sau între timp au suferit schimbări fortuite, ele se va revizui imediat fie din punct de vedere tehnic-silvic, fie asupra proprietăţii etc. Amenajamentul (regulamentul de exploatare) nerevizuit la termen de parte, este nul şi neavenit.

Art. IV. — Toate celelalte dispoziţiuni prevăzute în studiile respective şi articolul adiţional anexat fiecăruia, sunt executorii.

Art. V şi ultimul. — Domnul Director al Direcţiei Silvice este însărcinat cu executarea prezentei Deciziuni.

---

## CĂRŢI NOI:

I. **I. C. E. F.:** Dare de seamă asupra activităţii Institutului dela 1 Aug. 1933—Dec. 1936; Seria II, Nr. 38; 1939, 8°, 72 pagini.

II. **C. Georgescu:** Dare de seamă asupra boalelor de importanţă economică în pădurile ţării, în anii 1934—1938. Publicaţie I.C.E.F. Seria II ,Nr. 39; 1940.

# REVISTA PĂDURILOR

Redactor-şef: **Stinghe N. V.**

Comitetul de redacţie:

P. Ioan
D. Sburlan
Ille C. Demetrescu
N. Ghelmeziu



## SOCIETATEA «PROGRESUL SILVIC»

**Fondată în anul 1886**

**Persoană morală prin Decretul Regal 1630 din 28 Aprilie 1904**

CONSILIUL DE ADMINISTRAŢIE PE 1940

Preşedinte: **Drăcea D. M.**

Vice-Preşedinţi: **Alimăneştianu Const.**, **Stinghe N. V.**

Casier: **Rădulescu M.**

Secretar general: **I. Zeicu**

Secretari: **Al. Butoi**, **Haralamb At.**

MEMBRII:

**Bunescu M. C.**
**C. Chiriţă**
**Demetrescu Ilie**
**Florescu P. M.**
**Georgescu P. C.**
**Grozescu D.**
**Ionescu I. A.**
**Lazăr H.**
**Manoilescu Mircea**
**Minescu G.**
**Năstăsescu G.**
**Nedelcovici Ath.**
**Priboianu N. V.**
**St. Rodoteatu**
**V. Sabău**
**Sburlan A. D.**
**Vălceanu E.**

Cenzori: **N. Burculeţ, Vencu Georgescu şi I. Paladian.**

Cenzori supleanţi: **St. Georgescu, Şt. Predescu şi Gr. Vasilescu.**


---


**PREŢUL ABONAMENTULUI:**

| | |
|---|---|
| Pe un an pentru instituţii | 500 lei |
| " " " " particulari | 300 " |
| " " " " membrii Societăţii | 200 " |
| " " " " conductori şi brigadieri | 75 " |
| Numărul | 25 " |

**Manuscrisele nepublicate se înapoiază.**

EDITURA SOCIETĂȚII „PROGRESUL SILVIC"

AU APĂRUT:

I. SERIA A. — BIBLIOTECA DE POPULARIZARE:

D. A. SBURLAN

ARBORII ȘI PĂDURILE NOASTRE

78 pagini, 20 lei

II. SERIA B. — INDRUMĂRI:

Z. PRZEMETSCHI și GR. VASILESCU

TEHNICA ÎMPĂDURIRILOR

(SEMINȚE, PEPINIERE, IMPADURIRI)

166 pagini, 60 lei

EPUIZAT

III. — SERIA C. — TRATATE ȘI MANUALE:

Prof. V. N. STINGHE

AMENAJAREA PĂDURILOR

UN VOLUM DE 255 PAGINI

D. A. SBURLAN

INSTALAȚII DE TRANSPORT PENTRU EXPLOATĂRI FORESTIERE

UN VOLUM DE 304 PAGINI

INST. DE ARTE GRAFICE BUCOVINA I. E. TOROUȚIU BUCUREȘTI

# REVISTA PĂDURILOR

RGANUL SOCIETĂȚII „PROGRESUL SILVIC"

TOMBRIE 1940 ANUL 52 — Nr. 10

# REVISTA PĂDURILOR

**PROPRIETATEA SOCIETĂŢII „PROGRESUL SILVIC"**

**Redactor responsabil: Prof. V. N. STINGHE**

**Inscrisă în Registrul de** publicaţiuni periodice **de pe lângă Tribunalul Ilfov** S. I comercială, **sub No.** 56/938.

**Redacţia şi Administraţia: Bulevardul Take Ionescu Nr. 31, — Bucureşti**

ANUL 52, Nr. 10 OCTOMBRIE 1940


## SUMARUL:



SOMMAIRE



INHALT

# INNOIRE

Crâncenul răsboi, care iarăşi a cuprins în flacări pământul, a cerut şi ţării noastre un dureros tribut. Hotarele ei, pe care le socoteam statornicite pe vecie la Nistru şi spre Tisa au fost împinse mult către interior.

Am pierdut mai bine de o treime din teritoriul naţional; ni s'au luat samavolnic 321.000 ha de păduri în Basarabia şi N. Bucovinei, 1.585.000 ha. în Ardeal şi 120.000 ha. în Dobrogea de sud şi am lăsat dincolo de nedreptele hotare, ce ni s'au impus, peste 4 milioane de români. Tot ceea ce clădisem în codrii ţinuturilor cedate în cei 20 ani de administraţie românească şi ceea ce năzuiam încă să realizăm, a trebuit să fie părăsit, lăsat altora.

In faţa nemiloaselor lovituri, primite din atâtea părţi deodată, ne închidem durerea în suflet, dar ne oţelim nădejdea, că istoria va recunoaşte neamului nostru, dreptatea ce azi îi este refuzată.

*

Ca organ al unei asociaţii de convinşi breslaşi în slujba ţării, „Revista Pădurilor" s'a bucurat cu suflet curat, de toate manifestările de vitalitate ale statului şi neamului nostru. Menţinându-se mai ales pe linia ştiinţifică, a susţinut când a trebuit înnoiri şi a luptat pentru dreptate, adevăr şi pentru propăşirea neîncetată a scumpei noastre patrii.

Schimbarea de regim și de concepții în conducerea Statului, realizată cu mijloace pașnice și cu înalt patriotism de către D-l General I. Antonescu a fost un prilej de înseninare, în clipele de amărăciune, pe care le-am trăit după mutilarea hotarelor țării.

Suirea pe tron a tânărului și iubitului nostru rege, Mihai I, ca și anunțarea atâtor măsuri de asanare a vieții publice, ne dau cele mai mari nădejdi, că viitorul țării noastre nu va mai cunoaște întunecările din ultima vreme.

Statul legionar, care își propune atâtea înnoiri și urmărește ca România să devină în sfârșit fericita țară a Românilor, va găsi în corpul silvic al țării colaboratori sinceri și slujitori devotați ai patriei și ai meseriei lor, căreia ei le închină întreaga lor putere de muncă.

REVISTA PĂDURILOR

# S T U D I I

## COMPENSAREA NUMERICĂ A INALŢIMILOR MĂSURATE IN VEDEREA CUBAJULUI UNUI ARBORET

de Ing. IULIAN GURAN

Compensarea grafică a înălţimilor măsurate este foarte mult utilizată în vederea cubajului unui arboret în funcţiune de diametrul terier şi înălţimea medie.

Această modalitate provoacă însă arbitrar, în funcţiune de priceperea fiecărui estimator.

In lucrarea subsemnatului, „Metodele de cubajul pădurilor" 1933, pag. 24, am arătat, că pe lângă compensarea grafică mai există şi o compensare prin calcul numeric, prin metoda exactă a sumei patratelor erorilor celor mai mici [1]), care e mai precisă şi exclude arbitrarul.

In cele ce urmează vom arăta această metodă împreună cu o altă metodă mai puţin exactă şi pe care o vom numi metoda curbelor.

### I. — Metoda prin curbe.

In regulă generală, raportul dintre înălţimi şi diametru nu este o constantă, deci înălţimea nu poate fi o linie dreaptă de forma $Y=CX$ ci o linie curbă care treptat cu creşterea diametrului se abate în jos faţă de dreapta $Y=CX$, cu o câtime în funcţiune tot de diametru. Această curbă, după aspectul ce ni-l oferă curbele de acest gen prin compensări grafice, nu poate fi decât de gradul II, iar expresia ei generală este:

$$Y=C_1 X-C_2 X^2$$

Pentru a calcula coordonatele vârfului curbei, derivăm ecuaţia de gr. II:

$$\frac{dy}{dx}=C_1-2 C_2 X; \qquad C_1-2 C_2 X=0; \qquad X=\frac{C_1}{2 C_2}$$

1) Nu e vorba de erorile cele mai mici, ci de suma cea mai mică a patratelor erorilor (N. R.).

Introducând valoarea lui X în formula inițială obținem:

$$Y = \frac{C_1^2}{4\,C_2}$$

Determinarea constanțelor ecuației.

Din primele măsurători ale înălțimilor în arboretul în cauză și care se raportează pe hârtie milimetrică, se poate face o ideie generală asupra desfășurării curbei înălțimilor. In cazul de față înălțimile măsurate sunt arătate la pag. 13, iar compensarea grafică a curbei la pag. 25 din lucrarea mai sus menționată.

Pentru aflarea constantelor, scriem că prin înălțimile extreme (11 și 28 m.) cari corespund diametrelor 16 și 54 cm. va trece curba și obținem din ecuația $Y = C_1 X - C_2 X^2$ sistemul:

$$\begin{aligned} 11 &= 16\,C_1 - 16^2\,C_2 \\ 28 &= 54\,C_1 - 54^2\,C_2 \end{aligned} \quad \text{de unde:} \quad \begin{aligned} C_1 &= 0.758 \\ C_2 &= 0.0044 \end{aligned}$$

Ecuația e astfel determinată și se scrie:

$$Y = 0.758\,X - 0.0044\,X^2.$$

Aplicabilitatea și controlul formulei.

Cu această formulă se poate determina deci înălțimile corespunzătoare diametrelor cuprinse între 16 și 54 cm, introducând în formulă numai valoarea diametrelor cari le avem din măsurătoarea directă a lor.

In lucrarea sus menționată, la pag. 13, avem măsurate 30 de înălțimi din cari s'au obținut înălțimile compensate și înscrise la pag. 25.

Care e atunci diferența (eroarea) efectivă între aceste 2 procedee? Care este diferența procentuală între înălțimile compensate și cele obținute cu formula de mai sus?

Pentru simplificare notăm cu $\overline{Y}$ = înălțimea compensată grafic și cu Y = înălțimea calculată cu formula $Y = C_1 X - C_2 X^2$.

Eroarea efectivă $Y - \overline{Y} = D$.

Eroarea procentuală: $100\,\frac{Y - \overline{Y}}{\overline{Y}} = P$.

Tabelul No. 1 de mai jos, col. 1—8 incl. consemnează rezultatul calculelor.

TABELUL Nr. 1

| Diametru la 1.30 m. | Numărul arborilor | Înălţimi măsurate | Înălţimea mijlocie | Înălţimea compensată $\overline{Y}$ | Înălţimea calculată $Y=C_1X-C_2X^2$ | $D=Y-\overline{Y}$ | $P=100\frac{Y-\overline{Y}}{\overline{Y}}$ | Σ Di | Σ Pi |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| cm. | | m. | m. | m. | | | % | | % |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 16 | 6 | 11 | 11 | 11 | 11.00 | 0.00 | 0.00 | — | — |
| 18 | 8 | — | — | 12 | 12.22 | 0.22 | 2.00 | — | — |
| 20 | 13 | — | — | 14 | 13.40 | −0.60 | −4.28 | — | — |
| 22 | 21 | $15^{5}$; 14 | $14^{76}$ | 15 | 14.55 | −0.45 | −3.00 | −5.89 | −32.78 |
| 24 | 30 | 17; 18 | $17^{50}$ | 17 | 15.66 | −1.34 | −7.88 | — | — |
| 26 | 40 | 17, 18, 19, 20 | $13^{50}$ | 18 | 16.73 | −1.27 | −7.05 | — | — |
| 28 | 53 | 19; 20 | $19^{50}$ | 19 | 17.77 | −1.23 | −6.47 | — | — |
| 30 | 94 | $19^{5}$; 21 | $20^{25}$ | 20 | 18.78 | −1.22 | −6.10 | — | — |
| 32 | 50 | 21; 22 | $21^{50}$ | 21 | 19.75 | −1.23 | −5.95 | — | — |
| 34 | 57 | 21, 22, 22, 23 | 22 | 22 | 20.69 | −1.31 | −5.95 | — | — |
| 36 | 70 | 23; 24 | $23^{50}$ | 23 | 21.59 | −1.41 | −6.13 | −5.52 | −24.48 |
| 38 | 50 | 23, 24, 25 | 24 | 24 | 22.45 | −1.55 | −6.45 | — | — |
| 40 | 10 | 25 | 25 | 25 | 23.28 | −1.72 | −6.88 | — | — |
| 42 | 18 | — | — | 25 | 24.13 | −0.87 | −3.48 | — | — |
| 44 | 10 | 26 | 26 | 26 | 24.83 | −1.17 | −4.50 | — | — |
| 46 | 11 | 25, 26, 27 | 26 | 26 | 25.56 | −0.44 | −1.69 | — | — |
| 48 | 10 | — | — | 27 | 26.25 | −0.75 | −2.77 | −4.53 | −17.77 |
| 50 | 6 | — | — | 27 | 26.90 | −0.10 | −0.37 | — | — |
| 52 | — | — | — | 27 | 27.52 | 0.52 | 1.92 | — | — |
| 54 | 3 | 28 | 28 | 28 | 28.00 | 0.00 | 0.00 | — | — |
| Total. | 600 | 30 | | | | | | −15,94 | −75,03 |

Discuţia rezultatului.

Diferenţele dintre col. 5 şi 6, consemnate în col. 7 sunt neînsemnate, iar eroarea procentuală admisibilă, întrucât erorile comise la stabilirea înălţimilor nu au o influenţă atât de covârşitoare ca acele comise la măsurătoarea diametrelor, după cum se va vedea mai jos, când vom determina volumul cu ambele rezultate.

Cu datele obţinute, dacă trasăm curba înălţimei calculate, observăm că aceasta se află sub curba compensată, exact cu diferenţele din tabelul No. 1.

Ne putem deci mulţumi cu rezultatul obţinut şi de aci s'ar putea trage concluzia importantă ce o vom desvolta cu altă ocaziune că: măsurătoarea a 2 înălţimi într'un arboret în ve-

derea determinării cubajului prin tabelele generale de cubaj e suficientă.

Datele înălțimilor calculate se pretează și la interpolare deoarece:

Diam. mijlociu dedus din supr. terieră medie este de 33 cm. (pag. 82).

$Y_{31} = 0.758 \times 31 - 0.0044 \times 961 = 19,27.$

$Y_{35} = 0.758 \times 35 - 0.0044 \times 1225 = 21,14.$

$$Y_{33} = \frac{19.27 + 21.14}{2} = 20.20 \text{ m.}$$

$$\frac{Y_{32} + Y_{34}}{2} = \frac{19.75 + 20.69}{2} = 20.22 \text{ m.}$$

Diferența de 2 cm. e neînsemnată, se neglijează și s'a ivit aci din cauza rotunjirii datelor introduse în Tabelul No. 1 [2]).

Tangenta la curbă corespunzătoare diametrului X=33 cm.

Formula tangentei este:

$$Y - Y_p = (C_1 - 2\, C_2\, X_p)\,(X - X_p)$$

a) Cu datele obținute prin interpolare:

$Y - 20,20 = (0.758 - 2 \times 0.0044 \times 33)\,(X - 33) = 0.468\,(X - 33)$

$Y = 0.468\, X - 4,76.$

b) Cu datele obținute prin măsurătoare directă.

$Y - 20,20 = 0.468\,(X - 33).$

$Y = 0.468\, X - 4,78.$

Se menține diferența inoperantă de 2 cm. din cauza rotunjirei valorilor în vederea ușurinței calculelor numerice.

II. Metoda sumei patratelor erorilor celor mai mici: [3])

Eroarea s'a exprimat astfel: $Y - \bar{Y}$.

Suma patratelor erorilor: $\sum_{i=1}^{i=n} (Y - \bar{Y}_1)^2 = (Y_1 - \bar{Y}_1)^2 +$

$$Y_2 - \bar{Y}_2)^2 + \ldots + (Y_n + \bar{Y}_n)^2$$

2) Interpolarea presupune că funcția între punctele considerate este o dreaptă. Dar în cazul de față funcția e o curbă de gradul al II-lea; de aci și diferență de 2 cm între rezultate. (N. R.).

3) Vezi nota 1.

Metoda cere ca această sumă să fie minimă, iar diferențialele parțiale să fie nule.

Fie: $Y = a_1 X - a_2 X^2$.

Atunci:

$$\sum_{i=1}^{i=n} (Y_i - \bar{Y}_i)^2 = \Sigma (a_1 X_i - a_2 X_i^2 - \bar{Y}_i)^2$$

$$= \Sigma (a^2 X_i^2 + \tfrac{2}{2} X_i^4 + Y_i^2 - 2 a_1 a_2 X_i^3 - 2 a_1 X_i Y_i + 2 a_2 X_i^2 - \bar{Y}_i)$$

$$= \Sigma [ a_1^2 X_i^2 + a_2^2 X_i^4 - 2 a_1 a_2 X_i^3 + 2 (a_2 X_i^2 - a_1 X_i) \bar{Y}_i + \bar{Y}_i^2)]$$

Teoria funcțiilor arată, că suma devine minimă, când diferențialele $\frac{d\Sigma}{d a_1}$ și $\frac{d\Sigma}{d a_2}$ sunt egale cu zero (nule),

iar valoarea: $\frac{d_2 \Sigma}{da_1^2} \times \frac{d^2 \Sigma}{da_2^2} - (\frac{d^2 \Sigma}{da_1 \,.\, da_2})^2$ este pozitivă.

Prin diferențiere se determină coeficienții $a_1$ și $a_2$.

$$\frac{d \Sigma}{d a_1} = \Sigma (2 a_1 X_i^2 - 2 a_2 X_i^3 - 2 X_i \,.\, \bar{Y}_i);$$

$$\frac{d \Sigma}{d a_2} = \Sigma (2 a_2 X_i^4 - 2 a_1 X_i^3 - 2 X_i \,.\, \bar{Y}_i);$$

$$a_1 \Sigma X_i^2 - a_2 \Sigma X_i^3 - \Sigma X_i - \bar{Y}^i = 0.$$

$$a_2 \Sigma X_i^4 - a_1 \Sigma X_i^3 - \Sigma X_i^2 - Y = 0$$

Notații: $\Sigma X_i^2 = A_{11}$; $\Sigma X_i \bar{Y}_i = A_{10}$

$\Sigma X_i^3 = A_{12}$; $\Sigma X_i^2 \bar{Y}_i = A_{20}$

$\Sigma X_i^4 = A_{22}$;

Obținem:

$$\begin{array}{l|l} a_1 A_{11} - a_2 A_{12} = A_{10} & A_{12} \\ a_2 A_{22} - a_1 A_{12} = - A_{20} & -A_{11} \end{array}$$

$$a_2 = \frac{A_{10} A_{12} - A_{11} A_{20}}{A_{11} A_{22} - A_{12}^2}$$

$$a_1 A_{11} - A_{12} \frac{A_{10} A_{12} - A_{11} A_{22}}{A_{11} A_{22} - A_{12}^2} = A_{10}$$

Prin desvoltare avem:

$$a_1 = \frac{A_{10}\,A_{22} - A_{12}\,A_{20}}{A_{11}\,A_{22} - A_{12}^2}\ ;\ a_2 = \frac{A_{10}\,A_{22} - A_{11}\,A_{20}}{A_{11}\,A_{22} - A_{12}^2}$$

Introducem notaţiile:

$$a_1 = \frac{\Sigma\, X_i\, Y_i\, \Sigma\, X_i^4 - \Sigma\, X_i^3\, \Sigma\, X_i^2\, \overline{Y}_i}{\Sigma\, X_i\, \Sigma\, X_i^4 - \Sigma\, (X_i^3)^2}$$

$$a_2 = \frac{\Sigma\, X_i\, \overline{Y}_i\, \Sigma\, X_i^3 - \Sigma\, X_i^2\, \Sigma\, X_i^2\, \overline{Y}_i}{\Sigma\, X_i^2\, \Sigma\, X_i^4 - \Sigma (X_i^3)^2}$$

Condiţiile de existenţă a acestor coeficienţi $a_1$ şi $a_2$ (să aibă valori pozitive) este ca numitorul să fie diferit de zero:

De ex.: $\Sigma X_i^2 \Sigma X_i^4 - (\Sigma X_i^3)^2 \neq 0\ /\Sigma X_i^3/^2 = \Sigma X_i^3\, X_k^3;\ i,\ k = 1.2...n;\ i \neq k$

$$\Sigma X_i^2\ \Sigma X_i^4 - /\Sigma X_i^3/^2 = \Sigma X_i^4\, X_k^2 - 2\, \Sigma X_i^3\, X_k^3$$

(vrem să avem un patrat perfect).

$$= \Sigma (X_i^2 - 2\, X_i\, X_k) X_i^2\, X_k^2$$

$$= \Sigma (X^2 - 2\, X_i\, X_k + X_k^2) X_i^2\, X_k^2 - X_i^2\, X_k^4$$

$$= \Sigma [(X_i - X_k)^2\, X_i^2\, X_k^2 - X_i^2\, X_k^4]$$

Se poate vedea uşor că această sumă este mai mare decât zero, căci în membrul I avem un patrat perfect înmulţit cu alţi termeni tot la patrat deci produsul lor e pozitiv şi cu mult mai mare decât termenul al. II-lea, deci numitorul e mai mare decât zero.

Suma ( $\Sigma$ ) nu poate fi zero decât dacă toţi termenii sunt zero dar $X_i$ şi $X_K$ nu pot fi zero, deoarece la un arboret nu se pot concepe diametre zero.

Dacă $X_i = X_K$ ar însemna ca toţi arborii să aibe acelaş diametru, ceeace nu e cazul.

Suntem deci siguri, că numitorul e diferit de zero şi deci constantele $a_1$ şi $a_2$ nu sunt infinite şi deci ecuaţia $Y = a_1\, X_1 - a_2 X^2$ e definită.

Pentru calcularea ușoară a lor, facem tabelul următor No. 2.

TABELUL Nr. 2

| X | $X^2$ | $\bar{Y}$ | $\bar{Y}^2$ | $X^3$ | $X^4$ | $X\bar{Y}$ | $X^2\bar{Y}$ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 16 | 256 | 11 | 121 | 4.096 | 65.536 | 176 | 2816 |
| 18 | 324 | 12 | 144 | 5.832 | 104.976 | 216 | 3888 |
| 20 | 400 | 14 | 196 | 8.000 | 160.000 | 280 | 5600 |
| 22 | 484 | 15 | 225 | 10.648 | 234.256 | 330 | 7260 |
| 24 | 576 | 17 | 289 | 13.824 | 331.776 | 408 | 9792 |
| 26 | 676 | 18 | 324 | 18.252 | 457.652 | 468 | 12168 |
| 28 | 784 | 19 | 361 | 21.952 | 614.656 | 532 | 14896 |
| 30 | 900 | 20 | 400 | 27.000 | 810.000 | 600 | 18000 |
| 32 | 1024 | 21 | 441 | 33.792 | 1.048.576 | 672 | 21504 |
| 34 | 1156 | 22 | 484 | 39.304 | 1.336.336 | 748 | 25432 |
| 36 | 1296 | 23 | 529 | 46.656 | 1.679.616 | 828 | 29808 |
| 38 | 1444 | 24 | 576 | 54.872 | 2.085.136 | 912 | 34656 |
| 40 | 1600 | 25 | 625 | 64.000 | 2.560.000 | 1.000 | 40000 |
| 42 | 1764 | 25 | 625 | 74.088 | 3.111.696 | 1.050 | 44100 |
| 44 | 1936 | 26 | 676 | 85 184 | 3.748.096 | 1.144 | 5 336 |
| 46 | 2116 | 26 | 676 | 97.336 | 4.477.456 | 1.196 | 55016 |
| 48 | 2304 | 27 | 729 | 110.592 | 5.308.416 | 1.296 | 62208 |
| 50 | 2500 | 27 | 729 | 125 000 | 6.250.000 | 1.350 | 67500 |
| 52 | 2704 | 27 | 729 | 140 608 | 7.311.616 | 1.404 | 73008 |
| 54 | 2916 | 28 | 784 | 157.464 | 8.503.056 | 1.512 | 81648 |
| Total | 27160 | | | 1.138.500 | 50.198.852 | 16.122 | 659636 |

Deci:

$\Sigma X_i^2 = 27160$ $\qquad$ $\Sigma X_i \bar{Y}_i = 16122$

$\Sigma X_i^3 = 1.138.500$ $\qquad$ $\Sigma X^2 \bar{Y}_i = 659.636.$

$\Sigma X_i^4 = 50.198.852$

$$a_1 = \frac{16.122 \times 50.198.852 - 1.138.500 \times 659.633}{27.160 \times 50.198.852 - 1.138.500^2} = 0.8675$$

$$a_2 = \frac{16.122 \times 1.138.500 - 27.160 \times 659.636}{27.160 \times 50.198.852 - 1.138.500^2} = 0.0065$$

Ecuația este:

$Y = a_1 X - a_2 X^2 = 0.867 X - 0.0065 X^2.$

Controlul rezultatului.

Cu această formulă obținem înălțimea calculată față de înălțimea compensată aritmetic.

Obținem tabelul No. 3 următor:

TABELUL Nr. 3

| Diam. 1.30 X | $X^2$ | Inălțimea compens. $\bar{Y}$ | Inălțimea calculată $Y=a_1X-a_2X^2$ | $D=Y-\bar{Y}$ | $p=100\frac{Y-\bar{Y}}{Y}$ | $\Sigma D_i$ | $\Sigma P_i$ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| cm. | m. | m. | m. | | % | | % |
| 16 | 256 | 11 | 12.08 | 1.08 | 9.8 | | |
| 13 | 324 | 12 | 13.34 | 1.34 | 11.1 | | |
| 20 | 400 | 14 | 14.54 | 0.54 | 3.8 | | |
| 22 | 484 | 15 | 15.69 | 0.69 | 4 6 | +2.54 | +24.0 |
| 24 | 576 | 17 | 16.78 | —0.22 | —1.3 | | |
| 26 | 676 | 18 | 17.81 | —0.19 | —1.5 | | |
| 28 | 784 | 19 | 18.79 | —0.21 | —1.1 | | |
| 30 | 900 | 20 | 19.71 | —0 29 | —1.4 | | |
| 32 | 1024 | 21 | 20.58 | —0.42 | —2.0 | | |
| 34 | 1156 | 22 | 21.39 | —0.61 | —2.8 | —3.05 | —13.3 |
| 36 | 1296 | 23 | 22.14 | —0.86 | —3.7 | | |
| 38 | 1444 | 24 | 22.84 | —1.16 | —4.8 | | |
| 40 | 1600 | 25 | 53.48 | —1.52 | —6.0 | | |
| 42 | 1764 | 25 | 24.07 | —0.93 | —3.7 | | |
| 44 | 1936 | 26 | 24.60 | —1.40 | —5.4 | | |
| 46 | 2116 | 26 | 25.07 | —0.93 | —3.5 | —9.88 | —37.3 |
| 48 | 2304 | 27 | 25.49 | —1.51 | —5.6 | | |
| 50 | 2500 | 27 | 25.85 | —1.15 | —4.2 | | |
| 52 | 2704 | 27 | 26.16 | —0.84 | —3.2 | | |
| 54 | 2916 | 28 | 26.40 | —1.60 | —5.7 | | |
| Total | — | — | — | — | — | —10.39 | —26.6 |

### Discuția rezultatului.

Eroarea efectivă este mult mai mică decât în cazul aplicărei primei metode după cum se poate vedea din col. 5.

Deasemenea și eroarea procentuală a tabelelor mai sus arătate.

### Expunerea grafică a rezultatelor.

In graficul de mai jos se observă desfășurarea curbelor prin cele 3 procedee expuse mai sus, de unde reese că ultimul procedeu este cel mai exact.

### Influența datelor obținute asupra volumelor.

Pentru a vedea influența rezultatelor, vom calcula volumul arboretului citat în lucrarea de mai sus:

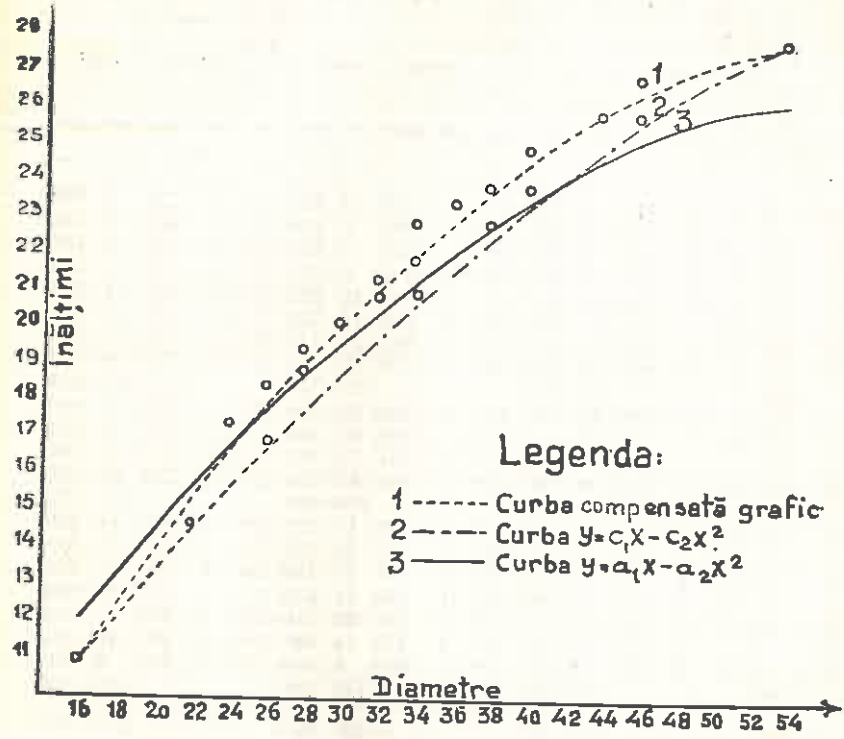


Curbele înălţimilor

după înălţimea mijlocie măsurată ($V_1$)
" " calculată prin procedeul de apropiere ($V_2$)
" " " " procedeul exact ($V_3$)

S'a întrebuinţat tabela XX din tabelele Grundner Schwappach, Ed. 1922, obţinându-se tabelul No. 4.

In care $V_1 = 563{,}401$ m. c. $V_1 - V_2 = 32{,}460$ m. c. sau 5,7%.
$V_2 = 531{,}001$ m. c. $V_1 - V_3 = 18{,}509$ m. c. sau 3,2%.
$V_3 = 544{,}952$ m. c.

*

Expunând cele de mai sus am voit a arăta 2 metode de compensare numerică, cari sunt superioare compensării grafice, — erorile de 5% fiind tolerabile, — însă necesită calcule cari nu se fac accesibile oricărui estimator.

## TABELUL Nr. 4

| Diametrul la 1.30 | Numărul arborilor | Înălțimea compensată | Volumul unitar | | Volumul total | | Înălțimea $Y=C_1X-C_2X$ | Volumul unitar | | Volumul total | | Înălțimea $Y=a_1X-a_2X^2$ | Volumul unitar | | Volumul total | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| cm | | Y m | m³ | dm³ | m³ | dm³ | m | m³ | dm³ | m³ | dm³ | m | m³ | dm³ | m³ | dm³ |
| 16 | 6 | 11 | 0 | 118 | 0 | 708 | $11^{00}$ | 0 | 118 | 0 | 708 | $12^{80}$ | 0 | 130 | 0 | 780 |
| 18 | 8 | 12 | 0 | 163 | 1 | 304 | $12^{22}$ | 0 | 166 | 1 | 328 | $13^{34}$ | 0 | 181 | 1 | 448 |
| 20 | 13 | 14 | 0 | 233 | 3 | 029 | $13^{40}$ | 0 | 233 | 3 | 029 | $14^{54}$ | 0 | 242 | 3 | 146 |
| 22 | 21 | 15 | 0 | 300 | 6 | 300 | $14^{55}$ | 0 | 291 | 6 | 111 | $15^{69}$ | 0 | 314 | 6 | 594 |
| 24 | 30 | 17 | 0 | 402 | 12 | 060 | $15^{66}$ | 0 | 369 | 11 | 070 | $16^{78}$ | 0 | 397 | 11 | 790 |
| 26 | 40 | 18 | 0 | 495 | 19 | 800 | $16^{73}$ | 0 | 458 | 18 | 320 | $17^{81}$ | 0 | 490 | 19 | 600 |
| 28 | 53 | 19 | 0 | 603 | 31 | 959 | $17^{77}$ | 0 | 561 | 29 | 733 | $18^{79}$ | 0 | 596 | 31 | 588 |
| 30 | 94 | 20 | 0 | 724 | 68 | 056 | $18^{78}$ | 0 | 675 | 63 | 450 | $19^{71}$ | 0 | 712 | 66 | 928 |
| | 265 | | | | 143 | 216 | | | | 133 | 749 | | | | 141 | 874 |
| 32 | 50 | 21 | 0 | 855 | 42 | 750 | $19^{75}$ | 0 | 799 | 39 | 950 | $20^{58}$ | 0 | 836 | 41 | 800 |
| 34 | 97 | 22 | 1 | — | 97 | — | $20^{69}$ | | 938 | 90 | 986 | $21^{39}$ | 0 | 970 | 94 | 090 |
| 36 | 70 | 23 | 1 | 160 | 81 | 200 | $21^{59}$ | 1 | 034 | 75 | 880 | $22^{14}$ | 1 | 114 | 77 | 980 |
| 38 | 50 | 24 | 1 | 334 | 66 | 700 | $22^{45}$ | 1 | 241 | 62 | 050 | $22^{84}$ | 1 | 264 | 63 | 200 |
| | 267 | | | | 287 | 650 | | | | 268 | 866 | | | | 277 | 070 |
| 40 | 10 | 25 | 1 | 519 | 15 | 190 | $23^{28}$ | 1 | 409 | 14 | 090 | $23^{48}$ | 1 | 422 | 14 | 220 |
| 42 | 18 | 25 | 1 | 649 | 29 | 682 | $24^{13}$ | 1 | 590 | 28 | 620 | $24^{07}$ | 1 | 686 | 28 | 548 |
| 44 | 10 | 26 | 1 | 866 | 18 | 660 | $24^{82}$ | 1 | 777 | 17 | 770 | $24^{00}$ | 1 | 760 | 17 | 600 |
| 46 | 11 | 26 | 2 | 026 | 22 | 286 | $25^{56}$ | 1 | 989 | 21 | 879 | $25^{07}$ | 1 | 949 | 21 | 439 |
| 48 | 10 | 27 | 2 | 290 | 22 | 900 | $26^{25}$ | 2 | 221 | 22 | 210 | $25^{49}$ | 2 | 153 | 21 | 538 |
| 50 | 6 | 27 | 2 | 483 | 14 | 898 | $27^{90}$ | 2 | 473 | 14 | 838 | $25^{85}$ | 2 | 367 | 14 | 202 |
| 54 | 3 | 28 | 2 | 993 | 8 | 979 | $28^{00}$ | 2 | 993 | 8 | 979 | $26^{40}$ | 2 | 823 | 8 | 469 |
| | 68 | | | | 132 | 595 | | | | 128 | 386 | | | | 126 | 008 |
| Total | 600 | | | | 563 | 461 | | | | 531 | 001 | | | | 544 | 952 |

## BIBLIOGRAFIE


Ing. Iulian Guran: Metodele de cubajul pădurilor. 1933. P. Neamț.

Prof. Dr. H. Brunn: Die Holzmassenkurve. Heft 6/931. Forstwissenschaft. Centralblatt.

Prof. W. Tischendorf: Lehrbuch der Holzmassenermittlung. 1927.

Prof. M. Moldenhauer: Die Anwendung der Ausgleichungsrechnung nach der Methode der kleisten Quadrate. 1922.


*

*Nota Red.* — Asupra articolului de mai sus se poate face o discuție mai amplă, cercetându-se dacă este îndreptățită înlocuirea compensărilor grafice printr'o metodă de o mai severă factură matematică, atunci când rezultatele obținute sunt tot atât de puțin sau chiar mai puțin precise. Ne rezumăm însă la următoarele observații:

1. „Metoda prin curbe" vrând să îndepărteze arbitrarul din metoda compensărilor grafice nu reușește decât să micșoreze precizia rezultatelor. Căci condiția ce se pune, ca curba să treacă prin înălțimile

corespunzătoare diametrelor extreme nu este mai puțin arbitrară decât trasarea cu mâna liberă a curbei medii printre mulțimea de puncte de pe diagramă. Valorile extreme sunt și cele mai nesigure.

In ceeace privește precizia, se vede din diagramă că curba respectivă este inferioară tuturor înălțimilor reale măsurate. Compensarea grafică dă oricum rezultate mai aproape de realitate.

2. Metoda celor mai mici patrate este într'adevăr o metodă precisă când curba e bine găsită, dar destul de migăloasă, după cum se poate vedea din articol. Constatăm însă că ecuația la care s'a ajuns nu poate fi exactă; căci socotind, după tabloul Nr. 3, suma patratelor erorilor (mai corect abaterilor), găsim $\Sigma\ (Y-Y')^2=19,4445$, iar dacă se consideră ecuația $y=0,818\ X-0,00537\ X^2$ (la care se ajunge printr'un procedeu mai simplu), suma patratelor erorilor este numai 5,7144. Fără îndoială că în calcul s'a strecurat vreo greșală. Că rezultatul nu poate fi exact se vede imediat și după diagramă: curba respectivă se scoboară mult prea jos, la diametrele mari; nu ține echilibrul care se cuvine între puncte.

Pe de altă parte, erorile (abaterile) ar fi trebuit considerate în raport cu mediile calculate ale înălțimilor (col. 4, Tabl. Nr. 1), nu în raport cu înălțimile compensate grafic, pentrucă se urmărește tocmai găsirea prin calcul a unor valori mai bune, pe baza măsurătorilor reale. Numai în felul acesta se poate face și o comparație între valorile rezultate prin compensare grafică și prin calcul după metoda celor mai mici patrate.

Ecuația curbei, calculată în raport cu măsurătorile reale, este: $y=0,842\ X-0,00574\ X^2$.

Suma patratelor erorilor (abaterilor) este egală cu 4,5789, iar aceea corespunzătoare curbei înălțimilor compensate numai 1,375.

Aceste date arată că în cazul de față cele mai bune rezultate le dă tot metoda compensării grafice.

*Red.*

*La compensation numérique des hauteurs mesurées en vue du cubage d'un peuplement.*

*Die rechnerische Ausgleichung der zum Zwecke der Massenbestimmung eines Bestandes gemessenen Baumhöhen.*

Von der Annahme ausgehend dass der Ausdruck der Baumhöhenkurve eines Bestandes $y=ax+bx^2$ wäre, stellt der Verfasser für die Bestimmung dieser Kurve zwei rechnerische Ausgleichungsverfahren dass, die im Vergleich mit der graphischen Ausgleichungsmethode als genauer zu betrachten seien.

Eines geht von der obigen Gleichung aus, deren Unbekanten a und b dadurch bestimmt werden, dass man die Kurve durch die den extremen Durchmessern entsprechenden Höhen laufen lässt. Das Zweite Verfahren stützt sich auf der Methode der kleinsten Quadrate.

Dazu wird von der Redaktion bemerkt, dass die angegebenen Rechnungen die vorausgesetzte Genauigkeit nicht bestätigen.

# HIBRIDUL ALNUS GLUTINOSA × ALNUS INCANA

de PAUL CRETZOIU

Despre hibrizi între cele două specii de arin, vorbeşte d-l S. Paşcovski [1]) în această revistă, primul care dă staţiuni certe

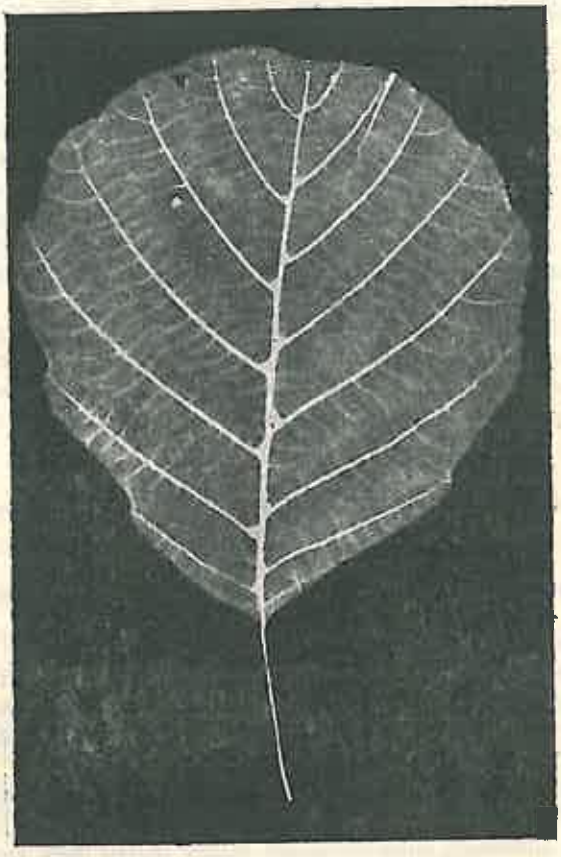

Frunză de Alnus glutinosa (L.) Gaertn.

1) S. Paşcovski, Hibrizi între Alnus glutinosa (L.) Gtn. şi A. incana (L.) Mnch. Rev. Păd. 1938, pp. 352—355, fig. 1—3.

pentru țara noastră. Acest autor citează pentru acest hibrid două varietăți: una mai apropiată de A. glutinosa, numită f. intermedia Callier, aflată în pădurea Aninoasa lângă Cislău (jud. Buzău) și alta mai apropiată de A. incana, numită f. ambigua Beck, găsită de el la Gurghiu (jud. Mureș).

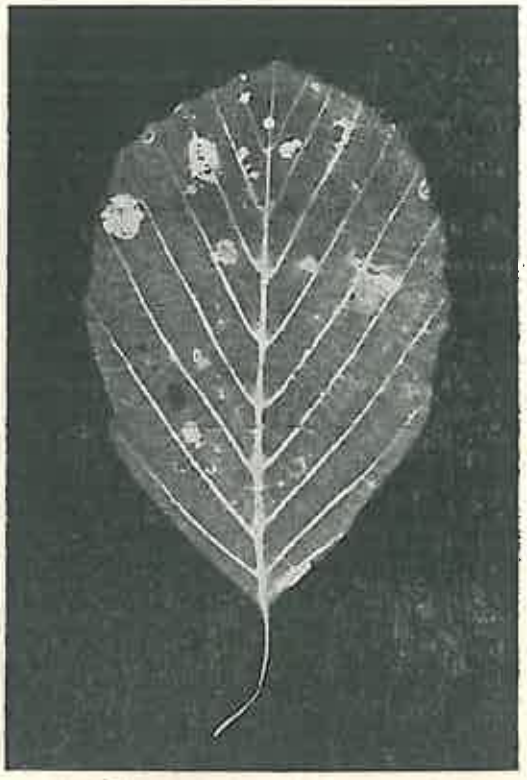

Frunză de Alnus glutinosa × incana, var. intermedia Call.

Intr'o recentă excursie făcută pe valea Someșului-Cald, județul Cluj, am putut găsi [2]) și colecta material [3]) din acest hibrid, într'o localitate nouă și anume între satul Someșul-Cald și Moara-Bodescului de lângă Gilău (jud. Cluj). Exemplarele colectate de aci, se apropie mai mult de Alnus glutinosa, dar se deosebesc de acesta prin frunzele la vârf ascuțite (ca la A.

2) Impreună cu D-nii Dr. Al. Buia, E. Ghișa și P. Pteancu dela Muzeul Botanic din Cluj.

3) Depus la herbarul Muzeului Botanic din Cluj.

incana) şi mai mici; frunzele sunt aproape glabre, numai pe faţa inferioară puţin păroase în lungul nervurelor. Creşte în exemplare mari, frumoase, între părinţi. După caracterele date mai sus, aparţine la:

var. intermedia Callier, in 69. Jahresbericht Schles. Gesellsch. vaterländ. Cult., 2, 1892, p. 83.

Frunză de Alnus incana (L.) Mnch.

Că această varietate a hibridului n'a mai fost observată înainte din ţară decât de D-l S. Paşcovski, o demonstrează şi faptul că herbarul Universităţii din Cluj, pe care l-am cercetat, nu poseda nici un exemplar din Transilvania. Se pare că a fost trecut cu vederea şi nu i s'a dat atenţiunea cuvenită, căci desigur are o răspândire mai largă.

*Zusammenfassung.*

Es wird ein neuer Fundort für *Alnus glutinosa* X *A. incana*, nämlich in der *var. intermedia Call.* (im Tale Someşul-Cald., Bezirke Cluj) bekannt gemacht.

# COMENTARII—INSEMNĂRI

## IMPOZITELE ASUPRA EXPLOATĂRILOR FORESTIERE

de Ing. V. V. VASILIU

Chestiunea impozitelor asupra exploatărilor forestiere a mai fost examinată în trecut în coloanele acestei reviste; în această privinţă, semnalăm articolele publicate în Nr. 1/1938, la rubrica „problemele zilei".

In ultimul timp această chestiune a redevenit actuală, pentru faptul că foarte mulţi proprietari de păduri, nevoiţi să-şi exploateze în regie pădurile din cauza lipsei de exploatatori, se lovesc de o fiscalitate excesivă, care-i determină a renunţa la exploatare.

Examinând impozitele şi taxele ce se aplică pădurilor în exploatare şi fără a ne ocupa de cazurile speciale când proprietatea este a unor societăţi pe acţiuni sau când exploatarea se face de astfel de societăţi sau de cooperative supuse unor regimuri speciale, şi cunoscând că exploatările se pot face:

A. De proprietar { I. pentru nevoile casnice; II. pentru vânzare { 1. în crâng; 2. în codru

B. De antreprenori { 3. în crâng; 4. în codru

impozitele şi taxele ce se percep sunt următoarele:

A. I. La exploatările de păduri făcute de proprietari pentru acoperirea nevoilor lor casnice, nu se percepe niciun fel de impozit sau taxă.

A. II. La exploatările făcute de proprietarii de pădure în regie pentru vânzare, se disting:

1. Exploatările în crâng la cari se percep:

a) Impozitul agricol, (art. 3, 4, 5 şi 6 legea contribuţiilor directe) şi adiţionalele sale, care reprezintă:

impozit agricol 8%

adiţionale
- 3% pentru judeţ art. 70 Legea C. D.
- 2% „ comună art. 70 Legea C. D.
- 8% „ apărarea naţională
- 3% supra cotă pentru acţiunea sanitară, legea 1.IV.1935 M. Of. Nr. 77/935, modif. legea 26.III.1937 M. Of. Nr. 71/937.
- 1% pentru camerile agricole
- 1% „ agronomi
- 1% „ încurajarea agriculturii
- 2% „ drumuri art. 58 legea drumurilor 6.VIII.1929, mod. legea M. Of. Nr. 171 VII.1931.

Total: 29% calculat la venitul brut, adică la valoarea lemnului pe picior, fără nici o scădere a cheltuelilor de administraţie, pază sau împădurire, etc.

Evaluarea se face după apreciere, în comparaţie cu alte păduri similare, puse în exploatare.

b) Impozitul comercial, (art. 30 din legea contribuţiunilor directe şi adiţionalele sale cari reprezintă:

impozit comercial 9%

adiţionale
- 2% pentru judeţ art. 70 legea C. D.
- 2% „ comună art. 70 legea C. D.
- 4% „ apărarea naţională
- 3% supra cotă pentru acţiunea sanitară, legea din 1.IV.1935 Mon. Of. Nr. 77 modif. legea 26.III.1937, Mon. Of. Nr. 71.
- 1% pentru camerile de comerţ
- 1% pensii pentru comercianţi
- 2% pentru drumuri conf. art. 58, legea drumurilor 6.VIII.1929, modif. legea Mon. Of. Nr. 171 din 27.VII.1931.

Total: 24% calculat la venitul net rezultat din venitul brut anual din care se scad:

a) veniturile impuse odată la impozitul agricol sau la impozitul pe proprietăţi clădite.

b) cheltuelile proprii ale exploatării (în cazul unor investiţii amortizabile nu se scade decât cota de amortizare a anului respectiv).

c) impozitul complimentar la comercial (art. 42 din legea C. D.) care se aplică după o scară progresivă a rentabilităţii, calculul făcându-se la beneficiul net în raport cu capitalul, după scara următoare:

| Dacă rentabilitatea anuala este de | | Suprataxa va fi: pentru societăţi pe acţiuni | pt. particulari şi Soc. Coperat. |
|---|---|---|---|
| dela 10— 12% | inclusiv | 0,5 % | — |
| 12— 13% | „ | 0,75% | — |
| 13— 14% | „ | 1,00% | — |
| 14— 15% | „ | 1,5 % | — |
| 15— 16% | „ | 2,00% | 0,5% |
| 16— 18% | „ | 2,5 % | 1 % |
| 18— 20% | „ | 3,00% | 1,5% |
| 20— 22% | „ | 4,00% | 2,0% |
| 22— 25% | „ | 5,00% | 2,5% |
| 25— 30% | „ | 6,00% | 3,0% |
| 30— 35% | „ | 7,00% | 3,5% |
| 35— 40% | „ | 8,00% | 4,0% |
| 40— 45% | „ | 9,00% | 4,5% |
| 45— 50% | „ | 10,00% | 5,0% |
| 50— 60% | „ | 11,00% | 6,0% |
| 60— 70% | „ | 12,00% | 7,0% |
| 70— 80% | „ | 13,00% | 8,0% |
| 80— 90% | „ | 14,00% | 9,0% |
| 90—100% | „ | 15,00% | 10,0% |
| 100—120% | „ | 16,00% | 11,0% |
| 120—160% | „ | 17,00% | 12,0% |
| 160—200% | „ | 18 % | 13 % |
| 200—250% | „ | 19 % | 14 % |
| 250—300% | „ | 20 % | 15 % |
| 300—350% | „ | 21 % | 16 % |
| 350—400% | „ | 22 % | 17% |
| 400—450% | „ | 23 % | 18 % |
| 450%500% | „ | 24 % | 19 % |
| 500 în sus | | 25 % | 20 % |

Pentru particularii cari nu ţin registre regulate — şi acesta e cazul majorităţii proprietarilor exploatatori de păduri — această suprataxă se aplică numai în cazul când cifra de afaceri trece de lei 4.000.000 (art. 42 al. 3 legea C. D.). Cum particularii nu sunt impuşi decât numai după ce capitalul lor prezintă o rentabilitate de peste 15% şi cum capitalul este considerat cu 1/2 din cifra afacerilor, minimul de venit impozabil este de lei 300.001.

După ce se stabileşte rentabilitatea în funcţie de capital şi venitul impozabil, se scade 10% şi la această sumă se aplică impozitul complimentar.

d) Impozitul supra cotă (art. 58 din legea C. D.) impozit progresiv, care se aplică asupra veniturilor ce au servit la impunerile elementare, dacă trec de 10.000 lei anual, după ce s'au scăzut impozitele elementare cu adiţionalele aferente.

Conform tabelei dela art. 63, această supra cotă este de: (vezi tabloul din pagina următoare):

Tot ce trece de lei 5.000.000, se impune cu 30%, neglijându-se porţiunea mai mică de 1.000 lei.

e) Impozitul pe cifra de afaceri este de 4% pentru lemnul de foc şi de 1,5% pentru lemnul de lucru conform decretului lege Nr. 1321 din 30.III.1929 publicat în Mon. Of. Nr. 78/8.IV.1939 şi se suportă de vânzător, perceperea făcându-se în momentul când materialele sunt puse în circulaţie, la valoarea lor de vânzare.

2. La exploatările în cadru se percep:

a) Impozitul agricol stabilit cum s'a arătat sub punctul 1, cu o reducere de 50% conform art. 5 din legea pădurilor necesare apărării naţionale Mon. Of. Nr. 88 din 13.IV.1935, adică 14,5%;

b) Comercialul
c) Complimentarul la comercial
d) Supracota
e) Impozitul pe cifra de afaceri

} aşa cum s'a arătat mai sus sub punctul 1.

B. La exploatările făcute prin antreprenori.

3. In crâng.

a) Impozitul proporţional 9,60% (art. 15 § 8 lit. b) din Legea Timbrului, aplicabil la valoarea contractului, plus toate sarcinile.

| Venitul impozabil | | Cota | Impozitul | Calculul impozitului pentru veniturile cuprinse în intervalele indicate în prima coloană | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| In intervale se rotunjesc din 1.000 în 1.000 lei | 10.000 | 0,70% | 70 | La | fiecare | 1.000 | Lei | impozitul | creşte | cu Lei | 7,— |
| | 20.000 | 0,80% | 160 | „ | „ | 1.000 | „ | „ | „ | „ | 14,— |
| | 30.000 | 1 % | 300 | „ | „ | 1.000 | „ | „ | „ | „ | 16,— |
| | 40.000 | 1,15% | 400 | „ | „ | 1.000 | „ | „ | „ | „ | 22,— |
| | 60.000 | 1,50% | 900 | „ | „ | 1.000 | „ | „ | „ | „ | 31,— |
| Idem 2.000 în 2.000 lei | 80.000 | 1,90% | 1.250 | „ | „ | 2.000 | „ | „ | „ | „ | 78,— |
| | 100.000 | 2,30% | 2.300 | „ | „ | 2.000 | „ | „ | „ | „ | 97,— |
| Idem 5.000 în 5.000 lei | 150.000 | 3,15% | 4.725 | „ | „ | 5.000 | „ | „ | „ | „ | 302,50 |
| | 200.000 | 3,87% | 7.750 | „ | „ | 5.000 | „ | „ | „ | „ | 550,— |
| | 300.000 | 6,25% | 18.750 | „ | „ | 5.000 | „ | „ | „ | „ | 702,50 |
| | 400.000 | 8,20% | 32.800 | „ | „ | 5.000 | „ | „ | „ | „ | 860,— |
| | 500.000 | 10 % | 50.000 | „ | „ | 5.000 | „ | „ | „ | „ | 980,— |
| | 600.000 | 11,60% | z:9.600 | „ | „ | 5.000 | „ | „ | „ | „ | 1.070,— |
| | 700.000 | 13 % | 91.000 | „ | „ | 5.000 | „ | „ | „ | „ | 1.090,— |
| Idem 10.000 în 10.000 lei | 800.000 | 14 % | 112.000 | „ | „ | 10.000 | „ | „ | „ | „ | 2.110,— |
| | 1.000.000 | 15,50% | 155.000 | „ | „ | 10.000 | „ | „ | „ | „ | 2.111,— |
| Idem 20.000 în 20.000 lei | 1.500.000 | 17,37% | 260.000 | „ | „ | 20.000 | „ | „ | „ | „ | 4.458,— |
| | 2.000.000 | 18,60% | 372.000 | „ | „ | 20.000 | „ | „ | „ | „ | 4.458,— |
| Idem 50.000 în 50.000 lei | 3.000.000 | 19,83% | 594.000 | „ | „ | 50.000 | „ | „ | „ | „ | 12.455,— |
| | 4.000.000 | 21,10% | 844.000 | „ | „ | 50.000 | „ | „ | „ | „ | 12.800,— |

b) Fondul aviației 5% (conform legei fondului aviației), aplicabil la valoarea contractului.

c) Impozitul agricol 29% plătit conform specificărilor de mai sus, aplicabil la valoarea contractului, plus sarcinile, plus impozitul proporțional, plus fondul aviației.

d) Impozitul comercial 24% calculat la venitul net așa cum s'a arătat mai sus punctul 1 b.

e) Impozitul complimentar la comercial care se aplică în mod progresiv, conform scărei de sub punctul 1 c.

f) Impozitul supra cotă care se aplică progresiv conform scărei de sub punctul 1 d.

g) Impozitul pe cifra de afaceri de 4% pentru lemnul de foc și 1,5% pentru lemnul de lucru conform criteriilor de mai sus, de sub punctul 1 e.

4. La codru. Se plătesc aceleași impozite ca sub punctul B. 3, cu singura deosebire că impozitul agricol se reduce la 1/2 în baza art. 5 din legea pădurilor necesare apărării naționale.

* * *

In afară de toate aceste impozite cari se plătesc la exploatare, cu ocazia transportului și vânzării lemnelor către consumatori, se mai plătesc:

5. Pentru bonurile de transport:

a) Conform art. 4 și 31 lit. d. din legea timbrului, câte 24 lei timbru fiscal și 2 lei aviație de fiecare camion încărcat sau lei 3 fiscal și lei 2 aviație de fiecare transport de căruță, timbre ce se aplică pe bonul de transport obligatoriu, emis în baza legii pentru reglementarea circulației materialului lemnos, publicată în Mon. Of. Nr. 122/30.V.1938.

b) Taxa ad valorem conform art. 166 din legea pentru reforma administrativă din 1938 care este de 2% la valoarea de vânzare și se percepe în folosul comunelor urbane, indiferent dacă trec sau nu pe străzile orașelor.

6. Pentru bonurile de vânzare:

a) Impozit proporțional de 1,68% conform art. 15 § 8 a. din legea timbrului, aplicat în timbre pe bonul de vânzare;

b) Impozitul pentru fondul de aviație 5‰ conform legii pentru fondul național de aviație;

c) Timbrul de factură. Pentru orice vânzare făcută către comercianți sau industriași, factura este obligatorie. Când vân-

zarea se face către particulari, eliberarea facturei este obligatorie dela lei 3.000 în sus (art. 14 § 13 din legea timbrului) bonul de vânzare poate servi în acest caz şi drept factură şi pentru aceasta se timbrează cu timbrul special de factură dublu. Cu începere dela 18 Iunie 1940, acest timbru este 6% calculat la valoarea vânzărei.

d) Contribuţia excepţională pentru apărarea ţării de 2% se aplică dela 1 Aprilie 1940 în baza legii publicată prin Mon. Of. Nr. 78/940.

Această contribuţie se calculează la preţul de vânzare inclusiv toate sarcinile, prin urmare dacă vânzarea se face la domiciliul cumpărătorului sau la o gară de destinaţie, taxa de 2% se aplică şi la costul transportului care se închide în preţul de vânzare. Această contribuţie se aplică în timbre speciale şi se percepe pentru lemnul de construcţie şi de lucru. Pentru lemnul de foc nu se percepe decât când vânzarea se face către fabrică, etc.

e) In cazul, când cumpărătorul trebue să dea dovezi pentru primirea materialelor, acestea sunt timbrate după valoare conform art. 4 § 20 din legea timbrului şi art. IV legea F. N. A.

Până la lei 100 cu lei 2 aviaţie;
Dela lei 100 la lei 10.000, cu lei 3 fiscal şi lei 2 aviaţie;
Dela lei 10.001 la lei 50.000, cu lei 8 fiscal şi lei 2 aviaţie.

* * *

Pe lângă toate aceste impozite şi taxe, care se aplică direct la exploatări şi la vânzări, mai sunt o serie de contribuţiuni şi impozite tot directe, dar cari, aplicându-se în parte pe fiecare natură de lucrări, scumpesc considerabil preţul de cost şi îngreuiază mult formalităţile. Astfel sunt:

Asigurările sociale, cu

a) Contribuţia unică de 8% din salariul plătit muncitorilor, sau de 8% din salariul cărăuşilor calculat la 1/3 din ceeace primeşte cărăuşul, suportată jumătate de patron şi jumătate de muncitori.

b) Contribuţia suplimentară de 1,20% calculată la totalitatea salariilor şi suportată în întregime de patron.

c) Fondul pentru combaterea tuberculozei de 1—2 lei pe

săptămână, suportat pe jumătate de patron, jumătate de muncitori.

d) Fondul pentru construcţii de 0,5% la salarii.

e) Fondul muncii 0,5% calculat la salariu.

Taxe şi impozite.

a) pe salariu calculat la toţi muncitorii.

b) pe listele de plată ce se întocmesc pentru plata salariaţilor muncitori, se aplică timbrul de semnătură conform art. 4 § 20 din legea timbrului şi art. VII legea F. N. A.

până la lei 100, lei 2 aviaţie
dela lei 101 la lei 10.000, lei 3 fiscal şi lei 2 aviaţie
dela lei 10.001 la lei 50.000, lei 3 fiscal şi lei 5 aviaţie.

* * *

La materialele care se transportă pe C. F. R., tariful de transport este scumpit de o serie de impozite astfel:

lei 15% fondul apărării naţionale

lei 75 la vagonul de 10 tone taxă pentru modernizarea drumurilor

lei 100 la vagonul de 10 tone taxă municipală ad valorem.

Cunoscând că unele din taxele arătate mai sus trebuesc percepute de fiecare vânzare, atunci când materialele trec prin mai multe mâini, toate aceste taxe sporite contribuesc la majorarea preţului de cost, implicit a preţului de vânzare, în faza finală, toate acestea răsfrângându-se asupra consumatorului.

In cazul când sunt fixate preţuri maximale pentru vânzare, toate aceste impozite şi taxe ajung să comprime preţul materialelor la tulpină, în dauna proprietarului de păduri.

Toate aceste impozite şi taxe ajung să însumeze pentru exploatările de păduri după cum acestea sunt făcute de proprietari sau antreprenori la minimum 14,8% până la peste 50% din preţul de vânzare al materialelor, iar dacă le raportăm la valoarea materialelor pe picior, aceste impozite şi taxe însumate ajung până la 235%.

Această fiscalitate excesivă, precum şi metodele de impunere, împovărează atât de mult exploatările, încât determină sau:

a) o evaziune foarte largă şi greu de urmărit;

sau b) o renunţare la exploatări.

In această privinţă sunt foarte elocvente cererile depuse ministerului de diferiţi proprietari, cari nu numai că renunţă la exploatarea pădurilor, dar le pun cu totul la dispoziţia Statului, cu condiţia de a li se da veniturile nete la cari fiscul îi impune.

In regimul actual fiscal, exploatările de păduri sunt supuse atât impozitului agricol cât şi impozitului comercial, etc. fiind injust asimilate exploatărilor industriale.

Intr'adevăr exploatarea de pădure şi fasonarea materialului de foc sau lucru, nu poate fi taxată în niciun caz unei exploatări industriale. Industrializarea începe de abia când materialul se transformă (în pădure sau fabrici) şi în mod logic, de atunci abia ar trebui să se impună la impozitele speciale ale industriei.

Recoltarea de materiale lemnoase — foc şi lucru — din păduri se aseamănă recoltărei de produse agricole şi ca atare trebuesc supuse aceluiaş regim.

Dar examinând paralel aceste impozite, se constată că:

IMPOZITE

| pe recoltele agricole | pe recolte pădureşti | |
|---|---|---|
| 1. Impozit agricol 29% | 1. Impozit agricol 29% la val. lemn pe picior | |
| 2. Impozit comercial 24% la venitul net numai în cazul arendării | 2. Impozit proporţiol 9,% | în caz de vânzare la val. lemnului pe picior |
| | 3. „ fond aviaţie 5‰ | |
| 3. Taxe ad valorem 1% | 4. Contrib. supliment. 1,20% salariile plătite | calculat la |
| | 5. a) ½ din contribuţia unică<br>b) ½ din fond pt. comb. tuberc.<br>c) ½ din font pt. construcţii de 0,3%<br>d) ½ din fond. pentru muncă de 0,5% | calculat la salariile plătite lucrător. cu ocazia fasonării |

| pe recoltele agricole | pe recolte pădurăreşti |
|---|---|
| | 6. Impozit comercial 24% la venitul net |
| | 7. Impozit compliment. 0,5—25% la benef. net în raport cu capitalul |
| | 8. Impozit supracotă 0,7—29% |
| | 9. Taxa ad valorem 2% la val. mater. ce se transportă |
| | 10. Impozit proporţ. 1,68% la vânzarea materialelor fasonate |
| | 11. Impozit aviaţie 5‰ |
| | 12. Cifra de afaceri 4% la totalul afacerilor |
| | 13. Contrib. excep. pt. înarmare 2% la valoarea de vânzare plus toate sarcinile. |

Prin urmare în afară de injustețea impozitelor puse asupra exploatărilor de păduri, în timp ce la exploatările agricole veniturile nete sunt fixate pe regiuni, la exploatările forestiere ele sunt calculate dela caz la caz şi lăsate la aprecierea organelor fiscale de cele mai multe ori nepricepute sau abuzive.

In privinţa asigurărilor sociale, în fiecare an se plătesc sute de milioane lei de către lucrători şi patroni, fără ca în schimbul acestor bani, aceştia să aibă o asistenţă efectivă, asistenţă pe care de altfel o obţin oricând prin dispensariile şi medicii de circumscripţie.

## In concluziune:

Dat fiind caracterul exploatărilor forestiere analog celor agricole, este cazul:

1. Deşi în lege, pentru veniturile funciare nu se face nicio distincţiune între venitul brut şi venitul net, aceste două confundându-se, cheltuelile de pază, administraţie şi refacere fiind aproape inexistente, la păduri, baza impozabilă pentru agricol să fie venitul net.

2. Comisiunile de impunere să ia avizul specialiştilor pentru stabilirea impunerilor pădurilor, impuneri făcute în funcţie de productivitatea pădurilor, dedusă — eventual — din amenajamente.

3. Pentru restul impozitelor directe şi taxelor de timbru, exploatările de păduri să fie asimilate exploatărilor agricole şi supuse aceluiaşi regim.

4. Să se creeze avantagii deosebite pentru exploatările făcute de asociaţii de proprietari pentru încurajarea exploatărilor pe bazine.

5. Până nu se va organiza în mod efectiv asistenţa socială pentru lucrătorii de pădure, aceştia să fie scoşi de sub regimul asigurărilor sociale, bucurându-se bine înţeles de toate drepturile câştigate.

*Besteuerung der rumänischen Fortswirtschaft.*

*Les impôts grévant les exploitations forestières.*

L'auteur montre qu'aujourd'hui les impôts sur les exploitations forestières pèsent trop sur la propriété forestière. Il est nécessaire qu'ils soient diminués. On en fait quelques propositions.

# NOTE ASUPRA PĂDURILOR ROMÂNIEI DESMEMBRATĂ

de IOAN FLORESCU
Ing. cons. silvic

| | |
|---|---|
| Suprafaţa totală a României Mari a fost de . | 295.041 km. p. |
| Suprafaţa României desmembrate este de . . | 195.311 „ „ |

| | |
|---|---|
| Populaţia României Mari era de . . . . . | 20.050.000 loc. |
| Populaţia României după desmembrare este de | 13.229.000 „ |

Pierderile teritoriale.

| | |
|---|---|
| Basarabia . . . . . | 44.442 km. p. |
| Nord Bucovina . . . . . | 5.220 „ „ |
| Parte din Transilvania . . . . . | 42.350 „ „ |
| Dobrogea de Sud . . . . . | 7.726 „ „ |
| | 99.738 km. p. |

Pierderile de populaţie.

| | |
|---|---|
| Basarabia . . . . . | 3.190.000 loc. |
| Nord Bucovina . . . . . | 596.000 „ |
| Parte din Transilvania . . . . . | 2.609.000 „ |
| Dobrogea de Sud . . . . . | 426.000 „ |
| | 6.821.000 loc. |

In total s'a pierdut 99.738 km. p. cu o populaţie de 6.821.000 locuitori.

In expunerea de motive a Decretului Lege de măsuri excepţionale, în vederea satisfacerii nevoilor populaţiei şi

autorităţilor cu lemne de foc, în cursul anului 1940/1941 publicat în Mon. Of. No. 147/1940, se arată:

„Pădurile Ţării au dat în conformitate cu studiile de „amenajare şi normele în vigoare dealungul anilor 1930—„1940, o producţie medie anuală de circa 18.000.000 m. c. „din care aproximativ 10.500.000 m. c. lemn de foc (circa „13.500.000 steri=circa 700.000 vagoane) şi circa 7.000.000 „lemn de lucru".

„Consumul de lemn în interiorul ţării a fost în mediu „anual de circa 15.000.000 m. c. din care circa 700.000 vagoane „lemn de foc şi circa 5.000.000 m. c. lemn de lucru".

Valoarea producţiei pădurilor pe anul 1939 loco pădure a fost de:

| | | |
|---|---|---|
| 1) Lemn de foc . . . . | (10.450.000 × 50) = | 522.500.000 lei |
| 2) Lemn de lucru (foioase) | ( 2.700.000 × 200) = | 540.000.000 „ |
| 3) Lemn de lucru . . . | ( 4.900.000 × 300) = | 1.470.000.000 „ |
| | Total lei | 2.532.500.000 [1]) |

Valoarea consumului intern în anul 1939 loco pădure este:

| | |
|---|---|
| 1) Lemn de foc . . . . . | 496.250.000 lei |
| 2) Lemn de lucru (foioase) . . . . . | 516.000.000 „ |
| 3) Lemn de lucru (răşinoase) . . . . . | 1.061.900.000 „ |
| Total lei | 2.074.150.000 [1]) |

Prin cedările de teritorii, s'a pierdut din patrimoniul forestier:

| | | |
|---|---|---|
| a) In cele 9 judeţe din Basarabia: . . . . | 199.460 | ha. |
| b) „ „ 3 „ „ Bucovina: . . . . | 186.806 | „ |
| c) „ „ 2 „ „ Dobrogea: . . . . | 106.923 | „ |
| d) „ „ 11 „ „ Ardeal: . . . . . | 1.403.839 | „ |
| Total: | 1.901.028 | ha. |

1) Cifrele sunt luate după D-l Ing. V. Sabău.

care pe categorii de proprietari se repartizează astfel:

| | |
|---|---|
| Stat . . . . . | 446.416 ha. |
| Administrate de Stat . . . | 776.196 „ |
| Particulare . . . . . | 678.415 „ |
| Total | 1.901.028 ha. |

Suprafaţa păduroasă reală conform expunerii de motive a Legii Pădurilor, publicată în Mon. Of. Nr. 90/1930, a fost de 6.486.471 ha.

Scăzând pierderea de 1.900.000 ha. ne-au mai rămas:

4.586.000 ha. pădure.

Valoarea producţiei anuale pentru cele 4.586.000 ha. pădure ce ne-au rămas ar însuma circa 1.820.000.000 lei, raportaţi la puterea de cumpărare a leului din 1939.

Pădurile din Basarabia, Cadrilater şi Nordul Bucovinei (circa 100.000 ha.) erau păduri degradate şi aflate în refacere.

Procentul păduros acolo era foarte redus.

Porţiunile cedate din teritoriul României cu excepţia Ardealului, erau consumatoare de lemn şi se aprovizionau din Bucovina de Sud şi Vechiul Regat.

Din toate suprafeţele forestiere cedate, necontestat Ardealul constitue o pierdere mai dureroasă şi în materie forestieră, fiindcă cele 11 judeţe pierdute aveau un procent păduros de 33,4%.

Dacă ne referim la ceeace ne-a rămas, constatăm totuşi o mărire a suprafeţei păduroase pe cap de locuitor.

In adevăr înainte de pierderile teritoriale aveam: 6.486.471 ha. cu 20.050.000 locuitori, adică 0,30 ha. întindere păduroasă pe cap de locuitor.

Avem azi: 4.586.000 ha. cu 13.230.000 locuitori, adică 0,35 ha. pădure propriu zisă pe cap de locuitor.

Procentul păduros al României Mari era de 21,7%.

Azi, procentul păduros al României desmembrate este de 22,7%.

Dacă înainte producţia acoperea consumul, cu atât mai mult în prezent acesta va fi acoperit.

Pădurile n'au însă o situaţie economică favorabilă.

Reţeaua de comunicaţii va trebui desvoltată pentru ca toate pădurile să fie accesibile.

Desigur după ce actuala criză a lemnului de foc de pe piaţă, datorită stărilor excepţionale din anii 1939 şi 1940, se va fi înlăturat, va deveni actuală problema organizării serviciilor în vederea mărirei cantitative şi calitative a producţiei, care în nici un caz nu se va putea rezolva prin comprimări de servicii şi reduceri de personal.

*Bemerkungen über die Wälder des verstümmelten Rumäniens.*

*Notes sur les forêts de la Roumanie amputée.*

L'auteur montre la surface boisée que la Roumanie a perdu à l'occasion des cessions territoriales effectuées cette année au bénéfice de la Russie, de la Hongrie et de la Bulgarie.

# CUMPĂRĂRILE DE PĂDURI DE CĂTRE STAT ÎN PERIOADA 1910—1940

de Ing. I. GALERIU

Una din problemele fundamentale de politică forestieră realistă pentru țara noastră, trebue să fie și grija de refacerea domeniului păduros al Statului, micșorat prin legile Reformei Agrare de după războiul mondial. Spre deosebire de „refacerea pădurilor" ideie ce se referă la ameliorarea stării pădurilor, trebue să ne preocupe și sporirea suprafeței pădurilor Statului. Aceasta se poate realiza prin cumpărări de păduri, fie pe cale de oferte directe făcute Statului de către proprietarii particulari, fie prin exercitarea dreptului de preemțiune, stabilit de legi, asupra vânzărilor dintre particulari.

Pe această cale se ajunge: întâi, la etatizarea și naționalizarea proprietății forestiere și în al doilea rând la sporirea producției forestiere, căci pădurile trecând din mâinile particulare, în cele ale Statului vor fi mai productive și exploatate rațional.

Grija Statului de păduri este veche. In Moldova găsim legea din 1843 pentru cruțarea lor, iar în Țara Românească (Muntenia) legea din 1874, care oprește tăerea pădurilor mânăstirești („la întâmplare de vreo trebuință publică de lemne din acele păduri, aceasta se va putea face prin înțelegerea chiriarhului Eparhiei cu Logofătul Dreptății și prin înțelegere Domnească").

Pentru cumpărări de păduri, există legea din 21.XII.1908, prin care Ministerul de Finanțe este autorizat să emită rentă pentru acest scop, în valoare de 5.000.000 lei anual.

Cu ocazia întocmirei Codului Silvic 1910, ministrul Domeniilor de pe atunci, Anton Carp, în proectul depus la Senat, pre-

vedea la Cap. II Secţia III-a cumpărarea de păduri de către Stat dela Casa Rurală, capitol pe care comitetul delegaţiilor Senatului, l'a respins spre a fi trecut într'o altă lege specială, în legătură mai directă cu această chestiune.

Urmare acestui fapt, în legea de organizare a Casei Pădurilor din 1910 se prevede acest lucru, complectând astfel lipsa legei „Casei Rurale", care nu s'a ocupat nici cu procedura unor asemenea cumpărări, nici de modul cum preţul va fi fixat şi nici de soluţiunea ce trebue dată, în cazul când cele două Case n'ar cădea de acord asupra preţului pădurei. Prin legea Casei Rurale, se prevedea că pădurile ce se vor afla pe moşiile cumpărate de această Casă sau prin mijlocirea ei, spre a fi vândute la ţărani, se vor cumpăra de către Stat.

Incepând dela 1910 şi până la izbucnirea războiului mondial din 1916, pădurile achiziţionate de către Casa Pădurilor, de pe moşiile particulare, vândute Casei Rurale, sunt în număr de 25, cu o suprafaţă de 25.604 ha şi o valoare de lei 11.760.307. Revine în mediu, la hectar, 460 lei aur. Tot în acest interval, s'au cumpărat dela particulari 7 păduri cu o suprafaţă de 22.652 ha plătindu-se 6.207.163 lei, adică pe ha 274 lei aur. In total deci s'au cumpărat înainte de război 42255 ha plătindu-se 17.967.470 lei.

Renta anuală, prevăzută de lege, pe intervalul 1910—1916 inclusiv, adică pe 7 ani, a fost însă de 35.000.000 lei. Cu această sumă s'ar fi putut cumpăra 76.008 ha, dacă socotim valoarea maximă la hectar plătită pentru pădurile achiziţionate prin mijlocirea Casei Rurale, sau 127.372 ha, dacă socotim valoarea minimă pentru cele plătite prin cumpărări directe dela proprietarii particulari. Evident că cele două valori, nu pot reprezenta maximul şi minimul preţului, căci aceasta s'a socotit după valoarea de estimaţie a pădurilor. In tot cazul, luând media celor două preţuri s'ar fi putut achiziţiona de către Casa Pădurilor Statului, cu fondurile ce i le punea la dispoziţie legea din 1908, cca. 95.000—100.000 hectare în perioada de dinaintea războiului mondial.

După război, urmează perioada de stagnare a cumpărărilor de păduri, căci pe intervalul 1919—1930, Casa Pădurilor Statului nu achiziţionează decât 11 ha pădure, plătindu-le cu 171.420 lei, ceeace revine la ha 15.584 lei (valoare în monedă postbelică). Această stagnare se datoreşte în primul

rând faptului că banul Statului își afla întrebuințare în alte domenii de „refacere" mai imperioase, consecință a războiului, decât grija de păduri, despre care cei din trecut se preocupau, și în al doilea rând legiuirilor de reformă agrară de după război, care sacrificau pădurile pentru izlazuri în folosul altei ramuri de cultură (creșterea vitelor), sacrificare care a culminat prin legea pășunilor din 1933. Ar fi fost și un non-sens ca să fi avut cineva „grija cumpărărilor de păduri" pentru sporirea suprafeței domeniului păduros al Statului, în perioada în care pădurile erau destinate diminuării.

In 1930 se pare însă, că pădurile intră și ele pe calea „refacerii", căci prin legea de administrarea pădurilor din 17 Aprilie 1930 (Mon. Of. No. 90/25/IV/1930) se prevede obligațiunea Casei Autonome a Pădurilor de a spori domeniul forestier al Statului prin cumpărări de păduri și terenuri neproductive, în vederea împăduririi. Incepând dela această dată, politica cumpărării de păduri particulare de către Stat, este deci mai bine precizată și „grija de păduri" a Administrației noastre silvice este vrednică de remarcat. Se creiază fondul necesar refacerii patrimoniului CAPS, fond care se înscrie anual în bugetul acestei instituțiuni.

Considerând că, spre a înlocui diminuările în suprafață a pădurilor Statului, cauzate de exproprieri și de legea islazurilor din 1933 (peste 500.000 ha), față de cumpărările realizate din trecut (42.255 ha), deficitul fiind vădit, acest fond trebuia să fie cât mai pronunțat, iar cumpărările de păduri cât mai masive. Nu s'a ținut însă seamă de aceasta.

Incercarea de a se reface patrimoniul păduros al Statului pe această cale (prin cumpărări) a fost timidă. Iată cifrele:

1. S'au oferit spre vânzare Statului (CAPS-ului), un număr de 83 păduri particulare însumând 49.475,62 ha pădure curată, plus 13.473,69 ha poeni ,adică în total o suprafață de 62.949,31 ha cu o valoare de 408.448.501 lei (ceeace revine la ha 6489 lei valoarea monedă stabilizată).

2. Principial s'a aprobat de către Comitetul de Direcție al Casei Pădurilor Statului, cumpărarea a 55 păduri particulare însumând 46.648 ha cu o valoare de 229.320.800 lei (ceea ce revine în medie la ha 4912 lei).

3. S'a aprobat prin ratificarea hotărîrilor Comitetului de Direcție al Casei Pădurilor, de către Minister, cumpărarea a

12 păduri particulare, însumând 11.548 ha cu o valoare estimativă de 53.999.937 lei (în medie la ha 4.685 lei). Aceste păduri n'au putut fi însă cumpărate din lipsa fondurilor necesare (deşi fonduri se prevedeau anual în buget conform legii).

4. S'au cumpărat 11 păduri particulare cu o suprafaţă de 6818,86 ha cu o valoare de 18.689.331 lei (ceeace revine în mediu 2736 lei la ha valoare monedă stabilizată).

5. La această suprafaţă mai adăogăm 5724,65 ha cât reprezintă 13.061 drepturi moşneneşti cumpărate de CAPS, cu 9.955.129 lei, în baza dreptului de preemţiune sau oferite direct.

S'au cumpărat deci în total 12.343,51 ha, cu suma de 28.294.460 lei (plătindu-se în mediu la ha, 2285 lei). Faţă de cumpărările dinaintea războiului (48.255 ha = 17.967.470 lei), cumpărările postbelice constituie un rezultat neînsemnat, legea neatingându-şi scopul decât foarte slab.

Din expunerea de mai sus rezultă că mărirea proprietăţii forestiere a Statului pe o perioadă de 30 ani a fost de 60.609 ha. Micşorarea însă în aceiaşi perioadă depăşeşte 500.000 ha.

*Staatliche Waldeinkäufe in den Jahren 1910—1940.*

*Les achats de forêts faits par l'Etat dans la période 1910-1940.*

L'administration des forêts domaniales de la Roumanie a été mise en mesure par ses diverses lois d'organisation, d'agrandir, par des achats, le domaine forestier de l'Etat. Pendant la période 1910—1940 elle a acheté seulement 12.343 ha, ce que l'auteur de l'article estime comme trop peu.

# C R O N I C A

## CRONICA EXTERNĂ

### ● Plopul în silvicultura italiană.

Prin câteva note publicate în cadrul acestei „cronici forestiere externe", s'a atras luarea aminte a cetitorilor asupra creditului deosebit de mare de care se bucură acest copac, atât de puţin preţuit altădată (a se vedea, de ex. R. P. 1940, pag. 116, nota cu No. 105). Incă o pildă de acest fel ne oferă Italia fascistă, foarte interesată la creşterea cât mai neîntârziată a producţiunii sale lemnoase şi la independenţa de străinătate şi în această privinţă.

De toamna trecută (1 Oct.) a fost întemeiat un institut de cercetări specializat numai pentru cultura plopului: Instituto per la Pioppicoltura. Este situat în Casa Monferrata nu departe de întinsele culturi de plop dela Casale. Pentru a se marca însemnătatea ce acordă oficialitatea acestei opere, amintim că instituţia respectivă poartă pe frontispiciul său numele lui Arnaldo Mussolini, înfocatul animator de altădată al Administraţiei forestiere italiene. La festivitatea de inaugurare a Institutului a luat parte şi ministrul Rossino, care l-a predat Miliziei forestale. Se aminteşte că mai funcţionează în Italia încă o „Instituzione per la Meglioramento del Pioppo".

(In parte, după Z. f. W. f. w., 1940, pag. 574). (127)

### ● Economia forestieră austriacă sub cel de al III-lea Reich.

Se bucură de o deosebită solicitudine. Intre multe alte înlesniri (a se vedea R. P., 1940, pag. 466, nota 123), ministrul pădurilor (Reichsforstmeister) acordă împrumuturi pe termen lung pentru construirea sau modernizarea mijloacelor de scos şi transport în păduri izolate, ne puse în exploatare din marea proprietate. Imprumuturile respective nu pot depăşi 50% din valoarea investiţiunilor proectate şi poartă un procent de 2.

(După Z. f. W. f. w., 1940, pag. 574). (128)

### ● Pădurile englezeşti greu încercate de războiu.

Anglia este una dintre cele mai despădurite ţări din Europa (procentul de împădurire cca 5). Consumul de lemn, neobişnuit de ridicat, al acestei ţări, prin excelenţă industrială, este acoperit, în vreme normală, prin import.

Greutăţile de transport pricinuite de blocada submarinelor şi lipsa de vase din timpul războiului mondial au silit Anglia să taie mare parte din pădurile Metropolei, până şi vestita pădure istorică dela Windsor.

Imediat după încheierea păcii, s'a pornit o hotărîtă lucrare de cruţare a rămăşiţelor de păduri şi de înfiinţare de noi păduri pe cale artificială (sub conducerea zisei Forestry Commission).

Războiul actual sileşte Anglia să repete tăerile excesive de acum un sfert de veac. Presa îşi arată îngrijorarea în această privinţă. News Chronicle vorbeşte despre un adevărat „rămas bun dela pădurile noastre".

Anglia ne înfăţişează una dintre pildele de ceeace înseamnă o prevăzătoare sau neprevăzătoare politică de cruţare a rezervelor lemnoase în păduri pentru vremuri grele.

(In parte, după Z. f. Wfw., 1940, pag. 644). (129)

● **Reforma învăţământului silvic în Letonia.**

Până în vara anului trecut, învăţământul silvic universitar leton se făcea în cadrul Facultăţii agronomice a Universităţii din Riga. De acum înainte, acea Facultate a fost transformată într'o Şcolă superioară de Agricultură a Letoniei, independentă de Universitate şi având două facultăţi: de Agricultură şi Silvicultură. La 3 Iulie 1939, s'a ţinut şedinţa festivă şi inaugurală a Consiliului Şcolii respective în noul său palat din Jeglava. Conducerea şcolii este formată din: rector, prorector, secretar general, 2 decani şi 2 secretari ai facultăţilor, 1 bibliotecar şi o comisie de cenzori formată din 3 membrii. Toţi aceştia sunt profesori sau docenţi.

(După Z. f. W. f. w., 1940, pag. 576). (130)

● **Rezervaţiuni în coloniile franceze.**

Lucrarea de apărare a florei şi faunei în ţinuturile coloniale ale statelor occidentale merge înainte.

In Sudan-ul francez, s'au pus la cale măsuri de mare întindere pentru hotărîrea de rezervaţiuni păduroase dealungul apelor şi liniilor ferate, între altele, şi pentru preîntâmpinarea vătămărilor pricinuite de viituri. In ţinutul Kita, sunt puse la punct planurile a trei rezervaţiuni de 22.000 ha, iar în ţinutul Bamako de 50.000 ha.

In Madagascar, au fost întemeiate mai de mult (1927) 10 rezervaţiuni pentru păstrarea florei şi faunei naturale. Mai târziu (1939), a fost creiat un nou parc naţional, Anfohahola sau Roché Carré în cantonul Fort-Dauphin, cu o suprafaţă de aproape 30.000 ha.

(După Z. f. W. f. w., 1940, pag. 637 şi 640). (131)

● **O încercare izbutită de folosire a „gazului de lemn".**

Folosirea „gazului de lemn" pentru punerea în mişcare a vehiculelor automotoare preocupă în deaproape, după cum se ştie, cercurile conducătoare din ţările lipsite de petrol îndestulător.

Guvernământul general al Africei franceze a patronat, de curând, o interesantă încercare de folosire a cărbunelui de lemn în scopul de mai sus. Un camion prevăzut cu gazogen pentru lemn, cu o încărcătură de două tone, a putut parcurge 20.000 km dealungul coloniilor franceze: Senegal, Sudan, Nigeria, Coasta de Fildeş, Guinea şi Mauretania, cu o iuţeală mijlocie de 45 km pe oră. Drept combustibil a fost folosit cărbune de lemn de felurite esenţe şi felurit pregătit, aşa cum a putut fi aflat în ţinuturile respective. Lucrul acesta trebuie subliniat, ca deosebit de însemnat pentru consacrarea victoriei acestei idei.

Consumul — schimbător după natura materialului şi condiţiunilor de transport — n'a depăşit totuşi nicăeri cantitatea de 50 kg la sută de km.

(După Revue internationsle du bois 1940, pag. 29). (132)

● **Impăduriri în Turcia.**

Legea silvică din 1937 îndatorează fiecare oraş şi comună să-şi aibă pădurea sa în suprafaţă de cel puţin 5 ha. Dat fiind că Turcia este lipsită în cea mai mare parte de păduri naturale, s'a păşit cu hotărîre la întemeierea lor pe cale artificială. Pentru pregătirea materialului de împădurit, s'au înfiinţat, după 1937, şase pepiniere forestiere cu o suprafaţă de 340 ha, răspândite în diferite condiţiuni staţionale. Dintre înfăptuirile de până acum, se citează împădurirea a 1500 ha la Ankara, 20 ha la Strandul Florya, 112 ha în smârcurile Karabucak, 50 ha în mlaştinile Ova-Kelemiş. Cheltuielile cerute de lucrările de împădurire au atins, în 1938 de pildă, 210.000 lire turceşti, ceeace face cca. 21.000.000 lei.

Dacă se ţine seama de mentalitatea turcească de altă dată în materie de pădure, înfăptuirile amintite ale Turciei noi sunt de altfel grandioase şi pilduitoare pentru noi.

(După Z. f. W.f.w.,1 940, pag. 642). (133)

*Ilie C. Demetrescu*

# R E C E N Z I I

## CĂRȚI

Dr. GHEORGHE NEDICI:
*Istoria Vânătoarei și a dreptului de vânătoare.*
Tipografia Ziarului Universul, 1940. 753 pag., Lei 320.

O operă de standard, construită pe-un vast fundament, care depășește mult cadrul literaturii românești constituind un punct de cinste chiar pentru literatura mondială. Lucrarea reprezintă un studiu de mare anvergură al unui savant, căruia i-a reușit, cu o nemărginită dragoste, cu enormă sârguință și cu o excepțională și rară competință — utilizând rezultatele științei moderne — să situeze istoria vânătoarei din România în istoria mondială a vânătoarei prin acumularea unui imens material, pe care l-a aranjat sistematic și l-a prelucrat organic.

Aceasta este opera lui Gheorghe Nedici.

Când iei cartea în mână, rămâi uimit de uriașa problemă ce și-a pus-o autorul, precum și de claritatea și de siguranța, cu care a fost soluționată această problemă.

Această carte avea menirea nu numai să cuprindă chintesența întregii istorii moderne de vânătoare ci ea trebuia să scruteze și regiuni noi, și să redea și istoria vânătoarei din România care nu a fost încă până acum tratată în întregimea ei, într'o prezentare ordonată, organică și fondată științific.

Toate acestea i-au reușit în mod exemplar.

S'ar putea găsi în această carte amănunte asupra cărora să se poată naște discuții, s'ar putea găsi afirmațiuni, cari mai târziu (vreodată), se vor combate — dar un lucru e cert: această carte va rămâne totdeauna fala literaturii românești de vânătoare și va fi mereu baza tuturor studiilor științifice de mai târziu.

Lucrarea se compune din 2 părți principale: istoria mondială a vânătoarei și istoria vânătoarei în România.

Istoria mondială a vânătoarei tratează, în 46 de pagini, noțiuni de geologie și de preistorie generală cu privire specială la istoria vânătoarei, în 49 de pagini vânătoarea omului primitiv, pe 20 de pagini timpul între paleolitic și timpurile istorice, pe 79 de pagini vânătoarea în antichitate, pe 70 de pagini vânătoarea în evul mediu, pe 77 de pagini vânătoarea în timpurile moderne și în fine pe 50 de pagini dreptul de vânătoare.

Istoria vânătoarei a României cuprinde următoarele două capitole principale:

1. Timpurile preistorice, pe 47 de pagini.

2. Timpurile istorice până la Unire (1918), pe 200 de pagini.

Acest din urmă capitol se împarte şi el în următoarele capitole: Istoria vânătoarei în Vechiul Regat (62 pagini), în Transilvania (118 pagini), în Bucovina (2 pagini) şi în Basarabia (7 pagini). Istoria Vânătoarei a Vechiului Regat şi a Transilvaniei cuprinde următoarele subdiviziuni: vânatul, vânătoarea şi dreptul de vânătoare.

La sfârşit se mai tratează desvoltarea vânătoarei după Unire, pe 39 de pagini.

Astfel s'au tratat, în această operă, printr'o muncă strict ştiinţifică, o extraordinară bogăţie de amănunte istorice, în stil mare şi cu spirit critic.

Autorului, căruia îi exprimăm cele mai cordiale felicitări pentru opera sa, îi dorim totdeodată să-şi vadă lucrarea tradusă într'o limbă mondială, spre cinstea şi onoarea ştiinţei vânătoarei româneşti.

*Otto Witting*

H. U. AMLONG şi G. NANDORF:
*Die Wuchshormone in der gärtnerischen Praxis.*
In colecţia Wissenschaft und Praxis.
Editura Nicolai. Berlin.
157 pagini, format 13/18 cm.
Hormonii creşterii în practica grădinărească.

Secrete ale naturei sunt descoperite de mintea iscoditoare a cercetătorilor neobosiţi.

După ce aceste secrete sunt descoperite în laborator, numai pentru a explica un fenomen din viaţa animală sau vegetală, ele trec mai departe în cercurile vieţei practice spre a se trage foloasele cuvenite. In acest spirit a fost scrisă broşura de faţă. Prin ea se pune la îndemâna practicienilor noile descoperiri ale fiziologiei vegetale asupra hormonilor. Era necesar să apară, deoarece, azi trăim în plină răscolire a vieţei datorită cunoaşterii vitaminelor şi hormonilor. Autorii broşurei spun în introducere, că pentru menţinerea vieţei nu este nevoie numai de hrană ci şi de vitamine şi hormoni.

Dacă în viaţa animală rolul hormonilor a fost mai temeinic şi mai de vreme studiat, în viaţa vegetală abia în anii din urmă s'au văzut cristalizate primele rezultate, dela care s'a trecut şi la unele aplicaţiuni. Am putea spune că în ultimul deceniu s'au făcut progrese mari, uimitoare, şi totdeodată pline de nădejdi pentru viaţa practică.

Primele bănueli despre existenţa şi acţiunea hormonilor în viaţa plantelor se găsesc în lucrările lui Pasteur (1860) şi Darwin (1880). Dela 1910, prin lucrările fiziologului danez Boysen-Jensen, încep să se lămurească în parte rolul hormonilor în actul creşterii plantelor. Contribuţii importante în această chestiune aduc: Söding (1923), Kögl (1931), F. W. Went (1928).

După ce s'a cunoscut în amănunt modul cum lucrează hormonii, cercetătorii au căutat ca pe cale artificială să producă o serie de hormoni care acţionează asupra creşterii. Până în anul 1937 se cunoşteau 61 asemenea hormoni. Dintre aceştia, unii au început să fie fabricaţi pe cale industrială şi daţi în comerţ. Firma I. G. Farbenindustrie produce sub numele de Belviton, un hormon ce dă bune rezultate în stimularea creşterilor. Un alt hormon cunoscut este Auxina, care de asemenea se industrializează şi a început să fie întrebuinţat în grădinărie.

Broşura este alcătuită în trei părţi, de aproximativ câte 40 pagini fiecare. Partea întâia, care este precedată de o introducere, se ocupă de bazele teoretice ale studiului hormonilor. In această parte ni se arată cum s'a ajuns la descoperirea lor, cum se produce şi cum acţionează asupra plantelor, în producerea celor mai de seamă acte din viaţa lor. Astfel, ne arată rolul jucat de hormoni în creşterea tulpinei, a rădăcinei, în mişcarea plantelor (tropisme) şi alte acte.

Partea a doua o broşurei cuprinde posibilităţile practicei de aplicare a hormonilor. Aici găsim analizate asupra căror acte din viaţa plantei putem interveni noi cu ajutorul hormonilor. Ca să se vadă domeniile de aplicare a hormonilor le enumărăm mai jos:

1. Ridicarea puterii de germinaţie a seminţelor.

2. Accelerarea şi stimularea desvoltării plantei.

3. Inflorirea mai de vreme.

4. Producerea de fructe fără seminţe (struguri, mandarine, portocale şi poate în curând caise şi piersici).

5. Influenţarea procesului de coacere a fructelor.

6. Vindecarea boalelor la plante.

7. Inrădăcinarea butaşilor.

8. Altoiri şi înobilări.

In toate aceste domenii s'au obţinut până acum rezultate frumoase. Mai este nevoie de unele perfecţionări spre a fi folosite de toată lumea interesată.

Se cuvine să scoatem în evidenţă partea aplicativă din domeniul silviculturii. Deşi broşura este scrisă pentru grădinari, în ea se găsesc părţi care ne interesează şi pe noi. Aşa avem cazul butăşirii. Cu ajutorul hormonilor s'a ajuns azi să se obţină butaşi dela cea mai mare parte a coniferelor.

Ce însemnează înmulţirea pe cale de butaşi faţă de cea prin sămânţă se rezumă în aceste cuvinte: este mai simplă, se câştigă timp, este la îndemână oricând; ne mai depinzând de ani de sămânţă, se menţine întocmai caracterele înaintaşilor. Acestea vor face ca hormonii să se folosească pe scară mare la regenerarea pădurilor.

Ultima parte se consacră tehnicei tratamentului cu hormoni.

Fiindcă tratamentul cu hormoni diferă dela caz la caz, aşa cum este şi în medicina umană, autorii ne arată în această parte cum se tratează butaşii dela diferite specii.

Este de mare importanţă dozajul soluţiei şi timpul cât se ţine butaşul în contact cu soluţia. O dozare prea puternică face ca să nu se obţină rezultate. La sfârşitul broşurei, autorii ne dau o listă de speciile ce-au fost încercate cu dozajul şi timpul de înmuiere în cazul butăşirii, la diferite specii.

*Anton V. Rădulescu*

FORSTWISSENSCHAFTLICHES CENTRALBLATT

Caietul 4, Aprilie 1940.

*Schüpfer, Fabricius:*
*Geheimer Rat Dr. Dr. h. c. Max Endres 80 Jahre alt.*
Consilierul intim Dr. Dr. h. c. Max Endres a împlinit 80 ani.

Fostul profesor de politică forestieră dela Universitatea din München a ajuns la vârsta de 80 ani. Colegii săi, Schüpfer şi Fabricius cu care Endres conlucrează la scoaterea acestei reviste îi consacră câteva rânduri, arătând activitatea didactică şi de îndrumare a economiei forestiere. Intr'un articol din Revista Pădurilor, d-l Ilie Demetrescu a arătat amănunţit ce a însemnat Endres pentru ştiinţele forestiere.

*L. Fabricius:*
*Ein 10 — jährigen N — Düngungsversuch.*
O încercare de 10 ori cu îngrăşământ de azot.

Intr'un arboret de pin în vârstă de 36 ani, care vegeta prost din cauza acidităţii solului, autorul şi-a propus să înlăture această cauză; în consecinţă să aducă o activare a creşterilor, cu ajutorul îngrăşămintelor. In acest scop a folosit Salpetru produs de Leuna, Nitrophoska I. G. III şi uree. După zece ani se observă o îmbunătăţire apreciabilă a creşterilor. Faţă de Nitrophoska şi uree a ajutat mai bine salpetru.

*A. Römer:*
*Boden- und Streuuntersuchung sowie Kostenaufstellung zum vorstehenden Forstdüngungversuch.*
Analiza solului şi a litierei precum şi a cheltuelilor încercării de mai sus cu îngrăşământ forestier.

Incercarea prof. Fabricius cu îngrăşământ pe care a analizat-o din punctul de vedere al creşterilor arboretului, este reluată aici şi cercetată din punctul de vedere pedologic. Autorul stabileşte că: solul prezintă un capital redus de humus şi o mare aciditate. Stratul superficial a pierdut mult din aciditate spre deosebire de cele mai adânci care au fost mai puţin influenţate.

Caietul 5, Mai 1940.

*K. Escherich:*
*Über die forstliche Bedeutung der Schlupfwespen.*
Despre importanţa forestieră a Ichneumonidelor.

Pentru pădure ichneumonidele sunt de foarte mare importanţă, ele contribuind în mare măsură la menţinerea comunităţii de viaţă (biocenoză).

La susţinerea acestei teze contribuie lucrarea de curând apărută în analele forestiere ungare datorită lui Ianosi Györn, despre: importanţa forestieră a ichneumonidelor.

*Antonin Nemec.*

*Untersuchungen über die Ursachen des Absterbens eines Fichtenbestandes.*

Cercetări asupra uscării unui arboret de molift.

In pădurea Böhmer Wald se observă, în ultimul deceniu, la una din parcele că moliftul se usucă. Uscarea începe în părţile de sus ale coroanei. Arboretul are 50 ani.

Căutând să stabilească care sunt cauzele acestei uscări, autorul a analizat solul, acele, lemnul şi a ajuns la concluzia că uscarea s'ar datori lipsei de calcar a solului.

*Boos:*

*„Der Zauberstab". Ein Beitrag zur Füllungstechnik.*

„Băţul Minune". O contribuţie la technica doborîtului.

La un curs de îndrumare a lucrătorilor de pădure, un lucrător a arătat că el poate, cu ajutorul unui băţ de 50 cm lungime şi 3 cm diametru, să facă ca arborele să cadă cu mai bine de 1 m mai departe de tulpină. Făcându-se experienţă s'a dovedit adevărată afirmaţia lui. Băţul se aşează în tăietura care dă direcţia de cădere a arborelui. Arborele alunecă pe băţ, care se rostogoleşte.

Caietul 6, Iunie 1940.

*Prof. Dr. V. Dieterich:*

*Beispile der wehrpolitischen Bedeutung von Forst- und Holzwirtschaft.*

Exemple despre importanţa economiei pădurilor şi a lemnului din punct de vedere al politicii apărării naţionale.

Pe măsură ce războiul ia un caracter mai pronunţat agresiv, pădurea şi lemnul se dovedesc a avea un rol mai însemnat. Autorul arată că chestiunei lemnului, mai cu seamă, trebuie să i se dea importanţă tot mai mare.

*Dr. Hans — Werner Wolte:*

*Kann der Puppenröuber (Calcosoma Sycophanta L.) eine Schädlingplage beendigen?*

Poate Calcosoma să devină o plagă pentru unele insecte vătămătoare?

Calcosoma s'a dovedit că poate să dea un mare ajutor în combaterea insectelor vătămătoare, dar trebuieşte să fie înmulţită pe cale artificială aşa cum s'a arătat că a dat rezultate în America.

*Caietul 7, Iulie 1940.*

*Jost Franz:*

*Lebensweise und forstliche Bedeutung des Tannentriebwicklers (Cacoecia murinana Hb.).*

Felul de viaţă şi importanţa forestieră a Cacoecia murinana.

Intre insectele vătămătoare bradului Cacoecia murinana ocupă un loc de frunte. Stricăciunile aduse de ea au fost până acum neglijate.

Anul 1939/40 a fost un an în care a apărut în masă această insectă în Pădurea Neagră. Cu această ocazie autorul a făcut o serie de observaţii asupra biologiei insectei, despre care raportează în acest articol.

*Dr. Jegel:*

*Altfrankens Imkerei in ihrem Kulturgeschichtlichen Zusammenhang.*

Albinăritul în Franconia din punctul de vedere cultural-istoric. (Articolul continuă).

*Comunicări:*

Mantel:

Date statistice asupra propreităţii suprafeţelor agricole şi silvice folosite.

*Caietul 8, August 1940.*

*Dr. Wilhelm Montel:*

*Die betriebswirtschaftliche Ausgestaltung der Forsteinrichtung.*

Intemeierea amenajamentului pe baze gospodăreşti.

In ultima vreme amenajamentul n'a mai făcut de loc progrese. Este de mare importanţă pentru amenajament datele statistice şi contabiliceşti. Folosirea lor pe scară mai mare ar aduce o nouă înfăţişare amenajamentului.

*Dr. Jegel:*

*Altfrankes Imkerei in ihren Kulturgeschichtlichen Zusammenhang.*

Albinăritul în Fronconia din punctul de vedere cultural istoric. (Articolul continuă).

*Ant. V. Răd.*

HOLZ ALS ROH-UND WERKSTOFF.

*Anul 3 (1940), Caetul 7/8 (Iulie-August).*

*R. Trendelenburg:*

*Über Faserstauchungen in Holz und ihre Überwallung durch den Baum.*

Asupra rupturilor de compresiune în lemn şi acoperirea lor de arbore.

In urma îndoirii puternice a arborilor cauzată de furtuni sau zăpezi mari, se produc în lemn îndoiri sau chiar rupturi ale fibrelor în partea comprimată a trunchiului.

Autorul arată modul în care se nasc şi se prezintă aceste rupturi la molift, formarea gâlmelor de acoperire, şi însuşirile acestui lemn.

Un număr mare de foarte bune fotografii exemplifică cele susţinute de autor.

*E. Gaber:*

*Druckversuche quer zur Faser an Nadel-und Laubhölzern.*

Incercări la compresiune perpendicular pe fibre la lemnul de răşinoase şi foioase.

Se arată încercările făcute pentru a se stabili influenţa mărimii piesei de încercare şi a înclinării inelelor anuale asupra rezistenţei lemnului de foioase şi răşinoase la compresiune perpendicular pe fibre.

Deasemenea se studiază rezistenţa la pătrundere pentru lemnul de molift.

*R. Keylwerth:*

*Holz als Kraftstoff im Lastwagen betrieb.*

Lemnul ca materie carburantă la autocamioane.

Se examinează modul de acţionare şi posibilităţile gazogenului Imbert adaptat la autocamioane.

Comparându-se costul benzinei şi a gazului de lemn necesar pentru un autocamion de 3 t, se vede că acesta din urmă reprezintă doar 66,3% din primul.

*Erwin Schmidt:*

*Unkosten des Holzschälens und Manipulierens in Abhängigkeit vom Durchmesser des Papierholzes.*

Costul cojirii şi manipu-

lării lemnului de celuloză în raport cu diametrul său.

In ultimul timp s'a admis la fabricarea celulozei lemn de dimensiuni foarte mici, până la 2 cm. diametru la capul subţire. Autorul demonstrează că astfel de material, datorită cheltuielilor de cojire, este mai scump decât lemnul gros de 10... 14 cm diam. Se arată cum variază costul lemnului de celuloză în raport cu diametrul său.

*K. Friedrich:*
*Doe Ausbeute bei der Herstellung von Faserplatten.*

Producţia la fabricarea plăcilor de fibră.

Prelucrarea lemnului în plăci de fibră este o folosire foarte rentabilă a lemnului. Ea poate fi întrebuinţată în mod mult mai economic ca lemnul de foc.

Randamentul este mai mare atunci când se foloseşte lemn rotund, decât lemn amestecat, de orice dimensiuni, deşeuri ale altor prelucrări.

*Ad. Rabanus:*
*Beitrag zur laboratoriumsmässigen Prüfung von Holzschutzmitteln. Das Verhalten von mit Kupfersulfat getränkten Hölzern.*

Contribuţie la încercarea de laborator a substanţelor pentru impregnat lemnul. Comportarea lemnelor impregnate cu sulfat de cupru.

Autorul arată rezultatele practice ale procedeului de impregnare Boucherie cu sulfat de cupru.

Reuşita impregnării depinde nu numai de modul cum s'a făcut fixarea sării, de natura pământului în care sunt puşi stâlpii, ci şi de răspândirea geografică a ciupercilor.

Astfel ciupercile de felul lui Polyporus vaporarius anulează efectul impregnării lemnului cu sulfat de cupru, toate celelalte condiţiuni de reuşită fiind prezente.

*W. Beck:*
*Der Astflickautomat:*

Maşina de dres nodurile.

Nodurile constituesc un defect, care s'a căutat să se înlăture cât mai mult înainte de prelucrarea lemnului. Manual operaţia este grea şi cere timp. De curând s'au construit maşini pentru acest scop. Autorul descrie maşina construită de B. Raimann K.-G., Freiburg, patentată în toată lumea.

*H. Seitz:*
*Die Baracken des Reichsarbeitsdienstes, ihre Bauweise und ihr wärmetechnisches Verhalten.*

Barăcile serviciului muncii în Germania, modul lor de construcţie şi comportarea lor din punct de vedere al izolării contra pierderilor de căldură.

Descrierea construcţiei, în special a măsurilor luate pentru izolare contra frigului.

*W. Böhringer:*
*Neue Wege für die Schutzbehandlung der Holzteile von Kühltürmen.*

Noi drumuri pentru conservarea pieselor de lemn din turnurile de răcire.

Descrierea vechilor şi noilor procedee de impregnare a pieselor de

lemn pentru turnurile de răcire. Rezultatele încercărilor comparative.

*Mici comunicări:*

Pădurile Norvegiei.

Proiectul de normă DIN E 3199 pentru coșciuguri de incinerare.

Instrucțiuni pentru denumirea lemnului de mobile RAL 430 A.

Construirea unei fabrici de carbonizare a lemnului în Lituania.

Benzină din lemn.

Fabrică de celuloză în Spania.

Laboratoare de încercare pentru materii textile.

Un nou produs al celulozei.

„Balinit" un nou înlocuitor al tablei de metale ușoare.

Ascuțirea pe cale chimică a pilelor.

Reîntrebuințarea stâlpilor de telegraf după ce au fost scoși din linie.

Ședința de vară a comisiei lemnului dela VDI și DFV la 21—22 Iunie în Nürnberg.

*Revista patentelor* aprobate și enunțate.

*Referate* asupra literaturii. Sunt cuprinse 120 referate asupra literaturii noi apărută în domeniul tehnologiei lemnului.

*Recenzii:*

A. H. M. Andreasen: Die Feinheit fester Stoffe und ihre technologische Bedeutung.

W. Haupt: Masse, Währungen, Werte.

W. Wegelt: Holzwirtschaftliche Monatsblätter.

Kurt H. Meyer und H. Mark: Hochpolymere Chemie.

K. Beck: Selbstkostenrechnung in der Papierindustrie.

E. Merck: Chemisch-technische Untersuchungsmethoden für die Textilindustrie.

H. Wickmann: Maschinen und Werkzeuge für die Spangebende Holzbearbeitung.

Bittner und Klotz: Furniere, Sperrholz, Schichtholz.

R. Stegemann: Vom wirtschaftlichen Bauen.

J. Carstensen: Schindeldach und Schindelgiebel.

*Tabel* cu însușirile și întrebuințările lemnului de duglas (Pseudotsuga taxifolia).

*N. Ghelmezia*

JOURNAL FORESTIER SUISSE.

Nr. 8—9/1940.

*Aug. Barbey:*

*La forêt au secours des transports.*

Pădurea în ajutorul transporturilor. (6 pag.).

In situația internațională de azi proprietarii de camioane din Elveția se găsesc în dificultate în ce privește aprovizionarea cu benzină.

Autorul reproșează politicei greșite ce s'a dus până acum, de a nu se fi introdus gazogenele așa cum a făcut Franța și Italia.

Pentru Elveția problema carburantului național este rezolvată, căci pădurea (de fag, molid și brad) este repartizată pe mai tot teritoriul țării.

*J. P. C.:*

*Sur les sols, peuplements et aménagements.*

Despre soluri, arborete și amenajamente. (5 pag.).

Câteva considerațiuni pe marginea unei publicații a D-rului E. Hess (Rolul foioaselor în reîmpădurire.

Berna, 1940), privind în special interdependenţa dintre sol şi arboret.

*Sam. Aubert:*

*Les Ilanches (Jura vaudois)* (2 pag.).

O proprietate altădată împădurită de 30—40 ha, purtând acest nume, care face parte dintr'o regiune pastorală alpină numită „Prés au Vaud". A fost defrişată. Pădurea însă încet încet îşi recapătă terenul pierdut.

*Edouard Rieben:*

*Des observations faites lors de l'aménagement d'une forêt communale.*

Observaţiuni făcute în momentul amenajării unei păduri comunale. (2 pag.).

*At. Har.*

ZEITSCHRIFT FÜR WELTFORSTWIRTSCHAFT.

Bd. VII, Heft 7 (April 1940).

*Werner Junghans:*

*Die Lage der Holzwirtschaft Belgiens und der Niederlande unter Kriegsverhältnissen.*

Economia lemnului belgiană şi olandeză sub starea de războiu.

In legătură cu situaţia acestor ţări faţă de statele beligerante, autorul studiază următoarele chestiuni:

1. In ce măsură au nevoie ţările amintite de un import de lemn pentru a-şi acoperi nevoile lor normale de lemn, cu suprimarea oricărui export de lemn?;

2. In ce măsură îşi pot împlini nevoile proprii de lemnărie din pădurile proprii, în cazul că importul este împiedicat cu totul sau parţial din pricina războiului?;

3. Ce însemnătate ar avea coloniile ţărilor respective într'o asemenea situaţie grea?

Ţările respective sunt importatoare de lemn şi anume, răspunzând la prima întrebare, Belgia ar avea nevoie de cca. 3,7 milioane m³, iar Olanda, 5,1 milioane m³ lemn sau mărfuri de lemn.

Producţiunea naţională de lemn ar acoperi nevoile proprii numai în cazul când tăerile ar fi ridicate cu cca. 300% în Belgia şi 700—800% în Olanda. O atare situaţie n'ar putea fi menţinută decât foarte scurt timp.

Coloniile ţărilor respective nu le-ar putea fi de nici-un folos în această direcţiune a acoperirii nevoilor de lemnărie.

*Internationaler Forst- und Holzwirtschaftsbericht.*

Cronica forestieră internaţională.

Ne oferă multe date asupra stărilor şi faptelor forestiere din diferite ţări ale lumii.

*Ilie C. Dem.*

ZEITSCHRIFT FÜR FORST-UND JAGDWESEN.

*Caietul 9, Septembrie* 1940.

I. *Studii.*

*Dr. J. Schubert:*

*Grundlagen der allgemeinen und forstlichen Klimakunde.*

Bazele climatologiei generale şi a celei forestiere.

Articolul dă într'o formă ştiinţifică rezultatul observaţiunilor staţiunii climatologice din Eberswalde auspra duratei apariţiei soarelui (Sonnenscheindauer).

*Lamberts:*
*Die Wehrmeisterei-Waldungen.*

*Dr. E. Wagenknecht:*
*Das Umsetzen in Kieferndickungen.*
Inversiune în desișurile de pin.

In mai multe pieţe de experienţă s'au măsurat întâia oară în 1931 puieţii de pin în vârstă de 6 ani şi a doua oară în 1937, când puieţii aveau 12 ani. S'a putut astfel urmări dacă puieţii predominanţi, cei dominanţi şi cei rămaşi în urmă şi-au păstrat această situaţie şi după 6 ani. S'a stabilit că majoritatea din ei nu numai că şi-au păstrat poziţia dar chiar şi-au întărit-o.

II. *Comunicări.*
*Deciziuni juridice importante.*

III. *Recenzii.*
*Bieger W.:* Handbuch der Deutschen Jagd. [Manualul vânătoarei germane]. 2 vol. în 8 fascicule. Editura P. Parey, Berlin 1940. Preţ de subscripţie 4,80 R. M. fascicola.
Recenzent *Olberg.*

*Schenkling, S.:* Faunistischer Führer durch die Coleopteren-Literatur. [Ghid faunistic prin literatura coleopterelor]. Literatura importantă a gândacilor rânduită după regiuni geografice. Vol. I: Europa. Fascicola 6. Editura Gustav Feller, Neubrandenburg (Meckl.) 1940.
Recenzent *Dr. Wolff* (Eberswalde).

*G. T. T.*

---

CĂRŢI NOI:

**ANALELE INSTITUTULUI DE CERCETĂRI ŞI EXPERIMENTAŢIE FORESTIERĂ**
**Vol. V, 1939.**

Cuprinde:

1. **Prof. C. C. Georgescu:** Răspândirea orizontală a pinului silvestru în Carpaţii României. pp. 78+1 h.
2. **At. Haralamb:** Răspândirea naturală a pinului silvestru în judeţul Buzău, pag. 38+1 h.
3. **C. C. Georgescu:** Contribuţiuni la cunoaşterea făinării stejarului, pp. 19.
4. **Gr. Eliescu:** Observaţiuni privitoare la studiul metodei în protecţia pădurilor, pp. 15.

# INFORMAŢIUNI

— Prin constituirea guvernului din 14 Septembrie 1940, la Ministerul de agricultură şi domenii s'au făcut următoarele numiri:

1) D-l Ing. N. Mareş, ministru secretar de Stat.

2) D-l P. Nemoianu, subsecretar de Stat pentru agricultură şi zootehnie.

3) D-l Ing. N. Smărăndescu, secretar general.

4) D-l Dr. Dumitru Iosif, secretar general.

5) D-l Ing. Vict. Chirulescu, secretar general.

— D-l Dr. Grigore Eliescu, ing. insp. g-ral silvic de la Institutul de cercetări silvice a fost declarat, de către Ministerul Educaţiei Naţionale, Conferenţiar definitiv de Zoologie, entomologie şi protecţia pădurilor.

— Prin decizia ministerială Nr. 1367 din 24.IX.1940 publicată în Mon. Of. Nr. 236 din 9.X.1940, în cadrul Institutului de cercetări silvice, au mai luat fiinţă:

1) Laboratorul C. de „Climatologie forestieră", care se va ocupa cu cercetarea climatului din zonele forestiere, cu microclima şi cu relaţiunile dintre climat şi vegetaţia forestieră.

Laboratorul ţine de secţia III-a „Factori naturali de producţie, dendrologie, genetică, pedologie, botanică şi fitopatologie forestieră".

Conducerea laboratorului a fost încredinţată d-lui Dr. T. Bălănică, inginer şef silvic.

2) Oficiul C. de „Cadastru, topografie şi fotogrametrie", care se va ocupa cu studiul şi aplicaţiunile practice ale topografiei şi fotogrametriei la cadastrul forestier şi la alte probleme de ştiinţă şi practică silvică.

Oficiul aparţine de secţia IV-a „Geniu forestier, ameliorăţiuni, corecţiuni de torenţi".

Conducerea a fost încredinţată d-lui Dr. G. Nicolau-Bârlad, ing. şef silvic, care a fost detaşat în acest scop, de la C.A.P.S., pe data de 1.X.1940.

— Au fost transferaţi în interes de serviciu (Mon. Of. 220/940) d-nii:

1. Gelsinger Ladislau, ing. subinsp. silvic la Inspectoratul silvic Timişoara.

2. Paladian Vasile, ing. subinsp. silvic la Inspectoratul silvic Bucureşti.

3. Poclitaru Iancu, ing. subinsp. silvic la centrala Direcţiei silvice din Minister.

4. Ostafie Gh., ing. insp. silvic la Inspectoratul silvic Craiova.

— D-l Cerschi Titus ing. şef silvic, fost la Serv. judeţ. Ismail, a fost însărcinat cu conducerea Serv. silv. judeţ. Fălciu, pe data de 1.IX 1940.

— D-l Ing. I. Popescu-Zeletin a fost transefrat dela C.A.P.S. la Direcţia Silvică fiind încadrat la Serv. lemnului, biroul producţiei (Mon. Of. 187 din 14 August 1940).

— In Mon. Of. 213 din 13.IX.a. c. a apărut tabloul inginerilor silvici cari urmează a fi luaţi în discuţie

pentru înaintare, de către Comitetul de înaintări, pe data de 1.I.1941.

— D-l N. N. Tănăsescu, ing. şef silvic a fost transferat de la Inspectoratul Chişinău la Direcţia silvică din Minister, pe data de 1 Sept. a. c.

— D-l Drăgan Emil, ing. subinsp. silvic a fost transferat inspector de control la Inspectoratul silvic Craiova în locul d-lui Schiler Ion ing. silvic care a fost transferat la Inspectoratul silvic Timişoara pe data de 1 Sept. a. c.

— Prin dec. min. Nr. 25.687 din 19 Septemvrie 1940 (Mon. Of. 226 din 27.IX.1940) următorii d-ni ingineri silvici foşti cu serviciul în teritoriile ocupate de Ungaria, se transferă în interes de serviciu, după cum urmează:

1. D-l ing. insp. gl. silvic Neltea Constantin, fost şef al Inspectoratului silvic Cluj, se transferă în centrul Ministerului, Direcţia pădurilor personelor juridice şi până la noi dispoziţiuni, se însărcinează cu lichidarea gestiunii Inspectoratului silvic Cluj, şi arondarea pădurilor din Ocoalele Cluj, Gilău, Huedin şi Aleşd, din fostul Inspectorat Cluj, porţiuni rămase în teritoriul României.

2. D-l Chiţu Alexandru, inginer subinspector silvic, dela Serviciul silvic judeţean Cluj, se transferă la Inspectoratul silvic Bucureşti, ca inspector de control.

3. D-l Cârstocea Nicolae, inginer silvic dela Ocolul silvic Breţcu, se transferă ca şef al Ocolului silvic Dragomireşti, jud. Muscel.

4. D-l Răducu Gheorghe, inginer subinspector silvic, dela Serviciul silvic Dâmboviţa, se transferă în Centrul inspectoratului silvic Bucureşti.

5. D-l Predescu Gheorghe, inginer şef silvic, dela Ocolul silvic Sf. Gheorghe, se transferă ca şef al Serviciului silvic judeţean Dâmboviţa, în locul d-lui ing. Răducu Gh., care va trece în alt post.

6. D-l Vasile Mihai, inginer şef silvic, dela Serviciul silvic judeţean Caraş, se transferă pe lângă Serviciul silvic Braşov.

7. D-l Nestorică Iosif, inginer subinspector silvic, din fostul Inspectorat Cluj, se transferă la Inspectoratul silvic Alba Iulia, ca inspector de control pentru pădurile din regiunile moţilor din jud. Cluj şi Turda, trecute la Inspectoratul Alba Iulia, având sediul în Turda.

8. D-l Soltinschi Constantin, inginer silvic, fost şef al Ocolului silvic Gilău din fostul inspectorat silvic Cluj, se repartizează la acelaşi ocol, care se va numi Ocolul silvic Jara, cu reşedinţa în com. Jara.

9. D-l Mutică Constantin, inginer silvic, dela Ocolul silvic Gurghiu, se transferă la Ocolul silvic Dumbrăveni, ca şef al ocolului.

10. D-l Rusu Ion, inginer silvic, dela Ocolul silvic Hida, se transferă la Ocolul silvic Călăţele, fost Huedin.

11. D-l Ştefănescu Octav, inginer şef silvic, dela Ocolul silvic Joseni, se transferă la Ocolul silvic Câmpeni, ca şef al ocolului.

12. D-l Chibeleanu Aurel, ing. subinspector silvic, dela Serviciul silvic judeţean Sălaj, se transferă în centrul Inspectoratului silvic Alba Iulia.

13. D-l Niculescu Victor, inginer subinspector silvic, dela Ocolul silvic Corund, se transferă ca şef al Ocolului silvic Arpaşul de Jos.

14. D-l Lupan Constantin, inginer şef silvic, dela Ocolul Cehul Silvaniei, se transferă ca şef al Serviciului silvic judeţean Ialomiţa.

15. D-l Smighelschi Cornel Blaga, inginer subinspector silvic, dela Serviciul silvic judeţean Năsăud, se transferă la Inspectoratul silvic Craiova, ca inspector de control.

16. D-l Isbăşescu Iosif, inginer şef silvic, dela Ocolul silvic Baia Mare, se transferă ca şef al Serviciului silvic judeţean Olt, în locul d-lui ing. şef silvic Bedros Andrei, care trece în alt post.

17. D-l Bedros Andrei, inginer şef silvic, şef al Serviciului silvic judeţean Olt, se transferă în centrul Inspectoratului silvic Craiova.

18. D-l Filipovici Jiva, inginer silvic, dela Ocolul silvic Covasna, se transferă ca şef al Serviciului silvic judeţean Romanaţi.

19. D-l Chirvăsuţă Ion, inginer subinspector silvic, dela Serviciul silvic judeţean Miercurea Ciuc, se transferă ca şef al Serviciului silvic judeţean Vâlcea.

20. D-l Mircea Emilian, inginer şef silvic, se transferă dela Serviciul silvic judeţean Vâlcea, ca şef al Serviciului silvic judeţean Dolj.

21. D-l Bărbulescu Gh., inginer subinspector silvic, dela Şcoala de pădurari Căiuţi, se transferă la Inspectoratul silvic Iaşi, ca inspector de control.

22. D-l Kerschnig Wielfried, inginer silvic, dela Ocolul silvic Ciuc-Sânmartin, se transferă în centrul Inspectoratului silvic Iaşi.

23. D-l Raiciu Drăgan, inginer subinspector silvic, dela Ocolul silvic Mediaş, se transferă în centrul Inspectoratului silvic Iaşi.

24. D-l Gheorghiu Ioan, inginer subinspector silvic, dela Serviciul silvic Mureş, se transferă în centrul Inspectoratului silvic Iaşi.

25. D-l Cucer Terenţiu, ing. subinspector silvic, dela Ocolul silvic Ciucul de Sus, se transferă în centrul Inspectoratului silvic Suceava, ca inspector de control.

26. D-l Puşcaşu Gh., inginer subinspector silvic, din fostul inspectorat Cluj, se transferă la Inspectoratul silvic Timişoara, ca inspector de control.

27. D-l Popovici Iulian, inginer subinspector silvic, dela Serviciul silvic judeţean Someş-Dej, se transferă ca şef al Ocolului silvic Halmagiu (Arad).

28. D-l Brebenaru Gheorghe, inginer şef silvic, dela Ocolul silvic Alejd, se transferă în centrul Inspectoratului silvic Timişoara.

29. D-l Niculescu Iacob, inginer şef silvic, din centrul Inspectoratului silvic Cluj, se transferă pe lângă Serviciul silvic judeţean Arad.

30. D-l Constantin Ioan, inginer şef silvic, dela Ocolul silvic Tg. Săcuesc, se transferă la Ocolul silvic Ilia (Hunedoara) ca şef al acestui ocol.

31. D-l Diaconescu Caton, inginer subinspector silvic, dela Serviciul silvic judeţean Maramureş, se transferă la Ocolul silvic Ineu (Arad), ca şef al acestui ocol.

32. D-l Grecu Mihai, inginer inspector silvic, dela Inspectoratul silvic Alba Iulia, se transferă, după cerere, în centrul Inspectoratului silvic Timişoara.

33. D-l Pelle Sabin, inginer subinspector silvic, dela Serviciul silvic judeţean Oradea (Bihor), rămâne ca şef al Serviciului silvic judeţean Bihor, cu sediul în Beiuş.

34. D-l Drăgulescu Ion, inginer subinspector silvic, din centrul Inspectoratului silvic Timişoara, se transferă ca şef al Serviciului silvic judeţean Caraş.

35. D-l Logofătu Andrei, inginer silvic, dela Ocolul silvic Ineu, se transferă la Şcoala de conductori silvici Casa Verde Timişoara.

36. D-l Folescu Radu, inginer silvic,dela Inspectoratul silvic Bucureşti, se transefră la Şcoala de conductori silvici Casa Verde Timişoara.

37. D-l Stănescu Dumitru, inginer subinspector silvic, dela Ocolul silvic Gheorghieni, se transferă la Şcoala de brigadieri silvici Brăneşti.

38. D-l Negulescu Emil, inginer inspector silvc, dela Şcoala de brigadieri silvici Gurghiu, se transferă la Şcoala de brigadieri silvici Târgovişte.

39. D-l Ştefănescu Mihai, inginer şef silvic, dela Şcoala de brigadieri silvici Gurghiu, se transferă la Şc. de brigadieri silvici Târgovişte.

40. D-l Vlaheli Ioan, inginer silvic, dela Ocolul silvic Corund, se transferă la Şcoala de pădurari Căluţi.

41. D-l Ştefănescu Oprea, inginer silvic, dela Ocolul silvic Câmpeni, se transferă la Şcoala de pădurari din Căluţi.

Toate aceste transferări se fac pe ziua de 15 Septemvrie 1940.

— Prin dec. min. public. în Mon. Of. 236 din 9.X.1940 au fost transferaţi în interes de serviciu, d-nii:

1) Niculescu Victor, ing. şef silvic, dela Ocolul Corund la Ocolul Mediaş;

2) Drăgulescu I., ing. şef silvic, rămâne în centrul Inspectoratului silvic Timişoara;

3) Logofătu Andrei, ing. silv. dela Ineu la Ocolul Halmagiu.

4) Popovici Iulian ing. insp. silv. dela Serviciul Judeţean Someş la Serv. Jud. Caraş;

— Şcoala de brigadieri silvici de la Gurghiu (jud. Mureş) s'a stabilit la Târgovişte.

— Prin dec. min. publicată în Mon. Of. Nr. 232 din 4 Oct. a. c. s'a oprit vânătoarea iepurilor şi potârnichilor pentru sezonul de vânătoare 1940/41 în judeţele: Arad, Caraş, Huniedoara, Severin şi Timiş-Torontal. Pentru cazuri speciale, unde situaţia vânatului ar permite, Ministerul acordă autorizaţiuni limitate, pe baza avizului favorabil al Inspectorului de vânătoare respectiv.

— Prin dec. Nr. 19.322 din 25.IX. (Mon. Of. 230/1940) s'a oprit vânătoarea potârnichilor pentru sezonul de vânătoare 1940/41 în judeţul Prahova.

— Prin dec. Nr. 20.026 din 24.IX. (Mon. Of. 230/1940 vânătoarea iepurilor în cerc este oprită în judeţul Bihor pentru sezonul 1940/41; vânătoarea obişnuită a iepurilor este liberă.

— „Carpaţii" revista de vânătoare, pescuit şi chinologie care apărea la Cluj, va continua să apară la Sibiu, redacţia şi administraţia fiind stabilită în Str. Carmen-Sylva, 12.

— D-nii Ing. Aurel Comşia şi Ing. C. Ceauşu au fost însărcinaţi, primul cu conducerea Direcţiei Vânătoarei şi pescuitului în apele de munte, iar secundul ca subdirector al numitei direcţiuni (Mon. Of. 213 din 13.IX.1940).

— La Direcţia vânătoarei şi pescuitului în apele de munte sunt vacante trei locuri de ingineri silvici la Serviciile cu caracter tehnic şi la control.

EDITURA SOCIETĂȚII „PROGRESUL SILVIC"

AU APĂRUT:

I. SERIA A. — BIBLIOTECA DE POPULARIZARE:

D. A. SBURLAN

ARBORII ȘI PĂDURILE NOASTRE

78 pagini, 20 lei

II. SERIA B. — INDRUMĂRI:

Z. PRZEMETSCHI și GR. VASILESCU

TEHNICA ÎMPĂDURIRILOR

(SEMINȚE, PEPINIERE, IMPADURIRI)

166 pagini, 60 lei

EPUIZAT

III. — SERIA C. — TRATATE ȘI MANUALE:

Prof. V. N. STINGHE

AMENAJAREA PĂDURILOR

UN VOLUM DE 255 PAGINI

D. A. SBURLAN

INSTALAȚII DE TRANSPORT PENTRU EXPLOATĂRI FORESTIERE

UN VOLUM DE 304 PAGINI

INST. DE ARTE GRAFICE BUCOVINA I. E. TOROUTIU BUCUREȘTI

# REVISTA PĂDURILOR

ORGANUL SOCIETĂȚII „PROGRESUL SILVIC"

R E V I S T A  P Ă D U R I L O R
PROPRIETATEA SOCIETĂȚII „PROGRESUL SILVIC"
Redactor responsabil: Prof. V. N. STINGHE
Inscrisă în Registrul de publicațiuni periodice de pe lângă Tribunalul Ilfov S. I comercială, sub No. 56/938.
Redacția și Administrația: Bulevardul Take Ionescu Nr. 31, — București

ANUL 52, Nr. 11 NOEMBRIE 1940

## SUMARUL:

*Studii:*



*Comentarii — Insemnări:*



SOMMAIRE:

*Études:*



*Commentaires:*



INHALT:

*Abhandlungen:*



*Mitteilungen:*

Inlocuirea salcâmului prin semănături de stejar sub masiv. Pădurea Brânzeasca, Jud. Ilfov. Ocolul silvic Gruiu.

La substitution du chêne, par semis dans un peuplement de robinier. Forêt Brânzeasca, Dép. Ilfov. Cantonnement forestier Gruiu.

*Clișeu I. C. E. F.*

Semănături de stejar în ochiuri. Pădurea Căldăruşanca (Balta Neagră) Jud. Ilfov. Ocolul silvic Gruiu.

Régéneration artificielle du chêne par trouées. Forêt Căldăruşanca (Balta Neagră), Dép. Ilfov. Cantonnement forestier Gruiu.

Clişeu I. C. E. F.

# S T U D I I

## TEORIA ERORILOR ŞI VERIFICAREA EI ASUPRA FENOMENELOR SILVICE

de Ing. TITUS PETRESCU
(Coşava)

### III.

### Omogenitatea arboretelor din punctul de vedere al diametrelor medii.

Am arătat într'un articol anterior [1]) legea după care se repartizează volumul lemnos pe suprafaţa ocupată de un arboret.

In cele ce urmează vom studia variaţia diametrelor medii depe suprafaţa aceluiaş arboret.

Pentru aceasta recurg la tabloul Nr. 1 [1]) (col. 5 pag. 434) în care sunt trecute diametrele medii ale celor 107 locuri de încercare studiate anterior.

Calculând media acestor diametre avem:

$$\Sigma\,(d \times n) : n = 3616 : 107 = 33{,}8 \text{ cm.}$$

Aceasta este valoarea diametrului mediu total. Faţă de această valoare, pe care o considerăm ca origină, grupăm cele 107 diametre medii în clase cuprinzând diametre din 4 în 4 cm fiecare.

Rezultatul acestor grupări se vede în tabloul Nr. 1 (col. 1, 2 şi 3). Clasele de diametre respective s'au obţinut adunând şi scăzând cifra de 4 cm din valoarea diametrului mediu total.

După această operaţie calculăm în continuare (Tabloul Nr. 1 col. 4 şi 5), diametrul mediu pentru fiecare clasă în parte. Diferenţa dintre diametrul mediu pe clase şi dintre diametrul mediu total este eroarea $\epsilon$ a clasei respective (Tabloul 1 col. 6).

---

1) In Revista Pădurilor Nr. 6/1940 pag. 433.

TABLOUL Nr. 1.

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|
| Clasa de diametre | d | n | d×n | dm | e |
| | cm | no. | cm | cm | cm |
| 13.80—17.80 | 16 | 1 | 16 | | |
| | 17 | 1 | 17 | | |
| | | 2 | 33 | 16.50 | —17.30 |
| 17.80—21.80 | 18 | 2 | 36 | | |
| | 18.5 | 1 | 18.5 | | |
| | 19 | 1 | 19 | | |
| | 19.5 | 1 | 19.5 | | |
| | 20 | 1 | 20 | | |
| | | 6 | 113.0 | 18.83 | —14.97 |
| 21.80—25.80 | 24 | 1 | 24 | | |
| | 25 | 4 | 100 | | |
| | 25.5 | 1 | 25.5 | | |
| | | 6 | 149.5 | 24.91 | — 8.89 |
| 25.80—29.80 | 26 | 3 | 78 | | |
| | 27 | 4 | 108 | | |
| | 28 | 1 | 23 | | |
| | 29 | 3 | 87 | | |
| | | 11 | 301 | 27.36 | — 6.44 |
| 29$80—33.80 | 30 | 7 | 210 | | |
| | 31 | 5 | 155 | | |
| | 32 | 6 | 182 | | |
| | 33 | 7 | 231 | | |
| | | 25 | 778 | 31.12 | — 2.68 |
| 33.80—37.80 | 34 | 6 | 204 | | |
| | 34.5 | 1 | 34.5 | | |
| | 35 | 4 | 140 | | |
| | 35.5 | 2 | 71 | | |
| | 36 | 4 | 144 | | |
| | 37 | 4 | 148 | | |
| | 37.5 | 1 | 37.5 | | |
| | | 22 | 779.0 | 35.41 | + 1.61 |
| 37.80—41.80 | 38 | 5 | 190 | | |
| | 38.5 | 1 | 38.5 | | |
| | 39 | 4 | 156 | | |
| | 40 | 3 | 120 | | |
| | 41 | 5 | 205 | | |
| | | 18 | 709.5 | 39.41 | + 5.61 |
| 41.80—45.80 | 42 | 4 | 168 | | |
| | 42.5 | 1 | 42.5 | | |
| | 43 | 5 | 215 | | |
| | 44 | 1 | 44 | | |
| | 45 | 2 | 90 | | |
| | | 13 | 559.5 | 43.04 | + 9.24 |
| 45.80—49.80 | 46 | 1 | 46 | | |
| | 46.5 | 1 | 46.5 | | |
| | 48 | 1 | 48 | | |
| | | 3 | 140.5 | 46.83 | +13.03 |
| 49.80—53.80 | 53 | 1 | 53 | 53.00 | +19.20 |

Recapitulând (în tabloul Nr. 2) rezultatele obţinute avem (col. 1, 2, 3 şi 4) numărul şi mărimea erorilor respective pe clase de diametre.

TABLOUL Nr. 2.

| 1 | | 2 | 3 | 4 | | 5 | 6 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Clasa de diam. | | n | dm | ε | | $\varepsilon^2$ | $\lvert\varepsilon\varepsilon\rvert = n\varepsilon^2$ |
| Origina veche | Origina Nouă | | | + | — | | |
| | | no. | cm | cm | cm | cmp | |
| 13,8—17,8 | (—20)—(—16) | 2 | 16,50 | — | 17,30 | 299,3 | 598,6 |
| 17,8—21,8 | (—16)—(—12) | 6 | 18,83 | — | 14,97 | 225,0 | 1.350,0 |
| 21,8—25,8 | (—12)—(— 8) | 6 | 24,91 | — | 8,89 | 79,0 | 474,0 |
| 25,8—29,8 | (— 8)—(— 4) | 11 | 27,36 | — | 6,44 | 41,5 | 156,5 |
| 29,8—33,8 | (— 4)—(— 0) | 25 | 31,12 | — | 2,68 | 7,2 | 180,0 |
| 33,8—37,8 | 0 — 4 | 22 | 35,41 | 1,61 | — | 2,6 | 57,2 |
| 37,8—41,8 | 4 — 8 | 18 | 39,41 | 5,61 | — | 31,5 | 567,0 |
| 41,8—45,8 | 8 — 12 | 13 | 43,04 | 9,24 | — | 85,5 | 1.111,5 |
| 45,8—49,8 | 12 — 16 | 3 | 46,83 | 13,03 | — | 169,5 | 508,5 |
| 49,8—53,8 | 16 — 20 | 1 | 53,00 | 19,20 | — | 369,0 | 369,0 |
| | | 107 | | | | | 5.372,3 |

Pentru a calcula eroarea mijlocie ( $\epsilon_m$ ) calculăm (col. 5 şi 6) pe $\epsilon^2$ şi pe $\Sigma|\epsilon\epsilon| = \Sigma n\epsilon^2$.

Valoarea erorii mijlocii este:

$$\epsilon_m = \sqrt{\frac{\Sigma|\epsilon\epsilon|}{n-1}} = \sqrt{\frac{5.372,3}{107-1}} = 7,12 \text{ cm}$$

şi a erorii probabile

$$\eta = 0.67449 \times \epsilon_m = 0.67449 \times 7,12 = 4,80 \text{ cm}$$

iar k = 4.00 cm.

şi deci valoarea raportului

$$\frac{k}{\eta} = \frac{4.00}{4.80} = 0.834$$

Pentru celelalte valori ale lui k se înmulţeşte acest raport cu 2, 3, 4 şi 5 şi se obţine tabloul Nr. 9 (col. 1 şi 2).

TABLOUL Nr. 3.

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| k | $\frac{k}{\eta}$ | p | $\Delta p$ | $107 \times \Delta p$ | n | Diferenţa + | Diferenţa — |
| 4 | 0,834 | 0,42623 | 0,42623 | 45,6 | 47 | 1,4 | — |
| 8 | 1,668 | 0,73944 | 0,31321 | 33,5 | 29 | | 4,5 |
| 12 | 2,502 | 0,90850 | 0,16906 | 18,1 | 19 | 0,9 | — |
| 16 | 3,336 | 0,97554 | 0,06704 | 7,1 | 9 | 1,9 | — |
| 20 | 4,170 | 0,99500 | 0,01946 | 2,7 | 3 | 0,3 | — |
| | | | | 107,0 | 107 | | |

Din table [1]) se obţine valoarea lui p (col. 3) iar prin diferenţe succesive se obţine $\Delta p$ (col. 4). Inmulţind pe $\Delta p$ cu 107 obţinem numărul teoretic al erorilor (col. 5). Trecând alături numărul real al erorilor (col. 6) şi făcând diferenţa (col. 7), observăm că diferenţele sunt neglijabile.

Observăm şi aici, ca şi în cazul volumelor, că concordanţa în ceeace priveşte valoarea relativă a erorilor, nu este perfectă, decât numai în cazul când se ia în considerare valoarea absolută a erorilor.

Această neconcordanţă se explică prin faptul că s'a studiat un caz, în care avem un număr restrâns de observaţiuni. In cazul când locurile de încercare ar fi fost mai numeroase şi mai dense pe unitatea de suprafaţă, desigur că am fi găsit rezultate şi mai apropiate de teorie.

* * *

Pentru a reprezenta grafic variaţiunea probabilităţii erorilor, să calculăm aceste probabilităţi pe intervale.

Din tabloul Nr. 2 avem:

1) Revista Pădurilor Nr. 6/1940 tabloul Nr. 4 pag. 439.

TABLOUL Nr. 4.

| 1 | 2 | | | 3 | |
|---|---|---|---|---|---|
| Interval | Numărul erorilor | | | Probabilitatea | |
| | + | — | Total | reală | teoretică |
| 0— 4 | 22 | 25 | 47 | 47 : 107 = 0,43925 | 0,42623 |
| 4— 8 | 18 | 11 | 29 | 29 : 107 = 0,27103 | 0,31321 |
| 8—12 | 13 | 6 | 19 | 19 : 107 = 0,17757 | 0,16906 |
| 12—16 | 3 | 6 | 9 | 9 : 107 = 0,08411 | 0,06704 |
| 16—20 | 1 | 2 | 3 | 3 : 107 = 0,02804 | 0,01940 |
| Total: | 57 | 50 | 107 | 107 : 107 = 1,00000 | 0,99500 |

Reprezentând grafic după procedeul cunoscut obţinem diagramele de mai jos.

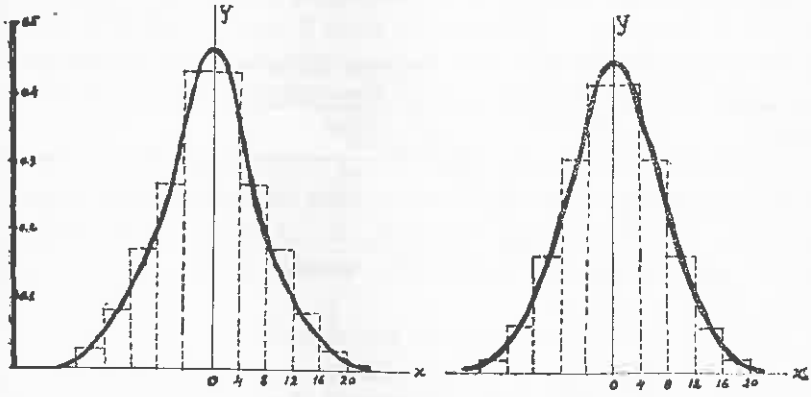


Din aceste diagrame se observă şi grafic concordanţa care există între teorie şi realitate, diagramele fiind asemănătoare.

*La théorie des erreurs et sa vérification sur les phénomènes forestiers.*

*Die Fehlertheorie und ihre Anwendungen an die forstlichen Phänomenen.*
(III)

In der Fortsetzung seiner Untersuchungen über die Verteilung verschiedener Baumelemente im Bestande, befasst sich der Verfasser in vorliegender Arbeit mit dem Durchmesser.

Die Verteilung der Durchmesser mit Bezug auf den Mitteldurchmesser, bestättigt, gleich wie die früher behandelten Elemente, (Stammzahl und Masse) das Gaus'sche Gesetz.

# COMENTARII — INSEMNĂRI

## CONSIDERAŢIUNI CU PRIVIRE LA QUERCUS POLYCARPA SCHUR.

de PAUL CRETZOIU

Din Seria Sessiflorae Loj. a genului Quercus L., aşa cum a fost admisă şi de monograful cel mai recent al genului, O. Schwarz [1]), fac parte în total 6 specii răspândite din nordul peninsulei Iberice prin Europa centrală peste peninsula Balcanică, nordul Anatoliei până în America, Taurus şi Libanon.

In flora ţării noastre Ser. Sessiliflorae Loj. e reprezentată prin trei specii distincte, care însă până acum erau cunoscute sub denumirea colectivă de „Quercus sessiliflora" sau „Quercus sessilis"; acestea sunt:

Quercus polycarpa Schur.,
Quercus petraea Liebl. şi
Quercus Dalechampii Ten.

Mă voi ocupa aci de primul din aceşti trei goruni dela noi, pe care am avut ocazia să-l studiez în natură în repetate rânduri, în mai mulţi ani.

Quercus polycarpa Schur. a fost descris la 1851 şi bogata sa sinonimie e următoarea:

Quercus polycarpa Schur., in Verhandl. Siebenbürg. Verein f. Naturwiss. 1851, p. 170.

Quercus axillaris Schur., in Oesterr. Botan. Wochenbl., 1857, p. 18.

---

1) O. Schwartz, Monographie der Eichen Europas und des Mittelmeergebietes, Liefg. 2, Berlin 1937, p. 71.

Quercus condensata Schur., l. c. 1857, p. 18.

Quercus dschorochensis Kotschy, Eichen Eur. u. Orients, 1862, tab. XXXIX.

Quercus Robur ssp. sessiliflora var. bullata DC., Prodrom. XVI, 2, 1864, p. 8.

Quercus sessiliflora Auct. div., p. pte.

Fig. 1. — Ramură fructiferă de Quercus polycarpa Schur., după exemplare din jud. Brașov (original).

Quercus pseudodschorochensis Wenzig, in Jahrb. Bot. Gart. Berlin IV, 1886, p. 188, p. pte.

Quercus sessilis Auct. div., p. pte.

Quercus Kozlowskii Woron., in Grossheim, Flora Kauk., II, 1930, p. 24.

Acum dau mai jos descrierea acestei specii, după O. Schwarz, l. c. p. 73, care se potrivește foarte bine cu exemplarele văzute din țara noastră:

Arbore înalt, cu creşterea ceva mai svelţă decât la Quercus petraea, cu coroana globuloasă. Ramuri glabre, brun-roşiatice sau brune-verzui, cu lenticele numeroase, mari şi eliptice; muguri alungiţi, ovali, treptat-îngustaţi sau obtuzi, glabri, lucioşi, rareori cu foarte puţini peri, cu solzii bazali ascuţiţi; stipule membranoase, cad de timpuriu. Frunze de mărime mijlocie, groscioare până la pieloase, dispuse regulat pe ramuri, cu peţioli lungi până la 3 cm, numai în tinereţe mătăsos păroşi; lamina lungă de 7—11 cm mai rar şi până la 16 cm şi lată de 5—7 cm, groasă, în configuraţie obovată sau lat-lanceolată, cu baza asimetrică şi de cele mai multe ori cordat-emarginată, spre vârf de obicei dela mijloc îngustată şi rotunjită; lobii laminei pe ambele părţi în număr de 5—8, rar 10, relativ regulaţi; sinurile lobilor puţin adânci. Faţa superioară a laminei la început cu peri fasciculaţi şi pe nervure cu peri simpli, de timpuriu devenind glabrescentă sau de cele mai multe ori complect glabră, pe faţa superioară verde întunecată, lucioasă, cea inferioară de culoare mai deschisă, galbenă-verzuie sau alburie. Nervurele laterale câte 7—11, proeminente. Florile masculine cu perigon 5—7-sectat, pe dinafară păros şi cu antere mari, exerte, numai puţin mai scurte decât filamentele; florile femele capitate, dispuse pe pedunculi comuni lungi de cca 3 cm. Fructe de obicei multe şi aglomerate, câte 2—6, foarte rar izolate, dispuse la axila frunzelor superioare. Cupula cu pereţi groşi, semisferice, scunde, de 15—20 mm largi şi până la 12 mm înalte, solzi bruni, bine adpreşi, ascuţiţi; ghinda ovală, până la 25 mm lungă.

Figura noastră alăturată (1) reprezintă o ramură fructiferă de pe un exemplar din jud. Braşov, iar fig. 2 şi 3 diferite forme de frunze.

Specia aceasta e bine distinctă de celelalte două ale Sect. Sessiliflorae Loj., prin frunzele mai mici, de o structură mult mai solidă, pieloasă, puţin variabilă, cu nervure proeminente şi prin lipsa perilor la maturitate pe faţa inferioară a frunzelor; apoi fructele sunt mai totdeauna aglomerate, câte 5-6. Quercus petraea Liebl. (=Quercus sesssilis Ehrh. propriu zis) n'are frunzele niciodată complect glabre.

Quercus polycarpa Schur. a fost descrisă de autorul său din împrejurimile Sibiului; apoi a mai fost colectat şi dela Arad. Eu am văzut acest gorun în două staţiuni din ţară:

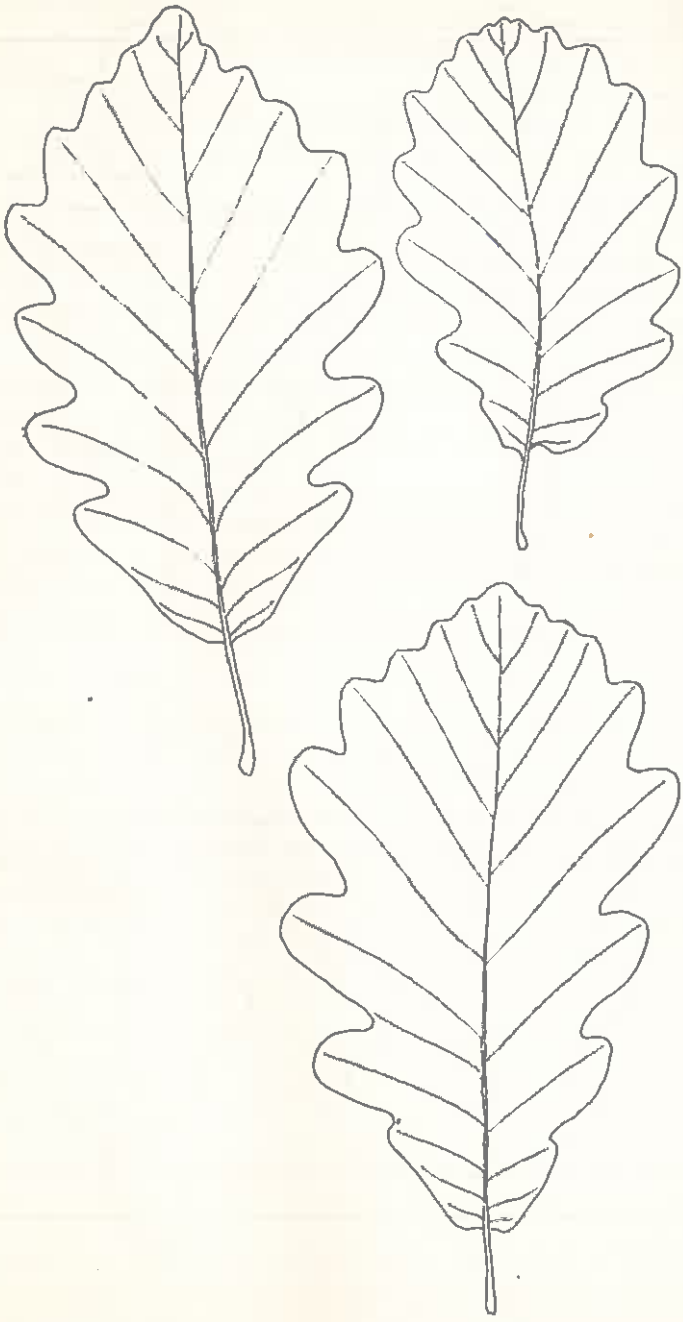

Fig. 2. — Forme de frunze de Quercus polycarpa Schur. (după Schwarz).

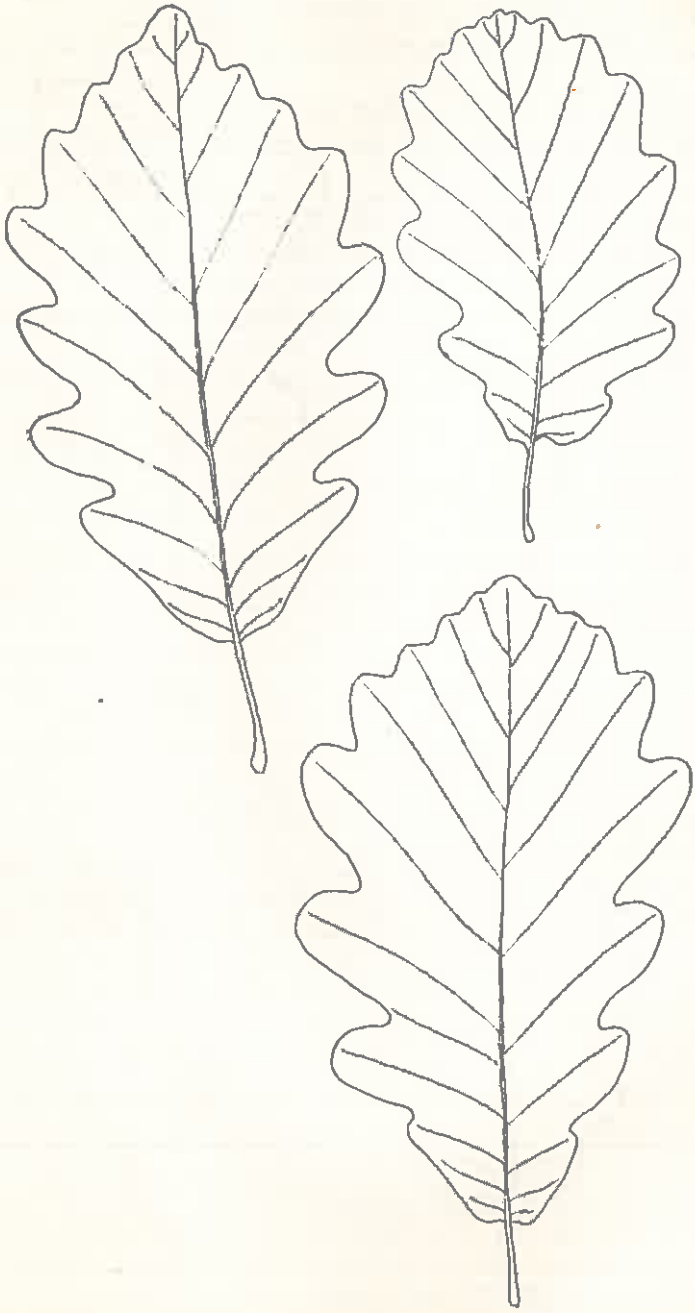

Fig. 2. — Forme de frunze de Quercus polycarpa Schur. (după Schwarz).

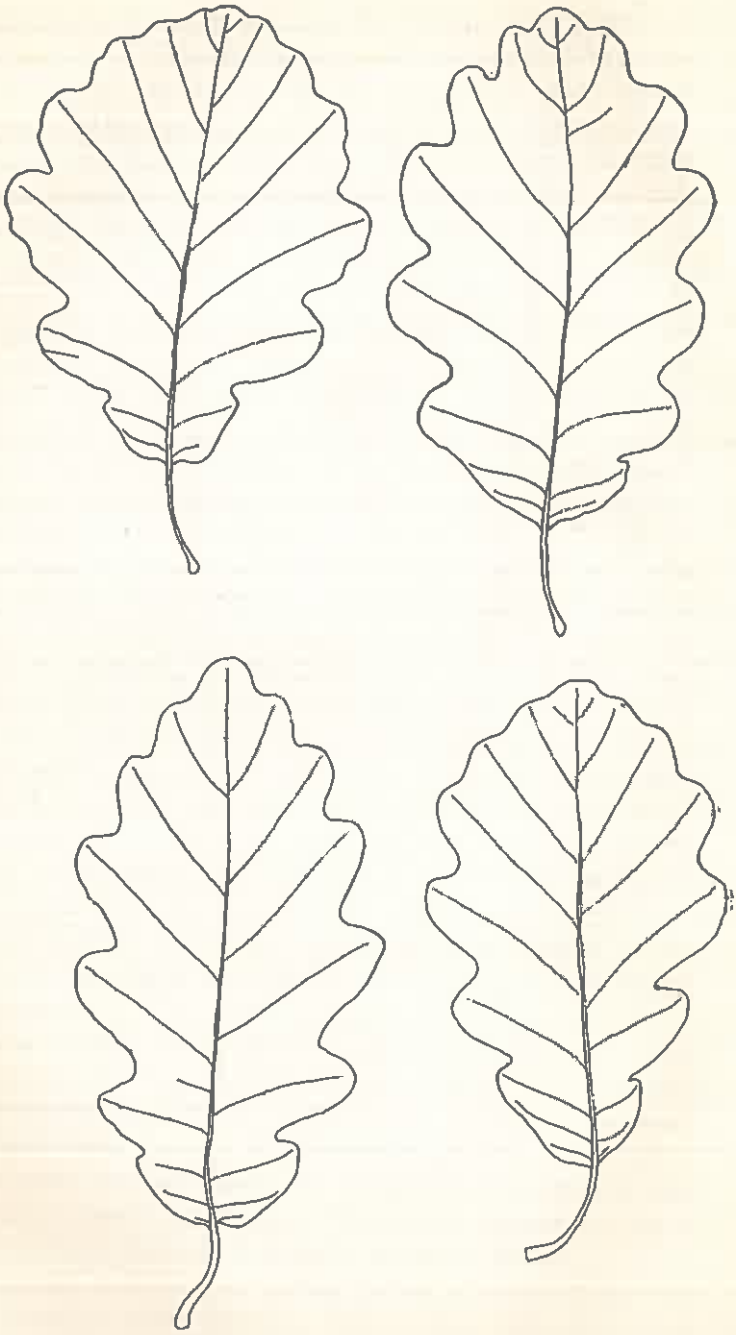

Fig. 3. — Forme de frunze de Quercus polycarpa Schur. (după Schwarz)..

Distr. Braşov: în partea inferioară a Cheilor-Râşnovului, în Pârâul-Cheii, la o altitudine de 700—750 m, în exemplare izolate, pe calcar.

Distr. Cluj: pe valea Someşul-Cald, din sus de satul Someşul-Cald, la altitudine de 700—800 m, păduri întinse, pe roce eruptive.

Aria geografică a acestei specii e destul de restrânsă, căci nu e cunoscut decât din Europa sudestică şi Nordul Asiei-Minore, din Podolia prin Transilvania, nordul peninsulei Balcanice şi regiunile Sud-Euxinice până în Lazistanul de Vest.

Importanţa silvică a acestei specii pare a fi aceaşi ca a gorunului obişnuit (Quercus petraea Liebl. = Quercus sessilis Ehrh. şi Quercus Dalechampii Ten. = Quercus aurea Wierzb.).

Cred că Quercus polycarpa Schur., dacă va fi căutat cu atenţiune, va putea fi găsit şi în multe alte staţiuni din ţară; el pare a fi gorunul de limită superioară a quercineelor, pe locuri stâncoase. Rostul acestui articol nici nu e altul decât de a atrage atenţiunea cercetătorilor asupra acestei chestiuni.

*Zusammenfassung.*

Verf. gibt hier Beschreibung und Abbildungen der Quercus polycarpa Schur., eine bereits 1851 beschriebene, aber erst jetzt wieder vom Monographen O. Schwarz aufgenommene Eichen-Art; ausser den bisher benannten Fundorte in Siebenbürgen, macht Verf. zwei weitere bekannt. Die Art ist sonst nur in Süd-Ost-Europa und Klein-Asien verbreitet.

# DISPARIŢIA JILIPURILOR DE LEMN PENTRU BUŞTENI

de Ing. ION MOLDOVAN-JUNIOR

In ansamblul mijloacelor de transport din regiunea de munte cu parchete situate pe pante şi pâraie puţin accesibile vehiculelor ţărăneşti, jilipurile de lemn au îndeplinit în trecut un rol bine determinat şi s'au dovedit a fi un preţios instrument auxiliar la 'ndemâna exploatărilor forestiere de material lemnos de lucru şi construcţie de esenţe răşinoase.

In adânciturile uscate sau udate de izvoare mai mult sau mai puţin abundente ce întretae din belşug pădurile noastre din Carpaţi, jilipurile de lemn au fost nelipsite şi păreau indispensabile în operaţiile de scoaterea buştenilor din parchete şi mai ales de colectarea materialului lemnos fasonat, la principalele căi forestiere de transport, precum: drumuri de pădure, decovile forestiere, ape de plutit, zeonifere, etc.

Prezenţa materialului de construcţie în nemijlocita apropiere a traseurilor, înlesnirea procurării de meşteri muncitori recrutaţi dintre lucrătorii de pădure, posibilitatea de adaptare la configuraţia terenului dat, utilizând precipitaţiunile atmosferice sub cele mai felurite stări de agregaţie, adică sub formă de ploi, zăpadă ,apă de izvoare şi ghiaţă, le-au impus la exploatare ca pe unele din mijloacele de transport uşor de înfiinţat, lesne de exploatat.

Sursa de energie a acestui fel de transport fiind gravitaţiunea, este natural ca şi cheltuelile de exploatare ale jilipurilor să fie reduse şi mai convenabile decât orice altă metodă de apropiere şi strângere a lemnului la drumurile carosabile.

Din cauza acestor incontestabile calităţi, jilipurile au şi fost utilizate pe scară întinsă în exploatările forestiere împreunate cu transporturi pe căi uscate. Numai în bazinele cu râuri plutitoare s'a forţat introducerea canalelor de apă în locul jilipurilor, cari în aceste condiţii şi împrejurări, nu mai pot

asigura o trecere lesnicioasă şi fără complicate şi costisitoare depozitări a lemnului dat pe jilip în apele plutitoare. O manipulaţie uniformă, deprinderea muncitorilor localnici cu acelaşi gen de muncă şi mai ales coincidenţa sezonului de exploatare al canalelor de apă cu cel al plutirei pe râuri justifică şi din alt punct de vedere preferinţa lor în astfel de bazine şi pe terenuri şi în condiţii topografice caracteristice jilipurilor, dacă situaţia hidrologică nu se opune şi apa pâraelor este suficientă pentru a antrena transportul pe canale.

Pe lângă avantajul unui transport ieftin şi al unei exploatări uşoare şi comode, jilipurile au şi scăderile lor, cari se evidenţiază cu atât mai mult şi iau proporţii cu atât mai mari, cu cât ne îndepărtăm mai mult de sistemele arhaice de valorizări ale trecutului cu gospodăria sa forestieră extensivă, însuşindu-ne metode mai precise de punere în valoarea pădurilor, făcând o economie forestieră mai intensivă şi mai potrivită cu spiritul vremurilor şi cu imperativele noilor precepte economice generale şi naţionale.

In epoca unor curente de febrile şi radicale raţionalizări ce au frământat în ultimele decenii toate categoriile de industrii indigene în scopul bine determinat de a le pune pe baze mai solide capabile de concurenţă, nu ne surprinde faptul, că jilipurile de lemn cu risipa lor de material de construcţie şi deprecierile cantitative şi calitative, cărora este expus lemnul transportat pe ele, au ajuns în desuetudine şi au fost condamnate la dispariţie. Aceasta pretutindeni unde tehnica sau chiar şi numai inventarul agricol sărăcăcios şi primitiv al populaţiei dela ţară a pus la îndemâna exploatărilor forestiere căi şi mijloace de transoprt de substituire, capabile a îndeplini cu succes rolul jilipurilor din lemn. Intr'adevăr jilipurile strică mult lemn. Prin scurtări la anumite dimensiuni reclamate de construcţie, prin crestăturile ce se fac celor mai multe piese pentru a fi „cusute" întreolaltă, prin cioplirea unor piese în vederea realizării formei interioare ovale şi prin retezarea multor bârne sau buşteni ce servesc drept material de construcţie, cresc din punct de vedere cantitativ pierderile totale de transport. Pierderile vor fi cu atât mai mari cu cât jilipurile vor fi mai lungi şi cu cât materialul lemnos exploatat care se serveşte de jilipuri va fi mai redus ca volum, mai mic în cantitate.

In cazul când unul şi acelaşi jilip deserveşte parchete ce se exploatează în mai mulţi ani consecutivi, materialul de construcţie mai suferă şi deprecieri de natură calitativă ce se evidenţiază prin o înroşire progresivă a structurei interioare a lemnului. Acest defect are drept urmare o clasare inferioară a materialului de cherestea sau de alte întrebuinţări technice ce se va debita la vremea sa din acest lemn clădit în jilipuri.

Ori cât de însemnate şi de puţin agreate ar fi aceste pierderi provenite din multiplele degradări ale materialelor de construcţie, ele rămân totuş în urma deprecierilor ce încearcă materialul lemnos în decursul transportului său pe jilipuri. Teşitura şi ruptura parţială a capetelor de buşteni, crăpături longitudinale cauzate de buşiri şi loviri în grămezi sau de sărituri din jilip şi izbituri de stânci sau buturugi, frângeri la astfel de sărituri sau ciocniri de alte lemne „netasonate" din timp în grămada dela gura „asvârlitoarei", sunt formele cele mai frecvente şi obicinuite ce pot spori pierderile cantitative până la un coeficient, care poate compromite rentabilitatea exploatării şi poate anula devize şi proecte întocmite cu oricât discernământ şi spirit de prevedere.

Stricăciunile, de cari va suferi lemnul transportat, stau în proporţie directă cu lungimea jilipurilor, mărimea pantei şi invers proporţionale cu intensitatea supravegherii, priceperea în îndrumarea lucrărilor şi interesul lucrătorilor la scoaterea intactă a lemnului din parchete şi la depozitarea lui reglementară de-alungul căilor principale de transport.

Dependenţa transportului de mersul vremii este un balast, care atârnă mai adânc în cumpăna de osândire a jilipurilor. Aceasta poate provoca pagube cu mult mai însemnate decât lipsurile de cari am făcut până acum amintire.

Aşteptarea anotimpului geros pentru jilipurile de iarnă, imobilizează lemnul în pădure şi-l face pe un timp oarecare inaccesibil oricăror întrebuinţări technice expunându-l vânturilor şi căldurei solare în parchet şi umezelei înăbuşite în grămezile dela ambele capete ale jilipurilor. Sunt stări cari în ultima analiză se soldează cu crăpături longitudinale pe deoparte şi încinderea lemnului pe de altă parte, însemnând fiecare tot atâtea degradări de natură calitativă, de cari va suferi întreg materialul lemnos destinat a fi dat pe jilip.

Mai simţitoare şi de proporţii mai mari şi mai neplăcute vor fi degradările acelui lemn care din lipsă de ger suficient sau al unui sezon prea scurt de transport pe jilip îngheţat, va trebui să mai rămână încă un an îngrămădit în pârae sau la gurile de exploatare. In acest caz lemnul rămâne pradă agenţilor atmosferici protivnici unei bune conservări a materiei lemnoase şi propagatori ai tuturor saprofiţilor. Aceştia atacă lemnul şi-l depreciază din punct de vedere al valorii materialului de cherestea ce urmează a fi debitat cu mai multe zeci de procente, iar lemnului brut destinat pentru alte utilizări îi produce putregaiul roşu reducându-i trăinicia şi micşorându-i în mod simţitor durata de întrebuinţare în construcţii.

Compromiterea realizării programului de producţie, prelungiri de termene de transport costisitoare, cheltueli de administraţie sporite, declasarea materialului de cherestea şi al lemnului de construcţie etc. sunt consecinţele acestor forţate întârzieri impuse de cauze şi împrejurări independente de voinţa noastră.

Exigenţele pieţei faţă de produsele industriei forestiere de tot felul, tendinţa tot mai accentuată de a spori randamentul industrial şi a îmbunătăţi calitatea materialelor fabricate, au impus şi exploatărilor de păduri schimbări de metode şi adoptarea unor noi sisteme de exploatare. Cu ajutorul acestora, lemnul doborît poate fi debitat în gatere sau prelucrat ca material de construcţie în cel mai scurt timp posibil. Aceasta cu scopul de a preveni înroşirea sau învineţirea fibrelor şi a putea fi corhănit şi transportat din parchet cu mijloace cari îl cruţă şi fereşte de stricăciuni.

Cu jilipuri de lemn nici unul din aceste imperative nu poate fi satisfăcut. Este firesc deci ca ele să fie abandonate şi înlocuite cu alte mijloace şi alte metode, a căror introducere a fost reclamată şi de exploatările de lemn de construcţie de fag ajuns în ultimele decenii la o importanţă deosebită din punct de vedere al valorizării optime a masivelor noastre de fag. Cum fagul se debitează în stare verde, când fizibilitatea lemnului este mai pronunţată, el nu se pretează la transport pe jilipuri de lemn fără pericolul de a fi în mare parte crăpat şi diformat într'atât ca să nu mai poată fi utilizat ca lemn de lucru.

Datorită faptului, că în majoritatea pădurilor noastre de răşinoase se găseşte şi fag în amestec, al cărui transport va trebui să urmeze aceleaşi văi şi pârae ca şi cel al lemnului de răşinoase, este o imposibilitate technică şi o risipă nepermisă de capital de investiţii, ca să se construiască pentru fiecare esenţă alt mijloc de transport.

Deci, încă un motiv puternic pentru înlocuirea jilipilor.

Operaţia aceasta de substituire se face uşor şi fără zdruncinări adânci de cari să se resimtă exploatarea, fiindcă jilipurile n'au nicăiri caracter permanent şi sunt de scurtă durată (de cel mult 2 ani şi numai în cazuri excepţionale 3 ani).

Asupra felului de înlocuire au influenţă hotărîtoare mijloacele de transport permanente.

Astfel, acolo unde transportul principal este efectuat cu decoviluri, se vor construi prelungiri sau ramificaţii cuprinzând şi traseurile proprii pentru jilipuri, utilizând calea ferată îngustă şi pe terenuri cu pante de 8% considerate ca înclinaţii maxime admise de autorizaţiile de construcţie.

Când materialul lemnos este adus în fabrici sau depozite pe râuri plutitoare, la munte canalele de apă sunt indicate a înlocui jilipurile şi a servi la colectarea lemnului din parchetele exploatate.

In cele mai multe cazuri, transporturile pe drumurile principale se fac cu vehicule ţărăneşti; în acest caz jilipurile sunt în majoritatea covârşitoare a cazurilor înlocuite cu simple drumeaguri, cu pârtii rudimentare ticluite sau temeinic construite după caracterul lor, după anotimpul sezonului de transport şi cu deosebire după cantitatea materialului lemnos ce va fi transportat pe ele. Pe aceste drumuri lemnul este tras de-atârâşul cu vite sau arareori după un sistem combinat cu capătul de dinainte al lemnului aşezat pe o pereche de roţi iar capătul dinapoi urmând târâş după semivehicolul astfel improvizat. Pârtiile acestea nu urmează numai cursul pâraelor sau fundul depresiunilor, ci cele mai multe emit ramificaţii în chip de tentacule de-acurmezişul parchetelor întretăind curbele de nivel în pante ţinute la valori orientate după coeficientul de fricţiune al lemnului pe sol, cu scopul de a reduce la minimum forţa de tracţiune a vitelor de jug sau cailor de ham.

Cu scopul de a feri lemnul de deteriorări şi la corhănit,

este consult a împânzi întreaga suprafaţă a parchetelor situate pe terenuri, în pante „uşor înclinate", „înclinate" sau „repezi" cu astfel de drumeaguri, regretând că ele nu pot fi folosite cu succes şi pe pante „foarte repezi" sau chiar „abrupte" din cauza greutăţilor de construcţie şi aproape a imposibilităţii de a opri lemnul la puncte anumite determinate de traseul lor, de unde ar urma să fie luate şi apoi trase de vite.

In condiţii şi împrejurări normale şi considerate ca proprii pentru transport cu târâşul, cheltuelile de înfiinţare a acestor pârtii primitive şi mai ales însuşi transportul întrec cu mult pe cele ale jilipurilor. De dragul unei comprimări considerabile a pierderilor de exploatare şi a asigurării unui bun randament industrial se fac aceste sacrificii cu toate că ele nu sunt soldate în întregime de foloase de ordin material. Prin înfăţişarea intactă şi frumoasă a buştenilor transportaţi dau totuşi un profit estetic spre deosebire de lemnul dat pe jilip, care nu arare ori are aspectul unor obiecte peste cari s'a abătut un val de adevărată devastaţiune.

Avem credinţa, că toţi cei cari ne-am folosit în exploatările noastre de jilipuri şi am asistat dela respectabilă distanţă numai ca simpli privitori la impresionanta desfăşurare de forţe a unui buştean în plin mers, ce duduie devale de se cutremură împrejurimile, regretăm, că aceste drumuri de alunecare atât de răspândite şi de agreate în trecut vor înceta de a mai face parte integrantă din mijloacele de transport forestiere ale viitorului. Vremurile de azi, cu lozinca lor de economisire a materiei prime şi cu principiul lor de cruţare excesivă a tuturor resurselor solului, le vor elimina cu timpul din domeniul realităţilor prezente şi le vor pomeni numai numele ca aparţinând inventarului forestier al unui trecut de belşug şi huzur.

*Beseitigung der Holzriesen als Beförderungs mittel für die Klöze.*

*La disparition des glissoirs secs pour les troncs.*

L'auteur montre qu'à l'avenir les glissoirs utilisés à sec pour la vidange des troncs des résineux, doivent laisser la place à d'autres moyens de transport plus modernes, comme par exemple les voies ferrées.

# FABRICAREA FURNIRULUI

de Ing. ANDREI MĂLĂESCU
Oraviţa (Caraş)

Desvoltarea industriei producătoare de furnir şi de lemn contraplacat interesează economia forestieră nu numai din punctul de vedere al rentabilităţii, ci şi din punct de vedere al economisirii lemnului valoros al esenţelor forestiere nobile, din care avem cantităţi tot mai mici.

Ce este furnirul şi ce înţelegem prin noţiunea de furniruire?

Sub noţiunea de furnir se înţelege o foaie (lamelă) subţire de lemn (de 0,25—6 mm grosime) de obiceiu dintr'o esenţă valoroasă şi cu desene sau cu o coloraţie specială, care se lipeşte cu clei pe un lemn ascuns, mai puţin valoros. Iar sub noţiunea de furniruire se înţelege operaţiunea prin care anumite obiecte de lemn de exemplu: părţile componente ale unei mobile, construite din lemn moale şi uşor (molid, plop etc.), se acoperă, din motive de estetică şi eftinătate, cu lamele subţiri din lemn tare şi preţios.

Utilizarea furnirului în scopuri decorative a fost cunoscută şi în antichitate. Astfel în mormintele egiptene s'au găsit obiecte lucrate cu furnir, foarte valoroase, iar literatura Asirienilor, Iudeilor, Grecilor şi Romanilor încă ne dovedeşte că îmbrăcarea anumitor părţi constitutive ale multor obiecte, cu lamele subţiri de lemn, pentru a le înfrumuseţa, era cunoscută şi practicată de aceste popoare. Astfel Plinius ne informează, despre o masă renumită proprietatea lui Iuliu Cezar, lucrată cu furnir, precum şi asupra faptului că Cicero ar fi plătit fantastica sumă de un milion sexteţi (circa 3,6 milioane lei) pentru o masă lucrată cu furnir de lămâiu.

Din pictura rămasă din antichitate rezultă că pe vremea aceea furnirul se producea numai prin debitarea cu ferăstrăul de mână (Klobsäge=ferestrău de despicat). Acest mod de pro-

ducere a furnirului s'a păstrat până la începutul sec. XIX, când, după descoperirea maşinei cu aburi, s'au inventat şi ferăstraiele circulare. Astfel s'a făcut trecerea la producerea mecanică a furnirului ferăstruit.

Debitarea cu ferăstrăul a furnirului este împreunată cu pierderi mari de material util, datorită rumegusului (la acest mod de producere 2/3 parte din materialul brut cade sub formă de deşeuri). De aceea astăzi numai furnirul de mare valoare se mai produce cu ferăstrăul. In acest scop se întrebuinţează, ferăstraie circulare, formate dintr'un disc, pe a cărui periferie sunt fixate, în şuruburi îngropate, pânze de ferăstrău în formă de segmenţi.

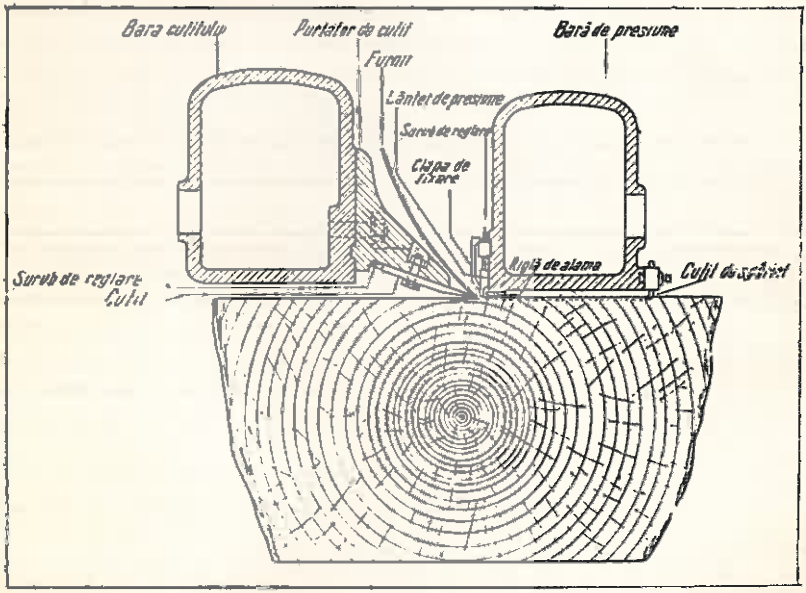


Fig. 1. — Schema dispozitivului de decupare al unei maşini de tăiat furnir. (Desen I. Ungureanu după Knigth-Wulpi: Furniere und Sperrholz, 1930).

Cu desvoltarea, nebănuită în trecut, pe care a luat-o industria fabricării furnirului, s'au mai descoperit două metode de producerea lui, prin despicare (decupare) şi prin derulare, la cari nu avem nici o pierdere de material.

Producerea furnirului prin decupare îşi are originea în producerea aschiilor (lamelelor) din care se fabricau cutiile de chibrituri şi

obezile sitelor, care a condus prin întrebuinţarea roţilor hidraulice şi a maşinilor cu aburi la actualele maşini de tăiat furnirul, cunoscute sub denumirea de „Weneer Slicer" (Furnirmessermaschine). Acestea constau dintr'o bază pe care se găseşte fixat cuţitul, montată oblic pe direcţia mişcării şi dintr'o bară de presiune prepusă cuţitului (vezi fig. 1).

Cuţitul acestor maşini de decupat lucrează după principiul rindelelor. Lungimea cuţitului variază între 180—375 cm, după lungimea prizmei ce se taie în furnir.

Lemnul destinat tăierii se cioplește prizmatic, sau se spintecă în două, apoi se introduce într'o etuvă de aburi sau într'o etuvă de fiert, dacă avem interesul să nu i-se altereze culoarea, unde se abureşte, respectiv se fierbe timp de câteva ore, pentru a deveni mai mlădios la tăiere.

Se fixează apoi prizma pe o tejghea orizontală situată sub cuţit, apoi se pune maşina în funcţiune, iar cuţitul despică (gelueşte) la fiecare cursă a maşinei o lamelă de grosimea dorită, din prizmă. In timpul retragerii cuţitului, maşina ridică automat prizma cu o grosime de furnir. Foile de furnir rezultate dintr'o prizmă se adună laolaltă, în ordinea tăierii lor, iar după uscare se refecă; apoi se numără lamelele, li-se calculează suprafaţa totală, care se scrie pe ele, se leagă pachetele pe 2—3 locuri şi se trec apoi la magazie. Depozitarea lamelelor de furnir în asemenea pachete se face în ordinea în care au fost produse din prizme pentru a permite celor ce le întrebuinţează, realizarea de figuri (desene) simetrice.

Şaiba curelei de transmisiune a unei astfel de maşini de decupat are o turaţie de 240 învârtituri pe minut, maşina reclamând o forţă de 7—10 C. P. după mărimea ei. Poate debita 7—14 lamele de furnir pe minut, după specia lemnoasă şi după lungimea, lăţimea şi grosimea furnirului ce s produce.

Al treilea mod de producere a furnirului, cel mai nou şi cel mai întrebuinţat astăzi, este prin derulare.

Maşina de derulat este un strung adaptat la un scop special, care constă din cele două fusuri de fixare a trunchiurilor, care poartă pe capetele lor opuse fălcile demontabile (schimbătoare) de fixare a lemnului ce se taie.

Axele de înaintare, cari împing bara cu cuţitul (montată laolaltă cu bara de presiune, spre axa fusului de fixare a trunchiului) zac în planul orizontal ce trece prin acest ax (de fixare a trunchiului).

Trunchiurile după ce se scurtează la lungimea corespunzătoare, se aburesc sau se fierb, iar dacă sunt încă complect verzi se descojesc şi neincălzite. După descojire şi după eventuala cioplire pentru a da trunchiului forma cea mai apropiată de cilindru, acesta se fixează cu ajutorul fălcilor fixatoare, în maşina de derulat, care se pune, apoi, în funcţiune.

Cuţitul şi bara de presiune se mişcă spre trunchiul ce se roteşte şi taie în spirală o bandă continuă de furnir, având lăţimea egală cu lungimea buşteanului. Banda de furnir derulată se adună în sul sau se taie imediat, cu ajutorul unor foarfeci, la dimensiunile dorite, îndepărtându-i-se în acelaş timp şi eventualele defecte (vezi fig. 2).

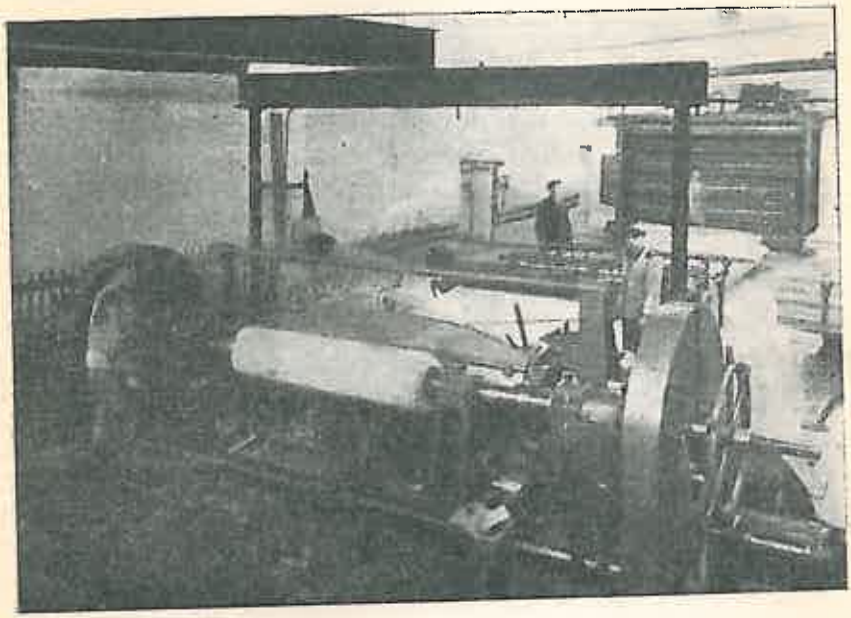

Fig. 2. — O maşină de derulat furnir văzută din spate. (După Knight-Wulpi: Furniere und Sperrholz, Bd. I. 1930). Banda de furnir merge direct la foarfecile de tăiat.

Plăcile de furnir astfel tăiate se aşează în pachete de egale dimensiuni, pe benzi transportatoare, cu ajutorul cărora se transportă la uscătorie. După uscare se sortează după calitate.

O maşină de derulat are o turaţie de 20—25 învârtituri pe minut şi reclamă 8—20 C. P., după cum variază lungimea trunchiului dela 0,8—2,05 m lungime, grosimea acestuia putând atinge un metru în diametru.

O maşină de derulat furnir poate produce într'o zi de lucru mai multe mii de metri pătraţi furnir, deaceea este şi cea mai eftină metodă de producere a furnirului.

Circa 90% din totalul producţiei de frunir se produce prin derulare, iar din restul de 10%, 5% se produce cu fierăstrăul şi 5% prin decupare (geluire).

Desenul furnirului derulat este cu totul diferit de acela

al celui decupat sau tăiat la fierăstrău, deoarece în cazul derulării este imposibilă tăierea după razele medulare (Spiegelschnitt) şi din această cauză desenurile furnirului derulat nu ne pot oferi acele efecte sclipitoare pe cari ni le oferă suprafeţele tăiate după direcţia razelor medulare.

Deaceea pentru producerea furnirului prin derulare sunt apte îndeosebi acele specii lemnoase, la cari nu este nici o deosebire mai importantă între lemnul de primăvară şi cel de toamnă.

Furnirul derulat se crapă pe suprafaţa concavă, atunci când se întinde orizontal.

Pentru toate aceste motive furnirul derulat se întrebuinţează mai mult ca lemn ascuns şi îndeosebi pentru producerea lemnului contraplacat şi a plăcilor de tâmplar (Paneelplatten).

In Europa furnirul derulat se produce numai din fag, mesteacăn, plop, anin şi tei.

Cuţitul maşinii de derulat taie trunchiul în furnir, în formă spirală, până când nu mai rămâne din el decât inima în grosime de circa 10 cm.

In maşinile de decupat se taie furnirul din esenţe nobile în grosimi de 0,25—2 mm, cel din esenţe mai puţin nobile (ca pinul, molidul etc.) în grosimi de 4 mm, iar pentru scopuri speciale, ca de ex. pentru mijloacele plăcilor Paneel, în grosimi până la 10 mm.

In maşinile de derulat grosimea maximă a furnirului ce se poate tăia este de 7,9 mm, putând atinge uneori şi 9,5 mm.

Grosimile uzuale ale furnirului variază în Europa dela 0,25 până la 6 mm, diferenţa dintre singuratecele sorturi fiind de câte 1/10 mm.

Iar pentru motivul că furnirul se taie în stare umedă (aburit, fiert sau în stare verde) şi din această cauză lamelele de furnir se contrag în volum după perderea apei prin uscare, se obicinueşte a se tăia în grosimi cu 6—10% mai mari decât cele pe cari trebue să le aibă în stare umedă.

Furnirurile speciale, întrebuinţate în industria aviatică şi pentru acoperirea cutiilor de ţigări, au grosimile următoare: 0,25—0,3—0,4—0,5—0,6 mm.

Furnirurile nobile utilizate în scopuri decorative, au grosimi de 0,6—0,7—0,8—1,0—1,1 mm, iar în cantităţi mai mici se taie şi în grosimi mai mari, până la 3 mm.

Furnirurile obicinuite (marfă comercială), întrebuinţate îndeosebi ca lemn ascuns, sau ca mijloace (Mittellage) pentru contraplacajele subţiri, de ex. furnirul de Gaboon, Okumé, Abachi, pin, anin, fag, etc. au grosimi de 1,5—2,0—2,5—3,0—3,5—4,0—5,0—6,0 mm.

Speciile forestiere al căror lemn este căutat în industria producătoare de furnir.

Dintre speciile indigene se caută în industria producătoare de furnir următoarele: stejarul, nucul, cireşul, fagul, ulmul, frasinul, părul, mesteacănul, paltinul, aninul, plopul, teiul, salcâmul, platanul, laricele, pinul, bradul, molidul etc.

Lemnul acestor specii trebuie transportat la locul de prelucrare, imediat după doborîre, pentru a evita crăparea lui şi modificarea coloarei datorită vreunui eventual atac de ciuperci.

Speciile exotice se importă de peste ocean, prin porturile italiene, franceze, belgiene, olandeze şi germane.

Calităţile comerciale ce se cer buştenilor destinaţi fabricilor de furnir sunt (după prescripţiunile vieneze) următoarele: trunchiuri drepte şi cilindrice, având la ambele capete inima la mijloc (centrică), lipsite de crăci şi noduri, cu fibra dreaptă complect sănătoase şi curate. (La unele specii este căutat şi lemnul drept de rădăcină, ca de ex. la nuc).

Buştenii să aibă o lungime minimă de 2 m şi un diametru dela 40—45 cm în sus. Cu toate aceste prescripţiuni, sunt regiuni în Europa, ca de ex. în Letonia, unde buştenii de mesteacăn utilizaţi în industriile producătoare de furnir au diametre cuprinse între 203—345 mm.

De unde în America inima trunchiului având un diametru sub 152—178 mm nu se mai poate prelucra, în Europa s'a redus grosimea inimii ce rămâne neutilizată până la 76 mm, după lungimea furnirului în direcţia fibrelor, iar la furnir cu direcţia fibrelor şi mai scurte, de ex. la furnirul destinat am-

balajului, s'a redus grosimea acestei inimi până la 60 mm (în cazul producerii prin derulare).

Pentru producerea furnirului prin ferăstruire sau decupare, grosimea minimă a buştenilor trebue să fie de 450 mm, deoarece altfel nu poate fi debitat corect (pentru a obţine desene cu maximum de efecte sclipitoare etc.).

Fibra torsă, excentricitatea, crăpăturile din uscare, de ger şi inelare, formaţiunile de duramen fals, dungile roşii şi albastre şi alte boli criptogamice, putregaiuri sau alte vătămări cauzate de insecte, sunt defecte cari fac lemnul neapt pentru industria lemnului.

Se pune mare preţ pe culoare, luciu şi pe structura fină a lemnului, cari la rândul lor depind de fineţea inelelor anuale şi de staţiune.

Anumite creşteri anormale, cum este creşterea creaţă sau ochiurile datorite mugurilor adventivi sau dorminzi (la paltin de ex.) sunt considerate drept calităţi în industria furnirului.

Pentru determinarea defectelor sau a calităţilor lemnului cu ocazia sortării buştenilor, se cere un ochiu experimentat deoarece aceste calităţi şi defecte, în afară de proprietăţile inerente speciei respective, mai depind de împrejurările staţionale în care a crescut arborele respectiv şi de tratamentul cultural ce i s'a aplicat.

Determinarea defectelor şi calităţilor interioare ale unui buştean este foarte grea, astfel încât de multe ori suntem nevoiţi să ne bazăm numai pe presupuneri.

Pentru determinarea culoarei lemnului unui buştean doborît de mult, ne folosim de o unealtă tăietoare cu ajutorul căreia sgâriem de pe suprafaţa capetelor acestuia o aşchie. Ne mai putem folosi în acest scop şi de un burghiu ca cel folosit pentru determinarea creşterilor în diametru (burghiul lui Pressler), cu ajutorul căruia scoatem o aşchie din care deducem atât culoarea lemnului cât şi uniformitatea şi fineţea inelelor anuale.

Nodurile vii datorite concreşterii crăcilor, ni le denotă la o mulţime de specii foioase cu coaja netedă, aşa numitele bărbi chinezeşti. Acestea sunt nişte ochiuri de forma unei

semi-lune, cu deschiderea în jos, crescute în coajă sau ritidom. După forma, mărimea şi grosimea acestor bărbi chinezeşti putem deduce mărimea şi adâncirea nodurilor vii.

Felul coajei sau a ritidomului este un indiciu important asupra calităţii lemnului. Astfel la stejar, frasin, pin, larice şi molid, o coajă netedă, fără crăpături prea adânci, denotă întotdeauna un lemn de mare valoare, cu inele anuale fine, care se lucrează uşor şi se lustrueşte (ciselează) bine.

Părţile putrede invizibile ale buştenilor, se pot stabili cu destulă certitudine prin ciocănirea lor, dacă părţile atacate nu sunt situate prea adânc. Astfel de defecte apar adesea şi pe capetele buştenilor ca nişte pete (de putregaiu).

Dăm mai jos condiţiunile în cari preia fabrica de furnir Prohaszka din Deta, buştenii de fag:

„Buştenii de fag dela 30 cm ø în sus, cu toleranţa până la 70% inimă brună, în lungimi dela 1,4; 2,2 sau multiplu, cu o supralungime de 20 cm fără nici o obligaţie privitor la cantitate. Bonificaţiuni de lungime se fac numai la acei buşteni cari sunt crăpaţi în două direcţii (Querriss). Crăpături în două direcţii până la 30 cm sunt admise. La crăpături peste 30 cm lungime se scade drept bonificaţie din lungimea buşteanului o lungime egală cu jumătatea lungimii crăpăturii. Crăpătura în lungimi peste un m se retează. Buştenii crăpaţi într'o direcţie trebue primiţi fără bonificaţie, dacă crăpătura nu este mai mare decât diametrul buştenilor. Grosimea se măsoară la mijloc; pentru coajă se scade 3 cm. De obiceiu se fac două măsurări, luând apoi media.

*Furnierherstellung.*

*La fabrication des placages en bois.*

L'auteur montre en détail les méthodes employées aujourd'hui pour le débitage du bois de placage.

On indique les espèces forestières les plus cherchées dans cette industrie et les conditions qu'elles doivent remplir. Il insiste un peu sur les caractéristiques qui peuvent servir à indentifier certaines qualités et défauts du bois destiné à être débité.

# ORIGINA ETNICĂ A PROPRIETARILOR DE PĂDURI

de CONST. V. POPESCU
Ing. Insp. Silvic, Bucureşti

Prin Decretul Lege No. 3.810 publicat în Mon. Of. No. 271 din 17 Noembrie a. c., s'a dispus să treacă în patrimoniul Statului unele bunuri rurale ce au aparţinut evreilor, — persoane fizice sau societăţi evreeşti, — între cari sunt pădurile şi industriile forestiere, cu toate uneltele, construcţiile, instalaţiunile, linii de căi ferate, mijloace de transport de orice natură, precum şi cu întregul inventar viu şi mort.

Pădurile şi industriile forestiere, cu tot inventarul lor intrate în patrimoniul Statului în virtutea Decretului Lege de mai sus, se pun la dispoziţia Ministerului Agriculturii şi Domeniilor, care le va administra prin Casa Pădurilor Statului.

Această măsură luată de înaltul Guvern, era de mult aşteptată, căci potrivit unei vechi concepţii româneşti, proprietăţile rurale — principala bogăţie naţională, — trebue să aparţină românilor.

Sub noul regim al Statului naţional legionar, acest principiu a căpătat un caracter de etnicitate, şi astfel proprietatea rurală, sub toate formele ei, trece în mâna celor de origină etnică română.

Studiind origina etnică a proprietăţii forestiere din România, constatăm că în afară de pădurile proprietatea Statului ce reprezintă aproximativ 1.400.000 ha, restul de cca. 3.000.000 ha, sunt repartizate astfel:

| | | | |
|---|---|---|---|
| 2.733.000 | păduri | proprietatea | românilor; |
| 91.000 | „ | „ | maghiarilor; |
| 6.000 | „ | „ | secuilor; |
| 55.000 | „ | „ | evreilor; |
| 115.000 | „ | „ | altor naţionalităţi. |

Aceste păduri composesorale, comunale, bisericeşti, particulare, societăţi anonime, reprezintă suprafaţa de cca. 3.000.000 ha, din cari evreii deţin cca. 55.000 ha.

Prin aplicarea acestei legi, domeniul forestier al Statului se măreşte cu această suprafaţă de 55.000 ha, care repartizată pe provincii şi pe natură de proprietari, se prezintă astfel:

| | Oltenia | Muntenia | Moldova | Bucovina | Dobrogea | Ardeal |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | ha | ha | ha | ha | ha | ha |
| a) drepturi în Composesorate | — | — | — | 991 | — | 233 |
| b) drepturi în pădurile comunale | — | — | — | 753 | — | 3.813 |
| c) Societăţi anonime | — | 1.054 | 10.118 | — | — | 138 |
| d) Societăţi cooperative | — | — | — | — | — | 7.859 |
| e) Particulare | 67 | 1.718 | 22.299 | 2.497 | 20 | 3.662 |
| Total | 67 | 2.772 | 32.417 | 4.241 | 20 | 15.710 |

Suprafaţa totală a pădurilor proprietatea evreilor, din întreaga ţară, în cadrele actualelor hotare este de 55.227 ha, din cari pprietatea particulară reprezintă cota cea mai mare adică 30.263 ha, restul fiind societăţi anonime, societăţi cooperative şi într'o mică măsură, drepturi în păduri composesorale şi comunale.

Procentul cel mai mare îl dă, — după cum se vede, — Moldova, unde sufletul blajin al moldoveanului a tolerat acaparare bunurilor româneşti de către aceşti străini.

In Oltenia în schimb, proporţia pădurilor evreeşti, este foarte mică, întrucât evreii n'au fost lăsaţi de Olteni să se infiltreze în massa compactă românească.

In general suprafaţa pădurilor proprietatea evreilor nu reprezintă decât cca. 1,2% din întreaga suprafaţă păduroasă, în schimb industria forestieră este aproape complet în mâna lor.

Trecerea industriei forestiere cu întregul inventar, construcţii, instalaţii, unelte, mijloace de transport, etc. în mâinile românilor, este însă o operă de cea mai mare importanţă, şi nu ne rămâne altceva de făcut decât de a păstra această industrie

cu sfinţenie astfel ca atât capitalul cât şi conducerea să fie românească.

Organele silvice ale Statului, cărora li se încredinţează aceste bunuri, trebue să fie la înălţimea chemării, dând dovada că personalul românesc poate conduce aceste bunuri, cu mult mai bine decât până acum, îngrijindu-se în acelaş timp de refacerea pădurilor într'o exploatare şi industrializare raţională.

*Etnische Herkunft der Waldbesitzer in Rumänien.*

*L'origine éthnique des propriétaires forestièrs roumains.*

Par un récent décret-loi, les forêts appartenent aux juifs ou aux sociétés à capital juif, ont été expropiées en faveur de l'Etat.

La surface des forêts qui entrent dans cette catégorie représente 55.000 ha. La plupart d'elles se trouve en Moldavie (32.417 ha) et en Transsylvanie (15.710 ha).

# CREȘTEREA RĂDĂCINILOR IN RAPORT CU TULPINA LA PUIEȚII DE STEJAR.

de Ing. M. PETCUȚ

In viața culturilor de stejar, întâlnim două laturi foarte interesante și foarte caracteristice. Una, de care ne-am isbit cu toții și pe care, uneori, suntem înclinați s'o socotim ca un foarte mare inconvenient, este aceiea că, în tinerețe, această specie crește foarte mult. Atât de încet, încât, despre culturile făcute cu această specie, s'a putut spune: „După ce ai semănat sau plantat stejarul să te culci și să te scoli după 20 de ani dacă vrei să-ți placă cum merge".

Chiar dacă lucrurile nu stau chiar așa, un sâmbure de adevăr totuși este în această caracterizare.

A doua particularitate a acestei specii se manifestă printr'o foarte pronunțată vitalitate a rădăcinilor. „Bine înrădăcinat, stejarul are o foarte mare putere de viață" [1]).

In fața acestor două particularități ni se pun o serie de întrebări:

1) Cum ne explicăm încetineala de creștere a stejarului? Mai exact: este în adevăr puetul de stejar atât de lipsit de energie în tinerețe sau își întrebuințează energia de creștere în altă direcție?

2) Cărui fapt trebuie să atribuim marea putere de viață a acestei specii?

Răspunsul la aceste întrebări ni-l dă următoarea observație asupra căreia ni s'a atras atenția, cu mulți ani în urmă, la una din pepinierele de stejar din ocolul Tighina, condus pe atunci de către D-l Inginer Przemețchi.

---

1) M. Petcuț. Vitalitatea rădăcinilor de stejar. Rev. Pădurilor Nr. 2 939.

In straturile de sămănături, din această pepinieră, în primii doi ani, în condiţii bune de vegetaţie, stejarul creşte deasupra pământului abia 20—40 centimetri; în schimb rădăcinile ating 1,70—2,60 m. Ele sunt cu atât mai mari cu cât tulpinile puieţilor sunt mai mici. Pueţii erau crescuţi într'un sol bine mobilizat şi curăţit de buruieni. Fotografia alăturată ne înfăţişează 3 puieţi nerepicaţi, în vârstă de doi ani, luaţi

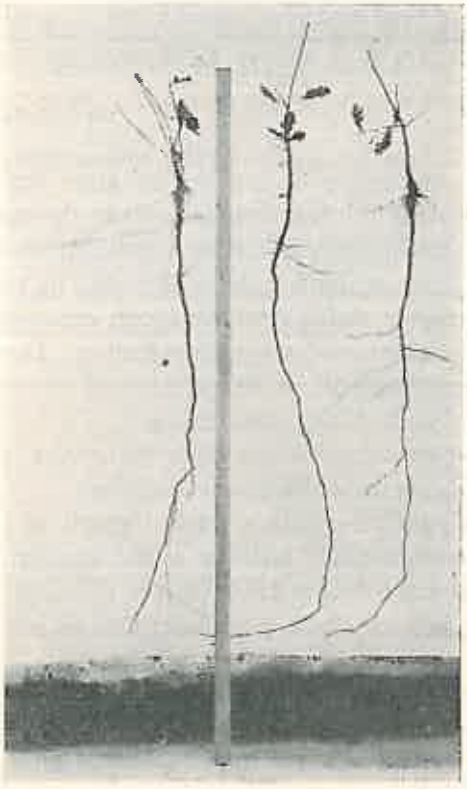

Puieţi de stejar pedunculat, nerepicaţi, în vârstă de 2 ani.

la întâmplare din pepinieră. Băţul din mijlocul lor luat ca unitate de măsură are lungimea de 2,50 m. Dela această dată — faptul se petrecea în anul 1928 — am mai urmărit această problemă. Cu oarecari variaţii în minus sau în plus — dar de cele mai multe ori însă în plus — această disproporţie dintre creşterea tulpinilor faţă de aceea a rădăcinilor se păstrează.

Literatura din anii din urmă citează cazuri [1]) în cari rădăcinile puieţilor de stejar ajung, în primii doi ani, până la lungimea de 5 m.

Aşa dar în primii ani de viaţă, puieţii de stejar nu sunt lipsiţi de energie; ei îşi întrebuinţează această energie pentru formarea aparatului radicilar.

Această tendinţă se manifestă cu atât mai pronunţat cu cât planţele găsesc condiţiuni mai bune de viaţă: sol afânat, bine mobilizat şi lipsit de buruieni, etc.

Desvoltarea rădăcinilor atât de disproporţionat faţă de tulpină încă din prima tinereţe, explică şi marea putere de viaţă pe care s'a dovedit că o au culturile de stejar după ce au reuşit să se înrădăcineze, chiar dacă ulterior au de suferit multe neajunsuri.

Din rândurile de mai sus prind câteva concluzii:

1) Incetineala de creştere din tinereţe a culturilor de stejar (dacă este un inconvenient prin faptul că se întârzie realizarea scopului urmărit: împădurirea), ea este şi un avantaj, întrucât plantele folosesc acest timp ca să-şi consolideze aşezarea în pământ, fapt care le ajută să-şi asigure rezistenţa mai târziu.

2) Pentru ca culturile de stejar să-şi asigure o cât mai mare putere de viaţă — respectiv să-şi poată desvolta cât mai bine rădăcinile — este necesar ca să li se asigure cel puţin în primii ani condiţiuni cât mai bune de viaţă.

*Entwicklung der Wurzel der Eichenpflanzen im Vergleich mit dem Pflanzenstamm.*

*La croissance des racines des plants de chêne par rapport à leurs tiges.*

On sait que les plants de chêne dans leur jeunesse, même dans les meilleurs conditions de végétation, se développent très lentement, pendant que leurs racines ont un grand pouvoir de résistance.

Ces particularités sont expliquées par une très active croissance de ces racines dans cette période de temps. Dans une des pépinières du cantonnement forestier Tighina (en Bassarabie), sur un sol mobilisé et bien entretenu, en deux ans, les tiges des plants de chêne ont marqué 0,20—0,30 m d'hauteur, pendant que les racines ont eu une croissance de 1,70—2,60 m. De pareilles dimensions ne sont pas exceptionnelles; au contraire, on les observe à peu près partout dans les cultures de chêne.

1) I. Oelkers. Waldbau. pag. 136.

# C R O N I C A

## CRONICA INTERNĂ

● **Trecerea proprietăţii şi a industriei forestiere evreeşti în proprietatea statului.**

In luna Oct. a. c., printr'un Decret Lege dat de Conducătorul Statului, s'a hotărît trecerea proprietăţii rurale evreeşti în patrimoniul statului.

Printr'un Decret Lege ulterior Nr. 3810 (Mon. Of. 271 din 17.XI.940) s'a venit cu completarea dispoziţiunilor primului decret hotărîndu-se trecerea în patrimoniul statului şi a pădurilor proprietate evreească „împreună cu toate construcţiile, instalaţiunile, uneltele, liniile de cale ferată şi mijloacele de transport aflate pe terenul acestor păduri". De asemenea, se trec în proprietatea statului „industriile forestiere cu tot terenul, construcţiunile, instalaţiunile, maşinile, uneltele, liniile de căi ferate, mijloacele de transport de orice natură, întreg inventarul viu şi mort necesar normalei lor funcţionări şi aparţinând evreilor persoane fizice sau societăţi".

Decretul mai precizează că evreii şi societăţile nu vor putea dobândi şi deţine în viitor, sub niciun titlu, bunurile menţionate mai sus.

Sunt evrei în înţelesul legii de faţă „toţi acei având ambii părinti evrei, sau numai unul, fără distincţie, dacă ei sau părinţii lor sunt sau nu botezaţi în altă religie decât cea mozaică, dacă sunt sau nu cetăţeni români, sau dacă domiciliază sau nu în cuprinsul ţării.

Sunt societăţi evreeşti, societăţile civile sau comerciale de orice natură în care majoritatea capitalurilor aparţin evreilor.

Acţiunile societăţilor care stăpânesc bunuri de natura celor precizate mai sus, se tansformă de drept în acţiuni nominative. Deţinătorii sub orice titlu de asemenea acţiuni sunt obligaţi ca în termen de 30 de zile libere dela data intrării în vigoare a acestei legi, să depună acţiunile la sediul societăţii împreună cu titlurile justificând deţinerea sau proprietatea lor şi să arate titularul anterior.

Societăţile în nume colectiv, comandită simplă sau cu răspundere limitată sunt considerate evreeşti dacă unul din asociaţi, comanditaţi sau comanditari este evreu. Drepturile asociaţiilor, comanditaţilor sau comanditarilor, care nu sunt evrei, vor fi reglementate sau lichidate de o comisiune prevăzută de art. 8 din Decretul din Octombrie a. c. completată cu membrii prevăzuţi în art. 10 din Decretul din Noembrie a. c., între care intră şi un inginer silvic.

Contractele de exploatare a pădurilor ce trec în patrimoniul statului se mențin dacă exploatatorul nu este evreu sau societate evreească, statul substituindu-se în drepturile și obligațiunile fostului proprietar.

Exploatările în curs din pădurile și industriile forestiere care trec în patrimoniul statului prin efectul legii de față, făcute de proprietarii sau exploatatorii evrei, persoane fizice sau societăți, vor putea fi continuate în baza unei deciziuni dată de Ministerul Economiei Naționale, potrivit situațiunei sau amenajamentului, în cursul anului comercial și forestier 1940/941. (Printr'o decizie ulterioară dată de Ministerul Economiei Naționale se precizează că proprietarii evrei persoane fizice sau societăți evreești sunt obligați să continue exploatările în curs privind anul comercial și forestier 1940/41).

Exploatatorul va fi obligat să întrețină în bună stare construcțiunile, instalațiunile, liniile de căi ferate, mijloacele de transport, precum și inventarul viu sau mort.

Pădurile și industriile forestiere intrate în felul acesta în patrimoniu Statului, se pun la dispoziția Ministerului de Agricultură și Domenii, care le va administra prin Casa Pădurilor Statului.

Noi forestierii, care am luptat pentru naționalizarea proprietății și exploatărilor forestiere, avem acum prilejul să ne bucurăm, căci prin măsurile luate, dezideratele noastre se văd pe cale de împlinire. Un motiv în plus ne face bucuria și mai mare: mărirea proprietății forestiere a Statului așa de mult micșorată dela răsboi și până azi.

● **Modificarea art. 42 din Codul Silvic.**

In Monit. Of. Nr. 269 din 15 Noembrie 1940 s'a publicat Decretul Lege pentru modificarea art. 42 din Codul Silvic care privește procedura de îndeplinit pentru vânzarea posibilităților sau chiar a proprietăților moșnenești. Noua redactare a art. 42 o dăm în altă parte a revistei. Socotim util să redăm mai jos, după raportul prezentat Conducătorului Statului, motivele care au determinat această modificare.

„Pentru facerea de transacțiuni ca: vânzări de veci, în total sau în parte, vânzări spre exploatare a mai multor parchete deodată, sau chiar vânzarea unui singur parchet formând posibilitatea normală anuală a pădurii, constituirea de drepturi, etc., din pădurile moșnenești sau composesorale, se cere prin art. 42 din Legea Codului silvic, întrunirea adunării generale extraordinare a moșnenilor sau composesorilor, care nu este legal constituită dacă la prima convocare nu sunt prezenți moșnenii sau răzeșii reprezentând peste ⅔ din ele și în număr cel puțin jumătate din numărul total al moșnenilor sau răzeșilor devălmași, iar la oricare din întrunirile ulterioare în acest scop, trebuie să fie prezenți moșneni reprezentând peste jumătate din drepturile totale ale devălmășiei și ca număr ⅓ cel puțin din numărul moșnenilor. In ambele cazuri hotărîrile nu se pot lua decât cu cel puțin ⅔ din drepturile reprezentate în adunare.

„A întruni acest număr de membri, dacă era posibil la data votării codului silvic 1910, este foarte greu, aproape imposibil astăzi atât din

cauza împrejurărilor actuale cât şi pentru motivul că drepturile moşnenilor în decurs de 30 de ani, dela votarea codului silvic, s'au fărămiţat complet. Se impune deci o uşurare a condiţiunilor prevăzute de art. 42 din codul silvic. La fel a văzut şi consiliul de avocaţi al ministerului, care prin avizul Nr. 401 din 16 Aprilie 1940, a conchis la modificarea acestui articol.

Pe de altă parte vremurile excepţionale de azi cer ca economia silvică să urmeze şi ea în ritm mai vioi şi cel puţin parchetele anuale scadente spre exploatare în cursul anului, care nu reprezintă o atingere a capitalului forestier, ci produsul unui an, să poată fi puse în valoare prin descătuşarea lor de formalităţile art. 42, care ar rămâne valabil numai pentru vânzările de veci, sau vânzarea mai multor parchete deodată, adoptându-se principiul logic, ca asupra punerii în valoare a posibilităţii normale (parchet curent), să poată hotărî adunarea generală ordinară a obştiei, convocată conform art. 41, pentru descărcarea gestiunei pe trecut şi pentru votarea bugetului viitor.

„In acest sens s'a întocmit proectul de decret lege, prin care se propune ca pentru transacţiile cerute de art. 42 din codul silvic, afară de vânzarea spre exploatare a parchetelor curente anuale, în cazul când după două adunări nu se poate întruni numărul de membrii cu drepturile cerute de art. 42 din codul silvic, adunarea următoare să se poată ţine şi să poată lua hotărîri valabile cu orice număr de moşneni, care însă să reprezinte cel puţin jumătate plus unul din drepturi.

„In ce priveşte însă asupra punerii în exploatare şi valorificare a posibilităţilor normale anuale din pădurile obştiilor de moşneni sau composesorale, întru cât aceasta reprezintă un act de gestiune curentă anuală, să se poată pronunţa adunarea generală în condiţiunile prevăzute de art. 41 din codul silvic, cu ocazia discuţiei asupra gestiunei anuale, iar această adunare să poată autoriza şi Consiliul de administraţie cu privire la modul de punere în exploatare şi valorificare".

● **Reînfiinţarea Consiliului Technic al pădurilor.**

Printr'un Decret Lege publicat la 17 Sept. a. c., în Monitorul Oficial, Consiliul technic al agriculturii, în forma lui dată prin legea de organizare din 1939 a Ministerului de Agric. şi Domenii, a fost desfiinţat. In compunerea aceasta intra şi secţiunea care privea pădurile.

Insă Consiliul technic al pădurilor, instituţie care datează de 59 de ani (fiind înfiinţată prin legea codului silvic dela 1881) şi-a dovedit cu prisosinţă utilitatea. De aceea s'a hotărît imediata lui reînfiinţare. Astfel, a apărut Decretul Lege Nr. 3552 din 19 Oct. a. c. publicat în Monit. Of. Nr. 246 din 21 Oct. 1940.

El se compune din cinci membrii numiţi prin decret la propunerea Ministerului de Agricultură şi Domenii. Atribuţiunile lui sunt cele prevăzute de: codul silvic din 1910 completat prin legea modificatoare din 1920, legea pentru organizarea pădurilor din 1930, legea pentru pădurile necesare apărării naţionale din 1935 şi legea pădurilor de protecţie din 1935. Toate lucrările Consiliului sunt puse sub directa dirijare a Mi-

nisterului de Agric. şi Domenii, Consiliul fiind trecut pe lângă Secretariatul general al pădurilor.

El va lucra în forma aceasta până va apare noua lege de reorganizare a Sectorului economiei forestiere; cu acel prilej Consiliului technic i se va fixa cadrul definitiv şi nouile atribuţiuni.

● **Asociaţia de turism „România pitorească".**

In mişcarea turistică din ţara noastră, care a luat un frumos avânt în ultimii ani, Asociaţia de turism şi sport România Pitorească, cu sediul în Bucureşti, îşi are locul ei de cinste.

Infiinţată în 1930, această asociaţie a putut, după zece ani de activitate, să-şi facă un bilanţ de realizări demn de invidiat. Astfel, a organizat excursiuni colective, pentru cunoaşterea a cât mai multe colţuri din ţară. A ţinut conferinţe, cu care prilej a făcut cunoscut şi altora frumuseţele noastre naturale, câştigând în felul acesta din an în an mai mulţi adepţi. Cu acelaşi scop, a organizat expoziţiuni de fotografii şi a redactat o „călăuză" pentru masivul muntos al Bucegilor. A pus la cale serbări câmpeneşti în pădurile din jurul Capitalei. A făcut marcaje în masivele muntoase ale Penteleului şi Ciucaşului.

Avântul în realizări a culminat în aceşti ani prin construirea cabanei din masivul Ciucaşului, căreia i s'a dat numele de „Alex. Vlahuţă". Numai cine cunoaşte regiunea, cu dificultăţile mari de comunicaţie şi lipsa de apă, poate să aprecieze just valoarea străduinţelor depuse pentru atingerea acestui ţel.

România Pitorească este prima asociaţie sportivă din ţara noastră care isbuteşte să-şi cumpere un autocar, mijloc admirabil de locomoţie, cu care poate astfel să străbată, după voie, ţara cu frumuseţile ei.

In afară de munte, asociaţia îşi îndreaptă atenţia şi asupra unei regiuni de câmpie din apropierea Capitalei, anume regiunea Comanei (Vlaşca). Pitorescul văii Neajlovului poate fi şi mai mult admirat de membrii asociaţiei şi datorită a două bărci cumpărate în acest scop.

In sfârşit, se cade să subliniem efortul făcut încă din primii ani de existenţă, de a publica un Buletin, unde scriindu-se despre frumuseţile diferitelor regiuni ale ţării, pădurii i s'au consacrat pagini întregi.

Laudă se cade deci asociaţiei cuprinzând în acest cuvânt pe membrii şi conducătorii ei. Trecutul ei îi dă dreptul să se aştepte dela cât mai mult sprijin din toate părţile, pentru a putea în viitor să-şi continuie opera începută, din care, cauza pădurilor va avea şi ea mult de câştigat.

*At. Haralamb*

● **Şi Spania revine către pădure.**

Ruinată de pe urma lungilor decenii dolce far niente, a revoluţiunilor şi războiului civil din anii trecuţi, Spania lui Franco se ridică hotărâtă să-şi refacă patrimoniul moral şi material. Deocamdată s'a întocmit şi pus în lucru un plan de refacere pentru zece ani.

In cadrul acestuia, s'a rezervat un loc de frunte operei de împădurire în stil mare, ştiut fiind că cca 45% din suprafaţa ţării este pământ netrebnic. Astfel, pentru anul 1940, bugetul Statului are prevederi de 28.000.000 pesetas, în scopul arătat. Prima parte a planului de lucru prevede înfiinţarea de instalaţiuni pentru culesul seminţelor şi de pepiniere pentru imediata plantare a unei suprafeţe de 13.000 ha şi pregătirea alteia de 10.000 ha. Alte feluri de lucrări, ca: îndreptarea albiilor şi cursurilor apelor din pădurile actuale, irigaţii, îmbunătăţiri şi construcţii de noi drumuri forestiere (în total 350.000 km) sunt prevăzute, deasemenea, în planul de lucru silvic.

(In parte, după Z. f. Wfw., 1940, pag. 647). (134)

● **Traverse reformate pentru producerea gazului de lemn.**

După cum se ştie, Franţa se străduieşte din răsputeri pentru a înlocui benzina prin aşa zisul gaz de lemn la punerea în mişcare a autovehiculelor şi a se elibera astfel de importul străin.

Intre alte multe încercări, s'a izbutit a se întrebuinţa traverse de cale ferate împregnate cu creozot, vechi şi scoase din folosinţă pentru prepararea de cărbuni. 400.000 t lemn de traverse reformate ar produce 250 milioane C. P. 340 g cărbune produc 1 C. P., ceeace corespunde la 230 g benzină sau 190 g gazolină. In acest fel, s'ar economisi 110 milioane franci faţă de consumul de benzină şi, apoi, s'ar elibera de import. Producţia anuală este preţuită la 100.000 t, ceeace ar corespunde cu 1 milion hl benzină.

(După Z. f. Wfw., 1940, pag. 658). (135)

● **Administraţia forestieră germană se unifică şi centralizează continuu.**

Până la preluarea puterii în Reich de către naţional-socialişti, viaţa publică germană era, în multe privinţe legată de tradiţia independenţii feluritelor ţări. Intre altele, de pildă, politica forestieră ca şi administraţia silvică era de resortul ţărilor. Amestecul Reich-ului, în această privinţă, era neînsemnat. Din această pricină, lucrurile s'au des-

voltat independent, potrivit împrejurărilor locale proprii fiecărei țări, ajungându-se la mari deosebiri. Lucrul prezintă multe înlesniri, dar și mari greutăți, cu deosebire în vreme de război, când se cere o conducere unitară.

Național-socialiștii au adus o concepție de centralizare și unificare hotărîtă în întreaga viață de Stat. Câmpul forestier s'a resimțit și el puternic de noul curs al lucrurilor. Incet, dar fără încetare și cu metodă, este îndreptată și politica forestieră, ca și organizarea administrațiilor silvice ale țărilor germane către unificare și centralizare.

De curând (31.5.1940), a fost publicată o dispoziție a Consiliului de miniștrii pentru apărarea Reich-ului, prin care se împinge cu un mare pas înainte lucrarea de unificare și centralizare amintită.

Landesforstamt-ul (Oficiul forestier de Țară) constitue treapta de mijloc în Administrația silvică a Reich-ului, fiind îngemănată în instanta mijlocie (Mittelbehörde) a Administrației generale. Aceste instanțe mijlocii constitue treapta superioară în Administrația de Țară (Oberste Landesbehörde).

Landesforstamt-ul, ca administrație specială a Reich-ului, pe lângă așa zisul Reichsstatthalter, este condusă de un Oberlandforstmeister. Reichsstatthalterul este ținut să execute dispozițiunile Ministrului Pădurilor în Reich (Reichsforstmeister).

Oberlandforstmeister-ul este subordonat Reichsstatthalter-ului și reprezentantului acestuia în administrația generală de Stat (Regierungspräsident). Subordonarea aceasta se mărginește la chestiunile forestiere ale Reich-ului de însemnătate pentru politica generală și pentru supravegherea de Stat, cum ar fi, mai ales: poliția silvică și supravegherea activității comunelor. In chestiunile curat forestiere, cum ar fi, de pildă, cele de conducere forestieră, tehnică forestieră, supraveghere forestieră în sens tehnic, administrația cinegetică, chestiunile de personal, etc., Oberlandforstmeister-ul este reprezentantul permanent al Reichsstatthalter-ului.

(In parte, după Forstarchiv, 1940, pag. 197). (136)

● **Anglia a greșit în materie de pădure.**

După cum se știe, Anglia este o țară prin excelență importatoare de lemnărie. Producția proprie de lemn n'are aproape nici o însemnătate practică, în timp normal. In împrejurările de acuma ale războiului, situația importului englezesc de lemn este de-a dreptul desperată. Pentru anii 1937 și 1938, mijlocia importului respectiv se cifrează la rotund 25 milioane m³. Țările de origină ale acestui import sunt:

| | |
|---|---|
| Finlanda | cu 5,50 mil. m³ |
| Canada | „ 5,00 „ „ |
| Rusia | „ 4,50 „ „ |
| Suedia | „ 4,00 „ „ |
| Polonia | „ 2,25 „ „ |
| Letonia | „ 0,75 „ „ |

| | |
|---|---|
| Statele Unite | cu 0,50 mil. $m^3$ |
| Estonia | „ 0,25 „ „ |
| Norvegia | „ 0,25 „ „ |
| Diverse | „ 2,00 „ „ |

Potrivit actualei situaţii a beligeranţilor, nu mai poate fi vorba de un import din: Finlanda, Rusia, Letonia, Suedia, Polonia, Estonia şi Norvegia. Şi aceasta ar face cam 70% din importul mijlociu al anilor 1937 şi 1938. In ce priveşte lemnul de mină, situaţia este şi mai grea, întrucât întregul import, în cantitate de 3,6 milioane $m^3$ se făcea din ţări care, astăzi, sunt cu totul înlăturate (Finlanda, Rusia, Polonia şi Suedia). I-ar rămâne Angliei calea oarecum deschisă către Canada, Statele Unite şi, încă, poate către alte câteva ţări de mai mică însemnătate. Dar, şi aceasta, mai mult teoretic, deoarece, în practică, lucrul e legat de foarte mari greutăţi: navlu foarte ridicat, riscurile mari ale navigaţiei pândită în fiecare clipă de marina şi aviaţia duşmanilor. In faţa acestei situaţiuni deosebit de grele, a trebuit să se atace capitalul lemnos din puţinele păduri naţionale şi capitalul de arbori de ori unde. Presa englezească arată că tăerile din acest timp sunt fără precedent în istoria Angliei.

Lucrul acesta s'a mai petrecut şi în războiul trecut, poate, însă, nu în aceiaş măsură ca acuma. Atuncea a fost tăiată până şi celebra pădure istorică dela Windsor. Imediat după războiu, au fost luate măsuri serioase de împădurire. Spre acest sfârşit, s'a creiat aşa denumita „Forestry Comission", ca instituţie independentă de orice minister, având să dea seama de lucrarea sa numai Parlamentului. Roadele acesteia sunt remarcabile, însă în 20 de ani nu se poate face pădure bună de tăiat.

Anglia este o pildă de ce însemnează lipsa de prevedere în materie de pădure.

(In parte, după Z. f. Wfw., VII, 738/9).

*Ilie C. Demetrescu*

## CRONICA CINEGETICĂ

● **Terenul didactic de vânătoare dela Brăneşti.**

Este lucru ştiut că în general studiile teoretice numai atunci dau roade mari, când sunt dublate de lucrări practice pe teren. Adevărul este valabil şi pentru vânătoare, şi am putea spune — mai ales pentru vânătoare.

Strădaniile conducătorilor noştri de a dota şcoalele noastre forestiere de toate gradele cu terenurile necesare pentru practica vânătorească, n'au găsit ecoul dorit la conducătorii „vânătoarei" de până mai ieri cari, cu ţeluri opuse celor ale forestierilor, aveau drept politică o îndepărtare a corpului silvic din rosturile vânătoreşti. Aşa se explică faptul că nu s'a isbutit a se dota învăţământul silvic decât cu o suprafaţă de 300 ha dintr'o pădure din cuprinsul ocolului Brăneşti, suprafaţă absolut insuficientă chiar pentru o singură şcoală.

Incă de pe când conducerea vânătoarei, care ne duşmănea, îşi trăia ultimele clipe, actualul conducător al vânătoarei, pe atunci doar inspector general al vânătoarei, a luat iniţiativa creierii unui teren de practică vânătorească pentru Facultatea de silvicultură dela Bucureşti şi pentru Şcoalele de brigadieri silvici şi de pădurari dela Brăneşti. Cu toate piedicile ce i s'au pus în cale, a isbutit până la urmă ca printr'o decizie ministerială, dată la 12 August 1939 şi publicată în Monit. Of. 190 din 19 Aug. 1939, să se aprobe constituirea „Eforiei terenului didactic de vânătoare dela Brăneşti", teren destinat pentru lucrările de aplicare la cursurile de vânătoare ce se predau la: Facultatea de silvicultură de pe lângă Politechnica din Bucureşti şi la Şcoalele de brigadieri silvici şi de pădurari dela Brăneşti.

După d-l ing. Aur. Comşia actualul conducător al „vânătoarei", momentele principale care joacă un rol decisiv la înfiinţarea şi utilizarea cu succes a unui teren didactic de vânătoare sunt următoarele:

a) Distanţa dintre şcoală şi terenul de vânătoare să fie cât mai mică, pentru ca frecventarea terenului să fie mare. Se ştie că frecvenţa este invers proporţională cu distanţa.

b) Intinderea terenului să corespundă cu minimul cerinţelor unei unităţi gospodăreşti. Acest minim trebuie să coincidă cu raza anuală de acţiune a speciilor ce populează acel teren.

c) Complexul climatic-edafic să corespundă — sub raportul legii minimului — exigenţelor vitale ale vânatului pe care dorim să-l cultivăm.

d) Pădurea cuprinsă în terenul didactic de vânătoare să posede calităţi pentru a servi în acelaşi timp drept obiect didactic şi din punct de vedere forestier. Acest dublu scop măreşte foloasele, reducând în acelaşi timp cheltuelile.

e) Atractivitatea locului, datorită fie mediului natural, fie instalaţiilor creiate, este de asemenea un factor de o deosebită importanţă.

Intruneşte Brăneştiul condiţiunile mai sus expuse? D-l Comşia răspunde afirmativ. Astfel:

Din punctul de vedere al distanţei, dintre toate terenurile de vânătoare din jurul Capitalei din cele înzestrate cu pădure, Brăneşti oferă cele mai multe avantagii.

Ca întindere, pădurile dela Brăneşti însumează 2600 ha. Suprafaţa iniţială de 300 ha a terenului şcoală trebuie însă mărită. In acest scop s'a intrat deja în tratative cu Soc. de vânătoare „Lunca" deţinătoarea celei mai mari întinderi arendată în regiune, şi s'a ajuns la înţelegere să cedeze din terenurile ei circa 800—1000 ha din pădurea Cernica.

Din punct de vedere edafic-climatic precum şi al vecinătăţilor, regiunea este aptă pentru iepuri, fazani, potârnichi şi căprioare; aceasta cu toate că situaţia prezintă condiţiuni mediocre. D-l Comşia crede însă că prin anumite ajustări aduse peisajului, productivitatea va putea fi sporită. Prilej bun deci pentru elevi să înveţe cum se poate da o mână de ajutor naturii, cum se poate face ca şi un teren de calitate inferioară să producă mult. D-l Comşia accentuează chiar, că s'ar face o greşeală, dacă s'ar iniţia elevii în terenuri cu condiţiuni optime.

Din punct de vedere forestier, pădurile dela Brăneşti nu sunt lipsite de interes particular ele punând probleme care pot să atragă şi mai mult pe cercetători.

Şi dacă la toate acestea se mai adaugă elementul tradiţional, care pentru silvicultori însemnează mult, înţelegem dece alegerea este bine făcută.

Ideia centrală a terenului de practică vânătorească fiind de a ajunge să faci din silvicultor şi un vânător-conservator cu autoritate de netăgăduit, se cere — zice d-l Comşia — să nu cruţăm nimic de a face ca timpul petrecut de elevi pe terenul de practică vânătorească să constituie o recreaţie aşteptată cu nerăbdare. In felul acesta elevii vor cerceta bucuroşi acel petec de pământ atractiv. De aceea, D-l Comşia arată instalaţiile ce trebuie să se facă, precum şi modul de folosire al terenului. Anume:

Cabane pentru cantonarea elevilor, aşezate în cele mai frumoase poziţii ale pădurii. Ele trebue să fie înzestrate cu strictul necesar pentru locuit şi pregătit mâncarea.

Poligoane de tragere, pentru arme cu glonţ şi cu alice. Muniţia necesară să se dea gratuit.

Infiinţarea unei fazanerii, care să iniţieze elevii în toate fazele producerii fazanului pe cale artificială.

Câini prepelicari de utilizat pentru descoperirea vânatului, a cuiburilor şi inventarierea lor. Câini baseţi pentru vânarea vulpilor la vizuină.

O staţiune ornitologică, în vederea îndrumării elevilor în domeniul ornitologiei economice.

Un parc cu vânat pentru experienţe biologice, pe cel puţin 4 ha

Folosirea terenului s'ar face după un regulament, care se cere întocmit şi aplicat cu stricteţă, cu atât mai mult cu cât terenul va fi folosit de trei şcoli de categorii bine distincte.

La mijloacele de aducere la îndeplinire a programului, se precizează că lucrările trebuesc făcute pe cât posibil cu elevii de toate categoriile.

Paza vânatului, organizată milităreşte, să se facă de elevii brigadieri şi pădurari. Aceasta pe lângă faptul că-i introduce într'una din laturile meseriei lor, dar reduce şi cheltuelile de administraţie.

In privinţa exploatării vânatului, se pune principiul: terenul fiind al elevilor, se cade să li se acorde dreptul asupra majorităţii vânatului împuşcat. Astfel, zelul depus de ei în lucrările de amenajare va fi şi mai mare.

Conducerea terenului s'a dat, aşa cum am arătat la început, unei Eforii, care se compune din: decanul şi profesorul de vânătoare dela Facultatea de Silvicultură, directorul Casei Pădurilor, delegatul Direcţiei Vânătoarei, directorul Regimului silvic, directorul Institutului Naţional Zootechnic, directorul Institutului de Cercetări silvice, preşedintele Soc. Progresul Silvic, directorul Şcoalei de brigadieri silvici dela Brăneşti şi profesorul de vânătoare dela această şcoală.

Eforia poate desemna din sânul ei un Comitet de direcţie, care s'ar compune din delegatul Direcţiei vânătoarei, directorul Şcoalelor silvice dela Brăneşti şi secretarul Eforiei care este profesorul de vânătoare dela Facultatea de silvicultură.

Executarea lucrărilor se face, în cadrul unui regulament ce se va întocmi, sub supravegherea directorului şi a profesorului de vânătoare dela Brăneşti; primul ca gestionar, iar cel de al doilea ca technician.

Un regulament va stabili apoi folosirea terenului de vânătoare.

Am expus esenţialul privind această primă realizare. Aşteptăm să se pornească la lucru. Mai aşteptăm deasemenea, din partea iniţiatorului care deţine azi frânele „vânătoarei" în ţara noastră, să doteze — aşa cum ştim că-i este gândul — şi celelalte şcoli silvice din ţară. Casa Verde, Târgovişte-Gurghiu şi Căiuţi) cu terenurile de vânătoare de care simt aceiaşi nevoie.

● **Arenzile terenurilor comune.**

In Aprilie a. c. Camerile de agricultură au căpătat o nouă factură [1]). Intre principiile puse la baza nouei legi se află şi acela al asigurării mijloacelor, cu care să poată activa. Fără acestea, instituţia ar fi rămas un organism pur decorativ.

Printre mijloacele puse la dispoziţie se găsesc şi veniturile ce provin din arendarea dreptului de vânătoare de pe terenurile comune [2]).

Ce se înţelege prin terenuri comune? O lămureşte Direcţia vânătoarei prin circulara interpretativă trimisă organelor interesate.

1) Legea publicată în Monit. Of. Nr. 98 din 25 Aprilie 1940.
2) Art. 19 al. d. din legea Camerilor de Agricultură.

Zice-se, confom dispoziţiunilor legii pentru protecţia şi reglementarea vânătoarei, cum şi a legii modificatoare [1]) din 1938, terenurile (arabile, păduri, păşuni, bălţi, etc.) de vânătoare din hotarul administrativ al unei comune se împart în cinci categorii:

a) Terenurile comune. Acelea care aparţin: locuitorilor, comunelor, composesoratelor şi obştiilor, cu o suprafaţă mai mică de 100 ha la şes şi deal şi 1000 ha la munte.

b) Terenurile proprietatea comunei politice mai mari de 100 ha la şes şi deal şi 1000 ha la munte. La fel, trebuie să formeze un bloc.

c) Terenurile proprietatea composesoratelor şi obştiilor de moşneni mai mari de 100 ha la şes şi deal, şi 1000 ha la munte.

d) Proprietăţile particularilor, mai mari de 100 ha la şes şi deal şi 1000 ha la munte.

e) Proprietăţile statului, indiferent de suprafaţă.

Faţă cu această clasificare, rezultă că se acordă Camerilor de Agricultură numai veniturile provenite din arendarea vânătoarei dela prima categorie: toate terenurile (minus cele ale statului) mai mici de 100 ha la şes şi deal şi 1000 ha la munte.

Dar şi în acest caz 10% din cuantum se varsă ca venit la Stat. Apoi, din restul de 90% ce se încasează de către Cameră, 15% se consemnează de către aceasta pe seama Direcţiei vânătoarei (Fondul de Vânătoare).

Intru cât veniturile din terenurile comune (prima categorie) au o destinaţie deosebită decât a celorlalte categorii, arendarea lor trebuie să se facă deosebit de celelalte, adică să formeze obiectul unui contract separat. Dealtfel, se ştie că arendarea acestor terenuri, care se făcea de către comune, din 1938 când s'a modificat legea vânătoarei, se face azi de către Direcţia Vânătoarei.

Schimbarea aceasta de destinaţie a veniturilor provenite din arendarea terenurilor clasificate drept comune, dacă convine Camerilor de Agricultură, lezează în schimb pe proprietarii terenurilor. Comentarii în acest sens au şi început să se facă, procedeul fiind socotit ilegal şi nelogic [2]). Căci se spune: dreptul de vânătoare fiind un accesoriu al dreptului de proprietate, nu poate fi confiscat, ci cel mult limtiat. Ori, măsura de a se lua veniturile acestor terenuri este socotită o confiscare.

● **Ziarele şi vânătoarea.**

Mai toate ziarele noastre, în diferite rânduri, au încercat să deschidă colţuri permanente în care să se desbată problemele ce privesc vânatul şi vânătoarea românească. Aceasta în afară de sporadicele articole ce se ofereau spre publicare de persoane ce aveau la inimă problemele, ţinând să le împărtăşească marelui public. Cred însă că nu

1) Monit. Of. 191 din 19 August 1938.

2) P. A. Boţian: Plata arendaşilor şi fondul despăgubirilor. Carpaţii 9—10, 1940.

greşesc când afirm că tentativele nu au reuşit: cronicele vânătoreşti au încetat rând pe rând să mai apară.

Reapărând odată cu victoria legionară, ca organ oficios al mişcării, ziarul „Cuvântul" pune un colţ din paginile sale la dispoziţia unei cronici săptămânale vânătoreşti. „Rubrica" îşi propune „să răspândească, printre vânătorii români, sfaturi şi cunoştinţe folositoare, şi mai ales să schimbe în vânători pe cei care nu sunt decât puşcaşi".

Intre diferitele informaţiuni vânătoreşti, remarcăm propunerea ce se face vânătorimei de a sprijini bătălia „ajutorul legionar", oferindu-i blănile de epuri ce se vor împuşca în acest sezon. Se ştie că în general blănurile de epuri se aruncă sau, chiar dacă nu se aruncă, se irosesc prin magaziile celor ce le au. Luate deci individual ar fi ceva de neglijat, aşa cum de fapt se neglijează. Colectate însă, ele reprezintă, prin numărul lor, o avere. Autorul cronicei (d-l C. Şerbănescu) arată că dela 1 Ianuarie — 1 Iulie 1940 s'au exportat 582127 piei de iepuri încasându-se 18.500.000 lei. Numărul iepurilor ce se împuşcă este însă mult mai mare: se apreciază pentru sezonul 1940/41 circa 1 milion; deci o avere de 30.000.000 lei.

Propunerea este bună. Ne-am bucura dacă şi-ar vedea realizarea în cel mai scurt timp.

*T. H. Crivăţ*

---

Prof. G. NEDICI:

**Istoria vânătoarei şi a dreptului de vânătoare**

1940, Bucureşti, Tip. Universul, Lei 320

753 pagini format 16/24.

# RECENZII

## CĂRȚI

*Iosef Kösler*-Berlin, Prof. Dr. Dr.: Die Holzversorgung der Erde als Rohstoffproblem der Weltwirtschaft. (Indestularea cu lemn a lumii ca problemă de materii prime a economiei mondiale). Articol în Weltwirtschaftliches Archiv, 52. Bd. (1940), pag. 115-163. Jena: Fischer.

Autorul acestui studiu, o personalitate de mare vază în știința și economia forestieră germană, este cunoscut cetitorilor Revistei noastre. Câteva din publicațiunile sale au fost semnalate și aicea, la timpul lor [1]). In studiul de față, sunt tratate următoarele fețe ale chestiunii: I Orientare asupra stării economiei forestiere. II. Producțiunea lemnoasă a principalelor țări. III. Ținuturile de prelucrare a lemnului în industria mare: 1. Industria cherestelei; 2. Industria pastei de lemn, a celulozei și hârtiei; 3. Alte prelucrări ale lemnului de rășinoase.. IV. Comerțul internațional al lemnului: 1. Țări importatoare; 2. Țări exportatoare; 3. Țări cu import și export schimbător de lemn; 4. Țări autarchice. V. Tendințe de desvoltare.

Spre deosebire de ceea ce era mai 'nainte, a căpătat economia forestieră, în anii de după războiul cel mare, o mare considerare în cercurile economice și politice, ca și științifice din feluritele țări ale lumii. Lucrul se înfățișează în neobișnuitele măsuri politice și încercări de organizare, de apărare și sprijinire a producțiunii lemnoase de pretutindenea. Explicația faptului stă în marele loc pe care îl deține pădurea pe suprafața pământului și în deosebita însemnătate pe care o are lemnul ca bun și materie primă pentru atâtea folosințe.

Autorul își propune să lămurească întrebarea: „Cum stăm cu producțiunea materiei prime lemn față de îndestularea economiei mondiale". In câteva pagini, caracterizează autorul stările din economia forestieră a lumei, prin statornicirea următoarelor tipuri de folosință a pădurii în feluritele ținuturi: a) vânătoare (limita nordică a Canadei, Siberiei), b) recoltare de produse naturale (cauciuc în Brazilia); c) pășunat (de fructe, jir și ghindă și de iarbă); d) defrișare (Statele Unite, România); e) exploatare (Statele Unite, Canada, România); f) economie forestieră (Europa de mijloc și

---

1) Amintim astfel:
a) Forstpolitische Tagesfragen in Finnland. R. P., 1932, pag. 243;
b) Die europäischen Holzwirtschaftsräume. R. P., 1933, pag. 261;
c) Probleme der Holzwirtschaftspolitik in Rumänien. R. P., 1933, pag. 262;
d) Geschichte des Waldes in Altbayern. R. P., 1934, pag. 842;
e) Der zwischenstaatliche Holzverkehr in Europa. 1925—1932. R. P., 1934, pag. 401.

occidentală); g) împădurire (Franţa, Italia, China). Astăzi, cea mai mare însemnătate pentru economia mondială o au ţările producătoare de lemnărie de lucru de răşinoase şi anume: Uniunea sovietică, Canada, Statele Unite, Finlanda, Suedia, Norvegia, Germania, România şi Japonia. Infăţişarea consumului de lemnărie şi sensul aşa zisei economii internaţionale a lemnului este hotărîtor înrâurită de localizarea marei industrii bazată pe materia primă lemn. Din întreaga cantitate de lemn de răşinoase de lucru care este produsă, în împrejurările din ultimul timp, cea mai mare parte este semifabricată sub formă de cherestea (300 milioane m³ din 500 milioane); industria pastei de lemn şi a celulozei şi apoi a hârtiei consumă cam 80 milioane m³. Restul, de cam 120 milioane m³, este consumat în felurite forme: lemn de construcţie, pari de mină, stâlpi de telegraf, telefon, traverse de cale ferată, furnir, etc. Din cantitatea de 500 milione lemn de răşinoase de lucru, cam 100—150 m³ fac obiectul schimbului internaţional. In această privinţă, autorul deosebeşte şi le examinează, pe scurt, următoarele grupe de ţări principale: ţări importatoare (Anglia); exportatoare (Finlanda); schimbător importatoare şi exportatoare (Statele Unite), autarhice (Brazilia). Anumite caractere ale producţiunii lemnoase au ridicat din timpuri îndepărtate, grija chinuitoare a îndestulării lumii cu lemn. Lipsurile datelor statistice asupra consumului de lemnărie, creşterii şi exploatării pădurilor ne împiedică de a ne face o ideie precisă asupra situaţiei economiei mondiale a lemnului. Un îndreptar al situaţiei poate fi găsit într'o cultură mai raţională, croită pe continuitatea producţiunii cât mai generalizată. Lucrul are însemnătate nu numai din punctul de vedere al producţiunii lemnoase, ci şi pentru bunele înrâuriri ale pădurii asupra mediului înconjurător.

Ca toate celelalte lucrări ale autorului, şi cea de faţă se deosebeşte printr'un stil şi o expunere lămurită, pregnantă, ferită de accesoriile atât de împovărătoare şi supărătoare pentru uşoara înţelegere din multe lucrări asemănătoare. D-sa face proba, şi de astădată, a unei puţin obişnuite puteri de deosebire a principalului de secundar şi a unei deosebite orientări în câmpul economiei forestiere din lume.

Deşi războiul actual va schimba — de bună seamă, în amănunt — unele cifre şi raporturi dintre ţări şi în materie de lemn, lucrarea îşi păstrează însemnătatea şi merită a fi folosită, cu toată atenţiunea şi încrederea şi de cetitorul român.

*Ilie C. Demetrescu*

FORSTWISSENSCHAFTLICHES CENTRALBLATT.

Caietul 9, 1 Septembrie 1940.

*L. Fabricius:*

*Gewinnung der Fichtengerbrinde von Stämmen die im Winter gefälet sind.*

Procurarea coajei de tăbăcit de molift dela arbori iarna.

Pentru a se produce cât mai multă coaje pentru tăbăcit, de care se simte lipsă în Germania, se caută a se folosi şi coaja dela arborii doborîţi iarna. Cercetările autorului arată, că dacă trunchiurile stau la umbră se pot uşor coji începând dela mijlocul lunei Aprilie, când se dela mijlocul lunei Aprilie, când seva aflată în arbore începe să circule. Dacă trunchiurile stau la roşu acest timp este mult scurtat.

*Puster:*

*Pflanzenseele und Wurzelstock im Dienste der Forstwirtschaft.*

Sufletul plantei şi tulpina (cioata) în serviciul economiei forestiere.

Autorul şi-a pus întrebarea:

Cum se face că după o răritură într'un arboret, volumul arborilor rămaşi, chiar din primul sau al doilea an ce urmează după răritură devine egal sau câte odată superior celui dinainte?

După ce analizează teoriile emise de Th. Hartig şi Nördlinger care caută să explice acest fenomen prin consumarea rezervelor minerale aflate în arborii rămaşi, sau prin o sporită activitate a aparatului foliaceu, autorul ne arată că joacă un mare rol sufletul arborilor şi tulpinile. Perii rădăcinilor dela tulpinile arborilor tăiaţi produc substanţe minerale noi care sunt puse la dispoziţia arborilor rămaşi. Numai prin sporirea cantităţii de hrană se explică sporirea masei lemnoase. A lăsa totul pe seama luminei cum făcea Nördlinger, nu este suficient.

*Caietul 10, 1 Octombrie 1940.*

*Antonin Němec:*

*Über Ernährungstörungen eines absterbenden Tannenbestandes.*

Asupra deranjării în hrănirea unui arboret de brad pe cale de a se usca.

(Articolul continuă).

*Dr. Jegel:*

*Altfrankens Imkerei in ihrem kulturgeschichtlichem Zusammenhang.*

Albinăritul în Franconia şi importanţa sa istorico-culturală.

Bazat pe documente, autorul ne arată rolul mare pe care l'a jucat înainte vreme, mierea, în Franconia.

*Ant. V. Răd.*

HOLZ ALS ROH-UND WERKSTOFF.

*Anul 3 (1940), Caetul 9 (Sept.).*

*G. Jayme* und *P. Schorning:*
*Gewinnung von pentosanarmen Zellstoffen und Furfurol aus Rotbuchenholz.*
Obţinerea celulozelor sărace în pentosan şi a furfurolului din lemnul de fag.

Industria mătăsii şi a lânii vegetale cere o celuloză săracă în pentosan.

Se descrie un procedeu de fabricare a unui asemenea produs. El constă în hidrolizarea lemnului cu acid sulfuric 20%, timp de 2 ore, la 70—80° C. Din hidrolizat se scoate, prin distilare cu vapori de apă, furfurolul şi anume cca. 210 kg. la tona de celuloză. Din rezidiu, prin procedeul cu sulfat, se obţine o celuloză bogată în α-celuloză, compus deosebit de bun pentru fabricarea mătăsii şi lânii vegetale.

*Kurt Schmidt:*
*Ortsfeste Holzvergaser.*
Generatoare stabile de gaz din lemn.

Descrierea câtorva generatoare stabile de gaz din lemn. Calcule de randament. Instalaţii anexe.

*E. Belani:*
*Holzmehl.*
Făină de lemn.

Faina din lemn, obţinută prin măcinarea rumeguşului sau a oricăror alte deşeuri din fabricile de prelucrarea lemnului, este întrebuinţată la fabricarea multor materiale de construcţie, a cărbunelui activ, etc.

Articolul cuprinde o descriere a procedeelor de fabricare a făinii de lemn şi a modalităţilor sale de întrebuinţare.

*E. Leonhard:*
*Die Holzschwelle als Bauteil des isolierten Gleisabschnitts.*
Traversele de lemn ca parte constructivă a porţiunilor izolate de cale ferată.

Pentru construirea semnalizatoarelor electrice acţionate chiar de vehicul în trecere pe cale, este nevoe să se cunoască rezistenţa omică a traverselor de lemn. Această rezistenţă depinde de specia lemnoasă, creşterea lemnului, substanţele cu care s'au impregnat traversele şi umiditatea lor.

Se dau rezultatele încercărilor făcute pentru stabilirea influenţei acestor factori.

*Mici comunicări:*

— Un program gigantic pentru construcţii de locuinţe.
— Producţia mondială de mătase şi lână vegetală în 1939.
— Exportul de mangal din Franţa.
— Norme noi (DIN 1055, 4074 şi 1052).
— Noua desvoltare a generatoarelor de gaz din lemn.
— Hârtie din lemn de castan.
— Combustibil din resturile lichide dela fabricarea celulozei sulfit.
— Materiale pentru impregnarea lemnului contra focului.
— Şcoală pentru lucrătorii din industria cherestelei.
— Incercarea vopselurilor pentru lemn la formarea beşicilor.
— Filtre din lână vegetală.

*Revista patentelor* (anunţate şi aprobate).

*Referate asupra literaturii.* Sunt cuprinse 41 referate asupra literaturii noi apărută în domeniul tehnologiei lemnului.

*Recenzii:*

— H. Schwiertz: Holz. Sämtliche Anordnungen der zuständigen Dienststellen über die Forst-und Holzwirtschaft.

— E. Heindenreich: Der Hausbockkäfer.

— Verl. Dtsch. Holzanzeiger: Homa.

— H. Staudinger: Organische Kolloidchemie.

— J. D'Ans: Chemisch-technische Untersuchungsmethoden.

— H. List: Untersuchungen von Fahrzeuggeneratoren bei Weich-und Hartholzbetrieb.

— E. Homberg: Fräs-und Hobelwerkzeuge in der Holzbearbeitung.

— J. Hartmann: Das Einlegen von Holz und anderen Materialien.

— F. Fonrobert: Grundzüge des Holzbaues im Hochbau.

*

*Anul 3 (1940), Caetul 10 (Oct.).*

*H. Voigt, O. Krischer* und *H. Schauss:*

*Die Feuchtigkeitsbewegung bei der Verdunstungstrocknung von Holz.*

Mişcarea umezelii la uscarea lemnului prin evaporare.

Asupra modului cum se face circulaţia umezelii în timpul uscării lemnului şi asupra legilor acestei mişcări domneşte încă neclaritatea.

Lucrarea cuprinde foarte interesante rezultate din încercările făcute pentru a se vedea care este legătura între umiditatea lemnului, circulaţia apei prin capilaritate şi difuziunea vaporilor în porii lemnului

*Hermann Gewecke:*

*Aufnahme an Tränklösung und Sicherheitsgrad der Tränkung beim Saftverdrängungsverfahren mit neuzeitlichen Salzgemischen.*

Absorpţia de soluţie şi gradul de siguranţă al impregnării la procedeul de impregnare Boucherie cu amestecuri noi de săruri.

Se arată un procedeu simplu care permite să se vadă la un număr mare de probe care este cantitatea de soluţie cu care s'a impregnat

Deasemenea sunt comunicate rezultatele încercărilor cu diferite amestecuri noi de săruri în special de crom şi arsen. Prin procedeul Boucherie se poate absorbi o cantitate de substanţă de 12—15 ori mai mare decât substanţa minimă necesară apărării contra putrezirii

*H. Bruckmann:*

*Die Technik des mechanischen Stapelns von Holz in nordamerikanischen Sägewerken und Holzbearbeitungsbetrieben.*

Tehnica stivuirii automate a lemnului în fabricele de cherestea şi de prelucrat lemnul din America de Nord.

Sunt descrise diversele instalaţiuni mecanice pentru transportul şi stivuirea lemnului rotund şi a cherestelei în depozitele fabricelor din America.

Se arată economia sistemelor acestora de transport şi se compară cu acelea din Germania.

*Mici comunicări:*

— Produsele din industria distilării lemnului în Spania.

— Norme noi.

— Drojdii hrănitoare obţinute din

rezidurile dela fabricarea celulozei sulfit în Finlanda.

— Fabrică de sulfit de etil în Suedia.

— O fabrică nouă de plăci de fibră în Norvegia.

— Reîntrebuinţarea uleiului de lagăre după filtrarea lui într'un filtru de rumeguş de lemn.

— Vopseluri pentru cercevelele de lemn impregnate.

— Izolarea părţilor de lemn către zid prin coaje de mesteacăn.

— Al 9-lea congres al lemnului ţinut de Secţia lemnului de pe lângă VDI şi DFV la 29—30 Nov. 1940.

*Revista patentelor* anunţate şi aprobate.

*Referate asupra literaturii.* Sunt cuprinse 68 referate asupra literaturii noi apărută în domeniul tehnologiei lemnului.

*Recenzii:*

H. Krenkel: H. Offingers technologisches Taschenwörterbuch in 5 Sprachen.

W. Wegelt: Holzwirtschaftliche Monatsblätter.

K. Windeck-Schulze: Faserstoffe.

G. Marten: Über die Kraftübertragung in Nagelverbindungen.

VDI şi DFV: Holzersparnis im Holzbau. Vorträge der Holztagung 1939.

A. Steffenhagen: Technische und wirtschaftliche Untersuchungen über die Baggerschwellen im deutschen Braunkohlentagebau.

O tabelă cu însuşirile şi întrebuinţările lemnului de brad.

*N. Ghelmeziu*

JOURNAL FORESTIER SUISSE.

*Nr. 10/1940.*

*Rob.-Ch. Gut.:*

*Chevrons d'assainissement et de reboisement.*

Căpriori de asanare şi de reîmpădurire.

In munţii Jura sunt multe regiuni apătoase. Pentru a se putea instala pădurea în astfel de terenuri, autorul preconizează executarea unor şanţuri în formă de V cu vârful în sus. Pământul se aruncă înăuntrul unghiului ce-l face şanţul.

Densitatea acestor lucrări poate varia; autorul crede că o asemenea lucrare ste suficientă pentru un ar. Asemenea lucrări nu cer drenaje în prealabil. Oferă condiţii favorabile pentru instalarea pădurii pe buchete.

*P. E. Farron:*

*La fin de deux beaux arbres.*

Sfârşitul a doi frumoşi arbori.

Primul în regiunea păşunilor împădurite de pe teritoriul comunei Saignelégier din Cantonul Berna. Un molid în formă de candelabru, trunchiul având diametrul de 2 m. în partea de jos. Se socoteşte a data de pe vremea lui Ludovic XIV-a. Fiind deperisant şi prezentând pericol pentru vitele ce veneau să se adăpostească sub el, a fost tăiat. A predus 40 m$^3$ (sau 57 steri). Din vânzarea lemnului, comuna a realizat 240 franci elveţieni.

Al doilea exemplar este un brad pe teritoriul aceleaşi comune, situat la locul numit Combe du Locle. Un uragan l-a frânt. Avea 1,60 m diam. la înălţimea pieptului şi înălţimea totală de 40 m. Vârsta de 230 ani. Debitat în bile de lemn de lucru a dat 20,480 m$^3$ şi 8½ steri lemn de foc, deci în total 20,480 m$^3$. Din vânzarea lemnului comuna a realizat 607 franci, adică 30,50 fr. pe m$^3$.

*At. Har.*

ZEITSCHRIFT FÜR WELTFORST-WIRTSCHAFT.

*Band VII, Heft 8 (Mai 1940).*

*Adalbert Ebner*, Dozent, Dr.: *Grundlagen der Holzbeförderung.* Temeiurile transportului lemnului.

Date fiind două atribute ale produsului lemn: volum şi greutate relativ mari faţă de un preţ relativ mic, problema transportului lemnului este fundamentală pentru existenţa şi gradul de intensitate a gospodăriei silvice. Autorul studiului de faţă este cunoscut în cercurile de specialitate, între altele, printr'un foarte cuprinzător studiu descriptiv asupra condiţiunilor de recoltare şi transport al lemnului în America: „Holzgewinnung in Amerika in kritischer Darstellung und Würdigung und Formung der neuzeitlichen Fragestellung" (a se vedea R. Păd. 1935, pag. 816). De astădată, autorul pune problema dintr'un punct de vedere general-valabil şi în legătură cu întreaga activitate de producţiune forestieră. Studiul este deosebit de interesant şi pentru silvicultorul român, doritor de o largă perspectivă în specialitate; ba, poate, mai important decât pentru silvicultorul din ţinuturile Occidentale La noi, problema transportului este şi mai determinantă în condiţionarea gospodăriilor forestiere şi, în general, a economiei forestiere, dată fiind starea înapoiată a căilor de transport generale. Pentru a lămuri cetitorul asupra conţinutului studiului, reproducem titlul capitolelor: A. Formularea problemei; B. Indeplinirea condiţiunilor silviculturale; C. Transportul lemnului şi rentabilitatea; D. Adaptarea la împrejurări; E. Problema tehnică; Probleme deosebite ale transportului lemnului; G. Transportul lemnului ca parte a Exploatării pădurii.

*Internationaler Forst-und Holzwirtschaftsbericht.* Cronica forestieră.

Felurite împărtăşiri asupra multor fapte şi stări din câmpul forestier al diferitelor ţări şi ţinuturi din lume.

*Ilie C. Dem.*

# INFORMAŢIUNI

— Prin Decretul-Lege Nr. 3714, publicat în Mon. Of. Nr. 261 din 7.XI.1940, „Institutul de Ştiinţe din România" îşi reia denumirea veche de „Academia de Ştiinţe din România".

— Prin Decretul Nr. 3524 apărut în Mon. Of. 246 din 21.X.1940, d-l Ing. silvic Gr. Florescu a fost numit efor al Fondului Bisericesc Ortodox din Bucovina, ca reprezentant al Ministerului de agricultură şi domenii.

— D-l Ing. Aurel Constantinescu-Fălciu a fost delegat cu conducerea Direcţiei administrative din Centrala CAPS., în locul d-lui Ing. Th. Păiş, care după cerere a fost repartizat la Serviciul de Control General. (Mon. Of. Nr. 265/940).

— Următorii ingineri silvici foşti în serviciul Direcţiei silvice dela Bistriţa-Năsăud au fost repartizaţi după cum urmează (Mon. Of. Nr. 239/1940):

1. Tipa C., insp. g-l la Inspectoratul silvic Suceava.

2. Şuteu Vasile, subinsp.,; la Direcţia silvică din Minister.

3. Ciuta Gavrilă, ing. şef., la Inspectoratul silvic Suceava.

4. Prapescu Gh., ing. şef, ca şef al Ocolului silvic Arpaş (Făgăraş).

— In Mon. Of. Nr. 239/1940 s'au mai publicat următoarele transferări în personalul silvic superior:

1. I. Stângă ing. şef silvic dela Ocolul Tg. Ocna ca profesor la Şcoala de brigadieri silvici de la Brăneşti.

2. W. Kerschnig, ing. silv., ca ajutor la Serv. silv. judeţean Argeş.

3. Marcu D. Corneliu, ing. silvic, dela Serv. silv. judeţean Constanţa pe lângă Cabinetul Secretariatului general din Minister.

4. George P. Antonescu, ing. insp. g-l silvic dela Direcţia silvică Cluj ca inspector de control general pe lângă Inspectoratul de regim silvic Timişoara.

— S'a anulat punerea în disponibilitate a d-lui Mărgineanu Ion ing. subinsp. silvic, fiind repartizat pentru serviciu la Inspectoratul silvic Alba Iulia. (Mon. Of. Nr. 263/940).

— Prin faptul rămânerii sau trecerii în teritoriul cedat, se consideră demisionaţi din serviciu următorii ingineri silvici: Kelleny Armand, Rubţov Ştefan, Faller Iosif, Pukşa Andrei, Hennel Eugen, Schwartz Adalbert, Szontag Iosif, Petö Ion, Nagy Acaţiu, Stoianof Atanase, Makay Zoltan, Nagy Francisc, Fixec Ernest, Dery Carol, Frustok Ştefan, Mies Martin, Goldenco Gheorghe. (Mon. Of. Nr. 250 din 25.X.1940).

— Direcţia regională silvică Cluj a Moţilor va avea ca sediul legal oraşul Alba-Iulia. (Mon. Of. Nr. 250/940).

— D-l Sara Eugen ing. subinsp. silvic, trecut în teritoriul cedat Ungariei a fost destituit din funcţiunea ce ocupa la Dir. ameliorărilor. (Mon. Of. Nr. 263/940).

— Prin decizia ministerială Nr. 61596/940 (Mon. Of. Nr. 244 din 18. X.1940), s'a aprobat scindarea Ocolului silvic Caracal din judeţul Romanaţi în două ocoale şi anume:

a) Ocolul Caracal cu reşedinţa în oraşul Caracal;

b) Ocolul Corabia cu reşedinţa în oraşul Corabia.

— In Mon. Of. Nr. 240 din 14 Octombrie 1940 a apărut Decretul-lege pentru modificarea şi completarea unor dispoziţiuni din Decretul-lege Nr. 2136/940 (Mon. Of. Nr. 148 din 29 Iunie 1940), privind organizarea Fondului Bisericesc ortodox român din Bucovina.

— D-l Manole Stroici a fost numit Comisar al guvernului pentru colaborarea cu Direcţia vânătoarei, în vederea organizării şi desvoltării economiei vânatului în cadrul Statului naţional legionar (Mon. Of. Nr. 270 din 16.XI.940).

— La Fondul Bisericesc Ortodox din Bucovina sunt vacante cinci locuri de ingineri silvici sau de ingineri silvici stagiari.

— La Direcţia vânătoarei şi pisciculturei în apele de munte din Ministerul de agricultură şi domenii sunt vacante trei locuri de ingineri silvici pentru încadrarea Serviciilor cu caracter tehnic şi la control.

— D-l Ing. Ilie Florescu a fost numit administrator al Fondului Religionar Ortodox din Bucovina.

— 1. Prin deciz. ministerială Nr. 22043/1940, s'a interzis cu desăvârşire pentru anul acesta vânarea ciutelor.

In consecinţă, se anulează toate autorizaţiile acordate în toată ţara pe anul curent.

Fac excepţie parcurile şi terenurile închise în aşa mod încât vânatul să nu poată intra sau eşi, terenurile proprietatea Fondului Bisericesc Bucovina şi Domeniile Reşiţa, unde vânătoarea ciutelor se poate face conform autorizaţiilor eliberate sau în curs de eliberare.

2. Prin decizia ministerială Nr. 21837 din 23 Oct. 1940 se revine, în parte, asupra deciziei ministeriale Nr. 1946/1939, lăsându-se liberă vânătoarea iepurilor pe teritoriul comunei Plopşorul jud. Vlaşca.

Din Iakuţk (U. R. S. S.) se anunţă că, în urma scăderii brusce a temperaturii din regiunea Verhoyansk, turme uriaşe de zeci de mii de reni sălbateci se deplasează spre sud. Renii sunt urmaţi de haite nenumărate de lupi, în urma cărora vin alte animale mai mici. Acestea din urmă mănâncă resturile renilor din cari s'au ospătat lupii.

O deplasare atât de mare de reni sălbateci se observă pentru prima oară. (Rador). „Universul", 6.X.940.

— Direcţiunea Vânătoarei şi pescuitului în apele de munte comunică următoarele:

Prin arbitrajul dela Viena, vânătorimea română a fost deposedată de un mare număr important de te-

renuri de vânătoare, cari s'au cedat Ungariei.

Direcţiunea Vânătoarei a formulat prin „Comisia Economică" care tratează despăgubirile aferente acestei cedări de teritoriu, ca d-nii proprietari sau arendaşi de terenuri de vânătoare, cari nu locuesc în porţiunea cedată, să fie despăgubiţi pentru investiţiile făcute şi arenzile achitate pentru anul în curs, sau cu anticipaţie.

Se aduce la cunoştinţa d-lor vânători în cauză, că sunt rugaţi a înainta de urgenţă acestei Direcţiuni, str. Polonă 8, borderouri în dublu exemplar, însoţite după posibilităţi cu actele doveditoare, în care să arate detaliat valoarea imobilelor construite pe terenuri, a mobilierului, a investiţiilor făcute cu amenajarea terenului, arenzile achitate pe anul în curs sau cu anticipaţie pentru cei următori, durata contractului de arendare cu data expirării şi valoarea arenzii anuale.

Toate aceste date trebuesc trimise urgent, spre a le putea centraliza şi adresa celor în drept pentru a putea susţine despăgubirile cuvenite

— Prin dec. min. 25.150 din 13.9 a. c. (Mon Of. 219 din 20.9 a. c.), Ocoalele silvice regale de vânătoare Casa Verde (Timişoara) şi Chişinău-Criş (jud. Arad) trec din nou cu întreg personalul şi gestiunea lor, în administrarea Casei Pădurilor Statului.

---

**EDITURA SOCIETĂŢII „PROGRESUL SILVIC".**

Dr. GR. ELIESCU:

**Protecţia pădurilor**
Bucureşti, Tip. „Bucovina"; 275 pagini.

Preţul 270 lei. Membrii Societăţii au reducere adresându-se la Societate.

# L E G I

## DECRET-LEGE

**pentru completarea decretului-lege din 5 Octomvrie 1940, privitor la trecerea proprietăţilor rurale evreeşti, în patrimoniul Statului.**

*Art. I.* Trec în patrimoniul Statului, următoarele bunuri aparţinând evreilor, persoane fizice sau societăţilor evreeşti:

*a)* pădurile împreună cu toate construcţiunile, instalaţiunile, uneltele, liniile de căi ferate, mijloacele de transport aflate pe terenul acestor păduri;

b) morile de orice fel şi ori unde ar fi situate, pivele şi teascurile ţărăneşti de ulei şi pivele ţărăneşti de postav, situate în comunele rurale şi suburbane, împreună cu terenul din jurul lor, construcţiunile, instalaţiunile, uneltele, întregul lor inventar viu şi mort şi toate stocurile de produse şi materii prime;

c) fabricele agricole de spirt, ori unde ar fi situate, împreună cu terenul din jurul lor, construcţiunile, instalaţiunile, uneltele, întregul lor inventar viu şi mort şi toate stocurile de produse şi materii prime;

*d)* industriile forestiere cu tot terenul, construcţiunile, instalaţiunile, maşinile, uneltele, liniile de căi ferate, mijloacele de transport de orice natură, întreg inventarul viu şi mort, necesar normalei lor funcţionări, şi aparţinând evreilor persoane fizice sau societăţi;

*e)* stocurile de cereale, nutreţuri şi recoltele de orice natură ce s'au găsit pe proprietăţile rurale evreeşti, trecute în patrimoniul Statului în virtutea decretului-lege din 5 Octomvrie 1940, pentru trecerea proprietăţilor rurale evreeşti în patrimoniul Statului;

*f)* întreg inventariul viu şi mort, precum şi recoltele de orice natură aparţinând evreilor persoane fizice sau societăţilor evreeşti şi care au servit sau au rezultat din exploatarea imobilelor rurale care au făcut obiectul contractelor declarate nule prin art. 10 al decretului lege din 5 Octomvrie 1940.

*Art. II.* Evreii şi societăţile evreeşti, nu vor putea dobândi şi deţine în viitor, sub niciun titlu, bunurile prevăzute de art. 3 al decretului-lege din 5 Octomvrie 1940, şi de art. 1 din prezentul decret-lege.

*Art. III.* Sunt evrei, în înţelesul legii de faţă, persoanele arătate în art. 2 al decretului-lege din 5 Octomvrie 1940.

Sunt societăţi evreeşti societăţile civile sau comerciale de orice natură, în care majoritatea capitalului aparţine evreilor.

Acţiunile societăţilor care stăpânesc bunuri din acelea prevăzute în art. 3 al Decretului-lege din 5 Octomvrie 1940 şi art. 1 din prezentul decret-lege, se transformă de drept în acţiuni nominative.

Deţinătorii, sub orice titlu, de asemenea acţiuni, sunt obligaţi ca în termen de 30 zile libere dela data intrării în vigoare a acestei legi, să depună acţiunile la sediul societăţii, împreună cu titlurile, justificând deţinerea sau proprietatea lor şi să arate titularul anterior.

Inscrierea titularilor în registrul de acţionari, se va face numai pe baza unor acte de proprietate sau deţinere, având dată certă anterioară aceleia de 5 Octomvrie 1940.

Societăţile în nume colectiv, comandită simplă sau cu răspundere limitată vor fi considerate evreeşti, dacă unul din asociaţi, comanditaţi sau comanditari, este evreu. Drepturile asociaţilor, comanditaţilor sau comanditarilor, care nu sunt evrei, vor fi reglementate sau lichidate de comisiunea centrală prevăzută la art. 8, alin. 2, al decretului-lege din 5 Octomvrie 1940.

Când părţile sociale sau acţiunile aparţin unei societăţi, aceasta va fi socotită evreiască, dacă intră în prevederile dispoziţiunilor de mai sus.

Prin pive şi teascuri ţărăneşti de ulei şi pive ţărăneşti de postav se înţeleg toate micile industrii ţărăneşti care satisfac necesităţile locale, dacă ele au fost definite astfel de legi speciale sau comisiuni, indiferent dacă plata se face în uium, cotă de producţie sau bani.

Prin fabrici agricole de spirt se înţeleg, fabricele prevăzute de art. 241 din legea monopolului vânzării spirtului şi băuturilor spirtoase din 22 Aprilie 1932.

*Art. 4.* — Contractele de exploatare a pădurilor ce trec în patrimoniul Statului, se menţin dacă exploatatorul nu este evreu sau societate evreiască, Statul substituindu-se în drepturile şi obligaţiunile fostului proprietar.

Exploatările în curs din morile de orice fel sau din pădurile şi industriile forestiere ce trec în patrimoniul Statului, prin efectul legii de faţă, făcute de proprietarii sau exploatatorii evrei, persoane fizice sau societăţi, vor putea fi conţinute în baza unei deciziuni date de Ministerul Economiei Naţionale, potrivit situaţiunii sau amenajamentului, în cursul anului comercial şi forestier 1940—1941.

Exploatatorul va fi obligat să întreţină construcţiunile, instalaţiunile, liniile de căi ferate, mijloacele de transport, precum şi inventariul viu şi mort în bună stare. Nerespectarea acestor dispoziţiuni se va pedepsi potrivit art. 5, alin. ultim din decretul-lege pentru reprimarea sabotajului, din 1 Noemvrie 1940.

*Art. 5.* — Contractele cu dată certă anterioară aceleia de 5 Octomvrie 1940, pentru arendarea morilor ţărăneşti, pivelor şi teascurilor de uleiu ţărăneşti, pivelor ţărăneşti de postav şi fabricilor agricole, de spirt, se menţin dacă arendaşul nu este evreu sau societate evreiască, Statul substituindu-se în toate drepturile şi obligaţiunile fostului proprietar.

*Art. 6.* — In afară de datele prevăzute în art. 6, lit. *a* şi *b*, a decretului-lege din 5 Octomvrie 1940, proprietarii sau deţinătorii cu orice titlu, de bunuri intrând în prevederile decretului-lege de faţă, evreii, persoane fizice sau societăţi, vor face descrierea amănunţită a tuturor construcţiunilor, instalaţiunilor, liniilor de căi ferate, inventarului, stocurilor de marfă şi materii prime.

*Art. 7.* — Prin derogare dela art. 9, al decretului-lege din 5 Octomvrie 1940, pădurile şi industriile forestiere intrate în patrimoniul Statului, în virtutea decretului-lege de faţă, vor fi puse la dispoziţia Ministerului Agriculturii şi Domeniilor, care le va administra prin Casa Pădurilor Statului.

*Art. 8.* — Prin proprietăţi rurale, în sensul art. 1 al decretului-lege din 5 Octombrie 1940, se înţeleg şi acelea aparţinând societăţilor civile şi comerciale evreeşti.

Această dispoziţiune are caracter interpretativ.

*Art. 9.* — Imobilele evreeşti prevăzute de art. 3, al decretului-lege din 5 Octomvrie 1940, precum şi acele prevăzute de art. 1 din prezentul decret, situate în teritoriile unde există cărţi funciare, cumpărate de către persoane de origine etnică română, care au drept singură îndeletnicire agricultura şi ale căror drepturi nu au fost intabulate în cartea funciară, nu pot trece în patrimoniul Statului dacă cumpărătorii au posedat acele imobile cel puţin 5 ani înainte de 5 Octomvrie 1940.

In baza constatărilor făcute de comisiunea centrală, aceşti cumpărători vor cere instanţei de carte funciară intabularea drepturilor lor, potrivit regulelor de carte funciară.

*Art. 10.* — Comisiunea centrală prevăzută de art. 8, alin. 2 al decretului-lege din 5 Octomvrie 1940, se compune din:

1. Trei magistraţi;
2. Un agricultor;
3. Un inginer silvic.

Preşedintele comisiunii va fi un magistrat membru al Inaltei Curţi de Casaţie.

Membrii comisiunii prevăzuţi la punctul 1, vor fi numiţi de ministrul justiţiei, iar cei dela punctele 2 şi 3, vor fi numiţi de ministrul agriculturii şi domeniilor.

Comisiunea va putea face cercetări la faţa locului pentru stabilirea situaţiunilor de fapt, prin magistraţi delegaţi în acest scop de ministrul justiţiei.

*Art. 11.* — D-nii miniştri ai economiei naţionale, agriculturii şi domeniilor şi justiţiei, sunt însărcinaţi cu aducerea la îndeplinire a prezentului decret-lege.

Dat în Bucureşti la 12 Noemvrie 1940.

No. 3.810.

Mon. Of. 271 din 17.XI.1940.

## DECRET-LEGE
### pentru modificarea art. 42 din codul silvic

*Articolul unic.* — Dispoziţiunile art. 42 din codul silvic, se modifică cum urmează:

*Art. 42.* — Intrunirile care au de scop modificarea aşezământului, constituirea de drepturi reale, facerea de tranzacţiuni, punerea în exploatare a pădurii stăpânite în devălmăşie, vânzarea ei spre exploatare în total sau în parte, precum şi vânzarea de veci a proprietăţii însăşi sau o parte din ea, nu sunt legal constituite dacă la prima convocare nu sunt prezenţi moşneni sau răzeşi, reprezentând în drepturi peste 2/3 din ele şi în număr cel puţin jumătate din numărul total al moşnenilor sau răzeşilor devălmaşi.

Dacă la prima convocare nu s'ar întruni acest număr, a doua întrunire se va putea ţine fiind prezenţi moşneni reprezentând peste jumătate din drepturile totale ale devălmăşiei şi ca număr 1/3 cel puţin din numărul moşnenilor.

In cazul când nici acest număr de membri nu s'a putut întruni, adunarea următoare se va putea ţine şi va putea lua hotărîri valabile cu orice număr de moşneni sau răzeşi, care însă să reprezinte cel puţin jumătate plus unu din drepturi.

In toate cazurile, hotărîrile nu se pot lua decât cu cel puţin 2/3 din drepturile reprezentate în adunare.

Oricare ar fi numărul întrunirilor convocate în acest scop, pentru fiecare din ele trebuesc făcute anunţurile prevăzute de art. 40, căci dispoziţiunea dela art. 41, ca întrunirea să se poată ţine a doua oară fără convocare şi cu oricare număr nu se aplică pentru deliberările de această natură.

Punerea în exploatare şi valorificare a posibilităţii normale anuale din pădurile Obştiilor de moşneni sau Composesoratelor se va hotărî în condiţiunile prevăzute de art. 41, cu ocazia dispoziţiei asupra gestiunii anuale. Adunarea va fixa modul de punere în exploatare şi valorizare sau va împuternici consiliul de administraţie să-l fixeze.

Dat la Bucureşti la 11 Noemvrie 1940.

Nr. 3.762.

Mon. Of. Nr. 269 din 15.XI.940.

## DECRET-LEGE
### pentru reînfiinţarea consiliului tehnic al pădurilor

*Art. 1.* — Se reînfiinţează pe lângă Ministerul Agriculturii şi Domeniilor, Consiliul tehnic al pădurilor, care va funcţiona potrivit dispoziţiunilor de mai jos.

*Art. 2.* — Acest Consiliu se compune din 5 membri, numiţi prin decret, la propunerea Ministerului Agriculturii şi Domeniilor. Prin decretul de numire se va desemna şi preşedintele acestui Consiliu.

Consiliul lucrează valabil cu un număr de cel puţin 3 membri.

Avizele Consiliului tehnic se iau cu majoritate de voturi. In caz de paritate, votul preşedintelui decide.

Avizele se execută numai după aprobarea lor de către ministru.

*Art. 3.* — Atribuţiunile Consiliului tehnic vor fi cele prevăzute în codul silvic din 1910, completat prin legea modificatoare din 1920, legea pentru organizarea pădurilor din 1930, legea pentru ameliorarea terenurilor degradate din 1930, legea pentru pădurile necesare apărării naţionale din 1935, precum şi legea pădurilor de protecţie din 1935.

*Art. 4.* — Toate lucrările Consiliului tehnic vor fi puse sub directa dirijare a Ministerului Agriculturii şi Domeniilor.

*Art. 5.* — Consiliul tehnic al pădurilor va funcţiona până la apariţia legii de reorganizare a Ministerului Agriculturii şi Domeniilor.

*Art. 6.* — Orice alte dispoziţiuni din legi şi regulamente, contrarii dispoziţiunilor de mai sus, sunt şi rămân abrogate.

Dat în Bucureşti la 19 Octomvrie 1940.

Nr. 3.532.

Mon. Of. Nr. 246 din 21.X.1940.

## DECRET-LEGE

**pentru modificarea şi completarea unor dispoziţiuni din decretul-lege Nr. 2.136 din 1940, „pentru organizarea Fondului Bisericesc Ortodox Român din Bucovina", publicat în Monitorul Oficial Nr. 148 din 29 Iunie 1940**

*Art. I.* Dispoziţiunile art. 3, 4, 5, 15, 28, 29, 30 şi 31 din decretul-lege Nr. 2.136 din 1940, „pentru organizarea Fondului Bisericesc Ortodox Român din Bucovina", publicat în Monitorul Oficial Nr. 148 din 29 Iunie 1940, se abrogă.

*Art. II.* Dispoziţiunile art. 6, 14, 16, 18, 34, 39 şi 43 se modifică, căpătând următoarea redactare:

„*Art. 6.* — Conducerea şi administrarea Fondului sunt încredinţate „unei Eforii, compusă din trei membri, numiţi prin decret pe termen „de 5 ani.

„Eforii vor trebui să fie români, de religie creştină ortodoxă, iar „cel puţin unul dintre ei va fi inginer silvic.

„Mitropolitul Bucovinei este membru de drept şi preşedinte al „Eforiei. Ceilalţi doi membri vor fi propuşi unul de Ministerul Agri-„culturii şi Domeniilor, celălalt de Ministerul Educaţiunii Naţionale, „Cultelor şi Artelor.

„Fondul va fi reprezentat în justiţie printr'unul dintre membrii „Eforiei. Preşedintele Eforiei va putea delega cu reprezentarea intere-„selor Fondului în justiţie pe un avocat din serviciul Fondului sau chiar „pe un avocat particular.

„*Art. 14.* — In materie de contracte, Eforia are următoarea com-„petinţă:

„*a)* Aprobă actele de punere în valoare şi revizuire de estimaţie „în cadrul termenului de 4 ani;

„b) Aprobă rezultatul licitaţiilor publice pentru vânzări de mate-„riale lemnoase, minereuri şi executări de lucrări;

„c) Aprobă prin bună învoială vânzări de orice produse lemnoase, „neexploatate în picioare, cu termen de exploatare de cel mult doi ani;

„d) Aprobă vânzări, prin bună învoială, de materiale lemnoase „exploatate în regie, lemn de foc, lemn de lucru şi construcţie, precum „şi materiale lemnoase, semifabricate şi industrializate;

„e) Aprobă prin bună învoială vânzări de produse accesorii, aren-„dări şi închirieri pe termen de cel mult 3 ani;

„f) Aprobă orice fel de tranzacţiuni, cum şi acelea provenite din „delictele silvice, reprezentând valoarea materialului şi eventuale des-„păgubiri;

„g) Aprobă cumpărări de materiale şi executări de lucrări;

„h) Aprobă restituiri de garanţii de exploatare şi regenerare, pre-„cum şi de sume pe nedrept încasate;

„i) Aprobă, cu avizul Consiliului Eparhial, orice schimbări şi în-„străinări de patrimoniu.

„*Art. 16.* — Administratorul Fondului se numeşte prin decret, pe „termen de 4 ani, dintre inginerii silvici, la propunerea Ministerului „Agriculturii şi Domeniilor în înţelegere cu Ministerul Educaţiunii Na-„ţionale, Cultelor şi Artelor, după recomandarea Eforiei.

„Administratorul poate fi revocat, înlocuit sau desărcinat pentru „abateri grave sau nereguli bine constatate, cu respectarea formelor pre-„scrise în art. 10, alin. ultim.

„In cazul când ancheta stabileşte vinovăţia administratorului, el „va fi suspendat imediat de Eforie.

„*Art. 18.* — In executarea atribuţiunilor sale, administratorul poate „fi ajutat de un subadministrator numit de Eforie.

„*Art. 34.* — Serviciul administrativ este condus de un inginer sil-„vic şi are în atribuţiunile sale lucrările referitoare la:

„Personalul Fondului: numiri, înaintări, pensionări, măsuri disci-„plinare, mobilizare şi apărare pasivă; controlul executării lucrărilor de „serviciile exterior şi central; organizarea serviciilor şi statisticei; şcoli „silvice, înregistrarea şi expedierea corespondenţei, arhiva.

„*Art. 39.* — Serviciul comercial, condus de un inginer silvic, are „în competinţa sa lucrările privitoare la:

„a) Industrializarea şi comercializarea produselor de orice fel pro-„venite din patrimoniul Fondului;

„b) Construirea, întreţinerea şi exploatarea fabricilor şi căilor de „transport de orice fel.

„*Art. 43.* — Serviciul financiar condus de un inspector silvic sau „de un expert contabil are în competinţa sa lucrările privitoare la:

„a) Contabilitatea în materie şi bani a Fondului;

„b) Controlul actelor şi aplicării bugetului;

„c) Intocmirea şi păstrarea inventarului de avere mobilă şi imo-„bilă a Fondului".

*Art. III.* Funcţionarii tehnici se numesc, ţinând seama de: pregă-tirea lor tehnică, destoinicia şi cinstea lor nepătată.

e) Amenajamentul pădurei Craiova, judeţul Bihor, proprietatea Composesoratului din Craiova, în suprafaţă de 113 sa 7700 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 80 ani. Revizuirea după 20 ani.

f) Amenajamentul pădurei Dumbrava şi Laburile, judeţul Alba, proprietatea Comunei Dumitra, în suprafaţă de 43 ha 1607 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 20 August 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.

No. 21816/940.

---

a) Revizuirea amenajamentului pădurei Avaş, judeţul Târnava Mică, proprietatea Domeniului Metropolitan Blaj, în suprafaţă de 127 ha 100 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 100 ani. Revizuirea după 10 ani.

b) Amenajamentul pădurii Pârâul Rece, judeţul Alba, proprietatea Comunei Lopadea Veche, în suprafaţă de 122 ha 5400 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

c) Amenajamentul pădurii Clinceanca, judeţul Prahova, proprietatea Elena T. Greceanu, în suprafaţă de 81 ha 1378 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 12 ani. Revizuirea după 12 ani.

d) Amenajamentul pădurii Paula, judeţul Caraş, proprietatea Comunei Doclin, în suprafaţă de 23 ha 5300 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 3 Septembrie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.

No. 23721/940.

---

a) Amenajamentul pădurilor Sirineasa şi Valea Împăratului, Seria I-a din Ocolul silvic Băbeni, judeţul Vâlcea, proprietatea Statului, în suprafaţă de 1911 ha 1300 mp. Regim şi tratament Codru cu tăeri succesive. Revoluţia 120 ani. Revizuirea după 10 ani.

b) Amenajamentul pădurei Pârâul şi Boia, Seria II-a din Ocolul silvic Cărbuneşti, judeţul Gorj, proprietatea Statului, în suprafaţă de 1226 ha 2700 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 120 ani. Revizuirea după 20 ani.

c) Revizuirea amenajamentului pădurii Arceru, Seria IX-a din Ocolul silvic Calafat, judeţul Dolj, proprietatea Statului, în suprafaţă de 569 ha 9500 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 25 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 25 Septembrie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.

No. 25650/940.

---

a) Revizuirea regulamentului de exploatare al pădurii Dobroneagul, judeţul Muscel, proprietatea N. I. Popescu şi alţii, în suprafaţă de 1645 ha 6100 mp., tratată în două serii de codru cu tăeri rase şi revoluţia 90 ani şi una serie de protecţie tratată în codru grădinărit cu exploatabilitatea fizică. Revizuirea după 10 ani. Ministerul nu recunoaşte prin această aprobare tehnică, vreun drept de proprietate.

b) Amenajamentul pădurii Leleşti, judeţul Bihor, proprietatea Comunei Leleşti, în suprafaţă de 40 ha 8400 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 80 ani. Revizuirea după 10 ani.

c) Regulamentul de exploatare al pădurii Spineni, judeţul Dolj, proprietatea Paulina D. Dianu, în suprafaţă de 25 ha 7000 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

d) Regulamentul de exploatare al pădurii Jupânesti, judeţul Gorj, proprietatea Sanda Gh. Dobrescu, în suprafaţă de 17 ha 6000 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 25 Septembrie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.

No. 25655/940.

---

a) Revizuirea amenajamentului pădurii Poloboc, judeţul Neamţ, proprietatea Pulcheria D. Gr. Sturdza, în suprafaţă de 304 ha 4800 mp. Regim şi tratament crâng compus. Revoluţia 25 ani. Revizuirea după 12 ani la finele revoluţiei.

b) Amenajamentul pădurii Vărzarii de Sus, judeţul Bihor, proprietatea Comunei Vărzarii de Sus, în suprafaţă de 400 ha 4000 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 100 ani. Revizuirea după 10 ani.

c) Amenajamentul pădurii Craiova, judeţul Bihor, proprietatea Comunei Craiova, în suprafaţă de 339 ha 8100 mp. Regim şi tratament Codru cu tăeri succesive. Revoluţia 96 ani. Revizuirea în anul 1950.

d) Amenajamentul pădurii Corătu, judeţul Dolj, proprietatea Const. Al. Becherescu, în suprafaţă de 48 ha 3250 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

e) Regulamentul de exploatare al pădurii Dumbrava Tăetura, judeţul Târnava Mare, proprietatea Ioan Prescurea şi soţia, în suprafaţă de 27 ha 2384 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

f) Amenajamentul pădurii Cerea, judeţul Târnava Mică, proprietatea Composesoratului din Bichiş, în suprafaţă de 23 ha 1300 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 25 Septembrie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.

No. 25656/940.

---

a) Regulamentul de exploatare al pădurii Buzăel, judeţul Braşov, proprietatea Ion Cotinghi, în suprafaţă de 231 ha 3000 mp. Regim şi tratament Codru cu tăeri succesive. Revoluţia 80 ani. Revizuirea după 10 ani.

b) Amenajamentul pădurii Poenarii Rali, judeţul Prahova, proprietatea Marta Mitilineu, în suprafaţă de 80 ha. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 5 ani. Revizuirea după 5 ani.

c) Amenajamentul pădurii Poenarii Rali, judeţul Prahova, proprietatea Maria Dr. Leonte, în suprafaţă de 80 ha. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 5 ani. Revizuirea după 5 ani.

d) Regulamentul de exploatare al pădurii Titoaca Buneşti ş. a., judeţul Argeş, proprietatea Dem. Giuclea, în suprafaţă de 8 ha 6340 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 16 ani. Revizuirea după 16 ani.

e) Regulamentul de exploatare al pădurii Valea lui Băj, judeţul Muscel, proprietatea Ion Gh. I. Ene, în suprafaţă de 6 ha. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

f) Regulamentul de exploatare al pădurii Valea lui Băj, judeţul Muscel, proprietatea Ion Gh. I. Ene, în suprafaţă de 5 ha. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

g) Regulamentul de exploatare al pădurii Hulubeşti, judeţul Dâmbovita, proprietatea Const. Stănescu, în suprafaţă de 3 ha 3000 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 25 Septembrie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.

No. 25657/940.

---

a) Amenajamentul pădurei Dudeşti de Baltă Stelnica, judeţul Ialomiţa, proprietatea Eforiei Spitalelor Civile din Bucureşti, în suprafaţă de 1306 ha 2600 mp., tratată în 2 serii de Crâng simplu cu revoluţia 8 ani. Revizuirea după 8 ani.

b) Amenajamentul pădurii comunale Agriş, jud. Arad, proprietatea comunei Agriş, în suprafaţă de 496 ha 7000 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 80 ani. Revizuirea după 10 ani.

c) Amenajamentul pădurii Mila 35, judeţul Tulcea, proprietatea Ioan Russu, în suprafaţă totală de 320 ha. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 10 ani. Revizuirea după 10.

d) Amenajamentul pădurii Valea Păucii şi Usundaia, judeţul Târnava Mare, proprietatea Composesoratului din Dârlos, în suprafaţă de 122 ha., tratată în 2 serii de crâng cu revoluţia 30 şi 10 ani. Revizuirea după 10 ani.

e) Regulamentul de exploatare al pădurii Grumăzeşti, Lotul 3 şi 3 bis, judeţul Neamţ, proprietatea mostenitorilor def. N. Comăniţă în suprafaţă de 29 ha 7380 mp. Regim şi tratament Crâng cu rezerve. Revoluţia 25 ani, exploatările începând din anul 1942/43 Revizuirea după 20 ani.

f) Amenajamentul pădurii După Deal, judeţul Târnava Mică, proprietatea Fazakas Arpad junior, în suprafaţă de 10 ha 2500 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

g) Amenajamentul pădurii Sohodor Lazuri, judeţul Bihor, proprietatea Comunei Sohodol, în suprafaţă de 351 ha 4000 mp. Regim şi tratament Codru cu tăeri succesive. Revoluţia 100 ani. Revizuirea după 10 ani.

h) Amenajamentul pădurii comunale Sălişte de Vaşcău, judeţul Bihor, proprietatea Comunei Sălişte de Vaşcău, în suprafaţă de 295 ha 2200 mp. Regim şi tratament Codru cu tăeri succesive. Revoluţia 80 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 25 Septembrie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.

No. 25658/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Bănciuleşti Vangheleasca şi Paţachina, judeţul Ialomita, proprietatea Eliza Danielopol ş. a., în suprafaţă de 153 ha 8500 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

b) Amenajamentul pădurii Grueţ Măzăriişte, judeţul Cluj, proprietatea Parohiei Greco Catolice din Ciurila, în suprafaţă de 9 ha 1600 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

c) Regulamentul de exploatare al pădurii Natamenie, judeţul Mehedinţi, proprietatea Pr. Ion Bogdan, în suprafaţă de 7 ha 2000 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

d) Regulamentul de exploatare al pădurii Malul Florilor, judeţul Alba, proprietatea Ostfel Israel, în suprafaţă de 5 ha 7300 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 25 ani. Revizuirea după 10 ani.

e) Regulamentul de exploatare al pădurii La Scoruş, judeţul Cluj, proprietatea Mihail Nemeş, în suprafaţă de 5 ha 6000 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

f) Regulamentul de exploatare al pădurii Guguianca Valea Oiii, judeţul Vâlcea, proprietatea Anghel V. Trancă, în suprafaţă de 5 ha 4845 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 20 ani.

g) Regulamentul de exploatare al pădurii Valea lui Luţă, ş. a., judeţul Argeş, proprietatea Const. M. Rizea, în suprafaţă de 7558 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 25 ani. Revizuirea după 20 ani.

h) Regulamentul de exploatare al pădurei Poiana Crângului ş. a., judeţul Gorj, proprietataea Maria T. Niculescu ş. a., în suprafaţă de 5 ha 2900 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

i) Regulamentul de exploatare al pădurii Dosul Pleşei, judeţul Argeş, proprietatea Ecaterina şi Ion Gh. N. Ureche, în suprafaţă de 8250 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 98 ani. Revizuirea după 20 ani.

j) Regulamentul de exploatare al pădurei Glodul Stoicii, judeţul Argeş, proprietatea Ion A. Mohanu, în suprafaţă de 1 ha. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 98 ani. Revizuirea după 20 ani.

k) Amenajamentul pădurii Valea Cămianului, judeţul Muscel, proprietatea Bisericei din Comuna Rădeşti, în suprafaţă de 3 ha 2000 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 1 Octombrie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.

No. 26238/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Urlăţeanca, judeţul Muscel, proprietatea Cooperativei Infrăţirea, în suprafaţă de 138 ha 4389 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

b) Regulamentul de exploatare al pădurei Vultureanca, judeţul Dâmboviţa, proprietatea Maria Gerota, în suprafaţa de 129 ha 7534 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 9 Octombrie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.

No. 27315/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Popeşti Ciupagea, judeţul Vlaşca, proprietatea Eliza Diamandescu, în suprafaţă de 142 ha 9000 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 16 ani. Revizuirea după 16 ani.

b) Regulamentul de exploatare al pădurii Mălureni, judeţul Argeş, proprietatea Dem. Al. Nanu, în suprafaţă de 65 ha 3891 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

c) Regulamentul de exploatare al pădurei Bercu, judeţul Alba, proprietatea Györke Ştefan ş. a., în suprafaţă de 20 ha 300 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

d) Amenajamentul pădurii Aluniş, judeţul Alba, proprietatea Comunei Răsboeni Cetate, în suprafaţă de 18 ha 5400 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

e) Amenajamentul pădurii La Cetate, judeţul Alba, proprietatea Bisericei reformate din Comuna Lopadea Nouă, în suprafaţă de 17 ha 1800 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

f) Amenajamentul pădurii Intre Pârae — Groapa Nucilor, judeţul Alba, proprietatea Comunei Căptălan, în suprafaţă de 15 ha 9000 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

g) Regulamentul de exploatare al pădurei Valea Buţii ş. a., judeţul Argeş, proprietatea Ion M. Tomescu, în suprafaţă de 14 ha 1780 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

h) Amenajamentul pădurii Lacul Boului, judeţul Alba, proprietatea Bisericei Reformate din Heria, în suprafaţă de 18 ha 3600 mp. tratată în 2 serii de Crâng simplu cu revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 9 Octombrie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.

No. 27316/940

---

a) Regulamentul de exploatare al pădurii Băiaşul, judeţul Argeş, proprietatea Eliza Gh. Gheorghiu, în suprafaţă de 189 ha 8450 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 90 ani. Revizuirea în anul 1948.

b) Amenajamentul pădurii Piatra Picueţe, judeţul Alba, proprietatea Comunei Ormeniş, în suprafaţă de 95 ha 3700 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

c) Amenajamentul pădurii Balomira, judeţul Alba, proprietatea Bisericei gr. catolice române din Ciugadul de Sus, în suprafaţă de 33 ha 8900 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

d) Amenajamentul pădurei Dumbrava, judeţul Alba, proprietatea Comunei Silivas, în suprafaţă de 36 ha 7800 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 9 Octombrie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.

No. 27317/940.

---

a) Amenajamentul pădurei Făguleana şi Zăvoiul Olteţ, judeţul Romanaţi, proprietatea Ştefan Rusănescu, în suprafaţă de 122 ha 6400 mp. tratată în 2 serii de crâng simplu cu revoluţia 20 şi 10 ani. Revizuirea după 20 ani.

b) Amenajamentul pădurii Drăgăneşti jud. Vlaşca, proprietatea Elena D. M. Popescu în suprafaţă de 65 ha 480 m². Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 14 ani. Revizuirea după 14 ani.

Dată astăzi 9 Octombrie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.

No. 27318/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Groapa Nergheşului, judeţul Alba, proprietatea Composesoratului din Miräslău, în suprafaţă de 132 ha. 2800 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

b) Amenajamentul pădurii Teleac Haşbadic, judeţul Alba, proprietatea Composesoratului din Cisteiul de Mureş, în suprafaţă de 69 ha 4700 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

c) Regulamentul de exploatare al pădurii Doftoreanca, judeţul Prahova, proprietatea Elena C. Caracaş, în suprafaţă de 29 ha 9125 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

d) Amenajamentul pădurii Tatarardei Hicleana, judeţul Alba, proprietatea Comunei Gâbud, în suprafaţă de 22 ha 2300 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

e) Amenajamentul pădurii Nerghes, judeţul Alba, proprietatea Bisericei reformate din Mirăslău, în suprafaţă de 11 ha 2900 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 9 Octombrie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.

No. 27319/940.

---

a) Amenajamentul pădurei Pruna, judeţul Vaslui, proprietatea Titus şi Claudia Deltu, în suprafaţă de 65 ha. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

b) Regulamentul de exploatare al pădurii Mălureni, judeţul Argeş, proprietatea Al. Al. Nanu, în suprafaţă de 59 ha 2640 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

c) Amenajamentul pădurii Vericele, judeţul Alba, proprietatea Composesoratului din Băgău, în suprafaţă de 35 ha 6300 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

d) Amenajamentul pădurii După Grădini, judeţul Alba, proprietatea Comunei Noşlac, în suprafaţă de 34 ha 7000 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

e) Amenajamentul pădurei Niaraş ş. a., judeţul Alba, proprietatea Szalantzki Gheorghe ş. a., în suprafaţă de 23 ha 9800 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

f) Amenajamentul pădurii Valea Agrilor, judeţul Alba, proprietatea Bisericei gr. Catolice din Ciugudul de Jos, în suprafaţa de 19 ha 5400 mp. tratată în 2 serii de crâng simplu cu revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

g) Amenajamentul pădurii Pârâul Mirezului, judeţul Alba, proprietatea Bisericei reformate din Aiudul de Sus, în suprafaţă de 19 ha 8800 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 9 Octombrie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.

No. 27320/940

---

a) Amenajamentul pădurii Zăvoiul Micşuneştii Mari, judeţul Ilfov, proprietatea Sylvia Lehliu, în suprafaţă de 105 ha 5500 mp. tratată în 2 serii de crâng simplu, revoluţia 7 şi 1 an. Revizuirea după 7 ani.

b) Amenajamentul pădurii Groapa Mare ş. a., judeţul Alba, proprietatea Comunei Aiudului, în suprafaţă de 86 ha 3200 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

c) Amenajamentul pădurii Moara Pod ş. a., judeţul Dâmboviţa, proprietatea C. M. Georgescu ş. a., în suprafaţă de 76 ha 8900 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 8 ani. Revizuirea după 8 ani.

d) Amenajamentul pădurii Pârâul Torocului, judeţul Alba, proprietatea Comunei Ciumbrud, în suprafaţă de 70 ha 1200 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani

e) Amenajamentul pădurii Dumbrava ş. a., judeţul Alba, proprietatea Comunei Ocna Mureşului, în suprafaţă de 45 ha 1400 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

f) Amenajamentul pădurii Pleşa, judeţul Alba, proprietatea Comunei Hopârta, în suprafaţă de 43 ha 1000 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani

g) Amenajamentul pădurii Frunzaru, judeţul Olt, proprietatea Ilie M. Teodoru, în suprafaţă de 35 ha 4500 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 9 Octombrie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.

No. 27321/940.

---

a) Amenajamentul pădurei Dosul Stănişoarei, judeţul Câmpulung, proprietatea Comunei Cârlibaba Nouă, în suprafaţă de 358 ha 2500 mp. Regim şi tratament Codru cu tăeri rase. Revoluţia 90 ani. Revizuirea după 10 ani.

b) Amenajamentul pădurii Tăul Lung ş. a., judeţul Alba, proprietatea Composesoratului Foştilor Urbarialişti din Gârbova de Sus, în suprafaţă de 187 ha 9500 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

c) Regulamentul de exploatare al pădurei Păltineanca, judeţul Prahova, proprietatea Elena V. Georgescu ş. a., în suprafaţă de 82 ha 4932 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 12 ani. Revizuirea după 12 ani.

d) Amenajamentul pădurei Zăvoiul Poplica, judeţul Vlaşca, proprietatea N. Paplica, în suprafaţă de 40 ha 2500 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 6 ani. Revizuirea după 6 ani.

Dată astăzi 17 Octombrie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.

No. 26039/940.

---

Art. II. — Revizuirea amenajamentelor şi regulamentelor de exploatare mai sus menţionate se va face la epoca arătată în dreptul fiecăruia. Dacă vreuna din păduri în total sau în parte, intră în dispoziţiunile legilor: pentru protecţia monumentelor naturei, pădurilor necesare apărării naţionale, pădurilor de protecţie, revizuirea se va face şi mai înainte de acest termen.

Art. III. — Aceste regulamente de exploatare, amenajamente etc., se aprobă numai din punct de vedere tehnic silvic, luându-se drept definitivă situaţia comunicată de organele de aplicare a legii pentru reforma agrară.

Constatându-se însă în urmă că arătările din acest amenajament (regulament de exploatare), referitoare la suprafaţa pădurii, la numele proprietarului etc., au fost date eronat sau între timp au suferit schimbări fortuite, ele se va revizui imediat fie din punct de vedere technic-silvic, fie asupra proprietăţii etc. Amenajamentul (regulamentul de exploatare) nerevizuit la termen de parte, este nul şi neavenit.

Art. IV. — Toate celelalte dispoziţiuni prevăzute în studiile respective şi articolul adiţional anexat fiecăruia, sunt executorii.

Art. V şi ultimul. — Domnul Director al Direcţiei Silvice este însărcinat cu executarea prezentei Deciziuni.

---

**Pentru a primi revista regulat şi la timp, vă rugăm anunţaţi-ne schimbările de adresă.**

EDITURA SOCIETĂȚII „PROGRESUL SILVIC"

III. — SERIA C. — TRATATE ȘI MANUALE:

Dr. G. ELIESCU

PROTECȚIA PADURILOR

UN VOLUM DE 275 PAGINI LEI 270

EDITURA SOCIETĂȚII „PROGRESUL SILVIC"

AU APĂRUT:

I. SERIA A. — BIBLIOTECA DE POPULARIZARE:

D. A. SBURLAN

ARBORII ȘI PĂDURILE NOASTRE

78 pagini, 20 lei

II. SERIA B. — INDRUMĂRI:

Z. PRZEMETSCHI și GR. VASILESCU

TEHNICA ÎMPĂDURIRILOR

(SEMINȚE, PEPINIERE, IMPADURIRI)

166 pagini, 60 lei

EPUIZAT

III. — SERIA C. — TRATATE ȘI MANUALE:

Prof. V. N. STINGHE

AMENAJAREA PĂDURILOR

UN VOLUM DE 255 PAGINI

D. A. SBURLAN

INSTALAȚII DE TRANSPORT PENTRU EXPLOATĂRI FORESTIERE

UN VOLUM DE 301 PAGINI

INST. DE ARTE GRAFICE BUCOVINA I. E. TOROUTIU BUCUREȘTI

# REVISTA PĂDURILOR

ORGANUL SOCIETĂȚII „PROGRESUL SILVIC"

— Acelaşi trofeu, împreună cu d-l Ing. Romeo Stănescu.

— Dasselbe Geweih mit dem Erleger Forsting. Romeo Stănescu.

# S T U D I I

**Din lucrările Institutului de cercetări şi experimentaţie forestieră din România**

## A DOUA CONTRIBUŢIUNE LA CUNOAŞTEREA FLOREI PĂDURILOR DINTRE DUNĂRE ŞI CARPAŢII SUDICI

de M. PETCUŢ şi P. CRETZOIU

In lista de plante ce urmează, continuăm cu publicarea speciilor mai interesante ce au fost recoltate în pădurile dintre Carpaţii Sudici şi Dunăre. Studiul prezent constitue deci continuarea articolului nostru intitulat: „Contribuţiuni la cunoaşterea florei pădurilor dintre Dunăre şi Carpaţii Sudici", publicat în Revista Pădurilor, 1936, Nr. 2.

Intre plantele ce publicăm aci, sunt în special menţionate cele din centrele Tismana (Gorj) şi Valea Drăgaica (Buzău), două insule caracterizate din punct de vedere forestier prin prezenţa în compoziţia arboretelor a speciei Quercus pubescens, specie care în restul regiunei de care ne ocupăm se află în pădurile de limită spre stepă. In aceste păduri de limită găsim Quercus pubescens ca pion al vegetaţiei lemnoase către stepă. Totuşi, în regiunea dintre Carpaţii Sudici şi Dunăre, Quercus pubescens a fost găsit de noi în cele două centre pomenite, până la 960 m altitudine, ca de ex. pe Vârful Cioclovina. Substratul pe care vegetează această specie în centrele Tismana şi Drăgaica este calcarul, care numai el explică prezenţa acestei specii până la altitudini atât de puţin obişnuite.

Din plantele enumerate mai jos, cităm aci unele care au pentru regiunea cercetată o deosebită importanţă, anume acelea care ne indică nuanţa mediteraniană şi orientală a princi-

palelor centre deja pomenite mai sus, una în Oltenia (I) și alta în județul Buzău (II):

Castanea sativa Mill. I
Helleborus odorus W. K. I
Evonymus bulgarica Vel. I
Knautia macedonica Gris. II
Centaurea orientalis L. II
" stenolepis Kern. I—II
" spinulosa Roch. I
" pallida Friv. II
Cotinus coggygria (L.) Scop. II

Ținând seama și de publicația noastră anterioară, lista se mai complectează cu următoarele specii:

Fraxinus ornus L. I—II
Ceterach officinarum Willd. I
Syringa vulgaris L. I

*Fam. Polypodiaceae*

Asplenium adianthum-nigrum L. — Jud Gorj: valea Șeasa, deasupra Mânăstirei Tismana.

Element eurasiatic.

Asplenium trichomanes L. — Jud. Gorj: muntele Cioclovina; valea Șeasa, versant Est. Element circumpolar.

Nephrodium filix-mas (L.) Rich. — Jud. Gorj: muntele Cioclovina, valea Șeasa, versant Est.

Element circumpolar.

Pteridium aquilinum (L.) Kuhn. — Jud. Gorj: pădurea Dumbrava și într'o poiană pe culmea sudică a dealului Cornet (la Tismana) deasupra viilor mânăstirești. Din această din urmă localitate a fost luată fotografia dela fig. 1; această specie formează aci un covor des și compact, nepermițând aproape nici unei alte specii a se instala în acel loc.

Element circumpolar.

Polypodium vulgare L. — Jud. Gorj: pe muntele Cioclovina la vârf și în valea Șeasa pe versant estic; pe culmea sudică a dealului Cornet deasupra viilor mânăstirești, lângă Tismana.

Element circumpolar.

Phyllitis scolopendrium (L.) New. Gorj: muntele Cioclovina, valea Şeasa, versant estic.

Element circumpolar.

Fig. 1. Pteridium aquilinum (L.) Kulm. pe dealul Cornet (jud. Gorj).

*Fam. Liliaceae*

Polygonatum multiflorum (L.) All. — Jud. Gorj: într'o poiană aproape de vârful muntelui Cioclovina.

Element circumpolar.

*Fam. Dioscoreaceae*

Tamus communis L. — Jud. Gorj: în valea Popii, deasupra comunei Tismana.

Element mediteranean-atlantic.

*Fam. Orchidaceae*

Helleborine atropurpurea (Raf.) Schinz et Thell. — Jud. Gorj: valea Popii la Tismana, în pădure.

Element european-vestasiatic.

*Fam. Salicaceae*

Populus tremula L. — Jud. Gorj: vârful Teiuș deasupra Tismanei.

Element eurasiatic.

Salix capraea L. — Jud. Gorj: pădurea Dumbrava.

Element eurasiatic.

*Fam. Fagaceae*

Castanea sativa Mill. — Jud. Gorj: dealul Pocruia la Tream; dealul Gornovița la Heron, deasupra Tismanei. Foto-

Fig. 2. Pădure de Castanea sativa Mill. pe dealul Pocruia lângă Tismana.

grafia alăturată (fig. 2) ne arată aspectul pădurii de castan de pe dealul Pocruia.

Originea castanului din Oltenia a ridicat în multe rânduri probleme ce s'au desbătut cu rezultate variabile. Pentru lămurirea acestei probleme socotim că nu este lipsit de interes să adăugăm — chiar cu riscul de a fi acuzaţi că depăşim cadrul unei liste floristice — următoarele lămuriri.

Unul din autori a căutat să cerceteze originea castanului bun din Oltenia, cercetând staţiunile sale din Nordul peninsulei Balcanice [1]) unde are o largă răspândire cert spontană.

In Bulgaria Castanea sativa Mill. este mai puţin răspândită decât în Jugoslavia. Velenovsky, în Flora Bulgarica, Suppl. I, p. 254 îl citează pentru prima dată din Bulgaria dela poalele munţilor Stara-Planina, nu departe de oraşul Bercoviţa, formând aci întinse păduri, după expresia sa „aspectu vere spontaneas". După acea s'au mai semnalat şi alte localităţi, pe care le găsim citate toate în rezumat în Stojanoff & Stefanoff, Flora na Bălgaria, ed. II, p. 297; afară de Bercoviţa, toate localităţile se referă la colţul de Sud-Vest al Bulgariei: muntele Ali-Botuş, Petrovo, Nevrocop, Serbinovo. Toate cercetările autorilor bulgari au dus la concluzia că în localităţile sus pomenite din Bulgaria, e vorba de păduri spontane de Castanea sativa Mill. In aceste condiţiuni, localitatea indicată mai întâi de Velenovsky e de mare importanţă pentru noi, căci masivul muntos respectiv se află la o distanţă nu prea mare de localităţile noastre din Oltenia şi formează o prelungire directă peste Dunăre a munţilor din Oltenia.

In întreaga Jugoslavie, pădurile de castan, unele mai întinse, altele reduse, ocupă o suprafaţă totală de ca 60.000 Ha. In două regiuni această specie are o răspândire mai mare; prima în Serbia de Sud (Macedonia) şi care e în directă legătură cu staţiunile din Sud-Vestul Bulgariei, iar a doua se află în Slovenia-Croaţia, deci în Nord-Vestul Jugoslaviei.

După toate cercetările făcute (Košanin, Adamović, Cretzoiu) nu se poate contesta autohtonia castanului bun din Jugoslavia ca şi a aceluia din Bulgaria. In Croaţia el formează atât păduri pure cât şi în amestec cu Quercinee, Fagus silvatica sau, de ex. în Slovenia, şi cu Picea excelsa. Din rapoartele serviciului forestier jugoslav reese că nicăieri în Jugoslavia, Castanea sativa nu e cultivată şi nici nu se îngrijesc special arboretele. Dimpotrivă, azi, ca şi cu mulţi ani înainte, aceste arborete trebuie să facă loc terenurilor de cultură agricolă. Singura regiune din Jugoslavia unde populaţia preţuieşte întrucâtva fructele de castan e Sudul Serbiei. Distribuţia sa verticală pentru Nordul peninsulei Balcanice e 400—800 m alt., deci cam la fel ca şi în Oltenia.

Dacă toate aceste date de mai sus corespund în mare măsură localităţilor din Oltenia cu Castanea vesca, aci existând condiţiuni climaterice asemănătoare Balcanului nordic, ne lasă să întrevedem în staţiunile din Oltenia o prelungire directă a ariei sale de răspândire, deci are toate probabilităţile de a fi spontan. Castanul din Oltenia şi penin-

1) P. Cretzoiu, Câteva date referitoare la distribuţia şi provenienţa castanului bun în Nordul peninsulei Balcanice. Rev. Şt. V. Adamachi, XXI. Iaşi 1935, pp. 120—121.

sula Balcanică trebuie privit ca un relict din timpul când el era general răspândit în tot Sudul Europei; se poate spune aproape fără greș că e un relict terțiar, ca și alte specii de plante lemnoase din Oltenia, unele chiar din regiunea castanului (Syringa vulgaris, Taxus baccata, etc.); de altfel e știut și că la finele terțiarului își avea optimul său de răspândire în Europa. Deasemenea un fapt în plus în sprijinul afirmațiunei noastre e și bogăția în relicte terțiare chiar și între plantele erbacee a regiunilor cu Castanea vesca, atât la noi cât și în dreapta Dunării [2]).

Și în ceace privește solul există o perfectă analogie între substratul pe care crește castanul în dreapta Dunării și în Oltenia [3]). După cercetările lui Košanin, în toată Jugoslavia castanul-bun fuge de solurile calcaroase, dar crește cu predilecție pe terra-rosa, care deși provenită din roce calcaroase, nu mai conține aproape deloc $CO_2Ca$. Și aceasta nu numai în regiunea de carst a Adriaticei, unde predomină această formațiune de sol, ci și în interiorul țării. In munții Șar-Planina crește foarte adesea pe serpentin, ca și în Albania de Nord.

### *Fam. Loranthaceae*

Loranthus europaeus Jacq. — Jud. Mehedinți: plaiul Pietriș, pe marginea „Poienii-Mici" deasupra comunei Glogova.

Element central-european-mediteran.

### *Fam. Polygonaceae*

Polygonum hydropiper L. — Jud. Gorj: în valea Popii la Tismana, prin gropi umede și margini de drum.

Element central-european-mediteranean.

### *Fam. Phytolaccaceae*

Phytolacca americana L. — Jud. Gorj: Tismana în valea Popii.

Adventiv (originar din America de Nord).

### *Fam. Caryophyllaceae*

Tunica saxifraga (L.) Scop. — Jud. Mehedinți:

2) P. Cretzoiu, Plantele relicte din peninsula Balcanică. Rev. Șt. V. Adamachi, XXI, Iași 1935.

3) C. D. Chiriță, T. P. Bălănică și R. D. Munteanu, Contribuții la cunoașterea stațiunilor și exigențelor staționale ale castanului bun în România. Anal. I. C. E. F. București 1935.

coaste uscate pe dealul „Ascuţitu" deasupra comunei Apa Neagră. — Jud. Gorj: vârful Ciunca, deasupra comunei Broşteni.

Element sudeorupean-vestasiatic.

*Fam. Ranunculaceae*

Helleborus purpurascens W. et Kit. — Jud. Gorj: în valea Popii, deasupra Tismanei.

Element endemic carpatic-balcanic.

Fig. 3. Iederă de 7—8 cm diam. pe frasin în pădurea Tismana din ocolul silvic Tismana.

Helleborus odorus W. et Kit. subsp. euodorus Hayek, var. latifolius Beck. — Jud. Gorj: pădurea Bucovăţ.

Element alpin sud-european.

Actaea spicata L. — Jud. Gorj: muntele Cioclovina, într'o poiană aproape de vârf.

Element eurasiatic.

Anemone hepatica L. — Jud. Gorj: vârful Teiș, deasupra Tismanei.

Element circumpolar.

Thalictrum lucidum L. var. laserpitifolium (Koch) Hayek. — Jud. Buzău: pădure în valea Drăgaica lângă Valea Mare, la N. de Mizil.

Element pontic.

*Fam. Cruciferae*

Peltaria alliacea Jacq. — Jud. Gorj: vârful muntelui Cioclovina.

Element central-european-balcanic.

*Fam. Rosaceae*

Sorbus domestica L. — Jud. Buzău: fundul văii Drăgaica. — Jud. Dolj: pădurea Bucovăț.

Sorbus torminalis (L.) Cr. — Jud. Gorj: muntele Cioclovina, într'o poiană aproape de vârf.

Element vest-european-mediteran.

Sorbus aria (L.) Cr. var. typica C. K. Schn. — Jud. Gorj: muntele Cioclovina, la vârf.

Element euarsiatic-montan.

Crataegus monogyna Jacq. — Jud. Gorj: pe culmea Cornet, deasupra mânăstirei Tismana, 600 m alt.

Element eurasiatic.

*Fam. Leguminoase*

Cytisus Rochelii Wierzb. — Jud. Dolj: pădurea Bucovăț.

Element sudest-european.

Cytisus Heuffelii Wierbz. — Jud. Buzău: în valea Drăgaica la Valea Mare (la Nord de Mizil).

Element sudesteuropean.

*Fam. Euphorbiaceae*

Mercurialis perennis L. — Jud. Gorj: muntele Cioclovina, pe versant S-E, aproape de vârf.

Element eurasiatic.

Euphorbia glareosa Pall. — Jud. Buzău: valea Drăgaica lângă Valea Mare.

Element sudesteuropean.

*Fam. Anacardiaceae*

Cotinus coggygria Scop. var. arenaria (Wierzb.) Jáv. — Jud. Buzău: valea Drăgaica lângă Valea Mare.

Element mediteran.

*Fam. Celastraceae*

Evonymus bulgarica Vel. — Jud. Gorj: pe muntele Cioclovina într'o poiană aproape de vârf şi în valea Popii lângă Tismana.

Element balcanic.

Evonymus verrucosa Scop. f. laevifolia Beck. — Jud. Gorj: muntele Cioclovina într'o poiană aproape de vârf. Jud. Buzău: valea Drăgaica lângă Valea Mare la Nord de Mizil. — Distr. Ilfov: pădurea Măgura.

Element european-vestasiatic.

*Fam. Rhamnaceae*

Rhamnus tinctoria W. et Kit. — Distr. Buzău: valea Drăgaica lângă Valea Mare.

Element sudest-european.

*Fam. Vitaceae*

Vitis sylvestris Gmel. — Distr. Gorj: la Tismana, pe dealul Cornet.

Element mediteranean.

*Fam. Tiliaceae*

Tilia tomentosa Moench. var. virescens (Spach) Hayek. — Jud. Gorj: în valea Popii deasupra Tismanei.

Element sudesteuropean-vestasiatic.

*Fam. Araliaceae*

Hedera helix L. subsp. euhelix Hayek. — Jud. Gorj: muntele Cioclovina, aproape de vârf, pe Acer, Tilia și Fraxinus, la cca 800 m alt. și în pădurea Tismana pe Fraxinus, în exemplare fertile, cu tulpini groase de 7—8 cm diametru (fig 3).

Element central-european-pontic.

*Fam. Cornaceae*

Cornus mas L. — Jud. Gorj: în valea Popii la Tismana.

Element central-european-pontic.

*Fam. Ericaceae*

Vaccinium vitis-idaea L. — Jud. Argeș: muntele Cozia pe culmea Fruntea-Oii.

Element circumpolar.

*Fam. Oleaceae*

Fraxinus excelsior L. — Jud. Gorj: pe culmea Cornet la Tismana, 600 m alt.

Element european-vestasiatic.

*Fam. Gentianaceae*

Centaurium pulchellum (Sw.) Druce. — Jud. Gorj: podișul Sohodolului lângă satul Vânăta.

Gentiana asclepiadea L. — Jud. Argeș: muntele Cozia, pe culmea Fruntea-Oii. — Jud. Gorj: pe muntele Cioclovina, aproape de vârf.

Element european-vestasiatic.

*Fam. Borraginaceae*

Echium vulgare L. — Jud. Gorj: dealul Cornet lângă Tismana, poieni în pădure.

Element central-european-mediteranean.

*Fam. Labiatae*

Prunella vulgaris L. f. Herculis Borb. — Jud. Gorj: muntele Cioclovina, aproape de vârf.

Cosmopolit (forma citată: sudesteuropeană).

Melittis melissophyllum L. — Jud. Gorj: muntele Cioclovina sub vârf.

Element centraleuropean-mediteran.

Stachys recta L. — Jud. Gorj: muntele Cioclovina, într'o poiană aproape de vârf.

Element mediteran.

Salvia verticillata L. — Jud. Gorj: culmea Cornet deasupra Tismanei, în poieni.

Element centraleuropean-mediteran.

Salvia glutinosa L. — Jud. Gorj: muntele Cioclovina, la poale şi spre Mânăstirea Tismana.

Element eurosibiric.

Origanum vulgare L. subsp. euvulgare Hayek var. humile (Mill.) Benth. — Jud. Gorj: dealul Cornet, în poiană;

var. puberulum Beck. — Cu precedenta;

var. prismaticum Gaud. — Jud. Gorj: podişul Sohodolului lângă comuna Vânăta şi pe dealul Cornet lângă Tismana;

var. glabrescens Beck. — Jud. Gorj: pădurea Dumbrava.

Element eurasiatic.

Mentha pulegium L. var. erecta Wirtg. — Jud. Gorj: podişul Sohodolului, lângă comuna Vânăta.

Element european.

*Fam. Solanaceae*

Physalis alkekengi L. — Jud. Gorj: pădurea Dumbrava.

Element eurasiatic.

# COMENTARII — INSEMNĂRI

## AMENAJAMENT COMUN CU CONTINUITATE
prin
ASOCIEREA A CEL PUŢIN 10 PROPRIETARI

de ing. I. RĂTAN
Vatra Dornei

Ideia amenajamentului comun s'a desbătut în revistele noastre de specialitate. Deci ea nu mai este nouă. A rămas însă nou (aproape inexistent) faptul în sine, realitatea ideii.

Pentru o mai bună conturare a noţiunii de amenajament comun la noi, se pot lua de exemplu cazurile când acelaş şef de ocol a girat 2—3 ocoale vecine. Intr'o altă formă, se pot considera amenajamentele obştiilor noastre de moşneni.

Alte ţări, ca Polonia şi Suedia, au pus în aplicare amenajamentul comun (Polonia în 1932 la Bialowezia şi în 1936 la Vilno) din motive şi în împrejurări cu totul specifice, când factori determinaţi — juridici sau economici, sau din ambele grupe, combinaţi — au reclamat această necesitate, în vederea celei mai bune valorificări a pădurilor şi mai ales a lemnului.

Sensul modern (şi poate ştiinţific) al amenajamentului comun este conturat, după cum am menţionat, de amenajamentele de acest gen, cari au fiinţat în fosta Polonie şi cari se găsesc azi în Suedia.

După părerea mea, atât într'una din ţări, cât şi în cealaltă, factorii cari au determinat realizarea unui amenajament de acest fel, sunt complect diferiţi în Suedia, de cei din fosta Polonie, fapt ce se va deduce uşor din cele ce vor urma.

Ţin însă să observ, că acest gen de organizare economică, cât şi toate altele câte a produs omul, are la bază vechea şi obsedanta po-

runcă a progresului: necesitatea, marea componentă creiatoare în activitatea umană, care nu se sfieşte de nimeni, dacă i-a venit în prag, ci se impune.

Este bine şi raţional însă să o preîntâmpinăm.

*

In fosta Polonie, unde statificarea şi naţionalizarea economiei forestiere trecuse pe planul realizărilor, atât în direcţiunea silvică din Bialowezia, cât şi în cea din Vilno, factorii cari au determinat înfăptuirea unui amenajament comun, au fost în ambele cazuri de natură economică. Intr'adevăr, în complexul pădurii din Bialowezia, produsele pădurii (lemnul) erau sensibil: de aceiaşi calitate, în aceleaşi condiţii topografice şi concentrate într'un complex, unde din punct de vedere cultural şi de pază, se circumscriau cinci ocoale silvice.

Fiecare din aceste ocoale au câte un amenajament, pentru un trup, sau o porţiune de pădure corespunzătoare scopului cultural urmărit, în vederea realizării unui produs normal de lemn, maxim şi calitativ şi cantitativ. De notat că din toate pădurile acestei ţări, complexul acesta era atenţia şi piaţa de experienţă a tuturor strădaniilor de ştiinţă forestieră a polonezilor. Deci, nu putea fi vorba decât de o cultură silvică intensivă, unde cele 54—56 tipuri de arborete amestecate, reprezentau determinările celei mai precise ştiinţe silvice, puse în slujba realizării celor mai valoroase esenţe corespunzătoare staţiunii şi fiecărei bucăţi de sol în parte, a maximului de creştere în stare de consistenţă plină. Astfel se obţinea produsul maxim, în condiţiuni de perfectă continuitate, adică păstrând permanent capitalul lemnos normal, în forma pădurii complecte (neîntreruptă ca reprezentare ideală a vârstelor, născute spontan prin proprie putere).

Dar trecând la valorificarea lemnului din aceste ocoale vecine şi aproape identice, se observă că: acelaşi lemn, exploatat şi fasonat cu aceleaşi cheltueli, se valorifica cu preţuri mult diferite dela un ocol la altul, fără ca printr'o modalitate oarecare locală, sau specială, să se poată obţine valoarea cea mai mare şi pentru lemnul ocoalelor vecine. S'a încercat deci înlăturarea concurenţei şi obţinerea preţului maxim al lemnului pe tulpină, tocmai când ideia valorificării forestiere pe plan naţional de ansamblu luptă pentru cucerirea fiecărui petec de pădure, când complexul Bialowezia era întreg echipat cu o reţea de c. f. f., când natura proprietăţii (regimul juridic) era aceiaşi; urmarea nu putea fi decât creiarea unui plan comun de valorificarea lemnului din acest complex, ceiace s'a şi înfăptuit. Deci s'a născut un amenajament comun, circumscris celor cinci existente.

Prin urmare numai dacă toate condiţiunile: tehnice, economice şi juridice au fost date pentru creiarea unei astfel de situaţii, s'a putut înfăptui amenajamentul comun.

Cum apare un astfel de amenajament este uşor de imaginat; totuşi, pentru precizarea noţiunii, rezum amintirile celui văzut şi cercetat la Bialowezia:

a) Planul special de exploatare al celor cinci amenajamente (separate pe ocoale) s'a sintetizat într'unul singur, cu recapitularea pe esenţe;

b) La fel s'a procedat cu planurile generale de exploatare ale aceloraşi lucrări;

c) Planurile topografice (harta) cu toate detaliile fiecăruia, au suferit aceiaşi operaţie, întocmindu-se unul la scara corespunzătoare.

d) Descrierile parcelare s'au rezumat la esenţialul economicului (exploatărilor);

e) Mijloacele de scoatere şi transport etc. s'au reprezentat într'un tot pregnant (cifric şi grafic);

f) Factorii componenţi (cifrici şi grafici) stau în orice punct, în relaţie de matematică egalitate cu suma lor, şi viceversa;

g) Toate amenajamentele parţiale (pe ocoale) rămân în vigoare şi în executarea conducătorilor ocoalelor, cel comun fiind o lucrare a direcţiei regionale, de unde se conducea acţiunea de planificare.

Mărimea acestui amenajament comun se apreciază la cca 50.000 ha, ea depinzând de convergenţa naturală a factorilor economici din regiunea dată, care poate asigura în acest caz, rentabilitatea maximă a valorificării lemnului.

De observat că în acest complex forestier de mondială importanţă, cu peste 50 de tipuri de arborete, o raţională valorificare (într'un plan economic general) nu era posibilă fără întocmirea acestui amenajament comun, care în cadrul acestei planificări, a avut darul să reprezinte simultan pe esenţe posibilitatea, eşalonată în timpul şi spaţiul a 10 ani, şi chiar pentru întreaga revoluţie.

S'a obţinut în acest fel cunoaşterea cantităţilor pe esenţe de pe întreg complexul într'un lung şir de ani, deci toate elementele strict necesare şi de bază pentru o raţionalizare a valorificării lemnului. O orientare şi o coordonare în mare a exploatărilor aci nu era posibilă fără acest plan sintetic de gospodărie forestieră, care-i amenajamentul comun.

Continuitatea amenajamentului comun, este filtrul prin care acesta îşi legitimează dreptul de a intra în viaţă, dreptul de a exista din punct de vedere practic. Acolo unde aceasta nu-i destul de evidentă, sau nu se poate concretiza în văzul doctrinarilor amenajişti, discuţia asupra admiterii amenajamentului comun continuă.

Cum această nouă formă de gospodărie silvică este născută din nevoia organizării economice de ansamblu, şi ideia amenajamentului comun se naşte dintr'un complex de factori ce derivă unii din alţii în timp, astfel că odată cu acest proces de derivaţie a ideilor de ansamblu economic şi conţinutul continuităţii apare într'un amenajament comun, tot mai lămurit.

La noi, unde ideia de continuitate nu era înţeleasă şi menţinută (cu, sau fără ştiinţă) nici la amenajarea trupurilor de pădure obicinuite, când toată baza raportului susţinut se sprijinea pe aserţiunea, că proprietarul să poată tăia produse egale dela un an în cursul unei revoluţii, care totdeauna era numai perioadă, desigur că-i greu de conceput, continuitatea într'un amenajament comun. S'a practicat sistemul amenajărilor dela perioadă la perioadă, brutalizându-se raportul susţinut în văzul şi cuprinsul textului de lege. Deaceia nu avem bine conturată adevărata lui fiinţă, nici în cadrul unui amenajament obicinuit.

Regimul şi tratamentul aplicat acestuia este codrul cu tăieri grădinărite şi quasigrădinărite, urmărindu-se mereu realizarea:

a) esenţei corespunzătoare optimului de vegetaţie, funcţie de tipul de sol şi de microclima respectivă;

b) consistenţei pline;

c) reprezentării normale (naturale) a claselor de vârstă, toate funcţiuni şi atribute ale continuităţii.

Ori prin aplicarea amenajamentului comun nu se leza şi nici nu se putea neglija nici unele din aceste atribute, numai dacă practica şi mentalitatea obicinuită altfel, nu încerca dispreţul oricărei prevederi legale şi gospodăreşti.

Amenajamentul comun deci nu era creiat pentru extinderea exploatării pădurilor în dauna continuităţii ei prin atacarea şi consumul capitalului lemnos normal, ci dimpotrivă urmărea refacerea acestuia, prin ordonarea exploatărilor într'un plan mai vast (şi bine cunoscut), graţie căruia arboretele tinere rămâneau nesacrificate anticipat termenului de exploatabilitate,

putându-se face compensaţii corespunzătoare dintr'un stoc mai mare de arborete trecute peste acest termen.

Avantajiile amenajamentului comun apar dela sine atât în planul activităţii de cultura pădurilor, cât şi în cel al economiei forestiere, având netăgăduită prioritate şi putere, în vederea ansamblului, fără de care o activitate creiatoare şi constructivă de mari proporţii, este imposibilă.

*

Amenajamentul comun din direcţiunea silvică Vilno este bazat şi creiat din acelaşi mănunchiu de principii şi nevoi, numai că situaţia de fapt a arboretelor era mult diferită de precedenta.

Aci, în regiunea Hancevice, se găseau câteva tipuri de arborete pure pe întinderi apreciabile, adică: arborete pure de pin, anin, mesteacăn şi arborete amestecate de pin, mesteacăn, frasin, molid etc. Fiecare avea câte un amenajament, fiind apoi înglobate într'un amenajament comun, întocmit după aceleaşi norme şi principii, ca şi precedentul.

Continuitatea aci trebue observată nu prin prisma păstrării unei stări aproape normale a pădurii (cum era la precedentul), ci prin aceia a refacerii unor păduri iraţional exploatate.

Prin amenajamentele parţiale (pe fiecare sol), la unele din acestea apăreau perioade lungi de aşteptare şi sacrificii de exploatare, iar la altele prisos de arborete trecute de termenul exploatabilităţii; acestea din urmă, mai ales la anin şi mesteacăn, fiindcă în trecut, aci s'a operat genuri de exploatare cu totul necunoscute ştiinţei silvice, ele fiind izvorîte din dorinţa şi afecţiunea ţăranilor pentru lemnul de esenţă şi calitatea cea mai bună, ceiace au şi extras. Prin executarea parţială a acestor amenajamente, unele din ocoale realizau prisos de venituri (excedente), pe cari nu le puteau împrumuta vecinilor, a căror perioade de aşteptare şi condiţii presante de refacerea consistenţei pline în unele arborete, şi în altele vaste opere de împădurire, le puneau în situaţia critică, ca prin propria lor gospodărie să nu-şi poată executa programul de lucru, program ce tindea la readucerea stării normale a pădurii şi deci la asigurarea continuităţii.

Ameliorarea acestei stări de desechilibru economic local, s'a făcut numai prin aplicarea amenajamentului comun şi prin exploatarea la timp a rezervelor imense de anin şi mesteacăn (lemn în mare parte pentru furnir şi placaje), şi din aplicarea

operaţiunilor culturale pe întreg cuprinsul. Astfel s'a dat ad-ţiei respective posibilităţile financiare de refacerea arboretelor brăcuite, executând împăduriri pe suprafeţe imense, complectări multiple, drenări de terenuri mlăştinoase şi deschiderea celor mai convenabile mijloace de transport forestier.

De notat că şi aci regimul juridic al proprietăţilor cuprinse în amenajamentul comun era acelaşi — al Statului —, când în aplicarea programului de planificare a economiei forestiere nu mai poate interveni discontinuitate.

Raportul susţinut, în înţelesul egalităţii de produse recoltate dela an la an, nu mai avea nici un sens aci, deoarece valorificarea rezervelor de material lemnos era o problemă de exploatarea momentului comercial optim. Impădurirea terenurilor forestiere cari până atunci nu produceau nimic (sau foarte puţin), era imperativul restabilirii pădurii cu vegetaţie optimă pe fiecare bucată de pământ, fapt care-i începutul instaurării principiului de continuitate pe toată întinderea respectivă.

O sacrificare, prin neexploatarea la timp şi a rezervelor lemnoase trecute mult de vârsta exploatabilităţii economice, din motivul menţinerii unui raport susţinut, era direct păgubitoare pădurii. Aceasta atât prin deprecierea materialului îmbătrânit, cât şi prin lipsa de mijloace pentru refacerea pădurii, unde solul forestier descoperit nu producea nimic încă un şir de ani, care continuând în această stare devenea şi pentru pădurea de mai târziu instalată, tot mai puţin productiv.

Iată deci că ideia exploatărilor cu continuitate, nu-i legată de faptul simplu şi local al recoltării produselor lemnoase într'un raport susţinut, decât în cazul cu totul excepţional, când pădurea respectivă este în stare normală, ceiace nu am reuşit noi oamenii şi mai ales noi românii — să obţinem.

Exploatările cu continuitate în cadrul amenajamentului comun prin executarea lor au asigurat Poloniei existenţa şi refacerea pădurii, conducând creşterea ei, spre starea normală.

*

In Suedia amenajamentul comun apare ca o urmare firească a adaptării proprietarilor forestieri la situaţiile naturale, cari aci par'că mai accentuat decât oriunde, apar ca imperative vitale. Deoarece ideia de asociaţie este urzeala întregului edificiu de viaţă socială (eroică şi demnă) a populaţiei

suedeze. Aici valorificarea pădurilor în comun este un fapt economic frecvent şi singurul normal.

Inainte de a trece la expunerea formei amenajamentului comun din această ţară, redau schematic starea de fapt a pădurilor de aci, şi preocupările administraţiei silvice respective.

Pădurile suedeze (constituite din molid şi pin, pure şi în amestec) reprezintă pentru noi idealul gospodăriei forestiere, fiindcă aci, cultul populaţiei pentru acest nesecat şi prim izvor de bogăţie, a oprit în primul rând, ca aceste arborete să fie devastate prin exploatări rase, cari rupeau echilibrul pădurii, periclitându-i continuitatea.

Al doilea aspect este grija cu care fiecare proprietar — mic şi mare — îşi recoltează şi valorifică ultima bucăţică de lemn, din care cauză şi mijloacele de inventarierea proprietăţii şi a capitalului lemnos, de exploatare şi transport, sunt alese aşa ca pierderile şi erorile să fie minime.

Al treilea aspect este forma aproape total accesibilă a terenului păduros, şi determinarea geografică a unor mari bazine forestiere, brăzdate de râuri cu apă multă şi debit constant.

Din punct de vedere al administraţiei silvice se observă că Statul este reprezentat cu cca 20% din proprietatea forestieră, pentru care şi-a creiat servicii administrative aparte, iar restul proprietarilor: Instituţii Publice, Domeniul Coroanei, Biserici, proprietari particulari (mici şi mari), Societăţii forestiere etc. sunt reprezentaţi cu toţii în procente simţitoare. Administrarea pădurilor acestor din urmă proprietari, se face sub supravegherea şi controlul unei Direcţiuni — în minister — similare cu aceia a fostului Regim silvic dela noi. In exterior, proprietarii mai mari sunt obligaţi a avea personal tehnic, pe care-l plăteşte direct, iar micii proprietari, capătă asistenţă silvică gratuită (plătită de stat, organizaţii silvice semioficiale, etc.) constând din personal tehnic specialist, care lucrează cel puţin două zile pe an la fiecare (mic) proprietar solicitant, căruia îi execută astfel gratuit, lucrări de hotărnicie, de amenajare, de estimaţie, de marcarea arborilor destinaţi tăerii, etc.

Controlul aplicării legiuirilor silvice se execută de organele centrale ale Ministerului respectiv, indicate în acest scop, cari exercită această funcţiune cu multă uşurinţă, graţie metodelor simple şi aproape standardizate, de valorificarea lemnului.

In aceste circumstanţe, mulţi dintre proprietarii mici, şi cu acelaşi regim juridic al proprietăţii (lucrând cu acelaşi personal tehnic) pornesc în asociaţie pentru a-şi valorifica lemnul, majoritatea însă, păstrându-şi amenajamente separate pentru pădurea lor; numai în cazuri speciale, la aceştia, găsim amenajamente comune propriu zise, anume la cei uniţi prin legături de rudenie şi tradiţii familiare (cari pe unele văi apar destul de dese).

Ştiinţific vorbind însă, amenajamentul comun apare în Suedia la o singură categorie de proprietari (mai nouă, care succede foştilor proprietari particulari), la aceia a societăţilor forestiere, cari sunt destul de bine reprezentate aci.

Cel mai tipic în privinţa aceasta apare „Svenska celulose Aktibolage" din Sundswall, care are ca proprietate în domeniul forestier în basinul râului Indal şi Lyangan de cca 70.000 ha pădure, constând dintr'o sumă de 16 proprietăţi mai mici, ale altor societăţi forestiere (un fel de obştii de cumpărare dela noi) în majoritate învecinate unele de altele, constituind câteva trupuri de pădure vecine, în acelaşi basin.

In vederea obţinerii capitalului necesar construcţiei unor grandioase fabrici de cherestea şi de celuloză, deci în vederea celei mai raţionale valorificări a lemnului, aceste mici societăţi s'au constituit într'un concern întocmindu-şi cum era şi firesc, un plan comun de amenajare a pădurilor.

In felul acesta a obţinut o unitate de comandament în reglementarea producţiei forestiere, o siguranţă şi o continuitate în exploatări, cari s'au putut sincroniza în funcţie de puterea de producţie a arboretului, cu nevoile fabricelor, iar acestea s'au creiat astfel în condiţiunile unei producţii constante şi continui, pentru cca 80—100 de ani.

Amenajamentul comun aci s'a întocmit după ce s'a cunoscut:

a) suprafaţa exactă a proprietăţii fiecărui asociat;

b) capitalul lemnos al fiecărui proprietar;

c) creşterile medii anuale şi periodice;

d) valoarea pădurii, funcţie de situaţia ei faţă de drumuri, de căile de transport (râuri) şi de noile investiţii necesare în vederea unei valorificări normale şi continui a lemnului;

e) calitatea solului şi puterea lui de producţie.

Cu aceste elemente bine cunoscute, fiindcă în Suedia toate aceste date sunt de mult determinate pentru fiecare porţiune de pădure, s'a procedat la alcătuirea unui amenajament comun, care încadrează o sumă de amenajamente culturale, egală cu cea a proprietarilor asociaţi.

Aceste lucrări parţiale — să le zicem amenajamente culturale — cari vizează în deosebi activitatea culturală (rezumată la rărituri) la pădurile în chestie şi reliefează situaţia exploată-

rilor respective, sunt de fapt componentele firești și de bază ale amenajamentului comun, deoarece aci, unde tipurile arboretelor se reduc la două, unde modalitatea de tratament este aproape unică, aceia a codrului grădinărit sau quasigrădinărit, partea culturală a pădurii să împletește organic cu aceia a exploatărilor, a căror revers este.

In aceste condițiuni, continuitatea pădurii se realizează prin însăși continuitatea exploatărilor, obținându-se astfel simultan și în mod clar, unitatea de comandă, de orientare în valorificarea lemnului și în întreg sectorul economiei forestiere, adică ceiace se numește la noi, realizarea primordială a acțiunii de planificarea economiei silvice.

*

In România ideia amenajamentului comun a fost îmbrățișată de marea majoritate a silvicultorilor; iar puținii cari au îmbrățișat-o, nu au avut încă prilejul să pornească la o aplicare a ei. Totuși, prin moțiunea celui de al 54-lea congres al silvicultorilor români, se promovează această nouă formă de gospodărie forestieră. Rămâne însă de văzut unde și cum se poate pune în aplicare un astfel de amenajament. Incerc totuși o schițare a condițiunilor necesare — minime — cari trebuesc găsite pentru aplicarea lui la pădurile românești.

La noi, ca și țările mai sus menționate, creiarea și punerea în practică a amenajamentului comun, trebue să aibă la bază un scop, care în nici un caz nu poate fi, numai găsirea a cel puțin 10 proprietari forestieri (ori care ar fi!) cari să-și amenajeze pădurile în comun, fără ca în prealabil aceștia să obțină și asigurările necesare unei rentabilități sporite la producția și intereselor pădurilor lor, pe lângă acea promisiune a micșorării impozitelor. Deci, în primul rând, trebue bine și real determinat scopul aplicării amenajamentului comun, atât din punct de vedere al realizărilor practice imediate, cât și a celor de viitor, din cari să apară clar o situație pozitivă mai bună decât cea de până acum.

Apoi, din aceleași cazuri expuse mai sus, se observă că numai proprietarii forestieri cu un identic regim juridic al proprietății, s'au grupat spre a-și amenaja în comun pădurile, deoarece numai în acest caz se pot aplica în mod practic, metode și norme unitare de admini-

straţie, pentru mai multe proprietăţi grupate sub aceiaşi comandă. Prin urmare, ori proprietăţi de stat între ele, ori particulare pure, ori numai ale persoanelor juridice etc. ar putea forma la noi obiectul unui amenajament comun.

Dacă se impune un număr minim de 10, se prea poate ca înfăptuirea să nu fie posibilă, întrucât să nu existe decă 7—8, sau numai 2—3 proprietari vecini, deşi cu interese similare, cu proprietăţi din acelaşi regim juridic şi cu situaţii economice convergente.

Reţinându-ne asupra numărului minim în condiţiuni de continuitate fără a observa că suprafaţa minimă determină condiţiuni de exploatări cu continuitate (şi aceasta funcţie de starea de fapt a arboretelor şi de modalitatea de tratament aleasă) cred că nu este cea mai bună soluţie.

Astfel că la noi, pe lângă:

1. Condiţiunile de identică situaţie juridică pentru proprietăţile în chestie:

2. Condiţiunile de convergenţa factorilor stării şi poziţiei economice a proprietăţilor;

3. Existenţa mijloacelor materiale în vederea organizării pentru obţinerea rentabilităţi sigure, mai este nevoie de stricta cunoaştere şi condiderare a:

4. Condiţiunilor culturale a arboretelor respective, (toate elementele şi funcţiunile arboretului şi solului), fără de cari nu se poate aplica un amenajament comun cu continuitate sigură.

5. Condiţiunilor tehnice silvice, (hotărnicia şi cadastrul) ale proprietăţii, datele aplicării amenajamentelor anterioare, fiindcă la noi consideraţiuni de similitudine staţională, sau regională pentru elementul pădure, nu se pot lua de bază, deoarece fiecare pădure în parte, a ajuns să aibă date specifice, gra ţie neomogenităţii şi lipsei de unitate în metodele de exploatări practicate până azi.

In acest caz, un amenajament comun cu continuitate (mai ales la proprietarii particulari) nu-i posibil fără:

a) Contribuţia efectivă a Statului, pentru a determina precis factorii componenţi ai pădurilor şi condiţiunile de desfăşurare ale amenajamentului comun, ferindu-ne astfel de dăunătoare surprize;

b) Realizarea unui regim juridic cât mai unitar pentru proprietatea forestieră;

c) O încercare de planificare legală a economiei forestiere, căreia să ne încadrăm şi integrăm continuu;

d) Siguranţa continuităţii metodelor şi practicelor forestiere corespunzătoare necesităţilor pădurilor noastre, în vederea redresării şi restabilirii lor, în condiţiuni de optim cultural.

Prin conturarea aceasta a amenajamentului comun, am încercat să relev, că acest gen de amenajare nu-i creat pentru a servi numai partea economică a pădurii, izolându-se de cea culturală; că prin aplicarea lui se tinde la restaurarea puterii maxime de producţie a complexului forestier respectiv şi la menţinerea ei acolo unde-i stabilită; că nici numai cultura propriu zisă a pădurilor, precum nici numai rentabilitatea, nu formează scopul final al pădurii, ci continuitatea, componenta aceasta, care asigurând viaţa arboretului respectiv prin normala ei funcţionare, este în sensul anatomic, inima pădurii, care pe lângă construcţia ei proprie, reclamă ca şi întreg organismul căruia îi aparţine, să fie un tot armonic.

*Gemeinsame Forsteinrichtung für mehrere Wälder.*

*Aménagements communs pour plusieurs forêts.*

La question des aménagements communs à plusieurs forêts, appartenant même à des propriétaires divers, préconisés afin de réaliser la continuité des coupes et d'assurer le rapport sontenu, a fait l'objet des discutions dans les revues et dans les assemblées des forestiers roumains.

L'auteur presente un compte rendu sur la mise en pratique de cette idée en deux régions de la Pologne: Bialowezia et Vilno.

# FABRICAREA FURNIRULUI

de Ing. ANDREI MĂLĂESCU

Oraviţa (Jud. Caraş)

II.

Furnirul într'o singură foaie se întrebuinţează mai rar. Totuşi sunt o mulţime de obiecte cari se pot fabrica dintr'o singură lamelă de furnir. Printre aceste obiecte numărăm în primul rând corfele pentru împachetarea strugurilor, a piersicelor, a murelor, apoi pentru împachetarea lămâielor, merelor, perelor, cari au pereţii despărţitori din scânduri, iar pereţii laterali, fundul şi capacul din furnir. Pentru scopuri medicinale, furnirul se întrebuinţează la fabricarea unor plăci pentru legarea membrelor cu oasele frânte, precum şi pentru fasonarea unor mici (lopeţi) linguriţe pentru cercetarea gâtului. Din furnir simplu se mai fabrică capace pentru acoperirea canelor şi vaselor de apă, ba chiar şi corpuri cilindrice (un fel de butoaie), la cari păstrarea formei se realizează prin copci de sârmă sau cuie. Furnirul de ulm (de 1,3 mm grosime) se întrebuinţează şi la împachetarea pieilor tăbăcite, cărora le oferă destulă protecţie şi în acelaş timp permite păstrarea formei rotunde a pachetelor. In industria fabricării mobilei, foile simple de furnir (în grosimi mai mari) se întrebuinţează ca funduri la cutiile pupitrelor, ca pereţi despărţitori la cutii şi dulapuri, pentru fundurile superioare şi spatele dulapurilor (la mobila fină se preferă şi pentru aceste scopuri lemnul contraplacat), precum şi pentru pereţii despărţitori ai sertarelor în prăvălii, etc.

---

N. R. A se vedea partea I-a a acestui articol în Nr. 11/1940 al Revistei Pădurilor.

Insă, cea mai importantă întrebuinaţre, o găseşte furnirul în acoperirea aşa numitului lemn ascuns în scopuri decorative şi mai ales în industria fabricării lemnului contraplacat (Sperrholz, bois compensé, legno compensato) şi a plăcilor de tâmplar (Pannelplatten).

## Ce este lemnul contraplacat?

Sub noţiunea de lemn contraplacat (sau mai simplu „contraplacaj"), se înţelege o placă formată din mai mult foi de furnir, deobiceiu în număr impar, încleite laolaltă, la care direcţia fibrelor singuraticelor foi este perpendiculară una pe alta.

Singuraticele straturi de furnir pot fi din furnir derulat, decupat sau chiar tăiat la fierăstrău, straturile netrebuind să fie dintr'o singură bucată, ci putând fi croite din mai multe bucăţi adause şi lipite unele lângă altele.

Această dispoziţie a straturilor de furnir are menirea de a provoca o împiedicare reciprocă a lucrării lemnului, în tendinţa lui de umflare sau contractare sub acţiunea umidităţii şi a variaţiunilor de temperatură. Singuraticele elemente ale contraplacajului îşi echilibrează reciproc şi în toate direcţiile reacţiunile moleculare interne, datorite influenţei variaţiunilor atmosferice.

In felul acesta se ajunge a crea din lemnul natural, care este cea mai neomogenă materie, un produs omogen din toate punctele de vedere ale rezistenţei materialelor.

Cercetări ştiinţifice de laborator au dovedit, că rezistenţa lemnului contraplacat la încovoire, compresiune şi tensiune şi la forfecarea verticală (datorită repartiţiei reacţiunilor în toate direcţiile) este mult mai mare, ca lemnul simplu, astfel încât o placă de lemn din furnir contraplacat având o grosime de numai 1/3—1/4-a parte dintr'o scândură massivă, prezintă aceeaş rezistenţă.

Desvoltarea considerabilă pe care a luat-o industria furnirului şi a lemnului contraplacat, în ultimele două decenii, se datoreşte în primul rând omogenităţii şi stabilităţii lemnului contraplacat, iar în al doilea rând faptului, că din trunchiuri cu diametre mici se pot obţine plăci omogene de dimensiuni mari, cari depăşesc de multe ori cel mai mare diametru de buşteni.

Motivele cari stau la baza desvoltării lemnului contraplacat sunt următoarele:

1. Furnirul cu desene frumoase se taie din esenţele nobile, de-obiceiu transversal pe direcţia fibrelor (prin decupare) şi din această cauză este fragil şi necesită un suport (reazim) dintr'un lemn mai tare, pe care se lipeşte prin încleire.

2. Furnirul cu desene neregulate trebue croit din mai multe bucăţi, cari se alătură şi se lipesc laolaltă pentru a da efecte artistice prin realizare de figuri simetrice.

3. Din motive de economie, furnirul scump, cu desene frumoase, tăiat din esenţe preţioase, se utilizează numai la suprafaţă, iar restul părţilor constructive ale obiectului respectiv, care trebue să-i asigure rezistenţa necesară, se construesc din lemne mai puţin preţioase.

4. Reacţiunile moleculare ale lemnului masiv pot fi echilibrate (anihilate) prin faptul că i se lipesc în mod raţional pe ambele feţe, câte unul, două sau mai multe straturi de furnir (întotdeauna în număr egal, de o parte şi de alta).

5. Obiecte de formă neregulată, curbată, (ca scaune de teatre, cinematografe, capete de paturi curbate, etc.) nu pot fi realizate cu uşurinţă şi eftin, decât din lamele de furnir lipite laolaltă, sub presiune, în anumite tipare.

6. Plăcile contraplacte, realizate prin încleire curmezişă a mai multor lamele subţiri de furnir laolaltă, sunt de obiceiu de 4 ori mai rezistente, decât o scândură masivă de aceeaşi grosime.

*

Datorită omogenităţii, stabilităţii şi rezistenţii sporite a lemnului contraplacat, acesta elimină tot mai mult scândurile obicinuite din toate industriile prelucrătoare de lemn.

Astăzi câmpul de întrebuinţare al lemnului contraplacat este neînchipuit de vast. Astfel, lemnul contraplacat se întrebuinţează nu numai pentru fabricarea mobilei şi a interioarelor de camere (căptuşeli, tapete, etc.) ci şi pentru o mulţime de alte obiecte. Ori încotro te întorci cu ochii într'o casă, în tren, în vapor sau în aeroplan, poţi zări un obiect fabricat din lemn contraplacat. Astăzi industria mobilei, tâmplăria de binale, construcţiunile de case, construcţiunile navale şi aviatice, fabricarea ambalajelor etc. nu mai pot fi concepute fără utilizarea contraplacajelor şi a plăcilor.

*

In comerţul Europei Centrale se cunosc două grupe de contraplacaje şi anume: contraplajele subţiri şi plăcile de tâmplar (Pannel-Platten). Modul de construcţie al acestor două feluri de contraplacaje este cu totul diferit.

La orice contraplacaj deosebim trei părţi constitutive: mijlocul, unul sau mai multe straturi de foi de furnir lipite curmeziş pe ambele feţe ale mijlocului (Mittellage) şi cleiul cu care se lipesc straturile de furnir pe mijlocul plăcii.

La grupa contraplacajelor subţiri, mijlocul plăcii este format dintr'o lamelă de furnir ferestruit, decupat sau derulat. Lamela de furnir a acestui mijloc (Mittellage) poate fi formată dintr'o singură bucată ca în fig. 3 sau mai multe fâşii croite şi alipite laolaltă prin încleire, ca în fig. 4.

Fig. 3. Fig. 4. Fig. 5.
(După Knigth-Wulpi: Furnier und Sperrholz Bd. I).

Dispoziţia din fig. 4, este preferabilă celei din fig. 3, în cazul furnirului derulat, deoarece furnirul derulat întotdeauna tinde să revină la forma convexă pe care a ocupat-o în corpul buşteanului şi această tendinţă este cu atât mai puternică cu cât grosimea furnirului este mai mare, — cu cât a fost diametrul buşteanului din care a provenit mai mic, şi cu cât lăţimea furnirului este mai mare. Dacă fiecare din fâşiile ce compun lamela dela mijloc a contraplacajului mare are totuşi tendinţa de a reveni la forma convexă, această putere a lor este mult redusă corespunzător lăţimii lor neînsemnate, astfel că şi acţiunea totală a întregei lamele care tinde să o contracteze, este mult mai redusă în cazul dispoziţiei din fig. 4, faţă de dispoziţia din fig. 3.

Pentru aceleaşi considerente se vor prefera şi lamelele acoperitoare ale mijlocului plăcii, cari sunt formate din mai multe fâşii, ca în fig. 5.

Contraplacajul rezultat din lamele de furnir croite din mai multe fâşii înguste ca în fig. 5, dă un produs mult mai valoros din punct de vedere al rezistenţii şi stabilităţii, decât în cazul când aceste lamele sunt dintr'o singură bucată.

Pentru ca reacţiunile moleculare de umflare sau contractare ale mijlocului plăcii să fie complect anihilate de aceleaşi reacţiuni ale lamelelor de furnir acoperitor, se cere ca acestea să aibă aceeaşi grosime şi pe cât posibil aceeaşi calitate (de o parte şi de alta a mijlocului).

Contraplacajele subţiri se fabrică din 3, 5, 7 etc. straturi de furnir curmezişe, întotdeauna în număr impar, pentruca

mijlocul să fie acoperit simetric pe ambele lui feţe de acelaş număr de straturi.

Contraplacajele fabricate din mai mult ca trei straturi de furnir, se mai numesc şi plăci-multiplex.

Contraplacajele subţiri se fabrică în grosimi dela 0,3 până la 13 mm. La noi în România numai dela 3 mm în sus.

Aceste contraplacaje se pot fabrica fie numai din furnir derulat, întrebuinţându-se ca lemn ascuns în tâmplărie de mobile sau pentru construcţii de uşi şi lambrituri în tâmplăria de binale, fie că peste contraplacajul din lemne mai puţin valoroase se mai lipeşte pe ambele feţe câte o lamelă de furnir decupat cu desene frumoase din esenţe nobile, în scopuri decorative.

Grosimea lamelelor de furnir exterior al acestor contraplacaje variază dela 0,8—1,6 mm.

*

La contraplacajele groase, numite şi plăci de tâmplar sau plăci-Paneel, mijlocul este format dintr'o placă rezultată din încleirea laolaltă a o mulţime de bare prismatice având grosimea necesară plăcii şi lăţimea până la 25 mm, ca în fig. 6.

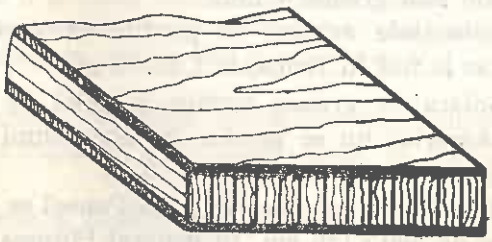

Fig. 6.

Inelele anuale ale acestor bare sunt verticale pe sensul lăţimii plăcii.

Iată cum se fabrică în Europa aceste plăci mijlocii ale plăcilor-Paneel:

Se încleiesc mai multe scânduri (fie geluite, fie în stare negeluită, dacă sunt destul de curate) într'un singur bloc ca în fig. 7, care după terminarea prizei, se debitează, în plăci după liniile punctate, într'un gater.

Aceste plăci servesc ca mijloace (Mittellage) pentru fabricarea plăcilor-Paneel.

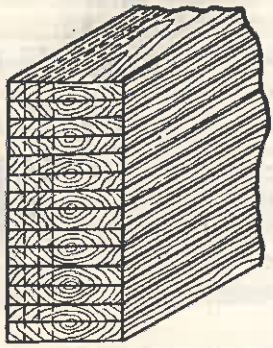

Fig. 7.

După Knigth-Wulpi: Furnir und Sperrholz.

Aceste plăci mijlocii se produc din lemn moale, pin, molid etc., acoperindu-se, apoi, pe ambele lor feţe cu lamele de furnir, care pentru tâmplăria de binale pot fi din fag, iar pentru o execuţie mai preţioasă, din teiu. Pentru tâmplăria de mobile peste furnirul exterior, se mai lipeşte în faţă o lamelă subţire de furnir preţios, iar în spate, pentru echilibrarea eforturilor interioare, o lamelă de furnir ordinar.

Grosimea ambelor straturi de furnir acoperitor, nici la cele mai subţiri plăci-Paneel, nu este mai mică de $2^1/_2$ mm.

In general plăcile-Paneel se fabrică în grosimi dela 10 mm până la 40 mm.

La plăcile cu o grosime totală de 20 mm, grosimea celor două straturi de furnir acoperitor laolaltă este de 3 mm, iar la plăcile cele mai groase 4 mm.

Contraplacajele subţiri se produc în dimensiunile de 1,60×3 m, iar la noi în România 1,25×2 m.

Contraplacajele groase, numite şi plăci de tâmplar sau Paneel, în America nu se produc în dimensiuni mai mici ca 1,6×2,8 m şi nici mai mari ca 1,85×5 m.

La noi în România şi aceste plăci-Paneel se fabrică tot în dimensiunile de 200×125 cm. In general lăţimea acestor plăci este dictată de lăţimea presei hidraulice.

De obiceiu plăcile mijlocii ale Paneel-elor sunt dispuse cu direcţia fibrelor în sensul dimensiunei (lungimii) celei mari, iar furnirul acoperitor cu direcţia fibrelor în sensul dimensiunii celei mici a plăcii. De ex. la o placă-Paneel de 1,6×4,5 scândurilele din care este format mijlocul au 4,5 m lungime, iar furnirul acoperitor 1,6 m lungime.

In Germania plăcile-Paneel se produc în dimensiunile de 1,50×4,50 m.

*

Al treilea element constitutiv al contraplacajelor este

cleiul, cu care se ung feţele plăcii mijlocii, peste care se aşează furnirul acoperitor, apoi se presează puternic laolaltă. Presarea se face cu ajutorul unor prese hidraulice, între plăci de fontă, încălzite cu aburi, la o presiune de 25—30 Kg/cm².

Se întrebuinţează mai multe feluri de cleiuri şi anume: din plante, din oase sau piele, din albumină şi din caseină. Ultimele două sunt cele mai căutate.

Cleiul de albumină se compune din 100 părţi albumină + 180 părţi apă + 3 părţi hidrat de amoniu + 3 părţi hidrat de calciu. Este foarte rezistent la umezeală, însă trebue aplicat şi presat la cald. Se utilizează foarte mult în America.

Cleiul de caseină se compune din 1 parte caseină în pulbere + 3 părţi apă, iar după 24 ore se mai amestecă lapte de var în proporţii egale. E rezistent la variaţiile de căldură şi umiditate. Se întrebuinţează pe o scară foarte întinsă, aproape exclusiv, în Europa.

Demne de amintit sunt şi cleiurile de răşină, cari sunt foarte rezistente contra apei şi contra acizilor.

In ce priveşte procedeele de încleire, deosebim procedeul cu furnirul udat în prealabil (Nassleimverfahren) şi procedeul cu furnirul uscat (Trockenleimverfahren).

La primul procedeu cleiul se aplică numai după ce s'au umezit bine foile de furnir, apoi se bagă în presă, unde se obţine şi uscarea furnirului. Operaţiunea de presare şi uscare durează ¾—1 oră.

La al doilea procedeu stratele de furnir se usucă în prealabil şi se încălzesc, apoi li se aplică cleiul şi se supun acţiunii presei hidraulice. Operaţiunea de presare durează 6—10 minute. După ce se răcesc plăcile se refecă şi ciselează, apoi se dau la întrebuinţare.

*

In rezumat, diversele operaţiuni din industria fabricării lemnului contraplacat sunt următoarele, în ordinea în care se succed:

1. Aducerea buştenilor la fabrică;
2. Scurtarea lor în lungimile dorite;
3. Aburirea sau fierberea lor;
4. Derularea blocurilor de furnir;
5. Tăierea furnirului în formatul dorit;
6. Uscarea furnirului;
7. Croirea furnirului şi prelucrarea dungilor în vederea alipirii lor;
8. Alipirea prin încleiere a foilor croite, pentru a obţine lamele cu anumite desene artistice;
9. Ungerea cu clei a mijloacelor (Mittellage);
10. Aşezarea curmezişă a furnirului acoperitor peste mijloace;

11. Presarea contraplacajelor pentru realizarea încleirii;
12. Uscarea ulterioară (după încleire) a contraplacajelor;
13. Tăierea şi refecarea contraplacajelor în formatul dorit;
14. Ciselarea contraplacajelor;
15. Impachetarea, depozitarea sau expedierea contraplacajelor.

La producerea furnirului prin derulare, randamentul poate atinge şi 75% în cazul unor buşteni groşi şi valoroşi din toate punctele de vedere.

In general putem conta pe un randament de 60—65%, în cazul buştenilor de peste 45 cm grosime.

In cazul buştenilor subţiri, cum sunt cei de mesteacăn din ţările nordice, de 20—35 cm grosime, randamentul în furnir variază între 30—43%.

## Preţul furnirului şi al lemnului contraplacat pe piaţa Timişoarei la data de 1 Martie 1940

*Placaje încleite în dimensiuni normale de 200 × 125 cm.*

Preţul pe m²:

| Grosimea: | 3 mm. | 4 mm. | 5 mm. | 7 mm. | 8 mm. | 10 mm. |
|---|---|---|---|---|---|---|
| Fag: Lei | 59 | 70 | 78 | 108 | 125 | 155 |
| Tei: Lei | 82 | 90 | 103 | 144 | 163 | 204 |

*Placaje pentru uşi de 5 mm grosime din 3 foi de tei, în dimensiunile:*

215 cm lungime şi 65—75—85—90 cm lăţime Lei 103/m².

*Placaje de fag furniruite cu lamele de esenţe preţioase, având o grosime de 5 mm.*

| | | |
|---|---|---|
| Cu stejar | 160 | Lei/m² |
| „ frasin | 150 | „ „ |
| „ mahon | 185 | „ „ |
| „ cireş | 150 | „ „ |
| „ frasin creţ | 185 | „ „ |
| „ nuc | 170—185 | „ „ |

Plăci-paneel:

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| In dimensiunile: | 200×125 cm şi | 20 mm grosime | 280 | Lei/m² |
| | 200×125 „ „ | 24 „ „ | 290 | „ „ |
| | 200×125 „ „ | 30 „ „ | 310 | „ „ |
| | 200×105 „ „ | 40 „ „ | 410 | „ „ |

La grosimea de 24 şi 30 mm, dacă celelalte dimensiuni variază după cum urmează:

250×125 cm
250×150 „
175× 55 „
175× 60 „
183×183 „

Se mai adaugă la preţurile respective de mai sus, încă un supra preţ de 20 lei/m².

*Preţuri de orientare pentru furnir:*

| | |
|---|---|
| Fag aburit I-a | 12—14 Lei/m² |
| „ „ II-a | 8—10 „ „ |
| Paltin alb I-a | 15—25 „ „ |
| „ „ II-a | 8—15 „ „ |
| „ „ riglat | 25—50 „ „ |
| „ gri simplu | 30—40 „ „ |
| „ gri riglat | 50—70 „ „ |
| Stejar I-a | 20— 25 Lei/m² |
| „ II-a | 8— 15 „ „ |
| „ 3 mm | 70— 90 „ „ |
| Frasin simplu | 10— 20 „ „ |
| „ flader alb şi brun | 30— 35 „ „ |
| „ creţ | 35— 60 „ „ |
| „ riglat | 30— 60 „ „ |
| „ cu flori originale | 80—600 „ „ |
| Cireş I-a | 15— 25 „ „ |
| „ II-a | 8— 15 „ „ |
| Plop cu flori I-a | 40— 60 „ „ |
| „ „ „ II-a | 15— 30 „ „ |
| Nuc I-a flader şi friz | 20— 45 „ „ |
| „ I-a deschis | 12— 20 „ „ |
| „ partidă | 10— 20 „ „ |
| „ cap | 35—150 „ „ |
| „ rădăcină | 25—250 „ „ |
| „ caucazian flader | 40—100 „ „ |
| „ caucazian cap | 60—200 „ „ |
| „ caucazian rădăcină | 200—500 „ „ |
| Ulm | 18— 30 „ „ |
| Păr aburit | 15— 50 „ „ |
| Meiez | 35— 50 „ „ |

*Furnir exotic:*

| | |
|---|---|
| Mahon Sapelli (gestreift) | 40— 50 Lei/m² |

| | |
|---|---|
| Mahon cu flori | 250—320 Lei/m² |
| „ piramidă | 200—300 „ „ |
| Paltin cu ochi | 100—300 „ „ |
| „ gri | 100—320 „ „ |
| Păr african | 120—160 „ „ |
| Trandafir japonez | 120—150 „ „ |
| „ siamez | 80—120 „ „ |
| Palisandru | 100—220 „ „ |
| Abanos-Macassar | 160—250 „ „ |
| Lămâiu veritabil | 120—220 „ „ |

Astăzi aceste preţuri sunt sporite cu circa 30%.

Pentru a ne face o idee mai apropiată de câştigurile realizate de industria furnirului, amintim, că Societatea U. D. R. vinde Fabricei de furnir Fraţii Prohaszka din Deta un m. c. buşteni de fag cu Lei 9000 franco vagon Anina.

Distanţa de transport pe C. F. R. până la Deta este 136 Km., iar costul transportului unui vagon de 10 tone se ridică la 2719 Lei. Cum într'un vagon de 10 tone se încarcă circa 8—10 m. c. buşteni de fag (în stare verde), costul transportului pe C. F. R. a unui m. c. revine la 300 Lei. Deci un m. c. de buşteni de fag, franco gara Deta revine fabricei la 1200 Lei; la această sumă se mai adaugă cifra de afaceri şi timbrele facturii, precum şi transportul eventual dela gară la fabrică, astfel că nu credem să greşim dacă considerăm costul buştenilor ab fabrică la 1500 Lei/m³.

Admiţând că dintr'un m. c. lemn rotund se scoate 60% furnir comercializabil, adică 600 m. p. lamele de 1 mm. grosime, şi deducând din ilsta preţurilor de mai sus, că actualmente furnirul de fag se vinde cu 18 Lei/m. p. constatăm, că fabrica încasează brut Lei 600×18=10.800 pentru marfa rezultată dintr'un m. c. de buşteni.

Dacă pe lângă preţul de cost al buştenilor mai socotim pentru prelucrare, amortizări şi impozite încă o sumă de 2500 Lei/m. c., adică o cheltuială totală de Lei 4000, deducem un venit net de 6800 Lei/m. c. (170% câştig).

Iată ce venituri fantastice pierd proprietarii mari de păduri, prin faptul că nu se nizuesc să acapareze şi aceste industrii prelucrătoare a lemnului brut, industrii, cari sunt mai rentabile şi de cât industria fierului.

*

Am întocmit acest studiu, mai mult cu un caracter informativ, având menirea de a sesiza autorităţile noastre conducătoare din Ministerul Agriculturii şi Domeniilor şi din cel al Economiei Naţionale, asupra importanţei acestei industrii, în speranţa că se vor lua şi măsurile necesare pentru desvoltarea ei de către Stat şi ceilalţi mari proprietari de pădure.

Este semnificativă următoarea informaţie primită dela un tâmplar: „Fabrica de avioane din Braşov a făcut o comandă de

furnir pentru elice de avioane la o firmă din Paris, şi mare i-a fost mirarea când la despachetare a zărit pe toate pachetele firma Fabricei Prohaszka din Deta". Prin câte vămi a trecut această marfă la eşirea din Ţară şi la întoarcerea ei? In mod firesc ne punem întrebarea: pentru ce trebue să plătim noi acest tribut financiar internaţional?

LITERATURA CONSULTATĂ:

1. — **Knigth-Wulpi:** Furniere und Sperrholz. Bd. I şi II. 1930.
2. — **A. Pachler:** Aus der Furnier- und Sperrholzindustrie. (Wiener Allgemeine Forst- und Jagd- Zeitung Nr. 5—9—11—18—19 şi 30 din 1938).
3. — **Dr. Rudolf Ludwig:** Furniere, Sperrholz, Tischler-platen (Wademekum 1928).
4. — **Prof. Dr. Sburlan:** Fabrici de cherestea.
5. — **Gayer-Fabricius:** Forstbenutzung, 1935.

*Furnierherstellung.*

*La fabrication des placages en bois.*

Suite d'un article publié dans le No. 11/1940 de la revue, où l'auteur s'est attaché à la discution du problème des placages en bois.

Cette fois, il examine la question des contre-placages en bois. Tout d'abord il montre les motifs qui ont conduit au développement de l'industrie du bois contre-plaqué. Puis il expose deux principales modalités employées en Europe, de préparer le contre-placage.

A la fin du travail on donne les prix des placages et des contre-placages sur le marché de la ville de Timişoara au 1 Mars 1940.

# VÂNĂTOARE ŞI PESCUIT

## UN TROFEU DE CERB EXCEPŢIONAL

de VASILE COTTA
(Alba Iulia)

Ne este sufletul copleşit de amărăciune şi revolta din inima noastră nu s'a potolit. Dramaticele urmări ale sfâşierilor la care a fost supus trupul pământului românesc, ne-a atras preocupările în alte direcţiuni.

Aşa se explică trecerea sub tăcere, până acum, a unui eveniment cinegetic de o covârşitoare importanţă pentru viaţa vânătorească de pretutindenea şi cu deosebire pentru ţara noastră: colegul nostru D-l inginer silvic Romeo Stănescu a împuşcat la 2 Octombrie 1940, pe terenul A. V. I. S. din jud. Bacău un cerb de o vigoare extraordinară, cerb care dobândeşte azi recordul mondial [1]).

Iată cum descrie revista „Carpaţii" în numărul 11/940 acest excepţional trofeu:

„In Moldova a căzut un cerb extraordinar!

La început am fost sceptici. Prea scad trofeele „extraordinare" sub măsurătoarea obiectivă a arbitrului! Trofeul cucerit pe seama gloriei vânătoarei româneşti de D-l Ing. Romeo Stănescu a făcut excepţie: faţă de primele rezultate, infrigurate, ale măsurătoarei neoficiale, arbitrajul oficial a constatat enorma cifră de 228,1 puncte Nadler! Iată sentinţa, care stopează pe seama ţării noastre poate pe decenii lungi, poate pentru totdeauna recordul internaţional de cerb european! Ca să ne dăm seama ce însemnează această cifră de 228,1, iată aici punctajul Nadler a celor mai vestiţi cerbi, care se cunosc: celebrul „Cerb Montenuovo", braconat şi deci contestat la concursuri, are 226,—; cel mai tare cerb „unguresc" împuşcat în 1911 de contele Draskovits în Maramureş are 220,65; „Cerbul Kosch", din Călimani, care a adus României recordul mondial la Lipsca, are 219,32 puncte.

„Cerbul Stănescu" a căzut în ziua de 2 Octombrie 1940 în terenul

1) A se vedea planşa de la începutul revistei.

de vânătoare al Societăţii „A. V. I. S." (Asociaţia vânătorilor ingineri silvici), pe pârâul Sboina Neagră dintre Judeţele Putna şi Bacău. Lauda se răsfrânge mai ales asupra acestei societăţi şi asupra celui, sub a cărui mână stă acel teren de munte, D-l Ing. silv. C. Ceauşu din Direcţia Vânătoarei. Am văzut acest trofeu, expus în sala de bibliotecă a „Progresului silvic". Intrând în aceea încăpere, m'am alăturat tăcut celor câţiva vânători, care stăteau muţi în faţa lui, ca în faţa unei minuni. Şi minune e într'adevăr acest trofeu. Fotografia, pe care o dăm, nu redă uriaşele lui proporţii, din lipsa unui element de comparaţie.. Craniul cerbului e şi el enorm, încât nu e indicator de proporţie. Când îl vezi însă aievea, e impresionant. Prăjinile lungi de câte 121 cm au cele mai mici grosimi de câte 18 cm. Raza ochiului se întinde 51 cm ieşind din roză de 30,5 cm diametru. Greutate de plumb 15 kg.

Ceeace e însă covârşitor, e aspectul de tărie, pe care îl are acest trofeu. Nu numai cantitatea enormă de materii nobile, pe care le-a putut acumula vitalitatea acestui animal în câteva luni abea în formaţiunea coarnelor, — dar însăşi forma acestora denotă o debordare de putere vitală. Parcă vezi cum în epoca creşterii coarnelor, trupul mare, viguros, a trimis spre creştet cantităţi atât de mari de material de clădire, încât meşterul nu a avut unde să-l mai aşeze. A îngroşat prăjinile, a lungit razele, a alcătuit bizare înfurciri, — a trântit doi pumni de os, care a coborît la vale în urma greutăţii, în curioasa formă de rază nemaivăzută.

Un clenciu al ochiului e rupt. Oare cum a fost duşmanul cerb, care s'a incumetat să ţină frunte cu acest colos? Oare ce coarne a putut avea, de a fost în stare să frângă din rădăcină raza ochiului celui pe care îl admirăm noi?".

Aşa descrie „Carpaţii" vigurosul trofeu.

Ori de câte ori au loc expoziţii internaţionale sau concursuri — fie ele şi sportive — care angajează obrazul Ţării, Românii de pretutindenea aşteaptă cu respiraţia reţinută — rezultatul. Succesul sau insuccesul se resfrânge asupra tuturora. La un simplu joc cu balonul rotund, zeci de mii de spectatori, sacrifică bani, timp şi osteneală, nu atât pentru a putea privi jocul în sine, cât mai ales pentru a putea afla cu o clipă mai de vreme un rezultat de natură să îmbogăţească gloria culorilor Ţării şi aplaudă din plin şi aceia cari din toată parada, înţeleg doar rezultatul numeric. Explicaţia? Mândria naţională. Şi cu toate acestea, cât de efemeră este o astfel de victorie! Durează doar câteva luni sau un an, până când o altă întâlnire internaţională se poate solda cu o înfrângere.

In mod calculat am vorbit de aceste spectacole sportive, pentru a scoate în evidenţă cu cât este mai durabilă gloria pe care colegul Romeo Stănescu a dobândit-o pe seama ţării

noastre. Până mai eri, cel mai puternic cerb din lume era unul de 219—220 puncte. Câteva sutimi de punct ar fi fost suficiente ca să doboare vechiul record. Şi cu toate acestea nici în aproape trei decenii nu s'a ivit un cerb mai puternic. Dar, iată deodată răsare cerbul doborît de colegul nostru, cerb care o ia înaintea tuturora, nu cu câteva sutimi sau zecimi de puncte, ci deadreptul cu 8 puncte întregi. Înţelegem deci cu toţii, că (după cum foarte bine spune „Carpaţii") pentru multe decenii de aci înainte şi poate pentru totdeauna „Cerbul Stănescu" va fi primul la concursurile dintre naţiuni.

Personalităţi marcante din străinătate s'au interesat de acest rar trofeu, încă înainte de a fi luat cunoştinţă de el mulţi dintre noi. Modestia şi altruismul caracterizează însuşi cercul nostru de activitate pădurăresc. Trebuia să vie alţii ca să scoată în evidenţă un asemenea succes.

De aci înainte lista deţinătorilor de alese trofee vânătoreşti (din România), listă care cuprinde în mare majoritate nume cu rezonanţă străină de băştinaşii din văgăunele Carpaţilor, — va fi obligată să primească la loc de frunte şi un nume care se sfârşeşte cu... escu.

Providenţa a voit, ca după atâtea nedreptăţi de care Corpul silvic a avut parte până acum, după atâtea învinuiri nemeritate, după atâtea calomnii, — unul care face parte din tagma huliţilor slujbaşi ai pădurii, să dobândească cel mai valoros trofeu de cerb din lume.

Să reţinem un lucru: cerbul care azi deţine recordul mondial a fost împuşcat în România, de un inginer silvic, pe terenul Asociaţiei vânătorilor ingineri silvici, întreţinut în bună parte cu sprijinul Societăţii Progresul Silvic şi al Casei Pădurilor Statului. Deci „verde" dela început până la sfârşit.

*Ein ungewöhnliches Geweich.*

*Un exceptionnel trophée de cerf.*

En Octobre dernier on a chassé dans une des forêts domaniales de Moldavie, reservée pour la chasse à la Société des chasseurs forestiers roumains, un cerf dont ses bois constituent aujourd'hui un récord mondial. En effet, ces bois ont obtenu 228,1 points Nadler, trandisque les plus connus jusqu'aujourd'hui ont atteint: le cerf Kosch 219,32 points, le cerf Drakovits 220,65 points, et le cerf Montenuovo 226 points Nadler.

# C R O N I C A

## CRONICA INTERNĂ

● **„Inginerul în activitatea economică".**

Cu acest titlu, a ţinut, Joi 28 Nov. 1940, la Şc. Politechnică, prof. Dr. Ing. W. Willing, decanul facultăţii economice dela Şc. Politechnică din Berlin, o conferinţă în faţa unui parterre de profesori ai Şcoalei noastre, de ingineri, studenţi şi reprezentanţi ai armatei şi legaţiei germane din Bucureşti.

Despre inginerie s'a scris şi s'a vorbit în multe prilejuri şi în multe ţări, desigur mai ales acolo unde s'a simţit nevoia unei orientări şi definiri a acestei profesiuni. In special în America şi Germania problema a format obiectul preocupărilor de acest gen, datorită şi faptului că tehnica ocupă un loc foarte important în viaţa economică a acestor ţări. Cu literatura respectivă a făcut fiecare din noi cunoştinţă atunci când în tinereţe a vrut să se lămurească asupra orientării profesionale.

La noi în ţară, în ultimii ani s'a agitat de asemeni problema mai ales că după răsboiul cel mare 1914—18, situaţia inginerilor nu mai era aceea dinaintea războiului, de aristocraţi ai intelectualilor. S'a simţit chiar nevoia să se vină cu o lege pentru apărarea titlului de inginer. Explicaţia acestei regresiuni se găsea în mentalitatea postbelică din ţară când iureşul incompetenţei isgonea din locurile de conducere în ierarhia administraţiei, tocmai pe acei cari contribuiseră din plin la desvoltarea României mai înainte, aşa încât inginerimea pierdu multe din poziţiile morale şi materiale pe care le avea anterior.

Independent însă de aceste cauze, să le zicem, locale, sunt şi altele de ordin general. Şi cu asta intrăm în cuprinsul conferinţei D-lui Prof. Willing. D-sa ne-a arătat cum tehnica a provocat schimbări importante în viaţa economică atât din punct de vedere social cât şi al structurii economiei însăşi. Şi se înţelege că numai un om cu pregătire tehnică este în măsură să ţină seama de influenţa tehnicei în viaţa economică. Totuşi, inginerii şi tehnicienii în genere, au refuzat, chiar şi în Germania, orice preocupare în afară de cea tehnică. Tratarea problemelor tehnico-economice o lăsase în seama netehnicienilor. De aci a rezultat pe de o parte scoaterea inginerilor din viaţa economică — ceea ce în Germania s'a dovedit ca nefavorabil pentru economia publică — iar pe de altă parte pierderea de către ingineri a locului care se datoreşte profesiunii lor în viaţa economică.

De aceea, din ce în ce s'a cerut tot mai insistent în Germania, o

pregătire a inginerilor şi pe plan economic. In 1927 s'a reuşit a se înfiinţa, la Şc. Politechnică din Berlin, pentru studenţii dela mecanică, electrotehnică, construcţii şi mine, cursuri şi lucrări practice din domeniul economiei politice şi ştiinţei întreprinderilor. S'a mers chiar şi mai departe şi s'a înfiinţat o secţie specială pentru aşa numiţi ingineri economişti. Aceştia au la bază o pregătire technică, însă în ultimele semestre studiază în special ştiinţa economică pentru a fi în stare să rezolve toate problemele de ordin economic. Intr'un stat unde tehnica este foarte avansată, ca şi în Germania, aceşti ingineri economişti corespund unei necesităţi adânc simţite.

In continuarea acestor idei, conferenţiarul a arătata apoi în amănunt care sunt cursurile şi lucrările practice pe care le-au de urmărit şi executat studenţii Politehnicelor germane dela secţia economică.

In ceea ce ne priveşte, am încercat parcă un sentiment de mândrie că Şcoala noastră nu e departe de aceste preocupări. Pentru motivul că la noi, cursurile de economie politică (2 semestre), de contabilitate (2 semestre), de finanţe şi buget (1 semestru), de administraţie (1 semestru), intră deja în pregătirea inginerilor silvici. Depinde numai de studenţi să-şi adâncească aceste cunoştinţe şi desigur şi de Şcoală pentru a nu se da impresia că sunt „dexterităţi" şi introduse în medie numai cu coeficientul 1.

T. B.

● **Examenul de subinspector 1940.**

Examenul pentru gradul de inginer subinspector silvic este un fenomen periodic anual în viaţa noastră de corp şi în special în ierarhia noastră silvică. Ca orice fenomen are grijă să apară cam în acelaşi anotimp la o dată însă variabilă fiind în funcţie de circumstanţe... de timp şi să provoace tot periodic friguri (de examen) şi stări psihologice bine-cunoscute şi generaţiilor care au trecut prin această încercare.

Ca de obiceiu, examenul a constat din trei probe: scrisă, de teren şi oralul, după ce în prealabil s'a depus tradiţionala „lucrare de subinspector".

La lucrarea scrisă, dată la Şc. Politehnică (14 Dec. 1940) candidaţii au avut de tratat două subiecte (câte unul din fiecare grupă) din cele date:

Grupa I.

a) Economia forestieră românească în cadrul statului naţional-legionar;

b) Măsuri practice de natură forestieră pentru ridicarea vieţii satelor;

c) Ce înseamnă pentru economia forestieră românească pierderea Basarabiei şi a părţilor din Bucovina şi Transilvania.

Grupa II.

Progrese realizate de administraţia silvică românească în ultimii 20 de ani în tehnica:

a) Exploatărilor în regie;

b) Plantaţiilor;

c) Amenajărilor;
d) Topografiei şi construcţiilor forestiere;
e) Corecţiei torenţilor.

Luni, 16 Dec., a avut loc proba de teren, în cuprinsul ocolului silvic Ţigăneşti. Fiecărui candidat i s'a repartizat câte o mică parcelă în care s'a făcut o descriere parcelară, s'a arătat cum urmează a se face o răritură, şi în sfârşit s'a cubat o rezervă de stejar arătându-se şi sortarea materialului.

Marţi 17 Dec., a început oralul, care a durat patru zile (până incl. Vineri 20 Dec.). S'au prezentat în total 38 candidaţi. Nu s'a înregistrat decât un singur eşec. Fericiţii câştigători ai examenului sunt următorii: Bădescu Gh., Bălănică T., Fedorovici C., Frăţilă V., Frumuşelu Gh., Niculescu I., Paşcovschi S., Popescu V., Popescu-Zeletin I., Rătan I., Rucăreanu N., Zaharia P., Bătucă I., Bordea D., Cara N., Casian P., Cimoca A., Cristea St., Fomino N., Ghiţulescu Gh., Ivanovici D., Leescu V., Mihăescu L., Niculescu C., Rusu A., Vârtosu Gh. — Cerschi T., Constantinescu C., Drăgulescu I., Hălmăgeanu A., Lupan C., Negoiţă V., Păunescu Tr., Poenaru M., Popovici Gr., Roşculeţ O., Vulcan Gh.

Desigur, înainte de examen se discuta între candidaţi temele cunoscute: rostul examenului, oportunitatea lui, maniera în care s'a mai ţinut sau cum trebue să se ţină oralul, dacă e bine plasat acest examen la gradul de subinspector, ori dacă n'ar fi mai nimerit mai curând după ieşirea din şcoală sau să fie pus chiar la grade mai mari, dacă n'ar indicat să fie precedat de un concediu ori de cursuri de perfecţionare şi în sfârşit dacă n'ar fi şi mai sănătos să fie desfiinţat deabinelea, avansarea urmând să se facă numai pe baza notării şefilor ierarhici.

De la prima întâlnire însă cu comisia, proba scrisă, candidaţii au intuit că s'a schimbat ceva în această poveste de examen şi anume în primul rând caracterul de tipicărie de care s'au plâns seriile anterioare. In adevăr, subiectele deşi pretenţioase au fost totuşi accesibile şi au permis fiecăruia, în orice domeniu ar fi activat în practica meseriei, să le abordeze. La teren, natura chestiunilor date şi susţinerea orală a soluţiilor prezentate a întărit şi mai mult prima impresie. Nu-i mai puţin adevărat însă că se creease în prealabil o atmosferă de încredere, de curaj. Unul dintre camarazi povestise o scenă dela un examen al seriilor care ne-a precedat, când unul din candidaţi în loc de descriere parcelară a făcut o epigramă, care suna cam aşa:

Necăjit pe trista-mi soartă
împărţii parcela 'n două
la mijloc făcui o poartă
şi mă uit la ea că-i nouă.

Membrii comisiei de examinare, se zice, au acceptat-o găsind-o adevărată. Aşa încât fiecare se gândea mai de grabă la... epigrama salvatoare. Nu s'a auzit însă nici una. In schimb, rezultatul examenului a fost acelaşi: au promovat toţi candidaţii minus unul. La a treia încercare, oralul, candidaţii făcând cunoştinţa mai de aproape cu fiecare membru al onoratei comisiuni de examinare (şi reciproc) au văzut că în fond ştiu „ceva". Răspunsurile date la examinarea orală se datoresc, nu-i mai

puţin adevărat, şi felului cum au fost puse întrebările, comisiunea interesându-se în prealabil în ce domeniu a activat mai mult candidatul şi stăruind în chestiuni în legătură şi cu lucrarea scrisă depusă mai înainte de începerea examenului.

Convingerea generală a candidaţilor este că aşa cum a descurs examenul de subinspector în 1940, cu chestiuni frumoase şi accesibile, cu întrebări la teren şi la oral raţionale, isvorând din materiile generale de bază ale profesiunii de inginer silvic şi speciale din domeniul fiecăruia de activitate, e modul normal în care trebue să se ţină un asemenea examen.

Cu titlul de informaţii dăm şi compunerea comisiunei examinatoare: Prof. V. N. Stinghe, Prof. D. Sburlan, Ing. Cons. silvic I. Florescu, Ing. Insp. G-ral silvic Tr. Heroiu, Ing. Insp. G-ral silvic C. Emanoil. Menţionăm de asemeni că taxa de examen a fost redusă la jumătate (500 lei).

In concluzie, ţinându-se seama de faptul că inginerii care s'au prezentat acum la examen au fost, începând din primăvara anului trecut (1939), prezenţi mai mult la regimentele respective decât la ocoalele şi serviciile silvice, rezultatul examenului nu poate decât să bucure pe toată lumea: pe candidaţi ca şi pe comisiune.

T. B.

## EXTERNE

● **Congresul silvicultorilor americani.**

Silvicultorii din Statele Unite din America de Nord şi-au ţinut Congresul anului 1940 în Decembrie 19, 20 şi 21 la Mayflower Hotel din Washington. Cu acest prilej s'a aniversat şi 40 de ani de existenţă ai Societăţii înfiinţată în Noembrie 1900, Congresul căpătând prin această sărbătoare o notă deosebită.

Un asemenea eveniment merită atenţiunea. Intâi, din punct de vedere profesional: facem cunoştinţă cu preocupările lor, care ne pot da sugestii preţioase pentru propria noastră activitate; în al doilea rând, din punct de vedere românesc: avem în manifestările lor, în afară de idealurile noastre, un reper, o unitate de măsură pentru toate strădaniile îndreptate către binele comun, social şi naţional, pentrucă silvicultorii oriunde s'ar afla se integrează prin munca lor în interesul obştesc mai mult poate decât oricare altă categorie de intelectuali. Ne mai interesează America şi pentru un alt motiv: e patria salcâmului şi atâtor altor esenţe pe care le vrem împământenite şi la noi pentru preţioasele lor calităţi. In sfârşit, gândind la America, fantezia ne îndreaptă către o ţară de basm, de poezie, de uriaşe întreprinderi şi uzine. Acolo silvicultorii reprezintă pădurile din Hawai şi California, Pennsylvania şi rezervaţiunile indienilor, etc., ţinuturi despre care, din copilăria noastră, ştim că cer omului, pentru a rezista acolo, toate virtuţile luptătorului, profesionistului competinte, şi a omului cu bun simţ.

In acest an confraţii de peste Ocean au discutat în cinci şedinţe următoarele subiecte:

„Patruzeci de ani de silvicultură": politica forestieră federală, de stat şi particulară, în trecut şi acum. Cum va conduce ea viitorul progres?

„Informaţiune şi educaţie": Cum se poate câştiga mai bine sprijinul opiniei publice pentru economia forestieră şi conservarea pădurilor prin informaţiune şi educaţie?

„Economia forestieră şi apărarea naţională", silvicultura în apărarea naţională, resursele în materie forestieră, calităţile şi folosinţa lemnului.

„Chestiuni interne ale asociaţiei"; raportul preşedintelui, raportul redactorului şef al revistei asociaţiei, raportul secretarului, raporteele diferitelor comitete, etc.

„Noui progrese în economia forestieră", restaurarea vânatului prin cooperarea autorităţilor federale şi de stat, metode de combaterea incendiilor în păduri, planificarea economiei forestiere comunale. Rolul exploatărilor în amenajamentul forestier, cooperativele fo-

restiere, rolul focului în perpetuarea pădurilor virgine din Wisconsin de Nord şi Michigan.

„Amenajamentul forestier în Statele Unite". In ce trebue să consiste amenajarea pădurilor particulare şi cine trebue să facă această amenajare? Autorităţile federale? Autorităţile fiecărui stat în parte? Proprietarul particular? Va putea rezolva orice tip de amenajament problemele de aprovizionare cu lemn de lucru, problema muncii, a comunităţilor rurale, a folosirii terenului? etc.

Ca totdeauna s'a organizat cu ocazia Congresului şi banchetul anual cu programul lui caracteristic: un toast rostit de una din personalităţile de marcă ale silviculturii şi un sketch brodat pe subiecte silvice; anul acesta de ex., subiectul a fost „ordinul inelului de cambium". După banchet urmează o „serată dansantă".

Treptat, vom aduce la cunoştinţa cititorilor revistei noastre, mai în detaliu lucrările prezentate la congres. Mai menţionăm acum, tot cu titlul de informaţie la capitolul organizării Congresului, că fiecare şedinţă îşi are un alt preşedinte ales dintre silvicultorii mai informaţi în domeniul problemei pusă în discuţiune. De asemeni, referenţii sunt recrutaţi de aşa manieră ca să reprezinte punctele de vedere ale tuturor instituţiilor federale, de stat, particulare, etc. încât pentru discuţiune problema e înfăţişată în cât mai multe aspecte. Atât deocamdată despre Congres, în general

Să ne oprim puţin asupra aniversării de 40 ani de existenţă ai Societăţii. Observăm în primul rând că, în ceea ce ne priveşte, ca organizaţie suntem mai înaintaţi în vârstă. Semicentenarul l-am serbat de acum patru ani. Americanii au însă parcă mai pronunţat gustul tradiţiei, ca să spunem aşa. Există un proces mai intim acolo şi care nu poate fi desvoltat aci, anume necesitatea de a avea o istorie proprie. Să trecem însă peste aceasta, fapt este că pentru motive de recunoştinţă faţă de înaintaşii şi creatorii puternicei societăţi de azi, conducătorii actuali îşi plătesc tributul publicând în paginile revistei lor chipurile şi biografiile vizionarilor de acum patruzeci de ani, cari au pus bazele societăţii. Există însă şi un alt aspect, educativ, mai puţin exprimat în această prezentare. In adevăr, Societatea şi-a formulat rosturile şi metodele de lucru cam în următoarele puncte: încadrarea a cât mai mulţi silvicultori în rândurile societăţii, ridicarea nivelului intelectual al silvicultorilor, mărirea competinţei lor profesionale, desvoltarea şi întărirea spiritului de loialitate şi de corp la membrii societăţii, formarea şi potenţarea unui idealism profesional. Din vieaţa şi activitatea fondatorilor, membrii mai tineri de azi ai Societăţii se pot inspira pentru propriile lor îndeletniciri şi în felul acesta se speră să se servească o cauză comună: binele public. Evident, silvicultorii fiind răspândiţi pe tot întinsul ţării, concentrarea eforturilor singulare e mai greu de făcut. Totuşi s'au preconizat şi în parte s'au şi înfăptuit aşa numitele secţiuni regionale, în cadrul cărora silvicultorii departe de centru se pot aduna pentru a desbate chestiuni profesionale şi de societate. In plus, această metodă de lucru va permite şi reliefarea viitorilor conducători ai societăţii, dintre membrii mai activi ai secţiunilor, căci conducătorii nu se ivesc la întâmplare: se cer calităţi

anume, înăscute, perfectate de educaţie şi experienţă bogată. Aceasta cu atât mai mult cu cât organizaţiunile profesionale îşi au responsabilităţi profesionale, de care nu se pot achita membrii societăţii decât prin susţinerea morală, intelectuală şi materială a activităţii societăţii.

In afară însă de recunoştinţa mărturisită înaintaşilor, aniversarea este un prilej de autoexaminare, de întocmirea „bilanţului" de activitate. Americanii silvicultori privesc cu satisfacţie la trecutul asociaţiei lor, datorită faptului că realizările înregistrate înseamnă tot atâtea puncte de program înfăptuite. Astfel, se trece la răbojul succeselor următoarele:

1) Societatea este unanim recunoscută ca reprezentanta profesiunii de silvicultor în Statele Unite; lucrul n'a fost uşor pentrucă trebuia să se plaseze în prealabil profesiunea însăşi de silvicultor printre profesiunile recunoscute (medici, ingineri, etc.).

2) Prin enunţarea anumitor principii aprobate de majoritatea membrilor Societăţii s'a format un cod al eticei profesionale, care serveşte drept ghid Consiliului societăţii şi defineşte poziţia profesiunii de silvicultor faţă de celelalte profesiuni.

3) Publicaţiunile societăţii sunt considerate aproape unanim ca cea mai de seamă înfăptuire, pentrucă s'a putut desbate majoritatea aspectelor economiei forestiere şi ale organizării profesionale, s'a înlesnit cunoaşterea literaturii şi problemelor de specialitate pe tot întinsul ţării, s'a făcut cunoscută activitatea comitetelor şi secţiunilor regionale din cadrul Societăţii. Ceea ce a făcut revista asociaţiei pentru silvicultură în America, este incalculabil.

4) Asociaţia a făcut servicii strict personale membrilor săi, înlesnindu-le un plasament mai bun, facilitându-le călătoriile de studii peste hotare prin comitetul relaţiilor internaţionale, informându-i despre problemele care-i interesau deaproape, organizând biblioteca de specialitate şi strângând material pentru istoricul silviculturii care altfel s'ar fi pierdut şi cu vremea va dobândi o valoare inestimabilă. In această ordine de idei e de menţionat că în paginile revistei Societăţii, necroloagele silvicultorilor au fost publicate cu toată grija, pentru care lucru, viitorul istoric al silviculturii va fi foarte recunoscător.

5) Sprijinul pe care Societatea l-a dat direct şi indirect pentru stabilizarea şi ridicarea învăţământului silvic academic este o mândrie a tuturor. O expresiune a străduinţelor în această direcţie o formează: Raportul Societăţii din 1912, care conţine programul standard pentru şcoalele de silvicultură, a doua conferinţă asupra învăţământului silvic din 1920, Cartea despre învăţământul silvic de Graves şi Guise din 1932 *), Raportul asupra şcoalelor de silvicultură de H. H. Chapman din 1935 şi numeroasele rapoarte publicate în paginile revistei de către comisia pentru învăţământul academic.

6) In sfârşit, societatea a pus umărul pentru organizarea cercetărilor şi experimentaţiilor forestiere. Pentru aceasta a fost nevoe ca Societatea să lupte pe diverse fronturi şi în cadrul altor societăţi, prin

*) Există şi la biblioteca Soc. „Progresul Silvic".

delegaţii trimişi în consiliile acestora. Şi anume: Societatea Americană pentru Progresul Ştiinţei, Academia Naţională de Ştiinţe, Consiliul naţional de Cercetări, Uniunea Societăţilor Americane de biologie, Academia de Ştiinţe din Washington, Societatea ecologică din America, etc. In cadrul acestor asociaţii ştiinţifice s'au publicat lucrări demonstrându-se necesitatea cercetărilor pentru desvoltarea economiei forestiere în America, în afară de programul de cercetări pe care însăşi Societatea silvicultorilor îl dă la iveală, creindu-se în acest fel atmosfera şi baza necesară legii Mc Nary — Mc Sweeny din 1928 care organizează legal şi acordă fondurile necesare cercetărilor forestiere în America.

Ar fi să se mai adaoge şi numeroasele congrese ţinute în diferite regiuni ale Americei, în cadrul strict al Societăţii sau în colaborare cu alte Asociaţii ştiinţifice sau profesionale, cu care ocazie lucrările depuse au făcut cunoscute probleme importante pentru economia forestieră silvicultorilor însuşi şi celorlalte participanţi, creindu-se în ultimă analiză un standard moral, intelectual şi social profesiunii de silvicultor, demn de nobleţa idealului ei.

De aceea, rememorându-se acest palmares de victorii, silvicultorii americani privesc cu încredere în viitorul asociaţiei lor.

(In parte după „Journal of Forestry" 1940).

T. B.

● **Ungaria se pregăteşte pentru exportul de lemn.**

Se ştie că Ungaria Trianon-ului a fost o ţară importatoare de lemn de orice fel. Prin cantităţile mari, cu deosebire de lemn de foc, pe cari le aducea din ţările învecinate şi mai cu seamă dela noi, Ungaria constituia o pildă rară de ţară importatoare de un astfel de sortiment. După încorporarea ţinuturilor foste cehoslovace şi mai ales, după ocuparea Transilvaniei noastre de Nord s'au schimbat lucrurile cu totul. Nu numai că nevoile interne sunt acoperite din producţia proprie, dar se contează şi pe un serios prisos de export. Astfel, în acest timp, se duc tratative între anumite firme exportatoare de lemn pentru contopirea lor într'un sindicat pentru exportul de lemn tare.

(In pare, după D. D. Holzwirt, 1940/698). (138)

● **Din prefacerile învăţământului forestier superior german.**

Marile prefaceri pe care le încearcă Germania sub guvernarea naţional-socialistă, şi apoi extinderea teritorială a Reich-ului, au înrâuriri şi asupra învăţământului superior forestier. Mai întâi, acel învăţământ, ca şi întreg învăţământul superior german, de altfel, este dirijat în chip unitar, spre deosebire de vechea concepţie de autonomie, de mai 'nainte. Unele şcoli superioare au fost desfiinţate, altele prefăcute, potrivit anumitor funcţiuni locale deosebite ce vor avea de îndeplinit sub viitoarele împrejurări.

Astfel, în ceeace priveşte Şcoala superioară de Silvicultură dela Tharandt, se socoteşte sfera sa de lucrare cu mult lărgită prin noile cuceriri dinspre răsărit ale Germaniei. Caracterul silviculturii din acele ţinuturi, cari gravitează spre Tharandt, a impus o anumită specializare a

Şcolii respective, în sensul desvoltării disciplinelor tehnice: Topografie forestieră, Aerofotogrametrie, Construcţii, Maşini, etc. Alături de vechea Şcoală superioară de Cultura pământului dela Viena, Tharandt-ul este a doua Şcoală care poate să acorde titlul de inginer silvic, după două semestre de studii deosebite. Acestea încep a funcţiona din această toamnă.

(In parte, după Forstwiss. Centralblatt, 1940/210). (139)

● **Dela vecinii Bulgari.**

**Deschiderea primei şcoli forestiere elementare.**

In cadrul acestei cronici forestiere externe, a venit, adesea, vorba despre străduinţele, într'adevăr pilduitoare, pe care le desfăşoară vecinii noştri dela miază-zi, pentru înaintarea economiei lor forestiere (a se vedea notele noastre din Revista Pădurilor 1939, purtând numerile şi paginile: 21/316, 56/684, 57/686, 66/757, 88/1041). Deastădată aducem la cunoştinţa cetitorilor un nou fapt semnificativ.

La 11 Februarie a. c., s'au inaugurat cursurile primei şcoli forestiere elementare, situată în pădurea Ceam Koria de lângă Samokow. Şcoala ţine de Ministerul Agriculturii şi a fost înfiinţată în vederea pregătirii personalului forestier inferior. Cursurile ţin un an şi sunt gratuite. Capacitatea de pregătire a şcolii este de 100 elevi anual. Clădirea a fost începută în 1936 şi a costat cam 4.000.000 leva.

(După Z. f. Wfw., VII/704). (140)

● **Şi Egiptul împădureşte.**

In întreaga lume, bate un vânt de mare înţelegere pentru pădure, căruia nu-i scapă până nici Egiptul. După cum se ştie, condiţiunile staţionale din această ţară nu sunt prielnice pentru creşterea şi cultura pădurii, aşa cum suntem obişnuiţi să vedem la noi. Apoi, nici poporul nu are înţelegerea potrivită pentru aşa ceva. Cu toate acestea, sunt semne de preocupare, în acest din urmă timp, pentru pădure chiar şi în Egipt, care era obişnuit să-şi aducă lemnul trebuitor din afară. Ministrul Agriculturii a destinat un prim fond de 12.000 lire pentru împădurirea anumitor ţinuturi. Pe această cale se nădăjduieşte a se creia un nou mijloc de câştig şi a se micşora, cu timpul, importul de lemn şi deci dependenţa de străinătate. Nu mai puţin însemnată ar fi câştigarea pentru cultură a unor întinse suprafeţe de teren, a căror suprafaţă ar fi — în afară de pustiu — de cca. 800.000 ha.

(In parte, după Z. f. Wfw., VII/700). (141)

● **Arborii de şosele în Italia.**

In Italia, unde fiecare bucăţică de pământ este folosită cu îngrijire, se caută a se trage foloase materiale şi de pe urma marginelor şoselelor, prin plantaţiuni de copaci şi pomi. Până acuma, s'a ajuns la plantarea a 41% din lungimea şoselelor statului, ceace face 8407 din 20.686 km. In unele provincii, cum este Veneţia, procentul respectiv se apropie de 90%. S'au plantat până acuma 1.267.138 arbori şi pomi. Dintre

aceştia, sunt: platani: 425.411; salcâmi: 191.670; plopi: 100.000 bucăţi. Restul e format din specii răşinoase, de tei, ulm, dud, castan porcesc, paltin şi pomi.

(După Z. f. Wfw., VII, 712). (142)

● ‡ **Profesorul Max Endres.**

In caetul pentru luna Iunie a. c. am făcut în cadrul „Cronicei externe" (Nr. 122, pag. 463—466), portretul Profesorului Max Endres, dela München, cu prilejul împlinirii vârstei de 80 de ani. Motivele care ne-au îndemnat la acest lucru, au izvorît dintr'un sentiment de recunoştinţă, pe care am socotit că i-o datorăm cei ce i-am ascultat prelegerile ca şi pentru vasta şi temeinica sa activitate de creiaţie ştiinţifică pe tărâmui Politicei forestiere şi al Estimaţiei şi staticei forestiere.

Iată, că acuma ne soseşte trista veste, că Profesorul Endres a închis ochii pentru totdeauna, la 9 Noembrie 1940, adică la 7 luni după păşirea în al 81-lea an al strălucitei sale vieţi.

Exprimăm pe această cale adânca noastră părere de rău.

(143)

● **Dela Centrul internaţional de Silvicultură.**

Intre 22 şi 26 Octombrie 1940, s'a ţinut la Budapesta cea de a patra seziune a Comitetului C. I. S.-ului. Au luat parte: Preşedintele C. I. S.-ului, Baronul Waldbott (Ungaria); Vice-preşedintele, Secretarul de Stat Generalforstmeister Alpers (Germania); Directorul C. I. S.-ului, Prof. Dr. Dr. Köstler, întovărăşit de funcţionari înalţi ai C. I. S.-ului; un mare număr de delegaţi ai Statelor şi instituţiilor internaţionale membre ale C. I. S.-ului. Astfel, Institutul internaţional de Agricultură dela Roma a fost reprezentat prin câţiva delegaţi, iar Uniunea internaţională a Institutelor de Cercetări forestiere, prin Secretarul său general. Din partea României, a funcţionat, ca delegat D-l Profesor Drăcea. Guvernul ungar, în calitatea sa de gazdă, a participat la şedinţa de deschidere prin Ministrul Agriculturii, Contele Teleki; Şeful Administraţiei forestiere şi un Consilier ministerial.

Din darea de seamă a Directorului s'a putut vedea continua organizare şi consolidare a C. I. S.-ului, cu toate greutăţile deosebite, pe care le ridică împrejurările politice ale timpului.

Cadrul juridic al C. I. S.-ului a fost perfect hotărît, intre altele, şi prin legea din 4.4.1940 a Reich-ului, care îi acordă o situaţie exteritorială. Personalul a fost mărit şi organizat, fiind, totuşi, încă departe de a putea implini nevoile unei atari instituţiuni. Birourile au fost amenajate. S'a îngrijit în chip deosebit de bibliotecă, ajungându-se, în primul său an de existenţă, la peste 3000 de volume şi 175 de periodice regulate.

Cu toate că străduinţele C. I. S.-ului au fost îndreptate, până acuma, în principal, asupra organizării sale, s'au putut, totuşi să se treacă şi la lucrări efective. Astfel, Directorul a prezentat Comitetului primele două monografii din seria „Silvae orbis": 1. „Répertoire inter-

national des periodiques forestiers" de Franz Grünwoldt şi 2. „La législation sur le reboisement des terrains incultes", de Géza Luncz. A mai fost prezentat şi caetul întâi al publicaţiei trimestriale a C. I. S.-ului: „Intersylva".

In faţa acestor fapte concrete, sunt îndreptăţite toate nădejdile de bine, în lucrarea noii instituţii forestiere internaţionale.

Cercurile ungare au manifestat, ca de obiceiu în asemenea împrejurări, o deosebită atenţiune faţă de membrii Comitetului. Astfel, după încheierea şedinţelor au fost organizate mai multe excursiuni, cari au putut face pe participanţi să-şi dea seama de „înalta desvoltare a silviculturii ungare".

(După comunicări oficiale). (144)

*Ilie C. Demetrescu*

---

**S'a pus sub tipar la Imprimeriile Statului, în editură proprie, o nouă ediţie a „Agendei forestiere" a d-lor prof. V. N. Stinghe şi prof. D. A. Sburlan, în întregime refăzută şi considerabil mărită.**

**Apariţia va avea loc în primăvara anului 1941.**

# R E C E N Z I I

## CĂRȚI

**James C. Marr:**
SNOW SURVEYING.
(Măsurarea zăpezii).
U. S. Department of Agriculture. Miscellaneous publication No. 380. Washington, D. C. — U. S. Government Printing Office 1940. Pag. 45.

In Septembrie 1940, a avut loc la Cambridge, Mass., în localul Institutului de exploatări geografice, o adunare a mai multor instituții științifice din America, cu scopul de a organiza o „conferință" permanentă a zăpezii. Cu acest prilej s'au prezentat, pentru a se avea o bază de discuțiune și a se cunoaște diferitele aspecte ale problemei, din partea diferitelor instituții interesate în această chestiune, o seamă de lucrări, care au condus, în urma discuțiunilor, la constituirea unei organizațiuni permanente pentru studiul zăpezilor. Lucrările prezentate au fost următoarele: „Considerațiuni meteorologice asupra zăpezii", „Măsurătorile de zăpadă", „Activitatea Institutului Meteorologic", „Zăpada din punct de vedere recreativ", „Zăpada și inundațiile din 1936" „Silvicultura în legătură cu zăpada în NE".

In discuțiunile provocate de aceste lucrări s'a insistat în special asupra instrumentelor pentru măsurarea zăpezii, asupra aplicațiunii datelor obținute și asupra deficienții acestor date. Interesul celor mai mulți dintre participanți la această conferință s'a manifestat în special pentru relațiunile dintre acumularea de zăpadă, topirea zăpezii, înghețarea solului și cursurile de apă în măsura în care se poate prevedea o inundație, se pot lua măsuri din vreme pentru a evita dezastrele inundațiilor și asigurarea rezervoarelor pentru instalațiunile hidroelectrice.

Din p. d. v. geografic asociația include statele din Estul Americei, apele principale din Ohio și râurile care isvoresc din M-ții Appalachiani. Economia forestieră este interesată în studiul acestei probleme pentrucă în aceste regiuni există un domeniu forestier de circa 57 milioane de acres (≅ 23 mil. ha), și amenajarea acestor păduri trebue să aibă în vedere influența pe care o exercită pădurile asupra acumulării zăpezii, asupra procesului de topire a zăpezii, asupra adâncimii la care pătrunde gerul în sol.

Desigur, pentru a se ajunge la o organizațiune specială și permanentă pentru studiul zăpezilor a trebuit să existe în prealabil un „climat" special pentru asemenea preocupări, creat de însăși problema în discuție și nu mai puțin de activitatea de până acum în acest domeniu. O dovadă în acest sens ni-o dă broșura lui J. C. Marr de care ne ocupăm în această recenzie.

După cum se vede și din indicația bibliografică din capul acestor rân-

duri, e vorba de o publicațiune oficială a Ministerului de Agricultură al Statelor Unite (U. S. A.). Examinând cuprinsul acestei lucrări căpătăm impresia că este un fel de „regulament al serviciului exterior" pentru măsurarea zăpezii. In adevăr, după o introducere (9 pag.) în care se face un scurt istoric al chestiunii și se arată rostul acestor măsurători, se descrie (5 pag.) instrumentele folosite și îngrijirea lor (buna lor întreținere); se trece apoi la procedeele de teren pentru măsurarea zăpezii (18 pag.). dându-se detalii pentru manipularea instrumentelor, evitarea surselor de erori, redactarea foaiei de observațiuni, organizarea cabanelor de adăpost; în restul paginilor se fac recomandațiuni de ordin practic referitor la lucrul pe teren iarna: alegerea skiurilor și bocancilor, întreținerea lor, cazurile când trebue să se meargă în echipă de 2—3 sau mai mulți observatori, ce haine trebue să poarte pe teren un observator, și în sfârșit ce trebue să ia cu el în raniță ca îmbrăcăminte de schimb și medicamente pentru un prim ajutor în caz de accident.

Aflăm astfel, că broșura e dedicată în primul rând lucrului pe teren în Statele din West, unde zăpada reprezintă rezervorul natural și imens al alimentării cu apă a acestor State. Prevederea capacității acestui rezervor interesează pe fermieri, crescătorii de vite, navigatori, bancheri și toate instituțiile care se ocupă cu producția de energie, aprovizionări de apă, combaterea inundațiilor.

Cum cantitatea de apă ce se scurge la suprafața solului nu poate fi dedusă numai din datele institutelor meteorologice, a trebuit să se purceadă la măsurarea zăpezii pe suprafețe anumite definite și alese în basinele de recepție. De mai bine de 30 de ani, previziunile s'au făcut pe baza măsurătorilor directe a zăpezii și anume evaluându-se cantitatea de apă pe care ar conține-o stratul de zăpadă acumulat în timpul iernei. Incepând din 1935 un program al guvernului federal caută să extindă și să unifice aceste măsurători de zăpadă în cele 11 state din West (Nevada, Utah, California, Oregon, Idaho, Whoming, Washington, Montana, New Mexico, Colorado și Arizona).

Se înțelege că această activitate pentru a fi desfășurată reclamă un personal foarte numeros și lucrul n'ar fi posibil fără o colaborare între mai multe instituții. Cei circa 2000 de observatori necesari îi dau: serviciul pentru conservarea solului, institutul meteorologic, serviciile inginerești din 6 state, 3 stațiuni de experimentație agricolă, mai multe servicii municipale, numeroase întreprinderi de îmbunătățiri funciare (irigațiuni), și instituțiile federale ca: serviciul silvic, serviciul parcurilor naționale, serviciul biologic, corpul inginerilor din armata americană, Serviciul geologic, Oficiul pentru afacerile indiene, etc.

Firesc este ca, proveniți din atâtea domenii de activitate, observatorii să aibă unele chestiuni referitoare la instrumentația de întrebuințat sau la vieața pe teren, iarna, neclare. Broșura de care ne ocupăm, vrea să fie un răspuns la programul propus de guvernul federal, stând la îndemâna acestor observatori cu lămuririle necesare.

In cele ce urmează, vom încerca să arătăm esențialul din această broșură.

Determinarea conținutului în apă

al zăpezii se face luându-se o probă verticală de zăpadă cu un cilindru de un anumit diametru (există mai multe modele) şi cântărind-o. Diametrul cilindrului este astfel ales în cât, greutatea probei de zăpadă exprimată în uncii (ounces) este echivalentă cu înălţimea exprimată în inches a apei corespunzătoare. Cu alte cuvinte, o probă de zăpadă în greutate de 1 ounce reprezintă precipitaţii de 1 inche înălţime (măsurată cu acelaşi cilindru, evident). In felul acesta, adâncimea zăpezii este repede şi corect transformată în înălţimea precipitaţiilor care ar fi căzut sub formă de ploae, — numai prin simpla cântărire a probelor de zăpadă. Natural, locul de luat probe trebue ales cu oarecare discernământ.

Corectitudinea şi rapiditatea, cu care acest instrument standard determină conţinutul în apă a zăpezii, dau metodei un mare avantaj practic mai ales când trebuesc măsurători în munţi isolaţi, înalţi, în timpul iernei. Din simpla citire a adâncimei zăpezii e greu să se deducă corect cantitatea de apă corespunzătoare, mai ales când zăpada este îndesată şi în straturi de diferite densităţi („laminată"). De asemeni, topirea probelor de zăpadă şi cântărirea lor reclamă prea mult timp.

Măsurătorile acestea de zăpadă permit o preciziune de încredere, dacă se respectă anumite condiţiuni. Şi anume:

1. Măsurătorile trebuesc făcute la altitudine unde zăpada nu se topeşte până la 1 Aprilie.

2. Stratul de zăpadă trebue să fie suficient de accesibil pentru a permite o continuitate de observaţiuni (măsurători).

3. Măsurătorile trebuesc făcute destul de numeroase la punctele stabilite pentru a se evita erorile provocate de zăpada spulberată de vânt.

4. Măsurătorile trebuesc făcute în locuri bine alese în fiecare basin de recepţie.

In afară de manipularea instrumentelor şi grija pe care trebue s'o aibă observatorii în executarea măsurătorilor, mai este necesar să se ţină seama încă de un factor: timpul la care trebuesc făcute acestea. Se dă ca indicaţie generală data la care ar exista maximul de zăpadă, când se termină în mod practic precipitaţiile sub formă de zăpadă, pentrucă rostul acestor măsurători e să arate cantitatea de zăpadă acumulată în timpul iernei. Intrucât măsurătorile se întind pe o regiune foarte mare, e greu de admis pentru toţi aceeaşi dată. Se arată totuşi că datele e bine să fie obţinute la întâi din fiecare lună începând din Ianuarie până în Mai.

Pe baza observaţiunilor şi măsurătorilor făcute după cum s'a arătat mai sus se evaluează cantitatea de apă care ar rezulta din zăpada căzută şi acumulată în timpul iernei, — presupunându-se că există o simplă relaţiune între conţinutul în apă al zăpezii dintr'un basin de recepţie şi cantitatea de apă care se scurge pe acea suprafaţă.

Pentru fiecare basin de recepţie se construeşte un grafic având în absciză înălţimea apei corespunzătoare stratului de zăpadă (în inches) iar în ordonată cantitatea de apă care se scurge (exprimată în acre-feet, adică înălţimea apei pe unitatea de suprafaţă), — ţinându-se seama natural de măsurătorile pe mai mulţi ani consecutivi. Curba de gradul întâi de pe acest grafic e dată de o formulă stabilită empiric:

$$R = 57{,}9\ X - 369{,}4$$

în care,

R=cantitatea de apă care se scurge, exprimată în mii de acre-feet.
X=înălțimea medie a apei corespunzătoare stratului de zăpadă acumulat, exprimată în inches.

Cum se folsește graficul, e simplu: având-se cunoscută înălțimea medie a apei (absciza) pe care o conține un strat de zăpadă, se citește pe ordonată cantitatea corespunzătoare a apei care se scurge.

Trecem peste celelalte detalii referitoare la redactarea foaiei de observațiuni, întreținerea materialului și recomandările de ordin practic.

Să menționăm doar că în esență instrumentul întrebuințat este propriu zis o sondă fabricată din duraluminiu, compusă din mai multe tuburi care se pot reuni pentru a se putea lua o probă cât grosimea stratului de zăpadă. Balanța folosită este cilindrică, constituită dintr'un tub având în interior un arc etalonat.

Important este în această broșură metoda adoptată pentru măsurători de zăpadă: simpla cântărire a unei probe luate cu un cilindru de un anumit diametru astfel ca greutatea probei să permită obținerea directă a înălțimei precipitațiilor dacă ar fi căzut sub formă de apă.

In Europa eram învățați altfel să rezolvăm problema: câtă apă poate da un strat de zăpadă de anumită grosime. Și anume, se măsura grosimea stratului de zăpadă și cu ajutorul unui **factor de reducere** se afla înălțimea precipitațiilor sub formă de apă. Acest factor de reducere se exprima fie ca **adâncime specifică** a **zăpezii** (înălțimea stratului de zăpadă care corespunde unui strat de apă egal 1) fie ca **densitate a zăpezii** (valoarea reciprocă a adâncimii specifice). Și se știa că, în **mediu**, adâncimea specifică are valoare 10—12. Adică, un strat de zăpadă proaspăt căzută având o înălțime de 10—12 cm, corespunde unei înălțimi pentru apă de 1 cm, sau altfel exprimat, densitatea zăpezii este 0,10—0,08. In cât, în general, se admitea că 1 cm zăpadă, corespunde la 1 mm apă. După cum remarcă **Hahn**, se înțelege că întrebuințarea acestui factor de reducere 0,1 nu dă decât valori aproximative. Pentru cazuri particulare trebue să se facă măsurători speciale, întrucât densitatea zăpezii este influențată de factori variabili: vânt, temperatură. Se știe că vântul îndeasă zăpada proaspăt căzută. De pildă: pe coasta Atlanticului în America s'a determinat pentru densitatea zăpezii valoarea 0,18. **Abels** a găsit-o în Alpi 0,27, pentru zăpada spulberată de vânt. In ceeace privește influența temperaturii, cifrele nu sunt mai puțin elocvente.

**Lancaster**, în măsurătorile făcute la St. Gothard, găsește următoarele valori pentru densitatea zăpezii în raport de temperatură:

| Temp. obs. la căderea zăpezii | densitatea zăpezii | adâncimea specifică |
|---|---|---|
| 0° | 0.14 | 7 |
| —1° / —4° | 0.1 | 10 |
| —5° / —15° | 0.08 | 13 |

Cu alte cuvinte, când zăpada cade în jur de 0° e mai densă, pe când la temperaturi mai joase are o densitate mult mai mică.

In afară de aceasta, straturile de zăpadă mai vechi sunt mai dense, iar cu vremea devin și mai dense.

In această ordine de idei **Abels** a găsit următoarele valori:

| data măsurătorilor | densitatea zăpezi |
|---|---|
| 15 Nov. | 0.16 |
| 15 Dec. | 0.20 |
| 15 Ian. | 0.22 |
| 15 Martie | 0.27 |

Chiar zăpada proaspăt căzută „se aşează" repede:

| | |
|---|---|
| 15 Nov. | 0.04 |
| 17 Nov. | 0.08 |
| 20 Nov. | 0.10 |

In munţi înalţi, straturile de zăpadă ating în 6—9 luni o densitate de 0,48.

La diferite adâncime, Defant găseşte la 3100 m. (pe Sonnblick) următoarele valori:

| nivelul probei | densitatea zăpezii |
|---|---|
| suprafaţa | 0.26 |
| 137 cm | 0.54 |
| 312 cm | 0.61 |

Aceste lucruri ştiute ne fac să avem o rezervă justificată faţă de metoda americană prezentată în publicaţia oficială de care ne ocupăm. Neluarea în consideraţie a densităţii zăpezii nu poate conduce la măsurători corecte. Dacă n'ar avea acest păcat iniţial, am recomanda în modul cel mai călduros această broşură, pentrucă altfel e scrisă antrenant, practic şi pentru omul de teren.

T. Bălănică

---

N. B. 1 acre = 0,404671 ha
1 inche = 1/12 foot = 0,0254 m
1 ounce = 1/16 pound avoir du pois = 28,3384 g
1 ounce = 1/12 pound troy = 31,0913 g
(dacă nu se menţionează a cui fracţiune este, pound troy sau avoir du pois, nu se poate face precis transformarea în grame).

---

**FUNDAŢIA CULTURALĂ „REGELE MIHAI I"**

Cartea Satului Nr. 40

M. PETCUŢ şi D. SBURLAN:

**Arborii şi pădurile**

1940. Bucureşti, M. O. Imprimeria Naţională

240 pagini, cu numeroase desene şi figuri; 30 Lei.

JOURNAL FORESTIER SUISSE.

*Nr. 11/1940.*

*Rob.-Ch. Gut.:*
*Humidité atmosphérique et assimilation.* (4 pag.).
Umiditatea atmosferică şi asimilaţie.

Se arată rolul fundamental al apei din atmosferă în creşterea arboretului, rol adesea necunoscut. Se reaminteşte forestierului importanţa vitală a unei atmosfere forestiere bogată în apă în orele de dimineaţă.

*(Tr.):*
*L'armée et le service forestier.*
Armata şi serviciul silvic (8 pag.).

Parte dintr'o conferinţă ţinută în Septembrie 1940 la Soc. forestieră elveţiană.

In prima parte a conferinţei se atacă unele chestiuni privitoare la organizarea apărării naţionale, atât în Elveţia cât şi în străinătate. In partea a 2-a se examinează latura forestieră a problemei.

*Sam. Aubert:*
*Les Amburnex* (Jura Vaudois). (2 pag.).

Este vorba de un ansamblu de pădure şi păşune de 160 ha, ce poartă acest nume. Alt. de 1300—1450 m. Proprietatea comunei Lausanne. Numele acestui ansamblu provine dela denumirea veche a fructelor de afini (Vac. myrtillus). Azi pădurea este constituită din molid. Fagul lipseşte. Condiţiile climatice nu-i sunt defavorabile. Probabil că în trecut a fost extras pentru a fi transformat în cărbune, necesar industriilor metalurgice şi de sticlă din valea Joux.

*Dasen:*
*Une question de politique forestière dans le canton de Berne.* (1 pag.).
O chestiune de politică forestieră în Cantonul Berna.

Administraţia forestieră domenială din cantonul Berna a cumpărat o întindere de 200 ha păşuni şi fâneţe în basinul pârâului Turnelsbach, afluent periculos, pe stânga, al râului Turbach din regiunea Gessenay. A vrut să arate, prin aceasta, convingerea sa că basinele de recepţie ale torenţilor trebue să se găsească în mâna persoanelor juridice, singure care pot să-şi permită de a împăduri tot ceea ce este cu putinţă şi de a păstra restul de înveliş vegetal în cea mai bună stare.

Proiectul de restaurare — din cele de tip modern — prevede mai mult lucrări de natură forestieră, ele fiind sortite să lupte contra răului. Lucrările tehnice nu vor depăşi 1/10 din cheltuiala totală. Foioasele vor avea rol dublu faţă de răşinoase.

*At. Har.*

ZEITSCHRIFT FÜR WELTFORSTWIRTSCHAFT.

*Bd. VII, Heft 9 (Iunie 1940).*

*Herman Graser*, Forstmeister, Dr.: *Zum Problem nachhaltiger Produktionssteigerung im Kulturwald der Zukunft.*

Despre problema creşterii permanente a producţiunii în pădurea cultivată a viitorului.

Putinţa de îndestulare a omenirii cu lemn se îngustează neîncetat. De aci, rezultă două probleme: 1. O mai dreaptă repartiţie a materiilor prime din lume şi 2. O creştere permanentă a producţiunii în pădurea cultivată potrivit împrejurărilor naturale.

Autorul se ocupă de această din urmă problemă.

Faţă de împrejurările din Germania şi Europa de mijloc, el crede că deslegarea problemei respective poate fi privită din trei puncte de vedere:

1. Trebuinţa unei tratări a pădurii mai potrivit cu condiţiunile staţionale decât până acuma şi deci şi a unor lucrări regionale de silvicultură;

2. Insemnătatea unor gospodării de cercetare (experimentale), întemeiate fără cusur din punct de vedere ştiinţific, cu serioasă bază economică şi conduse în aceiaş direcţie pe lungă durată;

3. Cerinţa unei alte orientări a administraţiei, încât îndatoririle economico-culturale proprii să aibă destulă întâietate, faţă de consideraţiunile administrative biurocratice.

Autorul desvoltă aceste puncte de vedere.

*Internationaler Forst- und Holzwirtschaftbericht.*

Cronica forestieră internaţională.

Ni se împărtăşesc multe date asupra stărilor şi faptelor forestiere din lume.

*Ilie C. Dem.*

---

**CĂRŢI NOI:**

Ing. GR. ST. VASILESCU:

**Bonifica integrale**

(Sistematizarea şi mărirea producţiei terenurilor agrare şi forestiere)

Bucureşti, 1940, Tipografia Bucovina, 105 pagini, 150 lei.

# INFORMAŢIUNI

— D-l ing. Artur Coman rămas în Maramureş ne-a solicitat să continue a colabora la Revista Pădurilor. Conducerea revistei a acceptat cu deosebită bucurie propunerea ce i s'a făcut.

— D-l ing. Ladislau Nagy Gárdonyi şeful Serviciului silvic al oraşului Baia-Mare ne-a cerut permisiunea — şi conducerea revistei noastre a aprobat — să folosească în revista „Erdészeti Lapok" din Budapesta, articolele apărute în Revista Pădurilor Nr. 3 şi 12/1937 în care se tratează despre conductele sub presiune, din lemn.

— Au fost numiţi în Consiliul tehnic al pădurilor, d-nii: Ing. Mih. Suhăţeanu, ing. An. Ionescu, ing. Narcis Economu, ing. Victor Ivăncianu şi ing. N. Nedelcovici. (Mon. Of. Nr. 292/940).

— Comisiunea pentru examinarea inginerilor şefi silvici candidaţi la gradul de inginer subinspector silvic a fost constituită astfel:

1. Prof. V. N. Stinghe.
2. Prof. D. A. Sburlan.
3. Ing. Ioan Florescu.
4. Ing. Traian Heroiu.
5. Ing. C. Emanoil.

— D-l Icsif Popovici ing şef silvic a fost transferat la Inspectoratul de regim silvic Craiova. (Mon. Of. 289/1940).

— D-l Iuraş Gh. ing. şef silvic a fost repartizat, la serviciul central al Inspectoratului de regim silvic Vatra-Dornei. (Mon. Of. Nr. 286/940).

— D-l Valeriu Dinu ing. subînsp. silvic a fost repartizat să funcţioneze în centrala Direcţiei Silvice din Minister (Mon. Of. Nr. 286/940).

— D-l Terdic Francisc, ing. insp. silvic a fost numit şef al Inspectoratului la Inspectoratul silvic Timişoara (Mon. Of. Nr. 282/940).

— D-l Mh. Boldur ing. consilier silvic a fost repartizat să funcţioneze ca inspector de control general al Direcţiei Silvice din Minister.

D-l Holca Leon ing. insp. g-ral silvic a fost numit şef al Inspectoratului de regim silvic Suceava (Mon. Of. Nr. 285/940).

— Din cei 22 delegaţi pe care-i trimite Adunarea generală a secţiei I-a (funcţionari publici) în Consiliul A.G.I.R., pentru anul 1941, au fost aleşi următorii 6 ingineri silvici: N. Smărăndescu, Dem. Grozescu, At. Haralamb, Valeriu Dinu, G. Nicolau-Bârlad şi I. Popescu-Zeletin.

— Comisia de înaintări a inginerilor silvici propozabili la avansare pe 1 Ianuarie 1941, a fost constituită astfel:

A) *Membri de drept:*

1) Prof. M. Drăcea, director I.C.E.F.
2) M. Suhăţeanu, preşedintele Consiliului tehnic al pădurilor.
3) At. Nedelcovici, administratorul Casei Pădurilor Statului.
4) D. Grozescu, directorul Direcţiei silvice.
5) I. Zeicu, directorul Dir. P. P. J.

B) *Membri numiţi:*

6) M. Petcuţ, ing. cons. silvic.
7) V. Ivăncianu, ing. cons. silvic.
8) N. Economu, ing. insp. g-ral silvic.
9) Gr. Eliescu ing. insp. g-ral silvic.
10) Emil G. Negulescu, ing. insp. silvic.
11) St. Gârbu, ing. insp. silvic.

Comisiunea lucrează sub preşedinţia d-lui Ing. N. Smărăndescu, Secretar General la Ministerul de Agric. şi Dom.

CINEGETICE

— Prin decizia ministerială Nr. 32.664/1940, d-l At. Haralamb inginer inspector silvic la I.C.E.F. a fost delegat să predea cursul de vânătoare şi pisciculturâ în apele de munte la Şcoala de brigadieri silvici dela Gurghiu cu sediul la Târgovişte.

— Monitorul Oficial nr. 290 din 9 Decembrie publică următoarea decizie a Ministerului agriculturii:

Având în vedere că regiunile de cerbi, cele mai populate, sunt situate în teritoriul cedat şi faţă de marea valoare a acestui vânat, Statul este nevoit să ia cele mai aspre măsuri pentru înmulţirea acestor specii. Ca urmare se aduce la cunoştinţa publicului, următoarele dispoziţii luate de către Minister prin decizia nr. 22854 din 5 Noemvrie 1940:

Oricine va vâna un cerb sau o ciută fără autorizaţie specială din partea ministerului, este obligat să plătească proprietarului sau arendaşului o despăgubire de 25.000 lei pentru fiecare piesă, în afară de amenda şi pedepsele prevăzute de lege.

Ministerul plăteşte organelor oficiale, însărcinate cu aplicarea legii vânatului (paznici de vânat, jandarmi, pădurari, paznici de câmp, primari, etc.) un premiu de 2000 lei, imediat, fără a se ţine seamă de rezultatul procesului, dacă acel organ va prinde asupra faptului, sau va dovedi pe cineva că a prins sau a vânat cerbi sau ciute, fără autorizaţia Ministerului. Această sumă se va plăti imediat, prin mandat poştal de către Direcţiunea economiei vânatului, din fondul vânătoarei, contra actelor găsite bune, cum este procesul-verbal constatator, vizat de autoritatea locală (primărie sau postul de jandarmi).

In cuprinsul „României Legionare", legile ţării se cade a fi cu sfinţenie ascultate şi vânatul ţării apărat căci el aduce patriei însemnate venituri de care avem atâta nevoie în vremurile acestea grele".

— Prin Deciziunea Ministerială No. 22747 din 15 Noembrie a. c., s'a revenit asupra Deciziunei No. 26757 din 20 Decembrie 1939, prin care a fost oprită vânătoarea pe terenurile şi pădurile proprietatea Sf. Mânăstiri Hodoş-Bodrog din judeţul Arad.

— Prin dec. min. 17157 din 27.XI. 1940, s'a hotărît ca, pe lângă agenţii poliţieneşti şi ai organelor administrative, să fie autorizaţi de a ucide câinii vagabonzi, şi membrii Asociaţiilor de vânătoare, angajaţii acestor asociaţii, precum şi oricare organ sau agent al Serviciului de vânătoare. (Mon. Of. 283/940).

DIVERSE

Din Helsinki (Finlanda) se anunţă că în cadrul fabricei de celuloză dela Oulu, va începe în curând să funcţioneze, cu titul de încercare, o fabrică pentru producerea zahărului din lemn. (Cuvântul, 16.XII.1940).

— In antrepozitele de cherestea din portul Constanţa sunt depozitate de mai multă vreme câteva mii de vagoane de cherestea, care n'au putut fi exportate. D. Gherasimov, delegat al Uniunii Sovietelor şi d. ing. I. Dumitrescu, directorul producţiei forestiere din ministerul coordonării au vizitat antrepozitele spre a se convinge de starea materialului, care urmează să fie exportat în Rusia, după ce se va încheia acordul de comerţ, în curs de discuţie la Moscova. (Universul, 7.XII.1940).

— Exportul de lemne al României din luna Septembrie a. c., n'a mai reprezentat decât 28% faţă de exportul din luna corespunzătoare a anului precedent. Totalul exportului de lemne a fost de 9.417 tone, faţă de 33.800 tone din luna Septembrie 1939.

— Cel mai bătrân arbore din lume ar fi un castan, care se găseşte pe panta muntelui Etna. El ar exista încă de pe vremea lui Pliniu. El numără deci 1950 de ani. Trunchiul, format din mai multe trunchiuri eşite din aceeaşi tulpină, are 58 de metri în circonferenţă. Ar fi deci şi cel mai gros arbore din lume. (Universul din 1.7.1940).

— Cercurile silvice jugoslave privesc cu îngrijorare faptul că pădurile trec din ce în ce mai mult în mâinele ţăranilor. Actualmente se află cam 1.013.000 hect. teren cu păduri în proprietatea ţărănească. In legătură cu aceasta se atrage atenţia asupra faptului că tăierea pădurilor pentru vânzare, produce ravagii.

Cercurile competente au început o intensă propagandă de lămurire a ţăranilor pentru a opri distrugerea acestei avuţii naţionale. (Universul din 17.XI.1940).

# N E C R O L O G

† I. PETRUȚIU
20 Dec. 1888—6 Dec. 1940

S'a stins din viață și colegul nostru Ing. Insp. G-ral Ioan Petruțiu, om sfios, care de doi ani își purta boala nemiloasă cu atâta bărbăție pe picioare, încât mulți îl credeau ipohondru când venea să solicite concedii mai lungi.

El ne părăsește în acelaș an, la scurt interval după moartea colegului său de bancă: Petru Fotoc.

Ambii fac parte din generația tineretului care a intrat în viața publică deodată cu frământările adânci cari au precedat răsboiul mondial, cu sforțările unanime ale românismului pentru crearea României Mari.

Tineretul este totdeauna mai receptiv în fața evenimentelor mari și, deși serii întregi de generații erau pregătite cu dârzenie sfântă din tată în fiu pentru a fi gata în ora eliberării, în cursul războiului balcanic, tineretul universitar din cuprinsul Ardealului, ori unde se găsea el, simțea nevoia unei mai strânse colaborări, căci pare că-i spunea cineva, că se apropie plinirea vremii. Studențimea română din Cluj, din Budapesta și Viena, se frământa și mișunau scrisorile între centrele studențești, pentru ca în momentul suprem al renașterii, nici o conștiință românească să nu stea amorțită. Așa se explică, cum de a cutezat studențimea de la Școala superioară de mine, metalurgie și silvicultură din Schemnitz, un grup infim de 16—20 de români, din totalul de 6—700 studenți, să trăiască o viață românească cu calcule cari să le angajeze puterile

de muncă, până în cele mai mici amănunte, pentru cerințele serviciului din Ardealul, pe care simțeau că trebue să-l vadă cu ochii cum se va alipi de patria mamă. De atitudinea dușmănoasă a Ungurilor neaoși nu s'au sinchisit. Atacurile dușmănoase ale renegaților parveniți din șirul tuturor naționalităților, le respingeau cu înfierări demne.

Mai mult, ei nu înțelegeau a face corp comun cu studențimea maghiară care avea un cerc de studii elegant, ci își cultivau și trăiau viața lor românească în grup, învățând cântece și citind ziare și reviste românești, chiar în sălile de curs.

Ciocnirile mărunte între mâna de Români și grupurile mari de studenți unguri, majoritatea renegați, proveniți din Slovaci, Ruteni, Nemți sau chiar Români, erau la ordinea zilei. Dar ele au culminat în cele mai murdare invective aruncate de către un grup de studenți din cercul secuesc, unui grup de studenți români, pe care l-a găsit într'o seară (a. 1912) șezând liniștit la o masă din cafeneaua locală. Cuvinte, ca: valahi sălbatici, gunoiul societății, sunt din acelea pe cari abia le rabdă hârtia. Nici imnul național maghiar n'a fost cruțat, ci intonat cu răgete de bețivi, pentru a forța pe studenții români a se scula de la masa unde stăteau mândri, fără a lua în seamă josniciile scandalagiilor. Când Românii, plictisiți de aceste hărțueli, s'au decis a părăsi cafeneaua, Petruțiu, a fost acela care înainte de a eși, le-a replicat: „Da, suntem sălbateci, dar se vede că totuși mai culți decât voi".

Atacurile nu s'au oprit aici, căci sosind la scurt interval, un alt grup de români care nu avea cunoștință de cele întâmplate, el a fost scos cu amenințări de revolver din cafenea.

Românii s'au plâns la Rectorat contra agresorilor, iar rezultatul a fost că profesorul anchetator, renegat și el, (cu nume sârbesc) și-a stors merite prin a scoate tot pe Români vinovați de felul cum interpretau cuvântul de „renegat".

Nu poate fi trecută cu vederea întrebarea pusă de profesorul anchetator colegului Petruțiu: „Adevărat că D-ta ai declarat unui coleg că vorbești mai bucuros oricare altă limbă, în afară de cea maghiară, iar dacă totuși ești nevoit a vorbi ungurește trebue să-ți speli gura?". La această întrebare Petruțiu a răspuns: „Colegului meu, care mă apostrofa mereu pentru ce citesc ziar românesc și de ce vorbesc românește la cursuri cu colegii români, când s'au dat atâtea ordine ca în cuprinsul școlii să nu vorbim decât ungurește, i-am răspuns că, și un câine credincios, dacă este mereu lovit de stăpân cu piciorul, de la o vreme îl părăsește; tot astfel facem și noi, când ne vedem hărțuiți mereu cu obligația de a vorbi ungurește, ajungem să îndrăgim mai de grabă ori care altă limbă".

Năpustirile ungurilor asupra noastră, s'au deslănțuit și din gura președintelui tinerimii maghiare (un german renegat) în cadrul unui discurs ținut de la tribuna serbărilor naționale din 15 Martie, la care studenții români au răspuns prin ziarul local, angajându-se la o polemică înverșunată, în cursul căreia, în afară de faptul că au recurs la proces de presă pe care l-au câștigat, merită să fie remarcată frumusețea stilului arhaic pe care îl folosea colegul Petre Fotoc, în redactarea răspunsurilor. Cel mai autentic stil de cronicar, era împănat cu fraze

de efect autoritar, specifice numai scriitorilor de pe pusta Ungarei trăiţi în plină libertate.

Anul 1940 ne-a răpit atât pe I. Petruţiu, cât şi pe P. Fotoc, combatanţii neînfricaţi de atunci.

Ceea ce pluteşte în negura nedeslușirei pentru ambii, este adânca resemnare de care au dat dovadă după înfiriparea României Mari. Câtă vreme ne găseam în epoca de restrişte, ei luptau în primele rânduri pline de riscuri, jurând a se jertfi pentru înfăptuirea României Mari, şi legându-se a ţine locul la 10, pentru a suplini lipsurile din cadre. Dar în cele din urmă, după unire, când s'au ivit oamenii ca ciupercile după ploaie, ei s'au retras ca filozofii antici la o singură potecă modestă, muncind ca oricare altul, fără a înţelege să-şi formuleze merite din atitudinea trecutului.

Nu e puţin lucru, ca după o luptă înfierbântată, dusă pieptiş şi câştigată cu toate fazele ei frumoase de ansamblul unui vis, să ştii, atunci când ţi-au dispărut urcuşurile grele, să alegi dintre nenumăratele poteci, toate drepte şi ademenitoare, pe una singură, fără a lăcomi la mai multe şi fără a invidia măcar pe profitori.

Petruţiu şi Fotoc au fost oameni tari, cari au veghiat atenţi cu candela conştiinţei naţionale, aprinsă de strămoşii noştri în vetrele familiare ale satelor de la poalele Carpaţilor, fără a cunoaşte pericol, dar şi fără a cere recompensă pentru încordarea lor titanică de altă dată, ci mulţumindu-se a vedea pe cei mulţi fericiţi.

Cât de amare trebue să le fi fost ultimele zile ale vieţii, când au trebuit să constate că jertfa lor din tinereţe n'a fost suficientă pentru consolidarea pe veci a românismului pe plaiurile pe cari a trăit veacuri dearândul?

Este rândul generaţiei de azi ca din viaţa pilduitoare a unui Petruţiu şi Fotoc, să tragă învăţăminte pentru lupta viitoare.

*I. Zeicu*

---

## † NICOLAE I. MARŢIAN

3.XII.1888—20.XI.1940

In seara zilei de 20 Noembrie 1940, s'a stins din viaţă la locuinţa sa din Craiova N. I. Marţian, inginer inspector general silvic, în urma unui atac de cord.

Născut la 8 Decembrie 1888 în Comuna Balşi Judeţul Romanaţi (fiu de învăţător), a făcut şcoala primară în oraşul Caracal, unde a urmat şi cursul inferior al liceului. După ce a terminat Liceul Carol I din Craiova în 1907 a urmat anul I la facultatea de Ştiinţe din Bucureşti, iar după aceasta a trecut la Şcoala Superioară de Silvicultură dela Brăneşti pe care a absolvit-o în anul 1914.

A intrat în serviciul silvic al Statului la 1 Aprilie 1914 cu gradul de Inginer silvic asistent, la Serviciul ridicărilor în plan al Casei Pă-

durilor. A fost apoi şef de ocol la: Cozia, Curt-Bunar, Schitu-Greci, Romula (Caracal). In luna Iunie 1924 a fost numit la Direcţia Silvică Sebeş ca Inspector de Control, unde a activat până la 15 Mai 1930, când a fost numit Şeful Secţiei Silvice din Directoratul 5 Ministerial Craiova şi apoi Şef al Inspectoratului Craiova. In ultimii 3 ani s'a simţit suferind de inimă şi cu toate că boala îl avertiza prin desele crize pe care le avea în ultimul timp, a continuat a lucra mereu până în ziua de 20 Noembrie, când în urma unui puternic atac de cord, desnodământul fatal nu a mai putut fi împiedicat.

Marţian a fost un om drept şi de caracter, bun camarad, funcţionar priceput şi cu multă judecată. Deaceea, oriunde a activat, a avut numai prieteni. Datorită calităţilor sale a urcat toate treptele ierarhiei până la gradul de inginer inspector general silvic.

Serviciul silvic al Statului pierde în Nicolae Marţian un element de valoare, iar familia sprijinul şi sfătuitorul său.

A fost înmormântat în ziua de 22 Noembrie 1940 în cimitirul din Caracal în cavoul familiei.

In cinste să-i fie amintirea, iar lumina veşnică să-l cuprindă în dragostea ei.

*I. I. S.*

---

**Pentru a primi revista regulat şi la timp, vă rugăm anunţaţi-ne imediat schimbările de adresă.**

# PUBLICAŢIUNI

## DECIZIUNI MINISTERIALE

### MINISTERUL AGRICULTURII ŞI DOMENIILOR

Direcţiunea Regimului silvic

DECIZIUNE

Noi, Ministru Secretar de Stat la Departamentul Agriculturii şi Domeniilor;

Asupra raportului Domnului Director al Direcţiunei Regimului Silvic;

Având în vedere art. 2 din codul silvic;

Având în vedere art. V din legea modificatoare la codul silvic, publicată în Monitorul Oficial No. 131/920.

DECIDEM:

a) Amenajamentul pădurii Măgura Buticeanca, judeţul Arad, proprietatea Comunei Buteni, în suprafaţă de 580 ha. 5300 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani Revizuirea după 10 ani.

b) Amenajamentul pădurii Dumbrava, judeţul Alba, proprietatea Comunei Podeni-Turda, în suprafaţă de 541 Ha 6900 mp. tratată într'o serie de codru în aşteptare şi una serie de crâng simplu cu revoluţia 25 ani. Revizuirea după 25 ani.

c) Amenajamentul pădurii Hârtop, judeţul Baia, proprietatea O. Tatos, în suprafaţă de 251 ha. 9000 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani

d) Amenajamentul pădurii Dumbrava şi Belensig, judeţul Arad, proprietatea Comunei Berechiu, în suprafaţă de 235 ha. 4900 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

e) Amenajamentul pădurii Apateu, judeţul Arad, proprietatea Comunei Apateu, în suprafaţă de 219 ha. 6700 mp. Regim şi tratament crâng compus. Revoluţia 30 ani pentru elementul crâng şi 90 ani pentru rezerve. Revizuirea după 10 ani.

f) Amenajamentul pădurii Bourul, judeţul Roman, proprietatea Cristea N. Solomon, în suprafaţă de 77 ha. 3200 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 20 ani.

g) Amenajamentul pădurii Pecoina, judeţul Severin, proprietatea D. Blidariu, în suprafaţă de 49 ha. 5700 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

h) Regulamentul de exploatare al pădurii Vârful Juncului s. a., judeţul Buzău, proprietatea N. Brătescu, în suprafaţă de 25 ha. 6720 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani

i) Regulamentul de exploatare al pădurei Ştefăneşti Cerşani, judeţul Argeş, proprietatea Elena N. Constantinescu în suprafaţă de 19 ha. 7625 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 25 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 1 Noembrie 1940, în Cabinetul Nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*
No. 29412/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Ciomăgeşti, judeţul Olt, proprietatea Eforiei Spitalelor Civile din Bucureşti în suprafaţă de 622 ha. 1200 mp. Regim şi tratament crâng cu rezerve. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

b) Amenajamentul pădurii Juliţa, judeţul Arad, proprietatea Composesoratului din Juliţa în suprafaţă de 106 ha. 800 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 40 ani. Revizuirea după 10 ani.

c) Amenajamentul pădurii La Furcele, judeţul Alba, proprietatea Comunei Gura Arieşului în suprafaţă de 10 ha. 500 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 7 Noembrie 1940, în Cabinetul Nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*
No. 29948/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Sibiel, judeţul Sibiu, proprietatea Comunei Sibiel, în suprafaăţ de 1296 ha. 800 mp. tratată în o serie de codru cu tăeri succesive şi una serie de codru cu tăeri rase, fiecare cu revoluţia de 105 ani precum şi una serie de protecţie tratată în codru grădinărit. Revizuirea în anul 1956.

Dată astăzi 12 Noembrie 1940, în Cabinetul Nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*
No. 30205/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Vârful Bedeleului, judeţul Alba, proprietatea Comunei Rachiş, în suprafaţă de 132 ha. 5500 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

b) Regulamentul de exploatare al pădurei Valea Lenţei, judeţul Muscel, proprietatea Elena Ilie Ionescu ş. a., în suprafaţă de 58 ha. 5400 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 16 ani. Revizuirea după 16 ani.

c) Regulamentul de exploatare al pădurei Drăganul, judeţul Argeş, proprietatea Gh. I. Ioanicescu, în suprafaţă de 19 ha. 6735 mp. Regim şi tratament crâng simplu cu revoluţia 18 ani pentru stejar şi 14 ani pentru salcâm. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 12 Noembrie 1940, în Cabinetul Nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*
No. 30206/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Rocşoreni, judeţul Mehedinţi formând Seria XIII din Ocolul Silvic Strehaia, proprietatea Statului, în suprafaţă de 193 ha. 9100 mp. Regim şi tratament crâng cu rezerve. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 20 ani.

b) Amenajamentul pădurii Zăvoaiele Jiului şi Motrului din judeţele Dolj şi Mehedinţi formând Seria XII din Ocolul Silvic Filiaşi, proprietatea Statului, în suprafaţă de 207 ha. 5000 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 25 ani. Revizuirea după 25 ani.

c) Amenajamentul pădurii Zăvoaele Ocolului, judeţul Romanaţi, formând Seria III-a din Ocolul Silvic Bobiceşti, proprietatea

Statului, în suprafaţă de 84 ha. 1600 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 12 Noembrie 1940, în Cabinetul Nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*

No. 30207/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Grueţ Chişlaca, judeţul Bihor, proprietatea Comunei Chişlaca, în suprafaţă de 387 ha. 4700 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 40 ani. Revizuirea după 10 ani.

b) Regulamentul de exploatare al pădurii Schiau sau Negovani, judeţul Argeş, proprietatea Maria A. Dobrescu, în suprafaţă de 100 ha. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 12 ani. Revizuirea după 12 ani.

Dată astăzi 12 Noembrie 1940, în Cabinetul Nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*

---

a) Amenajamentul pădurii Bâlea, Seria IV-a din Ocolul Căiuţ, judeţul Bacău, proprietatea Statului, în suprafaţă de 1387 ha. 5200 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 96 ani. Revizuirea în anul 1950.

b) Amenajamentul pădurii Ceatalchioi Seria VII-a din ocolul silvic Tulcea, judeţul Tulcea, proprietatea Statului, în suprafaţă de 608 ha. 9000 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 15 ani. Revizuirea după 15 ani.

Dată astăzi 7 Noembrie 1940, în Cabinetul Nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*

No. 29949/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Odoba şi Tina Neagră, judeţul Buzău, proprietatea Ecaterina M. Antonescu, în suprafaţă de 138 ha. 9550 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 12 ani. Revizuirea după 12 ani.

b) Amenajamentul pădurii Muncei, judeţul Alba, proprietatea Rus Todor ş. a., în suprafaţă de 54 ha. 1800 mp. tratată în 2 serii crâng simplu cu revoluţia 20 şi 10 ani. Revizuirea după 10 ani.

c) Amenajamentul pădurii Rindic, judeţul Alba, proprietatea Teleki Adam, în suprafaţă de 32 ha. 1300 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

d) Amenajamentul pădurii Sub Păduri, judeţul Alba, proprietatea Varga Ion ş. a., în suprafaţă de 27 ha. 2100 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

e) Amenajamentul pădurii Meia, judeţul Alba, proprietatea Composesoratului din Pagida, în suprafaţă de 26 ha. 4100 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

f) Amenajamentul pădurii Fundătura Pădurea Mare, judeţul Alba, proprietatea Comunei Spălnaca, în suprafaţă de 20 ha. 3500 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

g) Amenajamentul pădurei Carnea, judeţul Alba, proprietatea Bisericei ort. române din Isvoarele, în suprafaţă de 19 ha. 4000 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

h) Amenajamentul pădurii Sub Păduri, judeţul Alba, proprietatea Bonta Petru ş. a., în suprafaţă de 14 ha. 900 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

i) Amenajamentul pădurii Stupina, judeţul Alba, proprietatea Composesoratului din Gâmbuţ, în suprafaţă de 12 ha. 4000 mp. Regim

şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.
Dată astăzi 7 Noembrie 1940, în Cabinetul Nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*
No. 29950/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Piatra Lungă ş. a. judeţul Alba, proprietatea Comunei Cicău, în suprafaţă de 174 ha. 900 mp. tratată în 2 serii de crâng simplu cu revoluţia 20 şi 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

b) Amenajamentul pădurii Frunzete Măguri, judeţul Alba, proprietatea Bisericei ortodoxe române din Georgiul de Sus, în suprafaţă de 57 ha. 6100 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

c) Amenajamentul pădurii Vericele ş. a., judeţul Alba, proprietatea comunei Uioara de Sus, în suprafaţă de 57 ha. 5500 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 10 ani.

d) Amenajamentul pădurii Cercuri, judeţul Alba, proprietatea comunei Mirislău, în suprafaţă de 55 ha. 800 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

e) Amenajamentul pădurii Lepinmezeu — La Cetate, judeţul Alba, proprietatea comunei Lopădea Nouă, în suprafaţă de 31 ha. 6800 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 7 Noembrie 1940, în Cabinetul Nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*
No. 29951/940.

---

a) Revizuirea amenajamentului pădurei Bocşa Montană, judeţul Caraş, proprietatea Soc. Anonime Uzinele de Fier şi Domeniile din Reşiţa (U. D R.), în suprafaţă de 5561 ha. 3900 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 100 ani. Lucrarea este valabilă până în anul 1943, când se va întocmi un nou amenajament.

b) Revizuirea amenajamentului pădurii Caraşova, judeţul Caraş, proprietatea Soc. Anonime Uzinele de Fier şi Domeniile din Reşiţa (U. D. R.) în suprafaţă de 5900 ha. 9300 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 100 ani. Lucrarea este valabilă până în anul 1943, când se va întocmi un nou amenajament.

c) Regulamentul de exploatare al pădurii Culmea Aninoşiţei, judeţul Gorj, proprietatea Teodor Floroiu, în suprafaţă de 13 ha. 2200 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 7 Noembrie 1940, în Cabinetul Nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*
No. 29952/940.

---

a) Revizuirea amenajamentului pădurii Dognocea, judeţul Caraş, proprietatea Soc. Anon. Uzinele de Fier şi Domeniile din Reşiţa (U.D.R.), în suprafaţă de 7193 ha. 3000 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri sucecsive. Revoluţia 100 ani. Lucrarea este valabilă până în anul 1943, când se va întocmi un nou amenajament.

b) Regulamentul de exploatare al pădurei Dăscălesti Valea Nucului, judeţul Buzău, proprietatea Eufrosina Şuţu, în suprafaţă de 38 ha. 2800 mj. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 15 ani. Revizuirea după 15 ani.

c) Regulamentul de exploatare al pădurei Valea Mare Băceasca, judeţul Muscel, proprietatea Dem. Duţoiu ş. a., în suprafaţă de 13 ha. 8300 mj. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

d) Regulamentul de exploatare al pădurei Udroaica, judeţul Argeş, proprietatea Pr. Gh. Popescu şi D-tru B. Cincă, în suprafaţă de 8058 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 25 ani. Revizuirea după 20 ani.

e) Regulamentul de exploatare al pădurei Băcanu ş. a., judeţul Muscel, proprietatea Gavrilă Chiriţă Cârstea, în suprafaţă de 4 ha. 3400 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 23 ani. Revizuirea după 20 ani.

f) Regulamentul de exploatare al pădurei Udroaica, judeţul Argeş, proprietatea Nic. C. Popescu, în suprafaţă de 1 ha. 1400 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 28 ani. Revizuirea după 20 ani.

g) Regulamentul de exploatare al pădurei Dealul Vârşogului, judeţul Argeş, proprietatea N. C. Mateescu; în suprafaăţ de 5015 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 35 ani. Revizuirea după 20 ani.

h) Regulamentul de exploatare al pădurei Colibi, judeţul Argeş, proprietatea Niţă M. Chinie, în suprafaţă de 1 ha. 9200 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 18 ani. Revizuirea după 18 ani.

i) Regulamentul de exploatare al pădurii Brătila, judeţul Dâmboviţa, proprietatea Pr. Pavel Popescu, în suprafaţă de 5 ha. 337 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

j) Regulamentul de exploatare al pădurii Călnăianu Pleoştina, judeţul Buzău, proprietatea D. I. Gâduiţă ş. a., în suprafaţă de 4 ha. 1000 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 80 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 7 Noembrie 1940, în Cabinetul Nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*

No. 30199/940.

---

a) Amenajamentul pădurei Greci, judeţul Olt, proprietatea Moşten. I. Kalinderu, în suprafaţă de 275 ha. 4900 mp. tratată în 2 serii de crâng cu revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

b) Regulamentul de operaţiuni culturale al pădurei Valea Ursului, judeţul Roman, proprietatea Spitalului Drăghici din Vaslui, în suprafaţă de 239 ha. 500 mp. făcând parte integrantă din amenajamentul în vigoare al pădurii aprobat prin D. M. No. 55/929 publicată în M. Of. No. 10/1929 p. II-a.

c) Amenajamentul pădurii Oţeleni, judeţul Roman, proprietatea moştenitorilor Eliza Nevronzzi, în suprafaţă de 46 ha. 2600 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuirea după 20 ani.

d) Regulamentul de exploatare al pădurei Dăscăleasca, judeţul Putna, proprietatea Ştefan Gaiţă, ş. a., în suprafaţă de 11 ha. 4360 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 20 ani. Revizuriea după 20 ani.

Dată astăzi 12 Noembrie 1940, în Cabinetul Nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) *P. Nemoianu.*

No. 30203/940.

---

a) Regulamentul de exploatare al pădurii Taia, judeţul Hunedoara, proprietatea Török Ştefan şi Şarlota, în suprafaţă de 166 ha 2400 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri rase. Revoluţia 90 ani. Pentru seria de protecţie codru grădinărit cu exploatabilitatea fizică. Revizuirea după 10 ani.

b) Amenajamentul pădurii Seleuş, judeţul Arad, proprietatea Comunei Seleuş, în suprafaţă de 103 ha 5800 mp. Regim şi tratament

Crâng compus. Revoluţia 30 ani. pentru elementul Crâng şi 90 ani pentru codru. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 17 Octombrie 1940, în Cabinetul nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.
No. 28025/940.

---

a) Revizuirea amenajamentului pădurii Bocşa-Română, judeţul Caraş, proprietatea Soc. Anonime Uzinelor de Fier şi Domeniile Reşiţa (U. D. R.), în suprafaţă de 4202 ha 6500 mp. Regim şi tratament Codru cu tăeri succesive. Revoluţia 100 ani. Lucrarea este valabilă până în anul 1943, când se va întocmi un nou amenajament.

Dată astăzi 17 Octombrie 1940, în Cabinetul nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.
No. 28033/940.

---

a) Revizuirea amenajamentului pădurii Tirol, judeţul Caraş, proprietatea Soc. Anonimă Uzinele de Fier şi Domeniile din Reşiţa (U. D. R.), în suprafaţă de 3347 ha 6200 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 100 ani. Lucrarea este valabilă până în anul 1943, când se va întocmi un nou amenajament.

b) Revizuirea amenajamentului pădurii Reşiţa de Jos, judeţul Caraş, proprietatea Soc. Anonimă Uzinele de Fier şi Domeniile din Reşiţa (U. D. R.), în suprafaţă de 3268 ha 3700 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 100 ani. Lucrarea este valabilă până în anul 1943, când se va întocmi un nou amenajament.

Dată astăzi 17 Octombrie 1940, în Cabinetul nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.
No. 28034/940.

---

a) Revizuirea amenajamentului pădurei Văliug, judeţul Caraş, proprietatea Soc. Anonomiă Uzinele de Fier şi Domeniile din Reşiţa (U. D. R.), în suprafaţă de 11466 ha 2200 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 100 ani. Lucrarea este valabilă până în anul 1943, când se va întocmi un nou amenajament.

b) Revizuirea amenajamentului pădurii Brebul, judeţul Caraş, proprietatea Soc. Anon. Uzinele de Fier şi Domeniile din Reşiţa, în suprafaţă de 3449 ha 7500 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri succesive. Revoluţia 100 ani. Lucrarea este valabilă până în anul 1943, când se va întocmi un nou amenajament.

c) Amenajamentul pădurei Dâmbul Vălanilor, judeţul Arad, proprietatea Soc. de Cumpărare Dumbrava, în suprafaţă de 116 ha 2100 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri rase. Revoluţia 80 ani. Revizuirea după 20 ani.

d) Regulamentul de exploatare al pădurii Muştieşul, judeţul Severin, proprietatea Văd. Veturia Craşovan ş. a., în suprafaţă de 38 ha 500 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 17 Octombrie 1940, în Cabinetul nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.
No. 28036/940.

---

a) Amenajamentul pădurei După Deal, judeţul Alba, proprietatea Comunei Pagida, în suprafaţă de 109 ha 5500 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

b) Amenajamentul pădurii Gişteag, judeţul Alba, proprietatea Composesoratului Morice Adalbert din Colţeşti, în suprafaţă de 25 ha 8100 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 17 Octombrie 1940, în Cabinetul nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.
No. 28037/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Bârsăneşti, judeţul Bacău, proprietatea Ana Ercol Roseti, în suprafaţă de 203 ha 200 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 25 ani. Revizuirea după 20 ani.

b) Regulamentul de exploatare al pădurei Popeştii de Faţă ş. a., judeţul Buzău, proprietatea Agata Popescu ş. a., în suprafaţă de 60 ha. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 15 ani. Revizuirea după 15 ani.

c) Regulamentul de exploatare al pădurei Podul Malului ş. a., judeţul Buzău, proprietatea Agata Popescu ş. a., în suprafaţă de 49 ha 900 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 15 ani. Revizuirea după 15 ani.

d) Regulamentul de exploatare al pădurei Câmpul Bulzului, judeţul Hunedoara, proprietatea Török Ştefan ş. a., în suprafaţă de 49 ha 2400 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri rase. Revoluţia 80 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 17 Octombrie 1940, în Cabinetul nostru.
Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.
No. 28038/940.

---

Art. II. — Revizuirea amenajamentelor şi regulamentelor de exploatare mai sus menţionate se va face la epoca arătată în dreptul fiecăruia. Dacă vreuna din păduri în total sau în parte, intră în dispoziţiunile legilor: pentru protecţia monumentelor naturei, pădurilor necesare apărării naţionale, pădurilor de protecţie, revizuirea se va face şi mai înainte de acest termen.

Art. III. — Aceste regulamente de exploatare, amenajamente etc., se aprobă numai din punct de vedere tehnic silvic, luându-se drept definitivă situaţia comunicată de organele de aplicare a legii pentru reforma agrară.

Constatându-se însă în urmă că arătările din acest amenajament (regulament de exploatare), referitoare la suprafaţa pădurii, la numele proprietarului etc., au fost date eronat sau între timp au suferit schimbări fortuite, ele se va revizui imediat fie din punct de vedere technic-silvic, fie asupra proprietăţii etc. Amenajamentul (regulamentul de exploatare) nerevizuit la termen de parte, este nul şi neavenit.

Art. IV. — Toate celelalte dispoziţiuni prevăzute în studiile respective şi articolul adiţional anexat fiecăruia, sunt executorii.

Art. V şi ultimul. — Domnul Director al Direcţiei Silvice este însărcinat cu executarea prezentei Deciziuni.

---

b) Amenajamentul pădurii Gişteag, judeţul Alba, proprietatea Composesoratului Morice Adalbert din Colţeşti, în suprafaţă de 25 ha 8100 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 30 ani. Revizuirea după 10 ani.

Dată astăzi 17 Octombrie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.

No. 28037/940.

---

a) Amenajamentul pădurii Bârsăneşti, judeţul Bacău, proprietatea Ana Ercol Roseti, în suprafaţă de 203 ha 200 mp. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 25 ani. Revizuirea după 20 ani.

b) Regulamentul de exploatare al pădurei Popeştii de Faţă ş. a., judeţul Buzău, proprietatea Agata Popescu ş. a., în suprafaţă de 60 ha. Regim şi tratament crâng simplu. Revoluţia 15 ani. Revizuirea după 15 ani.

c) Regulamentul de exploatare al pădurei Podul Maluluĭ ş. a., judeţul Buzău, proprietatea Agata Popescu ş. a., în suprafaţă de 49 ha 900 mp. Regim şi tratament Crâng simplu. Revoluţia 15 ani. Revizuirea după 15 ani.

d) Regulamentul de exploatare al pădurei Câmpul Bulzului, judeţul Hunedoara, proprietatea Török Ştefan ş. a., în suprafaţă de 49 ha 2400 mp. Regim şi tratament codru cu tăeri rase. Revoluţia 80 ani. Revizuirea după 20 ani.

Dată astăzi 17 Octombrie 1940, în Cabinetul nostru.

Ministrul Agriculturii şi Domeniilor, (ss) P. Nemoianu.

No. 28038/940.

---

Art. II. — Revizuirea amenajamentelor şi regulamentelor de exploatare mai sus menţionate se va face la epoca arătată în dreptul fiecăruia. Dacă vreuna din păduri în total sau în parte, intră în dispoziţiunile legilor: pentru protecţia monumentelor naturei, pădurilor necesare apărării naţionale, pădurilor de protecţie, revizuirea se va face şi mai înainte de acest termen.

Art. III. — Aceste regulamente de exploatare, amenajamente etc., se aprobă numai din punct de vedere tehnic silvic, luându-se drept definitivă situaţia comunicată de organele de aplicare a legii pentru reforma agrară.

Constatându-se însă în urmă că arătările din acest amenajament (regulament de exploatare), referitoare la suprafaţa pădurii, la numele proprietarului etc., au fost date eronat sau între timp au suferit schimbări fortuite, ele se va revizui imediat fie din punct de vedere technic-silvic, fie asupra proprietăţii etc. Amenajamentul (regulamentul de exploatare) nerevizuit la termen de parte, este nul şi neavenit.

Art. IV. — Toate celelalte dispoziţiuni prevăzute în studiile respective şi articolul adiţional anexat fiecăruia, sunt executorii.

Art. V şi ultimul. — Domnul Director al Direcţiei Silvice este însărcinat cu executarea prezentei Deciziuni.

---

REVISTA PĂDURILOR
ORGANUL SOCIETĂȚII „PROGRESUL SILVIC" — ANUL 52

# TABLA DE MATERII

## PE ANUL 1940

„Bucovina" I. E. Torouțiu București

# TABLA DE MATERII

## ARTICOLE

*Studii, referate, comentarii, însemnări, problemele zilei:*

## VÂNĂTOARE — PESCUIT

CRONICA INTERNĂ



CRONICA EXTERNĂ

## RECENZII

### *Cărți*

## Reviste



## INFORMAŢIUNI



## SOC. „PROGRESUL SILVIC"

Autorul: Titlul articolului Pag.

## CERCUL DE STUDII FORESTIERE

*(Conferinţe)*



## NECROLOGIE



## L E G I

EDITURA SOCIETĂȚII „PROGRESUL SILVIC"

III. — SERIA C. — TRATATE ȘI MANUALE:

Dr. G. ELIESCU

PROTECȚIA PADURILOR

UN VOLUM DE 275 PAGINI LEI 270

EDITURA SOCIETĂȚII „PROGRESUL SILVIC"

AU APĂRUT:

I. SERIA A. — BIBLIOTECA DE POPULARIZARE:

D. A. SBURLAN

ARBORII ȘI PĂDURILE NOASTRE

78 pagini, 20 lei

II. SERIA B. — INDRUMĂRI:

Z. PRZEMETSCHI și GR. VASILESCU

TEHNICA ÎMPĂDURIRILOR

(SEMINȚE, PEPINIERE, IMPADURIRI)

166 pagini, 60 lei

EPUIZAT

III. — SERIA C. — TRATATE ȘI MANUALE:

Prof. V. N. STINGHE

AMENAJAREA PĂDURILOR

UN VOLUM DE 255 PAGINI

D. A. SBURLAN

INSTALAȚII DE TRANSPORT PENTRU EXPLOATĂRI FORESTIERE

UN VOLUM DE 304 PAGINI

INST. DE ARTE GRAFICE BUCOVINA I. E. TOROUȚIU BUCUREȘTI